

# 12% विशेष



Une Gazelle of

सं 0 317

नई बिस्ली, शनिवार, अगस्त 4, 1984 (श्रावण 13, 1906).

PUBLISHED BY AUTHORITY

No. 31)

NEW DELHI, SATURDAY, AUGUST 4, 1984 (SRAVANA 13, 1906)

हस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि यह अलग संकलत के कप में रखा जा सके (Superate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

# माप 111--वन्द्र 1

# [PART III—SECTION 1]

- उच्च ग्यायालणीं, नियम्बक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

'Acations issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union ablic Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India?

मंघ लोक सेवा ग्रायोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 4 ज्लाई, 1984

सं० ए० 33012/1/84-प्रणा०-IJ-- प्रधान लेखा

म कार्मिक और प्रणासनिक सुधार विभाग, गृह मंत्रालय
और, गृह मंत्रालय के ज्ञापन सं० 24/प्र० ले/का

ह सु०/84-85/बी० डी० के०/378 दिनांक 19

84 के अनुसरण में संघ प्रोक सेवा

ब एवं लेखा अधिकारी गु० यं।० डी०
हैं। ज्लाई, 1984 (अपराक्ष) से उनके अपने

पूर्णर मूख नियम 56(के) के अधीन सरकारी नेवा
की को अनमित यो जाती है।

एम० पी० <mark>जैन,</mark> श्रवर सचिव

गृह मंत्रालय

का० एवं प्र० मु० विभाग केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरी नई दिल्मी, दिनांक 1984

मं ० ए०-12025/1/81-प्रणां ०-5--श्री विजय हुमार मर्मा, लोक श्रभियोजक को, उनके स्वयं के श्रन्रोध 1--1766184

पर, दिनांक 30-6-1984 के ग्रपराह्म में कार्यभार मुक्त कर दिया गया है।

दिनांक 12 जुलाई, 1984

मं० बी-5/73-प्रशासन-5-निदेशक केन्द्रीय भ्रन्वेपण ब्यूरी एवं पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना एतद्वारा भ्रान्ध्र प्रवेभ के नेवा निवृत्त पुलिस उपाधीक्षक, श्री वी० कामराजू को, पुर्नानयुक्ति पर, दिनांक एक जुलाई, 1981 के पूर्वाह्न में दो वर्ण के निये, भ्रस्थाई रूप से, केन्द्रीय अन्थेषण ब्यूरी, हैदराबाद भाषा में पुलिस उपाधीक्षक में रूप में नियुक्त करते हैं।

मं वी ०/5/73-प्रणासन-5-निवर्तन की श्राय प्राप्त कर लेने पर, श्रान्ध प्रदेश पुलिस ने केन्द्रीय श्रन्वेपण ब्यूरो में प्रतिनियुक्त पुलिस उपाधीक्षक, श्री बीठ कामराजू की सेवार्ये, दिनांक 30 जून, 1983 के श्राराह्म में. सान्ध्र प्रदेश सरकार की सींप दी गई।

सं० ए-19027/3/81-प्रणासन-5- इस वार्यालय के समसंख्यक ग्रंधिमूचना, विनाक 21-3-1984 के कम में राष्ट्रपति शपने प्रमाद में श्री एस० के० दास गुप्ता कनिष्ट वैज्ञानिक ग्रंधिकारी (फोटो) को दिनांक 31-8-84 संक को ग्रीर ग्रविश के लिये केन्द्रीय न्याय वैद्यक विज्ञान

(17515)

प्रयोगशाला केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में तदर्थ श्राधार पर स्थाना-पन्न वरिष्ठ वैज्ञानिक श्रिधकारों (फोटों) के रूप में नियुक्त करने हैं।

मं० ए० 22015/2/82-प्रशासन 5-समपंख्यक द्याध-सूचना, दिनांक 23 मई, 1984 के कम में. राष्ट्रपति प्रपंग प्रसाद से, अर्थका जे० एत० सरीन और के० भौषी, परिष्ठ लोक रामियोजक को, दिनांक 30-6-84 से नियमित ग्राधार पर, केन्द्रोग अन्वेषण ब्यूगी, में जा-त्रिध सनाहकार के का में नियक्त करते हैं।

> धार० एग० नागपाल प्रणामनिक अधिकारी (स्था०) केन्द्रीय श्रन्वेषण ब्यूरी

कार्यालय : निर्देशक लेखा परीक्षा, केन्द्रीय राजस्य नई दिल्ली-110002, दिनांक 16 जुलाई 1984

सं व प्रभाव-1/काव ग्राव संख्या/140—इस कार्यालय के एक स्थायो लेखा परोक्षा श्रीधकारी, श्री रामेन्द्र प्रशाद धोप वार्थ्कय ग्रायु प्राप्त करने के परिणायस्वरूप 31 जुलाई 1984 अपराह्न की भारत राज्यान की नेवा में मेबा निवृत्त हो जाएंगे। श्री रामेन्ट प्रशाद घोष श्राजकत कुदाल कमीशन श्राफ उनन्यवारी में प्रतिनिय्क्ति पर हैं।

उन्तर्भः जन्म विधि 25 जुलाई 1926 है।

वियमूर्ति (प्रणात)

उप निदेशक लेखा परीक्षा (प्रणा०)

### रक्षा मंत्रातय

# भारतीय आर्डीनेत्य फैक्टरियां सेवा ग्रार्डनेन्स फैक्टरी बोर्ड

कलकत्ता, दिनांक 5 जुलाई, 1984

सं० 32/जी/84---राष्ट्रपति गहोदय निम्नलिखित ग्रिधिकारी को स्थानापन्न एडिशनल डी० जी० ग्रो० एफ० मदस्य के पट पर उनके सामने दर्णाई गई तारीख से नियुक्त करने हैं:---

श्री एने० के० पदमानाभन---1ली जून, 1984। (स्थानापत्र डी० डी० जा० श्री एक० (स्तर--1)

मं० 33/बी/84:—-राष्ट्रपनि महोदय निम्नलिखित अधिकारी को स्थानापन्न बब्ल्यु० एम० के पद पर उनके सामने दर्णाई गई नाराख से नियुक्त करते हैं:——

श्री श्राराव केव समील-30वीं श्रप्रैल, 1984 एवं स्टब्स्व एमवं (परखावधि)

मं ० 3 ्रीजी/84—राष्ट्रपति महोदय निम्नलिखित श्रधि-ाचियों को स्थानायस ए० डब्स्यू० एम० के पद पर उनके सामने दर्शाई गई ताराख से नियुक्त करते हैं:—

- 1. श्रं बिमलेन्दु गुहा, फोरमैन 31वीं मार्च, 1984
- 2. श्री एस० एन० सरकार, फोरमैन 31वीं मार्च, 1984
- 3. श्री कृष्णा झा, फोरमैन 31वीं मार्च, 1984

-1.	श्रो एस० के० बालासुब्रमनियम,	7.5 - 7.5
	फोर <b>मै</b> न	31वीं मार्च, 1984
5.	श्री एस० श्रीधरन, फीरमैन	31वीं मार्च, 1984
6.	श्रो बी० वेंक्रटेशन, फोरमैन	31वीं मार्च, 1984
7.	श्री टी० के० ची० शास्त्रत,	
	फोर <b>मै</b> त	31वीं मार्च, 1984
8.	श्रो डो॰ डो॰ भट्टीचाजी, फोरमैन	2 त्वीं धप्रैल, 1984
9.	थो धार० एन० सिस्स, फेर्डिमैन	31वीं मार्च, 1984
10.	श्री कें एस० धर, कोरमैत	31वीं मार्च, 1984
11.	श्री ए० उन्नोकृष्णन फोरमैन	31वीं मार्च: 1984
1 2.	श्रो सो० मुकुमारन उन्नो, फोरमैन	31वीं मार्च, 1 <b>9,8</b> 4
1 3.	श्री श्रार० बी० जोशी, फोरमैन	31वीं मार्च, 1984
14.	श्रो एन० श्रोनिवासन, फोरमैन	31वीं मार्च, 1984
15.	श्री एस० के० दासगुप्ता, फोरमैन	31वीं मार्च, 1984
16.	श्री ग्रब्दुल मजीद, फोरमैन	31वीं मार्च, 1984
17.	श्री एम० ग्रार० ग्रक्षाजी, फोरमैन	31वीं मार्च, 1984
18.	श्री ग्रब्दुल श्रजीज, फोरमैन	3 1वीं <b>मार्च</b> , 1984
19.	श्रीडी० एम० तलेगांत्रकर,	
	स्टोर होल्डर	31वीं मार्च, 1984
20.	श्री एस० पु]० गर्मा, फोरमैन	31वीं मार्च, 1984
		वी० के० मेहता,
		निवेणक

कलकत्ता, दिनांक 6 जुलाई, 1984

मं० 35/जो/84—वार्धक्य निवृत्ति आय (58 वर्ष) प्राप्त कर श्री छी० सैन, स्थानापन्न एस० ग्रो० (मौतिक एक स्थाई सहायक) विनाक 30 जून, 1984 (ग्रपराह्न) में मेवा निवृत्त हुए।

सं० 36/जो/84+→ वार्धक्य नियृत्ति श्रायु (58 वर्ष) प्राप्त कर, श्री ए० वो० लाल, संयुक्त निदेशक, आर्डेनेन्स फैक्टरी बोर्ड, दिनांक 30 जून, 1984 (ग्रभराह्म) से सेवा नियृत्त हुए।

वी० के० **भेद्रा** 

### श्रम विभाग

# कारखाना सलाह सेवा श्रीर श्रम विज्ञान केन्द्र, महासिदेणालय

बम्बई, दिनांक, 12 जुलाई, 1984

सं० 15/12/79-स्थापना—— इा० के० सूर्यना गयण्यम, सहायक निदेणक (श्रीग्रोगिक मनीविज्ञान), कार्यकाना सलाह सेवा श्रीर श्रम विज्ञान केन्द्र महानिदेणालय वस्वई को सहायक निदेशक (श्रीग्रोगिक मनोविज्ञान) के पद से दिनांक 2 जुलाई, 1984 (श्रपराह्न) से इस्तीका देने को इजाजत वो जाती है।

वो० भ्रार० सुरेन्द्रनाथन, महानिदेशक

# वाणिज्य मंत्रालय

मुख्य नियंत्रक, श्रायात निर्यात का कार्यालय श्रायात श्रौर निर्यात व्यापार नियंत्रण (स्थापना)

नई दिल्ली, दिनांक 2 जुलाई, 1984

सं० 1/16/83-प्रा० (राज)/5669- राष्ट्रपति, श्री एन० प्रसाद (केन्द्रोय सिवालय सेवा की प्रवरण श्रेणों की प्रवरण सूची, 1983) को मुख्य नियंत्रक, श्रायात निर्यात के न्यायालय, नई दिल्लों में 30-6-84 (श्रपराह्न) से 3 मास की ग्रवधि के लिये तदर्थ ग्राधार पर केन्द्रीय सिवालय सेवा की प्रवरण श्रेणी में स्थानापन्न क्ष्य से ग्रीर संयुक्त मुख्य नियंत्रक, ग्रायात एवं निर्यात के क्ष्य में नियुक्त करते हैं।

प्रकाशः चन्द जैन, मुख्य नियंद्रक भ्रायात एव नियति

### वस्त्र विभाग

# वस्त्र भ्रायुक्त का कार्यालय

बम्बई-20, दिनांक 10 जुलाई, 1984

सं० (297)/ई० एस० टी० 1/84/3897—इस कार्यालय की श्रीमती एम० बी० पेडनेकर, सहायक निदेशक, श्रेणी सेवा निवृत्ति की श्रायु पूरी करती हुई दिनांक 30 जून,1984 के श्रपराह्म से सेवानिवृत हो गई।

मं० 2(96)/ई० एस० टी/1/84/3901—इस कार्यालय के श्री बी० एल० गजाकोस, सहायक निदेणक श्रेणी II सेवा निवृत्ति की आयु पूरी करते हुए दिनांक 30 जून, 1984 के श्रपराह्न से सेवा निवृत्त हो गये।

वी० कु०श्रीवास्तब, उप निदेशक (प्रशा०)

# इस्पात ग्रीर खान मंत्रासय (खान विभाग)

# भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता--700016, दिनांक 7 जुलाई, 1984

सं० 4832बी/ए-ए-31013/पुस्तकाध्यक्ष/77-19 सी०—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के महानिदेशक, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के निह्नलिखिल प्रधिकारियों की पुस्तकाध्यक्ष (समूह "ख" राजपित्रत) की कोटि में, 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में, प्रत्येक के सामने दर्शाई गई तिथि से पुष्टि कर रहे हैं:--

ऋम सं० नाम	पुष्टि तिथि
1. श्री भ्रजय रंजन चऋवर्ती	14-2-79
<ol> <li>श्री एन० एल० मुखर्जी</li> </ol>	1-12-79
<ol><li>श्री टी० कामेक्बर राव</li></ol>	1-2-82

सं० 4846/बो/ए-19012(1-सो० वी० एस०)/76-19-ए०--भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के सहायक भूवैज्ञानिक श्री सी० बो० गेषात्रि ने भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में सहायक भूवैज्ञानिक के पद का कार्यभार 18-4-1984 (ग्रपराह्म) से त्यागपद्म पर छोड़ दिया।

श्रमित कुणरी निदेणक (कार्मिक) **क्**से महानिदेशक

# भारतीय खान ब्यूरो नागपुर, दिनांक 11 जुलाई, 1984

मं० ए० 19011(333)/83-स्था० ए०/पी० पा०-निवर्तन की श्रामु पूर्ण कर सेवानिवृत्त होने पर श्री सी० एस० राव, उप खनिज श्रर्थणास्त्री (सांख्यिकी) को 30 जून, 1984 के श्रपराह्म से भारतीय खान ब्यूरों के कार्यभार से मुक्त कर दिया गया है श्रीर तदनुसार उनका नाम इस विभाग को प्रभावी स्थापना से काट दिया गया है।

> पां० पा० वादी, प्रशासन अधिकारी कृते महानियंत्रक

# श्राकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 11 जुलाई, 1984

सं० 4(44)/84-एम० एक--महानिदेशक श्राकाशवाणी श्रीमती ए० बी० तुलापुरकर को विज्ञापन प्रसारण सेवा, ग्राकाशवाणी, बम्बई में 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-12000 रुपये के वेतन-मान में 31 मई, 1984 से श्रगले श्रादेशों तक ग्रस्थाई रूप में कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

हरीश अन्द्र जयाल, प्रणासन उपनिदेशक कृत महानिवेशक

# स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय न**र्ष दि**ल्ली, दिनांक 6 जुलाई, 1984

सं० ए० 22013/1/83-के० स० स्वा० यो०-1—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने केन्द्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसन्धान परिषद में अनुसन्धान अधिकारी (यूनानी) हकीम गुलाम मेहदी को 16 अक्तूबर 1980 से 1 जनवरी, 1981 तक की अवधि के लिये अनुसन्धान अधिकारी (यूनानी) की अपनी ह्यूटी के अलावा, केन्द्रीय भरकार स्वास्थ्य योजना, दिल्ली में यूनानी कार्य चिकित्सक के पद पर नियुक्त किया है।

टी० एस० राव उप निदेशक प्रशासन

# नई दिल्ली, विनोक 11 जुलाई, 1984

सं० ए० 19019/5/84—एम० एच०—स्वास्थ्य संवा महानिदेशक ने श्री टी० ग्रार० कपूर की 28 मई, 1984 (पूर्वाह्म) से 650-30-740-35-880-द० रो०-40-960 रुपये के वेतन मान में डा० राम मनोहर लोहिया ग्रस्पताल, नई दिल्ली में भण्डार ग्रिधिकारी के पद पर नियुक्त किया है।

पी० के० घई, उप निदेशक प्रशासन कते स्थास्थ्य सेवा महानिदेशक

# भाभा परमाणु श्रनुसन्धान केन्द्र (कार्मिक भाग)

# ट्राम्बे, दिनांक जुलाई, 1984

सं० 5 (5ए०) 801 कन्फर्मेशन एस० आर० एण्ड डब्ल्यू/
993—निदेशक, भाभा परमाणु श्रनुसन्धान केन्द्र, श्री एस० डो० भाराम्बे, श्रस्थाई वैज्ञानिक श्रधिकारी/इंजीनियर एस सी० जीव विज्ञान एवं कृषि प्रभाग को दिनांक 1 फरवरी 1983 से भाभा परमाणु श्रनुसन्धान केन्द्र में मूल रूप में वैज्ञानिक श्रधिकारी/इंजीनियर ग्रेड 'एस० बो' नियुक्त करते हैं।

सं० 5(50)/81-अन्यत्मेंशन/एस० आर० एण्ड उड्डन्यू०/994--परमाणु अनुसन्धान फेन्द्र इसके इ.रा निम्नलिखित अधिकारियों को. दिनाक १ फरवरी, 1983 से भाभः परमाणु अनुसन्धान केन्द्र में मूल हुए में बेकानिक अधिकारी हंशीनियर ग्रेंड 'एम बीठ'' नियुक्त करते हैं।

त्रम मंo	नाम	यर्तमान ग्रेड	प्रभाग	भा० प० म० केन्द्र में स्थाई पद
1.	श्री एम० थी० कुत्रकर्णी (जी०/10://1		केन्द्रीय कर्मणाखा	बै० महा० (सी)
2.	श्री सी० जी० जादन (जी/509/18)	एम बी	रिएक्टर परिचाल	न ज़ाफ्टमैन 'सी
3.	थी श्रार० वेंकट मुग्रमण्यम् (जी/503/58)	ग्म सी	वर्गक्रमदीसकी	बै सहा० (मो) ¦
4.	श्री एम० टी० भवतार (जी/801/43)	एस सी	वां ई सी	वै ० सहा० (सी)
<b>5</b> .	श्री भारः एनः सेनगुष्टा (जी 801/40)	एस की	र्वा ई सी	वै० सहाऽ (सी)
	श्री टी० जं० सैन (जी) 901/ श्री डी० एल०	ा गुम सी	र्था हं भी	ंचै०सहा० (बी)
	फोनसका (जी/509/186 श्री एच० सीट	ण्स सी i)	रिएथटर परिचार	ान फोरमंन
· ·	जबराल (जी/602/118	एस स्रो )	वक्तरीको भौतिक 	ी बू.पटभभैन "मी"

ऋ सं०	नाम	वृर्तमान ग्रेड	प्रभा ग	भापग्राकेस्त्र में स्थाई पद
(জ	7/701/141)	एस सी	िधिकरण सुरक्षा	वें सहा० "सी"
के	ो भार० एन० रकर जी/404/239)	एस भी	यूरेनियम धा <b>तु</b> संयंत्र	फोरमैन
11. र्थ र	ो एस० परमेण- द्या जी 508/228)	एम मी	रिए <b>क्</b> टर इंजीनियर	फोरिंग <b>में</b> न
f	तिपी० बी० किम  जी/403/82)	एस सी	मक्तमीकी सेवाए	फोरमन
( તી	ो टी० के०सेन- प्सा जी/406/109)	एस सी	र्दधन पुनसँम।धन	वै० सहा० "सी"
≠ (	ती एन० एम० :तये 'जी/502/133)	एस सी	रसाय <b>निर्का</b>	फोर <b>में</b> स
(	ती एस० जे० प्रसकर (जी/406/111)	एस सी	<b>ईधन</b> पुनसँसाधन	वै० सहा७ ''सी''
Ŧ	गी भी० एस० गीहान (जी/403/83)	एस सी	तकनीकी सेवाये	फीरमैन
17. %	गिटी० के० खारे. (जी/501/95)		विद्वलेषणात्म <i>क</i> रसायनिकी	द्रं/जी
1	ति एम० के०मित्र। (जी/406/110) ती टी० वी० ग्रपर		र्दथन पुनर्समाधन प्रपशिष्ट प्रबन्धन	वै ० सहा० ''सी'' वै ० सहा० ''सी''
(	जी/405/149) पि पी० बी०	a guar	जनासण्ट जवरवन	जे ० मर्थे ० सा
(	ावलानी ′जी/305/220) गि की० एख०	एस सी )	स्व।रथ्य भौतिकी	र्सं० सहा० ''सी'
(	(ईतवडेकर (जी/305/219)	एमं सी	स्वास्थ्य भौतिकी	वैश्वसहार "ती "
(	ती आर॰पी० जैन (जी/508/229) विके० ए० सर्मा	एस सी एस मी		वंश्यहाश्यासी गियेश्यहाश्यासी
(	(जी/505/154) नी सलील बास			
(	प्ता  मो/402/106) गिएक एमक कर्न	एस सी	केन्द्रीय कर्मणाला जिल्ह्य <del>इंजीसियां</del> ट	वै० सहाउ "सी" ग वै० सहाउ "सी"
(	जी/508/230) गिएस० क्री० वार्			वैश्वसहाः "सी'
27. 🕏	जी/301/230) गि एष० एस० दुः जी/500/50)	ग एस सी	वर्णक्रमदर्शिकी	<b>वे</b> ० सहा० "मी"
28. 회	जी/509/59) रिएम० जी० भण जी/508/231)	डारी एन सी	रिएक्टर इंजीनियरि	स के० सहा० "सी"
29. କ୍ଷ୍	ो निर्मेशेन्द्र गैमिक (जी/402/105		केन्द्रीय कर्मणाला	ट्रान्डसमन ''र्सा''
		·		

क∘सं कं∘सं	० नाम	वर्तमान ग्रेष्ट	पद भाष	। श्र केन्द्र में स्थार्ट
30.	श्री मेहराज बग			
	मिर्जा	लम सी	तकनीकी सेवाये	र्बं० सहा० ''सी''
	(जी/403/81)			
31.	थी मोहिन्दर सिह	एस सी	मार०टी०ई।०	फ <u>ा</u> ंर <b>मै</b> न
	(जी/506/124)			
32.	श्री बी० एस०			
	माने रकर	एस सी	विश्लेषणात्मक	बैठ महाठ 'सी'
	(जो∫506/96)		रसायनिकी	
3 3	श्री एम० सी० शर्मा	एन सी	श्रार० पी० एस	न्नै ० सहा० ''सी''
	(जी/506/126)			
34	श्री ६० गोपिनाधन	एम सी	म्बास्थ्य भीनर्किं।	<b>बं</b> ० सहा० 'सी"
	(जी/305/224)			
35.	क्षीई ० के० विष्य-			
	ना <b>थन</b>	एस मी	स्वास्थ्य भौतिकी	उँ० महाः, "मी"
	(जी/305/225)			
36.	थी एन० ग्राम			
	याधवा	एम सी	केन्द्रीय कर्मगाला	बै० महा० ''सी'
	(जी/402/109)	_		
37.	श्रीके० एन० नाईक	एस मी	इ.सेबद्रानिक्य	वंश्महाः 'सी
	(जी/301/234)			
	श्रीएस० मी			
	नावगीर	एस मी	विकिरण मुख्या 🦵	⊤ैं <b>० महा</b> ० "सी"
	(जी/702/34)	_		
3 8).	श्री एम० डी० वोरा	एस सी	धात्की प्रभाग	वै० सहा० ''मी''
	(जी/504/179)			
	श्री ए० सूर्यप्रकाण	_	r	•
	राह्य	एय सी	वर्णकमद्रणिका	<b>यै</b> । नहा । 'सा ।
	(3ft/503/60)		£	3
41.	श्री डी० डी० पेनस्	एम मो	रिएक्टर नियंत्रण	,बै० सहाठ ''सी'
	(জি() 303/89)			
		एम सी	विकरण सुरक्षा	कोर्भन
	हरवासानी		प्रभाग	
	(जी/७०३/३०)			
13.	• •	एस सा	भक्ताकी सेशाय	<b>प</b> हारमं ।
	(जी/403/84)			

त्रे० रामूर्ति उपस्थापना स्रक्षिकारी

# कम श्रांर भण्डार निदेशालय बम्बई-400001, दिनांक 6 जुलाई, 1984

सं० डी० पी॰ एस०/41/2/84-प्रशा० 15802--परमाणु ऊजी विभाग, क्रय और भण्डार निवेणालय के निवेणक ने स्थाई भण्डारी श्री श्रनन्त कृष्णजी नकाशों को इसी निवेणालय में विनांक 14-5-84 (पूर्वाञ्च) से 21-6-1984 (श्रपराञ्च) तक रुपये 650-30-740-35-810-दे० रो०-35-880-40-1000- दे० रो०-40-1200 के वेतनमान में सहायक भण्डार अधिकारों के पद पर तदर्थ श्राधार पर स्थानापज्ञ रूप से निकृत किया है। यह नियुक्ति सहायक भण्डार श्रिधकारों श्री ग्रार० एन० गुहा, के स्थान पर की गई है जो नालवर के दौरे पर गये हैं।

नं डों पीं एसं/41/2/83-प्रशां 15807-परमाणु ऊर्जी विभाग, ऋष और भण्डार निदेशालय के निदेशक ने स्थाई भण्डारी श्री जीं कुणुस्वामी को इसी निदेशालय में दिनांक 14-5-84 (पूर्वाह्न) से 15-6-84 (अपराह्न) तक रुपये 650-30-740-35-810-दं रों -35-880-10-1000-दं रों -40-1200 के वेतनमान में सहायक भण्डार श्रिक्षारी के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न चप से नियुक्त किया है। यह नियुक्ति सहायक भण्डार अधिकारी श्री एलं एनं बागवे के स्थान पर की गई है।

> पी० गोपालन, प्रशासन अधिकारी

### निर्माण एवं सेवा वर्ग

# बम्बई-400094, दिनांक 10 जुलाई, 1984

सं० सी० एवं एस० जी० |v|2|16|4856— निवेशक, निर्माण एवं सेवा वर्ग, परमाणु उर्जा विभाग श्री ए० वी० पौलीस, श्रस्थाई सहायक लेखा श्रीधकारी, निर्माण एवं सेवा वर्ग को दिनांक 7-5-84 पूर्वाह्म से 8-6-84 तक श्री बो० जी० जे० फिल्मई, सहायक लेखा अधिकारी, जिन्हें छुट्टी प्रदान की गई थी. के स्थान पर श्रस्थाई रूप से तदर्थ महायक लेखा श्रीधकारी के पद पर नियुक्त करते हैं।

तु० पे० राजस्व प्रणासन श्राधकारी

# रिएक्टर श्रनुसन्धान केन्द्र

# कलनावकाः, दिनांक 🕹 जून 1984

मं जार जार की ्ए 32023/1/83-पार 0/7978-रिएबटर प्रनुसन्धान केन्द्र के निदेशक ने इस अनुसन्धान केन्द्र
मे वरिष्ठ प्राशानिषिक के पद पर मौलिक रूप से और प्राशुनिपिक ग्रेड-III के पद पर स्थानापन रूप से नियुक्त श्री
के जवन्ती विवरत की इसी केन्द्र में 28-5-84से 27-6-84
तक महायक प्रणासनिक श्रीधकारी के पद पर तदर्थ ग्राधार
पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया है। यह नियुक्ति सहायक
प्रणासनिक श्रीधकारी श्री ग्रार नारायणन के स्थान पर
की गई है जो छुट्टी पर गये हैं।

### ं दिनांक 5 जुन 1981

स० ए० 32023/1/84-प्राप्त०/8036-रिएक्टर प्रनु-सन्धान केन्द्र के निदेशक ने मन्नास परमाणु विश्वत परियोजना में उच्च श्रेणी लिपिक के पद पर मौलिक व्य से नियुक्त तथा इस केन्द्र में प्रवरण कोटि लिपिक के पद पर स्थाना-पन्न रूप से कार्य कर रहे श्री विडियन बैम्बियन को इसी केन्द्र में महायक प्रणासनिक ग्रिधकारी के पद पर 28-5-84 में 15-6-84 तक की ग्रवधि के लिये तदर्थ ग्राधार पर स्थाना-पन्न रूप से नियुक्त किया है। यह नियुक्ति श्री ए० सुब्रह्मण्यन, सहायक प्रशासनिक श्रिधिकारी के स्थान पर की गई है जो छट्टी पर गये हैं।

> ए० पदमनाभन, प्रशासनिक अधिकारी

# पर्यटन श्रीर नागर विमानन मंत्रालय भारत मौसम विज्ञान विभाग

नई दिल्ली-3, दिनांक 10 जुलाई 1984

सं० ए० 38019/11/83-स्था०-1--भारत मौसम विज्ञान विभाग के निम्निलिखित सहायक मौसम विज्ञानी ग्रापने नामों के सामने दी गई तारीख को वार्धक्य ग्रायु पर पहुंचन पर सरकारी सेवा से निवृत्त हो गयें:---

ऋम सं०	नाम	निवृत्तन दिनांक
2. 3. 4. 5. 6. 7. 8. 9.	श्री ए० डो० वनर्जी श्री एस० के० काजी श्री ए० एल० भट्टाचार्य श्री एस० ए० सिराजुल्लाह श्री एस० ग्रार० सहनी श्री के० श्रानिग्रापन श्री एन० ग्रन्सारी श्री ग्रार० एन० मुखर्जी	31-12-1983 31-1-1984 31-1-1984 31-1-1984 29-2-1984 29-2-1984 29-2-1984 31-3-1984 31-3-1984 31-3-1984
11.	श्री जे० वैद्यानाथन	31-3-1984

# विनांक 13 जुलाई 1981

सं० स्था० (1)05854--भारत मीसम विज्ञान विभाग के श्री एन० पी० जौहरी, स्थानायम मौसम विज्ञानी श्रोणी-1 सरकारी सेवा से दिनाक 9-11-1983 भ्रपराह्म में स्वेच्छा से सेवा निवृत्त हुए।

> के० मुखर्जी, मौसम विज्ञानीः (स्थापना) कृते मौसम विज्ञान के महानिवेशक

महानिवेणक नागर विमानन का कार्यालय नई बिल्ली, दिनांक 21 जून 1984

सं० ए० 32013/1/84-ई० डब्स्यू०--राष्ट्रपति ने श्री एस० कालड़ा सहायक परियोजना अधिकारी (उपस्कर) को दिनांक 31 मई, 1984 से छः मास की प्रविध के लिये अथवा पद के नियमित आधार पर भरे जाने तक, इसमें से जो भी पहले हो, पदोन्नति पर विद्युत एवं यांनिक अधिकारी के ग्रेड में तदर्थ आधार पर निय्वत किया है।

2. श्री कालड़ा को उप निदेशक (उपस्कर) विद्युत एवं यांत्रिक वर्कशाप, सफदरजंग एयरपोर्ट नई दिल्ली के कार्यालय में तैनात किया गया है।

> बि० भौमिक, सहायक निदेशक प्रशासन

# नई दिल्ली, दिनांक 4 जुलाई 1984

सं० ए० 32013/5/80-ई० सी०—राष्ट्रपति ने निम्निलिखित ग्रिधिकारियों को नागर विमानन विभाग में दिनांक 1-1-84 से छः मास्किको ग्रविध के लिये ग्रथबा पदों के नियमित श्राधार पर भरे जाने तक, इनमें से जी भी पहले हो, उपनिदेशक/नियंत्रक संचार के ग्रेड में तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है।

सर्वश्री

- 1. एन० के० पूरी
- 2. पी० के० सिंघल
- 3. ग्रार० एस० गहलीत
- 2. इस तदर्थ नियुक्ति के फलस्वरूप उपरोक्त श्रिष्ठिकारी उपनिदेशक/नियंत्रक संचार के ग्रेड में नियमित नियुक्ति का दावा करने के हकदार नहीं होंगे श्रीर न ही तदर्थ श्राधार पर की गई सेवा इस ग्रेड में वरीयता के प्रयोजन के लिए तथा श्रगले उच्चतर ग्रेड में पदोन्नति की पान्नता के लिये गिनी जायेगी।

सं० ए० 35018/16/83-ई-1--महानिदेशक नागर विमानन ने श्री अजीत सिंह बाजवा, लेखापाल को दिनांक 2-7-84 (पूर्वाह्म) से छः मास की श्रवधि के लिये अथवा पद के नियमित आधार पर भरे जाने को तारी व तक, इन में से जो भो पहले हो, लेखा अधिकारी के पद पर तदर्थ आधार पर नियक्त किया है।

### दिनोक 5 जुलाई 1984

स्र० ए० 32013/3/83-ई० सी०- इस विसाग की बितांक 30 मईं, 1984 की अधिसुचना मं० ए० 32013/3/82-ई० सी० के ऋम में, राष्ट्रपति ने निम्निखित छः तहरोका अधिमारियों को प्रत्यक के नाम के सामने वी गई तारीख से और अन्य आदेश होने तह वरिन्द्र तकनीको अधिकारी के ग्रेड में नियमित आधार पर नियुक्त किया है।

कम सं ०	नाम	तैनाती स्टेणन	तारीख
	मब थी		
	एस० डी० प्रवस्थी	वैमानिक संचार स्टेशन, जयपुर	11-1-1784
2.	एच० ए० संद्वी	वमानिक संचार स्टेशन, मद्रास	30-3-1984
3.	ए० की० कृष्णा	रेडियो निर्माण विकास एक ह. नई विल्ली	11-1-1984
.1.	के० भार० रामानुजम	वैमानिक संचार स्टेशन, बम्बई	11-1-1984
5.	श्रार० महेश्वरी	वैभानिक संचार स्टेशन, विस्ली	29-2-1984
<b></b>	बी० एस० मितरा	रेडियो निर्माण विकास एकक विस्ली	11-1-1984

# नई दिल्ली, दिनाक 10 जुलाई 1984

सं० ए० 19011/19/80-ई०1--निवर्तन श्राय प्राप्त कर लेने पर इस कार्यालय के श्री भ्रारत बीच प्रणादिते. उप महानिदेशक नागर विमानन 30-6-1984 श्रपराह्म सं सरकारी सेवा से निवृत्त हो गये हैं।

> भ्रो० पी० भ्रम्रवाल, महायक निदेशक प्रशासन

# नई दिल्ली, दिनांक 7 गुलाई 1984

सं० ए० 32013/2/84-ई० सं०--राष्ट्रपति ने श्री श्रार० के० मूद, वरिष्ठ तकनोकी अधिकारो, वैमानिक संचार स्टेमन, दिल्लो को दिनांक 1-6-1984 (पूर्वाह्म) मे छः मास की श्रवधि के लिये अथवा पद के नियमित श्राधार पर भरे जाने तक, इनमें से जो भी पहले हो, सहायक निदेशक संचार के ग्रेड में तदथं श्राधार पर नियुक्त किया है तथा महानिदेशक नागर विमानन (मुख्यालय) में तैनात किया है।

ओ० पी० अग्रवाल सहायक निदेश ः प्रशासन कते महानिदेशक नागर विमानन

# श्रायकर श्रपीलीय श्रधिकरण

वम्बई-400020, दिनांक 9 ज्ञाई 1984

म० एफ.० 48 ए० ही०/ए०टी०/1984—श्वी एस० के० विश्वास, धवीक्षक, आयकर अपीलीय अधिकरण, बम्बई पीट. बम्बई को तदर्थ आधार पर अस्थाई क्षमता में सहायक पंजाकार के पद पर आयकर अपीलीय अधिकरण, अमृतमर पीट, अमलसर में दिलांक 28 जून 1984 अपराह्म से तीन मास की अवधि के लिये या तब तक जब तक कि उत्त पद पर नियमित नियुक्त नहीं हो जाती. जो पहले हो नियक्त विया जाता है।

उपयुक्त नियुक्ति तदर्थ ग्राधार पर है ग्राँर श्रो एस० के० विश्वास को उस श्रेणो में नियमित नियुक्ति के लिये कोई दावा नहीं प्रयान करेगी ग्राँर उनके द्वारा तदर्थ ग्राधार पर प्रदत्त सेवायें न तो वरीयता के श्रीभिप्राय से उस श्रेणो में गिनी जायेगी ग्राँर न दूसरी उच्चतर श्रेणी में प्रोप्तत किये जाने की पातता हो प्रदान करेगी।

टी० **डो**० सुग्ला, ग्रध्यक्ष,

## प्ररूप आहूर .टी.एन.एस. - - --

मासकर भिर्मात्यम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन गुचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज नागपुर

नागपूर, दिनांक 18 ज्न 1984

निर्देश मं० आई० ए० सी० एक्टी० 7/12/84-85- अतः मुझे एम० सी० जीशी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्षत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करा का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक है

25,000/- स्त. स आधक ह
और जिसेकी संव श्वेत ऋव 11 एवं 31 गुंव 7 है तथा जो मौजा
येनोड़ा प्रवर्गण बंदगायपेट ताव जिव अमरावती में स्थित है
और जमने उपावक अनूचनी में और पूर्ण रूप में वर्णित
है) रजिस्ट्राक्ती अधिकारी के कार्यालय अमरावता (डाबुमेंट
गंव 218/83~84) में भारतीय प्रजिस्ट्राइणण अधिनियम
1908 (1908 वा 16) अधान दिनांक 11 नगम्बर 1983
को पूर्योक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ख्रयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई ही और मुम्में यह पिश्यास
करने का कारण ही कि यथापूर्योक्त संपत्ति का उचित बाजार
मृत्य, उसके ख्रयमान प्रतिफल से एसे ख्रयमान प्रतिफल का पन्तह
प्रतिश्वत से अधिक ही और अन्तरिक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पागा गया

प्रतिफल, निम्निनियित उदुदोश्य से उक्त अन्तरण लिखित

को जन्तियक रूप में करियत तहीं किया गया है :----

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त जिथिनियम के अधीन कर दीने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसमें अचने में मुक्किंग के लिए: और/या
- (क) ऐसी किमी आय या किसी धन या अन्य अस्तिर को, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनवार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्ती बनारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना प्रतिहार था कियान में मुखिना के निया;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धाग 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात:---  (1) आ जगदिण्यर संस्था दूस्ट चौकट्रस्टो : गोवर्धन विक्वेक्थर आचार्य क्यनरखाता मोर्झी रोड असरावनः

(प्रसरकः)

(2) वि ग्रेटर कैलाण ए।० श्री जसकेत्सिह हरोसिह जग्मी (रामभदन राज्यमल चीक अमरावती।

(अन्तरितीः)

को यह सूचना जारी करके पृत्रोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यकाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्यन्थ में कोष्ट्र भी आक्षेप :---

- (क) इस गुनना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 यिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वितर क्यांक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (सं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम निस्ति में किए जा सकेंगे

स्पष्टिकरण: --- इसमें प्रयुक्त घट्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अधीन अध्याय 20-क में परि-भाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया ही।

### मन्त्रभी

ण्येत अभीत एक इ. 31 गुंठे 2 ण्वेत सर्वे० नं० 11 जो भीजा नेनोडा प्रगणे बांदगांत्रीय मेर कि जिल्लास्था में स्थित है।

> एस० सं १० जोगी। सझम प्राधिकारी सहायक प्रापकर त्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज न प्रापुर

**दिन**ंक: 18--6-1984

संहर:

प्रश्य नाइ. टी. एन एस -----

भायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-धा (1) को अधीन मृखना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अअर्जन रेंज पूना

पना, 27 फरवरी 1989

सिर्देण सं० सी,० ए० ज|377 ई० ई०|474|83--84-अत: मझे णिक्षित कुलवर्णी,

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'स्वत अधिनियम' कहा गया हो), की भारा 269- ए के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास कारने का कारण है कि स्थावर संगत्ति स्थित स्थावर संगति कि स्थावर संगति के संगति के संगति संगति के संगति संगति के संगति के संगति संगति के संगति स

और जिसेकी में प्लंट में 309 उर्रा मंजिए 'ग्लमहर' 2420 जन थिमया गोट पुना-1 केव है तथा जो पुना-1 में रियन है और इमसे उपायह अनुमूची में और पूर्ण मप में यणित है। रिजम्हें दानी अधिकारों के बार्यानम सहामक आधकर आधुक्त निराक्षण) अर्जन रेंज एना में राजग्द्रीकरण अधिनियम 1908 (1908का 16) के अवीन 3398/पूना/जाने 1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके राजमान प्रतिकल से, एमे राव्यमान प्रतिकाल का पन्तर का प्रतिकल को लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके राजमान प्रतिकल से, एमे राज्यमान प्रतिकाल का पन्तर का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके राजमान प्रतिकल से, एमे राज्यमान प्रतिकाल का पन्तर का कारण है कि यथापूर्वोक्त संगित्त का पन्तरित का सित्य से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और तन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एमे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल एस से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिल में कमी फरने या उससे बचने में स्विधा के किए; शौर/या
- (ख) एंसी किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, ए धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नजी दिला भना था या किया जाना जाहिए था, छिला दे स्विधा के निए;

(1) र्थामती निमता जरद अपस्थी 308, शूक्वार पेठ पुना-411002

(अन्तरक)

(2) श्री रमेण परमाकी मेहबूबानी आम्महिल 15 गूलननावा नगर पुना 411007 ।

(अन्तरिलंह)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यशाहियां शुरू करता हूं।

अकत सम्बन्धि के अर्थन के सम्बन्ध में कोई' भी काश्रीप:---

- (फ) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मम्पत्ति में हित्त्रह्य किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे

स्पष्टीकरण १—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, कही अर्थ हामा को उन अध्याम को दिया गया हाँ।

### अर् स्ची

पत्रैट नं० 309, 3री मंजिल 'गुलमोहर' 2420 जय थिमया रोड़ पूना---1 (क्षेत्र 1299 स्ववे० फीट)

(जैसे कि रिकस्ट्रश्वात नं 37ई ई०/339 /पूना/1983-84 ता० :-1-1989 को सहायक आयक्त आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा है।)

> गणिकांत कुलकाणी सक्षम प्राधिकाणी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रैंज पूना

दिनांक: 22-2-1984

मोष्ठर 🗓

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-प (1) की भाषीय मुखना

### भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर धायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज पूना

पुना, दिनांक 2 भितम्बर 1983

निर्देण मं० 1 मी० ए० 5/377/293-ई० ई०/83--84---अनः मुझे, अणिकान कुलकर्णी,

नायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ध्राक्षे पश्चात (उक्त अधिनियम) कहा गया है), की धारा 269-ल को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का लागण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित वाकार मृत्य 25,000/- क. से सिथक है

बार जिमेकी सं फ्लैट नं 319 प्लाट नं 926 सिनेगा एट्टीट पूना-411001 क्षेत्रफन 380 स्क्बें फीट है तथा जी पून 411001 में स्थित है और इसमे उपावछ अनुसूची में और पूर्ण एप से बिणत है) रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आधकर आधुक्त (निरीक्षण अर्जन रेंज पूना में रिजिस्ट्रीकरण अधिकारी 1908 (1908 का 16) के अर्धान दिनांक जनवरी 1988

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मृत्य सं तम के हरयमान अतिफल के निए अन्तरित की गई है और मुओ यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके हरयमान प्रतिफल से एसे हरयमान प्रतिफल का पंदह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्हेरेय से उक्त अन्तरण लिखिन में भासायिक कुप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बावत उक्त जिथिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कसी करने या उगते प्रचने में सुधिया के लिए और/सा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना खाहिए था, छियाने में भिजा की लिए;

ं अतः अव उक्त अधिनियम की धारा 269-य के जनसरण में, में, तकत अधिनियम की धार 266-थ की जगभाग (१) के अधीन, नियोद्धिक अधिकार्यों, अधीर --- (1) श्री पील बीठ महाजवार 1982 कानव्हेंट स्ट्रीट पूना-411001 ।

(अन्तरवः)

(2) श्री नेहेम्पटन बी० इरानी 2070 जान मोहम्मद स्ट्रीट पूना-411001।

(अन्मेरितीः )

को यहर पूजना जारी करने पूर्विक्त संपरित के अर्जन के लिए निए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसील्ब्यक्ति ह्वारा;
- (ख) इस सृचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितजब्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधाहरनाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगी।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, नहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

फ्लैट नं० 314 फ्लैट नं० 926 सिनेगाग स्ट्रीट पूना य11001 ।

जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नेवर 2767/37-ई० ई०/83-84 दिनांस 12 जनवरी 1988 को महागक आयक्षा आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज पूना वे दफ्तर में लिखा है।

> ग्राणिकांत कुनकर्णी सक्षम प्राधिक री सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, पूना

दिनांक: 29-9-1983

महिर 🖫

ರ್ಷವಾರಿಯ ಮಾರ್ಕವಾಯದ ಪ್ರವರ್ಷದ ಸಮಾಹ ಸರ್ವವಗಳು ಪ್ರತ್ಯಾಸವಾಗಿ, ಸರ್ವಮಿಸುವಾಗುವ ಸರ್ವಾಗಿ ಪ್ರತ್ಯಾಸಿಕೆಯ ಮು पहिला लाहुर , भी , एत , एस , ------

बायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन स्मना

### HISE SKANE

कार्यालय. सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनक, दिनांक 17 जनवरी 1984

निर्देण सं० जी० आई० आर० संख्यापी⊸ 1 1 2 /एक्यू०—–अत∶ मझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की भारा 269-श्व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास कारने का कारण ही कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका टिकत नाजार मृत्य, 25,000 ∕ेर. से **अधिक है** 

श्रीर जिसकी सं० द्कान व आवास भवन है तथा जो मर्जाद गंज, नजीबाबाद, जिला-बिजनीर में स्थित है (ग्रीर इमस उपाबद्ध अनमुची में श्रीर पूर्ण हम से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नजीवाबाद में र्राजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांचा 10 नवम्बर 1983 की पूर्वीयल सम्परित के उचित भाजार मृत्य से कम के इदयमान प्रतिफाल के लिए अंतरिस की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त रांपरित को उचित बाजार मृत्य, उसके ध्रयमान प्रतिफाल से, एसे ध्रममान प्रतिकान का पन्त्रहं प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और बांतरिली (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिय तय पाया

ग्या प्रतिकत् निम्नीसित उद्वोष्य रा उन्त बन्तरण निषित में

शस्त्विक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) सन्सरण से हुए किसी काम की बावल, जबत अधिनियम के अभीन नार्दार्गक अन्तरण के दार्मिर्य में कमी करन या उसस यसने मं सुविधा के जिए: सीट्रंग
- (भ) ऐसी किसी अस या किसी धर्म या अस्य आस्तिसी को, जिन्हों भारतीय आय-कर औानियम, १००० (1922 का 11) या अवत अधिनयम, सा भन-कर गिभिनियम, 1957 (1957 का 27) भी प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया नया था का किया जाना जाहिए था, जिलाने भें रुपिया के लिए:

बतः अय, उवत अधिनियम की भारा 269-ग के सन्सरण में, भैं, उक्त अभिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) कं अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :~~

(1) 🕽. श्री विशेष्वर प्रसाद 2. श्री विशम्बर प्रसाद

(अन्तरक)

(2) श्री पूरन मल

(अन्तरिती)

का यह मुखना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवादियां शुरू करता हो ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन को अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवीक्ष अयोक्तियों वे सं किसी व्यक्ति दुवाराः,
- (स) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की हारीस से 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हिसबब्ध किसी अन्य व्यक्ति दुवारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकेंगे।

स्वकारिकारणः इसमें पपचर पान्यों और पदा का. वा उपस् अधिनियम के अध्यास 20-क से परिभाषित हों. कही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है!

### अन्सर्चा

सम्पत्ति जिसमें एक दुवान व एक आयास-भवन, जाकि भूमि पर जिसको पैमाईमी 270,75 वर्गमीटर हेस्थित मजीव गंज, नजीबाबाद, जिला-विजनीर और सम्पत्ति जिसुका सम्पर्ण विवरण सेलडीड व फार्म ३७-जी संख्या-2654 में वर्णित है जिसका पंजीकरण सब-रजिस्टार, नजीवाबाट के कार्यालय में दिनांक 10-11-1983 को किया जा चुका है।

> ए० प्राह, सक्षम प्राधिक।री, सहाय ह आधकर आयुग्त (निरीक्षण), अजन रेज, लखनऊ

चिनांक: 17-1-1934

माहर :

# प्रकृप बाद् . टी. यन् . एस ,------

स्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन स्वना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 6 जुलाई 1984

निर्देश मं० ए० पी० नं० 5458---यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

कायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/ हः. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं जैसा अनुमूची में लिखा है तथा जी गोयाना मंडी, भटिण्डा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबड अनुसूची में श्रीर पूर्ण स्थ में बणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के वार्यालय भटिण्डा में रिजस्ट्रीकरण अधिनिशम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नदस्बर 1983

को प्रविक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इरयमान शितफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्रवेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह्मतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (क्लोरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रिन्छन, निम्निलिखत उद्देश्य से उच्त अन्तरण लिखित में वास्त्विक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई कियी आय की बाबत, उकत अधिनियन के लगीन कर दोने के जन्तरक की बायित्व में कभी करने या उससे अवन में भूजिया के निय; करिया
- (क) एंसी किसी बाय या किसी धन या बन्य जाति यो को जिन्ही भारतीय लाय-कार अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त किशिनयम यह बनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ जन्म रिती द्वारा प्रकार ही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए;

बतः बन्धः, उपत अधिनियमं की भारत १६०-म के अन्त प्रण भी, भी, उक्त अधिनियमं की भारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री शमणेर सिंह नुपुत भाग सिंह, गोयाना मंडी, भटिण्डा ।

(अन्तरकः)

(2) श्री फतेह सिंह सुपुत्र महान सिंह, मेहमा भगवाना, जिला भटिण्डा।

(अन्तरिती)

- (3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में है। (बहु व्यक्ति, जिसके अधिभीग में सम्पत्ति है)
- (4) जो ब्यक्ति सम्पत्ति में कित्र राजता है। (बहु व्यक्ति, जिनके बारे में अबोहस्ताधरी जागता है कि वह सम्पत्ति में हिसबद्ध है)

स्त्रं यह मूजनः जारी करके पूजावत सम्पन्ति के अर्जन के विष् कार्यवाहियां करता हु

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वीकर स्थवितयों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस अचना के राजपत्र मो प्रकाशन को तारीख़ सं 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्परित मो जिनवस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्साक्षरी के पास लिखित मों किस जा सकरें।

स्पन्दीकरण:—इसमी प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया

# मन्स्यी

सम्पत्ति लया व्यक्ति जीता कि विलेख नं 3613 दिनांक नवम्बर 1983 को रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, भटिण्डा नेलिखा है।

> जै० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आपकर आयुक्त (निरीक्षण) जर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक: 6-7-1984

माहर:

प्ररूप आइ.टी.एन.एस. -----

आयकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ए (1) के अभीन स्चना

### भारत सरकार

कार्यालार, सहायक शायकार आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज. जालन्छर जालन्छर, दिनांक 6 जुलाई 1984

निर्देश सं० ए० पी० नं० 5459---यत. मुझे, जे० एल० गिरधर,

षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर नम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. में अधिक है

ग्रीर जिसकी संव जैसा कि अनुसूची में किया है तथा जो गोयाना मंडी, भटिण्डा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबढ़ अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजर्स्ट्रीकर्सा अधि-कारी के कार्यालय भटिण्डा में रिजर्स्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीत, दिनांद नवस्वर 1983

को पूर्ववित सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्येंकित संगत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रस्न प्रतिशात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच के एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिम्बत को वारतिवास रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण स हुई किसी बाय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दान के अन्तरक को दासित्व में कभी अन्तने या उससे बचने में स्विधा के तिए; और/मा
- (क) एसी किसी अाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूबिधा के लिए।

सतः अथ. उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के, अनुमरण को, में उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्निसिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री प्रीतपाल सिंह सुपुत्र समसेर सिंह, गीयाना मंडी, भटिण्डा।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती बलबन्त कीर विश्ववा चन्द सिंह, गांत्र मेहमा भगवाना, भटिण्डा।

(अन्तरिता)

(3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिमोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बार्ग में अओहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के कर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित द्वारा;
- (च) इस राज्यना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीक से 45 दिन के भीतर उवत स्थावर संपर्धि में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरी।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उपस अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### मन्स्यो

सम्मत्ति तथा व्यक्ति जैसाकि विलेख नं 3614 दिनांक नगम्बर 1983 को रिजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी, भटिण्डा ने लिखा है।

जे० एल० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निर्राक्षण), अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक: 6-7-1984

माहर

# प्ररूप गाइ , टी. एन. एस .-----

### भारत सर्कार

### कार्यालय, सहायक आयकर नायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 6 जुलाई 1984

निर्देण सं० ए० पी० नं० 5460--यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

र्यार जिसकी संज जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो गोयाना मंडी, भटिण्डा में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भटिण्डा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर 1983

की प्वंक्ति सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रितिफ ल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मृत्य. उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रिक्ष है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (जन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिसित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) सन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त अधिनियम को अधीन कर दोने को अन्तरक के खायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूजिधा को लिए; आहर/मा
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उंक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः अभ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री कुलदीप सिंह सुपुत शमशेर सिंह, गोधाना मंडी, भटिण्डा।

(अन्तरक)

(2) श्री हरकेवल सिंह सुपुत जगदेव सिंह, गांव : खुडियां महासिंह, तहसील : मुक्तसर श्रीर इकवाल सिंह सुपुत चन्द सिंह, \*महमां भगवान, भटिण्डा।

(अन्सरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं ं 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

(4) जो व्यक्ति सम्पत्तिमें हची रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधीहन्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवज्ञ है)

को गह मुखना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मंबंध में कोई भी बाक्षंप --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थादर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### मन्स्की

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 3615 दिनांक नथम्बर 1983 को रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी, भटिण्डा ने लिखा है।

> जे० एत० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक: 6-7-1984

मोहर 🕫

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरुक्षिण)

थर्भन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 6 ज्लाई 1984

निर्देश सं० ए० पी० नं० 5461 ~∵यनः मुझे. जे० एन० गिरधर:

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी गं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो गोनियाना मंडी, भटिण्डा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ना अधिकारों के कार्यालय भटिण्डा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिसांक नयम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के रवयसान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उषित बाजार मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया भया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरफ के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा की लिए; और/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की थारा 269-ए के अनुसुरण में, में, अकत अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन निम्नीलियत व्यक्तियों, अर्थात् ः— (1) श्रीहरदीप सिंह मुपुत शमगेर सिंह, गोनियाना मंडी, भटिण्डा ।

(अन्तरक)

- (2) श्री राजवीर सिंह मुपुत्र फतेह भिह्, मेहमां भगवान, भटिण्डा।
- (3) जसा कि ऊपर नं ० 2 में है। (ग्रतरिली) (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)
- (4) जो न्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह न्यक्ति, जिनके बारे में अबोहस्ताक्षरी जानना है जिवह सम्पत्ति में हिनबह है)

को यह सुपना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों प्रस् सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकरा व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकेंगे।

भ्यष्टीक्षरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया स्या है।

### अनुसूची

सम्मत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 3616 दिनांक नवम्बर 1983 को रजिस्ट्रोकर्ना अधिकारी, भटिण्डा ने लिखा है।

> जे० एल० गिर्द्यर. सक्षम प्राधिकारी, सहाय र अ।यक्षर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक: 6-7-1984

मोहर:

प्ररूप नाइ. टी. एन. एस.----

जायकर व्यथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के जभीन मुखना

### सारत् सरकाह

# कार्याल**य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)** अर्जन रेंज, आलन्धर

जालन्धर, दिनांक 6 जुलाई 1984

जिदिंश सं० ए० पी० नं० 5462∼ -यता: मुझे, जे० एल० गिरिधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 260 का के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उणित बाजार मुख्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी मं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है) तथा जो गोनीयाना मंडी, भटिण्डा में स्थित है (और इससे उपायद अनुसूची में और पूर्ण कप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ना अधि-कारी के जायलिय भटिण्डा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 जा 16) के अधीन, दिनां ए दिनस्वर 1983

को पृश्वित सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई हैं और मृझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वित सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का बंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और जंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिखित उद्वेष्य सं उक्त अन्तरण निस्तित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविशा के तिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः। अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ की उपधारा (1) के अधीन. निम्मिसिवार अधिनारों, अधीत ध---

(1) श्री णमगेर जिह मुपुत साथ सिह, गोलियाना मंडी, भटिण्डा ।

(अन्तर्क)

(2) श्री फतेह सिंह सुपृत्र मोहन सिंह, मेहमा भगवान, भटिण्डा ।

(अस्तिरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में है। (बह व्यवित, जिसके अधियोग में सम्पत्ति है)

(4) जी व्यक्ति सम्पत्ति रूची रखना है। (बह व्यक्ति, जिनके बार्ट में अबोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिनबद्ध है)

को यह सुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कांग्ने भी आक्षंप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अपिथ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरि।

स्पट्टीकरणः---इसमें प्रयूक्त शब्दों और दर्तों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो जस अध्याय में दिया गया हैं।

### अन्स्ची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा जि त्रिसेख नं० 3791 दिनांक दिसम्बर 1983 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, भटिण्डा ने लिखा है।

> जै० एल० गिरधर, मक्षम प्राधिकारी, महायग द्यान इस आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेज, जालन्धर

दिनांक: 6-7-1984

मोहर

प्रस्प बाद् ,टी.एन.एस. -----

भागकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्मना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्ध र, दिनांव 6 जुलाई 1984

निर्देश सं० ए० पी० नं० 5463---यतः मुझे, जे० एस० गिरधर.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-श के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विषयास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रू. से अधिक है

और जिसकी सं जमा कि अनुसूची में लिखा है) है तथा जो गोनीयाना मंडी, भटिण्डा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित है), रिजेस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भटिण्डा में रिजेस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्मयमान प्रतिफल से, ऐसे द्वयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिनत उद्देष्य में उक्त अंतरण जिसित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई फिसी आय की बाबल, उक्त विधिनियम के अधीन कर दोने के बुन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसे किसी बाय या किसी अन या अन्य आरिसयों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्य अधिनियम, या अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27) औं प्रयोजनार्थ अन्तरिती च्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, द्विपाने में सुनिधा के लिए;

जतः अब. उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण जे, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री णमणेर सिंह मुपुत्र भाग सिंह, :गोनियाना मंडी, भटिण्डा

(अन्तरक)

(2) श्रीमती बलबन्त कौर पत्नी चन्द सिंह, और हरप्रीत कौर पत्नी हरकेवल सिंह, गांव खुडियां महान सिंह।

(अन्तरिती)

- (3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति रूची रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के कर्णन के तिय कार्यपाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यवितयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सृचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्क अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हीं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

### *म*न्स्**या**

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विशेख नं० 3792, दिसम्बर 1983 को रजिस्ट्रोकर्त्ता अधिकारी, भटिण्डा ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर, सक्षम प्राधिक(रो, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण), अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक: 6-7-1984

मोहर:

3-176 GI/84

भुक्ष<sub>ा</sub> आह<sub>ि</sub> जी<sub>ट</sub> प्रा. एस<sub>ः १</sub>----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ण (1) के अधीन स्चना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 6 जुलाई.1984

निर्देश सं०/ए० पी० नं० 5464---यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिस्का उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है) तथा जो गीनियाना मंडी, भटिण्डा में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणत है), रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय भटिण्डा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर 1983।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकारें) और अंतरिती (अंतरितियोंं) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आव की पावस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बोर/या
- (ख) ऐसी किसी जाय या किसी भन या जन्य जास्तियों सबे, जिन्हों भारतीय अध्य-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविभा के बिए:

मतः अब उन्त अभिनियम की भारा 269-ग की अनुसरण में, में, उन्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री हरदोप सिंह सुपुत शमणेर सिंह, गोनियाना मंडी जिला भटिण्डा ।

(अन्तरक)

(2) श्री राजवीर सिंह सुपुत्र फतेह सिंह, मेहना भगवाना, भटिण्डा ।

(अन्तरिती)

(3) जसा कि ऊपर नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचो रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधीहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पृथा कर सम्मत्ति के वर्षन के जिए कार्यवाहियां करता हुं ।

जबत सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी माक्षप :--

- (क) इस स्वना के राज्यम में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की सर्वीध या तत्संबंधी स्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्यक्तियों में से किसी स्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संस्पत्ति में हितबव्ध किसी जन्म स्थित व्यारा, वधोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए जा सकेंगे।

स्मल्डीकडुण:—हसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, भो उसत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसुची

व्यक्षित तथा सम्पत्ति जसा कि विलेख नं० 3793 विनांक विसम्बर 1983 को रजिस्ट्रोकर्त्ता अधिकारी, भटिण्डा ने लिखा है।

> जे० एलं० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक: 6-7-1984

मोहर 🗈

प्ररूप भाइ. टी. एन. एस.-----

नायकर अधिनियम्, 1961 (1961 को 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 6 जुलाई 1984

निर्देण मं० ए० पी० न० 5465---यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को., यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपर्ति जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- से अधिक है

श्रीर जिसकी स० जैसा अनुसूची में लिखा है तथा जो गोनियाना मण्डी, भटिण्डा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधि-कारी के कार्यालय भटिण्डा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, (1908 वा 16) के अधीन, विनोक दिसम्बर 1983।

करें पृक्षें कत सम्पत्ति के उचित बाकार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है, और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित् बाजार मृत्य, उसके दश्मान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और जन्तरिक (अन्तरक) और जन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पामा गमा प्रतिफल, निम्न्तिसित उद्देश्य से उक्त बन्तरण सिवित में वास्तिक रूप से किया नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण ते हुई किसी बाय की बाबत उक्त बिध-रिव्यू के बधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में बृविधा के लिए; बीर/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य नास्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाओं अन्तरिती ब्वाय प्रकट नहीं किया वया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

- (1) श्री कुलदीप सिंह पुत्र शमशेर सिंह, गोनियाना मण्डी, भटिण्डा ।
- (2) श्री इकबाल सिंह सुपुत्र चन्द सिंह, महमां भगवाना, भटिण्डा।

(अन्तरिती)

- (3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
  - 4) जो व्यक्ति सम्पत्ति रूची रखता है। (यह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हैं।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप ह---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अओहस्ताक्षरी के पास निक्ति में किए जा सकरें।

न्यव्होकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दो का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं., वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया हैं।

### मप्त्रची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसाकि विलेख न० 5794 दिनांक दिसम्बर 1983, को रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी, भटिण्डा ने लिखा है।

> जें० एल० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण, अर्जन रेंज, जालन्धर

अतः अव, उक्त अधिनियम, की भाग 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भाग 269-घ की उपभाग (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों,, अर्थास् ६—

दिनांक: 6-7-1984

मोहर 🕄

क्ष्मप आइ. टी.एन.एस.-----

कायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुभना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर बायकत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 6 जुलाई 1984

निर्देश सं० ए० पी० न० 5466--यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं जैसा अनुचर्चा में लिखा है तथा जो गोनीयाना मंडी, भटिण्डा में स्थित (है ग्रीर इससे उपाबढ़ अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधि-कारी के कार्यालय भटिण्डा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक फरवरी 1984

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वेक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके उध्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्व्यमान प्रतिफल का गंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया मया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुइ किसी नाम की बाबत, उक्त जिमिनियम के अभीन कार दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री भागणेर सिंह सुपुत्र भाग सिंह, गोनीयाना मंडी, भटिण्डा

(अन्तरक)

(2) श्री इकबाल सिंह सुपुत्र चन्द सिंह, श्रीर बलबन्त कौर विधवा चन्द सिंह, महमां भगवाना, भटिण्डा।

(अन्तरिती)

- (3) जैसा कि ऊपर न० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधीहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपरित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति तुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बस्थ किसी अन्य व्यक्ति स्थारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पळकेरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनयम के अध्याय 20-क में पर्धिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उसा अध्यायः में दिया गया है।

### अनस्तर्या

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 4454 दिनांक फरवरी 1984 को रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी, भटिण्डा ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजन रेंज, जालन्घर

विनांक: 6-7-1984

मोहरः

प्रकथ बाइ . टी . एक , एस . -------

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के बभीन सूचना

### बार्ड परकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालम्धर

जालन्धर, दिनांक 6 जुलाई 1984

निर्देश सं० ए० पी० नं० 5467---यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-न के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, विसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० जैसा अनुसूची में लिखा है तथा जो गोनीयाना मंडी, भटिडा में स्थित है (भ्रीर इससे उपायद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधि-कारी के कार्यालय भटिण्डा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मार्च 1984

को पूर्वोक्त संपर्तित के उपित बाजार मूल्य से कम के ख्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे ख्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिचत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कियत नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुई किसी शाय की वाबत उक्त किथ-नियम के अधीन कर दें। के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अवने में सुविधा के लिए; और/या
- (ब) एसी किसी भाय या किसी भन या जन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-म के बनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षात ह—

(1) श्री हरदीप सिंह, कुलदीप सिंह, सुपुत्र भाग सिंह, गोनीयाना मंडी, भटिण्डा

(अन्तरक)

(2) श्री फलेह सिंह मुपुत्र मोहन सिंह, राजवीर सिंह सुपुत्र फलेह सिंह, महमां भगवाना, भटिण्डा।

(अन्तरिती)

- (3) जैसा कि ऊपर नं०.2 में है। (बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुषी रखता है। (बह व्यक्ति, जिनके बारे में अक्षोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकेंगे।

स्पव्योकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और प्दों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में प्रिभाषित हैं। यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### वन्स्वी

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विशेख नं 4997 दिनांक मार्च 1984 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी भटिण्डा ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर **आ**युक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक: 6-7-1984

बोहर 🛭

प्ररूप बाह्येत टीय एन त् एस .- ----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-अ (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर जालन्धर,विनांक 6 जुलाई 1984

निर्देश सं० ए० पी० नं० 5468—यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-छ से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो गांव सिवान, भटिण्डा में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-कारी के कार्यालय भटिण्डा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ब्रियमान प्रतिफल के निए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे ब्रियमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिश्ति उद्विश्यों से उक्त अन्तरण लिख्ति के बास कित्तर की बास विश्वत कर्ष से कर्षित नहीं किया गया है हि—

- (क) बन्तर्भ से हुई किसी बाय की बाब्द्ः, उन्त बिधिनय्स के अधीन कर बने के बन्तर्क के दियाल में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (क) एसी किसी आप या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 192? (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या अन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अब उक्त अधिनियम की भार 269-म को जनसरण भं, में उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नीलीखत व्यक्तियों, अर्थात् हे— (1) श्री मंगल सिंह सुपुत्र गुरचरन सिंह, गांव सिवान, भटिण्डा।

(अन्तरक)

(2) श्रीलखासिह ग्रौरप्यारा सिंह, सुपुत जालौर सिंह, सामने एन० एफ० एल० कोठी कमाके, भटिण्डा।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है).

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुची रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हैं

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप 🖫 🗕

- (क) इस सूचना के राजपूत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि आद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पक्तीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं सूर्य होगा जो उस सध्याय में विया गया हैं

### जन्त्या

सम्पत्ति श्रीर व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 3467 दिनांक नवम्बर 1983 को रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी भटिण्डा ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, जालन्धर

विनोक: 6-7-1984

मोहर:

प्ररूप् आइ. टी. एन्. एस.-----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्काण) अर्जन रेंज, जालन्धर

ंजालन्धर, दिनांक 6 जुलाई 1984

निवैश सं० /ए० पी नं० 5469—अतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

शायकर किंपिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके न्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर (जिसकी सं० जैसा अनुसूची में लिखा है) तथा जो भटिण्डा में स्थित है श्रीर इससे उपावब अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भटिण्डा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर, 1983,

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है —

- (क) अन्तरण से हुई किसीं आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कुर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/मा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

कतः भव, उक्त विधिनियमं की धारा 269-ग के बनुसरण में, में, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिक्त व्यक्तियों, वर्धात् :--- (1) श्रीमती रेशमा देवी पत्नी रामजी दास मिद्रमल गली, भटिण्डा ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती कृष्णा अहूजा पत्नी डा० सुरिन्दर पाल अहूजा हनुमानगढ़ (राजस्थान)

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर सं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पृत्रोंक्त संपत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

# उक्त संपत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी आक्षंप ह--

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाछ लिखित में किए आ सकी।

स्पव्यक्षित्रणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### वन्स्ची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 3350 दिनांक नवस्वर 1983 को रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी, भटिण्डा ने लिखा।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहस्रक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक : 6-7-1984

मोहर

प्ररूप आहूर. टी, एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज, जालन्धर जालन्धर, दिनांक 6 जुलाई 1984

निदेश सं०/ए० पी० नं० 5470—यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के सधीन सभम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाधार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० (जैसा कि अनुसूची में लिखा है) तथा जो भटिण्डा में स्थित है (श्रीर इससे उपावक अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भटिण्डा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर, 1983.

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित वे वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है है—

- (क) बन्तरण से हुई किसी आग की वाबस, उक्त मधिरिष्ट्रण के अधील कर दोने के जन्तरक के दायित्य में कभी कड़ने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/मा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या अनुकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वाय प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण बी, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निस्निसिक्त व्यक्तियों, अधीत् इ— (1) श्रीमती सन्तोष कुमारी पत्नी केशवलाल गुप्ता द्वारा मकान नं० 2085-ए, विरला मिल काल ोनी, भटिण्डा ।

(अन्तरक)

(2) श्री ज्ञान चन्द ग्रीर प्रेमचन्द सुपुत्र श्री क्षिलक राम, न्यू क्लाथ मार्किट, दी माल, भटिण्डा।

(अन्तरिती)

- (3) जैसा कि ऊपर सं 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधि-भोग प्में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में ६चि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारें में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृतित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

सकत सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी शाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारी ह से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त स्थितियों में से किसी स्थित दुवारा;
- (क) इस सूचना के राज्यपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पछिकिरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# मन्त्रवी

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 3607 दिनांक नवम्बर 1983 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, भटिण्डा ने लिखा। जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्त आयुक्त (निरीक्षण) अजन रेंज, जासन्धर

विनांक: 6-7-1984

मोहर:

प्ररूप आर्डं दी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जानन्वर, दिनांक 6 जुलाई 1984 निदेश, सं०/ए० पी० नं० 5471—यन: मुझें, जे० एल० गिरक्षर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० (जैसा कि अनुसूची में लिखा है) तथा जो जालन्धर में स्थितहै (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर, 1983.

को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने, का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिवास से अधिक है और अंतरिक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उब्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्ति विक रूप से किया गया है:---

- (क) अन्तरणुसे हुई किसी आय की शावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा केलिए; और/या
- (ख) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिल्हें भागीय समयत अधिनियम, 1009 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-केर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

अतः अवः, उत्कत अधिनयम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (१) के अधीन, निम्निसिसित व्यक्तियों, अर्थात् :----

- (1) भैष्टम आर० एरा० सम्सु पुत्त मेजर जोगिन्दर सिंह वासी—226 एल माडल टाउन जातन्त्रर मुख्त्यार-खास कैप्टन जी, एस० सन्धु और आई० एस० सन्धु 371 मैक्टर-15ए चन्ण्डीगढ़। (अन्तरक)
- (2) श्री तिलक राज बतरा पुत्र डा० चमन लाल बतरा वासी—-5507 माडल टाउन जालन्धर ।

(अन्सरिती)

- (3) जैसा कि ऊपर सं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधि-भोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति, मम्पित्त में क्षि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहरताक्षरी जानता है कि वह स सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां श्रूक करता हुं।

# उक्त स्म्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेष :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी स्पित्सयों पर सूचना की तासील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (खं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखि में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया ग्या है।

### जन्सूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 4928 दिनांक नवस्थर, 1983 को रजिस्ट्रीकर्सा अधिकारी जालन्धर ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी महायक आमकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

विनांक: 6-7-1984

भोहरु 🗷

प्ररूप आहें, टी. एन. एस. 🚊 - -

आयुकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 मृ(1) के अभीन सुचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 6 जुलाई 1984

निदेश सं०/ए०ए० पी० नं० 5472-यतः मुझे, जे० एस० गिरधर,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सिके पर्भात् 'उक्त अधिनियम' भहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्मति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

धीर जिसकी सं० (जैसा अनुसूची में लिखा है) तथा जो जालन्छर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्णरूप में विजल है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिर्माक नवस्बर 1983,

को पूर्वित सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के द्श्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्परित का उचित बाजार बन्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एमे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की वाबत उपत जीभिनियम के सभीन कर वाने के जन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य पारितयों की, जिन्हें भारतीय पायकर प्रविनियम, 1922 (1922 का 11) या एक्त प्रविनियम, या तम-कर प्रधिनियम, 1987 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृषिक्षा के लिए;

अतः अत्र उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के क्षीन, निम्नलिखित क्युक्तियों, अर्थातुः— (1) कैप्टन आर० एस० सन्धु पुत्र मेजर जीगिन्दर सिंह वासी--226, एल० माडल टाउन जालन्धर खुद भौर मुख्त्यार आम प्रीतम कौर पतनी जोगिन्दर सिंह

(अन्तरक)

(2) श्री तिलक राज बतरा पुत्र चमनलाल बतरा बासी---550, माडल टाऊन जानन्धर।

(अन्तरिती)

- (3) जैसा कि ऊपर सं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधि-भोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितकैद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यशिक्षियों करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 बिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित.बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
  पास निस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पद्धिकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

# मन्स्ची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति, जैसा कि विलेख नं० 4969 विमान नवम्बर 1983 की रिजस्ट्रीकर्सा अधिकारी जालन्धर ने लिखा है।

जै० एल० गिरधर सक्षम अधिकारी सहायक आयकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जासन्धर

विर्माक : 6-7-1984

मोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

# बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाडा 269-च (1) के अभीन सूचना

### भारत सहकार

# कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्काश) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर दिनांक 6 जुलाई 1984

निवेश सं०/ए० पी० नं० 5473--यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें धूसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित्त, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं ० जैसा कि अनुसूची में लिखा है) है तथा जो जालन्ध रूमें स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय, विनांक जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर 1983,

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान श्रीतफल को लिए अन्तरिस की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्मह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निचिचित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिचित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) जन्तरण से हुइं किसी आय की बाबत, स्वक्त अधिनियम के अधीन कृद दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अवने में सुविधा के सिए; औद/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अत्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, अक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिखत अधिनतमां, अधीत हिन्स

- (1) श्रोमती परिमन्दर कौर नलवा पत्नी परमजीत जिह नलवा । वासी--697 माडल टाउन जालन्धर और कंवलजीत कौर पत्नी कुलदीप सिंह नलवा। (अन्तरक)
  - (2) मे० एन० एम० प्रोपराइटर नरिवरा पैलस जालन्धर द्वारा कुलदीप सिंह, पुत्र बचन सिंह वासी——675 आर० मडाल टाऊन जालन्धर हिस्सेदार फर्म ।

(अन्तरिती)

- (3) जैसा कि ऊपर सं 0 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधि भोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति, सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरो जानता है कि वह सम्पत्ति में हितकब है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सुम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप--

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं स 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वनः कि तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बार्य में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (त) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--- इसमें प्रशृक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विदा गया है।

### मनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति, जैसा कि विलेख नं० 5071 दिनांक नवम्बर, 1983 ने रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारो जालन्धर ने लिखा है।

> जे० एस० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

विनांक : 6-7-1984

मोहर:

# कुरूप सर्वा है हो हुई हुई ....

वाश्कर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-व (1) के अधीन स्वना

### शारत बरकार

# कार्यांक्य, तहायक मामकर बायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर जालन्धर, दिनांक 6 जुलाई 1984

निदेश सं०/ए० पी० नं० 5474—म्बनः मुझे, जे० एल० गिरधरः

शायकर विभिन्निया, 1961 (1961 का 43) (विते इसमें इसके परकात् जिन्द विभिन्नियां कहा गया है), की शाख 269-थ के अभीन सक्षय प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित विस्का विवय वाबार मूख्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकों सं० जसा अनुसूची में लिखा है) तथा जो फरीदकीट में स्थित है (और इससे उपाधद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में बिणत है), रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय फरीदकीट रजिस्ट्रो-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर, 1983,

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-कत निम्नीसित उद्देश्य से उस्त बन्तरण किसित में पास्य-दिक रूप से सामित नहीं किया प्रशाही करें

- (क) बन्बहुण वे हुन कियों बाद की बावस बन्द अधि-तिवस के व्याप कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कवी कहने वा बच्चचे बच्चे में बृद्धिमा के बिवने; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी भन या अन्य बास्तियों का, जिन्हें भारतीय अध्यकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरिसी व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए;

अतः थवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म का उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् हु— (1) श्री रामनाथ पटथारी पुत्र लक्ष्मण दास वासी---नरैन नगर फरीदकोट ।

(अन्तरक)

(2) श्री राविन्दर सिंह पुत्र कर्म सिंह वासी—-नरैन नगर फरीदकोट मारफस शाहनशाह प्रिटिंग प्रैंस फरीदकोट ।

(अन्तरिती)

- (3) जीसा कि ऊपर सं० 2 में है (वह व्यक्ति, णिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पति में रुची रखता है (बह व्यक्ति, जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति म

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हुं।

### उन्हा सम्मरित के नर्मन के सम्मन्ध में कोई भी नासेष उ---

- (क) इस अभाग के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जा भी जविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में किसी व्यक्ति बुवादा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाचन की तारीच के 45 दिन के भीतर उक्त स्भावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास निचित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण : --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अभिनियम, के मध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा को उस मध्याय में विका क्या हैं।

# नन्स्ची

शम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं 0 3451 दिनांक नवम्बर 1983 में रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फरीदकोट में लिखा है ।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक : 6-- 7-- 1984

मोहर 🥫

# प्ररूप आहू . टी. एन . एस . -----

# कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-अ (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 6 जुलाई 1984 तिदेश सं०/ए०पी० नं० 5475--यन: मुझै, जे० एल० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह बिक्वास करने का कारण है कि स्थावर समंति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा अजैनुसूची में लिखा है) तथा जो जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बिणत है), रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी के वार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर 1983,

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुके यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेष्य से उनत अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आम की मामत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्सरक के वायित्य में कभी करने या उससे मचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा के लिए।

बतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री सौदागर सिंह पुत अमरीक सिंह वासी—-परागपुर तहसील जालन्धर मुख्त्यार आम परलोक सिंह पुत्र ज्ञान सिंह (अन्तरक)
- (2) श्रीमती जगदेव कौर पत्नी मीहासिंह वासी ——सैण्ट्रल टाउन जालन्धर।

(अन्तरक)

- (3) जसा कि ऊपर सं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधि~ भोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति, सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके भूबोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हों।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में काई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पद्धीकरण :---- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### नमुस्ची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 4911 विनांक नथम्बर 83 रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्घर ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर नक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त निरीक्षण) अर्जनरोंज,जालन्धर

विनांग: 6-7-1984

मोहर 🛭

प्रकप आई.टी.एन.एस.,------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुचना

### भारत सरकाड

# कार्यातय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 6 जुलाई 1984

निदेश पं०/ए० पी० नं० 5476——या: मुझे, जे० एल० गिरधर.

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परधात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं ० जैसा अनुसूची में लिखा है तथा भटिण्डा में । स्थित है (और इससे उपाबस अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय भटिण्डा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 क 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से काम के द्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके द्रयमान प्रतिफल से, ऐसे द्रयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया क्या प्रतिफल निम्निसित उद्योध्य से उक्त अंतरण दिस्वित में वास्तविक रूप से किथित नहीं किया गया है:—

- (क) जैतरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीत कार देने के जैतरक के शायित्व को कभी कारने या उससे बचने में सुविधा को शिए; और/मा
- (क) एसी किसी भाय या किसी धन या अन्य मास्तियों को, जिन्ही भारतीय भायकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्नारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविभा के लिए;

भतः अव, उक्त निभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-भ की उपभाडा (1) ही नभीतः, निम्नशिवित स्वित्त्रों। मुन्तिह

- (1) श्रोमती परसीनी देवी पत्नी धनपत राये . एक्सईए , पी०डब्ल्यू०डी०, अबोहर । (अन्तरक)
- (2) श्रीमती सतीश जिन्दल पत्नी परशोक्तम कुमार मार्फत एफ० सी० आई० भटिण्डा ।

(अन्तरिती)

- (3) जैसा कि ऊपर सं० 2 में है (बह व्यक्ति, जिसके अधि-भोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति, सम्बक्ति में किंच रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधीहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप 🖫

- (क) इस स्वना कें राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकरण: --- इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गवा है।

# न्तृत्वी

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं० 3376 दिनांक नवम्बर 1983 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, भटिण्डा ने लिखा है।

> जे० एल० गिरघर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर जायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

विताक : 6-7-84

मोहर ■

प्ररूप बाहै.टी.एन.एस. -----

**भावकट मधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की** धारा 269-च (1) के अधीन सुमना

### भाउत् स्रकार

# कार्यात्य, सहायक वायक र आयुक्त (चिरक्षिण)

मर्जन रेंज; ,जालन्धर जालन्धर, दिनांक 6 जुलाई 1984 निदेश सं०/ए० पी० ने ० 5477—यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इन के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० जैसा ग्रनुसूची में लिखा है) तथा जो भटिण्डा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्णरूप में विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय भटिण्डा में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, विनांक नवम्बर, 1983.

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मूला से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित नाजार मूल्य इसके श्रयमान प्रतिफल से, एसे श्रयमान प्रतिफल का अन्तर्ह प्रतिचात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितयो) के बीच एस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नीसचित उद्वेषस्य से उक्त अन्तरण हैलिंचित में नास्तिवक रूप से कचित गहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुद्दं किसी जाव की वाबतः उक्क में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; अधिनियम के बधीन कर योगे के मन्तरक के वासिस्य बीट्र/या
- (क) एसी किसी जाय का किसी भन या जन्य इसिसरों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम्, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम्, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रबोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, डिपाने में सुविधा के सिए;

जतः अद, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की भाषा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः—

- (1) श्रीमती परसीनी देवी पत्नी धनपत राये, एक्सईएन, पी० डब्स्यू०डी०, भ्रबोहर । (झन्तरक)
- (2) श्रीमसी पुष्पा रानी पत्नी पदम चन्द मार्फन विजय मोटर कम्पनी, पुरा। बस रटैण्ड, भटिण्डा ।

(ग्रन्तरिती)

को यह स्वाना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप 🎨 🖚

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना कि तामील से 30 दिन की अविध, वो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे किस व्यक्ति स्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किश् वा सकी ।

स्पव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ध होगा जो उस अध्याय में दिया न्या है।

### अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 3377 दिनांक नवम्बर 1983 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी भटिण्डा ने लिखा है ।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक धायकर धायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज ,जालन्धर

दिनांक : 6-7-1984

मोहर 🖫

प्ररूप बाइ". टी. एव. एस.-----

आयकर अधितयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए (1) के अभीन् स्प्ना

### भारत सरकार

# कार्याक्य, मुहायक जायकर वाय्क्त (निरक्षिण)

म्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 9 जुलाई 1984

निदेश सं०/ए० पी० नं० 5478---यतः मुझे, जे० एम०

गिरधर.

गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) इसके परकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उप्पृत बाजार मुख्य 25,000/- रत. से अधिक है<sup>\*</sup>

ग्रीर जिसकी सं० जैसा प्रनुसुची में लिखा है) तथा जो भटिण्डा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्णक्रप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय भटिण्डा में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16)के श्रधीन, दिनांक नवम्बर 1983.

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृदयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार ग्रूच, उसके धरयमान प्रतिफल से, एसे धरयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निखिखित उत्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त मधि-नियम के अभीन कर दोने के अन्तर्क के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; बौर/या
- 彌 एेसी किसी आगया किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय वायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकार अधिनियमः, 1957 (1957 時 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

बत:, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ के जन्सरण **बॅ, मॅं, उक्त मधिनियम की धार्य 269-च की उपभार्य (1)** 🖷 अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अभृति 🖫 🖚

(1) श्री गुरमेल सिंह सुपुत्र जंगीर सिंह मुलतानियां रोड, भटिण्डा ।

(श्रन्तरक)

(2) श्री चमनलाल जैन सुपुन्न वनारसी दास, भदिण्डा । रामेश कुमार सूपुत्र सोमनाथ, रामपुरा फुल, रधुवीर सिंह, सुपुन्नव सुखदेव सिंह गांव ढाडे तहसील, रामपुरा फुल:

(भ्रन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के लिए कार्ययाहिया करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशान की तारीच से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सुचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जुनिभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृदाय;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित बब्ध किसी अन्य व्यक्ति बुबारा अधीष्ठस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगें।

स्पट्यीक रण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदी का, जाउनत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### नन्त्यी

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 3587 दिनांक नवम्बर 83 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, भटिण्डा ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक : 9-7-1984

मोहर 🖫

\* \*\*\*\*\*\*\*\*\*

प्ररूप बाई . टी. एन . एस . -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना पटना, दिनांक 11 **मई** 1984

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० तौजी मं० 519 प्लाट सं० 1381 हो० सं० 501, 502, 619 (पुराना) 2278 (नया) है, तथा जो ककरबाग रोड. पटना में स्थित है (ग्रीर इसमे उपावक ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप मे विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय पटना में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, दिनांक 9-11-1983

कां पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मृस्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित नाजार मृह्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं अन्तरक और (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में अस्तिक क्य से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने मं भ्विधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के सिए;

भतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अगुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन . निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत :-- 5--176 GI/84

(1) श्री गोपाल प्रसाद वस्त्र स्व० सीताराम माव निवासी---मुहत्ला छोटी खगाल पो० बो० थाना अगौल जिला--पटना।

(अन्तरक)

(2) श्री मदन लाल घाडावत वन्द श्री मोहनलाल घोडावत, प्रोपराइटर नेशनल केमिकल एण्ड फार्मास्यिटीकल वर्कस, कंकरबाग रोड । याना व पो०—कंकरवाग पटना ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रीं अस व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित बुवारा;
- (स) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित ब्रूथ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरण :--इसमे प्रयुक्त शब्दा और पदों का, जो उसका अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिवा गया है ।

# नग्सची

जभीन जिसका रकवा 13365 वर्ग फीट साथ में मकान जो मुहल्या कंकरवाग रोड, थाना वो पो०-कंकरवाग, शहर जिला-पटना वें स्थित है। जिसका पूर्ण विवरण विसका संख्या -8951 दिनांक 9-11-83 में विणित्त है तथा जिसका निवन्धन जिला अवर विबन्धक पदाधिकारी पटना के द्वारा सम्पन्त हुशा है।

> प्रबोध कुमार दुवे सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन परिक्षेत्र, विहार, पटना ।

दिनांक : 11-5-84

मोहर 🛭

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

बायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1): अधीन सूचना

कार्यानय, सहायक आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन परिश्वेत बिहार, पटना पटना, दिनांक 9 जुलाई 1984

निदेणक मं० <sup>1</sup>II-947/म्रर्जन/84-85—म्रतः मुझे, प्रबोध

कुमार दुबे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी कां, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रह. में अधिक है

श्रीर जिसकी सं० पार्ट श्रोफ हो० सं० 22 पुराना एवं 25 नया, वार्ड सं०-5 है, तथा जो स्वराजपुरी रोड, पो०/जिला-गया में स्थित है (श्रीर इसमें उपावद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्णस्प से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रजिस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 23-11-83,

को पूर्विवत मंगित्त के उचित वाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्छ है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात में अधिक है और अंतरक (अंतरकार्ग) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकात, निम्नितिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण कि खित में अस्तिक, निम्नितिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण कि खित में अस्तिक, निम्नितिखित नहीं किया गया है :----

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बागत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायिस्थ में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (श) एंगी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-फर अधिनियन, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्यारा एकट कही जिया रूप का या किया जाना चाहिए था, खियाने में सुनिया के लिए;

अत: अय, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण कों, भीं, अक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीत, शिक्तिलिखित व्यक्तितयों, अर्थात :---

- (1) श्री रतनलाल भ्रम्नवाल वल्द —श्री उदमी राम श्रम्भवाल । सा० पो०-टेह्टा, जिला—गया । वर्तमान निवासी—36, इजरास्ट्रीट, कलकत्ता । (श्रन्सरक)
- (2) श्री जिनेन्द्र प्रमायः वल्य श्री द्वारिका प्रसाद वर्नयाल निवासी--भहल्ला--रमना पो०/जिला--गया ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त् सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाराः
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाणत की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बक्ष किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निधित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा को उस अध्याय में लिया गया है।

# मन्स्ची

जमीन मय पक्का मकान जिसका रकवा 468 वर्गफीट के लगभग है एवं जिसे "जौतिका हाल" के नाम से जाना जाता है श्रीर जो स्वराजपुरी रोड, पो०/जिलां—गया में स्थित है एवं पूर्ण रूप से विसका सं० I−11845 दिनांक 23−11−83 में विणित है तथा सब-रजिस्ट्रार श्रोफ एन्श्योरेंसेज कलकत्ता के द्वारा पंजीकृत है।

प्रबोध कुमार दुबे सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना ।

दिनांक : 9-7-84

मोहर:

# प्ररूप आहा. टी. एन. एस. ------

# जायंकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यानय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रजंन परिक्षेत्र, बिहार, पटना पटना, दिनांक 9 जुलाई 1984

निवेशक सं० III-942/श्रर्जन/84-85--ग्रतः मुझे, प्रबाध कुमार दुवे,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-त के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रू. से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० पार्ट स्रोफ हो० गं० 22 (पुराना) एवं 25 नया, वार्ड सं०-5 है. तथा जा स्वराजपुरी, रोड, पो०/जिला-गया में स्थित है (श्रीर इसमें उपलब्ध स्नुसूची में श्रीर पूर्णेक्प से बाँगत है), रिजस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रिजस्ट्री-करण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रशीन, दिनांक 22-11-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और म्फे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वा कित सम्पत्ति का उचित्त बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल के ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निसित उद्विष्य से उथत अन्तरण सिनिद् में बार्स क्यू से किया नहीं किया गया है है---

- क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाधत तमत अभि-नियम के सभीन कर दोने के जन्तरक के दाधिक में कमी करने वा अससं वजने में नृत्रिका के लिए; कर्रिया
- (क) एसी किसी नाथ या किसी घन था अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय सायकण अधिनियम, 1022 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर् स्थिनियम, या अन-क्र्य स्थिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोखनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना वाहिए वा, छिपाने में सूत्रिधा के सिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ कं अन्सरण मों, भौं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——

- (1) श्रीमती कान्ता देवी अग्नवाल जोजे--श्री रतन लाल श्रग्नवाल । सा० पो०-टेहटा, जिला--गया । वर्तमान निवासी--36, इजरा स्ट्रीट, कलकत्ता । (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती सरस्वती देवी जौजे--श्री महेन्द्र प्रसाद निवासी---मुहल्ला-रमना, पो०/जिला--गया । (अन्तरिती)

का यह सूचना पारी करके पृवांक्त संपत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

### उक्त सम्मरित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की वविध, जो भी अविध वाद में समाप्त हांसी हो, के भीतर पूर्वोक्ड व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुबारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्ष्ररी के पास जिसित में किए वा सकींगे।

स्थव्यक्रियण: ---- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त बीधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# मन्सूची

जमीन सय पक्का सकान जिसका रकवा 468 वर्गकीट के लगभग है एवं जिने "जीतिका हाल" के नाम से जाना जाता है और जो स्वराजपुरी रोड, पो०/जिजा—गया में स्थित है एवं पूर्ण चप ने विसका संस्या : I—11801 दिनोक 22-11-83 में विजित है तथा सब रजिस्ट्रार औक एन्स्योरेंसेज कलकत्ता के हारा पंजीकृत है ।

प्रबोध कुमार बुवं सक्षम प्राधिकारी यहायक प्रायकर ग्रायुक्त, (निरीक्षण) ग्रर्जन परिक्षेत्र, विहार, पटना ।

दिनांक : 9-7-84

मोहर 🛭

# प्रस्व आर्थ. टी. एन , एस. 🗈 - - ----

# भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के मधीन स्वना

### भारत सरकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजंन पश्किल, बिहार, पटना

पटना, दिनाक 9 जुलाई 1984

निदेणक गं० III-950/ब्रर्जन/84-85---ब्र/तः मुझे, प्रबोध कुगार द्वे,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका अभित साजार मृत्य 25,000/ रहे में अधिक है

ग्रीर जिसकी सुर्व पार्ट श्रीफ हो । सं ० 22(पुराना) एवं 25 नया, बाई सं ० – 5 है. तथा जो स्वराजपुरी रोड, पो । /जिला--गया में स्थित है (ग्रीर इसने उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण हैं पे विणित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रीधकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण ग्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, दिनांक 21–11–1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है हि—

- (ंक) बन्तरण से हुई फिसी बाय की बाबता, उन्तर अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे दचने में सविभा के लिए अदि/या
- (च) एसी किसी नाय या किसी भन या जन्य नास्तिनी को, जिन्हों भारतीय प्राय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अस्तिरियम, विवास प्रवास प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना नाहिए था छिपाने में सुविधा के सिए;

सतः सन्, उसत अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उसत अधिनियम की भाग 269-भ की उपधारा (1) के अभीन, निम्मिलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् :—

- (1) श्री रतन लाल श्रम्भवाल बल्द--श्री उदमी राम श्रम्भवाल सा० पो०-टेहटा, ; जिला---गया । वर्तमान---निवासी---36, इजरा स्ट्रीट, कलकत्ता । (श्रन्तरक)
- (2) श्री महेन्द्र प्रसाद वल्द--श्री द्वारिका प्रसाद वर्नवाल निवासी---मुहल्ला---रमना, पो० /जिला गया । (भ्रन्तरिती)

को यह सुपना जारी करके पूर्वांक्त सर्पात के वर्जन के लिए कार्यवाहियां कुछ करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त स्यक्तियों में से किसी स्थिक्त दुवारा;
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकोंगे।

स्यख्टोकरण — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही बर्ध होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# नन्स्ची

जमीन सय पक्का मकान जिसका रकवा 468 वर्गफीट के लगभग है एवं जिसे "जौितका हाल" के नाम से जाना जाता है और जो स्वराजपुरी रोड. पो०/जिला-गया में स्थित है एवं पूर्णरूप से विसका सं • 11731 दिनांक 21-11-83 में विणित है तथा सब-रजिस्ट्रार श्रीफ एन्थ्योरेंसेज कलकत्ता के द्वारा पंजीकृत है ।

प्रबोध कुमार दुवे सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त, (निरीक्षण) ग्रर्जन परिक्षेत्र, बिह्वार, पटना ।

दिनांक : 9-7-84

मोहर 🖺

### प्रस्य बाई, टी. एत. एस ,------

**बायक र बांधिनियम, 1961 (1961 का 43) की** भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

### भारत सरकार

म्रर्जन परिक्षेत्र, बिहार पटना पटना, दिनांक 9 जुलाई 1984

निदेशक सं० 111-940/ग्रर्जन/84-85--ग्रतः मुझे, प्रवोध कुमार दुवे,

कायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिस्की सं० होत्छिंग सं० 22 (पुराना) एवं 25 (नया) वार्ड सं०—5 है, तथा जो स्वराज पुरी रोड, पोस्ट/जिला—गया में स्थित है (श्रीर इससे उपावड़ अनुसूची में श्रीर पूर्णस्प से विजत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1909 का 16) के श्रिधीन, दिनांक 21—11—1983

को पूर्वोकत संपरित के उचित बाजार मून्य से कम के धर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पर्ति का उचित बाजार मून्य, उसके धर्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उनत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथा गया है:—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की धाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दांने के अन्तरक के दायित्व में कमी अरने या उससं बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त आधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपानं में सुविधा के निए;

. असः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग कं अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः⊸

- (1) श्रीमती कान्ता देवी ग्रग्नथाल जीजे--श्री रतनलाल श्रग्नवाल सा०/पो०-टेहटा, जिला गया । वर्तमान निवासी---36, इंजरा स्ट्रीट, कलकत्ता । (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती गिरिजा देवी जौजे--श्री द्वारिका प्रसाद गर्नवाल, निवासी---मुह्रला-रमना, पो०/जिला-ख्राया । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति को अर्जन को लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त रुम्पतित् के नुर्जन के सम्बन्ध में कांध्रं भी बाक्षेप:--

- (क) इन सूबता हे राजरत में प्रकाशन की तारीस से 45 दित की सबिध या तस्सम्बन्धी ध्वक्तिनों पर सूबना की तापीत में 30 दित को सबिध, जो भी सबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थितयों में से किसी व्यक्ति दारा:
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ दोगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### मन्स्त्री

जमीन मय पक्का मकान जिसका रकवा 468 बर्गफीट के लगभग है एवं जिसे "जौतिका" हाल" के नाम से जाना जाता है है और जो स्वराजपुरी रोड, पो०/जिला—गया मे स्थित है एवं पूर्णस्य मे विसका सं० I-11706 दिनांक 21-1-83 में विणित है तथा सब रजिस्ट्रार ग्रांफ एन्थ्योरेंसेज कलकता के द्वारा पंजीकृत है ।

प्रबाध कुमार दुवे सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन परिकेत, बिह्रार, पटना ।

विनांक : 9-7-1984

मोहरु 🕄

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

पटना, दिनांक 9 जुलाई 1984

निदेणक सं० 111-948/अर्जन/84-85--अत: मुझे, प्रबोध कुमार दुबे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पत्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर समात्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रुपये से अधिक है

भीर जिसकी मं० पार्ट ग्रीफ हों० सं० 22(पुराना) एवं 25 नया, वार्ड सं०-5 है, तथा जो स्वराजपुरी रोड, पो०/जिला—गया। में स्थित है (ग्रीर इससे उपावत प्रमुची में ग्रीर पूर्णरूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक 22-11-1983

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रूथमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उधित बाजार मृत्य, उसके रूथमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशा से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्स अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की गवत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक क़ी वायित्व में कमी करने या उससे बचने में मूबिभा के लिए; और/या
- (ख) एसं किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर प्रश्नित्यम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-भर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अज, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्भरण मों, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के के अभीन, निम्नलिखिस व्यक्तियों, अर्थात :---

- (1) श्री रतन लाल भ्रग्नवाल बल्द--श्री उदमी राम श्रग्नवाल सो०/पो०-टेहटा, जिला--गया वर्तमान निवासी--36, इजरा स्ट्रीट, कलकत्ता । (श्रन्तरक)
- (2) श्री इन्द्र कुमार वर्द श्री द्वारिका प्रसाद वर्नवाल, निवासी--मुहल्ला-रमना, पो<sup>8</sup>/जिला-गया।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अवधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जबीं बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तिया में से किसी व्यक्ति खुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पित में हिशबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में कियो जा सकरो।

स्पव्योकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्तें अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिश हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### अदल्ली

जमीन मय पक्का मकान सिसका रकवा 468 वर्गफीट के लग-भग है एवं जिसे ''जौतिका हाल'' के नाम से जाना जाता है और जो स्वराजपुरी रोड,पो०/जिला—गया में स्थित है एवं पूर्ण रूप से बसिका सं० 1–11772 दिनांक 22–11–83 में वर्णित है तथा सब-रजिस्ट्रार ग्रीफ एन्स्योरेंसेज कलकत्ता के द्वारा पंजीकृत है।

> प्रबोध कुमार दुवे सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन परिक्षे**त्र,** बिहार, पटना

दिनांक : 9-7-84

प्ररूप भादां, टी. एन्, एस., = -- •

# नायकर निध्नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-अ (1) के अधीन सुबना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन परिक्षेत्र, विहार, पटना

पटना, दिनांक 9 जुलाई 1984

निदेश सं  $III_{-940}$ |प्राजन/84-85—-प्रन: मुझे, प्रबोध कुमार दुबे,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाधर संपित जिस्का उचित वाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० पार्ट औफ हो० सं० 22 पुराना एवं 25 नया वार्ड सं०-5 है, तथा जो स्वराजपुरी रोड़, पो०/जिला-गया में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध धनुसूची में श्रीर पूर्णल्प में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, कलकना में रिजस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16') के श्रधीन, दिनांक 23-11-83

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान अतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुर्फे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान अतिफल से ऐसे दश्यमान अतिफल का अन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकार) और (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निजिंदित उद्देश्य से उच्त अन्तरण लिबित में वास्तिक कुप से निम्निजिंदित उद्देश्य से उच्त अन्तरण लिबित में वास्तिक कुप से निभित्न नहीं किया गया है:---

- (क) अस्तरण संहुई किसी आय की बाबत उक्त अभि-नियम के अधीन कार दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जौड़/वा
- (वा) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या ध्य-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) अर्थ प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किए। अध्या असिए था, छिपाने में सुविधा वी सिए;

सतः वदः स्वतः विधितवम कौ भारा 269-व की अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) ते अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री रतन लाल ग्रग्नवाल बल्द-श्री उदमी राम ग्रग्नवाल । सा० पो०-टेहटा, जिला--ग्या । वर्तमान निवामी--36, इजरास्ट्रीट, कलकसा । (ग्रन्सरक)
- (2) श्री जितेन्द्र प्रसाद,
  बल्द श्री द्वारिका प्रसाद वर्नशाल
  निवासी—मृहल्ला—रमना
  पो०/जिला—गया ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के संबंत के निए कार्यवाहियां करता हुं

तकत सम्पत्सि के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप:---

- (क) इस यूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, वो भी अविधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पृत्रों कद व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बस्थ किसी जन्म व्यक्ति दवाय, जभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकोगे।

स्पाकाकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों आहर पर्यो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गमा है!

### वग्तुची

जमीन मय पक्का मकान जिसका रकवा 468 वर्गफीट के लगभ है एवं जिसे "जौतिका हाल" के नाम से जाना जाता है श्रीर जो स्वराजपुरी रोड, पो०/जिला-गया में स्थित एवं पूर्णरूप से विसका संव I-11836 दिनांक 23-11-83 में वर्णित है तथा सब-रिजस्ट्रार श्रीफ एंश्योरेंसेज कलकत्ता के द्वारा पंजीकृत है।

प्रवोधे कुमार दुबे सक्षम प्राधिकारी यहाबक प्रायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

दिनांक : 9-7-84

प्रकृष्ट कार्यः, टी., एक्., एस., -----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के संधीन सुचना

### भारत सरकाह

### कार्यां नय, सहाधक मायकर मायुक्त (निर्देशिण)

ग्रर्जन परिक्षेत्र, विहार, पटना पटना दिनांक 9 जुलाई 1984

निवेणक सं० III-944/ब्रर्जन/84-85--श्रतः मुझे, प्रबोध कुमार दुवे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-श्व के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० पार्ट ग्रोंक हो० सं० 22 (पुराना) एवं 25 नया, वार्ड सं०-5 है, तथा जो स्वराजपुरी रोड, पा०/जिला-गया में सिंथत है (श्रीर इससे उपाब्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्णस्प से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रजिस्ट्री-करण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक 23-11-1983

को पूर्वेक्त संपत्ति के उकित बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए जन्तिरत की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक क्षेप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अंतरण से हुन्दं किसीं जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दासित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) क्षेती किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय लाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या इन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविभा के सिए;

जतः अब उक्त जिभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-ए की उपभारा (1) के अभीनः, निम्यनिधित स्पविद्यों, अभित् ह

- (1) श्रीमती कान्ता देवी श्रग्नवाल जौजे—श्री रतन लाल श्रग्नवाल । साठ पोठ-टेहटा, जिला—गया । वर्तमान निवासी—36, इजरा, स्ट्रीट, कलकत्ता । (अन्तरक)
- (2) श्रीमती श्रनिता देवी जैजे--श्री इन्द्र कुमार निवासी---महल्ला---रमना, पो०/जिला-गया । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्ट सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती ही, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितनद्भ किसी अन्य स्थानत द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पृथ्विकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्ता अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गुमा है।

### जगत्त्री

जमीन मय पक्का मकान जिसका रक्तवा 468 वर्गफीट के लगभग है एवं जिसे "जौतिका हाल" के नाम से जाना जाता है श्रीर जो स्वराजपुरी रोड, पो०/जिला-गया में स्थित है एवं पूर्ण-रूप मे विमका सं० —11846 दिनांक 23-11-83 में विणत है तथा सब-रजिस्ट्रार श्रीफ एन्क्योरेंसेज कलक्का के द्वारा पंजीकृत है।

प्रशोध कुमार दुवे सक्षम प्राधिकारी नहायक ग्रायकर ग्रायुक्त, (निरीक्षण) ग्रजैन परिक्षेत, बिहार, पटना ।

दिनोंक: 9<del>-</del>7-84

मोहर 🖫

### प्रस्य भार्षे टी.एन.एस, ----

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुवना

#### भारत सरकार

कार्यासय, सहायक भायकर नामृक्त (निरीक्षण) ग्रार्जन परिक्षेत्र, विहार, पटना पटना, दिनांक 9 जुलाई 1984

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 25,000/- छ. से अधिक है

ग्रीर जिसकी मं० पार्ट ग्रीफ हों। सं० 22(पुराना) एवं 25 नया, वार्ड सं०-5 है, तथा जो स्वराजपुरी रोड, पो०/जिला-गया में स्थित है (ग्रीर इसमे उपावद्ध धनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्द्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्द्रीकरण प्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 21-11-83,

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्दृह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिता (अंतिरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण निष्मित में वास्तिवक रूप में अधिन नहीं किया गया है :-

- (क) बंतरण से हुई किसी साथ की बाबत, उक्त बौधिनियम के अभीन बार दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में मृथिधा के सिए: बौद/बा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

- (1) श्री रतन जाल ग्रग्नवाल बल्द--श्री उदमी राम श्रग्नवाल । सा० पो०--टेहटा, जिला-गया । वर्तमान निवामी--- 36, डजरा स्ट्रीट, कलकत्ता । (ग्रन्तरक)
- (2) श्री महेन्द्र प्रमाद बल्द-श्री द्वारिका प्रमाद वर्नवाल निवासी---महल्ला-रमना, पो०/जिला गया । (अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्विका सम्योग क सर्वत की जिल्ला कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्परित के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त ज्यक्तियों में ये किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अथाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा मकोंगे।

स्यक्टोकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गुवा हैं।

### नन्त्र्यी

जमीन मय पक्का मकान जिसका रकवा 468 वर्गफीट के नगभग है एवं जिसे ''जौतिका हाल'' के नाम से जाना जाता है और जो स्वराजपुरी रोड, पो०/जिहा—गया मे स्थित है एवं पूर्ण रूप से विसका सं० 1-11705 दिनांक 21-11-83 में विणित है तथा सब-राजस्ट्रार औफ एक्योरेंसेज कलकत्ता के द्वारा पंजीकृत है ।

प्रवोध कुमार दुवे सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेंन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

विनांक : 9-7-84

प्ररूप नाइ . टी . एन . एस . -----

## नायकर जभिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) के नभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना पटना, दिनांक 9 जुलाई 1984

निवेश सं० III-943/मर्जन/84-85--- म्रतः मुझे, प्रबोध कुमार दुवे,

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित वाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० पार्ट श्रीफ हो० सं० 22 (पुराना) एवं 25 नया, वार्ड सं० 5 है, तथा जो स्वराजपुरी रोड, पो०/जिला—गया में स्थित है (ग्रीर इससे उपलब्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्णरूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय कलकता में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रघीन, दिनांक 23—11—1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृल्य में कम के इश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुके यह विश्वात करने का कारण है कि यथापूर्वित सम्परित का उचित बाजार मृल्य उसके दश्यमान प्रतिफाल से एसे दश्यमान प्रतिफाल का पन्नह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कास, निम्मालिकित उद्देश्य से उच्य अन्तरण लिखित में मास्पिक दूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुइं किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मो कमी करने या उससे अच्छे मो स्विधा के तिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवादनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था का किया जाना चाहिए था कियाने में सविधा के लिए;

बर्धः अव, उक्त विभिनियम की भारा 269-ण के वस्तरण वाँ, वाँ, उक्त विभिनियम की भारा 269-ण की उपधास (1) को कभीन, निम्मलिखिल व्यक्तियाँ, अभातः :---

- (1) श्रीमती कान्ता देवी श्रग्नवाल, जौजे—श्रीरतन लाल श्रग्नवाल । सा० पो०~टेहटा, जिला—गया । वर्तमान निवासी—36, इजरा स्ट्रीट, कलकत्ता । (श्रन्तरक)
- (2) श्रीमती ग्रनिता देवी जौजे--श्री इन्द्र कुमार । निवासी---मुहल्ला--रमना, पो०/जिला---गया । (ग्रन्तरिती)

**भा यह स्वा** वारी करके प्वाकत सम्मत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीविक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की ताराख्न में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिस्ति में किए जा सकरेंगे।

म्मण्डीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पतों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विशा गया ही।

### **बन्स्**ची

जमीन मय पक्का मकान जिसका रकवा 468 वर्गफीट के लगभग है एवं जिसे "जौतिका हाल' के नाम से जाना जाता है श्रोर जो स्वराजपुरी रोड, पो०/जिला—गया में स्थित है एवं पूर्ण रूप से वसिका सं० I-11835 दिनांक 23-11-83 में वर्णित है तथा सब-रजिस्ट्रार श्रॉफ एंग्योरेंसेज कलकत्ता के द्वारा पंजीकृत है।

प्रबोध कुमार दुवे सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर घायुक्त (निरीक्षण) धर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

विनांक : 9-7-1984

### प्रकर् शहरें, हो, एत, एस,------

जायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-थ (1) के नधीन स्थान

### भारत सुरकार

कर्स्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्दाक्षण) अर्जन परिक्षेत्र, बिहार पटना, दिनांक 9 जुलाई 1984

निर्देश सं । [[[-949]ग्रर्जन | 84-85-- ग्रतः, मुझे, प्रबोध कुमार दबे,

भायकर मिपिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

ष्रीर जिसकी सं० पार्ट भ्राफ हो० सं० 22 (पुराना) एवं 25 नया, बाई, सं०-5 है, तथा जो स्वराजपुरी रोष्ठ, पो०/ जिला गया में स्थित है (भ्रीर इससे उपलब्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख 22-11-83

को पृंबाँकत सम्पत्ति के उपित बाजार मृत्य में कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए बन्तिरित की गई है और मूझे यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मृत्य, इसके क्ष्यमान प्रतिफल से एसे क्ष्यमान प्रतिफल का पंक्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा भया प्रतिफल, निम्निलिसित उद्वेष्ट से उक्त अन्तरण लिसित में नास्तिवक रूप से किथत नहीं किया ग्या है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अभिनियम के बभीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; बार/बा
- (क) एसी किसी बाय या किसी भन या अस्य अस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयाज असिनियम, 1922 (1922 की 11) या उनत अधिनियम, या भन्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविभा के लिए;

भत. अथ, हक्त अधिनियम की धारा 269 ए के अनुसरण मीं, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के बधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, सर्थात :---- (1) श्री रतन लाल श्रग्नवाल बल्द—श्री उदमी राम प्रग्नवाल सो०/पो० टेहटा, जिला गया वर्तमान निवासी-36, इजरा स्ट्रीट, कलकत्ता

(मन्तरक)

(2) श्री इन्द्र कुमार वर्त्य श्री द्वारिका प्रसाद वर्नवाल, निवासी महल्ला-रमना, पो०/जिला—गया। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पृवोक्त संपत्ति के वर्जन के निष् कार्यवाहियां करता हुएं।

उन्दर संपत्ति के अर्थन के संबंध में कार्ड भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वॉक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब्र्ध किसी अन्य व्यक्ति च्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरणः---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, वो जनत् अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बहुति वर्ष होगा, जो उस अध्याम में दिया गया

### नन्त्र्यौ

जमीन मय पक्का मंकान जिसका रक्वा 468 वर्गफीट लगभग है एवं जिसे "जोतिका हाल" के नाम से जामा जाता है और जो स्वराजपुरी रोड, पो०/जिला गया में स्थित है एवं पूर्ण रूप से विसका सं० 1-11800 दिनांक 22-11-83 में विजित है तथा सब रिजिस्ट्रार आफ एस्थोरेन्सेज कलकता के बारा पंजीकृत है।

> प्रवोध कुमार दूवे सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन परिक्षेत्र, विहार,पटना

**सारीख: 9-7-1984:** 

मोहर ः

प्ररूप बाह् , ट्री. एन . एस . ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 प (1) के जुधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक कायकार भायका (निरीक्षण) अर्जन परिकोल, बिहार, पटना पटना, दिनांक 8 जुलाई 1984

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संस्थित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० पार्ट श्राफ हो० सं० 22 (पुराना) एवं 25 नया, वार्ड सं०-5 है, तथा जो स्वराजपुरी रोड, पो०/ जिला म्गया में स्थित है (ग्रार इसमे उपलब्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 22-11-83

की पूर्वोक्त संपत्ति के उपित वाकार मूल्य से कम के दलमान प्रतिकल के लिए अन्तारत की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य उसके दल्यमान प्रतिकल से, ऐसे क्ष्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गवा प्रतिकल निम्नसिवित उद्देश्य से उद्देश अन्तरण कि बित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गवा है :—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त जिनियम के बधीन कर दोने के जन्तरक के धायरण में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के तिस्स, जौर/बा
- (क) एंसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियाँ की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या वन-कर वाधिनियम, या वन-कर वाधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती इंताए प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृष्धा के सिए;

नतः सर्वः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्रीमती कान्ता देवी घग्नवाल जोजे-श्री रसन लाल भ्रमवाल सा० पो० टेहटा, जिला गया वर्तमान निवासी-36, इजरा स्ट्रीट, कलकत्ता।
  - (भ्रन्तरक)
- (2) श्रीमती सरस्वती देवी जोजे श्री महेन्द्र प्रसाद निवासी महरूला रमना, पो० जिला गया। (श्रन्तरिती)

को वह सूचना जारी कारके पृत्रांचिस सम्पर्तित के अर्जन के जिल्ह कार्यवाहियां करता हुं।

चक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी विकास बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवाकत व्यक्तियों में से किसी स्थास्त बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित्त में हितवक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास जिल्ला में किए था सकोंगे।

स्थळीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जीधनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### नग्राची

जमीन मय पक्का मकान जिसका रकवा 468 वर्गफीट लगभग है एवं जिसे "जोतिका हाल" के नाम से जाना जाता है और जो स्वराजपुरी रोड, पो०/जिला गया में स्थित है एवंपूर्ण रूप से वसिका संख्या I-11771 विनांक 22-11-83 में विणित है तथा सब रिजस्ट्रार भाफ एस्योरेन्सेज कलकता के द्वारा पंजीकृत है।

> प्रबोध कुमार दूबे सक्षम पदाधिकारी सहायक भ्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजन परिक्षेत्र, बि**हा**र, पटना

नारीख : 8-7-1984

### पुष्प बाद'. टी. एन. एस

बायकर बांधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 थ (1) के अभीत मृचना

### भारत बरकार

कार्यालय, सहायक गायंकर शायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन परिक्षेत्र, बिहार पटना पटना, दिनांक 9 जुलाई 1984

निर्देश सं० [11-945/ब्रर्जन/84-85---अतः **मुझे, प्रबोध** कुमार दूबे,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की धारा 269-छ को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थानर सम्परिता, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० होस्डिंग सं० 22 (पुराना) एवं 25 (नया वार्ड सं०-5 हैं, तथा जो स्वराज पुरी रोड, पोस्ट/जिला गया में स्थित हैं (श्रौर इससे उपलब्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत हैं), रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रीधकारी के कार्यालय कलकता में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन सारीख 21-11-83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूर्यमान प्र. तिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्ने यह विस्थास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उ. पक्षे दृश्यमान प्रतिफल से, एसे 'रूर्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रति भूत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितिया ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्ने भिष्य उच्चे स्पृ से उचित अन्तरण किवित में बासिविक रूप से कृथित नहीं किया गया है :---

- (क्ष) अन्तरण सं<sup>ह</sup> हुई किसी आम की नासत, उसल अधिष्यक्ष भी अपीच कर को के अभ्यासक की वाधित्व में भिन्नी करने या उससे वचने में सुविधा की जिल्हें कोर/जिल
- (क) एसी किसी बाय, या किसी धन या अन्य जास्त्यों की, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम 1922 (1922 का 11) वा उक्त जीधनियम, या धन-कर जीधनियम, या धन-कर जीधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया बना वा किया जाना शाहिए था, छिपाने में सुविभा के सिए;

अत: अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-त को अनुसरण मं, मं उक्त अधिनियम की धारा 269-त की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों अधीत्—ः (1) श्रीमती कान्ता वेवी प्रप्रवाल जौजे-श्री रतनसाल ग्रप्रवाल सा०/पो० टेहटा, जिला गया वर्तमान निवासी 36, इजरा स्ट्रीट, कलकत्ता।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती गिरिजा देवी जोगे श्री द्वारिका प्रसाद अर्नवाल, निवासी महल्ला-रमना, पो०/जिला-गया। (ग्रन्तरिती)

को यह सुचना भारों करके प्वेक्ति संपक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

### दक्त सम्मरित के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाह्मेप्:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब है 45 विन की जबिंध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 बिन की जबिंध जो भी स्वाधि नाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यवाराः
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 सिन के भीसर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास निक्ति में किए वा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --इसर्म प्रयुक्त शब्दों और पदों का, आं उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया क्या है।

### जन्स्ची

जमीन मय पक्का मकान जिसका रकवा 468 वर्गफीट लगभग हैं एवं जिसे ''जौतिका हाल'' के नाम से जाना जाता है ग्रीर जो स्वराजपुरी रोड, पो $\circ$ /जिला गया में स्थित है एवं पूर्णरूप से विसका सं $\circ$  I-11732 विनांक 21-11-83 में विजित है तथा सब रिजिस्ट्रार ग्राफ एस्योरेन्सेज कलकना के द्वारा पंजीकृत है।

प्रबोध कुमार दूवे सक्षम पद्याधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

तारीख: 9-7-84

मोहर 🖫

प्रकृप मार्च टी. एन्. एस. ----

नायकर अभिनियर, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

#### भारत तरकार

कार्यालय, महायक शायकर आयुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-111, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 26 मप्रैल 1984

जायक्षर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके प्रधात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्रधिकारों को यह विष्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

भौर जिसकी संख्या 52/49 है तथा जो रामजस रोड करोल बाग में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्व रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16 के श्रधीन तारीख 15-11-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल को पन्त्रह प्रतिचल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निव्नतिचित उद्देवयों से उच्त बन्तरण सिचित के बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उसत अभिनियम के अभीन कर दोने के बन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; अट्टिंग
- (ण) ऐसी किसी बाय या किसी धन वा अन्यू आहिस्तयों को जिम्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नृहीं किया गया धा या किया बाना बाहिए था, किपाने में स्विधा के बिए;

(1) श्री प्रीतम सिंह स्याल, डी० 117, आनन्द लौक, नई विस्ली :

(मन्तरक)

(2) श्रीमती सुरेन्द्र कौर चौपड़ा 52/49, रामजस रोड, करोल बाग, नई दिल्ली।

(ब्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपूत्र में प्रकाशन की शारी से 45 दिन की अविधि या तुरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी जब्धि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वीक्त स्पिक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीब है 45 बिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास् सिबित में किए जा सकी गे।

### वन्स्यी

प्रापटी नं > 52/49, रामजस रोड़ करोल बाग, नई दिल्ली।

बी० के० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-III, विल्ली, नई दिल्ली-110002

अशा अब् उक्त अभिनियम की भारा 269-म की अस्तरण में में, उक्त अभिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के सभीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों, जुर्मात् १---

तारीख : 26-4-1984

मोहर 🕄

प्ररूप बार्ड . टो . एन . एस . -----

नायकार निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की श्रास 269-म (1) के अधीन सम्बन

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंज-3, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 26 अप्रैल 1984

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/II1/एस० आर० II1/
1183/390— अतः मुझे, बी० के० गुप्ता,
बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मूल्य
25,000/- रा. से बिधक है

भौर जिसकी संख्या प्लैट नं० 4 है तथा जो मसजिद मोठ नई दिल्ली में स्थित है (भौर इससे उपाबड अनुसूची में पूर्ण रूप से बाँणत है), रजिस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय नई दूँदिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1980 का 16) के अधीन तारीख 15-11-1983

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मुद्ध से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ड हैं आर मुक्ते यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित आजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिस्त से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियाँ) के सीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, मिन्नसिचित उच्चक्य से उच्च अन्तरण निचित्त में बास्तविक रूप से किथा नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जिथिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी अाय या किसी धन या जन्य आस्सियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जीहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भ्राँ, माँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (१) को अधीर, तिस्मलिकित स्पिक्तियों, अधीत् ::---

- (1) श्री एन० ग्रार० मोहिन्द्रा ए० 1/98 सफवरजंग एनक्लेब, नई दिल्ली
  - (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती मीरा धर्मा निवासी 39/9 धिक्तनगर दिल्ली।

(अम्तरिती)

को यह स्थान जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निक्षित में किए जा सकोंगे।

स्थव्यक्तिरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदा का, जां उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

फ्लैट नं० 4 श्रानुपातिक हिस्सा प्रोपटी नं० 9 फोर्ट रोड मसजिद मोठ नई दिल्ली।

> बी० के० गुज्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्ट आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-III, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 26-4-84

प्ररूप बार्क, टी. एन. एस. -----

**भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा** 269-म (1) को अधीन सचना

### भारत नरकार

कार्यानय, सहायक बायकर बायकत (निरीक्षण) अर्जन रेंज-III, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 26 अप्रैल 1984

निर्देश सं० आई० ए० मी०/एक्यू०III/एस० आर०III/1183/395—अतः मुझे वी० के० गृता

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमं इसके पद्मात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का भारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मन्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० कृषि भृमि है तथा जो गांव महरौली तहसील महरौली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अमूनुची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिवारी के कार्यालय नई दिस्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 7-11-1983

को पर्विचत सम्पत्ति के उभित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रितिफन के लिए उन्तरित की गर्द है और मृत्रे यह दिक्यम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफाल से, एसे प्रश्यमान प्रतिफाल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तयिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण संहुई किसी आग की बाबत उक्त अधि-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दियाल में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/यां
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :—— (1) श्रोमती प्रेम बती निवासी गांव महरौली नई बिल्ली।

(अन्तरक

(2) श्री रक्षा कुमारी निवासी 31, चिकपोस्ट रोड बंगलौर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए' कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील सं 30 दिन की अविधि, आंभी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क्ष) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थब्दीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदी का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गवा है।

### अनुसूची

कृषि भूमि गांव महरौली नई दिल्ली ।

वी० के० गुप्सा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजन रेंज्या, दिस्ली, नई दिल्ली -110002

तारीख: 26-4-1984

मोह्नु 🛭

### प्रकृष बाह् . ही. एन्. एत.-----

बायकर लिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के जभीन स्थाना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंजIII, नई दिल्ली

नई दिल्ली, विनांक 26 अप्रैल 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०III/एस० आर०III/ 1183/396—अत: मुझे बी० के० ग्प्ता,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की बारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो गांव महरौली तहसील महरौली में स्थित है (श्रीर इससे उबापछ अनुसूची में पूर्व रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रिजिस्ट्रीकरण अधिनायम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 17-11-1983

को प्वींक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का वृंद्ध प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल जिल्ला निम्नलिखत उद्देष्य से उकत अंतरण लिखित में बास्तिवक रूप से किथा नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण सं हुर्च किसी जाय की बायत उक्स अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

असः अब, उन्तत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भी, भी उन्तत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) क अधीन, निम्निसिस व्यक्तियाँ, वर्धात :---

- (1) श्रीमती प्रेम वती निवासी महरौली नई दिल्ली। (अन्तरक)
- (2) श्रीमती रक्षा कुमारी निवासी 31, चिकपोस्ट रोड बेंगलौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्जन के किए कार्यवाहियां करता हूं।

**उक्त सम्पारत के अर्थ**न के सम्बन्ध में कोड़ भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व से 45 दिन की अविभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की लारीस सैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-वव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताकरी के पास सिवित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया नया है।

### वन्स्ची

कृषि भूमि एम० नं० 31, किला नं० 16 श्रीर 17 गांव महरौली नई दिल्ली।

> बी० के० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंग III, दिल्ली, नई दिल्ली 110002

तारीख: 26-4-1984।

मोहर

प्ररूप आहर्षे. टी. एत. एस.-----

**बायकर विधिनियम**, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) को अधीन स्वता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्षर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज III नई विस्सी

नई दिल्ली, दिनांक 26 अप्रैल 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू० III/एस० आर॰III/ 1183/317-अतः मुझे बी० के० गुप्ता,

बायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), अर्थ धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो गांव महरौली वहसोल महरौली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिस्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 गा 16) के अधीन तारीख 17-11-1983

को प्रांकित सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए जन्नरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण हो कि यथाप्तिकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से, एसे रश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के यीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त ाधिनियम के अधीन कर वेने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे क्षने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अल्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (192? का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के जिल्ला अधिनियम से अस्तियों देवारा प्रकट नहीं किसा गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृविधा के निए;

अत: अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग क अन्सरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखिल व्यक्तियों, अर्थास :--- (1) श्रीमती सत्यावती सपुत्री हिर सिंह निवासी महरौली नर्ड दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री आई० जीत निवासी 31 चिकपोस्ट रोड बंगलीर।

(अन्तरिती)

को यह सूथना जारी करके पूर्वीयन सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के शर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :

- (क) इस सूधना के राजपत्र में प्रकाशन की टारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र भें प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त रिधायर सम्पत्ति भी हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :-- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त बीधीनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

कृषि भूमि एन० नं० 31 किला नं० 2312 एम० नं० 44 फिला नं० 3/2 गाव महरौली तहसील महरौली।

> बी० के० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज-JII दिल्ली, नई दिल्ली 110002

तारीख: 26-4-1984

प्ररूप आई. ही. एन. एस.,-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 26 अप्रैल 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी० एक्यू० /एस० आए० / 1183/398---अतः मुझे बी० के० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो महरौली में स्थित है (श्रीर इससे उापबढ़ अनुसूची में पूर्व रूप से बर्णित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन सारीख 17-11-1983।

को पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्प्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृषिधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी बाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् 🖫

(1) श्रीमती सत्या वती सुपुत्नी हरि सिंह गांव महरौली देहली

(अन्सरक)

(2) श्री आई० जीत 31, चिकपोस्ट रोड बंगलीर। (अन्तरिती)

को यह स्थना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तिमां पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबत्थ किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उकत शिंपिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### बन्स्ची

कृषि भूमि, एम० नं० 31, किला नं० 77 गांव महरौसी तहसील महरौली नई दिल्ली।

> बी० के० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक खायकर आयुक्त (निरीक्षण) अजन रेंज III दिल्ली, नई दिल्ली 110002

सारीख: 26-4-1984।

मोहर 🛭

प्रकप काइ. टो. एन्. एस. ------

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

#### नारत बरकार

कार्यात्त्रय, सहायक नायकर नायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, 4/14 ए, श्रासफ मली रोड दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 26 अप्रैल 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू० III/एस० आर०III/ 11-83/402--अतः मुझे, बी० के० गुप्ता,

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसं इसमें इसके परचात् 'उक्त निधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के निधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. ने निधक हैं

श्रीर जिसकी संख्या एफ० 243 है तथा जो नया रिजन्द्र नगर नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के सधीन सारीख 25-11-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए बन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके श्रम्यमान प्रतिकल से, ऐसे श्र्यमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अम्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरम के लिए तम पामा गया प्रतिकल कि निम्मितियों उच्चेष्य में उच्च अन्तरण निम्मित में बास्तिवक क्य से कथित मही किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक औ वायित्य में कमी करने या उससे वजने में सुविधा के निष्; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी भन या जन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रजोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया जवा जा या किया जाना चाहिए था, जियाने में स्विधा के लिए;

ल्लाः क्य, अन्त अभिनियम की भारा 269-म के समृतरभ मों, मी, उस्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के सभीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, सभीत :--- (1) श्री के० एल० ईसर, एफ० 243 नया रजिन्द्र मगर नई दिस्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री चन्त्रा ब्राहरी 4, भगों लेन कलकत्ता-700001। (अन्तरिती)

को यह सुचना चारी करके पृथाँकरा सम्मीत्त के वर्षन के किए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

डक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाहोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींस से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वका के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितनद्रभ किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी के दास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्वष्यक्रीकरणः ----इसमें प्रयुक्त सुन्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में तथा परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### मन्सूची

प्रोपटी मं० एफ० 243 की पहली मंखिल नया रजिन्द्र नगर नई विस्ली।

> बी० मे० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण) अर्जन रेंज-III, दिल्ली, नई दिल्ली-110002।

तारीखाः 26-4-84

महेर 🛪

भू**क्य बार्ड**् थी. एन*ु* एस. ------

कायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कौ धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-III 4/14 ए ग्रासफ श्रली रोड, नई विल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 30 मई 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एनयू० III/एस० आर० II/ 11-83/1099—अस: मुझे, बी० के० गुप्सा,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कार्ण है कि स्थायर संपत्ति, जिसका उचित बाबार मूक्य 25,000/रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो गांव नांगल ठाकरा नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नवम्बर 1983

को पूर्वों सत संपत्ति के उषित बाजार मृत्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उषित बाजार मृस्य उसके रूद्यमान प्रतिफल से, ऐसे रूद्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) बलाइन वे हुए जिसी बाव की बाव्य , जनस् वर्तिप्रियम के अवीत कर दोने के अलाइक के वास्तिह्य में कनी करने वा बबसे व्यूने में दुविया के बिए; बार्/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन वा अन्य जास्त्यों को, जिन्हें भारतीय गायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त व्यक्तियम, दा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थिपाने में स्विधा चें दिस्तः

यशः अव, उक्त अभिनियन की भारा 269-ग के जन्नूबरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ६--- (1) श्री लखमी दास गांव सौदपुर तहसील ग्रांर जिला सोनीयत ।

(अन्तरक)

(2) श्री कृष्णधन्द गुप्ता मोहन लाल राजीव गुप्ता रिव भूषण, नरेश कुमार ए० 49 न्यू मुसतान नजर नई विल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की जब्दिश या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील, से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए वा सकेंगे।

स्यध्वीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विभिन्यम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ नहीं क्षे क्षेणा को उस अध्याय में दिका पदा हाँ

## नम्स्वी

कृषि भूमि 14 बीघा 19 विसवा गांव नांगल ठाकरा धिल्ली।

> बी० के० गुप्ता सक्ष्म प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण) अर्जन रेंज-III, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 30-5-1984।

मोहर 🛭

प्रस्त्य आर्घ.टी. एन्.एस्.-----

आधकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ल (1) के अधीन स्थान

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक अायकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज- $W_{14}/4$ , श्रासफ अली रोड, नई दिल्ली नई विल्ली, दिनांक 29 मई 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू० III/एस० आर०II/

1183/1116—अत: मुझे, बी० के० गुप्ता आमकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को गह विश्वास करने का फारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक हैं और जिसकी सं० अपि भिम है तथा जो गांव पपरावट

भौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो गांव पपरावट तहसील महरौली दिल्ली, में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यौलय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का बंदह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निक्तिलिस उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) जन्तरण वे हुए किसी बाद की बाबत, उनक जीधनियम के स्थीन कर वोने के अन्तरफ के दाजित्व में कभी करने या उसने मण्डी स्थिभा क निए; और/बा
- (च) ऐसी किसी जाय या किसी भण या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय जाय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्ता अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, क्रियाने में, सुविधा खें बिए;

अतः अब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ण के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री पहलाद, नस्यू बुद्धु गांव पपरावट तहसीक्ष महरौली दिल्ली स्टेट।
  - (अन्तरक)
- (2) श्री सन्तोख सिंह निवासी 9/38 रमेश नगर नई बिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त संपर्ति के बर्चन के सिए कार्यवाहियां कारता हुं।

जयत संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया भया है।

#### वन्त्रभ

1/2 भाग 18 बीघा 8 बिसवा भूमि का एम० नं० 53 किला नं० 16, 17, एम० नं० 52 किला नं० 19, 20 गांव पपरावट तहसील महरौली नई दिल्ली।

बी० के० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण) अर्जन रेंज-III दिल्ली, नई, दिल्ली 110002

तारीख: 29-5-1984

मोहरू

प्ररूप आई.टी.एन.एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) को अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 29 मई 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/ , एस० आर०/ $\Pi$  11-83/ $\Pi$ 7--अतः मुझे, बी० के० गुप्ता,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का फारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

द्यौर जिसकी संख्या 1/2 भाग कृषि भूमि है तथा जो गांव पपरावट तहसील महरौली नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपावद्ध अनुसूची में पूणं रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्त्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजि-स्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख नवम्बर 1983

को पूर्धोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिसित उद्देश्य से उच्त अन्तरण लिसित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत उकत अधिनियम के जधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी बाय या किसी धन या अ य आस्मियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27). के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गथा था सा किया जाना चाहिए था. कियाने में मृतिशा के सिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निस्ति व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री पहलाद, नत्थू, बुद्धु निवासी पपरावट तहसील महरौली दिल्ली स्टेट।

(अन्तरक)

(2) श्री सन्तोख सिंह, निवासी 9/38 रमेश नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्धीकरणः—इसम प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया। गया हैं।

### वन्स्ची

1/2 भाग कृषि भूमि का 18 बीघा 8 विस्वा एम० नं० 53 किला नं० 16, 17 एम०नं० 52 किला नं० 17, 20 और 21 गांव पपरावट तहसील महरौली

> बी० के० गुप्ता सक्षम प्राधिकारो सहायक आधकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जनरेंज-III, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 29-5-1984

मोहरः

त्रक्य बाइं. टी. एन्. एस. ----

मायकर अभिनियम, 1961 (1961 मा 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

### बार्ड बरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-III नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 28 मई 1984

निदेश सं० आई० ए० सं०/एक्यू०/III/एस० आर० 4/ **11-**83/920—अत: मुझे, बी० के० गुप्ता,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकार 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्यास करने का कारण है कि स्थायर संपर्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या ए०-250 है तथा जो कृष्ण नगर दिल्ली-51 में स्थित है (श्रीर इससे उपावद अनुसूची में पूर्ण रूप से बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण-अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख नवम्बर 1983

को पृथोकत सम्परित के उणित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गृह है और मृत्रे यह विश्वाझ करने का कारण है कि यथापूर्वोकत सम्परित का उणित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से एसे दश्यमान प्रतिकल का बन्द्रह प्रतिकास से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उपत अन्तरण लिखित में बास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष में अधिनियम के अधीन कर वेने के अन्तरक के धायित्य में कमी करने या उससे बचने में बृविधा के लिए; जौर/या
- (ब) एसी किसी आय या किसी पन या अन्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय आया अर्थ अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या वव-कर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोधनार्थ अन्तरियों ब्वारा प्रकट नहीं किया ववा वा या किया वाना वाहिए था, कियाने में मिक्श के सिए;

नतः जन, उपत निधनियम की भारा 269-ग के, नन्तरण में, में उक्त अधिनियम की भारा 269-थ उपभारा (१) को अभान, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थातः— (1) श्रीमती बलजीत कौर डी०-2 ईस्ट निजामुद्दीन नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री सत्या नारायण ए-2/50 कृष्ण नगर दिल्ली-51 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के निए कार्यवाहियां करता हुं

उक्त सम्पत्ति को कर्जन को सम्बन्ध में कोई भी जानप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की ज्वधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स स्थावतयों में से किसी स्थित द्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपन में प्रकासन की तारीज वें 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, बभोइस्ताक्षरी के पास जिल्लि में किए वा सकोंगे।

स्पट्टिकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा. जो उस अध्याय में दिया गया है।

### जन्सूची

प्रोपटी नं० ए०-2/50 कुष्ण नगर, दिल्ली।

बी० के० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजन रॅंज-III, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 28-5-1984

मोहर 🖫

್ ಬರ್ಗಾಗಿ ಬರುವಾಗಿ ಬರುವಾಗಿ ಮುಂದು ಬರುವಾಗಿ ಬರುವಾಗ

व्या माह टा एन एए . ----

अस्थान अस्तिविक्ताः (501 (1961 का.क.) को पत्ति १६० मा (१) या कराम भारता

#### भारत सरकार

कार्यानक गरायक आयकार आयक्त (जिस्सिण) अर्जन रैज, बंगलूर का कार्यालय बंगलुर, दिनांक 28 जुन 1984

निर्देश मं० मी० आए० 62/782/83-84—यतः, मुझे, मंजु माधवन, सहायक आयक्षण आयुवत (निरीक्षण), अर्जन रेज, त्रंगल्य

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) शिवसं ध्यमं इसके पश्चात 'उन्नत अधिनियम' कहा गया हुँ), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारज है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा से अधिक है

भौर जिसकी संव 3766/1310 है तथा जो गधग नियर ट्र नमजोणी रोड़ में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ती श्रधिकारी के कार्यालय, गधग में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख 26 नवम्बर 1983

को पूर्वोंकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत सम्पत्ति का उजित आजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से एसे दश्यमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितिगों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तथ पारा एया पित-फल निम्नितिगों के बीच एमें अन्तरण के लिए तथ पारा एया पित-फल निम्नितिगों के बीच एसे अन्तरण कि लिए तथ पारा एया पित-फल निम्नितिगों के बीच एसे अन्तरण कि लिए तथ पारा एक कि लिए से किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुनिधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया आ या किया जाना चाहिए था. हिल्लाने में मिनिधा की लिए:

भार काब , उभने ब्योधानियम, की धारा १६९-ग को अनुमरण भो, भी, जिस्ता अधिनियम की धारा २६९-म की उपधारा (1) हो कारी । निकालियिक व्यक्तियों, अर्थात् ---8-17660/84

- ा. (1) धीमति हमा देती
  - (2) श्रीविलाक
  - (3) श्री चैनन्या,
  - (4) थी नैना,
  - (5) श्री भगवान पास बम्बई, कन्डेनल, बम्बई-66 । (अन्तरक)
- 2 श्री जे० कुणालदास और कम्पनी गधग, पार्टनर और मैनेजर श्रीसंगण्या. हित्रक्लकुट, पोर्ट गधग, गधग

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस मुखना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन को अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वारा;
- (अ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस दें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकोगें।

स्पद्धीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त जीवनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

(दस्सावेज सं० 1417/83 नारीख 26-11-83)

सम्भत्ति हैं जिसका मं भी० एस० 3766/1310 उसका नापना 809 स्क्वेयर यार्डम, जो गधग नियर टूनमजोणि रोड, में स्थित है।

संज् माधवन सदाग प्राधिकारी सहायक भागकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बगलुर

तारीख : 28-6-1984

्रार्ट्स आहुर्रे , द्वी , **एन् , एस् , \*\*\*\*\*\*\*\*\*** 

आयकर मिधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन मुखना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांकः 20 जून 1984

निदेश सं० ने० नोटिस सं० 780 है यतः, मुझे, श्रीमती मंजु माधवन, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, बंगलूर

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पब्चात 'उन्नत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका जीवत बाजार मृल्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी संवनंव पर्लैट नव 7 तीसरी मंजिल है, तथा जो शांता हुर्गा अपार्टमेंट, मेट्रोपील सिनेमा के पीछे मडगांव—गोंबा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकता अधिकारी के कार्यालय, सालसेट (मडगांव—गोंबा) में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 1 नवम्बर 1983

को पूर्वांक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उणित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल का बन्द्रह प्रतिशत से गधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल निम्नलितित उद्देश्य से स्कत अन्तरण निचित में बास्तविक कण स निम्नलितित उद्देश्य से स्कत अन्तरण निचित में बास्तविक

- (का) अन्तरण संहुई किसी बाब कर्ने बाबत, उधतं अभिनियम को अधीन कर दाने के अन्तरक के वासित्व में क्रमी करने या उत्तमें अभूने में मृतिधा को सिए; अपि/य।
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, धा धनकर अधिनियम, धा धनकर अधिनियम, धा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिशी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसारण मे, मैं, उजत अधिनियम को भारा 269-प की उपवारा (1) के मधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधित ६—

- 2 श्री राजगेखर व श्रीमती पी० बेनीयल प्रेमला राजगेखर ई-18, गवर्न० क्वार्टर्स, अस्टीनो, पणजी, —-गोवा (अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुएं।

सकत सम्परित को वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी लासेए :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हांती हो, के भीतर पूर्वों कर स्थासितयों में से किसी स्थिकत द्वारा;
- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबष्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा मकोंगे।

स्वव्यक्तिरण: ----इसमें प्रयुक्त कन्यों और पदों का, वो उन्तें अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

### अन्स्घी

[Registered Document No. 1811 Dated 1-11-1983]
Property, situated in the City of Margao under P.T.S. No. 189 Chatta No. 118 to 122.

मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण). श्रर्जन रेंज, बंगसूर

तारीख : 20-6-1984

मोहर 🏅

प्ररूप. बाइं. टी. एन. एस्. - - - -

आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निर्काशण) अर्जन रेंज, बंगलूर का

बंगलूर, दिनांक 20 जून 1984

निर्देश सं ० नोटिस न० 781—यतः, मुझे, श्रीमती मंजु माधवन, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रैंज, बंगलूर,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० सी० टी० सं० नं० 1377, वार्ड नं० 3 है, तथा जो पेंडारी गल्ली हुबली जिला धारवाड़ में स्थित है (श्रौर इससे उपावड अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हुबली—धारवाड़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 6-1-1984

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, ऐसे स्थमान प्रतिफल का गन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अति-रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्बेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में भास्तिक रूप से किया नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरणं से हुइं किसी नाम की नावत्, सक्त निभिन्यम के नभीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व मों अभी करने या उससे क्चने मों सुविधा के तिए; बाँड/वा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में समिधा के लिए;

कतः तज्ञ. उत्तम अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में. उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकिस व्यक्तियों, जर्यात् ह---

- 1 (1) श्री शंकरसा देवनसा मेहरवाडे,
  - (2) श्री मोतीलाल शंकरसा मेहखाडे
  - (3) श्री बन्तु मंकरसा मेहखाडे दीवटे गर्ला हुबली (अन्तरक)
- 2 (1) श्री मुकेश दलालेय बंकापुर
  - (2) दिनेश दत्तात्रेय बंकापुर बंकापुर क्लाथ श्रौर रेडीमेड सेंटर तुलजाभवानी टेंपल रोड, हुबली ।

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के क्वन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अर्वाध या तत्सम्बन्धी व्याक्तयों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त म्युक्तियों में से किया व्यक्ति हुआता;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- सूच्य किसी अन्य अपिक्त यूवारा अभाहण्ताकारी के पास निक्तित में फिए जा सकारी।

स्मध्दीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्क आधिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### **मन्**स्यो

(दस्तावेज सं० 2538 धारीख ५-1-1984)

दुकान सी० टी० एस० नं० 1377, बार्ड नं० 3 पेंडार गली, हुबली—जिला, धारवाड़ ।

> मंजु माधवन मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण). अर्जन रेंज. बंगलूर

तारीख: 20-6-1984

मोहर

### प्ररूप नाइ.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, बगलूर

बंगलूर, दिनांक 🕹 जुलाई 1984

निदेश सं ७ 78 2ए—सत: मुझे, इन्दिरा भागेब, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सिके एक्सात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-त्व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रठ. से अधिक हैं:

प्रौर जिसकी संव मीव टीव एसवन व 1585 है, तथा जो बेलगांव में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से बिणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बेलगांव में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 12— 12—1983,

को पूर्वेदिस सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेद्धित सम्पत्ति का उचित बाजार बृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के बिल्य प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बिलेरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया बया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिल्वित के बान्तरिक रूप से कथित से नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय को बक्षित, उबत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तर्क के दायित्व मो कमी करने या उससे बचने मो लुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियाँ को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतिभा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनायम की धारा 200-न के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात:— (1) श्री पौडुरंग वेंभटराव हुईलगोलं निवासी—कलसापुर तालुक । गदग जिला—-धारवाइ ।

(अन्तर्क)

(2) दी सांगली बैंक लि० सांगली, जी० पी० ए० होल्डर ग्रीर मेनेजर श्री श्रीधर एस० अमरसी, मारुति गल्ली बेलगांव ।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारा करकं पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन का लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध मी कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृषीकत व्यक्तियों में से किसी अविध प्रवास
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किरी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताअगी के पाम निकास में किरा है। सकैंगी।

व्यक्तोकश्यः -- इसम प्रयुक्त धब्या और पदा का, जा उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

### **मन्**स्की

(दस्तावेज म० 8087, दिनांक 12-12-83)

जगह श्रौर मकान का आधा भाग सी०टी० एस० नं० 1585, मार्जात गल्ली बेलगांव ।

> इदिरा भागव सक्षम प्राधिनारी, महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेज, बंगलुर

दिनाक : 4-7-1984

मोहर .

### प्रकृप बाद् . दी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्चना

### भारत शरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, बंगलूर

वंगलूर, दिनांक 4 जुलाई 1984

निदंश म० ७८३—–यतः मुझे, इंदिरा भार्गयः। ग्रंथकर अधिनियमः । १९६१ - (१९६१ का ४३

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परन्तम् 'उन्दत्त अधिनियम' काहा गया है), की धारा 269-ख का उद्दीत उक्षम प्राविकारी को यह विस्थास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीए जिज्ञकी सं ज्वालवा नं 9, 10 थाँर 11, पी० टी० पीट नं 79 है, तथा जो अगले, महगांव-गोवा में स्थित है (श्रीर इससे उपावक अनुम्नी में प्रीप पूर्णस्प से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सालसेट (मडगांव) गोवा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अर्धान, दिनांक मई, 1984,

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के शश्यमान प्रतिकत्व के लिए अंसरित की गर्श है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्स सम्पत्ति का उचित बाजार सून्य, उरुके उश्यमान अविफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का परति प्रतिकार में अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (असे अक्षेत्र) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकार कुल जिल्लिखत उद्देश्य में उन्त अंतरण निश्चित में बास्तविक का से के से प्रतिकार की किया गया है:—

- (क) अन्दारत सं शुष्ट किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम में अधीन कार दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए: और/या
- (७) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य ब्रास्तियों की, जिन्हों भारतीय व्यायकर विधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त विधिनियम, या धन-कर टिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग के अनुसरण हो, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अभीतः निम्निणिसित स्मिनियों, अधीतः ---

(1) श्री गुस्टावो हेरीक्यू का वोस फ्रान्सीको डी० जिसस पारीडाडेडा कोस्टा ।

2. कुमारी लीडीया कलाडव इलाइन डा कोस्टा

3. श्री मार्कस हेन्सीक कारलोस आस्कर डा कोस्टा

(अन्तरक)

(2) श्री नरेन्द्रा श्री केरकर । पता-अबोडी, मङगांव, ---गोवा।

पता:--बोडी, मडगांव---गोवा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हां।

उन्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सृचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पद स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

#### अनस्वी

(वस्तावज सं० 1832 दिनांक 15-11-1983) ब्रुली जगह छोटे-छोटे प्लाट्स बनाने के लिए खरीदी है जिसका वलला नं० 9, 10 ग्रीर 11, पी० टी० मीट नं० 79 जो कि गगीला, मङगांव-गोवा में है।

> इंदिरा भार्गक सक्षम प्राधिकारी, महायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण, अर्जन रेंज, बंगलूर

दिनाक . 4-7-1684

मोहर 🕹

### प्ररूप बाह् टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ल (1) के अधीन सचना

### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक जायकर गायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बंगलूर

वंगलूर, दिनांक 4 जुलाई 1984

निदण सं० 784--यतः मुझे, इन्दिरा भागेव,

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000/- सा. से अधिक है

र्थार जिसकी सं० सर्वे नं० 247, 248/3, 246/3 है, तथा जो ककोडा गांव में, तहसील क्यूपेम जिला गोंवा में स्थित है (ब्रौर इसके उपावद्ध अनुसूची में ब्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कायिक्य, क्यूपेम-गोंवा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 वा 16) के अधीन, दिनांक 11-5-83

को पूबोक्त मम्पीत के उत्तित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफो यह विद्यास करने का कारण है कि यथाप्वेक्ति मम्पित का उच्चित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल में, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से ब्धिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अंतरित प्रा) के बीच एसे अंतरण के लिए सब पाया गया प्रति-पाल निम्निलिखत उत्देश्य से उक्त अंतरण निम्नित में बास्तिक स्प से कथिल नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण स क्ष्मुण किसी जाय की बाबता, उसल अधिनियम के अधीन कार दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी कारने या उससे क्यने में सृतिधा के निए; और/या
- (क) एंसी किसी जाय या किसी धन या अत्य आस्त्यों धर्म जिन्ही भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विभिन्नयम, बा भनकर अधिनियम, बा भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्त्रिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, रिपान में कविभाके लिए:

अतः भव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्निस्थित व्यक्तियों, अर्थात हु--- (1) 1. श्री पेट्रो अलकला मैन्यूजल कास्टान्हा
2. सी० ग्रस्मीला सन्सीया कारलोटा डी०-मेलो
पता-- नं० 86, तिलामोला
तहसील--क्यूपेम जिला--गोबा।

(अन्तरक)

(2) 1. श्री मेलवीनो कुटीन्हो
2. श्री हेन्री कुन्टीन्हो
3. श्री वील्फेड कुटीन्हो
पता—-घ० नं० 73, मिलीभ वाडो,
कुंकोलीम, मडांब—गोवा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यगाहियां करता हूं।

जनत सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाओप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 15 विम की सर्वाद सासम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृष्टींक्त स्मिन्सयों में से किसी न्यक्ति द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिल्लियाँ निर्माण किले?

श्यप्टीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पृदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में विदा गया है।

### मन्सूची

(दस्तावेण सं० 219, विनांक 10-11-83)

खुली जगह, सर्वे मं० 247, 248/3, 246/3 जो कि ककोडा गांव में है। ता० क्यूपेम जिला गोवा।

> इन्दिरा भागंव गत्रम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरोक्षण) अजन रेंज, बगलूर

दिनांक : 4-7-1984

प्रस्प नार्षं. टी. एन. एस.------

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन स्भना

### भारत सरकार

कार्यालब, सहायक आयकर नाय्क्क (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगल्य

बंगलूर, दिनां ह 4 जुलाई 1984

निर्देश सं० 785---धनः मुझे, इन्द्रिरा भागित्र, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे ६समें इसके परभात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269- ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का

कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रहे. से अधिक है

और जिसकी सं० एस० नं० 411/7, 492/9, 528/6 है, तथा जो करटोरिम (गोवा) में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अन्-सूत्रो में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय मालकेट (गोवा) में रजिस्ट्राक्षरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 7-11-83

को पूर्वीक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य से काम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफाल से, एसे दश्यमान प्रतिफाल का पंक्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एमें अंतरण के लिए नय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप संकथित नहीं किया गया है:---

- (।॥) अन्तरण से हुई किसी आय की गावल, उक्त सिंधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक को **दायित्व में कभी करने या उससे अभ**ने में शयिधा के लिए; और/मा
- ल) एसी किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या थिया काल चाहिए या, छिपाने में सर्विधा के लिए:

अतः अव, उक्रत अधिनियम की भाग 269-ग के अनसुरूष में, में, उक्त अधिनिया की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीर, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

 (1) श्री मैक्संतियनो फीलोभीनो जे०पीत में और (2) श्रीमतो मेरिया आईवने इम्ज्लहा कोन्सं(काग्रो गालवा पोप, और दो पार्टी वासको-ई(-गामा जिला (गाँचा) ।

(अन्तरङ)

2. श्री प्रोटासियो जरवासियो बेरेट्टो बापटोरिम, सारकेट (गोवा)।

(अन्तरिती)

को यह सचना बारी कन्यो पर्योकन मंपील को अर्जन को लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्परित के अजन के सम्बन्ध मां कोई भी आक्षेप .---

- (क) इस भूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ताराख % 45 किन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियो प्र सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाराः
- (स) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीसर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पाग लिखित में किए आ मर्कोंगे।

स्पच्यीकरणः -- इंसमें प्रयुक्त शब्दों करि पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया संघा 🗗 ।

#### मन्स्ची

(दस्तावेज में० 1806 हार० 7-11-83) सत्र की जमोन शारठोरोमंमें है। इसका एगर नंर्4.11/7, 492/9, 528/61

> डन्दिरा भार्गव सक्षम प्राधि गरी महायक्त आयलर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, बंगल्ए।

नारीख: 4~7~84

### प्ररूप आहूर. टी. एन. एस.-----

अध्यक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्शन रेंज. बंगलूर

बंगलुर, दिनाल 4 जुलाई 1984

निर्देशस् ० 786-- यतः मुझे, इन्दिरा भार्गव,

भाग्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्नत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 25,000/- रहे. से अधिक है

और जिनक, संख्या एवें नं ० 63/0 है तथा जो कोनेम, ता ० एतिम -गोवा में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजर्म्ट्राकर्ता अधिकारी के वायिलय सांगेम गोवा में रिजर्म्ट्राकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नारीख 26-12-1983

को पूर्वोक्त संम्मित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के स्रयमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मून्ने यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिकल से, ऐसे स्रयमान प्रतिकल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नितिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निक्ति में वास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है —

- (क) अन्तरण से हुई किसीं जाय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी कश्मे या उमसं अचने में मृशिधा के जिंग्; और/या
- (का) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपक्त अधिनियम, या धर्म-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के एग्रांजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या फिया जाना चाहिए धा, छिणाने में मुविधा छ निया.

बत:, अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के बनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नियिणित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) 1. श्री गण्यतमञ्जू देवात महान
  - 2. सौ०वैषयंती गणपतराव गृहार
  - 3 की राजाराम गुखा(यमग्जिय)
  - া সাঁও দালিষাই হাসাধান স্মাক
  - श्री लक्षमण नारायण कुल्इणी
  - सौ० निर्मल लक्षमण कुलर णी।
  - 7. श्रो अहाराम शंहाराज मोहित
  - सी० अलदा अकाराम मोहिते ।

पना :क्राइफि० सालाग ।

(अन्तर्क)

- (2) 1. श्रां रोहिटोन जमशेदजी महला
  - 2. श्रीमती रासीदा रो० मेहता
  - श्री तैजमलह्मात्रज्ञाहुना
  - ्य. सौ• चन्द्रा ते० आहुजा
  - 5. श्रा माम ते० आहजा
  - 6. सौ• मिला भनोहर आहुजा
  - श्री गाम पुन्दरदास तलरेका
  - कृ० माया परणराम कींकर।

(अस्तरिनीं)

का यह स्थना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध में कांड्र भी अक्षंप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हा, के भीतर धुर्थीकत स्थाकायों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उनत स्थावर राम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पटिकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उन अध्याय में दिया गया हैं।

### **अमुस्**ची

(दस्तावेज सं० 293 ता० 26--12~83) इरिगेटेड एप्रीःःलचरल जमारा (खेती) जोकि कंलिम गांवमें हैं। तालुकाः सागेग जिला गोऽः।

> इन्दिरा भागेब पक्षम प्राणि परी सहायदाभागकर आस्थत (निरोधाण) वर्षेत्र रोंग, बंगल्ए।

नारीख: 4—7·84

मोहरः

### अरूप आर्ड.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन मुखना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जनरेंज, बंगलर

वंगलूर, दिनांच 4 ज्लाई 1984

निर्देश सं० 787~ -यतः मुझे, इंदिराभार्गव आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269--ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रहे. से अधिक है

और जिलको सं । 119, 1120 और 1121, है, तथा जो कुडनेम (गोंवा) में स्थित है (और इसरें। उपाबद अनु-सूची में और पूर्ण रूप संवर्णित हैं), रिजस्ट्रीवर्ता अधिकारी के कार्यालय बीचीलोम में रिजिस्ट्रीजरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन ता विसम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूक्यमान प्रतिफल से एसे रूक्यमान प्रतिफल के पन्तर प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया। प्रतिफल, निम्नसिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दंने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अखने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (ए957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मै, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीत, निम्निलिखित व्यक्तियों. अर्थात् :--
9 —176GI/84

(1) (1) श्री जी विष्तुसीनाई बोरकरराव (2) श्रोभनी प्रेमादेवी रावजी बोरकर सागबोम (गोवा) के रहने बाल है।

(अन्तरक)

(2) सालगांत्रकर माइनिंग इंडस्ट्रीज प्रा० लिमिटेड सलगावकर हाउस, वासकोडींगामा (गोवा) ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवादियों शुरु करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारौब से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्पाक्षरी के पास निस्ति में किये जा सकर्य।

स्पच्टीकरणः --- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

### अनुसुची

(दस्तावेज सं० 117/83 तारीख विसम्बर 83) ए० सावाजमीन पलर का मीला हुआ है। कुडनेम (गोवा) में है। इसका नं० 1119, 1120 और 1121 है।

> हन्दिरा भार्गव . सक्षम प्राधिकारी सहाबङ्जायकरआयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरोंजे, वंगलूर।

नारीख: 4-7-84

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन मुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जनरेज, बंगलूर

बंगलूर. दिनांक 4 जुलाई 1984

निर्देश सं० 788—-यत: मुझे, इन्दिरा भार्गव भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पच्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ह°), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्वाम करने का कारण ह° कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 870 है. तथा जो वलकाइ केठेस मरमगोवा (गोवा) में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मालकेट (गीवा) में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन ताल 14-12-83

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तिरित की गई है और मुक्ते गई। विश्वास करने का कारण है कि यथाएंवेक्ति सम्पत्ति का उचित वाजार मृल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्दृह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्षल निम्मलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण निष्टित में शास्त्रिक रूप में किथत नहीं किया गया है :----

- (क) अन्तरण से हुइ किसीं आय की याबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे अचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण कों, कीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) को अधीन निम्निसितित व्यक्तियों कर्धातः :---

- (1) श्रामती मंदाबीनि रायकर अलीयास मनीष पुरोशोसम गुरुव
- (2) श्री पुरषोत्तम सच्ची बानन्द गुरुव मरगांव (गीवा)

(अन्तरक)

(2) श्री संदीप सीवाजी सीनाई नाडकरनी आर/ओ० अक्वीम, मरगोवा (गोवा)

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षारी के पाम लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --- हसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### वग्स्ची

(दस्तावेज सं० 1998 ता० 14-12-83)

खुला जगह संख्या 'बी' इसका एरिया 380 स्केयर फीट और रहने का घर है।

> इन्दिरा भार्गव सक्षम प्राधिकारी सहावक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, बंगल्र

तारी**ख**: 4-7-19**8**4

प्रस्य बाइ. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वाना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 9 जुलाई 1984

निर्देश सं० ए० सी०-54/क्यू ग्रार-3/सीएएल/84-85 --यतः, मुझे एस०के० बनर्जी

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भ्रौर जिसकी मं० 3 है तथा जो विधान शिशू सरिन, कलकत्ता-54 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबज अनुसूची में ग्रौर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय एस० भ्रार० कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख 11~11-1983

को पूर्वेक्त संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से एसे स्थ्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उपत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मों कमी करने या उससे बचने मों सृविधा के लिए; और/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तिया को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, त्या धनकर अधिनियम, त्या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था छिषाने में स्विधा के लिए;

कतः अयं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-गं के अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-घं की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्रो एलाइड को-ग्रापरेटिव हाऊसिंग सोसाइटी लि० (ग्रन्तरक)
- (2) श्री नारायन वास सरकार

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की सर्वाध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ण) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रीधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया ही।

### नन्स्ची

जमीन---860 वर्ग फुट प्लाट पता---प्लाट नं > 331, ब्लाक नं > 3, 3 विधान शिशू सर्रान, कलकत्ता--54

दलील संख्या--एस० प्रार० ए० कलकत्ता का 1983 का आई 11338

> एस० कें० बनर्जी मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, कलक**ल**ा

नारीख: 9-7-84 मोहर प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ऋर्जन रेंज--2, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 9 जुलाई, 1984

निर्देश सं० ए० सी०/रेंज-2/कल/1984-85--यतः, मुझे, एस० के० बनर्जी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचास् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी मं० 3 है तथा जो विधान गिणु सरिन, कलकत्ता— 54 में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर, पूर्णरूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय एस० ग्रार० ए० कलकत्ता में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन तारीख 11—11—1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूरियधा के लिए;

- (1) एलाइट को०ग्रापरेटिव हाऊसिंग सोसाईटी लि० (ग्रन्तरक)
- (2) श्री स्वपन कुमार मजुमदार । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यबाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (त) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितजबूभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये का सर्कोंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें अयुक्त शब्दों और पदो का, जो उकत अधिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया नेवा ही।

#### जनसूची

जमीन:--860 वर्गफुट प्लाट

पता:—प्लाट नं०—731 ब्लाक नं०—7, 3 विधान शिश् सरनि, कलकत्ता—54

दिलल संख्या---एस० ग्रार० ए० कलकत्ता का 1983 का ग्राई 11339।

> एस० के० बनार्जी राक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायकत निरीक्षण श्रर्जन रेंज 2<sup>3</sup> कलकत्ता 16

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अन्सरण को, में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियाँ अधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियाँ अधीन,

तारीख: 9-7-84

प्रकप नाइ . टी. एन. एस. -----

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष (1) के अधीन स्थान

भारत सरकार

कार्मालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज-2, कलकत्ता

कलकत्ता, विनांक 9 जुलाई 1984

निर्देश सं० ए० सी० $56/\overline{\text{रंज}}-2/\text{कल}/1984-85--$ यतः, मुझे एस० के० बनार्जी

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक है

भौर जिसकी मं० 3 है तथा जो बिधान शिशृ सरिन, कलकता-54 स्थित है (भ्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय एस० आर० ए० कलकत्ता में, राजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 11-11-1983

को पूर्विक्त सम्मत्ति के उभित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह निश्वास करन का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का जीचन बाजार मृत्य. उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिष्वत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिविक रूप से कथिस नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आग की बागत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वादित्य में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अधिस्तयं की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-तर अधिनियम, 1957 (1957 को 97) के प्रयाजनार्थ अस्तिरिती इंगरा प्रकट नही किया नथा था किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के निए।

अंतः अब. उक्त अधिनियम की धारा 269-म के, अनुसरण भे, मैं. उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उप्पार (1) के अधीर निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत क्ष-

- (1) श्री एलाइट को-ग्रापरेटिय हाऊसिंग संसाईटी लि॰ (ग्रन्तरक)
- (2) श्री तपति मुखर्जी

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भा आक्षेप :---

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स स 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में सं किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्द्रभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिकित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ द्वांगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### मन्सूची

जमीन:—-1130 वर्ग फुट प्लाट पता:—ग्लाट नं०---603, ब्लाक नं० 6, 3 विधान शिनं सरनि, कलकत्ता--54 क्ष

दलोल संख्या---एस० श्रार० ए० कलकत्ता का 1983 का ग्राई 11304 ।

> एस० के० वैनार्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज, 2/ कलकत्ता

भारीख: 9-7-84

प्ररूप आई.टी.एन,एस.-----

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्वना

### भारत सरकार

कार्यांलय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांकः 9 जुलाई 1984

निर्देश सं० ए∙ सी०57एसीक्य/रेंज-2/कल/1984-85--यतः, मुझे एस० के० बनार्जी

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति; जिसका उचित वाजार मृत्य 25,000∕- <sub>र</sub>फ. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 3 है तथाजो विधान सिंह सरनि, कलकता 54 में स्थित है (भ्रोर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय एस० श्रार० ए० कलकत्ता में, रजिस्ट्रोकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 11~11-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मुख्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से एसे ध्रयमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्बदेय से उक्त अन्तरण लिखित में भास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, अधिनियम के अधीन कर दोने के अस्तरक के दायित्व में कमी करने या उत्तसे वजने में सुविधा के लिए: और/या
- (च) एंसी किसी काय या किसी भन या अन्य अगस्तियां को, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्त अधिनियम, या धनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

- (1) श्री एलाइठ भ्रापरेटिव हाउसिंग सोसाईटी लि॰ की (भ्रन्तरक)
- (2) श्री सवारनेन्द्र क्मार

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शरू करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सुभाना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति **न्यक्तियों में** से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की लारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पान लिकित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त निभागियम के नध्याय 20-क में परिभागित है, बही अर्थ क्रोगा, जो उस अध्याय में विया गमा 💅 ।

### अनुसूची

जमीन :---860 वर्ग फुट प्लाट

पता :---प्लाट नं० 533, ब्लाक नठ० 5, 3 विधान जिश् सरनि, कलकत्ता-54 ।

वली संख्या:--एस० ग्रार० ए० कलकत्ता का 1983 का **पाई** 11341 ।

> एस० के० बनाजी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन-2 रेंज/कलकत्ता

नतः अव, उक्त निधीनयम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उबत अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् ६---

तारीख: 9-7-84

### प्रक्रम आई. टी. एन ः एस .;---==

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

(1) श्रो एलाइट को-धापरेटिय हाउसिंग सोसाईटो लि०

(2) श्री बंज मोहन प्रसाद

(भ्रन्तरिती)

(भ्रन्तरक)

### भारत सरकाइ

कार्यालय, महायक कायकर बायुक्त (निरक्षिण)

न्नर्जन रेंज-2, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 9 जुलाई 1984

निर्देण सं० ए० सी०58/रेंज-1/कल/1984-85--यतः, मुझे, एस० के० बनार्जी,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्चित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० 3 है तथा जो विधान शिशू सरिन, कलकता— 5 4 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विश्वत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय एस० ग्रार० ए० कलकत्ता में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908का 16) के श्रिधीन, तारीख 11—11—1983

भी पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दूरयमान प्रातफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दूरयमान प्रतिफल सं, एसे दूरयमान प्रतिफल का पंश्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिखत उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में अम्तिक कप में किशा तहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी गाय की बाबत, उक्त अधि-अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्सियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकर नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

को यह स्थना जारी करके वृत्रोंक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करसा हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन क सर्वध म कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की सारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मो हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिक्षश्राद्ध के पाम निक्ति मों किए जा सकेंगे।

स्थाक्तीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का., जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मा परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### जनसूची

-1130 वर्ग फुट प्लाट

ंग्ता:——प्लाट नं० 531. क्लाक नं० 5, 3 विधान शिशू सर्रान, कलकत्ता—54

दिलल संख्या—एस० ग्रार० ए० कलकत्ता का 1983 का ग्राह 11324।

> एस० के० बनाजीं सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 2, कलकत्ता

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिसित व्यक्तियाँ, अर्थात :---

तारीख: 9-7-84

मोहरः

### असम बार्ड, टी. एन एत. ----

आयग्र जिथिनियमः, 1961 (1961 का 43) की गरा 269-व (1) के अभीन सचना (1) श्रो एलाइड को-म्रापरेटिव हाउसिंग सोसाईटी लि० (म्रान्तरक)

(2) श्री फिन भूसन मज्मदार

(अन्तरिती)

### भारत उहुम्बर

कार्यालय , सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 9 ज्लाई 1984

निर्धेण सं ० एमी - 59/एमी क्यू ०/म्रार०-2/कल ०/ 84-85---यतः, मुम्ने, एस० के० बनार्जी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी गं० 3 है तथा जो विधान शिष् सरनि, कलकत्ता--

श्रीर जिसका ये 3 है तथा जो विधान शिश् सरीन, कलकत्ता54 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय एस० आर०ए०
कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के श्रिधीन, तारीख 11-11-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है बार मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जिमितयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने वा उश्वसे यचने में स्विधा के सिए और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण भें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :— को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी शाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त हांती हो, के भीतर पूर्वे कर स्थितियों में से किसी स्थितर द्वारा;
- (श) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच हैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति य्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वध्यक्तिरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>5</sup>, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया मया है।

### अन्स ची

जमीन:--1130 वर्ग फुट प्लाट पता:--प्लाटनं० 511, ब्लाक नं० 5, 3 विधान शिशू सरिन, कलकत्ता-54

दलील संख्या----एस० म्रार०ए० कलकला का 1983 का भाई-11343

> ्रम० के० बनार्जी सक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, कलकत्ता

तारीख: 9-7-84

प्रकृष काड<sup>त</sup>. टी. एन . एस . -----

बाककर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

#### भारत अरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 9जुलाई 1984

निर्देश मं० एसी – 60/एसी क्यू० श्रार० – 2/कल ०/84 – 85 – यत:, मझे, एस० के० बनार्जी,

कायकर शिधितिया, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्देशत् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा १६०-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक है

श्रौर जिसको मं० 3 है तथा जो विधान शिशु सरिन, कलकत्ता-54 स्थित है (श्रौर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रौर, पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ना श्रधिकारी के कार्यालय एस० श्रार० ए० कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारोख 11-11-1983

को पूर्वितित सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से एसे द्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथा गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त श्रीमियम के अधीन कर दोने के ब्रुतरण को क्षाप्टित्य में अभी अरने या उसमें स्थाने में सुविधा के लिए, सौर/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों क्ये, जिन्हों भारतीय माय-कर व्यधिनियम, 1922 (1922 जा 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) वा पाजनार जनाविता प्राप्त प्रस्ट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, जिम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थत् :—
10—176GI/84

- (1) एलाइड को-ग्रापरेटिव हाउसिंग सोसाईटी लि० । (प्रनारक)
- (2) श्रो विजय शंकर घोष।

(ग्रन्तरिती)

स्त्रों सह स्थाना धारी करके प्वार्वित सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उम्स सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप ६--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील वें 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हैं, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति त्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उचत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरण: --इसमें प्रयुक्त अख्यों और पर्यों का, वो उक्त अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसुची

जमीन:--1130 वर्ग फुट प्लाट पता:--प्लाट नं० 401, ब्लाक नं० 4, 3 विधान शिशु सरनि, कलकता-54।

दलील संख्या—-एस० ग्रार० ए० कलकता का 1983 का ग्राई०-11344।

एम० के० बनार्जी मक्षम प्राधिकारो, सहायक ग्रापकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-2,कलकत्ता

तारीखाः 9--7-84

आहे. टो. एन एस. ------

**बाइक**र अधिनियम, 1961 (1961 का **43) की** धारा 269-ध (1) के अधीन सुखना

## भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्णन रेज-2, कलकना

कलकना, दिनांक 9 जुलाई 1984

निर्देण सं० ए०सी०~61/एसीक्यू० स्नार०-2/कल०/84-85 यतः, मुझे, एस० के० बनार्जी

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269 च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का फरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका रुचित बाजार मृत्य 2€,000/- रा. में अधिक है

श्रीर जिसको सं० 3है तथाँ जो बिधान शिशू सरनि, कलकत्ता— 54 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबट अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से याणित है), रजिस्ट्रोकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय एस० श्रार० ए० कत्वकता में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908का 16) के श्रधान, ताराख 11-11-1983

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विस्वास करन का कारण हो कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसक स्थ्यनान प्रतिफल से, ऐसे स्थमान प्रतिफल का पन्तर प्रतिफल से अर्थ अंतरित (अन्तरितिया) के बीच एसे अंतरण के जिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उच्च द्य से उक्त अन्तरण जिखित में वास्तिक्त करण से अधित नहीं किया गया है:~

- (क) अन्तरण स हुई िकभी अध्यक्षी बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में साविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उदल अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा किया जाना वाहिए था., छिपान मा स्विधः के निए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसिट व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) एताइड को-प्रापरिटिव हाउमित सोमाईटा लि०।(प्रन्तरक)
- (2) श्रास्मेन्द्र कुमार।

(ग्रन्तरिती

को यह मूचना जारी करके पृथिकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां श्रुक करता हूं।

उक्त मम्पत्ति के अर्जन के सर्वध में कांई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपूत्र में प्रकाशन की तारोध धं 45 दिन की अवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि नाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वा अध व्यक्तियों में सं किसी व्यक्ति ब्यारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किमी अन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरें।

स्वव्यक्तिस्यः---इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, वा उत्वतः विभिनयम, के अध्याय 20-क में प्रियाधित हाँ, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय मा रिया गया हो।

## अनुस्की

जमीन :--- 860 वर्ग फट प्लाट

पता—प्लाट नं ०—- 332, ब्लाक नं ०-3, 3 बिधान शिणू सरनि, कलकत्ता-54।

दलोल संख्या---एस० ग्रार० ए० कलकता का 1983 का . ग्राई-11345।

> ण्म० के० बनार्जी मक्षम प्राधिकारो महायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) स्रर्जन रेंज-2, कलकत्ता

तारीख: 9-7-84

प्रकार कार्ड. ही. एस. एस -----

सायकर बिधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 260-घ (1) के बधीन सुधना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रजेन रेज-2, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 9 जलाई, 1984

निर्वेण सं ० एसी – 62/एसीक्यू/श्रार – 2/सी एएएल/ 84 – 85 – यतः, मृझे एस० के० बनार्जी

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके वश्वात 'उन्नत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- ख के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूच्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिलासं० 3 है तथा जो विधान सिंह सरिन, कलकता— 54 स्थित है (श्रीर इससे उबाबद्ध श्रनुसूचः मे श्रीर, पूर्णस्प से बिलत है), रजिस्ट्र,कर्ना ब्रिधकार, के कार्यालय एस० श्रार० ए० कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण श्रिवित्यम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 11—11—1983

को प्योंगत सम्पास के उचित बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंवत सपित का उचित बाजार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, एसे दरयमान प्रतिफल का पन्द्रह पतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्निलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक करण से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण सं हुइं िक मी बाय की बाबत उक्त बिध-नियम के जभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उदमें बचने में सुविधा के निए; और/या
- क) एंटी किसी बाय पा किसी भन या बन्च बाहिस्सों करों, शिन्ह भारतीय सायकर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विभिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविभा की लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अभीन, निम्निमित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्रो एलाइट को-स्रापरेटिक हाउमिंग सोसाईटा लि० (स्रन्तरक)
- (2) श्रीतपन कुमार चक्रवर्ती

(अन्तरिती)

करों यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

बनत सम्पति को अर्थन को सम्बन्ध मी कार्ड भी नाम्नेप .---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख म 45 दिन की सबिध या तत्सम्बन्धी स्यक्तियाँ पर सूचना की तामील में 30 दिन की अधि , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर ध्यक्तियों में से किसी स्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारी स से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंद-बद्ध किसी बन्ग व्यक्ति द्वारा अधोहम्ता भरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पर्धाकारणः -- दसभे प्रयुक्त शब्दो और पर्दो का, जो उन्ते अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित हौ, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

जमीन—860 वर्ग फीट प्लाट पता—प्लाट नं० 312, ब्लाक नं० 3, 3 विधान णिशू सरनि, कलकत्ता—54

दिलिल संख्या—-एस० प्रार० ए० कलकत्ता का 1983 का प्रार्ट 11346

> (एस० के० बनार्जी) सक्षम प्राधिकारी (सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त निराक्षण) प्रजन रेंज 2/कलकत्ता-6।

तारीख: 9:7-84

प्रकृप आई. टी. एप. एस. ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुभना

#### HIST TOWN

## कार्यालयः, सहायक भागकर भागवत (निरीक्तक)

श्रजेन रेंज-2, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 9जुलाई 1984

निर्देश सं० एमी – 63/एसोक्यू० स्नार-2/सीएएल/84-85 ---यतः, मुझे एस० के० बनार्जी

सायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/फ. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 3 है तथा जो बिधान सिंह सरिन, कलकत्ता— 54 स्थित है (श्रीर इसमें उपावद्ध अनुसूची में श्रीर, पूर्णच्य से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय एस० श्रार० ए० कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 11-11-1983

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्षाल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है दि—

- (क) जन्तरण ते हुई किसी जाय की बाबत, उक्त जिमिनयम के अभीन कर दोने के बन्तरक के दार्थिरण में कसी करने या उससे वचने में सूबिभा के लिए; और/या
- (व) ऐसी किसी बाय मा किसी भन या अन्य शास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयंकर अधिनियनम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविभा के लिए;

जतः अस्त, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण भैं, मैं, उक्त अधिनियम की थारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री एलाइट को-श्रापरेटिय हाउसिंग सोसाईटी लि० (ग्रन्तरक)
- (2) श्रो सोमेन्द्र नारायन मखार्जी

(श्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

## सकत सम्परित के जर्बन के सम्बन्ध में कोई भी वाशेष:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिश्व से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की मामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त स्वित्यों ये से किसी व्यक्ति दुवाया;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्यष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसुची

जमीन—1130 वर्गफुट प्लाट पता—प्लाट नं० 232, ब्लाक नं० 2, 3 बिधान सिंह सरिन, कलकत्ता-54

दलिल संख्या—-एस० ग्रार० ए० कलकत्ता का 1983 का ग्राई 11347

> (एस० के० बनार्जी) सक्षम प्राधिकारी (सहायक श्रायकर श्रायुक्त निरोक्षण) श्रर्जन रेंज 2/कलकत्ता ।

नारीख: 9-7-84

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, कलकत्ता कलकत्ता,दिनांक 9 जुलाई, 1984

निर्देश सं० एमी – 64/एसीक्यू० भ्रार-2/साएएल/84-85--यत:, मुझे एस० के० बनार्जी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी मं० 3 है तथा जो विधान सिंह सर्रान, कलकता— 54 स्थित है (श्रीर इससे उपावड अनुसूची में श्रौर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारों के कार्यालय एस० श्रार० ए० कलकता में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 11-11-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ६ श्यमान प्रतिफल के लिए कन्तरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके ६ श्यमान प्रतिफल से, ऐसे ६ श्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वास से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरितीं (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में शस्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दासित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (था) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, गाधन-कर अधिनियम, गाधन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्तिधा के लिए;

अतः अजः, जन्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण मी, मी, उत्रत अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) **दे अधीन, निम्नलिखित स्यक्तियाँ**, अर्थात:—-

- (1) श्रो एलाइट को-म्रापरेटिय हाउसिंग सोसाईटी लि० (भ्रन्तरक)
- (2) श्री ग्रमरेन्द्र नाथ भट्टाचार्ज

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के कुर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :~ -

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में स किसी व्यक्ति स्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख़ से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पन्दोकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में गीरभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### बन सचीं

जमीन--1130 बर्ग फुट प्लाट पता--प्लाटनं० 213, ब्लाकनं० 2, 3 बिधान सिंह सरिन, कलकत्ता-54

विलल संख्या--एस० ग्रार० ए० कलकता का 1983 का ग्राई 11348

> (एस० के० बनार्जी) सक्षम प्राधिकारी (सहायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 2/कलकत्ता ।

तारीख: 9-7-84

प्रकृष बार्ड. टी. एन. एस.------

णायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन स्वना

## भारत तरकार

कार्यालय, सहायक नायकर नायकत (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 9 जुलाई, 1984

निर्देश सं० एसी—65/एसीक्यू० ग्रार--2/सीएएल/84--85--यतः, मुझे एस० के० बनार्जी

बायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परजात 'छक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25.000/- एउ. से अधिक है

धीर जिसकी सं० 3 है तथा जो बिधान सिंह सर्रान, कलकता— 54 स्थित है (ग्रीर इससे उपावड अनुसूचो में ग्रीर पूर्ण का से वर्णित है), रजिस्ट्रोकर्ता ग्रिधिकारो के कार्यात्रय एस० ग्रार० ए० कलकत्ता में, रजिस्ट्रोकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख 11–11–1983

को प्रवोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य के कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ए'से दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक एप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) सन्तरण से हुई किनी साथ की वावत, सक्त क्रीधितग्रस के प्रधीन कर दोने के बन्तरक के दायिल्थ मों कसी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; नीर/या
- भा एंनी किसी आय या किसी धन था अन्य आस्तियों को जिल्हों भारतीय अध्य-कार अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के अवोजनार्थ अन्तरिती धनरा प्रकट नहीं सिया ध्या था या किया अता चाहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) क अधीन: रिस्निटिंग व्यक्तियों, अधीन: रिस्निटिंग व्यक्तियों,

- (1) श्री एलाइट को-ग्रापरंटिव हाउसिंग सोसाईटी लि० (ग्रन्तरक)
- (2) श्री अजित कुमार साहा

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वांक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करका हो।

उक्त सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोड़ें भी नाक्षेत्र:--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी स्थानितमों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर प्रवेक्ति स्थानित को सं विकास क्यांत्रत स्थानत
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबकुष्ट किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिल्ला में किए जा सन्त्य ।

स्थब्दीकरणः—इसमे प्रयोकत शब्दों और प्रश्नों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>4</sup>, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## वपुष्पी

जमीन:--1130 वर्ग फुट प्लाट

पता :—-प्लाट नं० 211, ब्लाक नं० 2, 3 बिधान सि**ह्** सरनि, कलकत्ता—54

दिलल संख्या—एस० ग्रार० ए० कलकत्ता का 1983 का जगह 11349

> (एस० के० बनार्जी) सक्षम प्राधिकारी (महायक ग्रायकर ग्रायुक्त निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 2/कलकत्ता ।

तारीखा: 9−7−84

प्ररूप बाइ'. टी. एम. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत मुरकार

कार्यास्य, सहायक अध्यक्तर आधून, (निरोक्षण)

अजन रेज--१, यतकता

कलकत्ता, दिनांक १ जलाई, 1984

निर्देश मं० एमी--66/एमी वयूर आप- 2/मीएएल/84-85 ---मतः, मुझे, एसर केर बनर्जी

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मल्य 25,000/-छ, में अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 3 है तथा जो विधान शिशू मर्रान, कलवना-54 में स्थित है (श्रीर इसुसे उपायद्ध अनुसूर्वा में और पूर्णस्थ से विश्वित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय एस० आर० ०० कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908का 16) के अधीन, नारीख 11-11-1983

की पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पात्र का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल को पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरित (अन्तरितयों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप में किथा नहीं विया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम की अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे कचने में सुविधा के लिए, और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने भे सूर्विधा के सिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिंगित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) एलाइट कां-आपरेटिय हाउसिंग सोसाइटी लि०। (अन्तरक)
- (2) श्री तिस्य गोपाल शय

(अन्तरिती)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वोच्छ सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्जवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे

स्पष्टीकरण :---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरि-भाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## नम्स्थी

अमीन—1130 वर्ग फुट प्लाट पता—प्लाट नं०—201, ब्लॉक नं० 2, 3 विधान णिणू सर्रान, कलकत्ता—54

दलील मंख्या-----गृस० आ४० गृ० कलकत्ता का 1983 का आई० 11350

एस० के० बनर्जी सक्षम प्राधिकारो, महायक भायकर धायुक्त (निरोक्षण), अर्जन रेंज-2, कनकत्ता

নাৰ্যন্ত : 9-7-84

प्ररूप आइ'. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मुचना

#### भारत सरकार

कार्यावय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज--2, तःलकत्ता

क्लक्ता, दिनांक 9 जुलाई, 1984

निर्देश मं० एसी--67/एसी क्यू०आर--2/सीएएल/84--85 --यतः, मुझे,एस० के० बनर्जी

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें दसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं),, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी मं० 3 है तथा जो विधान शिणू मरिन, कलकता— 54 में स्थित है (श्रीर इससे उपावड अनुसूची में श्रीर, पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय एस० आर० ए० कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 11–11–1983

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निग् त्य पाया गण प्रतिफल, निम्निलिश्ति उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिश्ति में अम्तिक रूप से व्रिश्त नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की वाबत, खक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; और/या
- (स) एंसी किसी अहा या विक्रिसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना साहिए था छिपाने में सर्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निनिति व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) एजाइट को आपरेटिय हाउसिंग सोसाइटी लि॰ । (अन्तरका)
- (2) श्रामिती मीराराय ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया कारता हु ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तियों
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्दारा अधाहुम्तावरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण:---डगमा प्रयुक्त बन्दों खोंच पदो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय मा विया गया है।

## अनुसूची

जमीन :---1130 वर्ग फुट प्लाट

पता :——प्लाट नं० 1,03, ब्लाक नं० 1,3 विधान शिश् सर्रान, कलकत्ता -- 54

> एस० के० बन**र्जा** मक्षम प्राधिकारो महायक आयकर प्राधुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-2, कलकन्ना

**भारीख** : 9-- 7-- 84

## प्रकल नाहरे. टी. एन , एक , 🚈 - - -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

## कार्यालय, सहायक सायकर आयुक्त (निरौक्षण)

अर्जन रेंज-2, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 9 जुलाई, 1984

निर्देश मं ए० सी० 68/आए-2/सीएएस/84-85--यत:, मझे, एस० के० बनर्जी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्य 25,000/- रु. ते अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 66 ए है तथा जो जुगिपाड़ा रोड, कलकमा— 28 में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर, पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आर० ए० कलकता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 25~11—1983

को पूर्णेक्त संपर्तित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह निष्याम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिस्ति से बिधक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया ग्या प्रतिफल, निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किसित श्रीकरण की विस्तरण के लिए तथ पाया ग्या

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत उत्तत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्य में कमी करने या उससे वचने में स्विधा के लिए; और/वा
- (च) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या धनकार अधिनियम, या धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्योजनार्थ अम्तरिती ब्यारा पकट नहीं किया गया भा मा किया जाना बाहिए था कियारे में नृष्टिभा के लिए;

(1) श्रीमती मनिका सेन ।

(अन्तरक)

(2) श्री प्रान गोपाल पोद्दार।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पर्वोक्त संपत्ति के कर्जन के सिए कार्यपाहियां करला हूं।

जनत सम्परित के अर्जन के संबंध में कार्ड भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृषेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वाराः
- (स) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>5</sup>, बही कर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अन्त्ची

जमीन :--- 2 कठा 8 छटांक जमीन कासाथ मजान। पता---- 66 ए, जुगिपाडा रोड, कलकत्ता--- 28, थाना----इस उस

दलील संख्या——आर॰ ए० कलकत्ता का 1983 का आई० 11918!

> एस० के० बनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, कलकत्ता

तार्ग्रेज : 9--7-84

मोहर ::

प्रक्प माई. टी. एन. एस. - - - --

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक कार्यका**र आयुक्त (निरीक्षण)** अर्जन रेंज-2,कलकत्ता

कलकत्ता, विनांक 9 जुलाई, 1984

निर्देश सं० ए०सी०-69/आय-2/कल/84-85--यतः. मुझे, एस०के० बनर्जी,

मायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है कि धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उक्ति माजार मृस्य 25,000/- रा. से अधिक है

म्रोर जिसकी सं० 26 है तथा जो चन्डितला मेन रोड, कलकता-53 में स्थित है (भ्रोर इससे उपाबद्ध अनुसूची म म्रोर, पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय एस० आर० आलिपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 21-11-1983

को प्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रृश्यमान प्रतिफल से, एसे रृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया पति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण सं हुए किसी आय की आधार, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा की लिए; और/या
- (ब) एसी किसी आय या किसी घर ज अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयन जिसी घर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के गयोजनार्थ अतिरिती, देवारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए भा, छिपाने में सृविधा के लिए:

अतः अदः उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, अस्त अधिनियम की धारा 269-ग की अन्धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अंथित् :--- (1) श्री सुनिल चन्त्र सरकार ।

(अन्सरक)

(2) श्री सूजित मुखार्जी।

(अन्तरिती)

्कां <mark>यह सूचना जारी कारके पूर्वीक्त सम्पन्ति के</mark> अर्जन के लि**ए** कार्यवाहियों कारता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप:~

- (क) इस स्पान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्पान की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वतार;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हिस- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्यारा अधाहम्बाध्यरं। के पास सिवित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## मन्स्ची

जमीन---10 कठा 13 छटांक जमीन का साथ मकान। पता---26, चिन्डिसला मेन रोड, कलकत्ता-53, थाना बेहाला।

दलील संख्या——एस० आर० म्रालिपुर का 1983 का 5348।

> एस० के० धनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रैंज-2, कलकत्ता

नारीख: 9--7-84

मोहर 🗆

प्ररूप आहु . टी. एम. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्थाना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 9 जुलाई, 1984

निर्वेण स० अई1/37ईई/1286/83-84--मतः मुझे ए० लहिरी

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्कत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षत्र प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- के अधिक हैं

ग्रौर जिसकी स० यूनिट न० 115, 1 ली मंजिल, केबल इण्डस्ट्रियल इस्टेट 'ए' बिल्डिंग, सेनापित बापट मार्ग, बम्बई-13 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), और जो आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कर के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिर्द्री है, तारीख 8-11-83

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिकाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तो पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उसत अन्तरण निम्नित के बारसिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के बधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे ब्बने में सृविभा के लिए; सौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ सन्तरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था किया में सुजिधा के लिए:

अतः अब, उत्थत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उत्थत अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् :-- (1) श्रीमतो राधिका सिंड

(अन्तरनः)

(2) श्री सितिशचन्द्रसी० शाहा

(अन्तर्रार्तः)

को यह स्थान जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्सि के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पृत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारी खरी 45 विन की अवधि या तत्न्मका व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि थाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृद्दारा;
- (ध) इस सूचना के राजपुत्र में प्रकाशन को सारीब सं 45 दिन के भीतर उनत स्थायर संपिद्धत में हिस-बच्च किसी अन्य व्यवित द्वान अधाहस्साक्ष्री के नाट लिखित में किए आ सकती।

स्पष्टीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विधा गया है।

## मन्स्ची

यूनिट न० 115, 1 लीं मिजल, केवल इण्डस्ट्रियल इस्टेंट "ए" बिल्डिंग, सेनापनि वापट मार्ग, बम्बई-13 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क०स० अई-1/37ईई/18/1183/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांस 8-11-83 को र्जिस्टर्ड किया गया है।

(ए० लहिरी) यक्षम प्राधिकारी महामक आयक्षर आमुक्त (निरीक्षण) अजन रेज-1, बम्बई

नारीख: 9-7-1984

मोहर 🖫

## प्रस्य बार्षे . टी . एत् . एत् . -----

## बायकार विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) को बधीन सुचना

#### RIVER STREET

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरज-1, बम्बर्ड

बम्बई, दिनांक 10 जुलाई, 1984 निर्देश स० अई--437/ईई/1474/83-84---यतः मुझे ए० लहिरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी स० णाप न० 11, ग्राउन्ड फ्लोर, "महाविर अपार्ट-मेंटसॉ, ताडदेव रोहै, बम्बई-7 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बाँगत है), श्रीर जो आमकर अधि-नियम, 1961 की धारा 269 कर के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 3-11-1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास कारने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसिश्ति उद्देश्य से उच्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरणं से हुई किसी अगव की गायत, उक्त गाँधनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे दचने में सुविधा श्रे जिए; जार/मा
- (व) एंसी किसी भाग या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, वा भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की अयोजनार्थ अन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया नवा भा या किया जाना चाहिए था छिपाने थें न्यिभा को सिए;

सतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) इसे अधीन निम्नलिसित व्यक्तित्तयों अधीर :--- (1) मैंसर्स वर्धन बिल्डर्स।

(अन्सरक)

(2) श्री रमणलाल कनाराभाई प्रजापती।

(जन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पृत्रोंकत सम्पत्ति के अर्थन के क्षिष्ट कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेष :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविध या तृत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्षत स्थावर सम्मत्ति में हितबष्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, आं उक्षः अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा ओ उस अध्याय में दिया गया है।

## यन् सुची

णाप न० 11, ग्राउन्ड फ्लोअर, "महाविर अ<mark>पार्टमेंटस</mark>", ताउदेव रोड, बम्बई—7 मेंस्थित है।

अनुसूची जैसा कि क० मं० अई-1/37/ईई/903/83→84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-11-1983 कोरजिस्टर्ड किया गया है।

> (ए० लहिरी) सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बस्बहै।

नारीख: 10−7≔1984

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन स्पना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, विनांक 10 जुलाई 1984

निर्देश सं० ग्रई-1/37 ईई/1290/83-84-ग्रत: मुझे, ए० लिहरी,

मायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त मिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं अग्राफिस नं 4. 14वीं मंजिल, दालामल टॉबर, 211, नरीमन पाइंट, बम्बई—21 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबक ग्रमुची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रौर जो ग्रायकर ग्रीधिनयम, 1961 की धारा 209 क, ख के ग्राधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, नारीख 5—11—1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृन्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (बंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तम पामा गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है :----

- (क) बंतरण से हुई किसी बाग की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के बंतरक के दायित्थ में कमी करने या उद्यूस बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (॥) एसी किसी आय या किसी भून या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अभिनियम, द्वारा पक्षा नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सूविधा के निए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) ■ अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्री विनशा फामरोझ कोतवाल, ग्रौर श्री मनमोहन त्रिलोकीनाथ भार्गव।

(भ्रन्तरक)

(2) मैंसर्स हिलटन रबसं लिमिटेड।

(ग्रन्तरिती)

को <mark>यह सूचना जारी</mark> करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोर्ह भी आक्षेप :---

- 'क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंत- वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहरताक्षरी के पास लिक्तित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण:---इसमे प्रयुक्त शृब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## मनुसूची

ग्राफिस नं० 4, 14वीं मंजिल, दालामल टॉबर, 211, नरीमन पाइंट, बम्बई—21 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि सं० श्रई-1/37 ईई/1185/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 5-11-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरो सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज−1, बम्बई।

तारोख: 10-7-1984

माहर:

## प्रकल् बाह्री, टी. पुन्, पृत्रु , २००२-१०००

## बावकर निधानियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के नभीन स्वना

#### STEP STATE

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 जुलाई 1984

निर्देश सं० ग्राई-1/37 ईई/1262/83-84—ग्रातः मुझे, ए० लिहरी,

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है,, की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित् बाजार मूख्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० यूनिट नं० 2 श्रीर 2-ए, वेस्ट व्ह्यू बिल्डिंग, विर सावरकर मार्ग, प्रभादेवी, बम्बई-25 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), ग्रीर जो श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-11-83

को पूर्वों बत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार जून्य उसके क्ष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) क बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नितिबत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अञ्चरण संहुई किसी आम की बाबत उपक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्कत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) मेसर्स प्रगति इन्व्हेस्टमेंटस् ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती पुष्पा किशोर कुमार झवेरी।

(ग्रन्तरिती)

(3) श्रन्तरक ।

(बह ब्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के िलए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के नर्बन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्द व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति वुवारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पच्छीकरण:--इसमाँ प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ क्षेगा, को उस अध्याय में दिवा क्या है।

## नन्तु ची

यूनिट नं० 2 श्रीर 2-ए, बेस्ट ब्ह्यू बिल्डिंग, वीर सावरकर मार्ग, प्रभावेबी, बम्बई-25 में स्थित हैं।

श्रनुसूची जैसा कि क० सं० श्रई-1/37 ईई/1176/83-84 भीर जो सक्षम प्राधिकारो, बम्बई द्वारा विनोक 1-11-83 की रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरो सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज-I, बम्बई।

भतः अब उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

तारीख: 10--7-1984

प्ररूप काइं. टी. एन. एस. -----

आयकर प्रीविक्सन, 1961 (1961 का 43) की छारा 200-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत वरकार

कार्यालय, सक्षयक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 16 जुन 1984

भागकर सिंधिनियम, 1961 (1961 की 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त जिथिनियम' कहा गया है), की धारा 269-खंके अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्लास करने का कारण है कि स्थानर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लेट नं० जी-।, ग्राउंड फ्लोर, एक्सोटिक विल्डिंग, प्लाट नं० 515, 516, 17वां रास्ता, खार, बम्बई-52 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रिधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 4-2-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल में, ऐसे द्रश्यमान प्रतिफल का श्रेवह प्रतिवात से अधिक है और अंतरक (अंतरकारें) और अंतरिती (अन्तरितियांं) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में पास्तिक रूप में अभित तहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मृबिका के सिए; बौर/या
- (वा) एंगी किसी बाय या किसी धन वा अन्य आस्तियों अर्ग, जिल्हां भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती वृंगरा प्रकट नहीं िकया गया था या किया जाना चाहिए था. कियाने में स्थिया के निष्:

(1) मैसर्स यस्मिन कार्पोरेशन ।

(श्रन्तरक)

(2) श्रीमती मेरी पंगाजम श्रीर श्री पी० हैनरी फर्नाडिस ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्ययाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब कै 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि-बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्वित्तरों यें के किसी व्यक्ति हवारा:
- (ख) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारी ह है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिलबद्ध किसी क्या व्यक्ति इतारा कथाहरू किसी के पाइस लिखत में किए जा सकारों।

स्यष्टीक रणः -- इसमें प्रयुक्त कब्बों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया स्या हाँ।

## जन्सुकी

पलेट नं० जी-1, ग्राउंड पलोर एक्सोटिक बिल्डिंग, प्लाट नं० 515, 516, 17 वां रास्ता. खार, बम्बई-52 में स्थित है। ग्रनुसूची जैसा कि क० सं० ग्रई-2/37 ईई/4237/83-84 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा विनोक 4-2-84 को राजस्टर्ड किया गया है।

> एस० एच० **प्रव्यास भाविदी** सक्षम प्राधिकारी, सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

अक्त अक्त अधिनियम की धारा 269-क की अनुसरण मं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-क की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिक्ति व्यक्तियों, अधित ह—

तारीख: 16-6-1984.

## प्र<del>थम वार्च हो, एन एव</del>ू---

# आयवार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्पृता भारत सहकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-II. बस्बई

गम्बई, दिनांक 23 जून 1984

निदेश संब ग्राई--H/37 ईई/37--जो/3621/84-85---ग्रतः मझे, एस० एच० श्रव्यास ग्रावदी.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परनास् 'उक्स अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाकार मृत्यु 25.000/- रु. से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० प्लाट नं० 21, फायनल प्लाट नं० 140, टी० पी० एस० नं० 4, स्रॉफ सांताकूज, सी० एस० नं० जी० 546, "मैकीडोनिया" श्रण्ड गरेजेस म्यूनिसियल वार्ड नं० एच० 3113(1), स्ट्रीट नं० 21 में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध सनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिषकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्राधीन, तारीख 25-5-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य सं कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सभापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृष्यभान प्रतिफल से, एसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिवात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रात्फल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आग की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उममें यचने में मृविधा के जिए; वरि/वा
- (म) ऐसी किसी बाय वा किसी भन या जन्य वास्तियों का, जिन्हीं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्छ अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की अयोजनार्थ अञ्चरिती ह्यारा प्रकट नहीं किया रामा या किया जाना का किया का किया का किया का किया का सामा का किया के लिए;

- (1) 1. डॉ॰ थॉमस फ्रान्सिस मसेडो,
  - 2. कुमारी लुइसा डॉटर ग्राफ डॉ० मी० जोसेफ मसेटी (श्रन्तरफ)
- (2) 1. ज्योतिन निमणलाल शेठ,
  - श्रीमती पन्ना जे० शेठ,
  - धिमंत चिमणलाल शेठ,
  - 4. श्रीमती वर्षा धिमंत शेठ श्रीर
  - 5. श्रीमती माधुरीबेन चिमणलाल मोठ ।

(भ्रन्तरिती)

- (3) ग्रन्तरिती
  - (वह व्यक्ति जिसके भ्रधिभोग में सम्पत्ति है)

है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

(4) ध्रन्तरक (वह व्यक्ति, जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता

को यह सूचना जारी कारके पृथाँकत संपृत्ति के अर्थन के सिए कार्ययाहियां कारता हुं।

उक्त संपत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेष 🌣---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अयिक्तयाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि शद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूनांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिय द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीड से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबहुध किसी वस्य स्थित द्वारा कथोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकेंगे।

स्वण्याकरणः - इतमे प्रयुक्त सम्बा और पदां का, आं उवद अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गवा है।

## भग्सूची

ग्रनुसूची जैसा कि विलेख सं० डीड एस०-3690/82 ग्रीर जो ऊपर रजिस्ट्रार, बम्बर्ड द्वारा दिनांक 25-5-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> एस० ए**च० प्रब्बास श्रविदी,** सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-II, बम्बई

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः—

तारीख: 23-6-1984

महिल्ला

प्ररूप बार्च, टी. एव. एस्.-------

अप्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुभना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्क (निरीक्षण) अर्जन रेज्-I, बम्बर्ध

बम्बर्ड, दिनांक 9 जुलाई, 1984

निदश सं० अइ-।/37ईहै/1321/83-84:---अत: मुझे, ए० लहिरी,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रशाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लेट नं० 9, 3री मंजिल, आकाशदीप आफ आकाश महल को-आप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, डोंगरी रोड मलवार हिल, बम्बई-5 में स्थित उपाबद्ध स्थित है (श्रीर इससे अनुसूची है श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जो आयकर अधिनयम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 8-11-83

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफाल से, एसे दृश्यमान प्रतिफाल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिस्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्ह<sup>2</sup> भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त राधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अ्थित् :——
12—176 OII84

(1) श्रीमती सुभद्रा कुमारपाल गहा। (खन्तरक)

(2) श्री प्रकाण दलतपलाल मेहेता, भौर श्रीमती झूला प्रकाण मेहता।

(अतरिती)

(3) अन्तरकः।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोड भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्तित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्यख्डीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, थो उच्च अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### नगत्नी

क्लेट नं ० १, उसरी मंजिल, आकाशवीप आम् आफाश महल को०आप० हाउसिंग मोसायटी लिमिटेड, डोंगरी रोड, मलबार हिल, बम्बई हैं–6, में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-1/37 ई/1190/83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 8-11-1983 की रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० लहिरी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-!, बम्बई ।

तारीखा : 9−7−1984

मोहर

मृरूपु **नाइ**ं, टी. ४न. एस.---

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-ा, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 जुलाई, 1984

निदंश मं० आई--1/37ईई/1382/83--84:---अत: मुझे, ए० लहिरी,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 702, 7वीं मंजिल, "सुन्दर टावर", टोकरणी जित्रराज रोड, सिवरी, बम्बई-15 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाधड अनुसूची में ग्रौर पूणं रूप में वर्णित है), ग्रौर जो आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 1269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 23-11-83

को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रसिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुंके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृत्रोंक्त सम्पत्ति का उचित धाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे जन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में भारतिकक कप से प्रधित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किनी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दौरे के अन्तरत. के यायित्व में कमी करने या उससे अपने में नृतिधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रयट नहीं किया गया धा या किया प्राना चाहिए था, कियाने में सविधा के लिए;

(1) श्री रमेशकुमार धनजी।

(अन्तरक)

(2) कुसारी अफसरी ए० हमिद काझी।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी कारके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यात्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथींकर व्यक्तियों में ये दिस्ती व्यक्ति द्वारा:
- (ब) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहम्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त मधिनियम के अध्याय 20-क में परिशाधित हैं. यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में टिया गया है।

## अमस्ची

फ्लैट नं० 702, 7वीं मंजिल, "सुन्दर टावर", ठोकरणी जिवराज रोड, सिवरी, बम्बई-15 बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि । सं० अई-I/37ई/1288/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 23-11-83 को रिजस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयुक्त (निरीक्षण) अजंन रेंज--ा, अम्बर्ह ।

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :——

तारीख: 9--7-1983

मोहर 💰

प्ररूप आर्ड. टी. एन. एस.-----

कार्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्भालय, सहायक कायकर आयुक्त (निर्दाक्षण) अजन रेज-I, बम्बई

बम्बहै, दिनांक 9 ज्लाई, 1984

निर्देश सं०. वर्ध-J/37ईई/1368/83-84--अतः, मुझें, ए० लहिरी,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधितियन' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० गोडाउन एट ग्राउंड फ्लोअर, "ब्रोच सदन" बिल्डिंग, ब्रोच स्ट्रीट, बम्बई-9 स्थित है (श्रीर इससे उपाबढ़ अनुसूची में ग्रीर पूणं रूप में विणित है), श्रीर जो आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 18-11-1983 को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है शीर मूझे यह विश्वास करने का द्वारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तर प्रतिफल को प्रतिफल के बिए अन्तर्भ प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तर प्रतिफल के बीच एक अन्तरण के लिए तथ प्रया गया प्रतिफल, जिम्मिलिकत उद्विध्य से उक्त अन्तरण लिकित में बास्तिवक स्थ से कियत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के शियत्व मों कमी करने या उससे बचने यें सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्मिनी दुधाय अल्या उद्यो किया गरा अर भारक्या प्रान्त बोहिए था कियान में एजिया के सिए;

(1) श्री भ्रोमकुमार अप्रवाल ।

(अन्धरक)

(2) मैसर्स कानपुर-आगरा ट्रान्सपोटं, कार्पोरेशन । (अःसरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कायवाहिया करना हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्ति में से किसी व्यक्ति ब्यारा;
- (स) इस सूचना को राजपत्र में पकाशन को तारीस से 15 दिन के भीतर उक्त स्थादर सम्पत्ति में हितब्द्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा न्भोहस्ताक्षरी के पाइ निवित्त में किए था सन्देंगे।

स्पच्छीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिख्य गया है।

## नन्त्र्यी

गोजाउन एट ग्राउंड फ्लोक्षर, "ब्रोच सदन" बिल्डिंग, ब्रोच स्ट्रीट, बम्बई से स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि कं सं अई-I/37ईई/1343/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 18-11-83 को रिजस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण), अजंन रेंज,-I बम्बर्ष ।

अतः अवः, उक्त अधिनियम, कौ भारा 269-च के अन्सरण में, में. उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभार (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

सारीख: 9-7-1984

मोहर 🖫

प्ररूप बाई : टी. एन. एस.-----

आयकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक कायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, बम्बई बम्बई, दिनांक 10 जुलाई, 1984 निर्देश सं० अई-I/37ईई/1266/83-84--अतः, मुझे, ए० लहिरी,

भायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी कों, यह विश्वास करने का कान्ण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

गौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 502, 5वीं मंजिल, सिमला हाउस, "डी" ब्लाक, 51/बी०, लक्ष्मीबाई जगमोहन मार्ग, बम्बई-36 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जो आयक्तर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 2-11-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मृत्रे वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का दृद्धह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कव, निम्मनिवित उद्देश्य से उक्त बन्दरण विवित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुन्द्र किसी भाग की शावत जवता विध-नियम के व्यक्ति कर दोने के अभारक के दायित्य वे कमी करने या उससे जवने में सुविधा के नियं; वरिया/
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, विक्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोकनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया थाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के तिए;

(1) श्रीमती मंजुला चंपकलाल मेहता, ग्रौर स्री चंपकलाल संबकलाल मेहता।

(अन्तरक)

(2) श्री हसमुखलाल नेमचंद णहा, श्रीर श्रीमती निरंजना हसमुखलाल णहा।

(अन्तरिती)

का यह सूचना बारी करके पूर्वोक्स संपरित के वर्जन के निए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रमुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## बन्स्ची

पलैट नं० 502, 5वीं मंजिल, सिमला हाउस, "डी" ब्लाक, 51/aी, लक्ष्मीबाई जगमोहनलदास मार्ग, बम्बई-36 में स्थित है। अनुसूची जसा कि ऋ० सं० अई-I/37 ईई/1272/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-11-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयक्त आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-1, बम्बई ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः—

तारीख: 10-7-1984

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

बायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269- (1) के अभीन तुषना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, बम्बई

बम्बई, दिनां रू 10 जुलाई 1984 निर्देश सं० अई-1/37ईई/1473/83~84---अतः मुझो, ए० लहिर्दाः

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अभिक है

और जिसकी सं० वेसमेंट नं० 6, बेसमेंट फ्लांअर, "महाधिर अपार्टमेंटस्", ताडवेब रोड, बम्बई 17 में स्थित है (और इनों उपाबद्ध अनुसूर्वा में और पूर्ण रूप से विणित है), और जो आयागर अधिनियम, 1961 की धारा 269 देखें के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकार्य के द्वार्यालय में रिजस्ट्रों है, तारीख 3-11-1983 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निविश्वत उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में पास्तुष्यक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अस्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अभि-नियम के अभीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कामी कारन का उसस अचने में सुविधा के लिए, और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियां की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्दे अधिनियम, वा भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में बविधा के लिए;

सतः अव, उक्त सधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के सधीन, निम्नसिक्ति व्यक्तिवों, सर्थात हु--- (1) मैसर्स वर्धन बिल्डर्स ।

(अस्तरक)

(2) श्री संजय कुमार रमणलाल प्रजापति । (अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंकत सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इतारा,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः ----इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदी का, जो उसत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है। गया है।

## वयस्यी

बेसमेंट 6, बेसमेंट फ्लोअर, "महावीर अपार्टमेंट्स", प्राडदेव रोड, बम्बई--7 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई--1/37 ईई/902/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3--11--1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरीं सक्षम प्राधिकारीं स**हायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)** अर्जन रेंज--<sup>1</sup>, बस्**यर्ष**

नारीख: 10--7--19**8**4. **मोह**र प्ररूप आहर्र.टी एच एस. ------

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) को अधीन सृच्या

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज--I, बम्बई बम्बई, विनांक 10 जुलाई, 1984

निर्देश सं० अई-1/37ईई/1362/83-84--अतः मुझं, ए० लहिरो,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके परकात् जिक्त अधिनियम कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित् बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक ही

और जिसकी सं ० पलैट तं ० 38, 1ला मंजिल, भारत महल. 86 नेताजो सुभाष रोड, बस्बई-2 में स्थित हैं (और इससे उपाबद अनुभूचों में और पूर्ण रूप ने विणित हैं), और जो आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 के, खे हे अधोन बस्बई स्थित अक्षम प्राधिकारों के नार्यालय में रजिस्ट्रों है, तारीख 18-11-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य स काम के द्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते वह विस्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल स, एस रह्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अतारकों (अक्षेरितयों) के बीच एसे अत्रर्थ के लिए त्य पाया प्रतिफल निम्नलिखित उच्चक्य से उच्या अतारण लिखित मे नास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अंतरण से हुई किसी आयु की बाबल, अक्त को बोजियम के अधीन आफ बोने के अम्बर्क को बाबिश्व मां काबी करने या उसमें बचले में सुविधा के लिए, और/या
- (ख) एसी किसी बाय या किसी भन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आय-कर आंधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्थिम के लिए;

जितः। जब उक्त जिधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण हों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) में अभीना, निम्नलिखित व्यक्तियों, सर्थात :----

- (1) श्रीमती जिला सालू शामदासानी, और प्राः भालू शामदासानी, नाव नीन एज, श्रामती प्रशा हर्युष्णा मिरचंदानी । (अन्तरक)
- (2) श्री हेमंत कुमार नटवरलाल रायचूरा, और श्रीमती नयना हेमंत कुमार रायचूरा, फारभर्ली नोन एक नयना मनसुखलाल णहा । (अन्तरिती)
- (3) अन्तरको । (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है) ।

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के संबंध मो कोड़ी भी आक्षंप :--

- (क) इस सृष्या के राजपत्र में ग्रकाशन की तीरीस से 45 दिन को अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सृष्या की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हा, के भीतर प्वींकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिक से 45 विन के भीतर उथत स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास जिलिखत में किए जा सकी।

स्पष्टोकरणः ---- इसमी प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मी परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याः मी दिया गया है।

## अनुसूची

फ्लैट नं ० 38, 1ला मंजिल, भारत महल, 86, नेताजी सुभाष रोड. बम्बई-2 में स्थित है।

अनुसूचं। जैसा कि कि० सं० अर्ध-1/37 ईई/1332/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारो, बम्बई द्वारा दिनांक 18-11-83 को रिजस्टर्ड किया गया है ।

ए० लहिरी यक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-- , बम्बई

नारीखा : 10-7-#984.

भोहर:

प्ररूप बाइ .टी .एन .एस . ---

काय कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यां नयः महायक आगकार आगका (नियोक्षण) अर्जन रेंज-I, वस्बई

वम्बई, दिनांक 10 जुलाई 1984

निर्देश सं० अई--ए/37ईई/1371/83-84:--अतः मुझे. ए० लहिरीः,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चार (उनत अधिनियम कहा गया है), की धारा 269- ह के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वात कारने बा कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उनित बाजार मुन्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं ० फ्लैंट नं० 43, 4थी मंजिल, व्लाहा 'बी'', 'मिहेर-सिन'' विल्डिंग, 107/9, बुडहाउन रोड़, कुलाबा, वम्बई-5 में स्थित है (और इससे उपावद जिन्सूची मेंऔर पूर्ण कप से निजिन्हें) और जो आयकर अधिनियम, 1961की धारा 269 ए, खरी अत्रोन, बम्बई स्थित नक्षम प्राधिकारी के नायित्य में रिजस्ट्रें है, तारीख 24-11-83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से, एसे रश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पादा गया प्रतिफल निम्नतिक रूप से कथित नहीं थि। या गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर तीने के अंतरक के वायित्व में कभी करने या उसमें माने में तिकल के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय अप्रकार अधिनियम, 1927 (1922 का 11) या जनत अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जारा साहिए था, स्थित के लिए;

अतः अब, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, राक्त अधिनियम की धारा 260-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्हानिधित व्यक्तियों. अर्थात्:— (1) श्रामती रूबा सरोक्क्सटेल, और श्री सरोश बोमणशा पटेल।

(अन्तरक)

- (1) 1. श्रीयती पीत्र जहांगार खोदायजी,
  - 2. श्रीमपा दौलत दारीयस दमानिया, और
  - 3. थी दारीयस बहादुर दामानिया।

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाराः
- (ए) इस सूचना के राजपत्र में भकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मं परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दियां गया है।

## **जन्स्**ची

फ्लैंट तं० 43, 4थो मंजिल, "वी" ब्ला  $\pi$ , "मेहेरसिन" विल्डिंग. 107/9, बुड हाउट रोड कुलाबा, वस्वई--5 में स्थित है।

अनुमूबी जैया कि क० सं० अई-1/37ईई/19/83-84 और जो सक्षम प्राधि गरी, वम्बई हारा दिनांछ 24-11 83 को रिक्डिं किया गता है।

> ए० त*ेहरो.* सक्षन प्राधिकारी : सहायक ग्रीयकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जैन रेंज-I, वम्बई ।

ारीख : 10-7-1984.

प्रसुपु आर्थः दी. एन . एस . -----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक र आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 जुलाई 1984

निदेश सं० श्राई०-1/37ईई/1342/83-84---श्रतः मुझे, ए० लहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी जी, यह विव्वाम करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिन्नका उणित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं श्राफिस प्रिमायसेस नं 1, 2.5 ग्रौर 6, 10वीं मंजिल, "दालामल हाउस", फोर पार्किंग, प्लेसेस बेग्ररिंग नम्बर्स 13 ग्रौर 14 इन दि बेसमेंट ग्रौर नम्बर्स 6, 7 इन दि कम्पाउन्ड प्लांट नं 206, इन ब्लांक, नं III ग्राफ बेकबे राक्लमेंशन स्कीम, नरीमन पाइंट. बम्बई-21 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) ग्रौर जो ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 को धारा 269 कख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्रो है दिनांक 10-11-1983

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दूरमान प्रतिफल से एसे दूरमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिशत से अधिक है और अंसरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिसित उद्विषय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप में किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण स हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की दायित्व में कभी करने या उनसे बचने से स्विधा के लिए और/धा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अज, उत्तर अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में. में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. श्रो दालामल एण्ड सन्स इन्टहेस्टमेंट कंपनी,
- (ग्रन्तरक)
- सेंटरकार्प, और माणेकलाल माइन्टोफिक रिसर्च फाउन्डेणन।

(ग्रन्सरिती)

अन्तरक

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पर्ति है) को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ::---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ध होगा जो उस अध्याय में दिया गहा हैं.

## वम्सूची

श्राफिस प्रिमायसेस नंबर्स 1, 2, 5, श्रौर 6, 10वीं मंजिल, "दालामल हाउस", फोर पार्किंग प्लेसेस बेग्निरिंग नम्बर्स, 13 श्रौर 14 इन दि बेसमेंट श्रौर नम्बर्स, 6, 7 इन दि कम्पाउन्ड, प्लांट नं० 206, इन ब्लांक नं० III, श्राफ बैकबे रीक्लमेंणन, स्कीम तरामन पाइंट, बम्बई-21 में स्थित है ।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ग्राई० 1/37ईई/1334/83-84 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 10-11-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी, सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) स्रर्जन रेंज-!, बस्बई

दिनांक 10-7-1984 मोहर ⊹ प्र<del>रू</del>प आह<sup>र</sup>़ टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन स्चना

## भारत सहकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ध्रर्जनरेंज-I, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 जुलाई 1984

निर्देश सं० श्राई-1/37ईई/1270/83-84--श्रव: मुझे, ए०लहरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 202, वेस्टब्यू बिल्डिंग, वीर सायरकर मार्ग, प्रभादेवी बम्बई-25 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जो श्रायकर ग्रिधिनियम 1961 की धारा 269 कख के श्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनांक 1-11-1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिश्वत उद्वरेष्य से उक्त अंतरण किश्वत में नास्तिक रूप से कथिश नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तेरण से हुई किसी बाद की बावत उक्त अधि-नियम के अभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बाँड/वा
- (क) ऐसी किसी नाम या किसी धन या नम्स नास्तियों की, चिन्हों भारतीय नायकर निधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत निधिनियम या धन केर निधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ न्तिरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया नया भी या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. निम्निचित व्यक्तियों, अधीत् ह्र— 13—176 GI/74

1. श्रीमतो छाया दिनानाथ वाधधरे, ।

(ग्रन्तरक)

 श्री सुरेन्द्र दीपचन्द काले, ग्रीर श्रीमती कुमकुम दीपचन्द काले।

(ग्रन्तरिती)

अगति इन्वेस्टमेंद्स ।

(वह व्यक्ति, जिसके घ्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप !---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो., के भीतर पर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपन मों प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति वृताय अथोहस्ताक्षरी के पास लिसित मों किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसस अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया। गया है।

## वन्स्ची

प्लैट नं० 202, वेस्ट व्यू बिल्डिंग वीर सावरकर मार्ग, प्रभावेंबी बम्बई-25 में स्थित है।

श्रनुसूचो जैसा कि ऋ० सं० श्राई~1/37ईई/1170/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारो वम्बई द्वारा दिनांक 1-11-83 को रुजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरो सक्षम प्राधिकारी स**हायक ग्रा**यकर **ग्रायुक्त** (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बस्बई

दिनांक 10-7-1984 मोहर:

## भक्त नार्द<u>े ही एन् एक प्र</u>ान्त्रकारकार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्मालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंज-I, बम्बई बम्बई, दिनांक 10 जुलाई, 1984

निर्देश सं० ग्राई०-1/37ईई/1237/83-84--ग्रत: मुझे<sup>,</sup>

ए० लहिरी

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- क. से अधिक है

श्रीर जिसका पलैट नं० 283, 28वीं मंजिल, श्रीर कवर्डकार पाकिंग स्पेस श्रान दि ग्राउन्ड फ्लोग्नर, बिल्डिंग "डी" "पेटिट हाल", नेपियन सी रोड, बम्बई-6 में स्थित है, (श्रीर इससे उपाबड अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) श्रीर जो श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनांक 21-11-83 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के उर्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूम्मे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मृत्य, उसके उर्यमान प्रतिफल से, एसे उर्यमान प्रतिफल का पंदह प्रतिशत से विधित है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (बन्तरितियाँ) के बीच एसे बन्तरण के लिए तम वाया गया शतिक , निम्निवित उद्वोच्य से उक्त अन्तरण मिथित में बार्योक्य , निम्निवित उद्वोच्य से उक्त अन्तरण मिथित में बार्योक्य क्या विधित में

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, बा अन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूर्विधा के लिए;

नतः नदः जन्त अधिनियम की भारा 269-ग के जनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नतिधिक व्यक्तियों, अर्थात् :---

1. श्रमझेल, प्राइवेट लिमिटेड

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती मुनालिनी हेगडे

(ग्रन्तरिती)

3. श्रन्तरिती

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में भ्रघोहस्ताक्षरी जानताहै कि वह सम्पत्ति में हिनबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्सि के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

चक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य अयक्ति व्वारा अभोहस्ताक्षरी के वास लिहिबस में किए जा सकरें।

स्यष्टीकरणः ---- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त जिथिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विया गया है।

## अनुसूची

पलैट नं० 283, 28वीं मंजिल, श्रीर कवर्डकार पार्किंग स्पेस ग्रान दि ग्राउन्ड फ्लोर, बिल्डिंग, 'डो' 'पेटिट हाल', नेपियन सी रोड, बम्बई-6 में स्थित है।

श्रनुसूचो जैसा कि कः सं० श्राई-1/37ईई/1271/83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी यम्बई द्वारा दिनोक 21-11-83को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारो सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 10-7-1984

मोहर 🖫

प्ररूप आहें. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायूक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, बम्बई बम्बई, दिनांक 9 जुलाई, 1984

निर्देश सं० आई-1/37ईई/1363/83-84—-श्रतः मुझे, ए० लहिरी

नायक र अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)., की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्थास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

25,000/ - क. स जाधक हुं

ग्रीर जिसकी सं० श्राफिस नं० 309, 3री मंजिल, भारत चेम्बर्स, बरोडा स्ट्रोट, बम्बई-9 में स्थित है (ग्रीर इससे उवाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है) ग्रीर जो ग्रायकर ग्रिधिनयम, 1961 को धारा 269 कख के ग्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रिजस्ट्री है, दिनांक 18-11-83 को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान पतिफल के लिए जन्तरित की गई है ग्रीर मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा। जीवन सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके पृथ्यमान प्रतिफल में, ऐसे पृथ्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) ग्रीर प्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे यन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्तलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण चिखित में बास्तिक रूप से किया नहीं किया गया है :----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयु की बाब्त, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक की दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् उन्न

- 1. श्रीमती रंभाबेन गिरधरलाल विठलानी
- (भ्रन्तरक)
- 2. (1) ब्रिजलाल ईश्वरदास टण्डन, श्रीर
  - (2) कन्हैयालाल ईश्वर दास टण्डन ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के जर्जन के लिए कार्यवाहियां सूक्ष करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति हो,
- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निकास में किए जा सकीं।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## **न**न्स्**ची**

श्राफिस नं० 309, 3री मंजिल, भारत चैम्बर्स, बरोडा म्ट्रीट, यम्बई-9में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि के सं आई-1/37ईई/1338/83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा विनांक 18-11-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-I, बम्बई

तारीख: 9-7-1984

मोहर 🖰

प्ररूपः बार्डः टी. एन्, एतः -----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-भ (1) के बभीन भूषता

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज,

बम्बई, विनांक 10 जुलाई, 1984

निदेश सं० आई-1/37ईई/1267/83-84——अतः मुझे ए० लहिरी

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

जिसकी सं० यूनिट नं० 8, और 8-ए . 'वेस्ट व्हयू'' विलिड ग विर सावरकार मार्ग, प्रभादेशी , बम्बई-25 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणत हैं) और जो आयार अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई में स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजर्स्ट्री हैं दिनांक 1-11-83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से, एसे रश्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वयस्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबस, उसस अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बधने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रशंजनार्थ अंतिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने से सृविधा के लिए;

जतः जवः, उच्त अधिनियम की धारा 269-ए की अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) € अधीन, निम्मीलिखिक व्यक्तियों, अर्थात् ः—— 1. मैं सर्स प्रगति इन्वेस्टमे न्ट्स,

(अन्तरक)

2. श्रो किशोर कुमार भीमजी झवेरी, फैमिसी ट्रस्ट (अन्तरिती)

को यह सूजना चारी करके पूर्वोक्त संस्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उबत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप हु---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारिख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकने।

स्पष्टीक रणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ द्वांगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## वनुसूची

यूनिट नं ० 8, और ३ूप, 'वेस्ट व्हयू' बिल्डिंग विर सावरकर मार्ग, प्रभावेबी, बम्बई-25 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० आई-1/37ईई/1172/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-83को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम श्रीक्षकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बम्बई

तारीख: 10-7-1984

मोहर 🖫

प्ररूप आहूर. टी. एन. एस.-----

भागकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) से अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक जायकर जायुक्त (निर्देशिक) अर्जन रेजार्ड.

बम्बई, विनांक 10 जुलाई 1984

निर्देश सं० आई०-1/37ईई/1261/83-84—-अतः मुझे, ए० लहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्धास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं यूनिट नं 7 और 7-ए, बेस्ट ब्यूज, बिल्डिंग बार साबरकर मार्ग, प्रभादेवी, बम्बई-25 में स्थित है (और इससे उनाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणित है) और जो आयकर अधिनियम 1961 को धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनांक 1-11-83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि मथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, असके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए त्य पाया गया प्रतिक्तम, निम्नलिबित जब्देश्य से उक्त अन्तरण निवित में वास्त-विक कप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियस के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य बास्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया बया या वा किया जाना वार्ष्ट्र या क्रियाने में सविधा के निए:

अतः अय, उत्तर अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उत्तर अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निल्धित व्यक्तियों, अधीत् ह—

1. मैसर्स प्रगति इन्वेस्टमेन्ट्स ।

(अन्तरकः)

- श्री किशोरकुमार भीमजी अवेरी प्रायवेट लिमिटेड (अन्तरिता)
- 3. **अन्तर**क

(बहु ब्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए। कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ह-

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी क्यक्तिमाँ पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वितर क्युवितमाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस त्वना के राजपक में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबष्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास सिंह कि में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण : इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

यूनिट नं० 7 और 7-ए 'बेस्ट ब्ह्यू' बीर सावरकर मार्ग, प्रभादेवी, बम्बई-25 में स्थित है।

अतुसूची जैसा कि ऋ० मं० आई-1/37ईई/1177/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-83 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० लौहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 10-7-1984

मोहर 🛎

प्ररूप बाह्य , दी , एन , एस , -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार 269-भ (1) के अभीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1.

बम्बई, दिनांक 9 जुलाई 1984

निर्वेश सं० आई०-1/37ईई/1415/83-84—अतः मुझे, ए० लहिरी

बायकर बिधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं० यूनिट नं० 110, 1 ली मंजिल, केबल इण्डस्ट्रियल इस्टेट, "ए" बिल्डिंग, सेनापित बापट मार्ग, बम्बई-13 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बिणत है) और जो आयक्तर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 26-11-83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकां) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिचित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरणुसे हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; अर्रि/या
- (ख) एसे किसी आय या िकसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं िकया गया गया था या िकया जाना चािहिए था, िछपाने में स्विधा के लिए;

1. मैसर्स ग्रंटलांटिक अपारेहस ।

(अन्तरक)

2. मैसर्स नायरवायर इंजिनियर्स प्रा० लि०

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पन्ति के अर्जन के कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी वविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किसे जा सकरी।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ हरोगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

यूनिट नं० 110, 1ली मंजिल, केवल इण्डस्ट्रियल इस्टेट, 'ए' बिल्डिंग सेनापति बापट मार्ग, बम्बई-13 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० आई०-1/37ईई/1355/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी वम्बई द्वारा दिनांक 26-11-83 की रिजस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरो सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त(निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिस्ति व्यक्तियों, अर्थात् ः—

तारीख: 9-7-1984

मोहर 🕄

प्रकृष कार्यः, टीः, एनः, एवः, उत्तरन्यान

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के सुधीन सूचना

#### मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 10 जुलाई, 1984

निदेश सं० आई०-1/37ईई/1317/83-84--अत:मुझे, ए० लहिरी

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिल्ला मं० प्लाट नं० 3, प्राउन्ड फलोअर, 'ब्लू ह्वन'' विह्विंग, माउंट प्लेजेंट रोड, मलबार हिल, बम्बई-6 में स्थित है (ओर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से बिणत है) और जो आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कुछ के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, दिनांक 8-11-1983

को पूर्विधत संपरित को उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पंड्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिक्त कि निम्निलिखत उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की वायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया अन्तर चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अन, ७वसः जिभिनियमं की धारा 269-गं के अनुसरण में, में, उक्त किंधिनयमं की धारा 269-घं की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् हु—

- 1. श्रीमता सुनोला देवी बालकृष्ण भंडारी (अन्तरक)
- 2. डा० केरसी धनजीणा देसाई

(ग्रन्सरिती)

- 3. त्रावणकोर इलैक्ट्रो केमिकल इण्डस्ट्रिज लिमिटेड (बहुब्धिकत जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. अन्तरक

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता हैकि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यक्राष्ट्रियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पन्ति के अर्जन के सम्बन्ध में क्रोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त भ्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृतारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी मन्य व्यक्ति ब्वाय मधोहस्ताक्षरी के पास निविद्य में किए वा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो हक्त जीभिनियम, के अध्याय 20-क में परिशाधित इं, कहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया क्या है।

## जन्सूजी

फ्तैट नं० 3, ग्राउन्ड फ्नोअर, 'ब्लू हवन' बिल्डिंग माउंट प्रोजेंट रोड, मनवार हिन, बम्बई-6 में स्थित है।

अनुपूत्रः जैसाकिक असं० आई-1/37ईई/1218/83-84 और जोसक्सम प्राधिकारो, बम्बई द्वारा दिनांक 8-11-983को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> ए० लहिरो सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, बस्बई

दिनांक : 10-7-1984

मोहर 🗈

प्रहण **बार्ड** . टी . एन् . एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269- व (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

## कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्वाक्षण)। अर्जनक्षेत्र, भोपाल

भोवाल, दिनांक 26 जून 1984

निदेश मं० आई० ए०सी०/अर्जन/भोपाल/4813---अतः, मुझे वोरेन्द्र कुमार बरनवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं ० फ्लेट नं ० 3, जोिक प्लाट नं ० 181 पर बना है, तथा जो खातीवाल। टैंक, स्क.म क्रमांक 44, इंदौर में स्थित है (और इससे उगायद्ध अनुसूची में और पूर्ण क्षपसे विणित है) रिजस्ट्रीभर्ता अधिकारी के कार्यालय-इन्दौर में रिजस्ट्रीधरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त संपर्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान क्रितिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित के बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ६——

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की चावत, उक्त जिमीनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के तिए; बीर√या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थिनों में स्विधा की लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण के, में, उक्त अधिनश्चम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

 मैंसर्स गुरेजा बिल्डर्स इंदार तरफे भागी दार श्री गिरधारी लाल पिता रामदास गुरेजा, निवासी 211, पलसीकर कालीनी, इन्दौर ।

(अन्तरक)

2. श्रोमती पोतुकेचि राजेश्वरो, पति डा० पी० एस० अवधानी श्रो पोतुकेचि श्रोराम अवधानी निवासी 277, विष्णुपुरी, अनेक्स कालोनं, इंदौर । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यशिहियां करता हुं।

जक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की सन्धि मा तत्स्रवंधी अमृत्यित्यों पूर सूचना की तामील से 30 दिन की सन्धि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति हो,
- (ख) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर जक्त स्थाक्षः सम्परित में हित-बद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा, जधाहेस्ताक्षरी को पास लिखित में किए जा सूकोंगे।

स्थव्हीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क थें परिभाषित है, वहीं वर्ष होगा जो उस ्तय में दिक्षा गया है।

#### जनसङ्गी

फ्लेट नं० 3,प्लाट नंबर 181 पर बनाहुआ, खातीवासा टैंक,स्कीम क्रमांक 44 में स्थित है।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 26-6-1984

मोहर 🥫

प्ररूप बाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अभीन सूचना भारत संरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 26 जून, 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/म्रर्जन/भोपाल/4813——म्रतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इन के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उजित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक है

ग्रोर जिसकी सं म्यु नं 91/1 का एक भाग (कच्ची खोलियां), है, तथा जो राज मोहरूला, (ग्रोल्ड) इन्दौर में स्थित है (ग्रोर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय इंदौर में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिनांक नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वाम करने का जारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से., एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्सरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए: और/या
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी धन अन्य बान्तियों को जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्थिधा के लिए;

अत: अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखिल व्यक्तियों, अर्धात :--14-176GI/84

- 1. (1) श्री मोहम्मद हनीफ पिता श्री शेख जमील,
  - (2) श्रीमती बानोबी पत्नी मोह० ईस्माइस, निवासी-25 गफ्फूर खान की बजरिया, इन्दौर।

(भ्रन्तरक)

 श्री ग्रब्बुल काविर पिता हाजी मोह० युसुफ निवासी 19, लोहार पट्टी, इन्वौर ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हों।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्प्रीत में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उच्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विवा गया है।

## अनुसूची

म्यु० नं० 91/1 का एक भाग (कण्यो खोलियां), राज मोहल्ला, (श्रोल्ड) इन्दौर में स्थित है।

> वोरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम ग्रधिकारो सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंग, भोजाल

विनांक 26-6-1984 : मोहर:

## प्रकृत हो , दी , एव , एव , -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा धारा 269-ज (1) के अधीन सृषना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रोज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 26 जून, 1984

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/4814---श्रतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार वरनवाल

कायकर अभिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकाल के लिए अन्तरित की गई है और मुन्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकाल सं, एसे दश्यमान प्रतिकाल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तां रितियों) के बीज एसे अन्तर्य के निस् त्य पात्रा गया प्रति-क्त निम्निसित स्व्येश्व से उक्त अन्तरण सिस्ति में अस्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उसत अधिन्यिम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुबिशा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अधीत :---  मोह० हनोफ पिता शेख मोहम्मद जमील, निवासो-25, गफ्फूर खान को बजरिया, इन्दौर।

(ग्रन्तरक)

(2) (1) मोहम्मद रमजान

(2) श्रब्दुल श्रजीज दोनों पुत्र हाजी महमूद । निवासी 19, लोहार पट्टी, इन्दौर।

(ग्रन्सरिती)

की यह सूचना जारी करके पुविक्त सम्पन्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं

## उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप 🏗

- (क) का मुनार के नाजपा में प्रकाशन की हारीस में 45 दिन की अविभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की नामील में 30 दिन को अविभ, जो भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्पक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बच्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा संकेंगे।

स्यष्टींकरण: -- इसमें प्रयूक्त क्षम्यों और पवा का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## मन्स्थी

मकान म्यु० नं० 91/1 का एक भाग है ग्रोल्ड, राज मोहल्ला, इंबीर में स्थित है।

वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

विनोक : 26-6-1984

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, भोपाल,

भोपाल, दिनांक 26 जून, 1984

निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/4815—-श्रतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार वरनवाल

सायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रश्नात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया हैं) की भारा 269-ज के मधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25.000/- रा. से मधिक हैं

ग्रीर जिसका मं० मकान का एक भाग म्यु० नं० 91/1 है, तथा जो ग्रोल्ड राज मोहल्ला, इन्दौर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रोकर्ता ग्रीधकारी के कार्यालय इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण ग्रीधनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रीम दिनांक नवम्बर, 1983

को पूर्वों कत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुफ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के दीच एसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्दोष से उक्त अन्तरण लिखितों में बास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त इपिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अल्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, मा धन-कर अधिनियम, मा धन-कर अधिनियम, मा धन-कर अधिनियम, 1957 (1967 का 27) के प्रवोधनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा वै लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः—

- (1) श्रोमती बानोबी पत्नो श्रो मोहम्मद ईस्माइल प्रती शेख जमील
  - (2) मोह० हारून, पिता मोह० ग्रानवर निवासी 25, गफ्फूर खान की बजरिया, इन्दौर ।

(ग्रन्तरक)

 श्रीमती जन्तत बी पश्नी मोहम्मद युसुफ, निवासी 4, लोहार पट्टी, इंदौर ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित् के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप् है-

- (क) इस स्वाना के रावपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन की जबिंध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिंध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इतारा;
- (च) इस सूचना के राजपूत्र में प्रकाशन की तारीज से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्त बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के पास लिखिस में किए जा सकोंगं।

स्पच्छीकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया

## मन्स्ची

मकान का एक भाग (कच्ची खोलियां) म्यु॰ नं॰ 91/1, भ्रोल्ड राज मोहल्ला, इंदोर में स्थित है।

बीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायंकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 26-6-1984

मोहर 🕽

प्ररूप . थाई . टी . एन् . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) धर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 26 जून, 1984

निदेश सं०, ग्राई० ए० सी० /ग्रर्जन/भोपाल/4816--ग्रतः

मुझे वीरेन्द्र कुमार बरनवाल जायक र विधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचार 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

स्रोर जिसकी सं ० मकान का एक भाग म्यु २ नं ० 91/1 है, तथा जो स्रोल्ड राज मोहल्ला, इंदौर में स्थित हैं) स्रोर इससे उपाबढ़ सनुसूची में स्रोर जो पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण स्रधिनयम 1908 (1908 का 16) के स्रधीन दिनांक नयम्बर, 1983

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और सभे यह विश्वास अरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण निस्तत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया वया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसीं आय की वायत उक्त अधिनियम के अधीन कर दंन के अन्तरफ़ के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सूविधा के लिए; और/या
- (च) एंसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, दा धन-कर अधिनियम, दा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपानं में सुविधा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नतिचित व्यक्तियों, अर्थात्:—  मोहम्मद यूनुस पिता गोख मोहम्मद जमील निवासी-25, अफूर खान की बजरिया, इन्दौर ।

(ग्रन्तरक)

2. श्री अञ्चुल रहीम पिता हाजी मोहम्मद इक्राहीम, निवासी-5/1, लोहार पट्टी, इन्दौर।

(ग्रम्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रोंक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपीत्त में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीं।

स्पध्यीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गमा है।

## नम्सूची

सकान का एक भाग नं० म्यु० नं० 91/1, स्रोल्ड राज मोहल्ला, इंदौर में स्थित है।

वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायंकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 26-6-1984

मोहर 🍃

### प्रकृत काह<sup>े</sup>ं टी त एक र एक . सनन्सनन्तर

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा भारा 269-म (1) क़ें अभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्मालय, सहायक आसक्तर वायक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनाक 26 जून, 1984

निदेश सं० ग्राई० ए. सी०/ग्रर्जन/भोपाल/4817—ग्रतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल

आयकर स्थिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार म्ब्स 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं कामकान का एक भाग म्यु के ने 91/1 है, तथा जो ग्रोल्ड राज मोहल्ला, इंदौर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रोकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय इन्दौर में रिजस्ट्रोकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंच्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पावा गया प्रतिफल, निम्निलियत् उद्देश्य से उस्त अन्तरण सिवित में वास्तिक रूप से किया गया हैं:---

- (क) वन्तरून से हुई किती नाम की वावत, बक्त विभिनियम के अभीन कर दोने के जन्तरक के दामित्व में कमी करने ना उससे वच्छे में सुविधा के लिए; और/या
- (च) एसी किसी अग या किसी भन या अन्य आस्तियों को, चिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहियेथा, छिपाने में सुविभा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निल्**खिल व्यक्तियां अर्था**ल्ह—

- 1. (1) मोहम्मद हरून पिता मोहम्मद भ्रानवर
  - (2) मोहम्भव युनुस पिता शेख मोहम्मद जमील निवासी गफूर खान की बजरिया, इन्दौर।

(ग्रन्तरक)

- 2. (1) मोहम्मद सलीम पिता मोहम्मद हासम
  - (2) मोहम्मद सलाम पिता मोहम्मद हासम निवासी-मौलाना म्राजाद मार्ग, म० नं० 32, इंदौर।

(मन्तरिती)

सबे यह सूचना जारी करके पूजींकत संस्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यग्राहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्णन के संबंध में कोई भी आक्षप :---

- (क) इस स्वना के राज्यात्र में प्रकाशन की तारी कर ते 45 दिन की व्यविधा तत्सम्बन्धी व्यविद्यां पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी व्यविध बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यविद्यां में से किसी व्यक्ति ब्राहा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उसत स्थावर सम्परित में हितशक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिरिवत में किए जा सकरें।

स्वस्टीकरण:----हसमें प्रगुथन शब्दों और प्रवा का, जो उक्त जिम्मियम दें जध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ हांगा, जो उस अध्यास में दिया गया है।

### नगत्त्वी

मकान का एक भाग, गं० 91/1, भ्रोल्ड राज मोहस्ला, इंदौर में स्थित है।

वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रुजैन रेंज, भोपाक्ष

दिनांक 266-1984 मोहर्∎

### प्रकार कार्याः, टी., प्रकार प्रकार कार्याः

भायकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43) की भारत 269-भ (1) के अभीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्यौत्तय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 26 जून 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाय/4818——अतः, मुझे वीरेन्द्र कुमार वरनवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूस्य 25,000/- रहत से अधिक हैं

और जिसकी सं० प्लाट नं० 17 है, तथा जो खजराना "भीमानगर" इंदौर में स्थित हैं (और इससे उपायक अनुसूची में और पूर्ण का ने विणान हैं) रिनस्ट्री हर्ता अधिकारी के जायालय इन्दौर में रिजस्ट्रांकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक नयस्वर, 1983

को पूर्वेक्सि सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम को स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में शस्तियक रूप में कथित नहीं किया गया है क्ष---

- (क्र) नन्तरण से हुइ किसी भाग की बाबत, उक्त बिभीनवस्त्र अधीम कर देने को अन्तरक को खिराय में कभी कर्तने में अससे बचने में श्रीविधा के सिए; ब्रीफ्र/बा
- (क) एंसी किसी नाय या किसी धून या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था कियाने में सुविधा जे लिए;

- श्री बद्री प्रसाद पिता श्री नंदिकिशोर जी विशिष्ट, नियासी—50, एम० आई० जी०, कालोनी, इंदौर । (अक्तरक)
- 2. (1) श्रो सच्चानन्द पिता श्री निशन चन्द
  - ः(2) श्रीं मेघराज,
  - (3) श्री रतनलाल
  - (4) श्रीमहेश कुमार
  - (5) श्री मुकेश कुमार पिता श्री सच्चनन्द जी निवासी-60, राधा नगर, इंदौर।

(अन्तरिती)

की यह सूचना बारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के वर्णन् के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त बम्पत्ति के वर्षन् के सम्बन्ध् में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से फिसी व्यक्ति द्वारा;
- (सं)। इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकरेंगे

स्पद्धीकरणः -- इसमें प्रयूक्त शब्धों और पदों का, ओ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया सुना है।

#### अनुसूची

प्लाट नं० 17 का प्लाट खजराना स्थित "बीमा नगर", इंदौर में स्थित है।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, भोपास

जत: सव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग कै जनसरण को, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के जभीन, निस्निचित व्यक्तियों है जक्की में—

तारोख: 26-6-84

मोह्यु 🖫

प्ररूप आइं.टी.एन.एस. ------

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालयः, सहाथक आयकर आधुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोषाल

भोपाल, दिनांक 26 जुन 1984

निदेश सं० आई० ए० मी० अर्जन/भोपाल/4819~—अत. मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस्तों इसके पश्यात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निरवास करने का कारण है कि स्थावर संस्पत्ति, जिसका उचित गाजार मूल्य 25,000/- रा. से संधिक हैं

और जिसकी सं० भूमि सर्वे नं० 47 है, तथा जो ग्राम लसूड़िया मोरी, तह्० इंदौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण कप से विणित है) रिजस्ट्रीनर्ता अधिनारी के कार्यालय इन्दौर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नवस्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उणित बाजार सृत्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल का वृत्यह प्रतिशत अधिक है और संतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया यथा प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित के बास्तिवक इप से कथिस नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबता, उक्त जिभीनयत्र के अधीत कर दोने के अंतरक के दायित्य मों कभी करने या उससे अपनं मीं सविधा को निए; जीर/वा
- (क) एसी किसी बाय या किसी भन म बत्य बास्तिमं को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, गा अनकर अधिनियम, गा अनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकंट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए, था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीय निम्निसिंद व्यक्तियों, अर्थाह्य :----  श्री मल्ला गोपाल निवासी—लसुडिया मोरो, तह० इंदौर ।

(अन्तरक)

- 2. (1) श्रां अमृतासागण
  - (2) णक्ति सागर पिता श्री विधारतन सूद निवासी—4, आर० के पुरम कालोनी, इन्दौर ।

(अन्तरिर्ताः)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत संपत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी काशीप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (सं) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हिला-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मों किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गथा हैं:

### **मन्**स्ची

भूमि लर्थे नं० 47, ग्राम लसुड़िया मोरी, तह० इंदौर में स्थित है। जिसका सम्पूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नं० 37-जी में निहित है।

वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी स**हायक ग्रा**यकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोषाल

तारोख: 26-6-1984

प्ररूप नार्षः टी. पुन्. पुन्. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

#### भारत सदकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोषाल भोषिल, दिनोंच 26 जून 1984

निवेश सं० आई० ए० मो०/अर्जन/भोपाल/4820—अतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित शाजार मृत्य 25,000/- रुपये से अधिक हैं

और जिमकी सं० भूमि सर्वे नं० 47, है तथा जो ग्राम लसूडिया मोरो तह०, इंदौर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय इन्दौर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक नवस्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उष्णित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्फ यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उष्णित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त बिधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के विधित्व में कमी करने या उससे अवने में सुविधा के लिए; और/मा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत प्रधिनियम, या धन-कार अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः धंः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिंगित व्यक्तियों, अर्थातः :—

 श्री मल्लापिता गोपाल जाति राजपूत ग्राम लसु डिया मोरी, तह० इंदौर।

(अन्तरक)

2. श्री पवन कुमार पिता श्री ग्यान सागर

(2) दोपक कुमार पिता श्रोः अमृतसागरर्जाः निजासी 4, आर० के० पुरम कालोनीः, डिस्टौर।

(अन्तरितीः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मित्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप 🖫

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों प्रस् स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में स किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इ.स. सूचना के राजपत में त्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पक्टीकर्ण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-भाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### नगुसुची

भूमि नं० 47, ग्राम लसूडिया भोरी तह० इंदौर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्तिहै जिसका विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नंबर 37 जो में निहित है।

> वीरेन्द्र कुमार बरनजाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ब्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण,) अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक 26-6-1984

मोहर 🖫

### घुक्य भाइ .टी. एन्. एस . ------

**शायकर अधिनियम, १०६१ (1961** का **4**3) की बारा २६० प (1) के अधीन **मुज**ना

#### भारत सरकार

कार्यानयः, शहायक आयकर ब्राय<mark>ुक्त (निरीक्षण)</mark> अर्जनरेगः भोपाल

भोपाल, दिनांक 26 जून 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोगाल/4821——अतः, मझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल.

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उवित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिल्ला को मं० भूमि पर्वे नं० 47 है, तथा जो ग्राम लख् हिया मोरो, तहरु इंदौर में स्थित है (और इसके उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप के विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इंदौर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (108 का 16) के अधीन दिनांक नवम्बर, 1983

को पृत्रों कत संपत्ति के उचित बाजार म्स्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वों कत सम्पत्ति का उचित बागार मृत्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिचिन में वास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है ——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के बभीन कर दीने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय नाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिर्ता द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने सं अधिका के निए;

नतः सम, उक्त विधिनियम की भारा 269-त के सन्सरण में ,में उक्त अधिनियम को भारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन नियमितित व्यक्तियों, वर्धातः - 15—176GI/84

- श्री मल्ला पिता श्रा गौपाल जी, निगमन्त्राम लयुष्ट्रिया मोर्रा, तह० इंदौर।
   (अन्तरक)
- 2. (1) श्री मुरजीत सिंह पिता श्री केहरसिंह
  - (2) श्री मोदन सिंह पिता श्री लहना सिंह निवासी 137, अनुपनगर, इंदौर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारौ करके पूर्वेक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

### उक्त संपत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जबिध या तत्सप्तरणी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की जबिध, को भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति :
- (सं) इस स्वान के रावपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी वन्य स्थावत द्वारा अभोहस्ताक्षरी के शक लिखित में किए जा संकोंगे।

स्वध्दीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, के। जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं वर्ध होगा, जो उस अध्याय में विवा नवा है।

### जन्**स्**ची

भूमि सर्वे नं० 47, ग्राम लसूड़िया मोरो; तह० इंदौर में स्थित है। जिसका विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नंबर 37-जो में निहिन है।

> वोरेन्द्र कुमार वरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

नारीख: 26-6-1984

### प्ररूप आहुर.टी.एन.एस. -----

जाबकार अभिनित्म, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सुकता

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)ः अर्जन रेंज, भोगाल

भोपाल, दिनांग 26 जून 1984

निदेश सं० आई० ए० सो०/ अर्जन/भोपाल/ 4822——अतः मूझे, बीरेन्द्र कुमार बरवालन

कायकर जीभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण कि स्थादर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिल्लको सं अपूमि तर्ने नं अप है. तथा जो ग्राम लसूडिया. तहसील इंदौर में स्थित है (और इसने उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यानय इंदौर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम,

1908 (1908 का 16) के अधीन नवम्बर, 1983 को पूर्वोक्त सम्पर्शित से उचित वाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की एड हैं और मुक्ते यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पर्शित का उचित बाजार मूल्य, उसके ख्रयमान प्रतिफल से, एसे ख्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिचात से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्तित में बारश्रीक मार्थ हैं:---

- (क) अन्तरम वे हुर्प मिली माय की बाघत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए और/या
- (■) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की., जिन्हें भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रियान में सुविधा के दिखा;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भी, मी, अक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, गिम्निलिसिन व्यक्तियों, अर्थात् :---  श्री मल्ला पिता श्री गोपाल जी निवासी लसुड़िया मोरी, इन्दौर।

(अन्तरक)

श्री तिलकराज पिता विशम्भर वास,
 (2) श्री पुनीनकुमार पिता श्री तिलक्षराज गुप्ता,
 तिवामी 20, आर०के० पुरम इंदौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सभ्यत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ब) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:—हसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दो का, जो उनत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिक हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसुधी

भूमि सर्वे नं० 47, ग्राम लसूष्ट्रिया तह० इंदौर में स्थित है । यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नम्बर 37 जी में निहित है।

> र्विस्टेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी स**हायक श्राय**कर श्रा<mark>युक्त (निरीक्षण)</mark> अर्जन रेंज, भोषाल गंगोत्री बिस्डिंग, चौथी मंजिल टी० टी० नगर, भौषल

दिनांदा 26-6-1984

माहर:

अस्य बाद: .टी . एन . एस . -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कायांलय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 26जून, 1984

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/4823—श्रतः मुझे, वंश्देद्र कुमार वरनवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 35,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसको सं० भूमि सर्वे नं० 47 तथा जो ग्राम लसू ड़िया मोरी तह० इंदौर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्णस्प से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय इंदौर में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक नश्रम्बर, 1983

को पूर्वीक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विक्वास करने का कारण हो कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्स, उसके स्वयमान प्रतिफेत से, एसे स्थ्यमान प्रविफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हो और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अंतरण के लिए तथ पाया भमा प्रतिफल, निम्निजिबित उद्देश्य से उक्त अंतरण निवित में बास्तिषक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) वंतरण सं इ.इ. किसी नाथ की बाबता, उबल जिथानियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्त में कमी करने वा सससे वचने में सुविधा के लिए; बॉट/बा
- (व) ऐसी किसी कांग्र यह किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्याण प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अबै, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुनरण मों, मौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधादा (1) के भूभीन, निम्नसिचित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- श्रा मल्ला पिता श्रा गोपाल, जाति राजपूत।
   निवासी ग्राम लसूबिया मोरो, तह० इंदौर।
   (ग्रम्तरक)
- 2. (1) श्री मनजीत सिंह
  - (2) परमजीत सिंह दोनों पुत्र बाबू सिंह जो. निवासो 37, श्रनुप नगर, इंदौर ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

जनत सम्परित के नर्जन के सभ्वन्ध में फोर्ड भी आक्षप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख वें 45 दिन की अनिथ या तरसम्बन्धी न्यक्तियाँ पदु सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, खो भी बवधि बाद में समाप्त झोती हां, के भीतर पूर्वों कर ज्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति कुशारा;
- (ण) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर राग्यत्ति में हिंद- बब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए का सकेंगे।

स्वय्दीकरण:----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

भूमि सर्वे नं० 47, ग्राम लसूड़िया मोरो, तह० इंदौर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है, जिसका विवरण श्रन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नंबर 37 जी में निहित है।

> वीरन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

ता**री**ख 26-6-1984 मो**हर**  प्रमूप आहें. टी. एन. एस. ------

# मायकर मीधीनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन सुमना

भारत सरकार

### कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज,भोपाल

भोपाल, दिनांक 26जून 1984

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/4824—ग्रतः मुझे, बीरेन्द्र कुमार बरनवाल.

भायकार अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का फारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक ही

धौर जिसकी सं० प्लाट नं० 16-17 है, तथा जो हुए नगर, खजराना में स्थित है (ग्रॉर इससे उपाबद्ध धनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से विणत है) रजिस्ट्रीकर्ना श्रिधकारी के कार्यालय इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन नवम्बर, 1984

कां पूर्वीक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्फ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल के एसे दश्यमान प्रतिकल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक कल, निम्नलिखित उद्दश्य में उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण सं**हुई किसी बाय की बाबता, राजस्य** अभिनियम के अभीत कर योगे के जन्तरक के बादित्य में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के के सिए; और/या
- (च) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आयक ज अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया च्या मा किया जाना चाहिए चा, खिपाने में स्रोबधा के लिए;

श्रतः श्रव, उस्त अभिनियम की भारा 269-ग के जनसरण में, में उक्त अभिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के अभीन, निम्नसिक्ति व्यक्तियों, कर्मातः :----

- 1 (1) विधाधर बलगें,
  - (2) शरद बलगें
  - (3) गंगाधर बलगें पिता मारोति राव,
  - (4) श्री विष्णु पिता श्रीकृष्ण गाइवे,
  - (5) सौ० सुमन पति श्री मुरलीधर नं 1 से 5 तरफे ग्राम मु० मुरलीधर पांडुरंग म्हसे निवासी 127, तिलक पथ, इंदौर ।

(भ्रन्तरक)

2. श्री देव कुमार पिता श्री शालिगराम कोहली, निवासी 5, कैलाश पार्क, कालोनी, गीता भवन, मनोरमागंज, इंदौर।

(श्रन्तरिती)

कां यह भूजना जारी करक पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

### उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का सं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील सं 30 दिन की अविधि, जांभी अविधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुधारा;
- (म) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकारी।

स्पट्योक्षारणः ----इसमाँ प्रयुक्त शब्दों और पदाँ का, जो . उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क माँ परिभाषित हैं, बहुी अर्थ होगा जो उस अध्याय माँ दिया गया है।

### **मन्**स्ची

प्लाट नं ० 16-17, हर्ष नगर, खजराना तह० इंदौर में स्थित है।

वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख 26-6-1984 मोहर: प्ररूप आइ. टी. एन. एस. ----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269(घ) (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर भायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 26 जून, 1984

निदंश सं० आई ए० मी०/धर्जन/भोषाल---4825---अतः मुझे, बीरेन्द्र कुमार बरनवाल

अगयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थापर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25.000/- रा. से अधिक हैं

भ्रौर जिसकी स० प्लाट नं० 3 है, तथा जो हर्ष नगर, इंबौर में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबढ़ श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणत है) र्जास्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय इन्दीर में रिजस्ट्रीकर ण श्रीधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक नयम्बर, 1,983

को पूर्वोदस सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का पन्न्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) बन्तरण से हुइ किसी बाब की बाबत, उक्त वृधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के हैंसए; बॉर/या
- (ब) एसे किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या धन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

बत: बब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निस्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :----

- 1. (1) श्रो विघाधर वालगें
  - (2) गंगाधर बालगें
  - (3) शरद बालगें,सभी पुत्र मारोति राव बालगें
  - (4) बिष्णु गाढ्वे पिता श्री कृष्ण गाढ्वे
  - (5) सौ० मुमन महमे पत्नी मुरलीधर म्हसे द्वारा मु० ग्राम नं । में 5 तक श्री मुरलीधर म्हसे पिता श्री पांडुरंग म्हमे निवासी 27, तिसकपथ, इंदीर।

(भ्रन्तरक)

 श्री कीर्तिलाल पिता श्री विजेन्द्रलाल निवासी मकान नं० 85, साकेत नगर, इदार ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

ल्पष्टीकरण:—इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### मन्स्**ची**

प्लाट नं० 3, हर्ष नगर, इंदौर में स्थित है।

वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख 26- -19 माहार ⊌ प्ररूप आहु. टी. एन, एस. ------

### वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के देशीन सुवना

#### भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 26 जून 1984

निर्देश मं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/4826--अतः मुक्के वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, गृह विश्वाझ करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रापए से अधिक है

और जिसकी। सं फ्लाट नं 8-9 है तथा जो हर्ष नगर, खजराना तह इंदौर में स्थित है (और इससे उपाबड अनुसूर्व। में और पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इन्दौर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके रहयमान प्रतिफल से एसे रहयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के जिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देष्य से उक्त अंतरण लिखित मे बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण् से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधि-नियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बुवने में सुविधा के लिए; बीप/शा
- (क) ऐसी किसी शाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय शायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अनत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया भा सा किया जाना वाहिए था, जियान में सुविधा के निष्;

अतः अन, उस्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण के, मैं, उस्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

सर्वश्री

- (1) विधाधर बालगें
  - (2) गंगाधर बालगे
  - (3) **गरद** बालगें मभी पुत्र श्री मारोतिरात्र बालग
  - (4) विष्णु गाइवे पिता श्रीकृष्ण गाइवे,
  - (5) सौ० भुमन म्ह्से, पत्ना श्री मुख्तीधर म्ह्से निवासी-127, तिलकपथ, दंदौर द्वारा मु० आ० नं० 1 से नं० 5 तक मुस्लीधर पिता पांदुरंग म्हसे, निवासी-127, तिलक पथ,

इन्दौर ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती धमिष्ठा देवी पत्नी श्री राजेन्द्र दलाल, निवासी-एच 78, एम० आई० जी०, कालोनी, इन्दौर ।

(अन्तरितीः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राज्यक्ष में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अगसची

प्लाट नं० 8-9, हर्ष नगर, खजराना तह० ईदौर में स्थित है।

वीरेन्द्र कुमार वरनवाल ाक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, भोपाल,

तारी**ख 26-6-**1984 मो**हर** ड प्रस्पु आइ. टी. एन्. एस. ----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

### भारत संदुकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल भोपाल, दिनांक 26जून, 1984

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/श्रर्जन/भोपाल/4827—श्रतः मुझे, बीरेन्द्र कुमार बरनवाल

कायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुस्य 25,000/- से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 11 एवं 12 है, तथा जो हर्ष नगर खजराना, इंदौर में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्णस्प से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिकारी के कार्यालय इंदौर में रिजस्ट्रोकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक नयम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ड है और मुक्ते यह निष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मृत्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का गंग्रह प्रतिषात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वादेय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप में किया गर्या है :---

- (क) जन्तरण वे हुई किसी नाम की अध्यक्ष, उच्च अभिनियम के अधीन कर दोने के बंतरण के वाजित्य मा कमी करने या अससे वचने में सृविधा के निष्
  ्रं, और/वा
- (च) ऐसी किसी गाय मा किसी भन या नन्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया ग्या भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नतियित व्यक्तियों, अर्थात् :—-

- 1. (1) श्री विधाधर बालगें
  - (2) श्री शरव बालगें
  - (3) गंगाधर बालगें,सभी पुत्र श्री मारोति राव बालगें,
  - (4) विष्णु गाढ़वे पिता श्री कृष्ण गाढ़वे
  - (5) सी० मुमन पत्नी श्री मुरलीश्वर म्हसे बारा मु० ग्राम नं० 1से 5 तक श्री मुरलीश्वर पिता पांडुरंग म्हसे निवासी-237, तिकलपथ, इंदौर। (ग्रन्तरक)
- श्री रमेण कुमार पिता श्री बलदेव प्रसाद जी पोतदार निवामी-म० नं० 39, सियागंज, इंदौर।

(अन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्माति के अर्जन के सिक् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की क्षारील से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्कीकरणः—इसमें प्रयुक्त ग्रन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जी उस अध्याय में दिया गया है।

### श्रनुसूची

प्लाट नं० 11-12. हर्ष नगर (खजराना) , इंदौर में स्थित है ।

वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी महायक स्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 26-6-1984

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

आपकर अधिनियमं, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) 🔾 अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 26 जून 1984

निदेश स्वाई०ए०सी०/प्रजेनीभोपाल/4828—न्यन मुझे. बीरेन्द्र कुमार बरनवाल

अगथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रः. में अधिक है

ग्रौर जिसकी संख्या प्लाट नं० 41 है, तथा जो हर्षनगर, इंदौर में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से बणिस हैं) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, इंदौर में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, नवम्बर, 1983

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नीलिखत उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखत में बारतिबक रूप से किथत नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुनिधा के सिए; और/या
- (का) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए?

अत: अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्निलिसिस व्यक्तियों, सर्भात् :--- (1) श्री विधाधर पिता
मारोजीराय बलगें व सरद,
पिता मारोजीराव बलगें व गंगाधार पिता
मारोजी वलगें व विष्णु पिता
श्रीकृष्ण गाढ़वे व मौ० मुमन पित
मुरलीधर महसे तरफे आम मु० मुरलीधर पिता
पांडूरंग म्हसे,
निवासी -94,
दिलकपथ,
इंदौर ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती चंद्रप्रभा सुरेका पति दिनेश चन्द्र सुरेका, निवासी-17, बल्लभ नगर, इंदौर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाही शुरू कारता हूँ।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी इसे से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास निस्तित में किए जा सकींग।

स्पष्टीक रण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

### नम्स्ची

प्लाट नं० 41, हर्षनगर, इंदौर में स्थित हैं।

वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजीन रेंज, भोपास

नारीख: 26~6-1984

मोहर ः

प्ररूप आहं. टी. एन. एस.-----

## सामकर समिनियम्, 1961 (1961 का 43) की धाउर 269-ए (1) के स्थीन सूचना

#### नारत प्रकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) ऋर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 26 जून 1984

निदेश सं०म्राई०ए०सी०/म्रर्जन/भोपाल/4829--म्रतः मुझे, बीरेन्द्र कुमार बरनवाल

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. सं अधिक है

भीर जिसकी संख्या प्लाट नं 5-6 है, तथा जो हर्षनगर् हंदीर में स्थित हैं (भीर इससे उपबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिकारी के कार्यालय हूंदीर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16), के श्रिधीन, नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्व्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्वरमान प्रतिफल से, ऐसे द्वरमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिकात से अधिक हैं और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अंतरितयों) के बीच ऐसे बन्तरण के जिए तथ पाया गया प्रतिक का निम्मीसिक उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिम्मित में बास्तविक क्ष्म से कृष्य नहीं किया गया है क्ष्म

- (क) बन्दरण वे शुर्द फिकी नाम की वायत अन्त मिथ-गियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के शयिरण में कनी करूने वा उससे बच्चे में युविधा के निए। थीए/वा
- (ण) ऐसी किसी नाम या किसी भन या नन्य नास्तियाँ की, जिन्हें भारतीय नामकर निभिन्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निभिन्यम या भन-कर भिन्यम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ नन्तरिती ब्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिभा के लिए;

(1) श्री विधाधर बंलगें व शरद बंलगें व गंगाधर बलंगे पिता भारोती रात्र बलगें व विष्णु गाढ़वे पिता श्री फ़ुष्ण गाढ़वे व श्रीमती गाँ० मुमन मुरलीधर म्हसे नं० 1 से तरफे श्राम मु० मुरलीधर पिता पांडूरंग म्हसे 127 तिलक्षपथ, इंदौर ।

(अन्तरक)

(2) शकुंतला सुरेका पति रधुनदन सुरेका, निवासी—1, लाड़ कालोनी, इंदौर।

(श्रन्सरिती)

का यह सूचना चारी करके पूर्वांक्त सम्परित के वर्जन के जिल् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के गर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख वें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित-ब्द्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी कें पास निकित में किए जा तकींगे।

निकारण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उन्ह्यू अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, नहीं अर्थ होता थो उसू अध्याय में दिवा नुवा ही।

### अनुसूची

प्लाटनं० 5-6, हर्ष नगर, इंदौर में स्थित हैं।

वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 26-6-1984

मोह 🐒 🖫

प्ररूप बाई. टी. एन. एस. -----

श्रायकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

भोवाल, दिनांक 26 जून 1984

निर्देश सं० म्राई० ए० सी०/म्रर्जन/भोपाल/नं० 4830/84—

श्रीर जिसकी मं० प्लाट नं० 7 है तथा जो हर्षनगर, इंदौर में स्थित है (श्रीर इससे उपावक श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, इंदौर में रिजस्ट्री- करण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रितिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरका) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक कल निम्निलिसित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिसित में वास्तिविक रूप से किथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविभा के सिए; और/या
- (क) एंसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्सियों को, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अङ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) विधाधर व शरद व गंगाधर पिता

मारोती राव बलगे व विष्णु गाढ़वे पिता
श्रा कृष्ण गाढ़वे व सी० सुमन म्हसे पति
श्री मुरलोधर म्हसे नं० 1 से 5 तक के

धा० मु० मुरलीधर पांडूरंग म्हसे
निवासी—12,
तिलक्षपथ,

इंदीर।

(मन्तरक)

(2) श्रीमती सौ० मीलादेवी पति
 श्री पंकज कोठारी,
 निवासी-12/2,
 स्नेहलतागंज,
 इंदौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करको पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उनत सम्परित के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पद स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी जविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स अविस्तयों में से किसी व्यक्ति ब्वास;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवब्ध किसी बन्ध व्यक्ति व्वारा, बधोहस्ताक्षरी के पास सिक्ति में किये जा सकेंचे।

स्पथ्धीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और प्यों का, जो उक्त जीधनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

### नन सची

प्लाट नं० ७, हर्षनगर, इंदौर में स्थित हैं।

वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ध्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 26-6-1984

बक्प बार्ड. टी. एन. एस.---

नायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

#### भारत दरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 26 जून 1984 निवेश सं० ग्राई०ए०सी०/ग्रर्जन/भोपाल/4831--श्रतः मुझे, वी०कु० बरनवाल

जायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाल 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-श्व के अभीन सक्षम प्राभिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृस्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संख्या भूमि ख॰ नं० 8/5 व 9/2 है, तथा जो ग्राम तेजपुर गड़बड़ी तह० व जिला इंदौर में स्थित है (श्रीर इससे उपबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण के रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, इंदौर, में रिजस्ट्री-करण श्रीधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन, नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह निश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंक्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्मलिखित उद्वेषय से उक्त अन्तरण निम्मलिखित में बास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी जान की वाबस, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के स्वयित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एरेती किसी शाय या किसी भन या जन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

अतं. अब उक्त अधिनियम की भार 269-ग के अनुसरण में, भें उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नेलिस्ति व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्री पन्नालाल पिता रामरतन खांती, निवासी—-बिजलपुर, इंदौर।

(ग्रन्सरकः)

(2) श्री ब्रहिल्यामाता सेवक संघ गृह निर्माण सहकारी संस्था मर्यादित, इ'वीर।

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में हितबत्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### समय की

भूमि ख नं० 8/5, 9/2, ग्राम तेजपुर गङ्ग्बडी तहगील व जिला इंदौर में स्थित हैं।

वी०कु० बरनवाल सक्षम प्राधिकारो सहायक भ्रायकर श्रायुक्स(निरोक्षण) भर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 26-6-1984

प्ररूप आई. टी. एन. एस. - -

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं भारा 269-च (1) के अधीन सुभ्ना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 26 जून 1984 निदेश सं० श्राई०ए०सी०/ग्रर्जन/भोपाल/4832~~श्रतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार वरनवाल गणकर व्यक्तिसम्म 1961 (1961 का 43) /जिसे कसमे

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उजित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या प्लाट नं 18 का प्लाट है, तथा जो जानकीनगर कालोनी, इंबौर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से बिणत है) रिजस्ट्रीकरा ग्रिधिकारी के कार्यालय, इंदौर में रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, नवम्बर, 1983 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ख्रयमान प्रतिफल से, ऐसे ख्रयमान प्रतिफल का पंदृह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकार्व) और अंतरिती (अन्तरितियार्व) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुई किसी जाम की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तारक के दायिक्य में कमी करने या उससे बुकने में सुविधा के लिए; जीट्र/मा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय सायकर सधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त सधिनियम या धनकर सिधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः अव, उक्त जीभिनियमं की भारा 269-ण के जनुहरण वो, मी, उक्त जीभिनियमं की भारा 269-ण की उपभारा री) के अभीन, निम्न्रीस्थित व्यक्तियों, अर्थात् ३(1) श्री लक्ष्मीमल सुराना पिता श्री छोटूमलजी सुराना तरफे खास मु० नेमी जंद पिता लक्ष्मीमल 2 करोडीमलजी पिता श्री छोटूमल सुराना तरफे खास मु० प्रेमचंद पिता फरोडीमलजी, निवासी—23/2, साजननगर, इंदौर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री गौतमचंद पिता
मनोहरलालजी बेताला
2. श्रीमती विजय देवी पित
श्री गौतमचंदजी बेताला,
निवासी—10,
जानकीनगर,
इंदौर।

(ग्रन्तरिती)

सरों यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित मों किए जा सकीं।

स्पळ्युंकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में प्रिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गुवा है।

### अन्सूची

प्लाट नंबर 18 का प्लाट, जानकीनगर कलोनी, इंदौर में स्थित हैं।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज, भोपाल

तारी**ख**: 26-6-19**84** 

मोहर ः।

### प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 26 जून 1984

निदेश सं० श्राई०ए०सी०/ग्रर्जन/भोपाल/4833--श्रत: मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति. जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी संख्या भूमि, ख नं० 31/1, 32/2 है, तथा जो ग्राम मंगलिया, सड़क तहसील सावेंर जिला इंदौर में स्थित है और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है) रजिस्ट्रीकर्सा ग्रधिकारी के कार्यालय, इंदौर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उजिल बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजिल बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, एमे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप में किथा नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के शियत्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/बा
- (क) एंनी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अवः, उक्त अभिनियम कौ भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन, निम्निलिक्ति व्यक्तियों, सर्थात :---- (1) मेसर्स सेंट्ल श्रबरा स्टोन्स प्रायवेट लिमिटेड, 3/1 मनोरमागंज, इंदौर द्वारा श्रध्यक्ष श्री वामोदरलाल पिता मांगीलाल खंडेलवाल।

(ग्रन्तरक)

(2) मेसर्स कोहिन्र इलैन्ट्रानिक्स प्रायवेट लिमिटेघ, द्वारा अध्यक्ष हुकुमचंद जैन पिता जोधराज, सीता बिल्डिंग, इंदौर।

(म्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां क्षारत करता हूं।

### उक्त संपरित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप उन-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख अ 45 विन को अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन को अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सैं
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंदबद्ध किसी अन्य व्यक्ति इतारा अधोहस्ताक्षरी औ
  पास लिसित में किए का सकेंगे।

स्पच्छीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो खबर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

### ममुसुषी

भूमि ख नं 31/1, 32/2, ग्राम मंगालिया तहसील सांबेर जिला इंदौर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति हैं। जिसका विवरण ग्रन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नंबर 37—जी में निहित है।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकरी सहायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 26-6-1984

मोहरः

**प्ररूप कार्ड**. टॉ. एन. एस.-----

नामकर निभिनियस, 1961 (1961 को 43) की भारा 269-व (1) के नधीन सुचना

#### भारत सरकार

### कार्यालय, सहायक मायकर वायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 26 जून 1984

निदेश सं० श्राई०ए.०सी०/ग्रर्जन/भोपाल/4834—ग्रतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बनवाल ६

जासकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसभें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269- क अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी संख्या मकान म्यु० नंबर नया 156 है, तथा जो चन्द्रमोखर आजाद मार्ग, (पिजारवाडी) उज्जैन में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्त्ती प्रधिकारी के कार्यालय, उज्जैन में रिजस्ट्री-करण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, नवम्बर 1983

कां पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ड हैं और म्फे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से, एसे स्थ्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय नामा गया प्रतिफल निम्निसित उद्देष्य से उक्त अन्तरण निवित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दावित्य में कर्यों करने या उत्तसे वचने में सूविधा के सिए; और/बा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य शास्तियाँ की बिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए:

जतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) अ अभीत निम्नलिचित व्यक्तियों, अर्थातः— (1) श्रीमती सरजूबाई उर्फ सरजूदेवी पत्नी नाथूलालजी दुबे स. नं० 13, गोला मंडी, उज्जैन।

(श्रन्तरक)

(1) श्री असगर अली भाई आत्मज मुल्ला इब्राहीम भाई कोरासावाली, निवासी-उज्जैन, मोह्रव्दादाभाई नरोरोजी मार्ग, गली नंव2, मकान नंबर 36, बाखलखारा, उज्जैन।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्वाना वारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के किए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

ं उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षोप :---

- (कं) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्पना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इतारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरण — इसमें प्रयुक्त कान्यों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं कर्ष होगा जो उस कथ्याय में दिया गंजा हाँ।

### मन्स्ची

मकान म्यु० नं० नया 156, चन्द्रशेखर ग्राजाद मार्ग, (पिजारवाड़ी) उज्जैस में स्थित है।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 26-6-1984

प्ररूप बार्ष. टी. एन. एस. -----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269- थ (1) के अधीन मुचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 26 जुन 1984

निदेण सं० श्रार्ड०ए०मी०/ग्रर्जन/भोपाल/4835—श्रतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल

नायकर निभित्तियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पच्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विख्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी संख्या भवन क्रमांक 22 है तथा जो रिवन्द्र नगर, दशहरा मैदान, उज्जैन में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण ह्य से विणत हैं) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, उज्जैन में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, नवम्बर 1983 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के खरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द हैं और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि यभापूर्णक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का गंद्रह प्रतियात से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक का गंद्रह प्रतियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक का गंद्रह प्रतियों के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक का गंद्रह प्रतियों के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक का गंद्रह प्रतियों के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक का गंद्रह प्रतियों के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक का गंद्रह प्रतियों के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक का निम्नितियों का निम्नित गंद्रह के लिए विश्व में बास्तिवक का कि स्थान नहीं किया गया है के लिए तम नहीं का गंद्रह प्रतिक का कि स्थान नहीं किया गया का है के लिए तम पाया गया प्रतिक का कि स्थान नहीं किया गया प्रतिक का कि स्थान नहीं किया गया का है के लिए तम पाया गया प्रतिक का कि स्थान नहीं किया गया का है का पाया का कि स्थान का

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे ब्यने में सुविधा के किए; बाँड/वा
- (श) एसी किसी बाय या किसी भन या बन्य ब्रास्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गर्या था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं. उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निजिक्क व्यक्तियों, अर्थात् ः— (1) श्री मोहनलाल भ्रात्मज श्री शिवनारायणजी, निवासी—-दौलनगंज, उज्जैन हाल मुकाम 30, महाराणा प्रताप नगर, जोन 1, भोपाल।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री जानकीलाल पुत्र श्री छगनलालजी त्रिवेदी, निवासी—जिरलाग्राम नागदा परगना खाचरौद, उज्जैन।

(भ्रन्तरिती)

को नृष्ट् सृष्ना चारी करके पूर्वोक्त सम्पित के वर्षन् के विष्ट्र कार्यवाहियां करता हूं।

### जनत सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में नहेंदें भी बाक्षेप्र--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की ता<u>मील से 30-दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वार;</u>
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरी।

स्थध्दीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो इस अध्याय में दिया गया है।

#### वन्स्ची

भवन क्रमांक 22, रविन्द्र नगर, दशहरा मैदान, उज्जैन में स्थित है।

> वीरेन्द्र कुमार अरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षीण) प्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 26-6-1984

प्ररूप भाईं.टी.एन.एस. -----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

#### भारत चुरकाङ

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 26 जुन 1984

निदेश संब्झाईव्एव्सीव/अर्जन/भोपाल/4836--- म्रतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल

नायकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्यात् 'उक्त अधिनयम' कहा गया है'), की धारा 269-छ को अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी संख्या मकान नं 148 का भाग है तथा जो तिलक मार्ग, उर्जन में स्थित है (ग्रीर इससे उपाधद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रीधकारी के कार्यालय, उर्जन में रिजस्ट्रीकरण ग्रीधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रीधीन, नयम्बर 1983

को पूर्वेक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई ही और मूओ यह निश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वेक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तर्क (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पामा गया इतिफल, निम्निजिखित उच्चेष्यों से अक्त अन्तरण निम्निज में बास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की वाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) ऐसे किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वास प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए:

कतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिमों, अर्थात् :--- (1) श्री हरप्रकाश पिता धन्नामल सूद, निवासी--डी 780, इस्टिट श्रांफ कैलाश, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री कुष्णकांत पिता मदनलालजी, निवासी—59, श्रायं समाज मार्ग, उज्जैन।

(ग्रन्तरिती)

को यह सुभना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सेंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी ब्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाधर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति इनारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

हमस्हीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यो का, जो उक्त मधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा,, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### जगत्त्व ची

मकान नंबर 148 का भाग, तिलक मार्ग, उज्जैन में स्थित है।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षीण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 26-6-1984

ಲ್ಲಾ ಪ್ರವ<u>ಾಸದಲ್ಲಿ ಅಂ</u>ದಿ ಸ್ಥಾನಕ್ಕಾ ಕಾರ್ಯಕ್ಷಾ ಕಾರ್ಯಕ್ಷಿಸುತ್ತಿ ಕಾರ್ಯಕ್ಷಿಸುತ್ತು ಕಾರ್ಯಕ್ಷಿಸುತ್ತು ಕಾರ್ಯಕ್ಷಿಸುತ್ತು. ಅಂದಿ

प्रकार काइं , सी , एवं , एकं , ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन मचना

भागत सम्बार

कार्यालय, महायक बायकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोषाल

भोपाल, दिनांक 26 जून 1984

निदेश सं० स्राई०ए०सी०/म्रर्जन/भोपाल/1837—स्रतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त आधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रुं. से अधिक हैं

थौर जिसकी संख्या मकान नं० 148 है तथा जो तिलक मार्ग, उज्जैन में स्थित है (ग्राँर इसमे उपाबद अनुसूची में धौर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यात्य, उज्जैन में रिजस्ट्रीकरण् श्रिधनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, नवम्बर 1983

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दर्श्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृद्धे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दर्यमान प्रतिफल से एसे दर्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीम ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण कि लिख से बास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमे अपने में सुविधा के निष्; और/अ।
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ की, जिन्हाँ भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्हा अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती यूबारा प्रकट नहीं किया एवं धा किया जाना चाहिए था, बिधाने में सर्विधा की सिए:

कतः अव, उवत अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अधीर निकासिक व्यक्तियों, अभीत क्रिक्त (1) श्री क्ष्यप्रकाण पिता श्रक्षामल सूद, तिवासी--डी--78, उस्टेट औफ कैलाण, वर्ष दिख्या ।

(भ्रप्तरकः)

(2) श्रीमती सान्तीबाई पृती गिरधारीलालजी, निवासी—59, श्राह्मण गती, उज्जैन।

(भ्रन्तरिती)

का बहु सूचना जारी करके पुनरिंतत सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

तबस सम्पत्ति के बार्बन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की जनभि या तत्संबंभी स्थानितमों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, यो भी अविध याद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी स्थानत ब्वारा:
- (स) इस स्चना की राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोइस्ताक्षरी के पास निवित में किए का सकींगे।

स्वक्किरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, था उक्त अधि-निवम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा, थो उस अध्याय में दिया गवा है।

#### सगस्ची

मकान नं० 148, तिलक मार्ग, उज्जैन में स्थित है।

शीरेन्द्र क्रमार **बरनवाल** सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजीन रेंज, भोपाल

तारीख: 26-6-1984

मोहर 🕄

प्ररूप आई. टी. एन. एस. - - -

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यात्रय, सहायक स्नायकर सायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन ेंज, शोपाल

मोपाल, दिनांक 26 जून 1984

निदेश रां० श्राई०ए०सी०/ग्रर्जन/भोपाल/4838—ग्रतः मुझे, वीरेन्द्र यूमार वरनवाल

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विकास करने का कारण है कि राज्ञानर सर्वात्त, जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000 करने से अधिक हैं

श्रौण जिसकी संख्या भवन कमांक 148 का भाग है तथा जो तिलक मार्ग, फव्वारा चोक, उउजैन में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबद अनुभूची में ग्रौर पूर्ण ६प से वर्णित है) रिजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, उज्जैन में रिजिस्ट्रीकरण श्रिधित्यम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, नवम्बर 1983

को पूत्रोंका सम्पत्त के उचित वाजार मूल्य ते कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वाम वाजों का जारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य उसके दरयमान प्रतिफल में, एसे दरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकत विथक हो और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितिकों) के बीच एतें। जन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निक्कितिकों। उपोदेश के उच्च अन्तरण किखित वास्तिक क्य से श्रीधत नहीं किया गया है:—

- कि। प्रश्वरण म हाई किसी साथ की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अनारक के वाणिय में बनों को का उससे कार्य में सुविधा के नियम और/भा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के एगोजनार्थ अन्तरिति द्वारा प्रकार नहीं किया गया था या किया जाना नाहिए था, छिपाने में मृतिशा ही नित्तः

श्रन: अब, उत्का अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उत्कत अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिनित स्विक्तियों, अर्थात :—— (1) श्री हरप्रकाण ग्रात्मज श्री धन्नामलंजी सूद, निवासी-डी-78, ईस्ट ग्राफ कैलाण. नर्ड दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती जमनाबाई पत्नी वाबूलातजी उर्फ चम्पालालजी, निवासी-तिलक मार्ग, उज्जैन।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्मत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के णस लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

### वन्स्ची

भवन कमांक 148 का भाग, निलक मार्ग, फब्वारा चौक, उज्जैन में स्थिन हैं।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल मक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

नारीख: 26-6-1984

मोहर

### प्रस्य बाद् .टी. श्नु . एस . --- ------

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 289-म (1) के प्रधीन सूचना

#### भारत सरकाइ

काशालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 26 जून 1984

निदेश संब्ह्याई०ए०सी०/ग्रर्जन/भोपाल/4839--अतः मुझे, वीरेन्द्र बुभार बरनवाल

आयकर प्रधिनियम, 1981 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसक पश्चात् !उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अजीन सदाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपक्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द॰ से अधिक है

ग्रौर जिसकी संख्या भवन क्रमांक 148 का भाग है तथा जो तिलक मार्ग, फव्यारा चौक, उज्जैन में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबक ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, उज्जैन में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, नवम्बर 1983

को प्योंक्त संपत्ति के उजित बाजार मृहय से कम के दृश्यमान प्रतिफाल के लिए अंतरित की गई है और मृज्ये यह विश्वास करने को कारण है कि यथापुर्वित संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान जो फल से. ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिगत से प्रक्षिक है और सन्तरक (प्रन्तरकों) श्रीय सम्तरिती (श्रम्तिशितियों) के बीच ऐसे यन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल निष्योलेशित उद्देश्य में अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल निष्योलेशित उद्देश्य में अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल निष्योलेशित उद्देश्य में अन्तरण श्रिक्षित से बास्तिकक कृप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण सं हुन्द किसी आय की बाबत, उक्त प्रधिलियम के अधीन कर वैने के प्रस्तरक के दायित में अभी करने के जन्म अपने म सूर्विधा न किए। और/या
- (ग) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियाँ की, वर्ष्ट्रे भारतीय भागकर श्रीधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर श्रीधनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रयोजनार्थ श्रन्तरिसा द्वारा प्रकट नहीं किया रसा था या किया जाना चाहिए था, खिपांस में ्राबधा के लिए।

अप्त: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के ननुसरण मीं, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निशिक्तिस व्यक्तितार्थों, अभीत द्राप्त (1) श्री हरप्रकाश श्रात्मज श्री धन्नामलजी सूद, निवासी-78, द्देस्ट श्राफ कैलाश. नई दिल्ली।

(ग्रन्त रक)

(2) श्री ग्रोम प्रकाश श्रात्मज श्री बाबूलालजी उर्फ चम्पालालजी, निवासी-तिलक मार्ग, उर्जन।

(भ्रन्तरिती)

(3) श्री लाला देवराज मेहरचंद (वह व्यक्ति जिसके श्रीधभोग में संपति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिष् कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

जबत सम्पत्ति के अर्थन की सम्बन्ध में कोई भी भाकाप .--

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की लारीख से 45 बिन को अविधिया तर्लवंदी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि वास में समान्त होती हों, के तीतर पूर्विक् व्यक्तियों में से फिल्मी न्यक्ति हवारा;
- (स) इस स्थान के राजात मो अकालन को तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अवोहस्ताक्षरी के पास निक्ति में किए जा सकेगा।

स्थळकेकरण:---इसमी अयुक्त महरूरे प्रौर पद्यों का, को जन्स अधिनयम, के अध्याय 20-क मी यथा परिभावित हो, बहुरे को शोधा लो एक जाणाय मी दिया राज हो।

### **रम्**स्ची

भवन ऋमांक 148 का भाग, मोहल्ला तिलक मार्ग, फव्वारा चौक, उज्जैन में स्थित है।

> वीरेन्द्र कुमार बरनयाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 23-6-1984

माह्य ः

### प्ररूप नार्द्, टी. एत्, एस.,-----

### भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सुवना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक जायकर जायूक्त (निरोक्षण) व्यर्जन रेंज, भोपाल भोपाल, दिनांक 26 जून 1984

निदेश संब्ह्याई०ए०सी०/श्चर्जन/भोपाल/4840--श्रतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पृश्वात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रठ. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी संख्या भवन कमांक 148 का भाग है, तथा जो तिलक मार्ग, फव्वारा चौक, उउजैन में स्थित हैं (ग्रांग्र इसमे उपवड़ श्रनुमूची में ग्रीर पूर्ण के रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय, उउजैन में रिजस्ट्रीकरण श्रिष्ठित्यम 1908 (1908 का 16) के श्रिष्ठीन, नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की नई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के एमें दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तर्ण के लिए तय पाया स्था प्रतिफल, निम्नलिखिन उद्योग में इक्त अन्तर्ण मिथित में वास्तिक रूप से किशा गया है:—

- (क) कल्लारल से कृष्ट फिक्सी बाब करी बायत, जलक निधितियम के कृषीन कर दोने के सम्झरक, के बासिस्त मा कमी करने वा उसस मनन मा मुलिन। के सिष्ट; बारि/मा
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अस्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिक्षी ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था छिपाने में स्विधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण म, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) में अथीन, किम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री हॅरप्रकाश श्रात्मज श्री धन्नामलजी सूद, निवासी-78, ईस्ट श्राफ कैलाश, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री राबेग्याम ग्रात्मज श्री बाबूलालजी उर्फ श्री चम्पालालजी, निवासी-तिलक मार्ग, उज्जैन।

(ग्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

### उक्त संपत्ति के कर्जन संबंध में कोई भी जाक्षेप ः--

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोच से 45 दिन की अविधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में सं किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ब) इस सूचना के राज्यम् में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध कि शी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकरेंगे।

स्पद्धोकरणः ---इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, बही अर्थ श्रोगा, जो उस अध्याय में दिया नया

### मध्यक्ती

भवन क्रमांक 148 का भाग, मोहल्ला तिलक मार्ग, फब्बारा चीक, उज्जैन में स्थित हैं।

> त्रीरेन्द्र कुमार वरनवाल सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

नारीख: 20-6-1984

भोहर:

प्ररूप आर्च .. टी .. एन . एस . -----

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-मु (1) के नधीन सुम्पा

#### भारत स्रकार

कार्यात्म, सहायक कायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रजंन रेंज, भोषाल भोषाल, दिनांक 26 जून 1984 निदंश संब्ह्राईव्एव्सीव/झजंन/भोषाल/4841—-श्रतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल

जायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकें इसकें परकात उपत अधिनियम कहा गया हैं) की धारा 269-च कें अधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित, जिसका उजित नाजार मूल्य 25,000/- रा. में अधिक हैं

ग्रीर जिसकी संख्या भवन क्रमांक 148 का भाग है, तथा जो मोहल्ला तिलक मार्ग, फब्बारा चौक, उज्जैन में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, उज्जैन में रिजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, नवस्बर 1983

की पूर्वोक्त सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास कारने का कारण है कि यथापृष्टिकत संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके एक्यमान प्रतिफल सो, एसे दक्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्विक्य से उकत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण स हुद्द किसी नाय की बाबस, उक्स अभिनियम के लभीन कर दोने के अन्तरक के सायित्व में कभी करने या उससे अचने में स्मिशा के निए; कौर/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरितो न्यार प्रकट नहीं किया गया था विकास जाना चाहिए था, कियाने में श्रीकथा के लिए;

कतः बन्, उत्तत अधिनियम की भारा 269-ग के बनुसरक में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री हरप्रकाण श्राह्मज श्री धन्नामलजी सूद, निवासी-डी 78, ईस्ट श्राफ कैलाण, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री संजय कुमार श्रात्मज श्री बाबूलालजी उर्फ चम्पालालजी श्रवयस्क संरक्षक माता श्रीमती जमनाबाई पत्नी बाबूलालजी उर्फ चम्पालालजी तिसकमार्ग, उरुजैन।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त संपरित के वर्षन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत सम्पत्ति के जर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी वासे 45 हिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियां
- (अ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दितबद्ध किसी अन्य व्यवित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः ---- इसमं प्रयुक्त शब्दां और पदां का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषितः हैं, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### स व स जी

भवन कमाक 148 का भाग, मोहरूला तिलक मार्ग, फखारा बोक, उर्जन में स्थित है।

> बीरेग्द्र कुमार धरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोषाल

्तारीख : 26-6-1984 **मोहर**क्ष प्रसम्प आहाँ, टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### शरत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुवत् (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 26 जून 1984 निर्देश संब्झाई०ए०सी०/म्रर्जन/भोपाल/4842~-म्झतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल

कायकार अधिनियस 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'जक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार भूक्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या भवन कमांक 6/15 का भाग, नया नं 15/1 है, तथा जो कालिदास मार्ग. मक्सी रोड़, उज्जैन में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबढ़ श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण के रूप से विणित हैं) रिजर्ड़ी कर्ली श्रधिकारी के कार्यालय, उज्जैन में रिजस्ट्रीकरण श्रधिकारी के कार्यालय, उज्जैन में रिजस्ट्रीकरण श्रधिकारी के कार्यालय, उज्जैन में रिजस्ट्रीकरण श्रधिकारी के श्रधीन मयम्बर 1983

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मुख्य से कम के द्रथमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्षत संपित्त का उचित बाजार मूल्य टचके दरयमान प्रतिफाल से, ऐसे दर्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकां) और अंतरिती (अन्तरित्यां) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या शिकास निम्निसित उष्देश्य से उचित बन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण मं हुक् किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के अधित्य में कमी करने या उससे अधने में मुनिधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी जाय या किसी भन या किसी आस्तियों को, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया या विवा आना साहिए था. छिपान में सूबिया के लिए;

बतः वद, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) चै बधीन, निम्निविचित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री जानकीलाल आंत्मण छगनलालजी त्रिवेदी, निवासी-विरलाग्राम, नागदा।

(अन्सरक)

सर्वश्री

- (2) मेहेत कुमंमार
  - थ प्रमोव कुमार व्यस्क
  - 3 मनोजकुमार
  - मितन्द्र कुमार पुत्रगण राजेन्द्र प्रसादजी संरक्षक माता बगोदादेवी
  - 5 श्रीमती यशोदादेवी पत्नी राजेन्द्र प्रसादजी , निवासी——छायन पर, उज्जैन ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जन्त संपत्ति के अर्जन् के संबंध में कोई भी आक्षीप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अयिक या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में फिए जा सकने।

स्पाक्तीकरणः---इसमें प्रयुक्त शक्यों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस मध्याय में दिया गया है।

### मन्सूची

भवन क्रमांक 6/15 का भाग, तथा नंबर 15/1, कालि-दास मार्ग, मक्सी रोड़, उज्जैन में स्थित हैं।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल)

ना**रीख** : 26-6-1984

मौहर:

प्रकष् आहे. टी. एत. एस. - - - ----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुधना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भोपाल भोपाल, दिनांक 26 जुन 1984

निदेश सं ० आई ० ए० मी ० / अर्जन / भोपाल / 4843-- अतः मुझे. वीरेन्द्र कुमार बरनवाल.

मायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन मध्यम जीवकारों को , यह विदया करने का **कारण 🛠 कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्चित बाजार मृ**त्य 25,000 /- रुट. से अधिक हैं।

श्रीर जिसकी संख्या प्लाट नं० 104 पर बना हुआ मकान (तल मंजिल) है, तथा जो ड्रांसपोर्ट तगर, इंदौर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध भ्रन्सुची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्मा अधिकारी के कार्यालय, इंदौर में, रिजस्ट्री-फरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, नबम्बर 1933

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित याजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विस्ताम करने दा कारण हो कि स्थानोदिन संगत्ति का अध्यत बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्याः) के बाच एसे अन्तरम के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्तिलिखित अदर्शकेष से उक्त अन्तरण निजित में बास्तियिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण सेहर्फ फिरी जाय की बाबत, उक्त अधिनयम के अधीन कर दन ये. भारत्यन के दर्शय र में कमी करने या जससे अचने में स्विधा के लिए, 40.11
- (क) र के र व्यो का भाग भाग भाग अस्य असिस्सारी को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती ब्रह्मारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने तें शविधा के

अत: अब, उत्रत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मी, मी, उवत अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निक्नलिखित व्यकित्यों, अर्थात् :---

(उन्न मीसर्स भ्रुतिहरी कुलाइन्स। ए इंद्रपूरी कालोनी प्रोपराइटर हरजिंदर सिह पिता धी कुदनसिंहजी भल्तर निवामी -19, इंद्रपूरी कालोतीः प्रस्दीर ।

> (अन्तरक) मेसर्स चोपड़ा ट्रीबल्स 1/2,

माज्य तुकोगंज इन्दौर तरफे पार्टनर लाजपतराय पिता श्री किमनदामजी चोपडा. निवासी-2612. मनोरमागंज, इन्दौर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुए।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 45 दिन की अविधि था तरसम्बन्धी व्यक्तिम्हें स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वीयत व्यक्तियों में से विल्ली व्यक्ति दुधारा,
- (स) इस सुसना के राजपण में प्रकाशन की तारीक मे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहरनाक्षरो के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

**स्पध्यकिरण ~--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों** का, जो अक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उम अध्याय में विसा गया है।

### अन्सूची

प्लाट नंबर 104 पर बना हुआ मफ़ान (तक मंजिल), ट्रांसपोर्ट नगर, इदौर में स्थित हैं।

> वीरेक्टकुमार बरलवाल भक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल)

न्दारी**ख**: 26-6-1984

प्ररूप आर्ष: टी.एन.एस.---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत मरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोषाल

भोपाल, दिनांक 26 जून 1984

निदेश सं०आई०ए०सी०/अर्जन/भोपाल/4844--अतः मृत्ते, वीरेन्त्र कुमार बरनवाल

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पठचात् 'उमत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विद्यास करने का कारण हैं कि स्थावर संपित्त जिसका उचित बाजार मूच्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी संख्या भूमि ख नं0276 है, तथा जो सरेखा, बालाघाट में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है। रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यासय, बालाघाट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, नवम्बर 1983

को पूर्विकत सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास कर ने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, किस्नितियोंत उद्वेश्य से उक्त अन्तरण निष्य में तथा गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत उक्त आधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उसने अचने में सविधा के तिए; और/वा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अपिनकां को, जिल्हें भारतीय जायतर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुकिश के लिए:

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ५---- (1) श्री धाबार्का फिरा।
 बोहरन अहीरनिधार्मा--सरेन्द्रा की ब्रीट से आम मृष्ट गर्भणनाल किया
 नाबार्का अहीर,
 सरेन्द्रा,
 बालाधाट।

(अन्तरक)

(2) विवेक सहकारी गृह निर्माण समिति मर्यादित, वालाघाट द्वारा अध्यक्षर श्री पूरनकुमार पिना जेटानन्द अड्यानी वार्ड नं० 14. वालाघाट।

(अन्तरिर्दा)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जबत सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ह---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक हैं

  45 दिन के भीसर उक्त स्थावर संपित्त में हित विद्या किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पान निकित में किए जा सकरों।

लिक्टीकरणः---इसमें प्रयुक्त अन्ते और पत्रों का. जा उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिशः गया है।

### भगमुधी

भूमि ख नं० 276, सरेखा जिला नालाधाट में स्थित हैं। यह वह स्थायर सम्पत्ति हैं जिसका मंपूर्ण विश्वरण अन्तरिती द्वारा सस्यापित फार्ग नंखर 37-जी में निहित हैं।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारा, महायस स्रायकर आयुक्त (तिरोक्षण), अर्जन रेंज, भोणाय

तारीख: 26-6-1984

मोहर 🗧

प्रकृप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालयः महायक सायकर आयुक्तः (निरीक्षण) अर्जन रेज, भोषाल

भोपाल, दिनांक 26 जून 1984

निदेण सं०आई०ए०सी०/अर्जन/भोपाल/4845—-अतः मुझे, वोरेन्द्र कुमार बरनवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख़ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. में अधिक हैं

श्रीर जिसकी संख्या भूमि ख नं 0276 है, तथा जो सरेखा, बालाघाट में स्थित हैं (ग्रीर इसमें उपावद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रिजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय बालाघाट में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, नथम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, ऐसे रहयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अश्विरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तए पाया गयः प्रतिफल, विम्निविधित बेंद्रिय से उस्त प्रन्तरण निश्चित में वास्त-विक कप से कथित नदी किए। यश है:--

- (क) श्रन्तरण से दुई किसी भाव की बाबत उपत प्रक्रि-नियम के श्रश्रीन कर देने के श्रन्तरक के वाबित्व में कमी करने या उपसंस बचने में सुविधा के खिए। श्रीर/श्रा
- (श) एमी किसी बाय या किसी धन या अन्य जारित्यों को, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, दिश्यानं मानविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिकत स्पिक्तर्योतः अधीत :----18--176GI[84 (1) श्री बाबाजी पिता बोहरन अहीर द्वारा मु० आम श्री गणेणलाल पिता वाबाजी अहीर, निवासी—सरेन्या तहमील व जिला, बालाघाट।

(अन्तरकः)

(2) विवेतः सहकारी गृहः निर्माण समीति मर्यादित बालाघाट द्वारा प्रेमीखेट पूरनकुमार पिता जेठानंद अड्वानी, बालाघाट ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथाँक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए। कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, की भीतर पूर्वों तत्र व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपद में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिसित में किये जा सकींगे।

स्पष्टिकिरण:--इसमें अयुक्त शब्दों और पवाँ का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषितः हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### मन्स्ची

भिम ख नं ० 276, सरेखा तहसील व जिला बालाधाट में स्थित हैं। यह वह स्थावर सम्पत्ति हैं जिसका विवरण अन्तरिनी हारा मलापित फार्म नंबर 37-जी में निहित हैं।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

नारीख: 26-6-1984

### प्ररूप आर्च ही.एन एस . -----

**बायकर जिथि**नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सृचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक अध्यकर आय्वत (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल.

भोपाल, दिनांक 26 जून 1984

निवेश सं० आई०ए० सी०/अर्जन भोपाल/4886--अतः मुझे, धीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

आयकर जिथितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधितियम' कहा गया है), की भारा 269-- के अधीन सक्षम प्राप्तिकारी को यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी भूमिमं० नं० 329/2, 336/1 है तथा जो ग्राम बायडिया कलां तहसील हजूर जिला भोपाल में स्थित है (और इससे उपाधद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भोपाल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन नारीख नवस्थर 1983

की पूर्वीकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य में कम के स्थमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विस्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्थममान प्रतिफाल से एसे स्थममान प्रतिफाल के पन्त्रह प्रतिभाव से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया थया प्रतिफाल, निम्मिणिकत उद्देश्य से उच्या अन्तरण लिखित में साम्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उन्तर अधिनियम के अधीन कार दोने के अन्तरक की दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या,
- (क) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 19(7 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण भी, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (१) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) श्रो गंगाप्रसाद पिता श्रो हरोप्रसाद, निवासी-बाबड्या कलां तहसील हजूर, जिला भोगल ।

(ग्रन्मरक)

(2) गणेश गृह निर्माण सहकारी संस्था मर्यादित भोनाल द्वारा श्रध्यक्ष श्री राम खरे., 2. श्री सुभाष व्यास, उपाध्यक्ष, निवासी—2-3/3, श्ररेरा कालोनी,

(भ्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यसाहियां शुरू करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या सरसम्बन्धी व्यक्तियों पर मुखना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किये जा सकरी।

स्वष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त जन्बों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिया गया है।

#### अन्मधी

भूमि ख नं० 329/2, 336/1, ग्राम बावडिया कलां नहसील हजूर जिला भोपाल में स्थित हैं। यह वह स्थावर सम्पत्ति हैं जिसका विवरण ग्रन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नं० 37-जी में निहित हैं।

वीरेन्द्र कुमार वरनवाल मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोषाल

सारीख: 26-6-1984

The second secon

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्स (निरीक्षण) प्रजीन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 26जून 1984 निदेश संब्याईब्ग्ब्सीब्/ग्रर्जन/भोपाल/4847—म्ब्रनः सुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/ स्पार में अधिष है

श्रौर जिसको संख्या प्लाट नं० 80 एवं उस पर निर्मित मकान है. तथा जो प्राईवेट सेक्टरई-5, ह्वोबगंज, राजधानी परियोजना, भोपाल में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है) राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भोपाल में राजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, नवम्बर 1983

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्तमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके इस्यमान प्रतिफल से एसे इस्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाखित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी शाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने भें सुविधा के लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुनरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के मधीन, निम्मलिक्ति व्यक्तियों, अधीत :--- (1) श्री संभूशरण णुक्ला पिता. श्री रामदत्त णुक्ला. निवासी—1श्र, सड़क 3. सेक्टर 9. भिलाईनगर (म०प्र०)।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री श्रदंभनपालीसह पिता एस० सुंदरसिंह डीजल श्राटोमोबाइल्स. हमीदिया रोइ, भोपाल ।

(ग्रन्तरिती)

का यह मुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शरू करता हैं।

### उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेत्र :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीम सं
  45 दिन की अविध या तत्से बंधी व्यक्तियां पर
  सूचना की तामील में 30 चिन की अविध को भी
  अविध बाद मी समाप्त होती हो, के भीतर पृथिकत
  व्यक्तियों मो सं किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सं 45 दिन के भीतुर उक्त सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकांगे।

स्वव्हिकरणः ----इसमं प्रयावत शब्दां और पदां का, को उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विका गया है।

#### मम्स्ती

प्लाट नं ० 80 व उस पर निमित मक्शन, प्राईकेट सेक्टर, ई-5, हबीवगंज, राजधानी परियोजना, भोपाल में स्थित हैं।

> बीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल गंगोत्रों विल्डिंग, चौथी मंजिक ही ही समर भोगाल

ता**रीख**: 26-6-1984

प्रकप आई. टी. एन. एस्.-----

नायकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ए (1) के अभीन तूपना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, भोपाल भोपाल, दिनांक 26 जुन 19**8**4

निदेश सं ०ग्नाई०ए०सी०/ग्रर्जन/भोपाल/ 4848---ग्रतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार वरनवाल

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. सें-अधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या भूमि ख नं ० 442,443/5/2 है, तथा जो ग्राम बावड़िया कलां तहसील हजूर जिला भोपाल में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से विणत है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, भोपाल में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिदात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार्) और अन्तरिती (अन्तरितियार्) के बीच अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिचित में बास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बादत उक्त अधि-निवस के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के जिये: अरि/या
- (च) एसी किसी भाग या किसी भन या अन्य आस्तिकों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या पत-कर अधिनियम, या पत-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के किय;

अतः अबं, उक्त ऑधिनियम की धारा 269-ग कं अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के गधीन, निम्निसिस्त व्यक्तियों, अधीत् :—— (1) श्री गंगाप्रसाद पिता हरीप्रसाद, निवासी——बार्वाड्या कला तहसील, हजूर, जिला भोपाल।

(भ्रन्तरक)

(2) शगरीला का० हाउसिंग सोसायटी लिमि०, ई-6/122,
 ग्रिरेरा कालोनी,
 भोपाल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्भन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच स 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

भूमि ख नं० 442, 443/5/2, ग्राम बाविङ्या कलां तहसील हजूर जिला भोपाल में स्थित है। वह यह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण भ्रन्तिरिती हारा सत्यापित फार्म नंबर 37—जी में निहित हैं।

वीऱेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारो सहायक प्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, भोपाल

तारी**ख**: 26-6-1984

### प्ररूप भाइते. टी... एन. एस.-----

### बायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) के अधीन स्वना

#### भारत बरकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रंज, भोपाल भोपाल, दिनांक 26 जन 1984 निदेश सं ० ग्राई०ए०सी०/ग्रर्जन/भीपाल/4849--ग्रतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल.

**बा**यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स 'हे अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हे कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 25, 000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी संख्या भूमि ख नं 442/443/5/1 है, तथा जो ग्राम बावडिया कलां तहसील हजुर जिला भोपाल में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रांर जो पुर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ना प्रधिकारी के कार्यालय, भोगाल में राजिस्ट्रीकरण ग्राधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, नवम्बर 1983

को पूर्वीव ! संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रसिष्टल को लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का फारण है कि यथापुर्वोचत संपरित का उचित बाजार मुल्ए, उपके दृश्यमान प्रतिकल से एसे दृश्यमान प्रतिकल का पदह प्रतिशत रे अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देदेय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, जक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने वा उससे वचने में सुविधा के सिए: और/वा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपान में सविधाके लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा-269-घ की उपधारा (1) के अधीत, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् --

(1) श्री गंगात्रसाद पिता श्रा हरीप्रसाद, निवासी--बाविष्या कलां तहसील हजूर, जिलाभोपाल ।

(भ्रन्तरक)

(2) सिंगरीला का० हाउसिंग सोसायटी लिमि० भोपाल द्वारा ग्रध्यक्ष पी०डी० चौधरी पिता श्री जे०डी० चौधरी, निवासी--धरेरा कालोनी, भोपास ।

(ग्रन्तरिती)

कांयह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

जबत सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ∴--

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की सारीच से 4.5 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ सृचनाकी तामील से 30 दिन की अवधि, जां भी अविध बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति म्यक्तियों में से किसी व्यक्ति पवारा;
- (अ) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ले 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्दभ किसी अन्य व्यक्ति दवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सक गै।

स्पष्टोकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दी और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, वहीं सर्थ होगा, जो उस अध्याय में विमा गया है।

भूमि ख नं० 4.4.2, 4.4.3/5/1, ग्राम बावड्रिया कला तहसील हजुर जिला भौगाल में स्थित हैं। यह वह'स्थावर सम्पत्ति हैं जिसका संरूर्ण विवरण श्रन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नम्बर 37-जी में निहित है।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहस्यक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 6-6-1984

### प्ररूप जाइ. टी. एन . एस . -----

नायकर जाभनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत तरकार

कार्वासय, सहायक जायकार आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोषाल

भोपाल, दिनांक 26 जून 1984

निदेश सं० प्राई०ए०सी०/ग्रर्जन/भोपाल/4850---ग्रतः मुझे, कीरेन्द्र कुमार बरनवाल

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्स अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुठ से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या भूमि ख नं 66 है, तथा जो बार्वाइया कलां तहसील हजूर जिला भोपाल में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूचों में श्रीर पूर्ण के रूप में बाणत है) रजिस्ट्रो-कर्त्ता ग्रिधिकारों के कार्यालय, भोपाल में रजिस्ट्रोकरण ग्रिधि-नियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधोन, नयम्बर 1983 को पूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्याम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल, निम्मतिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिचित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनयन के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी कार्स या उससे अवने में सुविधा के सिए; और/या.
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियां का, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1937 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाक, चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

क्त: अब, उक्त विभिनियम की भारा 269-ए की, अनुसरण में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) भे अभीन, निस्तिविचित व्यक्तियों, अथित के - (1) श्री हरीप्रसाद पिता श्री होरालाल निवासो-बायष्ट्रिया कलां, तहसील हजूर, जिला भोपाल ।

(ग्रन्तरक)

(2) रोहित हार्ज़िसग कार सोसायटी श्रिमि० रजिरु नं देशियार जोर / 329, भोपाल।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

### उक्त सम्पत्ति के अर्थम के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूबना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर गूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (अ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उभत स्थायर संपत्ति में हितबद्धभ किसी व्याप्त व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दा और पवों का, जो उन्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होरा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

### अन<u>ु</u> सुची

भूमि खानं २ 66, बावड़िया कलां, त**ह**सील हजूर, जिला भोपाल में स्थित हैं।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

**研究域: 26-6-1984** 

मोहर

### प्रकृष् बाह्", टी. एव. एथ्.-----

नायकर जभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269- (1) के जभीन सृचन.

### नारव ब्रकाड

कार्याक्षय, संद्रायक धायकर मायुक्त (निरीक्षण)

प्रार्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 26 जून 1984

निदेश सं अप्रार्ड ० ए०सा०/ग्रर्जन/भोपाल/4851/ग्रतः, मुझे, वीरेन्द्र कुमार वरनवाल,

णायकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अभिक है

भीर जिसको संख्या भूमि खंनं 65 है, तथा जो ग्राम वाबड़िया कलां, तहसील हजूर, जिला भोषाल में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबड श्रनुसूचा में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रोक्ता श्रधिकारों के कार्यालय, भोषाल में रजिस्ट्रो-करण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रयान, नवस्त्रर 1983

को पूर्वोक्त सम्पतित के उचित बाजार मृत्य है काम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नितियात उच्चेंद्रय से उक्त अन्तरण निवित्त में वास्त-विक कम से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय को बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दंगें के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उसमें बचने में मिविधा के लिए; अप/या
- (वा) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य जास्तियां को, जिन्हों भारतीय आय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोधनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतं: अब. उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्मतिस्थित व्यक्तिस्यों, अधीत् :--- (1) श्री बालाप्रसाद पिता श्री हरीप्रसाद, निवास'---बाविड्या कक्षां, तहसील हजूर, जिला भोपाल।

(ग्रन्तरक)

(2) रोहित सहकारी गृह निर्माण संस्था मर्यादित, निर्माण भोपाल द्वारा, अध्यक्ष एमण्एलण रोहितदास पिता श्रो श्रोराम सिंह, निवासो-गोबिन्दपुरा, भोपाल।

(ग्रन्तरिती)

क्यं यह सूचना चारी करके पृत्रा किस सम्परित के वर्षन के निष् कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के भवंग के सम्बन्ध में कोई भी वालीप: --

- (क) इस सूचना के रावपन में अन्यादन की तारीच वें
  45 दिन की अवधि वा तत्सम्बन्धी न्यवित्रमों पर
  सूचना की तामीस से 30 दिन की अवधि, जो भी
  ववधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रीचित
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस स्वात के राव्यत में प्रकारत की तारीस के 3.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवब्ध किती जम्म स्थावत इवारा अभोहस्ताकारी के पास लिखित में किए वा सकोंगे।

स्पद्धकिरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

भूमि ख नं० 65, ग्राम बावड़िया कला, तहसील हजूर, जिला भोपाल में स्थित है।

> बीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

सारोख : 26-6-19**8**4

प्रारुप बाइं. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंज, भोगाल भोपाल, दिनांक 26 जून 1984

निदेश सं०म्राई०ए०सी०/म्रर्जन/भोषाल/4852——ग्रतः म्.झे वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. में अधिक है

भ्रोर जिसकी संख्या भूमि खे नं 66, 67, 68 है, तथा जो ग्राम बावड़िया कला तहरील हजूर जिला भोषाल में स्थित हैं (श्रीर इसमें जायद्ध जनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ना श्रिधकारों के कार्यालय, भोषाल में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्राधीन; नवस्बर 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्सरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्सर्का) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा से लिए;

कतः अवः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-गं के अनुसरण् में, में, अक्त अधिनियमं की धारा 269-घं की उपधारा (१) के अधीन, निम्निणिधित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रा हरीप्रसाय पिता हीरालाप, निवासी—-वाबड़िया कला तहगील हजूर, जिला भोषाखा।

(शन्तरक)

(2) रोहित सरकारो गृह निर्माण संस्था मर्यादित लिमि० भोषाल, द्वारा प्रध्यक्ष श्री एम०एल० रोहितदास पिता श्री श्रीराम सिंह, निवासी——गोविन्दपुरा, भोषाल ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पित्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :~~

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ह्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकी।

स्पष्टीकरणः—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क्र में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

भूमि ख नं० 66,67,68, ग्राम बाविड्या कला तहमील हजूर जिला भोपाल में स्थित हैं।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारो सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) श्रजैन रेंज, भोगल

**नारोख**: 26-6-19**8**4

# प्रकृप बाही. टी. एन. एवा.------

# नामकर निर्मानयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मुनीन सुचना

#### नारत सरकार

कार्यासय, सहायक भायकर आयुक्त (विरोधाण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 26 जून 1984

निदेश सं ब्झाई०ए०सी०/ग्रर्जन/भोपाल/4853—-ग्रत, मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन, सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित्त, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रा. में अधिक ही

ग्रीर जिसकी संख्या भूमि ख नं० 65 है, तथा जो ग्राम बाधड़िया कलां तहसील हजूर जिला भोपाल में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद ग्रानुभूची में ग्रीर पूर्ण रूप से बणित हैं) रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, भोपाल में रजिस्ट्री-करण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, नवस्वर 1983

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रे यह विक्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त संपरित को उचित बाजार मृत्य, उसके क्यमान प्रतिफल से, एसे क्ष्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्त्रितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मलिचित उद्वेष्य से उक्त भृत्तरण निचित में बास्तियक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी नान की बाबत तथत निभिन्यम के नभीन कर दोने के नसरक के श्रीयत्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के निष्; जीर/या
- (क्ष) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या कन-कर अधिनियम, या कन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रयट नहीं किया को भा या किया जाना काहिए का कियाने में सुविधा के लिए;

बत: बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, माँ उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के बधीन, निस्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् धारा 19—176GI|84

(1) श्री बालाप्रसाद पुत्र श्री हरीप्रसाद, निवासी—बावड़िया कलां, तहसील हजूर, जिला भोपाल।

(भ्रन्तरक)

(2) रोहित हाउसिंग का० सोसायटी लिमि० द्वारा श्रघ्यक्ष श्री एन०एल० रोहितवास. निवासी—सुभाष नगर. भोपास !

(ग्रन्तरिती)

को यह स्थाना आरी करके पूर्वेक्त सम्मस्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सूरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोर्ड भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच चे 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जा भी अविधि बाद में समाप्त हांती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से फिसी व्यक्ति दवारा;
- (च) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य . व्यक्ति व्वाय अधिहम्ताझरी के पास निधित में किए जा सकोंगे।

स्यष्टिकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं वर्थ होगा, जो उस अध्यास में दिया गया है।

#### नन्स्पी

भूमि ख नं० 65 में में एक एकड़ बराबर ग्राम बाव: डिया कंला, तहमील हतूर, जिला भोपाल में स्थित हैं। यह वह स्थावर सम्पत्ति हैं जिसका विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नंबर 37-जी में निहित है।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 26-6-1984

प्ररूप वार्षः दी. एन. एस्.--------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाड़ा 269-म (1) के सभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, भोपाल भोपाल, दिनोक 26 जून 1984 निदेश सं०ग्नाई०ए०सी०/ग्रर्जन/भोपाल/4854—श्रतः, मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल

श्रायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्जात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसक्का उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी संख्या भूमि ख नं० 67, 68 है, तथा जो ग्राम बावडिया कंला; तहसील हजूर, जिला भोपाल में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबब अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं) रिजस्ट्रीकर्सा श्रिष्ठकारी के कार्यालय, भोपाल में रिजस्ट्रीकरण ग्रिष्ठिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिष्ठीन, नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि मभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार भूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिखत से अधिक है और अंतरक (अंतरक ) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आम की बाबत उक्त अधि-नियम की अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अपने में सुविधा के लिए; और/या
- (ण) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्थिभा के लिए;

वतः वयः, उक्त विधिनियमं की भारा 269-व के वनुसूरच वी, भी, उक्त विधिनियमं की भारा 269-व की उपभारा (1) के वधीन, निकनिविद्यं व्यक्तियों, वर्षात् क्र- (1) श्री हरीप्रसाद पुत्र श्री हीरालाल, निवासी — प्राम बावडिया कंलॉ, तहसील हजूर, जिला भोपाल।

(भ्रन्तरम)

(2) रोहित हार्जीसंग का० सोसायटी लिमि० द्वारा श्रव्यक्ष श्री एन०एल० रोहितवास, निवासी— सुभाषनगर, भोपाल।

(ग्रन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविधि या तत्से बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गमा है।

# **मन्**त्रची

भूमि ख नं ० 67,68 में से केवल एक एकड़ के बराबर भूमि, ग्राम बावड़िया कलां, तहसील हजूर, जिला भोपाल में स्थित हैं। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नंबर 37—जी में निहित है।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 26-6-1984

प्ररूप बाइ .टी.एन.एस. ------

बायकर विभिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के नधीन स्पना

#### भारत तरकार

कार्यासय, सहायक बायकार बायक्त (निरक्षिण)

• प्रजैन रेंज, भोपाल भोपाल, दिनांक 26 जून, 1984

निर्देश सं० ग्राई०ए०सी०/ग्रर्जन/भोपाल/4855---भतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह जिस्तास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका अधित शाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी संख्या भूमि ख नं० 65 है, तथा जो ग्राम बावड़िया कर्ला तहसील हजूर जिला भोपाल में स्थित हैं (भौर इससे उपबद्ध श्रनुसूची में भौर पूर्ण के रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्त्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, भोपाल में रिजस्ट्री-करण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, नवम्बर 1983

को प्रांक्त संपरित के उणित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विषयास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपरित का उणित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिक्षत अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विष्य से उक्त अन्तरण सिचित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) बन्तरण से हुई किसी शाय की वायत, उभत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाशित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; ब्रोह्स/बा
- (क) एंसी किसी जाय या किसी धन या अन्य जास्तियों की जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्ति दिली क्वारा अकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए।

अतः अब्, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए के बनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की उपभारा (1) के अधीन, निम्मिस्थित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री बालाप्रसाद पिता हरीप्रसाद, निवासी—बावडिया कंला, तहसील हजूर, जिला भोपाल।

(मन्तरक)

(2) रोहित हाउसिंग का० सोसायटी लिमि०, रिजि०नं० डी झार०वी०/329, भोपाल।

(पन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के जिल् कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप उन्न

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 बिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पद्ध सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस स्वना के राषपत्र में प्रकाशन की तारीय हैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभीहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्थव्योकरणः — इसमें प्रयुक्त जब्दों और पदों का, थे। उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिक हैं, वहीं अर्थ होगा थे। उस अध्याय में दिया गया हैं।

## ननस्थी

भूमि ख. नं० 65 में से एक एकड़ के बराबर भूमि, ग्राम बाविषया कला तहसील है हजूर, जिला भोपाल में स्थित हैं। यह वह स्थावर सम्पत्ति है। जिसका विवरण भन्तिरती द्वारा सत्यापित फार्म नंबर 37—जी में निहित है।

> वीरेन्द्र कुमार वरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज, भोपाल

तारी**ख** : 26-6-1984

हमोरः

# प्रकृष नाइं.दी. एन. १स . -----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) ग्रजन रेंज, भोपाल

भोपाल, विनांक 26 जून 1984 निदेश सं० श्राई०ए०सी०/श्रर्जन/भोपाल/4856—श्रतः मृझे,

वोरेन्द्र कुमार बरनवाल बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हो कि स्थावर सम्पौत्त, जिसका उचित बाजार मुख्य

25,000/- रु. से अधिक हैं
ग्रीर जिसकी संख्या प्लान नं० 19 हैं, तथा जो नादिर
कालोनी, भोपाल में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची
में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं) रिजस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधिकारी के
कार्यालय, भोपाल में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम 1908 (1908
का 16) के श्रिधीन, नवस्वर 1983

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृस्य से कम के दिश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ड है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपरित का उचित बाजार मृस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंदृह प्रतिशास से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) से बीच एसे अन्तरण के सिए तय पाया गवा प्रतिक का निम्नोनिश्चित उद्देश्य में अजन सन्तरण निम्नोनिश्चित उद्देश्य में अजन सन्तरण निम्नोनिश्चत उद्देश्य गया है :--

- (क) बन्तरण सं हुई किसी नाम की बाबत, जनत किंधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक क वासित्य में कमी करने या समसे रचने में मृतिभा के लिए; बोन/या
- (ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य जास्तियाँ को, जिन्हीं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्ती अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्यारा प्रकट नहीं किया नया था या किया थाना चाहिए था, कियाने यों स्विधा के लिए;

कतः जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के जनसरण में, मैं., उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अभीन निम्निनिश्चित व्यक्तियों अर्थात् :— (1) श्री मिर्जा फिरदोस हुसैन खान बल्द श्री मिर्जा जमशेद हुसैन खान, निवासी—मं० नं० 10, नियर मसजिद जामन वाली, फतेहगढ़, भोपाल।

(प्रन्तरक)

(2) श्री सरदार तेजकुलपालसिंह पुत्र व० सरवार गुरूवक्वासिंह, निवासी—ग्रमीरगंज, शहजानाबाद, भोपाल।

(मन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पृत्रॉक्त सम्परित को वर्जन के सिए कार्यवाहियों करता हों।

# उन्य सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्केप:---

- (क) इत स्वना के रावपत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन की जनिथ या तत्सम्बन्धी स्थितियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की जनिथ, जो भी जनिथ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रांतिय स्थितियों में से किसी स्थितित स्थारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की दारीय से 45 दिन के भार र उनत स्थावर सम्परित में हित्यव्य किसी बन्य व्यक्ति ब्वारा मुशेहस्ताश्वी के पात सिवात में किए या सकेंगे।

स्वाधिकरणः--इसमें प्रयुक्त कन्यों भीर पर्यों सा, की अवस् अभिनियम, के अभ्याय 20-अ में प्रीरामीच्द हाँ, वहीं मूर्ण होगा को उस अध्याय में दिवा गया ही।

### नग्रुची

प्लाट मं० 19, मादिर कालोनी भोगाल में स्थित है। यह वह स्थाबर सम्पत्ति हैं जिसका विवरण श्रस्तरिती द्वारा संस्थापित फार्म नंबर 37-जी में निहित हैं।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्तम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 26--6-1984

प्रक्ष आई. टी. एन. एस.-----

# भावकर निधितियम, 1961 (1961 का 43) की धाछ 269-थ (1) के नधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक बायकर बायकत (निरीक्षण) श्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 26 जून, 1984

निर्देश सं० प्राई० ए० सी०/भ्रर्जन/भोपाल/ 4857—म्प्रतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही), की धारा 269- ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थाव सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी स० भूमि ख० नं० 13/2/2, 58/2/2 है, तथा जो ग्राम बाविध्या कला तह० हजूर जिला भोपाल में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में धौर पूर्ण रूप से बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारों के कार्यालय, भोपाल में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पित्त के उणित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकार्ता के कार्यालय बेंगलूर में धारा 269-ए.बी. के अन्तर्गत सक्षम अधिकारी के सम्मूख/के पास रिजस्ट्रीकृत किया गया है मुक्ते यह विश्वास पूर्वोक्त सम्पित्त का उणित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया व्या प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में अधिक हमान किया गया है :---

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त अचि-नियम के अभीम कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविभा के लिये; बीर/बा
- (व) ऐसी किसी बाय या किसी धन अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर बिधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया बा किया जाना चाहिए था कियाने में स्विभा के निय;

अत: अब, उक्त अभिनियम, की धारा 269-म के अनुसरक में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--- (1) श्री गोविन्द्र पिता रामचरन निवासी—बाविष्या कलां, तहु हजूर, जिला भोपाल 2. हीरालाल पिता हरलाल द्वारा मु० ग्राम दौलत राम पिता श्री श्रीकिशन, 3. बंसी लाल पिता श्री भूजासिंह द्वारा मु० ग्राम श्री वाबूलाल पिता श्री वंसीलाल निवासी—ग्राम बाविद्या कला, तहु हजूर, जिला श्रोपाल।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रध्यक्ष, जय भवानी गृह निर्माण सहकारी संस्था, मर्यावित, भोपाल।

(प्रन्तरिती)

को यह मुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हा से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त सब्दों और पर्दों का, यो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं मर्थ होगा जो उस अध्याय में विभा गया है।

#### सनसची

भूमि ख॰ नं॰ 13/2/2, ग्राम बाविङ्या क्लां में छ तह॰ हजूर, जिला भोपाल में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण ग्रन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नंबर 37 जी में निहित है।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल, सक्षम प्राधिकारी, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 26-6- 984

प्रकृष भार्द्र हो , एन , एस , -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाय 269-म (1) के अधीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकार आयुक्त (निर्देशिष)

ग्नर्जन रेंज, भोपाल भोपाल, दिनांक 26 जून, 1984 निर्देश सं० ग्नाई० ए० सी०/ग्नर्जन/भोपाल/4858—म्बतः मक्षे, बीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

अयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त् अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क् के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्परित, जिस्का उणित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० भूमि खं० नं० 140/1 एवम् परिवर्तित भूमि खं० नं० 140/2 है तथा जो ग्राम टिमरनी जिला होशंगाबाद में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्याक्षय, हरदा में रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्स संपत्ति के उचित वाजार मृत्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित वाजार मृत्य दसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्तक्ष प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय्भाया गवा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक स्प से क्रिशत नहीं विका वया है हन्न-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त सिंधनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बामिल्ल में कभी करने या उससे ब्लाने में सुविभा के लिए; जॉर्जिंग
- (अ) एसी किसी नाय या किसी धन या जन्य जास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, डिपाने में सुनिधा औ सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्निल्खित व्यक्तियों, अधीत् क्र---- (1) श्री लक्ष्मणराव मात्मल बलवंतराव, मिवासी--टिमरनी तह० टिमरनी।

(प्रन्तरक)

(2) श्री अग्रवाल फेमली ट्रंस्ट टिमरनी, अिला होणंगाबाद ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्थन के जिए कार्यवाहियां सुरू करता हुं: (1)

चक्त सुम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी विषिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकोंगे।

स्पच्छीकरण: ----इसमें प्रमुक्त शब्दों बाँड पर्वो का, जो उचल अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या क्या है।

## पनुसूची

भूमि ख॰ नं ० 140/1 एवम् परिवर्तित भूमि ख॰ नं ० 140/2 ग्राम टिमरनी जिला होशंगाबाद में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण भ्रन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नंबर 37 जी॰ में निहित है।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), धर्जन रेंज, भोपाल

तारी**ख**: 26-6-1984

मोहर 🛭

प्रकथ भार्च त्यी एन । एस । ------

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन स्चना

#### HIST TRAIN

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपःल, दिनांक 26 जून, 1984

निर्देश सं० आई० ए० सं०/ग्रजंन/भोपान/4855---अतः मझे, बीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० परिवर्तित भूमि ख० नं० 140/4 के भाग पर बना हुग्रा मकान है, तथा जो ग्राम टिमरनी जिला होगंगाबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबत अनसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, हरदा में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान मितकल के सिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि वचाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमाम प्रतिफल का पंद्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-बिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी जान की बाबत, उक्त अभि-निषम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी कारने वा उत्तसे अचने में सुविधा के लिए: और/वा
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने के स्विधा के लिए;

नतः जन, उन्त मौधीनयम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उन्त जीधीनयम की धारा 269-म की उपधारा (1) के नधीन, निम्नसिधित व्यक्तियों, नर्भात हिल्ल (1) श्री लक्ष्मणराव ग्राँत्मज बलवंतराव, निवासी-टिमरनी, तह० टिमरनी।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री श्रप्रवाल फेमली ट्रस्ट, टिमरनी, जिला होशंगाबाद।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्मित्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के सम्बन्ध में की हैं भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सै 45 दिन की अविधि या तत्संबधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवींकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृशास;
- (ब) इस सुमना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पद्धिकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>5</sup>, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है ।

# बन<del>ुत्रुची</del>

परिवर्षित भूमि खा० नं० 140/4 के भाग पर बना हुआ मकान ग्राम टिमरनी जिला होशंगाबाद में स्थित है। जिसका विवरण भ्रन्तरिती द्वारा संस्थापित फार्म नंबर 37 जी में निहित है।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 26-6-1984

मोहर 🖫

(भ्रन्तरक)

प्रकृपः काई. टी. एन. एसः ----

मामकर मीधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्राक्षण)

श्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 26 जून 1984

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/4860:—ग्रतः मुझो, वीरेन्द्र कुमार वरनवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विस्थास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्छित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या भूमि ख० नं० 40/6 है तथा जो ग्रामिटमरनी जिला होशंगाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, हरदा में रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीत, नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उषित बाजार मृत्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उषित बाजार भूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, ऐसे रूपमान प्रतिफल का पन्तर प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिश्त उद्देश्य से उक्त अंतरण लिश्तित में शास्त्रिक रूप से कथित गृशी किया गृशा है हि—

- (क) अंतरण से हुइ' किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कामी करने या उससे अधने में गृजिधा के लिए; और/या
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्नारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

. अतः जय, उकत अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अभिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अभीन, निस्निसिक्त व्यक्तियों, अवित :---

- (1) श्री विजय प्रकाश भारतीय भात्मज लक्ष्मणराव, निवासी–टिमरनी तह० टिमरनी ।
- (2) झग्नवाल फेमली ट्रस्ट टिमरनी, तह्र० टिमरनी, जिला होशंगाबाद । (ग्रन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां बुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन की अविध या सस्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वष्य अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गमा है।

#### a in wall

भूमि ख॰ नं॰ 140/6, ग्राम टिमरनी जिला होशंगाबाद में स्थित है। जिसका विवरण श्रन्तरिती द्वारा श्रत्यापित फार्म नंबर 37 जी में निहित है।

वीरेन्द्र कुमार धरनवाल सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजैन रेंज, भोपाल

तारीख: 26-6-1984

प्रकथ बाइ . टी. एन एस. ----

म्लयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269 (घ) (1) के अधीन सृचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकार बायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 26 जून 1984

निर्वेश सं० ग्राई० ए० मी०/ग्रर्जन/भोपाल/4861:—-ग्रतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल.

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रूट. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं ० भूमि ख ० नं ० 140/5 है, तथा जो ग्राम टिमरनी जिला होशंगाबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), र्राजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, हरदा में रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख नवम्बर, 1983

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहसमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेद्य से उक्त अंतरण विश्वित में वास्त्रिक हम से किश्त नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या
- (ब) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां., जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, विश्वाचनार्थ अन्यरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्षिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— 20 — 176 GI|84

- (1) श्रीमती सौ० मनोरगाबाई पत्नी श्री लक्ष्मणराईव, निवासी-टिक्स्नी तह् टिमरनी द्वारा, मु० प्राम श्री विजय प्रकाल भारतीय, ग्रात्मज श्री लक्ष्मणराव निवासी-टिमरनी । (श्रन्तरक)
- (2) अग्रवाल फोमली ट्रस्ट,टिमरनी, जिला होशंगाबाद ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की अवधि, जे भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर ज़क्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसिस में किए जा सर्वेग।

स्पष्टीकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवाँ का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हो, वहीं अर्थ होत्या जो उस अध्याय में किया। गया है।

#### <u> अनुसुची</u>

भूमि ख० नं० 140/5, ग्राम टिमरनी जिला होशंगाबाद में स्थित है। जिसका विवरण प्रन्तरिती द्वारा सत्यापित कार्म नंबर 37 जी में निहित है।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल, सक्षम प्राधिकारी, निरीक्षी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त, श्रर्जन रेंज, भोपाल

नारीख: 26-6-1984·

प्ररूप. नार्द. टी. एन. एस्. - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की अप 269-च (1) के अधीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (निरक्षिण)

श्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 26 जून 1984

निर्देश सं० न्याई० ए० सी०/धर्जन/भोपाल/4862:—-ध्रतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है"), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मूल्य 25,000/-रा. में अधिक हैं

धौर जिसको सं ० मकान तं ० 28 का भाग है, तथा जो महाकाल मार्ग गली तं ० 12, उज्जैन में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है). र्राजस्ट्रोकर्ता श्रीधकारों के कार्यालय, उज्जैन में राजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख नवभ्यर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल सं, ऐसे ध्रयमान प्रतिफल का दिह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकारें) और अंतरिती (अन्तरितियाें) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण दिखित में मास्तिवय रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण संबुद्ध किसी नाथ की वायत, उपसे अभिनियम के जभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उचने वचने में सुविधा के सिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था छिपाने में मुविधा के लिए:

बतः मन उक्त अधिनियम की भारा 269-न को अनुसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अभीन, निस्निसिखित व्यक्तियों, अभित् क्रि-- (1) श्री शफी खां भात्मज दुलेखान, निवासी-28, महाकाल मार्ग, उज्जैन।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री रामदेव झात्मज फूल चन्द जी झम्रवाल, निवासी-3, वावाभाई नैरोजी मार्ग, उज्जैन।

(प्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीच से 45 जिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे किस व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा जधोहस्ताक्षरी के 'गस निचित में किए जा सकेंगे'

स्थव्हीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### मन्त्रची

मकान नं० 28 का भाग, महाकाल मार्ग, गली नं० 12, उज्जैन में स्थित है ।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल, सक्षम प्राधिकारी, निरीक्षी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त, ग्रर्जन रेंज, भोपाल ।

तारीख: 26-6-1984.

प्रकप आई.टी.एम.एस ------

बायकर बंधिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं) भारा 269-म (1) के अभीन सुमना

#### भारत बदुबार

# कार्यालय, सहायक वायकर वायुक्त (निरीक्षण)

मर्जेन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, विनांक 3 जुलाई 1984

निर्देश सं० भाई० ए० सी०/भ्रर्जन/भोपाल/4863:——मतः, मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

नायकर निधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही), की भारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का भारण है कि स्थावर सम्मति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं ० मकान नं ० 68 का ग्राधा भाग है, तथा जो बरखेड़ो, भोपाल में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, भोपाल में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख नवस्बर, 1983

को प्रवेकित सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मृभ्ते यह जिल्लास करने का कारण है कि प्रधापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरका) और अंतरिता (अंतरितिया) के भीच एसे अंतरण कि लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्निलिसित उद्देश्य से उक्त अंतरण निम्ति में वास्तिक रूप से किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण हे हुई किसी बाद की बावत, उस्त अधिनियम के अधीन कार दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तियों को चिन्हें भारतीय आवकर जिधिनयम, 1922 (1922 को 11) या उन्ते जिधिनयम, या धन-कर जीधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्वाय प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री जोन केनियु विलसन पुत्र श्री उमेदो विलसन, निवासी—बरखेड़ा, भोपाल।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती वर्गन कौर पत्नीं, श्री हरनाथ सिंह, निवासी-बरखेड़ी, भोपाल।

(श्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुँ।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कांई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना क़र्तें तामील से 30 दिन की अविधि, जां भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति त्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिष्य म 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पित्त में ित्रबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिवृस्ताक्षरी व पान लिखित में किए जा सकीगें।

स्पद्धीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दां और पदी का, ज उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया भया है।

#### मन्त्रकी

मकान मं० 68 का आधा भाग, बरखेड़ी, भोपाल में स्थित है।

> बोरेन्द्र कुमार वरतवाल सक्षम प्राविकारो सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निराक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोजाल

तारी**ख**: 3-7-1984.

प्रकृप बार्ष , ही पुन , एस ,-----

आधकर मिपिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के ब्रामीन सूचना

भारत सरकार

# कार्यासन्, बहानक नायकर नाव्यत (रिनरीक्रण)

श्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 4 जुलाई 1984

निद्धेंश मं० श्राई० ए० सी०/प्रर्जन/भोपालः—-प्रतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० फ्लेट नं० 5 है, तथा जो साईनाथ स्रपार्टमेंट 4, कैलाण पार्क कालोनी, इंदौर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध स्रनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय, इंदौर में रिजिस्ट्रीकरण स्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, तारीख नवस्वर, 1983

को पृत्रों कत सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य. उसके दश्यमान प्रतिफल भे, एमे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिषत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती 'संतरितियों') के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्षत अन्तरण लिखित में वास्तिवक कप से कथिस नहीं किया गया है:--

- (क्क) जन्तरण से हुइ जिसी नाथ की वावता, वक्छ अधिनियंग के अभीत कर दोने के बन्तरक के बाग्रिस्थ में कमी करने या उससे अवने में स्विधा के श्रिष्ट; सार/वा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य क्षास्तियां की जिन्हों भारतीय आय-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 1!) या अक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था छिपाने भें स्विधा के लिए;

अतः अयः, उक्त अधिनियम की धारा 269-। के अनूसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269- व की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिकित व्यक्तिस्थाँ, अर्थात् :--- (1) मेससं साईनाथ श्रपार्टमेंट तरफे आम, मु० प्रेमचन्द मन्मालाल जैन, निवासी—एम० जी० रोड इंदौर।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री श्रब्दुल हनीफ खान पिता, श्री ए० एम० खान, निवासी-श्रोल्ड पलासिया, इंदौर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथाकत सम्परित के अर्थन के किए कार्यवाहियां करता हुए।

जक्त संपरित के अर्थन के सबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामीन से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हों, के भीतर प्रविक्त स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौका, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के में गीरभाषित है, वहीं वर्ध होगा जो उस अध्याय में दिए। वसाहै।

# अनुस्ची

फ्लैट नं ० 5, साईनाथ ग्रपार्टमेंट 4, कैलाण पार्क कालोनी इंदौर में स्थित है ।

> वीरेन्द्र कुमार बरनत्राल, सक्षम प्राधिकारी निरीक्षी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त, श्रर्नेस रेंज, भोपाल

तारोख : 4-7-1984.

प्ररूप. बाइं. टी. एन्. एस. -----

वायकर व्यक्तियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के व्यक्ति सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण)

श्रर्जन क्षेत्र, भोपाल भोपाल, दिनांक 4 जुलाई 1984

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/4865:—ग्रतः म्मे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित श्रुजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 6 (चौधी मंजिल) है, तथा जो 4, कैलाश पार्क, कालोनी, इंदौर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध धनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणत है), रजिस्ट्रीकर्ना श्रिधिकारी के कार्यालय, इंदौर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधितियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख नवस्वर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त मम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, ऐसे ध्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत में अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में अभी करने या उससे अखने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना नाहिए था छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिखित व्यथितयों, अर्थात :--

(1) मेसर्स साईनाय श्रपार्टमेंट तरफे श्राम, मु० प्रेमचन्द मन्नालाल, निवासी~46, एम० जी० रोड़, इंदौर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती रंजना देवेन्द्र फटुपुरकर, निवासी--4, कैलाश पार्क, बतलोनी, इंदौर ।

(भ्रन्तरिती)

को ग्रह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी जाकोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्यारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंत- अव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा नकोंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

फ्लैट नंबर 6 (चौथी मंजिल) 4, कैलाश पार्क कालोनी, इंबौर में स्थित है।

वीरेन्द्र कुमार बरनवाल, सक्षम प्राधिकारी, निरीक्षी सहायक श्रायकर श्रायुक्त, श्रर्जन रेंज, भोपाल ।

नारीखं: 4-7-1984.

प्ररूप बाइ .टी.एन.एंस : ------

भाधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्चाना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 4 जुलाई, 1984

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/श्रर्जन/भोपाल/4866:—-ग्रतः मुझे, बोरेन्द्र कुमार बरनवाल,

वायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 6 (तीसरी मंजिल) है, तथा जो साई-नाथ ग्रपार्टमेंट. 4 कैलाग पार्क कालोनी, इंदौर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रोकर्ता ग्राधकारी के कार्यालय, इंदौर में रिजस्ट्रोकरण ग्राधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रयीन, तारीख नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बार्जीर मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्बत में वाम्यधिक रूप में कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तर्ण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्थ में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :---

(1) मैसर्स साईनाथ ग्रपार्टमेंट तरफे ग्राम, म० प्रेमचस्द पिता मन्नालाल, 4/6, एम० जी० रोड, इंदौर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती शान्ताबेन पांत, श्री कान्तीलाल जैन, 4, कैलाश पार्क कालोनी, इंदौर।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हूं

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सृचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वार;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मों किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ-होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

# नन्स्थी

फ्लेट नंबर 6 (तीसरी मंजिल), साईनाथ श्रपार्टमेंट, 4 कैलाश पार्क कालोनी, इंदौर में स्थित है।

> वीरेन्द्र कुमार वरनवाल, सक्षम प्राधिकारी, निरीक्षीसहायक भ्रायकर ग्रायुक्त, श्रर्जन रेंज, भोपाल।

तारीख: 4-7-1984.

प्रस्थ साई . ८३ एन एस . ....

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (१) के अभीन सुचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीज्ञण) श्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 4 जुलाई 1984

निर्देण सं० श्राई० ए० सी०/श्रजंन/भोपाल/4867:——श्रतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमिं इसके पदचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 6 (तीसरी मंजिल) है, तथा जो साईनाथ श्रपार्टमेंट, 4 कैलाश पार्क कालोनी, इंदौर में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रोकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, इंदौर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख नवस्बर, 1983

का पृषां करा संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्परित का उचित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफाल से, एसे दश्यमान प्रतिफाल का पंद्रह प्रतिशाल से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितिया) के बीच एसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रति-फाल निम्निलिखत उद्वेदेय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप में कथिन नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण सं हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक कें दायित्स में कमी करने या उससे अधने में सुविधा कें किए; बार/बा
- (क) एंसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, गः धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों अर्थात् ध-  मेसर्स साईनाथ श्रपार्टमेंट, तरफे आम मु० प्रेमचन्द मन्तालाल ।
 कैलाण पार्क कालोनो, इंदौर,

(भ्रन्तरक)

(2) स्त्री छबीलदास भोगी। लाल शाह, 4, कैलाश पार्क, इंदौर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन को लिए कार्यवाहिया गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर भूचना की तामीस से 30 दिन की अविध , में भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी ब्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विस्क गया हैं।

#### अन्सूची

फ्लैट नम्बरं 6 (तीसरी मंजिल) साईनाथ ग्रपार्टमेंट, 4 कैलाश पार्क कालोनी, इंदौर में स्थित है।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल, सक्षम प्राधिकारी, निरीक्षी सहायक श्रायकर श्रायुक्त, श्रर्जन रेंज, भोपाल।

ता**रीख**: 4-7-1984.

मोहरः

प्रह्म आहू<sup>र</sup>. टी. एन. एस. - - - ----

शायकर श्रिप्तियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रजंन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 4 जुलाई 1984

निर्देश सं ० ग्राई० ए० सी ०/ग्रर्जन/भोपाल/ 4868:—--ग्रतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं ० फ्लेट मं ० 2 (तीसरी मंजिल) है, तथा जो साईनाथ ं भ्राप्तार्टमेंट, 4 कैलाण पार्क कालोनी, इंदौर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीध-कारी के कार्यालय, इंदौर में रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ध्रयमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भृत्य, असके ध्रयमान प्रतिफल से, ऐसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त बन्तरण जिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुई किसी काय की बाबत, उक्त अधिनियम के बधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसे किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिये;

बतः बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निग्नलिखित व्यक्तियों, अधील:— (1) गेमर्स साईनाथ श्रपार्टमेंट तरफे ग्राम, मु० प्रेमचन्द िता मन्नालालजी, निवासी-4/6, एम० जी० रोड, इंदौर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री श्रनिस पिता कृष्णराव जोशी, यूनियन बैंक श्राफ इंडिया, निवासी-सियागंज, इंदौर ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त् सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्याकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

फ्लैंट नं ० 2 (तीसरी मंजिल), साईनाथ ग्रपार्टमेंट, 4 कैलाश पार्क कालोनी, इंबीर में स्थित है ।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल, सक्षम प्राधिकारी, निरोक्षी सहायक ग्रायकर ग्रायक्त, ग्रजैन रेंज, भोपाल।

तारीख: 4-7-1984.

मोहर ८

# REST MIST COLUMN TO THE PROPERTY OF

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन मृजना

#### HITE STREET

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 4 जुलाई 1984

निर्वेश सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/4869:—-ग्रतः मुभे, वीरेन्द्र क्कुमार बरनवाल,

भागकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें दशके परवात् जिनत अभिनियम् कहा पना ही, की भारा 269-क के अभीन तक्षम प्राप्तिकारों को वह विकास अपने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उपित बाजार मृस्य 25,000/- का से अभिक है

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 2 (द्वितीय मंजिल), है तथा जो साईनाथ अपार्टमेंट, कैलाण पार्क कालोनी, इंदौर में स्थित है (ग्रौर उपसे उपाबड अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय, इंदौर रिजस्ट्रीकरण ग्रीप्रनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख नवस्वर, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से काम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से, ऐसे रश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नितिखित उद्देष्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिविक रूप से कि थित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरक ने हुई कियी जान की वाबत, उनक अधिनिधन के वर्धन कर दोने के अन्तरक ने दावित्व में कभी करने या उन्नने वचने में सुविधा में सिए; मौर/मा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी थन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुनिधा के लिए:

बतः अव, उक्त अभिनियम की भारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उक्त अभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिख्त व्यक्तियों, अभित् ्—
21.—176 GI|84

(1) मैसर्स साईनाथ श्रपार्टमेंट तरफे धाम, मु० श्रेमभन्द मन्तालाल, 4/6, एम० जी० रोड, हंदौर।

(अन्तरक)

(1) श्री के० श्रीनिवासन, पिता श्री कृष्णमूर्ति, यूनियन वैंक श्राफ इंडिया, 4, कैलाश पार्क, कालोनी, इंदौर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना बादी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के ट्रिस् कार्यवाहियों करता हुं।

उक्त सम्पन्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की वर्वीस, को भी जन्मि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तियों;
- (क) इस स्वना के राजपण में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में डिसबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिकित में किए वा तकींगे।

स्पच्छीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया वा

#### अभस्यो

पर्लैट नंबर 2 (दिलाय मजिल), साईनाथ अवार्टमेंट, 4 कैलाश पार्क कालोनी, इंदौर में स्थित है।

> त्रीरेन्द्र कुमार बरनवाल, सक्षम प्राधिकारी, निरोक्षा सहायक श्रायकर भ्रायुक्त, ग्रर्जन रेंज, भोपास ।

तारीय : 4-7-1984.

मोहर 🤊

प्ररूपः बादः टी. एत्. एस्. - - - -

कायकर ऑफिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 4 जुलाई, 1984

निर्वेश सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/4870:—ग्रतः मझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

नायकर निधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परिचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा १६९-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसको सं० फ्लैट नंबर 1 (तीसरी मंजिल) है, तथा जो साईनाथ ग्रपार्टमेंट 4, कैलाश पार्क कालोनी, इंबीर में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रोकंर्ता ग्रधिकारों के कार्यालय, इंबीर में रजिस्ट्रोकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रयोन, तारीख नवबम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के खब्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मफें, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके खब्यमान प्रतिफल से, ऐसे खब्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकार) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त उन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी साथ की बाबत, उजत वर्षिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के निए; बीट्/था
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना पाहिए था. छिपाने में मुरियम औं सिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, को, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) इ. सधीतः, निस्तिसिक व्यक्तियों, सर्वात् ः— (1) मेसर्स साईनाथ भ्रपार्टमेंट तरफे आम, मु० प्रेमचन्द मन्तालाल, 4/6, एम० जी० रोड, इंदौर।

(ग्रन्सरक)

(2) श्री सुदर्शन कुमार शिरोमणि जैन, निवासी--4, कैलाश पार्क कालोनी, इंदौर।

(भ्रन्तरिती)

भौ यह सूचना चारी करकें पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्धन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्परित के वर्णन के सम्बन्ध में कोड़ भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस ते 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी सवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वाम के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्यक्तिकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं , वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### arrest.

,फ्लैट मंबर 1 (तीसरी मंजिल); साईनाथ भ्रपार्टपर्मेट, 4 कैंलाश पार्क कालोनी, इंदौर में स्थित है।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल, सक्षम प्राधिकारी, निरोक्ती सहायक झायकर भ्रायुक्त, श्रर्जन रेंज, भोपाल ।

तारीख: 4-7-1984.

प्ररूप आहाँ, टी. एन. एस., ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सुचना

#### बाइव बर्डाह

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्धाक्षण)

श्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, विनांक 26 जून, 1984

🛮 मुझे, बीरेन्द्र कुमार बरनवाल;

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्मित्त, जिसका उचित् बाजार मुख्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० म० नं० 75, वार्ड नं० 18 है, तथा जो सुभाषगंज, ग्रगोकनगर में स्थित र (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रगोकनगर में रजिस्द्वकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख नवम्बर, 1983

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उनित बाजार मृस्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उनित बाजार मृल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल का पंत्र ह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उस्त अन्तरण दिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियन के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; लॉक/बा
- (क) एसी किसी बाय या भन या अन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्त्रिरती स्वारा प्रकट गहीं किया गुवा या वा किया जाना आहिए जा, जिनाने में सुनुष्य के लिए;

सतः अव, उनत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उनत अधिनियम की धारा 269-ग की अपभादा (1) के अधीन, निम्निकिश्चित अधिनुत्यों। अर्थात् ह (1) श्री नारायणवास पिता पिता वरबाईलाल कालरा, निवासी—सुभाषगंज, श्रणोकनगर।

(भन्तरक)

(2) श्री जगन्नाथ पुन्न मंगलजीत 2. श्री शिवदयाल पिता जगन्नाथ सोनी, निवासी—मोल्ड बाजार, ग्रशोकनगर, जिला गुना०।

(भ्रन्तरिती)

का यह स्थमा चारी करके पृत्रांभित बम्पित के वर्षन के जिल् कार्यवाहियां करता हुं।

उनत संपरित के मर्जन के संबंध में काई भी बाक्षेप क्र-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 फिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की व्यक्तियों भो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्युक्तीक रणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और वदों का, को अवद अधिनियम, के अध्याद 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याप में विया स्या हैं:

# अनुसूची

एक किला मकान नंबर 75, श्रोल्ड वार्ड नं० 3, नया नं० 18, सुभाषगंज, श्रशोक नगर में स्थित हैं।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्तनि निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल)

तारीख: 26-6-1984

मोहर 🖫

# मक्त कार्रा हो सुरु पुत्र-----

शायकर श्रीभृतियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीत सुचना

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 26 जून 1984

निवंश संब्याई०ए०सी०/म्रर्जन/भोपाल/4739—-म्रतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चास् 'उन्तर अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह जिश्शास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मूल्य 25,000/- रूठ. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या दुर्माजिला मकान, वार्ड नं० 3, नया वार्ड है, तथा जो कस्बा अशोकनगर में स्थित हैं (भौर इससे उपाबड़ अनुसूची में ग्रीर पूर्ण के रूप से विणित है) रिजस्ट्री-कं क्षी अधिकारी के कार्यालय, श्रशोकनगर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, नवम्बर 1983

को पूर्विक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान वितिष्ठ के लिए जन्तरित की पद्दे हैं और मुझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,, उसके दृश्यमान प्रतिष्ठल से एसे दृश्यमान प्रतिष्ठल का प्रन्तह प्रतिश्वत से अधिक हैं और अन्तरिक (अन्तर्कों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिष्ठल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्थ- विक रूप से कथित नहीं किया गया है :~

- (क) बन्तरूप चंड्राइं किसी बाय की गायस, सम्बद्ध विधिनवन के बचीन कर दोने के अन्तरक के राजित्व में क्रमी कड़ने या सबसे मुख्ने में स्विधा के बिद्ध: श्रीष्ट/ना
- (व) एसी किसी बाब वा किसी बन वा बन्य आस्तियों को, विन्हें भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, वा अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या विज्ञा जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए

(1) श्री वरयाईलाल कालरा पिता रामचन्द्र , निवासी---सुभाषगंज, कस्या भ्राभोकनगर, जिला गुना।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री शिवदयाल पिता जगन्नाय, निवासी—पुराना बाजार, तहसील श्रणोकनगर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन् के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्बन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ए---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की जन्मिया तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जन्मि, को भी जबिंध वाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच हैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिला बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

क्ष्यक्रिक्च रणः ----इसमें प्रयुक्त क्ष्यों कीर पदों का, जो जल्ल विधिनियम, के क्ष्याय 20-के में प्रिभाविद ही, वहीं कुर्य होगा जो उस अध्योग में दिया च्या ही।

## यम्स्पी

दुर्मजिला मकान, श्रील्ड वार्ड नं० 3, नया वार्ड नंबर 18, मकान नंबर 75, कस्बा श्रशोक नगर में स्थित हैं।

> वीरेन्द्र कुमार जरनशाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रैंज, भोपाल

कतः सम, उनत अधिनियम की भाषा 269-म के अनुसरक मों, मी, उनत अधिनियम की भारा 269-म उपभारा (1) के अधीन, निम्नितिस्तर व्यक्तियों, असीत् ह——

तारीख: 26-6-1984

प्रकप काइ. टी. एन. एस.,------

नायकरं निधित्यम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के नधीन सुचना

#### ब्रार्व सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 26 जून 1984

निदेश संब्याई॰ए॰सी॰/ग्रर्जन/भोवाल--4740ग्रतः मुझे, वीन्रंद्र कुमार बरनवाल,

नामकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकार जिसे अधिनियम कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूस्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या दुर्मजिला मकान नं० 75, वार्ड नं० 18 (ग्रोल्ड) श्रीर नं० 3 (नया) है, तथा जो वस स्टेन्ड के पास, श्रशोकनगर में स्थित हैं (श्रीर इससे उपबद्ध ग्रनुसूचों में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रोकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रशोकनगर में रिजस्ट्रोकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ख्रयमान प्रतिफल से, ऐसे ख्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रदिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गण्य प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण लिखित में बास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाब की बाबत उक्त बधि-नियम को बधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने था उससे बधने में सुविधा के सिए; बौद/वा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हुं भारतीय आय कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के सिद्;

वृतः। वदः, उक्तः विधित्तियमं की भारा 269-गं की वन्सर्गं मों, मीं, उक्त विधितियमं की भारा 269-व की उपभारा (1)

के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री प्रीतमदास पिता दरयाईलाल कालरा, निवासी—सुभाषगंज, कस्बा प्रणोकनगर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री जगन्नाथ पिता मंगलजीत सोनी, निवासी—-पुराना बाजार, श्रगोकनगर, जिला गुना०।

(यन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यगाहियां करता हुं।

## जबत सम्पत्ति को कर्णन को सम्बन्ध में कोई भी गाओप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकोंगे।

#### वर्ज्य

दुर्मजिला मकान नंबर 75, वार्न नं० 18 (श्रोल्ड) थार्ड नं० 3 (नया), श्रशोकनगर बस स्टेम्ड के पास स्थित हैं।

> वीरेन्द्र कुमार बरन**ग**ल सक्षम प्राधिकारी (निर्राक्षी) सहायक श्रायकर श्रायुक्त **ग्र**र्जन रेंज, भोपास

सारीया: 26-6-1984

# मुक्त बाद<sup>4</sup>्टों युन् पुक्<sub>र</sub>---------

भागकर भिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के सभीन सुवना

#### भारत सर्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 26 जून, 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/4765:—अतः मुझे वीरेन्द्र कुमार बरनवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारों को वह विष्णास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिल्हा बिज़त बाजार मूस्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० म० नं० 929/930-ए है, तथा जो कमला नेहर नगर, जबलपुर में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जबलपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1983

को पूर्वेकित संपर्तित के अचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके उद्यमान प्रतिफल से एसे उद्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देशों से उक्त अन्तरण जिलित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी आम की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; आहि/या
- (क) एसी किसी आयं या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया भया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुर्विया से सिए;

श्रतक्ष अव, उक्त विधिनियम की भारा 269-म के अनुसरण मों, मों, उक्त विधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1)} के वभीन, निम्निलिसिस व्यक्तियों अर्थात् धु—-

- (1) 1 श्रीमती प्रेमा वर्मा पत्नी ज्ञानचन्द्र वर्मा,
  2 श्रीमती इंदु वर्मा पुत्नी ज्ञानचन्द्र वर्मा,
  3 श्रीमती डा० नीरा गुप्ता,
  - उ श्रामता कार नारा गुप्ता, पत्मी भार स्त्री नगुप्ता, सभी मिवासी - 930, क्यला नेहर नगर, जवलपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री मदन कुमार सोनी, पिता स्व॰ श्री हरवयालप्रसाद सोनी, निवासी-931/2, कमला नेहरु नगर, जबलपुर।

(अन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वोक्ष्य संपरित, के सर्वन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेपः --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, से भीतर पूर्वेक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस स्थाना के राजपत्र में अकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--६समें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्कर अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

# अनुसूची

मकान नं॰ 929/930-ए॰, कमला नेहरु नगर, जबलपुर में स्थित है।

> वीरेंन्द्र कुमार बरनवाल, सक्षम प्राधिकारी (निरीक्षी) सहायक आयकर आयुक्त, अर्जन रेंज, भोपाल) ।

तारीख: 26-8-1984

मोहर 🛭

प्ररूप आर्थे.टी.एन्.एस ुनन्तरनननन

भायकर मिथिनियम,, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-मु (1) के अभीन सूचना

#### भारत चरकार

कार्यालय, अहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 26 जून 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/4768:——अतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार वरनवाल,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० दुकान नं० 7, 8, 9, ख० नं० 19/1/2/2 है, तथा जो बैरागढ़, भोपाल में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिदृशी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नवम्बर, 1983

को प्रबंक्त सम्पत्ति के उपित भाषार मृत्य में कम के दृश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिद्यात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निल्खित उद्वेष्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :——

- (क) बन्तरण से धुट्ट किसी नाम की नानत्, उनका विभिन्नम के अभीन कर दोने के जन्तरक के बामित्व में कमी करने या उससे सचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (क) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती च्चारा प्रकट नहीं किया गया था विक्या जाना चाहिए था, जिपाने में स्विधा के लिए।

(1) श्री अमतेश्वर आनंद, पत्नी स्व० कर्नेल टी० एस० आनंद, निवासी→154, जोर बाग, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती कमला गोयल परनी श्री एस० एन० गोयल, निवासी-भोपाल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पृति के अर्थन के निष् कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस बुच्या के राजपूत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पृष्ट सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारः
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकोंगे।

स्यब्दीकरण :--- इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में ट्विया गया है।

# प्रवृत्त्वी

दुक्ताम मं० 7, 8, 9, ख॰ नं॰ 19/1/2/2, बैरागढ़ भोपास में स्थित है।

> वीरेंग्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, भोपाल ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखिस व्यक्तियों, अर्थात्≟—

तारीख: 26-6-1984

मोहरु

प्ररूप नार्च.टी.एन.एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल भोपाल, दिनांक 26 जून, 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/4776:—अतः मुझें, बीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) '(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रोर जिसकी सं० खुला प्लाट है, तथा जो कोठी बाजार, निगम कालोनी, बाँड नं० 13, होशंगाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बाँणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, होशंगाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1983

को पूर्वों कर सम्पत्ति के उचित बाजार मृख्य से कम के पर्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मृद्धे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कर संपरित का उचित बाजार मृज्य, उसके पर्यमान प्रतिफल से एसे ध्रम्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रति-फल, निम्निस्थित उद्देष्य में उच्त बन्तरण सिन्ति में लास्तिबक क्य से अधिक नहीं किया गया है :---

- (कां) अन्तरण से हुद्दं किंसी जाय की बाबत, उक्त जीभिनियम के अभीन कर देने के अन्तर्क के वायित्य में कमी करने या उत्तरे वचने में सुविभा जे किए; बाँद/बा
- (स) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तियों की जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के सिए।

जतः अंग, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1.) के अधीन, निम्नस्थित व्यक्तियों, अधीत् ढ़— (1) श्री कर्नल जगवीश प्रसाद निगम बल्द श्री हरप्रसाद निगम, 2 मु० नानकी देवी पत्नी श्री हरप्रसाद निगम खुद व मु० आम०। शरद कुमार निगम, 2 प्रकाश कुमार निगम वलद श्री हरप्रसाद निगम दोनों निवासी कोठी वाजार, होशंगाबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री तपन ना० बा० वस्त श्री सुरेणचंद बली, दादा हीरालास वल्त हरसुख मेहरा, निवासी-वम्हनगांव कलां, जिला होशंगाबाद।

(अम्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पर्वोक्त संपर्तित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हों।

उक्त सम्परित के प्रजीन के सम्बन्ध भी कोई भी आक्षेप :---

- (कां) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविध या तरसंबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जारें भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहम्ताक्षरी के पास निक्षित में किए जा सकोंगे।

स्पन्दीकरणः — इसमें प्रयुक्त खब्बों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या हैं।

#### असल जी

खुला प्लाट, शीट नं० 54, कोठी बाजार निगम कासोनी बार्ड नं० 13 होशंगाबाद में स्थित हैं। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण अन्तरिती द्वारा सस्यापित फार्म नंबर 37 जी में निहित्त हैं।

> बिरिन्द्र कुमार बरनवाल ूंसक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेज, कोपाल।

तारीख: 26-6-1984

मांहर 🛭

# प्रकथ बाइ .टी. एन. एस. ------

भारा 269-प (1) के अभीन स्पना

#### मारत बरकार

# कार्यालय, सहायक भारकर नामुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 26 जून 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/4777:---अतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

नायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भार 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार म्ल्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० भूमि ख० नं० 94/2, परिवर्तित की लाइन नं० 4 के प्लाट नं० 4, 5, 6, 67 है, तथा जो मीजा महरागांव जिला होशंगाबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, होशंगाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं हैं और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकृत से अधिक है और जंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए त्य पाया गवा प्रतिफल निम्नलिचित उद्योग्य से उक्त जन्तरण निचित में वास्तविक क्य से किथा नहीं किया गवा है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त जिथिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; बॉर/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उत्तर अधिनियम, वा धन-कार अधिनियम, वा धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना काहिए था. क्रियाने में हा विश्वा के लिए;

जत: शव, उक्त जीविनियम की भारा 269-ग के अमृतरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीर, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--22—176 GI|84

 श्री गयाप्रसाद वस्द मूलचंद बा०, खुद मु० खास भाई गनपसलाल वल्द मूलचंद, निवासी-गोदिया, जिला भंडारा।

(अन्तरक)

(1) श्री महेशचंद बल्द जमनाप्रसाद गुप्ता, निवासी—पुरानी इटारसी, जिला होगंगाबाद।

(अन्तरक)

# कार्यवाहियां करता हूं।

# अन्त संपत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींस से 45 दिन की अविधि या त्रसंबंधी व्यक्तियों पर क्चना की दासील से 30 दिन की अविधि, को भी विधि बाद में तमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (क) इस सूचना के ताजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास किसित में किए जा सकति।

रमक्कीकरण: ----इसमें प्रयुक्त सन्धी बीर पर्दों का, जो जनत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होना को उस अध्याय में दिया।

#### जन्सूची

भूमि ख॰ पं॰ 94/2, परिवर्तित की लाइम नं० 4 के प्लाट नं० 4, 5, 6, 7, मौजा महंरागांव जिला होशंगाबाद में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण अन्तरिती द्वारा सस्यापित फार्म नंबर 37 जी में निहित्त है।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल, सक्षम प्राधिकारी, निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त, अर्जन रेंज, भोपाल।

तारीख: 26-6-1984

शोहर:

# प्रक्य आहें. दी. एन. एस.,-----

नायकर **अभिनियम,** 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) को अभीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय,, सहायक जायकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 26 जून 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/4778:—अतः भृष्कौ, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित साजार मृत्य 25.000/- रा. में अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 65 है, तथा जो डी० सेक्टर कोह फिजा, भोपाल में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीरं पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्याक्षय, भोपाल में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवस्बर, 1983

करे पर्योक्षत संपत्ति के लिखा बाजार मृज्य सं कस के इत्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और एके यह विश्वास कारने का कारण है कि यथापत्रीक्त सम्पत्ति का उष्टित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितिगाँ) के बीच एमे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में यान्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के राधित्य में कमी करने या उसने यक्ते में मृतिधा के 'चए; और /्या ·
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी पन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हें भारतीय जायकर जीधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रकारित हवाया एकार नहीं विज्ञा गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

जतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण भी, भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) को अधीन, निस्त्रीलिखत व्यक्तियों, अर्थान :---- (1) श्री मनोहर आधी पिता बखतराग, निवासी-कोतवाली रोड, भोपाल।

(अन्तरक)

- (2) श्री जमालाउद्दीन पिता नसीरुद्दीन, निवासी-मजिद येलवाली गली नं० 6, भोपाल।
- श्रीमती नूर जहां पत्नी एच० ए० खान, निवासी--- बुधवारा, भोपाल।

(अन्तरिती)

को यह सुचना चारी करके पूर्वोक्त संपर्तिः के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता मुं;

उक्त संपत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षोप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधिया तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी ब्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपित्त में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकांगे।

स्वन्दीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों बरि पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

#### **मन्सची**

प्लाट नंबर 75, डी ० सेक्टर, कोहें फिजा, भोपाल में स्थित है।

वीरेन्द्र कुमार बरनवाल, सक्षम प्राधिकारी, निरीक्षी शहायक आयक्तर आयुक्त, अर्शन रेंज, भोपाल ।

तारीख: 26-6-1984

प्रस्प बार्ड . टी . एन . एस . - - 🗷 🗠 ---

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, विनांक 26 जून 1984

निर्देश स० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/4779:—अतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित् वाजार मूस्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रौर जिसकी स० प्लाट न० 53, है तथा जो डी० सेक्टर, कोहेफिजा, भोपाल में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भोपाल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवस्थर, 1983

को प्रविक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल के पेन्नह प्रतिकात से अधिक हैं और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्योग्य से उक्त अन्तरण लिखित में नास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसे किसी जाय या किसी भन या जन्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती व्यास प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शिहए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की भाग 269-ग के जनसरण में, में. उक्त अधिनियम की भाग 269-च की उपभाग (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री दीपक सूद पुन्न, श्री आर० डी० सूद, निवासी-नूरमहल, भोपाल।

(अःतरक)

(2) श्री रिवदत्त द पुत्र, श्री रामनाथ सूद, सी० एस० पी०, उण्जैन, ।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां कारता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क), इस सूचना के राजपत्र में प्रकशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पूर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्भ किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास ति बित में किए जा सकी

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो जस अध्याय में दिया गया हैं।

## वन्सची

प्लाट न॰ 53, डी॰ सेक्टर, कोहेफिजा, भोपाल में स्थित है।

वीरेन्द्र कुमार बरनवाल, सक्षम प्राधिकारी, निरीक्षी सहायक आयकर कायुम्स, अर्जन रेंज, भोपाल।

तारीख: 26-6-1984

मोहर ः

प्रकृष् नार्षं . टी. एन . एस . ------

**बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43)** की . भारा 269-व (1) के **बभी**न सूचना

#### भारत सरकार

कार्यासय, सहायक नायकार नायुक्त (निरीक्षण)

अजँन क्षेत्र, भोपाल

भीपाल, दिनांक 26 जून 1984

निर्देश स० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/4691:---अतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवास,

बायकार विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्यात् 'उक्त विभिनयम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने जा कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित भाजार मूल्य 25,000/- रा. से विधिक हैं

ग्रीर जिसकी स॰ पुराना मकान नबर 652 का भाग है, सथा जो नेपियर टाउन, जबलपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्याक्रय, दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, सारीख नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पामा गमा प्रतिफल, निम्निलिखित उद्दोष्य से उक्त अन्तरण लिखित में मास्तियक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी नाय की बाबस, उक्त बिधिनियम के अधीन कर दोने के बंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के जिए; और/या
- (क) ऐसी किसी नाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आवकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सविधा के किए;

क्लः अव, उक्त नीर्धीन्वम की भारा 269-न के अवृत्रस्य में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपजारा (1) में सधीन, निम्नलिखित स्युक्तियों, अर्थात ४(1) श्री जी ० डी ० भास्कर, निवासी – ईश्वरनगर, नयी विल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री रमेश मिनोचा, निवासी--798, महासाल, अबलपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना कारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सवाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इतारा;
- (त) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हितबबुध किसी अन्य व्यक्ति वृवारा, अधोहस्ताकारी के पास सिवित में किये जा सकींगे।

स्वक्तीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिम्हीनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित एँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया मृद्या है।

# वन्स्ची

पुरामा मकान नवर 652 का भाग, नेपियर टाउन, अबलपुर में स्थित है।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल, सक्षम प्राधिकारी, निरीक्षो सहायक आयकर आयुक्त, अर्जन रेंज, भोपाल।

तारीख: 26-6-1984

शक्य बाह<sup>ै</sup> टी. एन. एस., -----

नामकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-प्र (1) के नभीन सुचना

#### मारत त्रकार

# कार्यात्रय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्दाक्षण)

अर्जन रेज भोपाल

भोपाम, विनांक 26 जून 1984

निर्वेश सं० आई० ए०, सी०/अर्जन भोपाल 4793—अतः मुझे विक्ति कुमार बरनवाल

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रभात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की भाष 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उणित बाजार मूस्य 25,000/- रा. से अधिक है

स्रीर जिसकी संस्या मकान नंबर 222-95, प्लाट नंबर 146 पर है, तथा जो इंदौर विकास प्राधिकरण स्कीम क्रमांक 31, इंदौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित है) रिजर्ट्राकर्ता अधिकारी के कार्यालय इंदौर में रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिसम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के सीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से उद्देश्य से उकत जन्तरण सिवित में बास्त्विक क्या से कावित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुन्दै किसीं जायुकी वावस, अक्स मीधीनयज्ञ से अधीन कार दोने के अन्तरक के बाक्तियाँ कनी करने या उन्नते क्यने में सुविधा के जिए; श्रीद्र/या
- (वा) एंती किसी नाय या किसी धन या नन्य जास्तियों को, चिन्हें भारतीय जाय-कर कींधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए छा, छिपाने में सुनिधा व विषय:

लतः अस, उत्तर अभिनियम कौ भारा 269-न कै अनुसरक मूँ, मैं, उक्त अभिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थीत् :——

(1) श्रीमती कमला दुबे पस्तीश्रीपी० एस० दुबे निवासी-23, पलसीकर कालोनी, इन्दौर

(अन्तरक)

(2) श्रो जयन्तीदेवी पत्नी राधेश्याम गुप्ता निवासी-123, स्नेहनगर, इंदौर

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं!

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप है-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्स्वंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जरे भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित द्वारा;
- (व) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश वे 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्वत्ति में हितबवृष किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए आ सकोंगे।

स्यव्यक्तिरणः - इसमें प्रयुक्त छव्दों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित ही, नहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विवा गया ही।

## नगुसूची

मकान नंबर 222-95, प्लाटनम्बर 146 पर बना हुआ। बंदोर विकास प्राधिकरण स्कीम क्रमांक 31. इंदौर में स्थित है।

> र्वारेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक घायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 26-6-1984

## प्रकृप बार्ड. टी. एन. एस. ------

आयकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के प्रधीन सूचना

#### आरब चर्चार

# कार्यात्रय, सहायक आयकर आयुक्त (निद्रीक्षण) अर्जन रोंज II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 29 जून, 1984

निदेश ूसं० 190/नं० रेंज 2---अतः मूझे, श्रीमती प्रेम मालिनी वासन

भायकर प्रक्रितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रिवित्यम' कहा गया है), की बारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृक्य 25,000/-६० से ग्राधिक है

श्मीर जिसकी सं० 14, सी० ए० टी० नगर टी० एस० नं० 12, ब्लॉक सं० 13, पत्र सं० 32163/83 है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सदापेट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16 के अधीन नवस्वर 1983

का पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दिवसान शितफल के लिए अन्तरिस की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार कृत्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से, एसे द्वयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में नास्तिक कुप से किथत नहीं किया गया है हिन्स

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कड़ दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; औड़/या
- (क) एसी किसी भाग या किसी पन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, डिप्पाने में सुविधा को हिलए;

भतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण के, की, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उप-धारा (1) की अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत् हि—

(1) श्री पी० सी० मारटिन वी-80, अन्नानगर, मद्रास।

(अन्तरक)

(2) श्री एम॰ संतनाम और दूसरे 148 पमंजलम स्ट्रीट मयूरम तांजुर डिस्ट्रिक्ट

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्धे में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच र्ड 45 दिन की भविध या तरसम्बन्धी क्यक्तियः पर सूचना की नामील से 30 दिन की भविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति कारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकासन की तारीख से 45 दिन के भीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में हितबब किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वक्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रशार 20-कर्में परिभाषित हैं वहीं प्रथं दोगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अन<u>ुस</u>्थी

भुमि और मकान—ण्लाट नं० 14, सी० ए० टी नगर, टी० एस० नं० 12, ब्लॉक नं० 13, (पत्र सं० 3263/83)

> प्रेम मालिनी बासन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, मद्रास।

तारीख: 29-6-1984

मोहर 🛭

प्ररूप बाह<sup>\*</sup>. दी. एन. एस. - - -

**बायकर सिंधनियम**, 1961 (1961 का 43) की थारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 29 जुन, 1984

निवेश सं० 162/नवम्बर/12-2--अतः मृझे । श्रीमर्ता प्रेम मालिनी धासन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित याजार म्ला 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी प्लाट सं० 68, ब्लॉक सं० 6, एम० ए० जिल प्लौट इन्दिरानगर, अडयार है, जो मद्रास-20 में स्थित है (और इससे उपाबड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मद्रास उत्तर जे० एस० आर० 2 में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नवस्वर 1983

को पूर्वोक्स संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विद्वास करणे का कारण है कि यथाप्वोंक्स सम्पत्सि का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उसत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से वाधित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त विधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/मा
- (क) एसी किसी बाय या किसी यन या प्रत्य पास्तियों की, जिन्हों नारतीय आग-कर अधिनियम, 1902 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना दाहिए था किया है सिया स्विध के लिए;

 अस: अस, उक्ष्म अभिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की बारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन. भिम्मिसिश्रत स्पियस्पर्टें, अधीत :-- (1) श्री एस० राजलक्ष्मी

(अस्त्रंक)

(2) श्रीभती जगदावालकृष्णन

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए, कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :~--

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थाना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस न्वनः वे राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास किस्तिन में किए का मकेंगे।

स्वव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होता जो उस अध्याय में दिया गया गरे।

# मनस्ची

भूमि:—प्लाट सं० 68, ब्लॉक सं० 6 एम० ए० जी० पलैटस. इंदिरा नगर अडयार, मद्रास 2० (पत्र सं० 3614/83)

> प्रेग गालिनी वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज II, मद्रास

तारीख: 29-6-1984

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनिर्म, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-म(1) के मधीन सुमना

भारत मर्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 26 जून, 1989

निदेश सं० 156/नं० 83/रेंज 2---अतः मुझे श्रीमती प्रेम मालिनी बासन

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसेकी पत्न सं० 3279/83—होर सं० 2 3 मेन रोड कस्तूरवानगर, अडगार है, तथा जो अडगार मद्रास में स्थित है (और इससे उपाबक अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय अडगार में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नवम्बर 83

को प्रवेक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य सं कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वाँक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिचत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पासा गया प्रतिफल निम्नलिचित उद्वेषय से उच्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण भे हुई किसी आय की आबत, उक्त अधिनियम के अधीन के दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; वार/या
- (स) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को चिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर जीवनिजय, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया जा का किया जाया चाहिए जा, छिपाने से सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त विधिनियम की धारा 269-ए के जन्मरण में, में, उक्त विधिनियम की धारा 269-एकी उपधारा (1) के विधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, विधीतः— (1) श्रीमती आर० वेदवर्ली

(अन्त्रक)

(2) श्री सी०डी० गोपालरत्तनम

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिड़ कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तासीस से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाराः
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में द्वित-वद्य किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अभोइस्ताक्षरी के गास लिक्ति में किए का सकेंगे।

स्वव्यक्तित्रणः :---इसमें प्रयुक्त सन्त्रों कौर पदों का, जो उक्त विधिनियस के विध्यास 20-क में परिभाषित ही, वहीं वर्ष होंगा जो उस अध्याय में विया गया ही।

भूमी और मकान: - डोर सं० 28, III मेम रोड, कस्तूरवा नगर, बडयार पत्र सं० 3279/83

> प्रेम मालिनी वासन सक्षम प्राधिकारी महामक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, मद्रास

तारीख: 26-6-1984

मोहर 😗

प्ररूप आहे. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भार 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज 2, मद्राम

मद्रास, दिनांक 26 जून 1984

निदेश सं॰ 153/नं॰ 83/रेंज 2—अतः मुझे श्रीमती प्रेम मालिनी वासन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक हैं

और जिसका सं० 8, फस्ट कनाल कास रोड, गांधीनगर अडयार मद्रास 20 है, जो अडयार में स्थित है और इससे उपाबड़ में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अडयार में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नवम्बर 83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उजित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक ल्प से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अपने में द्भुविधा के निए; और/या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धन-किर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, से, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्तिनिष्तं व्यक्तियों, अर्थान् :——
23—176 GEI84

(1) श्री आर॰ जगन्नाय

(अन्सरकः)

(2) कुमारी देवी डिसैनर्स और डेकोरेठारस

(अम्तरिती)

को यह सूचना भारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान क राजपत्र में प्रकाशन की ताराख से 45 दिन की अवधि या तत्सवधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितक्ष्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिमिट में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का., जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ द्वांगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

#### सन्सर्ची

पृथ्वी और निर्माण नं० 8, फसटू बनाल कास रोड, गोंधी नगर, अख्यार (पंक्र मं०:—2257/83)

त्रेम भानिनीवासन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मद्रास ।

तारी**ख**: 26-6-84

प्ररूप बार्षः दी. एन. एस.,------

जायकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के जभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज 2, मद्रास मद्रास, दिनांक 26 जून, 1984

निदेश सं० 154/नं० 83/रें ज 2-स्त्रतः मुझे श्रीमती प्रेम मालिमी वासन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 26⊋-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि ≈थावर सम्पत्ति, जिसका उचित गजार म्ह्य 25,000/~ रा. से अधिक है

स्मौर जिसकी सं० शैदा पेठ तालुक चिंगलपठ डिस्ट्रिक्ट श्रुडयार, श्रुडयार एसं० नं० 117 है, जो अडयार गांव में स्थित है (धौर इससे उपाबद्ध में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रुधिकारी के कार्यालय श्रुडयार में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रुधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रुधीन नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, ऐसे द्रयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में गराविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (का) बन्तारण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के शाबित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- ण ऐसी किसी नाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मिया के लिए;

बतः वय, उक्त विभिनियम की धारा 269-य के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) को अधीन, निस्तिविक्त व्यक्तियों, अर्थात् ६—- (1) श्री प्रलगप्प तेवर

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती घलैस जाकब

(मन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की लारीख डं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हिस्त-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्साक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है,

## मन्स्ची

पृथ्वी :---शैवा पेठ तालुक चिंगलपेट डिस्ट्रिक्ट ग्रहयार गांव पत्न सं० :---3258/83) एस नं० 711

> प्रेम मालिनी वासन ंसक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख: 26-6-84

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के भुभीन सूचना

#### शारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 2, मद्रास

मन्नास, विनांक 29 जून 1984

निदेश सं० 161/नं० 83/रेंज 2—ग्रतः मुझे श्रीमती त्रेम मालिनी वासन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास फरने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000 / - उ. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 5, वालस गार्डन, 1 स्ट्रीट नुगम्बाक्कम मद्रास 34 है, जो पत्न सं० 3697/83 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध में भ्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय मद्रास उत्तर जे० एस० श्रार० 2 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन नवम्बर 83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, ऐसे स्थमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कन निम्निसित उद्देश्य से उस्त अंतरण लिखित में वास्तिक हम से अधित हहा किया गया ही:—

- (क) जन्तरण से शुर्द किसी जाव की बाबस उक्स अधिनियम के जधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और /गा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिवों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अक्तिरती द्वारा प्रकट वहीं किया त्या भर वा किया जाना आहिए था, फियाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थान् :— (1) श्रीमती पौतु राजु पदमावति

(मन्तरक)

(2) श्रोमती फे॰वी॰ ए॰ एम॰ सिती सईता

(प्रन्तरिती)

को यह सूजना जारी करके पूर्वीक्त संपरित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पर्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पति में हित्यद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टिकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्धों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है,

#### अनुसूची

भूमि भौर निर्माण :--सं० 5, वालस गार्बन 1 स्ट्रीट नुगम्बाक्म मन्नास-34 लेख सं० 3697/83।

> प्रेम मालिनी वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक घायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, मद्रास ।

तारीख: 29-6-84

मोहरः

# प्रकार बाह् ह बी , युग् , स्वाह नाम्यान्यान्या

नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन स्चना

#### भारत सहकाट

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण). भर्जन रेंज-2, मन्नास

मद्रास, दिनांक 26 जून, 1984

निवेश सं० 83/नं. रेंज 2—झतः मुझे प्रेम मालिनी वासन आयकर विधिनयम, 1961, (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचारा 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भाडा 269-ज के मुभीन सक्तम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारन हैं कि स्थावर सम्मत्ति जिसका उचित गाजार मूल्य 25,000/- रुपये ते स्थाकर है

भौर जिसकी सं ज्या 1430/83—नं 3 लाखेत अन्वेयू मद्रास—
19 प्लाट सं 3 म्रारं एस० है, जो मं 3647/16 में स्थित
है (भौर इससे उपाबद्ध में भौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता म्रिक्षकारों के कार्यालय मैलापुर में भारतीय रिजस्ट्रीकरण
मिल्यम, 1908 (1908का 16) के म्रिक्षोन नवम्बर 83
का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृख्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुझे यह विद्यास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित भाषार मृख्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह
प्रतिम्नत से अधिक है और अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विक्य से उक्त बन्तरण सिविक में
बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाम की वावतं, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुनिधा के लिए; अडि/वा
- (था) एंसी किसी अाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट न्हीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए!

वतः वनः, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के बनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के वधीन, निस्नसिचित अधिकायों, वर्षात् दे— (1) श्रीमती एन० महालक्ष्मी श्रीर दूसरे नं० 3, लाबेत झविन्यू महास 18

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती मीरा देवी चक्रवर्ती

(मन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके प्रवेक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यशाहियां सुरू करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोड़ भी बाक्षेप ः--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त स्थितस्यों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सक्ति।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उज्जत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, अही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## मन्त्रची

भूमि और मकान:—सं० 3, लोबेत भविन्यू प्लाट म० 3, भार०एस० सं० 2647/6 नैलायरि मद्रास 19 पत्र सं० 1430/ 83।

> प्रेम मालिनी वासन सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त, (निरीक्षण), भर्जन रेंज 2, मद्रास ।

तारीख: 26-6-84

प्ररूप आई. टी. एन. एस.------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भूर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 28 जून, 1984

निदेशसं० 84/नं०रेंज 2—श्रतः मुझे श्रीमती प्रेम मालिनी वासन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं);, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपित्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० ग्रीन वेस रोड — सूख 1436/83 ग्रिभिन्न है, जो जमीन का हिम्सा में स्थित है (ग्रौर इससे उपायद्ध में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय मैलानीर में भारतय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में धास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जिथिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हा भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

(1) श्री प्रिया एंटरप्राईसेस

(भ्रन्तरक)

(2) श्री मोहन वर्मा रोहित बर्मा

(धन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्ति। यों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरी।

स्पष्टोकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसुची

अमीन---ग्राम वेसरोड 775 पत्र सं० 1436/83।

प्रेम मालिनी बासन संक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 2, मद्रास ।

अंतः अबः, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के बधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः---

मारी**ख** : 28-6-84

प्ररूप बाइ . टी. एन. एस. ---- ---

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन मुचना

### भारत सरकार

कार्यात्तय, सहायक वायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-2, मन्नास

मद्रास, विनांक 28 जून, 1984

निदेश सं० 158/नवम्बर 83/रेंज 2--श्रतः मुझे श्रीमती प्रेमा मालिनी वासन

जायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

मौर जिसकी सं० लेख सं० 3806/83 कृष्णा ऐयर स्ट्रीट नुगम्बाक्कम मद्रास है, जो मद्रास 34 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय मद्रास—जे० एस० आर० 1 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नवम्बर 83

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) जन्तरण संहुई किसी जाय की वाजत, उच्क जिथितियम के अभीत कार देने के जन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बार्ट/मा
- (ज) एसी किसी आय या किसी अन या बन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के सिए;

(1) श्री भार०पी० जमाल मास्ट्रेलिया

(मन्तरक)

(2) श्रीमती सरोजा

(ग्रम्तरिती)

को यह सूचना धारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के जर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप 🗫

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींब से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकेंगी।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में पीरभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

# नग्स्ची

भूमि भीर मकान :—11, क्रम्ण अध्यर स्ट्रीट नुगम्बासकम भद्रास -34

> प्रेम मालिनी वासन सक्तम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 2, मब्रास

अतः अयं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-गं के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-गं की उपधारा (1) के अधीन, निम्निचित्रत व्यक्तियों, अर्थात् :——

तारीख: 28~6-84

त्रक्त वार्ष .टी .पन . एठ . -----

ध्रायकर प्रश्नितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व(1) के सकीन सुचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 28 जुन, 1984

निदेश सं० 157/नं० 83/रेंज 2—श्रतः मुझे श्रीमती प्रेम मालिनी वासन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक ही

ग्रीर जिसकी सं० टी० एस० सं० 3/9, 83/2, दक्षिण मद्रास भार० ओ० कोडम्बाक्कम है, जो लेख सं० 4131 से 4134 तक सैदापेट तासुक में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रीधकारी के कार्यालय मद्रास उत्तर जे० एस० ग्रार० 1 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रीमीन नयम्बर 83

करे पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके क्यमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल का पम्बह प्रतिकात अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) बन्तरण ते हुई हिंच्छी काम की बाबता, उन्तर क्षिणियम् की बचीन कर देने की बन्तरक के बाबित्व में कमी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए; बार/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री बी॰ माधवराज मूला भीर दूसरे 555, बेंगल बनाररोज, मद्रास-16

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीपी० वसन्ता माफना

(श्रन्तरिती)

को यह स्थाना चारी करके प्वाँक्त सम्परित के वर्णन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हुं।

उत्कत सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वक्यीकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है

### अनुसूची

भूमि—-दक्षिण मद्रास ग्रार० ऐ० कोडबाक्कम शेलम डिस्ट्रिक्ट सैदापेठ तालुक टी०एस० नं० 3/1, 83/2

> प्रेम मालिनी बासन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) भर्जन रेंज 1, मब्रास

तारीख: 28-6-84

प्रस्प आई. टी. एन. एस. \*\*\*\*\*\*

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के नधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 1, महास

मद्रास, दिनांक 25 जून 1984

निदेश सं० 17 नवम्बर 1983—यतः मुझे, प्रेम मालिनि वासन,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का आरण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृह्य 25,000/- उ. से विधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० 3247, ग्रश्ना नगर, मद्रास है, जो नडवाक्करें गांव ग्रश्ना नगर, मद्रास में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रोकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय ग्रश्ना नगर, मद्रास दस्तावेज सं० 3882/83 में भारतीय रिजिस्ट्रोकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16 के ग्रधीन नवस्वर 1983 को पूर्वोक्त संपत्ति के उच्चित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गर्द है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकार) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण ते हुई किसी जाय की बाबत, उक्त जिथिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मृश्विधा के लिए; और/या
- (क) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आगकर आधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 77) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने से सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिवियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती नोलाश्रीरामन

(भन्तरक)

(2) श्री एस० एस० जाकोब

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हंू।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (सं) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्तित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण:— इसमे प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित ह<sup>5</sup>, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

## **अनस्**षी

भूमि और निर्माण सं० 3247, नश्वाक्करै गांव, ब्रह्मा नगर, मद्रास-40 (दस्तावेज सं० 3882/83)

> प्रेम मालिनि वासन सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज 1, मद्राम।

तारीख: 25-6-84

मोहर

# प्ररूप बार्ष : दी. पुन. एव.-----

भायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के मभीन सुचना

### भारत सरकार

कार्यातय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज 1, मद्राम

मद्रास, दिनांक 23 जून 1984

निदेश सं० 20/नवस्वर/83—यतः मुझे, प्रेम मालिनि वासन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की आरा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. सं अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० 9, ग्रादि नायडु स्ट्रीट है, जो विक्लिवाक्कम मद्रास 49 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद में ग्रौर पूर्ण रूप से विजत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रीधकारी के कार्यालय ग्रन्ना नगर दस्तावेज सं० 3680/83 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रीधनियम, 1908 (1908का 16) के ग्रधीन नवस्बर 1983

को पूर्विकत संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यकाम प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द हैं और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत संपरित का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिदात से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय गया गया प्रतिफल, निम्निचित उद्विध्य से उच्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप में किथत नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण सं हुई किसी बाम की बण्यत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए: और/धा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या जन्य जास्तियों को जिन्ही भारतीय जायकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपान में स्रीवधा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूतरण में, में. उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधी न, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात ——

24---176 GI|84

(1) मैसर्स सी०वी० एग्ड कम्पनी प्राईवेट लिमिटिड

(ग्रन्तरक)

(2) श्री वी० नीलकन्डा श्रीर ग्रन्य

(भ्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाहि में संमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मंपरित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टिकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-का में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

## नन्स्ची

भूमि श्रौर निर्माण सं० 9, श्रादि नायडु स्ट्रोट विल्लिलवावकम मब्रास-49 (वस्तावेज सं० 3680/83)

> प्रेम सालिनी बासन सक्षम प्राधिकारो सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 1, मद्रास ।

ता**रीख**: 23-6-**84** 

गोहर:

# प्रकार बाह्र हो , यह , १४% । जन्मकारण

बायकर विधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के ब्रांशीन सुचना

### भारत सरकार

कार्यानय, सहायक भायक र आयुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 23 जून 1984

निदेश सं० 21नवस्वर/83—यतः मुझे, प्रेम मालिनी वासन, वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्णात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख में अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपहित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० प्लाट सं० 3467, मुल्लम गांव, श्रन्ना नगर है, जो मद्रास में स्थित है (श्रौर इससे उपाबढ़ अन्सूसूची में श्रौर पूर्ण रूप से यणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारों के कार्यालय श्रन्ना नगर उस्तावेज सं० 3706 श्रौर 3707/83 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन नवस्वर 1983

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विववास करने का कारण है कि संथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृन्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिकत से अधिक, है और जन्तरक (अंतरकों) और अंशरितों (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत निक्तिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निक्ति में बास्त कि करण से कथित रही कि या गया है ;---

- (क) बन्तरन संसूर्व जिल्ली बाब की बाबत, तथल बिगिनयम के जबीन कर बोने के कन्तरक के वासिक में कनी करने या उससे अवर्त में शूनिक्या जी निए; बरि/बा
- (क) एसी किसी आय या किसी घन या अध्य आस्तियाँ की, जिल्ही भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अस्तीरिती क्यारा प्रकट नहीं किया एसा आ या किया जाता जाहिए था छिपान में सुनिधा के सिए;

नतः अन्, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्तरका भें, में. उन्त अधिनियम की धारा 260-भ को अपधारा (1) के अधीर, निय्निनिम्नत व्यक्तियाँ, अर्थात क्रू-- 1. श्रीमती बी० संजीवस्मा।

(अन्तरक)

2. श्री पी० नारायण मेनन

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सभ्यत्ति के वर्षन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के जर्बन के सम्बन्ध् में कोई भी बाक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीक सं 45 विन के भीतर उयल स्थावर सम्पत्ति में हितबहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्कित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरणः - इसमें प्रयुक्त शास्त्रों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगर जो उस अध्याय में दिया गया है।

## नग्स्यी

भूमि प्लाट सं० 3467, भन्ना नगर, मद्रास-40 (दस्ता वेज सं० 3706/83 श्रीर 3707/83)।

> प्रेम मलिनी वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर धायुक्त (निरोक्षण) भ्रजैन रेंज-I, मद्रास

तारोख: 23-6-1984

मोहर 🖫

भ्रूष्य मार्च. टी. एन. एस.-----

भायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

### भारत सरकार

कार्यासय, सहायक सायकर सायकत (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 28 जून 1984

सं० 23/नवम्बर/83—यतः, मुझे, प्रेममालिनी वासन, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक है

ग्रीर जिसको सं० पाड़ी गांव है, जो मद्रास में स्थित हैं (जौर इससे उपाबद्ध में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्री-कर्त्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय ग्रका नगर, मद्रास दस्तावेज सं० 37 3/83 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, नवम्बर 1983

कां पूर्वोक्स संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास कारने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिवात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय बाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उयत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से क्षित नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण ते हुवै किसी शाम की बाबत, उन्तर अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में बृविधा के बिए; और/सा
- (का) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए:

अतः अवः, उत्तर अधिनियमं की धारा 269-गं के अन्तरण में, मैं, उदस अधिनियमं की धारा 269-वं के अपधारः (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थाल् उन्न 1. श्री ग्रार० कोसलराम पांडियन।

(भ्रग्तरक)

2. श्री एन० बालसुक्रमण्यन।

(भन्तरितो)

का यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हुं।

## जनत सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब स 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियाँ ५ सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की लारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबार संपरित में हिलबय्ध किसी बन्य व्यक्ति स्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें अप्युक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिशाधित हैं वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं:

## अनुसूची

भूमि पाडी गांव, मद्रास (दस्तावेज सं० 3773/83)

प्रेम मालिनी वासम सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, मद्रास

तारीख: 28-6-1984

मोहर् 🛭

मुक्यु नाइ : दी. एन. एस. ----

**बायक ए अधिनियम**, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के **बधीन** सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहत्यक आयंकर नायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 30 जून 1984

निर्वेश सं० 25/नवम्बर/83:—यतः मुझे, प्रेम मालिनी वासन,

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० 778, पूनमल्ली हाई रोड, मद्रास है, जो मद्रास में स्थित है (भौर इससे उपाबड़ अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से बर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय पेरियमेट मद्रास दस्तावेज सं० 1253/83 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, नवस्वर 1983

को पृथेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के धरयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह बिश्वास करने का कारण है कि यथापृथेंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे धरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है।——

- (क) अन्तरण से हुई किसी नान की नानत, उक्त अधिनिन्म के नधीन कर देने के अन्तरक के दासित्व में कती करने या उसने नचने में सूविधा के लिए; और/वा
- (क) एंसी किसी नाय या किसी अन या वस्य जास्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरिती ब्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना काहिए था, क्रिपाने में सविधा के सिए।

भतः जन, उन्त जिथिनियमं की भारा 269-ग के जन्तरण मं, मं, उन्त अधिनियम की भारा 269-ण की उपभारा (1) में जभीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, जर्भातः :--- 1. श्री एस० जाफर।

(प्रन्तरक)

2. श्री बी मोहनदास

(भ्रन्सरिती)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन् के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वास अधोहस्ताक्षरी के पास तिकित में किए जा सकोंगे।

स्वव्यक्तिकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# भग्सूची

प्लाट सं० 778, पूनमल्ली हाई रोड, मद्रास-1 (दस्ता वेज सं० 1253/83)।

> प्रेम मालिनी वासन, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रुजैन रेंज, मद्रास

तारीख: 30-6-1984

मोहर ः

प्रकृत शाह . सी . एन . एस . ------

वारकार अभिनियम् 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 30 जून, 1984

निदेश सं० 31/नवम्बर/83—यतः मुझे प्रेम मालिनि वासन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं 18, बैकुन्ड वात्तियार स्ट्रीट, सौकारपेट है, जो मद्रास-79 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध धनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्सा ग्रीधकारी के कार्यालय, उत्तर मद्रास-1 सौकारपेट दस्तावेज सं 3593/83 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रीधीन, नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से काम के इश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफाल सं, एस दश्यमान प्रतिफाल का पद्मष्ट प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में अस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरक से हुई किसी जाय की वाबतः, उक्त जिथिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की वायित्य में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय वाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

1. श्री एस० जयकुमार भौर भ्रन्य।

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती एस० सुशीला देवी।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपृत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वार;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्डीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## ननस्ची

रेसिडेन्शियल हाउस सं० 18, बैकुन्ड वासियार स्ट्रीट, सोकारपेट, मब्रास-79 (दस्तावेज सं० 3593/83)।

> प्रेम मालिनि वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) सर्जन रेंज-I, मद्रास

क्तः, अंब, उक्त निभिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरक् में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, नश्रीत् :—

नारीख: 30-6-84

हर :

# प्रकाश कार्चा टी. एन व्या ----

# नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अभीन सुवना

भारत गरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 1 मदास

मद्रास, दिनांचा 30 जून. 1984

निदेश सं० 33/नवम्बर/83--अतः मुझे, प्रेम मालिनि वासन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाह 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 54, ब्राडवे, मद्रास-1 है, तथा जो मद्रास-1 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय उत्तर मद्रास, दस्तावेज सं० 3682/83 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिलांक नवम्बर, 1983

का पूर्वावत संपत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के अवस्थान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों बत संपत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफस, निम्निचित उद्देश्यों से अवत अन्तरण किंकित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरम् वं हुई किसी बान की बान्त, अन्त निमिन्दित के ज्योत कर दोने के अन्तरक के श्रीकरण् में कमी करने वा वस्त वचने में श्रीवशा के लिए; नीर/या
- (च) ऐसी किसी बाय वा किसी वन वा बन्ध आस्तियों की जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, मा धन-कर अधिनियम, मा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) को प्रमोजनार्थ जन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया बाना चाहिए था, कियाने में स्विधा के तिए;

जतः जब उक्त जिथिनियम की भारा 269-ए के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की उपधारा (1) के जधीर मिस्नलिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् :— श्री सो० वी० मिल्लिकेश्वरन और अन्य

(अन्तरक)

2. श्री ए० एम० वी० अ**ई**क्कलम और अन्य (अन्तरिती)

का यह स्वभा बारी करके पूर्वोक्त अञ्चलि के अर्घन के किए कार्यवाहियां सुद्ध करता हूं।

उनत सम्मत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप 🖫

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है ते 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीस त' 45 दिन के भीतर उक्त स्थान्द सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा नभोहस्ताक्षरी के पास निविद्य वा सकोंगे।

# अनुसृची

भूमि और निर्माण सं० 54, ब्राइवे, मद्रास-1 (वस्तावेज सं० 3682/83) ।

प्रेम मः लिनो वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) कर्जन रेंज 1, मद्रास

दिनांकः : 30-6-1984

मोहार 🚁

प्ररूप आहे. टी. एन. एस. ------

बायकर बिधिनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सचना

#### भारत सरकार

कार्यान्य, अदासक जायकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज 1, मदास

मद्रास, विनांक 30 जून 1984

निर्देश सं० 34/नवम्बर/83—अतः मुझे, प्रेम मालिनि वासन भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम गाधिकारी को गह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिल्लाकी मं० 64, रामस्वामी स्ट्रीट, जार्ज टाउन, मद्रास-1 है सथा जो मद्रास--1

में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित है) रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय उत्तर मद्रास दस्तावेज सं० 3820/83 में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पिति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृद्र यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्नोंक्त सम्पित का उचित बाजार मृत्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल से, एसे क्ष्यमान प्रतिफल का पंचह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में बास्सविक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उकत अधिनियम के अधीन कर वाने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमे बचने वा स्विधा के लिए; और/था
- (स) ऐसी किसी आय या किसी अप या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्त अधिनियम, या अन-अद अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अवस्थिति स्वाप्त कर स्वाप्त कर पहिल्ला कर स्वाप्त कर स्वाप

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्तितिस्ति व्यक्तियों, अर्थात् :— 1. श्रीमता जे० मीरा भाई और अन्य

(अन्रक्त)

2. श्री एम० अकबर अली और अन्य

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी ब्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितसक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### जनसंची

रेमिडेन्शियल हाउस सं० 64, राम स्वामी स्ट्रीट, मद्रास-1 (दस्तावेज सं० 3820/83)

प्रेम मालिनी वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरंक्षण) अर्जन रेंज- 1. मद्राक्ष

नार्राख: 30-6-1984

प्ररूप भाइं.टी. एन . एस . -----

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सुरायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 1. मद्रास

मद्रास, दिनांवः 30 जून 1984

निर्देश सं ० 35/नवम्बर/83--अतः मुझे, प्रेम मालिनि वासन भायकर् अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके ध्रधात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित गाजार मृत्य 25,000/- 🙉 से अधिक हैं। और जिसकी सं० 16, श्रीनिवास अय्यर स्ट्रीट, मद्रास-1 है श्रीस जो मदास-1 में स्थित है (और इयने उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप ने वर्णित है) रजिस्टोलर्ता अधिकारी के कार्यालय उत्तर मद्रास-1 दस्तावेज सं० 3823/83 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक नवम्बर, 1983 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कन के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंत-रिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त मंतरण लिखित में नास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ः---

- (क) अंतरण से हुइ किसी जाय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के निए; और/बा
- (स) ऐसी किसी नाय या किसी धन या जन्य नास्तियों को, जिन्हों भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृविधा के लिए;

भार: तक, उक्तर अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् क्रिक्ट 1. श्रो एल० हेमराज,

(अन्तरक)

2 श्री कामराज सोणियल, वेलफेयर ट्रस्ट,

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कुर्जन के लिए कार्यनाहियां कारता हूं।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस स्चान के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चान की तामील से 30 दिन की अविध जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेंप्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्भ किसी कन्य व्यक्ति व्वारा, क्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंचे।

स्पष्टीकरण : — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

# **अगृत्**षी

रेसिडेन्शियल हाउस सं० 16, श्रीनिवास अय्यर स्ट्रीट, मद्रास-1, (दस्तावीच सं० 3823/83)।

> प्रेम मालिनि वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायका (निरोक्षण) ऋजैन रेंज 1. मद्रास

तारीख: 30-6-1984

मोहर 🛭

प्ररूप आहें.टी.एन.एस.------

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यांसय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज 1, मद्रास

मद्राम, दिनांक 30 जून, 1984

निदेश सं० 38/नवम्बर/83--अतः मुझे, प्रेम मालिनि वासन र बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रह. से अधिक **है** 

और जिसकी सं० 106, कोयम्बेड्ड गांव, मद्रास है, तथा जा उत्तर मद्राग, जे० एस० आर-1में स्थित है (और इससे उपावड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय उत्तर मद्राप्त, दस्तावेश सं० 3880/83 में रजिस्ट्री एरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक नवम्बर, 1983

को पूर्वीक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्या, उसके दृद्यभान प्रतिफल से, एसे दृद्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वाश्य से उक्त अन्तरण ृजिचित भें वास्तविक रूप से कथिल नहीं किया गया 🗗 :---

- (क) जन्सरण से हुई किसी आम की बाबत, उपल अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या
- (अत) एेसी किसी अगय या किमी धन या अन्य आस्तियौ को, जिन्हें भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उप्तत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 2-7) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा को लिए:

अत: मब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भौ, भौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--25--176GI 84

1. श्रीमती मैनिनि

(अन्तरक)

2. श्रीमती एम० सुलीचता

(भ्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अवधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचनाको राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीत्र उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पट्योकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## वन्स्ची

मगावक्षायिक भूमि मं० 106, कोयम्बेडु गांव, मद्राक्ष (दस्ताविज सं० 3880/83)

> प्रेम मालिनि बासन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायक्त (निरीक्षण) यर्जन रेंज-1, मद्रास

दिनांक: 30-6-1984

मोहर ः

प्रकार कार्य कार्यक टीव एनव एनव

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की 269- प (1) के बधीस स्थाना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर बायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 1, मद्रास

मद्रास, दिनांः 30 जून 1984

निदेश पं० 39/नवम्बर/83 — -अतः मुझे, प्रेम मालिनि वास्त भायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-न के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उवित बाजार मूल्य 25.000/ क. से अधिक है और जिलको सं० 32, मनकण्यत स्ट्रोट, मद्राय-1 में स्थित है (अप इक्ये उपावड अन सर्वा से और जो पूर्ण क्य के विज्ञ है)

(अार इसने उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विजित है) रिजिस्ट्रोकर्ता अधिकारों के धार्यालय उत्तर मद्राप-II दस्तावेज मं > 3605/83 में भारताव रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन विनांक नवस्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान श्रीतफल के लिए अंतरित को गई है और मूक्तें यह विश्वास करने का कारण ही कि यथाप्योंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितीं (कतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निचित उद्देष्य से उक्त अन्तरण निचित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में पृतिधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, 1922 भानकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिषी ब्वारा प्रकट नहीं किया गरा था किया जाना काहिए थी, जिल्हान के सुविभा के निए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्रोमता टा० एम० जगतस्थाल,

(अन्तरक)

 मैसमें एला एम एए मोहिदोन और एग एम एच मैय्यद ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी ध्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (खं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध िकसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पद्धीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### अनुसूची

रेजिडेन्शियल हाउस नं० 32, मलयणन स्ट्रोट, मद्रास-1 (दस्ताव ज सं० 3605/83)।

> श्रेम मालिनि वासन सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, 1 मदास

तारीख: 30-6-1984.

प्ररूप बाइ .टी.एन.एस. -----

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा** 269 ध्र(1) के अधीन मुचना

### भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयवार आयुक्त (निरोक्षण)

श्रर्जन रेंज-I. मद्रास मद्रास, दिनांक 30 जून 1984

निदेण सं० 42/नवम्बर/83--यतः मुझे, प्रेम मालिनि वासन,

आयकर अधितियम, 196: (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचान 'जिंका अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति. जिंगका उचित बाजार भूल्य 25,000/- रु. में अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 87, लिगी चेट्टो स्ट्रीट, मद्रास-1 में स्थित है (श्रीर इससे उपायड में श्रीर पूर्णस्य से वर्णित है), रिजस्ट्रोक्षरी श्रीधकारी के कार्यालय, उत्तर मद्रास-1, सीकारपेट दस्तावेज मं० 3687/83 में भारतीय रिजस्ट्रोकरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधोन, दिनांक नवस्वर, 1983.

दस्तावेज मं० 3687/83 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्यिधिनियम, की पूर्वोक्त सम्पन्ति के उचित जाजार मृत्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ड हैं और मूम्से यह विश्वाम करने का कारण हैं कि यथाप्वीक्त संपन्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उत्पत्त अधिनियम के अधिन कर दोने के उन्तरक के दिस्तियम में कामी कारने या उसमे वैचने में सुविधा के लिए; बार/मा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयक्दर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया थाना चाहिये था, खिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अव, उपत अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अहं अधीन, निम्निक्ति व्यक्तियों. नर्धात् ६(1) श्रोमती ज्ञानाम्बाल ग्रौर ग्रन्य

(भ्रन्तरक)

(2) श्री के पी राजमानिकाम

(अन्तर्रितः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के कर्चन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए या सकोंगे।

स्पष्टीकरण - इसमें प्रयुक्त काबों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### भन्स् वी

रेसिडेन्णियल हींस सं० 87. लिंगी चेड्डी स्ट्रीट, मद्रास-1 (दस्तावेज सं० 3687/83)

प्रेम मालिनि वास**न** सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजन रेज-I, मद्रास

विनांक : 30-6-84

मोहर 🗯

प्ररूप आहें, टी., एन ु एस .-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए (1) के स्थीन सूचना

भारत सरकार

कार्यांसय, सहायक भागकर नामुक्त (निर्दाक्षण)

श्चर्जन रेंज-।, मद्रास

मद्रास, दिनांक 26 जून 1984

निदेश सं० 47/नवम्बर/83--यतः मुझे, प्रेम मालिनि वासन, जायकरु जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गमा है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० श्रलगापुरम गांव है, जो मद्रास में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधि-कारी के कार्यालय, सेलम-। दस्तावेज सं 2 2458/83 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक नयम्बर 1983,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिदात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से अधित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबस, उक्त आधिनियम के अधीन कर दोने के अन्सरक के बायित्व में कभी करने या उससे वचने हों स्विधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भम या अस्त आस्तियाँ का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना थाहिए था, छिपाने में स्विभा के किए;

जतः अज, उवत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण के, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ६(1) श्री डाक्टर जी० मुडामणी

(भ्रन्तरक)

(2) श्री के० वेंकटेसन

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वों क्तु सम्पृत्ति को अर्थन को बिए कार्यवाहियां क्षुफ करता हो।

उक्स सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (म) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीदर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी कन्य व्यक्ति ब्वार अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और उदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## बन्स्ची

भूमि श्रौर निर्माण श्रलगापुरम गांव, सेलम (दस्तावेज सं० 2458/83) ।

> प्रेम मालिनि वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-।, मद्रास

दिनांक : 26-6-**8**4

मोहर 💠

प्ररूप बार्ड . टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 26 जन 1984

निदेश सं० 689/नवम्बर/83--यतः मुझे, प्रेम मालिनि

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास कारने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मत्य 25,000/- एत. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० मोहनूर रोड, गांधी नगर, नामक्कल है, जो मद्रास में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसुखी में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्या लय, नामक्कल दस्तावेज सं० 909/83 में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधोन नवम्बर, 1983

का पूर्वीक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है। और मफो यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रक्ष प्रतिवात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीख एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरक से हुद्दें किसी आब की गावस, सक्क क्षिपिनयम के अधीन कर देने के अन्तुरक भी दावित्य में कमी करने या उत्तर्भ वचने में सुनिया के निए; कीर/वा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय नाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

(1) श्री एम० पद्मराजा

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती बी० ससिरेगा श्रीर श्रीमती बी०जयन्ती

(भन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 4.5 दिन की अविधियातत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचनाकी तामील से 30 दिन की अवधि, अर्थ भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (स) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जासकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अन्स्या

भूमि स्रोर निर्माण 34ई, मोहनुर रोड नामक्कल (दस्तावेज सं० 909/83) ।

> प्रेम मालिनि बासन सक्षम त्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-।, मद्रास

विनांक : 26-6-84

# प्ररूप् आई. टी. एन. एस्⊬ - - - - --

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अभीन सुचना

भारत् सरकार

कार्यालय, सहायक आयंकर आयंक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-।, मद्रास

मद्राम, दिनांक दिनांक 27 जून 1984

निदेण सं० 88/नवम्बर/83---यतः मुझे, प्रेम मालिनि बासन

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इ से वधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

भ्रीर जिसकी सं० इडन्कन सालै पुंजा भूमि है, जो मद्रास में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध में श्रीर पूर्णरूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीभर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, मघडन चावडी दस्तावेज सं० 1436, 1437 श्रीर 1438/83 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, नवम्बर, 1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे स्थमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दर्यों से उक्त अन्तरण जिखित में बास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुन्दं किसी माय की बानता, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधः। के निए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्गरण भें, भें, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए का उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अधीत् :--- (1) श्री एकाम्बर मुदलियार श्रीर श्रत्य

(भ्रन्तरक)

(2) श्री के० मुत्तुस्वामी चेट्टियार

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यविष्ठमा करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध में कांई भी आक्षण-:---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन् की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उच्यत स्थावर सम्पत्ति में हिसबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त घन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में प्रिभाषित है, वहीं अर्थ द्वांगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## **अ**मृत्यी

पुंजा भूमि' इंडन्कन सार्लै (दस्तावेज सं० 1436, 1437 स्त्रोर 1438/83) ।

प्रेम मालिति बासन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर म्रायुक्त (निरोक्षण) म्रर्जन रेंज-।, मद्रास

दिनांक : 27-6-19**8**4

प्रकृष आहाँ ती एन एखा .----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार। 269-घ (1) के अधीन सुचरा

धारपत् सम्बद्धार्

कार्यालय, सहागक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-।, मद्रास

मद्राग, दिनांक 27 जून 1984

निदेश मं० 90/नवस्वर/83---यतः मुझे, प्रेम मालिनि वासन,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाल् 'उक्त अधिनियम' कहा गण हो, को अस्य 260 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह जिस्लास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित वाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० पेरियमनली गांव, तिस्चेन्गोडु तालुका है, जो सेलग में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध में श्रीर पूर्णस्य में बणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ध्रधिकारी के कार्यालय, बेलगौन्डपट्टी दस्तावेज सं० 869/83 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ध्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, टिनांक नवस्वर, 1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूफे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथाप्वोंका संपत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत्त से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्धेशय से उकत अंतरण जिल्तित में वास्तिविक स्था में कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हाई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधः के जिल् और/या
- (स) एमी किमी आय या किमी धन या अन्य आस्तिगों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1992 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभाग्र (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों अर्थात् :—— (1) श्रोमती रासधम्मात ग्रौर श्रन्य

(ग्रन्तरक)

(2) श्री पो० कॉलन्देवेल्

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पित्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी ववधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति
- (स्त) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों आर पर्वों का, ओ उन्ह अधिनियम के अध्याय 29-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया हैं।

## अनुसूची

पुंजा भूमि पेरियमनली गांव, तिरुचेन्गोंडु तालुका, (वस्तावेज सं० 869/83) ।

> प्रेम मालिनि वासन मक्षम प्राधिकारो सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-।, मद्रास

दिनांक : 27-6-84

प्रकृष आहुर्वः ती, एनः एस्.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुभना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) ऋर्जन रेंज⊸ॉ, मद्रास

मद्रास, दिनांक 27 जून 1984

निदेश सं० 133/नवस्बर/83—स्यतः मुझे, प्रेम मालिनि वासनः

मायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सिके परेवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिस्का उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

धौर जिसकी सं० पुंजा भूमि धौर निर्माण सोलूर गांव है, जो धाम्बूर वेल्लूर नार्थ ध्राकाट जिला में स्थित है (ध्रीर इससे उपाबद्ध ध्रनुसूची में धौर पूर्नेरूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ध्रधिकारी के कार्यालय, उत्तर मद्रास-I दस्तावेज सं० 3608/83 में रजिस्ट्री-करण ध्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनांक नवस्वर, 1983,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के धरममान प्रतिकास के सिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके ध्रमान प्रतिफल से, ऐसे ध्रमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम् पाया गया प्रति-कस निम्मलिखित उद्दोष्य से उक्त अन्तरण निधित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्थं में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना जाहिए धा. रिप्राने भें स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मेसर्स एशिया लेदर (गार्मेण्ट एण्ड सू) प्राइवेट लिमिटेड ।

(भ्रन्तरक)

(2) मेसर्स फ्लोरिण्ड शूस निमिटेड

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को कर्जन् को सम्बन्ध में कोई भी काक्षोप:---

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख भे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का जो जकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ द्वागा जो उत्त अध्याय में दिया गया है।

## वन्स्ची

पुंजा भूमि सोलूर गांव, ग्राम्बूर, नार्थ ग्रार्काट जिला (दस्तावेज सं० 3608/83) ।

> प्रेम मालिनि वासन सक्षम प्राधिकारो सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेज-1, मद्रास

दिनांक : 27-6-84

मोहर 🎨

# प्रकप नार्चः टी. एन. एव.------

शायकार अधिनियम, 196 ि(1964 को 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

### भारत संस्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेंज-1, मंद्रास मद्रास, विनांक 27 जून 1984

निदेश सं० 138/नवम्बर/83---यतः मुझे, प्रेमः मालिनि वासन,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का धारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी मं० विलपट्टी गांव है, जो को श्रैक्कनाल तालुका में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्णरूप से वर्णित है), रजि- स्ट्रीकर्सी श्रीधकारी के कार्यालय, को श्रैक्कनाल दस्तावेज सं० 541 श्रीर 542/83 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक नवस्वर 1983

को पूर्वोक्त सम्मित के उपित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरिती की गईं हैं और मुभ्ने वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित का उपित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल, से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पत्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरकारें) और अंत-रिती (अंतरितियाें) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्योदय से उक्त अंतरण लिखित में वास्त्रीवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त जिथिनियम के अधीन कर दोने के जंतरक को दाधित्य में कमी करने या जसते बचने में सुविधा कें लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी अाव या किसी भन या अन्य आस्तियों को चिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन- कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाजिए था. छिपाने में स्विभा के सिए।

अत: जब, उक्त अधिनियम की भारा २६९-न कें, जनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा २६९ च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिश व्यक्तियों, अर्थात :--- 26-1763131

(1) श्री कें विश्व कि भीरमीर मोहम्मद

(भ्रन्तरक)

(2) मेसर्स ब्रैट श्रजारिया एज्केशनल ट्रस्ट ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के दिल्लू कार्ययाष्ट्रियों करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इत स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पड़ स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीश सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवक्ष किसी अन्य व्यक्ति युवारा अधाहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवाँका, जे। उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## वन्स्वी

पुंजा भूमि विलपट्टी गांव, कोडैक्कनाल नालुका (दस्तावेज सं० 541 ग्रौर 542/83) ।

> प्रेम मालिनि वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-I. मद्रास

दिनांक : 27-6-84

प्रकथ आह्र , टी , एन , एस , -----

भायकरु अपिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

## भारत शुरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 26 जून 1984

निदेश सं० 142/नवम्बर/83—-यतः मुझे, प्रेम मालिनि वासन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 6वां वार्ड, श्रगस्तियर कील तेरु है, जो श्रम्या-समुद्रम में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध में श्रौर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रम्बासमुद्रम दस्तावेण सं० 1657/83 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक नवम्बर, 1983,

को प्वोंक्त सम्परित के उचित बाजार मृस्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मूफें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और मंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के भीच एसे अन्तरफ के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्वेद्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक कए से अधिक नहीं किया गया है। —

- (क) जन्सरण से हुई किसी जाय की नावत, उक्स विधिनियम के अधीन कर दोने के घेल्नरक के बायिस्व में कमी करने या उसने बनने में शिविधा के बाद, बाद/मा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, अवत अधिनियम की धारा 269-म के वन्यरण में, में, इक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अभीन, निम्निविश्वित व्यक्तिगों, तथित् :--- (1) श्री ए० सन्करनारायनन

(भ्रन्तरक)

(2) श्री एस० सेधु रायांत्रिंग पिल्लै

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके प्रवेक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप '-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में संयाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त स्वक्तियों में से किसी स्वक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- अद्ध किसी अन्य न्यक्ति ब्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास निस्तित में किए जा मर्केंगे।

स्थव्यकिरण: --इसमें प्रयुक्त शक्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

## वन्स्ची

भूमि श्रीर निर्माण 6वां वार्ड, श्रगस्तियर कील तेर, श्रम्बासमुद्रम (दस्ताबेज सं० 1657/83)।

> प्रेम मालिनि वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-।, मद्रास

दिनांक : 26-6-84

मोद्रद् 🛫

प्रकृष कार्च. टी. एन. एस.----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुचना

### भारत सुरकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निद्रीक्षण)

म्रर्जन रेंज-1, मब्रास

मब्रास, विनांक 27 जुन 1984

निदेश सं० 145/नवम्बर/83—यतः मुझे, प्रेम मालिनि वासन,

नायकर मधिनियम्, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रथात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया हैं). की भारा 269-क के नधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूख्य 25,000/- रहे. से अधिक हैं

स्रौर जिसकी सं० मीलविट्टन गांव है, जो तूतुकुड़ी में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता स्रिधकारी के कार्यालय, तूतुकुड़ी मलूर दस्तावेज सं० 737/83 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक नवम्बर, 1983,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम् के क्यामान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह बिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृश्व उसके द्यमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे जन्तरण के किए तथ पाया गया प्रसिफल, निम्निलिखित उद्योगों से उक्त अन्तरण कि कित में बास्त्रिक रूप से किएस बहाँ किया गया है है—

- (क) बस्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उस्त जिमितयम के जभीन कहा ग्रंम के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बुभने में सुविधा के सिए; और/या
- (च) एसं किसी बाय या किसी भन या बन्य आस्तियों को, चिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया या का बालिए था, किया में सुविधा खे शिए;

भतः भवः, उक्तं अधिनियमं की भारा 269-गं के अनुसरण कों, मीं, गक्तं अधिनियमं की भारा 269-मं की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री एस० पी० एम० पिरमनायगम पिल्लै (ग्रन्तरक)
- (2) मेसर्स तूतुकुडी स्पिक इण्डस्ट्रीस (श्री पी० पोन्राज सामुवेल, सेश्रेटरी) (झन्तरिती)

को यह सूचना कारी कारके पूर्वीकर सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू कारता हो।

चक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख सै 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों अद स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरी।

स्पष्टिकरण:---तममें प्रमुक्त गब्दों और पदों को, जो उन्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वहीं अर्थ होना जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### प्रमुची

भूमि मीलवट्टन गांव, त्तुकुडी (दस्तावेज सं० 737/83)

प्रेम मालिनि वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, मद्रास

दिनांक : 27-6-84

मोहर 🔅

प्रकप लाई. टी. एन. एस. -----

नायकड लिधिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं भारा 269-घ (1) के मधीन स्थाना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1, मद्रास मद्रास, दिनांक 5 जुलाई 1984

निर्देश सं० 147/नवम्बर/83—यतः मुझे, प्रेम मालिनि बासन,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मूल्य 25,000/-उ. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० मेलराजभुलरामन गांव है, जो राजपालयम में स्थित है (भीर इससे उपाबद में भीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, कीलराजभुलरामन दस्तावेज सं० 973/83 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, दिनांक नवस्वर, 1983,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विस्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अंतरितिया) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) बन्तारण से हुइ किसी बाय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अस्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सृष्टिभा के सिए; और/या
- (क) एसी किसी नाय या किसी वन या नन्य नारितयों की, जिन्हों भारतीय नाय-कर निधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उनत निधिनयम, या भनकर निधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ नस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

बतः नव, उक्त सिधिनियम की धारा 269-ग की अनुसूरण भी, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, सर्थात् :--

- (1) श्री पेरिय कुष्णस्वामी नायकर ग्रौर ग्रन्य (ग्रन्तरक)
- (2) श्री ग्रार० भीमराजा

(भग्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां सुरू करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के नर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ह

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी स्विवित्यों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत क्वित्यों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति इंवारा अधोहस्टाअरी के पास लिक्ति में किए जा सकरेंगे।

### जनुसूची

भूमि श्रौर निर्माण मेलराजकुलरामन गांव, राजपालयम (वस्तावेज सं० 973/83) ।

> प्रेम मालिनि वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्राःदुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, मद्रास

विनांकः : 5-7-1984

मोहर

प्रस्थ आहे., दी., एत., एस.,------

नाराकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) को नधीन सूचना

### भारत सहकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, महास

मद्रारा, विनांक 27 जुन 1984

निदेश सं० 156/नवम्बर/83---यतः मुझे, प्रेम मालिनि वासन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिस इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है, की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० त्यागी सुब्रमन्यन मास्त्री तेरु श्रारती है, जो नार्थ श्राकिट जिला में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबद में ग्रौर पूर्नरूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, ग्रारती दस्तावेज सं० 3340/83 में भारतीय रिजस्करण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक नवस्वर, 1983,

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित नाजार मूल्य से कम कै द्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त संपरित का उचित नाजार मूल्य, उसके द्यमान प्रतिफल से, एसे द्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिद्यत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में सास्तिन रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्थ में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ण) ऐसी किसी जाम या किसी भून वा जन्म जास्तियों को, जिन्ह भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, धा धन-कार आधीनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

बतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्मिसिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री ए० लोगनाथ उडैयार

(भन्तरक)

(2) श्रीमता मुनियम्माल योर श्रीमती एम**े विष्ट बाई** 

(ब्रन्सरिती)

को यह सूचना जारों कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हुं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में काई भी आक्षप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीच है 45 दिन की अविधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी सबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (म) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस ने 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरों के पास सिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीक क्णा: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विमा गया है।

# अनुसूची

भूमि ग्रीर निर्माण त्यागी सुम्रमन्य शास्त्री तेष, भारनी (वस्तावेज सं० 3340/83) ।

श्रेम मालिनि नासन सक्षम श्राधिकारी बहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्थन रेंज-1, मद्रास

दिनांक: 27-6-84

# प्रकृष् वाष्ट्री टो . एव . एव . -----------

नायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन सचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरुक्षिण)

भ्रर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 23 जून 1984

निदेश सं० 163/नवम्बर/83---यतः मुझे, प्रेम मालिनि वासन,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 336, श्रन्ना नगर, सातमंगलम, मधुरै है, जो में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, तलाकुलम दस्तावेज सं० 5018/83 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 16) के श्रधीन दिनांक नवम्बर, 1983,

को पूर्वोक्त सपित्त के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए जन्ति रत् की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में नास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क') अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सूविधा के किए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अवः उत्यतं अधिनियमं की धारा 269-नं के अनुसरणं औं, मीं, उत्ततं अधिनियमं की धारा 269-वं की उपधारा (1) के बधीन, हिनम्निसित स्पिततयों अधित् हिन्म

(1) श्री जी । पी । किश्चियन

(भ्रन्तरक)

(2) श्रोमसी जोसफैन फेभी

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्वॉक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

# ्यक्त सम्परित में अर्थम के सम्बन्ध में कोई भी जासेप्:--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीज से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वा की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- नद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्यारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया ही।

## नगराची

भूमि 336, ग्रन्ना नगर, सातमंगलम, मधुरै, (दस्तावेज सं० 5028/83) ।

प्रेम मालिनि वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज-1, मद्रास

दिनांक : 23-6-1984

मोहर अ

वद्भव आहे. था. एम. एत.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना कार्यालय, सहायक आयकर आयकत (निरीक्षण)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज मद्रास

मद्रास, दिनांक 23 जून 1984

निर्देश सं० 170/11/83—यतः मुझे, प्रेम मालिनिवासन बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बानार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 23, टेम्पिल स्ट्रीट, मद्रास-10 है जो ग्रलगप्पा नगर मद्रास-10 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय पेदियमेट दस्तावेज सं० सं० 1206/83 में भारतीय रजिस्ट्रीकर ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 16 नवम्बर

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से नम से कम दृश्यमान प्रतिफल के लिए संतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का जित्त बाजार मूल्य, जसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निश्नलिखित उद्देश्य से उनत प्रन्तरण निजित में बास्तिक इप से स्थित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, टक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में कृषिधा के लिए; और/पा
- (स) एमें किसी आय ए किसी धन या अत्य आस्तियों करें, किन्हें अर्थाय आस्तिर आधिनियम, 1922 (1922 का 11 ए उका अधिनियम, या अर्थाजनार्थ अन्तिरक्षा 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए: और/या

कतः अब, उक्त विधित्यमं की भारा 269-मं के अन्यरण में, में, उक्त अधिनियमं की भारा 269-मं की उपभारा (1) के वृधीन, निम्निनिस्त व्यक्ति में, संग्रीत :--- (1) श्री तो० कृष्णस्वामी

(अन्तरक)

(2) श्रीमती नीला नरसिम्हन

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सुनना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य न्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पटीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अन्स्ची

भूमि और निर्माण सं० 23, टेम्पिल स्ट्रीट, ग्रलगप्प नगर, कीलपाक, मद्रास-10 (दस्तावेज सं० 1206/83)

> प्रेम मालिनि वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, मद्रास

तारीख: 23-6-1984

# प्ररूप बाइ'. टी. एम. एस.-----

बायकर अधितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

### भारत बहुकाह

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निर्क्षिण)

ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 30 जून 1984

निर्देश सं० म्रार० ए० सी० नं० 305/84-85—यतः मुझे एम० जेगन मोहन,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारणं है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैट है, जो सईदाबाद हैदराबाद स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनूसूची में ग्रौर पूर्णरूप से वर्णित है, जो रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 11/1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्कृष्ट मिस्ति से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिक (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निल्खित उद्देश्य से उन्त बन्तरण कि बिल् स्थान के बिल् से बास्तिक के बार्सिक के बार्

- (क) जनसरण से हुई किसी नाय की नायत, सक्त बीधीनयम को तथीन कर योगे के बन्सरक से स्वीयस्थ में क्यी करने या उस्ते ब्युव में सृष्धिया के लिए; सृद्ध/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिये ना, छिमाने में सविधा के सिष्ट;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भो., भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) को अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ह— (1) श्री मसूद ग्रली खान, 1-8-321 बेगमपेट, सिकन्दराबाद।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री एस० ए० रहमान मम्सूद , 18-3-234, चेंचलमूगा, हैदरावाद।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पर्तित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में सपाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर पूर्वोक्त उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## **मन्स्**षी

फ्लैट नं० 16-124ई०18, फराह इसटेट, सइदाबाद, हैदराबाद, विस्तीर्ण 430 चौ० फुट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 6065/83. रजिस्ट्रीकर्ता, ग्रिधकारी हैदराबाद।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख 30-6-1984 मोहर अ**क्ष् आह**े.टी.एन.एस.,------

द्रायकर द्र**धिनियम 1961 (1**961 का 49**)की** भारा **269-म (1)** के श्रधीन सुबना

भारत गरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) प्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबद, दिनांक 30 जून 1984

निर्देश मं० श्रार० ए० सी० नं० 306/84-85---यतः मुझे एम० जेगन मोहन,

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/- रुपये से भीधक है और जिसकी सं० फ्लैंट है, जो सहदाबाद हैदराबद हिथत है (और इससे उापबद्ध अनुसूची में और पूर्णक्ष्य से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैवराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनयम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 11नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के चित्र बाजार मूक्य से कम के वृष्यमान प्रतिकल के लिये अन्तरित की गई है भीर मुझे बह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्य, उनके वृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे वृष्यमान प्रतिकत का पत्यह प्रशिशत से अधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) घीर अन्तरित (अन्तरितयों) के भीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गा। प्रतिश्वा निम्नलिखित बहेश्य से उक्त अन्तरण निखित में वान्तिक रूप से क्रिया नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की शहरा, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे सम्मने में सुविधा के लिए; जीर/या
- (ब) ऐसी किसी आप रा विसी अन या घरवा पास्तियों को, जिस्हें भारतीय पाय-कर अधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरितो द्वारा अकट नहीं किया गया था या किया जाना वादिए था, छिपाने में मुकिहा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 2'69-ग के अनुसुरण पंगें, गैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः— 27—176GI/82 (1) श्री मसूद श्राली खान, 1-8-322, बेगमपेट, सिकदाबाद ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमित इस्मातूनिसा बेगम, 18-4-236, चेंचलगूडा, हैदराबाद।

(ग्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी कर्के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिल् कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस यूचना के राजपत्र में पकाणन की नारी के 45 वित की प्रविधिया तत्मंत्रीधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति धारा;
- 'ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी जन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहरताक्षरी के पास विखित में किये जा सकेंगे।

स्पन्तीकरण :-- इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रोर पटों का, जो उक्त श्रीष्ठ-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही भर्ष होगा, जो उन अध्याय में दिस गया है।

## नन्स्ची

फ्लैट नं॰ 16-1-24/ई/21, सइदाबाद, हैदराबाद, विस्तीर्ण 360 चौ॰ फुट, रजीस्ट्रीकृत विलेख नं॰ 5798/83, रजीस्ट्री- कृत्ती श्रीधकारी हैदराबाद।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारो सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 30-6-1984।

प्ररूप आहुर. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मुचना

### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज हैदराबाद

हैयराबाध, विनांक 30 जून 1984

निर्देश सं० श्रार० ए० सी० नं० 307/84-85---यतः मुझे एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे दसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिमका उचिन बाजार मृज्य 25,000/- रुपये से अधिक है

श्रीर जिसकी मं० फ्लैट है, जो सहवाबाद हैदराबाद स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनूस्ची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक नयम्बर 1983

को पूर्विक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एमें अन्तरण के लिए स्वय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्दोष्य से उक्त अंतरण निविद्य में बास्तिक रूप में करित नहीं किया गया है

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्क अधिनियम, या धन-अपर अधिनियम 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अप्योजित द्यारा प्रकट नहीं दिल्या गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा को लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मॅं, मॅं, उक्त अधिनियम की भारा 269-न की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात्:— (1) श्री मसूद श्राली खान, 1-8-322 बेगापेट, सिकंदराबाद।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रोमित शेख हादी, एम० ग्राई० 27, अण्मानिया यूनिव्हरसीटी, हैबराबाद।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पृत्ति के कर्षन के संबंध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्जान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (स) धस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारींस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- सर्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पद्धांकरण :—-इसमें प्रयुक्त कव्यों और पदों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20 के में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उन अध्याय में दिशा गया है।

# नमृत्यी

घर नं० 16-1-24/\$/30, सहदाबाद, हैदराबाद, विस्तीर्ण 430 चौ० फुट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 5644/83, रजिस्ट्री-कर्मा श्रीधंकारो हैदराबाद।

एम० जेगन मोहत सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

नारोख: 30-6-1984।

मोहर 🖫

प्ररूप आहूर, टी. हन. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक कायकर काय्क्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, हैदराबीद

हैदराबाद, दिनांक 30 जून 1984

निर्देश सं० श्रार० ए० मी० नं० 308/84-85--यतः मुझे एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लेट है, जो हमायतनगर, हैदराबाद स्थित है (श्रीर इससे उबाबद्ध श्रनूसूची में श्रीर पूर्णरूप में विणित है), रिजस्ट्रकर्त्ती श्रधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्मत्ति को उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एक्ने स्वयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में धास्तिवक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तर्भाष्ट्रण सं हुन्दै किसी जाय की बाबत उक्त अधिक नियम औं अभीन कर दाने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिषारी में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसूरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिक्त व्यक्तियों अर्थात् हि—

- (1) साददाय कस्ट्रकशन प्रा० लि० घर न० 3-6-200, हीमायहतगर, हैदराबाद । (ध्रन्तरक)
- (2) श्री कोक चीन लीयु, 3-6-276/277, यूनीव्हर सीढी रोड, हीमायतनगर, हैदरराबाद 500 029। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त-व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के गम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, ब्रह्मी अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया भ्या है।

## मन्स भी

फ्लैट विस्तीर्ण 1290 चौ० फुट, रजीस्ट्रीकृत बिलेख नं० 5947 क ग्रीर 5948/83, रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी हैदराबाद।

> एम० जेगन मोहन सक्षम श्रधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, हैदराबाद

तारोद : 30-6-1984

मोहर

प्रकार कार्याः दीः पुरान् पुरान्तः सामान्यस्य

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नधीन सुचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक कायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 30 जून 1984

निर्देश सं० आ० ए० सी० नं० 309/84-84---अतः मुझे एम० जेगन मोहन,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का जरण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० पलैट है, जो हैदराबाद स्थित है (श्रांर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्णरूप में वर्णित है) रजिस्ट्री-कर्त्ता अधिकारी के कार्यालय चिक्कलिपल में भारतीय रजिस्ट्रकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के दिनांक नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्मित के जीवत बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई हैं और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से एसे स्थमान प्रतिफल से एसे स्थमान प्रतिफल का पन्नित का जीवत का पन्नित प्रतिफल से असे करिया की पन्नित की पन्ति के सीच एसे अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक स्प से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण संहुई किसी आयकी बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने में अन्तरक के दायित्व में क्रमी करने या उसने बचने में सुनिधा के लिए अरि/वा
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरती व्याध प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए भा स्थिपन में स्मिभा के किए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनसरण में,, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की संपेधारा (1) ■ अधीन निस्नतिचित व्यक्तियों, अधीत् क्ष- (1) श्री एम० एस० चद्रया, 1-1-593, गांधीनगर, हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती कु० इंदीरा पति के० राम मोहून राव, 1-4-1011, बाकाराम, हैदराबाद।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सै 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों एर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्यारा वधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकींगे।

स्थव्हीकरण —-इसमें प्रयूक्त शब्दों और पद्यों का, आं उक्त अभितियम के अध्याय 20-क में पर्दिशाधित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# **अनुसूची**

फ्लैट नं० 8, प्रथम तल, तीरमाला ट्रांबर्स, गोलकोंडा रोड, हैदराबाद, विस्तीर्ण 1180 चौ० फूट, रजीस्ट्रीकृत विलेख नं० 785/83, रजीस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी चीक्कडपल्ली।

> एम० जेंगन मोहन सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैवराबाद

तारीख : 30-6-1984।

मोहरः

प्ररूप बाह्रं .टी .एन .एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज हैदराबाद

हैवराबाद, दिनांक 4 जुलाई 1984

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 310/84-85—यतः मुझे एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० गरायज है, जो दोमलगूडा, हैदराबाद स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणृत है), रजिस्ट्रकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)₃के अधीन वारीख नवम्बर 1983।

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वार करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सो, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिक्षत अधिक है और अंतरक (अंतरकॉ) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पासा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्धेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) जन्तरण से हुन्दं हिंकची जाय की वावता, उक्त अभिनियम के अभीत कार दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने वा चलते वजने में सृविधा के लिए;
- (क) एसी किसी जाय या किसी भन या जन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में भूतिका और जिल्हें किया जाना चाहिए था, छिपाने में भूतिका और जिल्हें किया

अतः अक्ष, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-य की उपभारा (1) को अभीन, निम्नसिचित व्यक्तियों, अथित ः—

- (1) श्री जे० प्रभाकरर राव श्रीर अन्य, हैंदराबाद। (अन्तरक)
- (2) श्रीमित डी॰ लक्षम्मा, 1-2-282 श्रौर 282, दोमलगुडा हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

बक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (खं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पर्तित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

## वन्स्वी

गैरीयज जे० बि० सेरकून्ड आपार्टमेंटस दोमलगूडा, हैदराबाद, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4926/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद।

> एम० जेंगन मोहन सक्षम अधिकारी (सहायक आयकर आयुक्त) निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 4-7-1984।

प्ररूप बाइँ. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ +1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यौलय सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ,र्जन रेंज हैवराबाद

हैदराबदा, दिनांक 30 जून 1984

निर्वेश सं० आए० ए० सी० ने० 312/84-85---यतः मुझे एम० जेगन मोहन,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट है, जो दोमलगूडा, हैदरबाद (स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनूसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रक्ती अधिकारी के कार्यालय हैदरबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक नवस्वर 1983

को पूर्वा कि संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूम्हें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्व कित संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (जन्तरित्यों) के बीच एसे जन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नुलिशत उद्वश्य से उक्त अन्तर्ण लिश्वित में बास्तविक स्व से क्षित्त नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण ते हुई किसी बाय की वायत्, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कनी करने वा असबे युवने में सुविधा को लिए; बौर/वा
- (क) एसी किसी जाब या किसी धन वा जनक जास्तिमों को जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरिती बुवारा प्रकट नहीं किया ग्या था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा से सिए।

अतः अतः उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री जे० प्रभाकर राव ग्रौर अन्य, हैदराबाद, (अन्तर क)
- (2) श्रीमिति पद्मा बाई, फ्लैट नं० 403, जे० बि० येगर कूल्ड अपार्टमेंटस, 1-2-282 श्रीर 282 ए०, दोमलगूडा, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन् के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद मों समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति मों हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मों किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण : इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### नन्स्वी

पलेट नं० 403, जे० बि० येयर, कून्ड अपार्टमेंटस, दोमलगूडा, हैदराबाद, विस्तीर्ण 900 चौ० फुट, रजीस्ट्रीकृत विलेख नं० 5928/83, रजीस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी हैदराबाद।

> एम० र्जेगन मोहन सक्ष अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 4-7-1984।

मोहर

प्ररूप भाई. टी. एन. एस.-----

आस्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्चना

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैबराबाद, दिनांक 4 जुलाई 1984

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 31 ¥84-85---यतः मुझे एम० जेगन मोहन,

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 296-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी मं० फ्लैट है, जो दोमलगूडा, हैदराबाद स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुमूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबदा में भारतीय रजिस्ट्रकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक नवम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान अतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का अन्तर प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरिधियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखन उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखन में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:--

- (क) अंतरण से हुई किसी आयुक्ती बाबस्, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दासित्व में कामी करन या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/था
- (क) एसी किसी आय या जिसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिखित व्यक्तियों, अधीत :—-

- (1) श्री जी ० जे ० प्रशाकार राव ग्रीर सन्य, हैदराबाद। (अन्सरक)
- (2) श्रीमित मकुक्षला गुप्ता पति राज भीतारी गेप्ता डी० नं० 1-2-282 ग्रीर 282 ए०, दोमलगुडा, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दूवारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में दिये जा सकरी।

स्पष्टीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिवा भवा है।

# मनुजुषी

फ्लैंट नं 202, जे बि येअर कूल्ड अपार्टमेंट, बोमलगूडा, हैदराबाद, वितीर्ण 900 चौ फुट,, रजीस्ट्रीकृत विलेख नं 5932/83. रजीस्ट्रीकर्ता अकारी हैदराबाद।

एम० जेगन मोहन सक्षम अधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैंबराबाद

सारीख: 4-7-1984।

मोहार 🤊

# प्रारूप भार्च दी . एन . एस . -------

आयकर अधिर्नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज. हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 4 जुलाई 1984

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 313/84-85---मतः मझे एम० जेगन मोहन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० फ्लैट है, जो दोमलगुडा, हैक्रावाद स्थित है (स्रोर इससे जाबढ़ अनूस्थी में स्रोर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रकर्सा अधिकारी के कार्यलय हैदरावाद में भारतीय रजिस्ट्रकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पित्स के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रित्तफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल तो, एसे रहयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निशित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसीं आय की वाबत, उपत अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्थ में कमी करने गालमने बचने में स्वेत्रथ। वी सिए: बरि/बा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था छिपाने में मुविधा के लिए;

बतः ब्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत :---

- (1) श्री जे० प्रभाकर राव ग्रौर अन्य, हैदराबाद। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री दीनानाथ मोसी, 1-2-282 और 282, ए०, फ्लैंट नं० 404, दोमलगूडा, हैदराबाद।

च्ये वह सूचना जारी करके पूर्वोच्य सम्पृतित् के ज्यंत् के ज्यंत् के ज्यंत् के ज्यंत्

उक्त सम्पत्ति के अर्जन हे सम्बन्ध में कोई भी नार्श्वप हिन्स

- (कं) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सकोंगे।

क्ष्यक्षित्यः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिशापित है, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### भगसची

पलैट नं० 404, जें० सि० श्रार कून्ड आपार्टमेंटस, दोमलगूडा, हैवराबाद, विस्तीण 900 चौ० फुट रजीस्ट्रीकृत विलेख नं० 5929/83, रजीस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैवराबाद।

एम० जेगन मोहन सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

ता**रीख** : 4-7-984 ।

प्ररूप आई. टी. एम. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भार 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

क्षार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 जुलाई 1984

निर्देश सं० धार० ए० सी० नं० 314/84-85---यतः मुझे एम० जेगन मोहन

भागकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

स्रोर जिसकी पसं० लैट है, जो दोमलगूडा, हैवराबाव स्थित है (स्रोर इससे उपावद स्रनूसूची में स्रोर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रकर्त्ता प्रधिकारी के कार्यालय, हैवराबाव में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन दिनांक नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त संपरित के उपित नाजार मुल्य से कम के देश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उपित बाजार मुल्य, उसके देश्यमान प्रतिफल से एसे देश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण लिखित में नास्त्रिक कप मे कथित नहीं किया गया है:

- (क) जलारण के इन्हें किसी जाय की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अलारक के बायित्य में कमी करने वा उससे वचने में सुनिधा के लिए: और/या
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों की, जिन्हें भारतीय वाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्याय प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, डिप्पाने में सुविधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में , में , उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिखत व्यक्तियों, अर्थात् :--- 28--176GT/84

- (1) श्री औ॰ प्रभाकर राव भीर भ्रन्य हैवराबाव। (अन्तरक)
- (2) श्रीमति हासमतूनीसा शमीम, 1-2-282 श्रीर 282 ए, फ्लैट नं० 401-ए, दोमलगूडा, हैदराबाद। (श्रन्तरिती)

को यह सुचना चारी करके पृवाँकत सम्पत्ति के वर्षन के हिस्स कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि वाद में समाप्त होती हो, के शीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुगरा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निक्ति में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त विभिनियम, के संभ्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ध होगा जो उस अध्याय में दिया नवा है।

## बन्ध्वी

फ्लेट नं० 401-ए, जे० बि० ग्रर कून्ड ग्रथार्टमेंटस, दोमलगूडा, हैवराबाद, स्तिणिं 800 चौ० फुट, रजीस्ट्रीकृत ग्रिधकारो हैवराबाद, रजीस्ट्रीकृत विलेख नं० 5930/83।

> ाम० जेगन मोहन सक्षम प्रधिकारी सहायक प्रायरक प्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन • रेंज, हैदराबाद

तारीख: 4-7-1984।

प्रकथः बाह्यं, टी. एन. एस्. - - - - -

भाग विश्वनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-भ (1) के अभीन स्वनः

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैपराबवा ,दिनांक 4 जूलाई 1984

निर्देश सं० म्रार० ए० सी० नं० 315/84-85—यतः मुझे एम० जेगन मोहन,

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करमें का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/-रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट है, जो पंजागुटटा, हैदराबाद स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनूसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रकर्सा धिषकारी के कार्यालय चौक्कडपल्ली में भारतीय रिजस्ट्रकरण ग्रिष्ठिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिष्ठीन दिनांक नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरित्याँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्मलिबित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण किश्वत में वास्तिक कप से किथत नहीं किया गया है है——

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की शबत उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृतिधा के लिए; और/या
- (ण) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अंतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन, निम्नतिकित व्यक्तियों, अर्थातु ∷—— (1) श्री तीरुमला टांक्स, बाव मैनेजींग पार्टनस, श्री एम० एस० संख्या, 1-1-593/जी, गांधीनगर, हैदराबाद।

(म्रन्तरक)

(2) श्री जामथे यू० पाई ग्रीर यू० पाई 6-3-354/ 7, पंजागुट्टा, हैक्साबाद।

(ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करकें पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थाना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुनारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास निष्टित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शक्यों और पर्यों का, जो उक्दें अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# ममुस्पी

प्लैट नं॰ 4019, तीसरा मजला, तीरमला भ्रापटेंमेंटस, हैदराबाद, वितीर्ण 1500 चौफूट, रजीस्ट्रीकृत विलेख नं० 784/83, रजीस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी चीक्कडपन्ली।

> एम० जेगन मोहन सक्षम ग्रिधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराखाद

सा**रीख**: 4-7-1984।

मोहर

प्रकल नार्च हो . एव . एस .. ----=---

बायकर बिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बभीन सुबना

#### मारत बरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निर्दाक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 जुलाई 1984

निर्देई सं० भ्रार० ए० सी० नं० 316/84-85—यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रूठ. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० प्लैट है, जो बसीरबाग, हैदराबाव में स्थित है (ग्रीर इससे जापाबढ़ ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्णरूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय चीक्कडपल्ली, में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का पन्मह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) बन्दरन वे हुन्द किसी थाय की वाबत, उनते वीधीनयम के वधीन कह दोने के बन्दरक के बाधित्व में कमी कहने ना उससे वचने में सुविधा के निए: बॉट/ना
- (क) होती किसी बाब या किसी भन या अन्य नास्तिनी को चिन्हें भारतीय आयकार जिमित्सम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत जिमित्सम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिषाने में सविधा के लिए;

बतः शब्द, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण को, से उक्त अभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) को अभीन, निस्मतिथित स्मॉन्तवों, अर्थात् क्षेत्र - (1) मेसर्स प्रोग्नेसिव बिल्डर्स, 3-6-309 बसीरबाग, हैदराबाद।

(ग्रन्सरक)

(2) डा० के० मानाहम और मन्य, 6/13, ब्रांडीपेट, गुंदूर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्य नाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेप॥--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकी।

स्पब्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उर्वत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## **मन्द्रची**

प्लैट नं ० 24, 3-6-309, बसीरबाग, हैदराधाद, विस्तीर्ण 1384 चौ० फुट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं ० 866/83, रजिस्ट्री-कर्ता ग्रिधिकारी चीक्कडपल्ली।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, हैवराबाद

तारीख: 4-7-1984

मोहर ।

प्ररूप आहे. टी. एन. एस. - - -

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

#### भारत तरकार

कार्यालय, **तहायक आयकार आयुक्त (निरक्षिण)** श्रर्जन रेंज हैदरायाद

हैदराबाद, सिनांक 4 जुलाई 1984

निर्वेष्टे सं० श्रार० ए० सी० नं० 317/84-85--यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

बायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269- क थे अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० ल्लैट है, जो नामपन्ली हैदराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनूसूची में श्रीर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक नवम्बर 1983

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल कि निम्नसिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण में निचित बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क)) नमाहण वे हुई किशी बाव की बावत अवध अधिनियम के बधीन कर बोने के अन्तरक के बावित्व में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए; कीर्/या
- (च) एसी किसी भाग या किसी भग या जन्य बास्तिओं करे, जिन्हें भारतीय जाय-कर जिभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिपाने में सुविधा के लिए;

कतः सब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री पी० एस० रेड्डी 5-8-42, नामपपल्ली, हैदराबाद।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री एन० सस्यसूत्रमन्यम, 1-5-6/1, रामकोट, हैदराबाद।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारीं करके पूर्वीकत सम्मित्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की जोगील से 30 दिन की अविध . जी भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस न्यता के राजपण में प्रकाशन की तारीन ने 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हितमब्ध किसी कमा व्यक्ति वृवारा नथोहस्ताक्षरी के गस लिखित में किस जा सकेंगे।

स्थलाकरण: इसमें प्रयुक्त वर्क्यों और पर्यों का, जो उक्त विभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विमा गया है!

# मन्त्र्यी

फ्लैंट नं सी०-303/45, फतेह सुलतान लेन, नामपल्ली, हैंदराबाद, विस्तीर्ण 1020 चौ० फुट, रजिस्ट्रीकृत वित्लेख नं 5837/83, रजीस्ट्रीकृत्ती श्रिधकारी हैंदराबाद।

> एस० जेगन मोहन सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त ( निरीक्षण) श्रर्जन रेंज. हैदराबाद

तारीख: 4-7-1984

प्ररूप बाइं. टी. एत. एस. -----

जायकर जिथितियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-व (1) के जंभीत सूचना

### भारत बरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 जुलाई 1984

निर्देश सं० म्रार० ए० सी० नं० 318/84-85--्यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), जो कि धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० फ्लैट है, जो तिलक रोड, हैदराबाद स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूच) में श्रीर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक नवम्बर 1983

को पूर्वेक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण बिकित में वास्तविक रूप से कथित नहीं तिकया गया है:---

- (क) अन्तरण ते हुई कितों नाम की बाबत है उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक को दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आग या किसी भन या जन्य जास्तिकों को, जिन्हों भारतीय आग-कर जीभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में सुविधा के सिए?

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्रीमति एस० डब्स्मू० सुलतानमूनूरिनिसा वेगम 4,1-938/22/13, तिलक रोड, हैयराबाय (ग्रन्तरक)
- (2) श्री सयद शविर ग्राली, 5-5-709, गोशामहल, हैदराबाद। (ग्रन्सरिती)

(,, ,,, ,,,,)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीच से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रक्राशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाविष है, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

# जन्तुची

फ्लैट नं० 4-1-938/22/13, तिलक रोड, **हैदराबाद,** विस्तीर्ण 780 चौ० फुट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 5722/83, रजीस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी हैदराबाद।

एम० जेगन मोहन सक्षम अधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 4-7-1984

प्रकृप नाइ . टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) प्रजीन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 जुलाई 1984

निर्वेश सं० श्रार० ए० सी० नं० 319/84-85--यतः मुझे, एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उजित बाजार मृत्य 25,000/- रहे. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट है तथा जो हैदराबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता क्रिंगधिकारी के कार्यालय, चीक्कडपल्ली, में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, दिनांक नवस्थर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रायमान प्रतिफल से एसे द्रायमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देष्य से उसते अन्तरण निवित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बायत, उचक अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक की दायित्व में कमी करने या उससे बखने में सुविधा के सिए; बौट/या
- (क) ध्रेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सुविभा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में अमें, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् हि—

(1) श्रीमती जमल खटून, जी० पी० ए०, मैसर्स बी० सी० सी० पी० एल०, बंजरा हिल्स, हैदराबाद ।

(धन्तरक)

(2) श्री ए० सी० नागेश्वर राव, फ्लैंट नं० 405, 4थ फ्लोर, 3-6-782, हिमायतनगर, हैंदराबाद।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचमा जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उन्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पष्टिकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित रूँ, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।।

# **मन्त्**चीं

पलैट नं० 405, एम० नं० 3-6-782, विस्तीर्ण 670 चौ० फुट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 762/83, रजिस्ट्रीर्सा प्रधिकारी चीक्कडपस्ली।

> एम० जगन मोहन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रजन रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 4-7-1984

मोहर 🛭

प्ररूप आई..टी.एन..एस..-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

# कार्मल्य, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 जुलाई 1984

निर्देश सं० श्रार० ए० सी० नं० 320/84-85---यत: मुझे, एम० जगन मोहन,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं घर है, तथा जो कतिबगडा, हैदराबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, दिनांक नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त संपर्ति के उच्चि बाजार मूल्य से कम के इष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विष्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उच्चित बाजार मूल्य, उसके इष्यमान प्रतिफल से एसे इष्यमान प्रतिफल के पन्तर प्रतिष्ति से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए स्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उन्तर अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में अभी अरने या उससे बचने में सुविधा के लिए? और/या
- (ख) एसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 19(7 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गर्या था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अन्न, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं. उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु :---

(1) श्री ए० शशीकांत भीर भन्य, 3--3--914, क्तविगूडा, हैदराबाद।

(ग्रन्तरक)

(2) मेसर्स जयंती पेपर प्रोडक्टस्, 4-4-884/2, प्रेमबाग, हैदराबाद ।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के िुलए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में त्रकाशन की तारीच वें 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसुची

घर, कूतबिगूडा, हैदराबाद, राजस्ट्रीकृत विलेख नं० 5768/83, राजस्ट्रीकमा प्रधिकारी हैदराबाद।

एम० जगन मोहन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण), प्रर्जन रेंज, हैवराबाद

विनांक: 4-7-1984

मोहर 🖫

मक्य कार्द्र, टी. एप्. एत्.-----

भायकरु भिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के संधीन सुचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 जुलाई 1984

निर्देश सं० भ्रार० ए० सी० नं० 521/84-85--यत: मुझे, एम० जगन मोहन,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) ( जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), को भारा 269 का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० भूमि भौर इमारत है, तथा जो हिमायतनगर, हैदराबाद में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, दिनांक नयम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से काम के स्त्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकां) और अंत-रिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्योदयों से उन्त अन्तरण सिखित में बासायिक कप से कथित नहीं किया गया है

- (क) जन्तरण से हुई जिसी जाय की बाबत, उस्त अभिनियम को अभीन कर दोने की अन्तरक की दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम या अपकर अधिनियम या अपकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विभा के लिए;

(1) सेंट जोसेफ एजूकेशन सोसाइटी, बाइ श्री बी० जी० रेड्डी, सेक्रेटरी, दोमलगूडा, हैदराबाद।

(स्रन्तरक)

(2) श्री जी० बीरा माल्ला रेड्डी, 16-10-174/1, श्रोल्डमलक्ष्पेट, हैदराबाद।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4/5 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इंदरा;
- (का) इस स्वाना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पत्कीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## नग्स्ची

भूमि, श्रीर इमारत, 3-5-906/1, हिमायतनगर, हैदराबाद, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 5572/83, रिजस्ट्रीकृती ग्रिधिकारी हैदराबाद।

एम० जगन मोहन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

अतः अवः, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण वैं, मैं, उक्त अभिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के जचीन, क्रिस्निल्चित स्थितित्यों, अभीत् ढ़—

विमांक: 4-7-1984

मोहर 🗈

प्ररूप आईं्टी पूर्न . एस . ------

भागकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) के मधीन सुम्ता

भारत सरकार

कार्यासय, तहायक जायकर वायक्य (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

ं हैदराबाद, दिनांक 4 जुलाई 1984

निर्देश मं० ध्रार्० ए० सी० नं० 322/84-85---यतः मुझे, एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाल 'उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रुपये से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संव घर है तथा जो गूंटकल में स्थित है (श्रीर इमसे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, गूंटकल, में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक नवस्वर 1983

को पूर्विकत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिस की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से, एसे रश्यमान प्रतिफल का पंदह प्रतिक्रत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तिरती (अम्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण सं हुई किसी जाय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दर्शयस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के तिए; करेंद्रांवा
- (का) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्नत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ग्या था या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्थिया के लिए:

अतः अव उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्निसिक्त व्यक्तियों, अर्थात् ः— 29—476 G1/84 (1) श्री **वी**० श्रीरामा सुब्बय्या, गूंटकल

(प्रन्तरक)

(2) श्री के० नारायणाप्या धीर श्रन्य, घर नं० 18/137—55, गूंटफल।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई बाक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किन्सी व्यक्ति इतारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबष्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी .के पास लिखित में किए का सकरी।

स्पटिकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसुची

घर सम्पत्ति, नं० 18/137~55, गूंटकल, म्युनिसिपल एरोया, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 1821/83, रिजस्ट्रीकर्त्ता भ्रधिकारी गंटकल ।

> एम० जगन मोहन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण), श्रर्जन रेंज, हैवराबाद

विनांक: 4-7-1984

I - Deliver the same of

अरूप आइं.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 ज्लाई 1984

निर्देण स० स्नार० ए० मी० न० 323/84-85--यतः मुझे. एम० जगन मोहन.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-- क अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर समंत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25.000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी म० फ्लैट है, तथा जो बसीरबाग, हैदराबाद में िश्वत है (ग्रीर इसमे उपाबद्ध ग्रन्सूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, चीक्कडपल्ती, में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक नवम्बर 1983

को पूर्वोक्स संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से ऐसे दरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं विगया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उकत मधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे अचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी या किसी धन या अन्य आरितयाँ को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिनाने में मुस्थि। के लिए।

असः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसूरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्नानिश्वित व्यक्तिमयों अर्थात :— मेसर्स प्रोग्रसीव्ह वित्रर्श,
 3-6-309, बसीज्याग,
 हैदराबाद ।

(भ्रन्तरक)

(2) कुमारी एम० राधा पिता एम० एन० राव, कापेगल्ली, कोडाक तालुक ।

(श्रन्मरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उवत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोइ भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्स व्यक्तिस्वों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उत्तत स्थावर सम्पत्ति में, हिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकेंगें।

स्पष्टीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अमस्ची

फ्लैट नं ० 14, प्रथम तल, 3-6-309, बसीरबाग, हैंदराबाद, विस्तीर्ण 1384 चौ० फुट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं ० 776/83, रजिल्ट्रीकर्त्ती ग्रिधिकारी चीक्कडपल्ली ।

> एम० जगन मोहन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रजन रेंज, हैंदराबाद

दिनांक: 4-7-1984

प्ररूप आहर्. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार 269-घ (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रजंन रंज, हैंदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 जुलाई 1984

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 324/84-85--यतः मुझे, एम० जगन मोहन,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रुपये से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संविष्कैट है तथा जो बेस्ट मारेडपल्ली, सिकंदराबाद में स्थित है (श्रोर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, मारेडपल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक नथम्बर 1983

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एमं अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित वास्तिय हुए से अधिक हुए से अधिक हुए से अधिक हुए से अस्तरण है सिंग स्था है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त किथ-विधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी बाय या धन या अन्य आस्तियाँ

  का, का कार्याय प्रमान अध्यो एमा, 1922
  (1922 का 11) या जन्म अधिनयमा, या
  कि सार गाए 1957 (1957 का 27) के
  का अन्य अनिकार इन्तर प्रकार नहीं किया नहा
  था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा
  के लिए;

अत. अत, उत्रत अधिनियम, की भारा 269-ग के अन्सरण मों, मौं, उत्रत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्रीमती जे० गीता, 10-3-63, ईस्ट मारेडपल्ली, सिकंदराबाद।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती एन० सीतामाहालक्ष्मी, 10-1-492, ईस्ट मारेडपल्ली, सिकंदराबाद ।

(ग्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :----

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थाना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरों के पास सिक्षित में किए जा सकोंगे!

स्पट्टीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## अन्यूची

फ्लैट नं० 10-1-488, वेस्ट मारेडपस्ली, सिकंदराबाद, विस्तोर्ण 650 चौ० फुट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2018/83, रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी गारेडपल्ली ।

> एम० जगन मोहन, सक्षम प्राधिकारा, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण), ग्रर्जन रेंज, हैंदराबाद

दिनांक: 4-7-1984

मोहर 🖫

## प्रकृप बाह्", टी. एर: एस: -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, हैंदराबाद

हैंदराबाद, दिनांक 4 जुलाई 1984

निर्देश सं० घार० ए० मी० नं० 325/84-85--- यतः मुझे, एम० जगन मोहन,

नायकर मीभिनियम, 1961 (1961 का 43) (िषमे इसमें इसके परवात् 'उक्त मिभिनयम' कहा गया है, की धारा 269-भ के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उन्ति नाजार मूल्य 25,000/-रा. सं अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट है, तथा जो हिमायतनगर, हैवराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबड़ श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण इप से बणित है), रजिस्ट्रीकर्सा श्रिधकारी केकार्यालय, चिक्कडपल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनांक नवस्वर 1983

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का गल्दह प्रतिवात से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीव एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त लिन निम्निसित उच्चेदिय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक स्प से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुन्दै किसी आय की बाबत, अक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृथिधा के सिए; बौर/या
- (क) एसी किसी बाब या किसी भन या अस्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय बायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या धन-कर अभिनियम, या धन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में कृतिभा के सिष्ट;

कतः अक्ष, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण की, ती उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रोमती जहेब खटून, पित श्री इफ्तेकार मेहदी खान, जी० पी० ए०, श्री ग्राली खाजा, एम० डी० बंजारा कंस्ट्रक्शनम्, को० प्रा० लि०, बंजारा हिल्स, रोइ नं० 12, हैंदराबाद।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रो पृ॰वीराज वडी, विजया बैक, 1-2-412/4, गगन महल रोड, हैदराबाद ।

(भ्रन्तरिया)

का मह सुचना जारी कारके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप ह--

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्जोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- वद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पब्दीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पूर्वों का, यो खब्द अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ध होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### नग्राची

पलैट नं० 305, 3-6-782, हिमायतनगर हैन्रराबाद, विस्तीर्ण 670 चौ० फुट, रिजस्ट्रीकृत बिलेख नं० 761/83, रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी चीक्कडपल्ली।

एम० जगन मोहन, सक्षम प्राधिकारो, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 4-7-1984

प्ररूप. आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक कायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 जुलाई 1984

निर्देश स० भ्रार० ए० मी० न० 326/81-85--यतः मुझे। एम० जगन मोहन,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क् को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उचित बाजार मृल्य 25,000/-रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी में० घर है तथा जो श्रशोक नगर, हैंदराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूचो में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रोकर्सा श्रधिकारी के कार्यालय, हैंदराबाद में रजिस्ट्रोकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उपित बाजार भूल्य से कम के द्रियमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि बथापूर्वोक्त संम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके द्रियमान प्रतिकल से, एसे द्रियमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिवात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (बन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वागत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और√या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिल्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ह्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतिधा के लिए;

जात: अ.च. उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, जर्थात् :—

(1) श्रीमती एन० माधूलिका, पित श्री एन० वाई ग्रानंद रेड्डी, घर नं० 10, मोंटीयथ रोड यगभोर, मद्रास ।

(धन्तरकः)

(2) श्री डी० एम० हारो नाथ, घर नं० 1-1-192/ए/1, चीक्कडपल्ली, हैदराबाद ।

(भ्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पर्वोक्त सम्पत्ति के टर्जन के निए कार्ययाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्रेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अवधि या तत्संवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हित- वद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विमा गया है।

## मन्मुची

धर नं 1-1-380/30/2, गगनमहल हैदराबाद, रजि-स्ट्रीकृत बिलेख नं 5585/83, रजिस्ट्रीकृत्ती ग्रधिकारी हैदराबाद।

> एम० जगन मोहन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 6-7-1984

एकप आई.टो. एन. एस. -----

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्त आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैवराबाद हैदराबाद, दिनांक 6 जुलाई 1984

निर्देण सं० अप्रि० ए० सी० नं० 327/84→85→ -यतः सुझै, एम० जगन सोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परनात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्तास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. सं अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० घर ह तथा जो बानआम्बरपेट, हैंदराबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपावत अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीयात्ती अधिकारी के कार्यालय, चित्रकड-पल्ली, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1903 का 16) के अधीन, दिनोंक नवस्वर 1983

को पूर्वीक्त संपत्ति के उचित वाजार मूल्य सं कम के रूपमान पितकल के लिए अन्तरित को गई है जिए मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाग्योंकत सम्पत्ति का उचित अजार मृल्य, उनके दूर्यमान प्रतिफल से, एसे दूर्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल फ्ल 'निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिता में वास्ति किया कप से किया नहीं किया गया है है

- (क) सम्तरण में हुए किसी आप की बावत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर बेने के अम्तरक के दायित्व में क्षी करने या उससे सचने में मृतिधा के निष्; श्रीर/धा
- (ख) एसी किसी अप वा किसी भन या अस्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आपकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के निए;

बतः अधा, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीत, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

(1) श्री मीर एच० शर्सागीरी पिता वीरभद्रय्या, 2-2-647/98, बागआम्बरपेट, हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) कुमारी वी० पथानी पिता थी० मान मीहन रेड्डी,
 3-4-140, हैं दराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पर्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

**उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---**

- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे किस व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारांख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में दित-व्यव किसी जन्म का किस द्वारा अधिकाता की के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण:----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित इ<sup>2</sup>, बही अर्थ होगा जो अध्याय में दिया गया है।

## ज्नुसूची

धर नं० 2-2-647/98, बाग आम्बरपेट, हैंदशाबाद, राजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 783/83, राजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी चीक्कडपल्ली।

> एम० जगन मोहन, सक्षम प्राधिकारी, गहायक आयकर आयुषत (निरीक्षण), अर्जन रेंज, हैंदराबाद

दिनांक: 6-7-1984

मोहर 🗈

# प्रकृष कार्श टी., एन. एस. - - -

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 म (1) के अधीन सुचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 जुलाई 1984

निर्देण सं० आर० ए० मी० नं० 328/84 -85---यन: मुझे, एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान 'जकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्चित आजार भून्य 25.000/- रा. में अधिक है

यौर जिसकी मं० घर है तथा जो बाग आम्बरपेट, हैंदराबाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद अनुमूची में ग्रौर पूर्ण रूप से बिणत है), रिजस्ट्रीकर्मा अधिकारी के कार्यालय, हैंदराबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 द्या 16) के अधीत, दिनांक नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उवित वाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उपात बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सो, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिकी (अंतरितियों) के बीच एमे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखिल उद्वेश्य में उचत अंतरण लिखित में नाम्निबक हम से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त **सिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक** की दायित्य में कभी करने या उसमें अपने में सुविधा को किस्स सार्थ का
- (ख) एँसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्ही भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (१०१० का ११) या जाना अधिनियम, 1957 का 27) अपन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) अपन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) अपन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) अपन-कर अधिनियम, विद्या अकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने भी सुविधा के लिए;

अतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भें, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) की अधीन, निम्निनिश्चित व्यक्तियों, अधीत् क्ष्य---  (1) डा० परा ना चंद्रा श्रीमल, श्रीर पी० ए०, श्री मीताब वंदश्रीमल, 3-1~336, इसामीयाबा, हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्यामजूमानी, 5-9-30/1/17, वर्भारवाग, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह मूखना जाभी करक पृत्रानित सम्पृत्ति को अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

## उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी स्थापितयाँ पर सूचना की तागील से 30 दिन की अवधि , जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीगर प्रविकत स्थापित होती हो, के भीगर प्रविकत
- (स) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितयद्ध किसी अन्य अपिक्त व्वारा अधीहरदाक्षरी के पास जिल्लाम में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण:---इसमें प्रयुवत सन्दों और पदों का, जो उन्हें अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया स्या हैं।

### ननसभी

पर नं० 2--2-3/बि०/3, बाग आम्बरपेट, हैदरावाद. प्रिस्ट्रांकृत बिलेख नं० 57,75/83 रिजस्ट्रांकृत्त अधिकारी हैदराबाद।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 6-7-1984

# प्ररूप आइं. टी. एन : एस् .-----

भारा २६९-म् (1) के अधीन सुमना

### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैटराबाद, दिनांक 30 जून 1984

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 279/84—85——यतः म्झे, एम० जगन मोहन,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात (उक्त अधिनियम) कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृन्य 25,000/- रा. से अधिक है

धौर जिसकी मं० दुकान है तथा जो पूसलीबावली, हैदराबाद में स्थित है (धीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में घौर पूर्ण रूप में विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवस्वर 1983

को प्यांक्त संपत्ति के उणित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त गंदित का उणित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पत्सह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तर्ण के लिए तय पाया पया प्रतिफल, निम्नलिमिन उद्देश्य से अक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कृषित नहीं किया गया है:---

- (क) बस्तरण से हुई किसी जाय की वाब्त, उक्ट जीधिनियम के अधीन कर दोने के अत्तरक के सायित्व में कमी करने या उससे अवने में सुत्रिधा के लिए; और/या
- (व) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत् अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में म्विधा के जिला।

अतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भौ, भौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ वरी उपधारा (1) चै अधीन, निस्निलिसित व्यक्तियों, अर्धात् :— (1) मेसर्स भाग्यनगर कं स्ट्रक्शनम् प्रा० लि०, डाबको वाजार, हैदराबाद ।

(अन्तर्क)

(2) श्री बी० चंद्रा शेखर ग्रौर अन्य, घर न० 89, रोड नं० 3, वेस्ट मारेडपर्ल्ला, मिसंदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शरू करता है।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्त ध्यक्तियों में से फिसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में 'हितबद्ध किसी कृष्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

रगष्टीकरण:—=इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उसते अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### **अनुसूची**

दुकान न० 102, प्रथम तल, पुष्पांजली, कामणियल काम्प-लेम्स, पुसली बावली, हैदराबाद, विस्तीर्ण 114 ची० फुट, रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 5576/83, रजिस्ट्रीकर्मा अधिकारी हैदराबाद।

> एम० जगन मोहन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 30-6-1984

मोहर ः

प्ररूप. बार्ड. टी. एन. एस. - - - -

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 30 जून 1984

निर्देश स० आर० ए० सी० नं० 278/84-85---यतः मुझे, एम० जगन मोहन,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 क अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं दुकान है तथा जो पुतलीबावली, हैक्राबाद में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैंबराबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर 1983

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुर्फे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्मह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्टरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उब्देश्य से उक्त अन्तरण सिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (का) एोसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को चिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के जन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत् ः—30—176 GI/84

(1) मैसर्स भाग्यनगर क स्ट्रकणनस् प्रा० लि०,
 टोबेको बाजार,
 हैदराबाद।

(अन्सरक)

(2) श्री जी० प्रभाकर राव ग्रौर अन्य, 1--10--130, अशोकनगर, हैंदराबाद।

(अन्सरिती)

को यह भूचना आरी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वाय अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पध्टोकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया भया है।

## वन्स्वी

दुकान नं ० 39,पुष्पांजली कर्माशयल काम्प्लेक्स,पुक्तली बावली, हैवराबाद, विस्तीर्ण 133 चौ० फुट, रजिस्ट्रीकृत विसेख नं ० 6061/83,रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी हैवराबाद।

> एम० जगन मोहन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, हैदराबाद

विनांक: 30-6-1984

मांहर ।

990 917 24.94 Mg. .....

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सुचना

### भारत सरकार

किथालिया, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 30 जून 1984

निर्देश स० आए० ए० सी० न० 277/84-85--- यतः मुझें, एम० जगन मोहरः

आयकर अभिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसं इसके इसके पश्चात् 'उसत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थापर समात्ति, जिसका उचित वाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी स० फ्लैट है तथा जो नामपत्ली हैदराबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रिजस्ट्रीक्षरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक नवस्वर 1983

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कार दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी कारने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (आ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य ग्रास्तियों को, जिन्हों भारतीय आग-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जापा चाहिए था, छिणाने में गरीबंध के लिए:

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मी, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निस्तिनिक्त व्यक्तियों, अर्थात :---  मेरार्म नंदन कंस्ट्रुक्यान कं० फतेह अुलतान लेन नामपल्ली हैंदराबाद।

(अन्तर्क)

(2) श्रीमती एम० एस० जी० भवानी, पति एम० शिवाजी, 5-8-42, फतेह सुलतान लेन, हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनस सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कांई भी बाक्षप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सुभाना को राजभन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त घट्यों और पदी का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया प्या है ॥

## मन्त्रची

फ्लैट न० जी-5, 5-8-42, नंबन अपार्टमेंटस्, फतेह सुलतान लेन, नामपल्ली, हैंदराबाद, विस्तीर्ण 200 चौ० फुट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4839/83, रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी हैंदराबाद।

> एम० जगन मोहन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 30-6-1984

प्ररूप आइ¹, टी. एन. एस. ------

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्देशण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 30 जून 1984

निर्देश स० आर० ए० सी० न० 275/84-85--यत: मुझे, एम० जगन मोहन,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की आरा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी करूं, यह विकास करन का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

गौर जिसकी सं० पलैट है तथा जो नामपल्ली, हैदराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त संपृत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्थमान प्रतिफल से एसे स्थमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्दश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुर्प किसीं आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमीं करने या उससे अपने में सुविधा के लिए: और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण भौ, भौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन. निम्निसिखित अधिनतयों, अर्थाठ ह— (1) मेनर्स नंदन कंस्ट्रक्शन को०, 5-8-42, फतेह सुखतान लेन, नामपल्ली, हैंदराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती एम० एस० जी० भवानी, पति एम० शिवाजी, बी-103, फतेह सुलतान लेन, नमपल्ली, हैंदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के दिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर गूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जां. भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वावत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र भें प्रकाशन की तारी सं सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसन्ज्या किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास सिसित भें किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परि-भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## नम्स्ची

पलैंट नं० सीन 401/49, 5-8-42, फतेह सुलतान लेन, नामपर्ली, हैदराबाद, विस्तीणं 1200 ची० फुट, प्रकिम्ट्रिश्वत विलेख नं० 5836/83, प्रकिस्ट्रिश्चर्ता अधिकारी हैदराबाद !

एम० जगत मोहन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरंक्षण), अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 30-6-1984

मोहर 🐠

## प्रकर बार्षः, टी., एव्., एक्.-----

नायकर व्यक्तियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्राक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 30 जुन 1984

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 276/84-85--यतः मुझे, एम० जगन मोहन,

नायकर राधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं फ्लैंट है तथा जो नामपल्ली, हैदराबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल के पन्सह प्रतिशत से जिथक है और अन्तरक (अंतरिकों) और अंतरिशी (अंतरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किया ग्या है है—

- (क) मृत्युरण से हुद्दं किसी बाद करी बादत, उक्त, अधिनियम के अधीन कर दोने के ब्रन्तरक के दायित्व, में कभी करने वा उत्तरे बृधने में सुविधा के निष्; और/या
- (च) एसी किसी जाय या किसी भन या जन्य आस्तियों को जिस्हें भारतीय जायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना जाहिए ना, जियाने में सुविधा के किए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्स अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् हिन्न

(1) मेसर्स नंदन कंस्ट्रक्शान क०, फतेह सुलक्षान लेन, नामपस्ली, हैंपराश्वाद।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती गूलगेकर पति श्री अनवर अली, 5-4-682, कट्टलमंडी, हैंदराबाद।

(अन्तरिती)

की यह सूज्या चारी कर्क पूर्वोक्त संपृत्ति के वर्षन् के बिद्ध कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्प्रित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाशेष:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या सत्संबंधी ध्याक्तयों पर सूचना की बामील से 30 दिन की अविधि, खो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्य व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वाम के राजपन में प्रकाशन की तारीं के 45 किन के मीतर उनत स्थावर स्थावर में हितबहुक किसी अन्य व्यक्ति वृदारा अधोहस्ताक्षरी के पार लिखिस में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिस्यः — इसमें प्रयुक्त सक्यों और पद्यों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही पर्य होगा जो उस श्रष्टमाय में दिया क्या है।

## नप्स्ची

प्लैट नं॰ सी-705/ए/71/, सातवा मजला, 5-8-42, नंदन अपार्टमेंटस, फतेह सुलतान लेन; नामपपली। हैदराबाद, विस्तीण 650 चौ॰ फुट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं॰ 5835/83, रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी हैदराबाद।

> एम० अगन मोहन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 30-6-1984

प्ररूपु बार्च्\_टी .पुन .पुस् .-----

भाषकर वर्षिप्रियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के वृत्रीन सूचना

### श्राद्य सुरुकार

कार्यालय, सहायक आयकर बायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 30 जून 1984

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 274/84-85--- यतः मुझे, एम० पगन मोहन,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० पलैट है जो नामपल्ली, हैवराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबज्ञ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय हैवराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर 1983

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूस्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास कररे का कारण है कि स्थापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,, उसके दूस्यमान प्रतिफल से, एसे दूस्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल,, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त-निक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्यस्य संध्य किसी भावकी सावतः, दक्षतः अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तर्क को दायित्व में कभी कर्लेगा उत्तर्स क्ष्में में सुविधा के सिए; और/वा
- (क) ऐसी किसी अाव या किसी भन या अन्य वास्तियों नहे, जिल्हें भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर विभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया वाना आहिए था, डिपान में स्विभा हो सिए;

जतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के जभीन, निम्निसिचिच व्यक्तियों, अधित ह—

(1) मेसर्स नंदन कन्स्ट्रनशम को॰, 5-8-42, फतेह सूलतान लेन, नामपल्ली, हैवराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती आर० सी० लीलावती, पति आर० सी० विजयकुमार, 5→8→42, नामपल्ली, हैवराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उत्तर संपृत्ति के मर्पन् के संबंध में कोई भी नाक्षेप ६---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्संत्रधी व्यक्तियों पड़ सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि साथ में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ण) इ.स. सूचना के राजपव में प्रकाशन की तारी से से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितब दूध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरणः - इसमें प्रयुक्त खब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# नगुजुर्जी

फ्लैटनं०जी-19,5-8-42,फतेह सुलतान लेन, नामपरूली, हैदराबाद, बिस्तीर्ण, 300 चौ० फुट, रजिस्ट्रीकर्सा अधिकारी हैदराबाद।

> एम० जेगन मोहन, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, हैंबराबाद

दिनां**फ**ै: 30-6-1984

मोहर

प्ररूप जार्ड. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्चना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैवराबाद

हैदराबाद, दिनांक 30 जून 1984

निर्देण सं० ग्रार० ए० सी० नं० 273/84-85--यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परेशात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० पलैट है तथा जो फतेह सुलतान लेन नामपत्सी, हैदराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्मित के उपित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित का उपित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के निए तय वामा गया प्रतिफल निम्निकिट उद्देश्य से उस्त अंतरण जिल्हा जिल्हा में बाकादिक स्व के वास मुक्ति किया गया है है—

- (क) जन्तरण ते हुई किसी बाद की वावत, बनत विधिनियम के अधील कार दोने के जन्तर्क के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के हिसए; आहर/वा
- (ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य जास्सियों कर जिन्हों भारतीय आव-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया या वा किया आना जाहिए था, जिनाने में सुविधा के मिए;

श्रतः अस्, उक्त अधिनियम की धारा 269-मृ के बनुसरण की, मी उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों, अधीत् ह— (1) मेसर्स नंदन कन्स्ट्रक्शन को०, 5-8-42, फतेह सुलतान लेन, नामपल्ली, स्टेशन रोड़, हैवराबाद।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री एम० शिवाजी, 5-8-42, नामपल्ली, स्टेशन रोड, हैदराबाद।

(ग्रन्तरिती)

को बहु सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्थन व्यक्तिया कार्यवाहियां सूक करता हूं।

उक्त सम्पृत्ति के वर्षनु के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की सविभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविभ, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- ब्रुध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंग।

## मनुस्पी

फ्लैट गरीयज नं० 16, 5-8-42, फतेह सुलतान लेन, हैदराबाद, विस्तीर्ण 200 मौ० फुट, रिफस्ट्रीकृत विलेख नं० 584083, रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी हैदराबाद ।

> एम० जेगन मोहन, सक्षम श्रविकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रजैन रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 30-6-1984

मोहर १

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व(1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निर्जीक्षण)

धर्जन रेंज, हैदराबाद

हैवराबाद, दिनांक 30 जून 1984

निर्देश सं. श्रार् ए० सी० नं० 272/84-85---यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 55,000'- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं ० फ्लैट है तथा जो फतेह सुलतान लेन नामपल्ली हैवराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपावड श्रनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रीधकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रीधिनियम, 1908(1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक नवस्वर 1983।

को पूर्वोक्त सम्पन्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे स्थमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के जिए तय पाया ग्या प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेष्य से उक्त अम्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक कें दायित्व में कमी करने या उससे वजने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य अस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भं, में उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निल्खित व्यक्तियों, अर्थात् धु--- मेसर्स नंदन कन्स्ट्रक्शन को०, 5-8-42,
 फतेह सुल्तान लेन, नामपल्ली,
 स्टेशन रोड़, हैदराबाद।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रो जी० मल्ला रेड्डी, 3-6-538, हिमायत नगर, हैदराबाद

(भ्रन्तक्रिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यगिहियां करता हुं।

उक्त सम्पंटित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अवधि वा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, को मी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) ६स सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्क अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## भ्रनुसूची

फ्लैट नं बी-5, 5-8-42, फतेह सुलतान लेन, नामपल्ली, हैंबराबाद, विस्तीर्ण 250 चौ० फुट, रजिस्ट्रोकृत विलेख नं ० 5838/83, रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी हैंदराबाद ।

> एम० जेगन मोहन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

विनांक: 30-6-1984

मोहर 🗓

प्रस्य भाषी, दी, एत् एस्, कार्यान्य

आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीय सूचना

### भारत चेरकार

शायलिय, सहायक जायकर आयुक्त (निर्दीक्षण) धर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 30 जून 1984

निर्देश म्रार० ए० सी० नं० 280/84-85-यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

जावकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकें इसकें पश्चात् 'उक्त जिथिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- च के जभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- इ. सं विभक्ष हैं

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट है तथा जो बेगमपेट, हैदराबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विजत है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, वस्लभनगर, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, दिनांक नवस्वर 1983।

को पूर्वेक्स सम्पर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि बंजापूर्वों क्स संपर्ति का अचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिश्रत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाथा गया प्रति-क्स निम्नितित उप्दोक्त से उक्त बन्तरण कि बिंब में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की बाबत खकत जीध-नियम को जीम कर दोने की अन्तरक की दायित्व में कमी करने या उससे बुचने में सुनिधा के सिए; जीड़/वा
- (च) ऐसी किसी जाय वा किसी भग या जन्य जास्तिवाँ को, जिन्हों भारतीय जायकार अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तर अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोचनार्थ जन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विभा के विष:

बतः नव, उक्त अधिनियमं की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियमं की भारा 269-मं की उपधारा (†) के अभीन, निम्नलिजित स्यक्तियों, अर्थातः --- (1) श्री ऊमाखान तेजकरण,
 1-10-196/208, बेगमपेट,
 हैदराबाद।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती सरीन फातीमा, बिहाइडं हायवरी क्लब, हैयराबाद ।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके प्रवेक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां कारता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:---

- (क) इस स्थान के स्थापन में प्रकासन की तारीय से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तारीय से 30 दिन की अविध, यो भी अविध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेगित स्थापत स्थापत होती हो, के भीतर प्रवेगित स्थापत स्थापत स्थापत होती हो, के भीतर प्रवेगित स्थापत स्य
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींस से 45 दिन के भीतर उन्त स्थानर संपत्ति में हित-नद्भ किसी जन्म व्यक्ति त्वारा नभोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकती।

स्पर्कांकरण:---इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया. नवा है।

## नपुर्वा

प्लैट नं ० 14-बि, 1-10-196/208, बेगमपेट, हैदराबाद, विस्तीर्ण 450 चौ० फुट, रजिस्ट्रीकृत विश्लेख नं ० 3549/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी वल्लभनगर ।

एम० जोगन मोहन, सक्षम प्राधिकारी, तहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजन रेंज, हैदराबाद

विनांक: 30-6-1984

मोहर ह

प्ररूप आहु . टी. एन्. एस. ------

नायकर निभित्तियन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्वना

भारत शरकार

कार्याजय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज, हैंदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 30 जून 1984 निदेश सं० आरए सी नं० 281/84-85--- यतः मुझे, एम० जोगन मोहन,

हायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं प्रलेट है तथा जो वेगमपेट, हैकराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबंध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय बल्लभनगर, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिमांक नवस्थर 1983।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मृत्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द है और मुभे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के जिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अस्तरण से हुई किसी आप की बाबत्, उच्छ बीधीनवन के बधीन कर दोने के बच्चरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क्ष) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उप्तर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सविधा के सिए;

अतः, अत, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——
31—176 Gt/84

(1) जब्बार रीयल एस्टेट,54, नेताजी स्ट्रीट,सिकंदराबाद ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती एन० राधाकृष्णा वेर्नाः,
 फ्लैट नं० 4, 1-11-252/1,
 बेगमपेट, हैदराबाद ।

(श्रन्तरिती)

का यह स्थाना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में कितवव्य किसी जन्म व्यक्ति व्यारा अभोहम्साक्षरी के पाव लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्वच्योकरणः -- -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिसा गया है।

#### अनम् जी

फ्लैट नं ० 4, 1-11-252/1, बेगमपेट, हैदराबाद, बिस्तीर्ण 350 ची ० फुट, रिजस्ट्रीकृत बिलेख नै ० 3470/83, रिजस्ट्रीकृत्ती श्रिकारी अल्लभनगर ।

एम० जेगन मोहन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजैन रेंज, हैंदराबाद

दिनांक: 30-6-1984

प्रकृप आई'. टी. एन. एस. .----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 थ (1) के अधीन मुचनः

### भारत सरकार

कार्यानय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 30 जून 1984 निर्देश सं० श्रार० ए० सी० नं० 282/84-85—यत:, मुझे, एम० जगन जेहन,

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. में अधिक है

श्रीर जिसकी सं श्राफिस है, तथा जो सिकन्राबाद में स्थित है (ग्रीर् इससे उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रोकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, नारीख नवम्बर 1983 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दर्गमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करमें का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दर्गमान प्रतिफल से, एमें दर्गमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकृत से अधिक है जोर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तिवक रूप में अधिक नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी लास की बाबत, उक्त प्रधितिया १ ्धीत धार तेने के प्रनारत के वाणित्व में कमी करने गा उसमें त्वाने में भीतिथा के लिए: और/बा
- (ख) ऐसी किसी आयं या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1927 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा पकर बढ़ी निया गया था या किया जाना चाहिए था कियाने हो सुविधा के लिए।

1 मैसर्स बाब्खान बिल्डर्स, 5-4-86 से 92, एम० जो० रोड़, सिकंदराबाद

(अन्तरक)

2. श्रीमती पी० ऊषा रानी, प्लाट नं० 5, मेहदीपटनं, हैदराबाद

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्वक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हू।

उक्त संपर्तित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्षितयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहम्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याद में दिया गया है।

#### वम्स्यी

कार्यालय का रूम नं० 346, 5-4-86 से 92, सिकंदराबाद, विस्तीर्ण 266, चौ० कट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 5789/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जनरेंज, हैदराबाद

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण में, में. उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. निम्नजिबित व्यक्तियों, अधीत :---

तारीख: 30-6-1984

मोहर

प्रकृप वादा . टी. एन. एस. -----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 30 जून 1984

निर्देश संब्धारव्एवसीवनंव 283/84-85—स्तः, मुझे, एमव जेगन मोहन,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मम्पत्ति, जिसका उचित् बाजार मृत्य 25,000/- रहे. से अधिक है

श्रीर जिसकी मं० फ्लैट है, तथा जो बेगमपेट हैदराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, वल्लभनगर में रिजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख नयम्बर 1984

को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रों यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृर्वोंक्त संपर्तित का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरित्या) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निमित में बास्तियक रूप से किथा नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए: और/या
- (ख) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आफ्तियां का, जिन्हीं भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गमा था या किया जाना चाहिए था छिपानं में मृतिया के निए;

भाग अवे. अथा अभिनियम की धारा 269 में के अनुस्तर में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-में की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसिस व्यक्तियों:---

 कुमारी श्यामला श्रादालेफ, 8-2-400/2 बंजारा हीलस्, हैदराबाद

(भ्रन्तरक)

2. श्री पी० एफ० फरनांडोझ , फ्लैंट नं० 2, शरोन श्रपार्टमेंटस्, ऊमानगर, बेगमपेट , हैदराबाद (श्रन्तरिसी)

को यह सृषना जारी करके पृत्रोंक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी काक्षप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की व्यक्ति जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हिराधव्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित मों किए था सकेंगे।

स्यव्दीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों आर पदों का, जां उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, शही अर्थ होगा, जर उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### अनुसूची:

प्लैट नं २, 6-3-1216, बेगमपेट. हैवराबाद, विस्तीणं 710 चौ फुट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं 3374/83, रजिस्ट्रीकर्ता प्रिष्ठकारी घल्लभनगर ।

्म० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेज, हैदराबाद

तारीख : 30-6-1984

मोहर 🛭

प्ररूप आहू .टी. एन. एस . -----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की 269-व(1) के मधीन स्वना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 30 जून 1984 निर्दोग संश्रारणण्याराज्य सीयनं. 284/84-84---यतः, मुझे, एमव्जेगन मोहन,

अायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् जिक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/नुस्ता से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं ० पलैट है, तथा जो भ्रागापुरा हैदराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपायद्ध भ्रनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, दूधबावली में रिजस्ट्रीकरण धिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख वम्बर 1983

को पूर्वोक्स सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिवास से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एमें अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त कर्त निम्नीलियत उद्वंदय से उबत अन्तरण निखित में पास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) मन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मों कमी करने या उससे बचने में सूविधा के सिए; और/धा
- (क) एसी किसी अय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

मतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के कभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :---

- 1. मैसर्स भवानी कन्स्ट्रक्शन्स, बाह्य श्रीमती ऊमादेवी सेठी, घर नं० 14-1-376, श्रामापुरा, हैदराबाद, ए० पी० (श्रन्सरक)
- 2. श्री मांसी सदीक हुसन खान श्रीर अन्य, घर नं ० 10-5-26/ए, मासाब टंक, हैदराबाद (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यादर;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षारी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, कही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अन्स्ची

पलैट नं० 7, आगापुरा, हैवराबाद, विस्तीर्ण 500 ची॰ फुट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1170/83, रजिस्ट्रीकृती प्रधिकारी दूधबावली ।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 30-6-1984

प्रकप बाइं. टी. एन. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सष्टायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, हैदराबा**द** 

हैदराबाद, दिनांक 30 जून 1984

निर्देश सं० भ्रार० ए० सो० नं० 285/84-85--यतः, मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० फ्लैंट हैं, तथा जो स्रागापुरा हैदराबाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता छिधारी के कार्यालय, दूधबावली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन,

तारीख नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का बन्दह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिकी (अन्तिरित्यों) के बीच एसे अन्तरश के निष्ण तथ पाण गद्या अतिफल, निम्निखिखत उद्दोष्य से उक्त अन्तरण लिखित में शास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त जिथिनियम के अधीम कर दोने के अन्तरक के दाजित्य में कमी फरने वा अससे बचने में सुविधा क सिए; और/वा
- (क) एसी किसी आयं या किसी धन या अन्य शास्तियों की, जिन्हों भारतीय नाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया भा वा किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के सिक्ट

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में, भें, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1)

- मैसर्स भवानी कन्स्ट्रक्शन्स्, बाइ श्रीमती ऊमादेवी सेठी, घर नं० 14-1-376, श्रागापुरा, हैदराबाद, ए० पी० (ग्रन्तरेक)
- श्री मांझी सादीक हुसन खान ग्रीर ग्रन्य, घर नं० 10-5-26/ए, मासाब टन्क, हैदराबाद (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति त्वारा;
- (स) इस सूधना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं
  45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हिलबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
  पास लिसित में किए जा संकर्ण।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जीधनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

### धनुसूची

फ्लैंट नं० 6, 14-1-376/6, स्नागापुरा, हैदराबाद, विस्तीर्ण 650 चौ० फुट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1169/83, रजिस्ट्रीकृती स्रिधकारी दूधबावली ।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 30-6-1984

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

भायकर प्रधिनियम, 1981 (1981 का 43) की

धारा 269-म (1) के अभीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) ध्रजंन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 30 जन 1984

निदेश सं० म्रार० ये० सी० नं० 286/84-85--यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परेचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

स्रीर जिसको सं० फ्लैट है, जो पंजागुंद्रा हैदराबाद में स्थित है (स्रीर इससे उपाबद अनुसूचो में स्रीर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रोकरण स्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, दिनांक नवम्बर, 1983.

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकॉ) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उब्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाम की वायत, उपत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के सिए; बॉर/मा
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्वैशा के लिए;

अतः अन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मेसर्स विरगो कन्स्ट्रक्शनस को० बाई० श्री बि० एन० रेड्डी बंजारा हिल्स, हैदराबाद ।

(श्रन्तरक)

(2) श्रीमती श्राक्षीमा हुग्न पति गुलाम हुग्न 5-9-326, गनफाउंड्री, हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की भविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वकिस व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सं 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्पष्टिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनिधम, के अध्याय 20-क मो परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस शब्दाय में तिया गया है।

## मनुस्की

फ्लैट सं० 33, विरगो स्रपार्टमेंटस, पंजागुट्टा, हैदराबाद विस्तीर्ण 520 चौ० फुट, रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 5743/83, रजिस्ट्रीकृती स्रधिकारी हैदराबाद ।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, द्वैदराबाद

दिनांक : 30-6-1984

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुधना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक अायकर आयुक्त (निर्ीक्षण)

ग्रर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनाक 4 जुलाई 1984

निवेश सं० श्रार० ये० सी० नं० 287/84-85---यतः मझे, एम० जेगन मोहन,

क्षामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की आर 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-राज से अधिक हो

स्रोर जिसकी सं० फ्लैट है, जो पंजागुंटा हैदराबाद स्थित है (स्रोर इसमें उपावद्ध श्रनुभूची में स्रोर पूर्णच्य से वर्णित है), रिजस्ट्री-कर्ता स्रिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रांकरण स्राधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक नवस्वर, 1983.

को पूर्वोक्त सम्पत्ति का उषित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द है और मूफ्ते यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापृत्राक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उब्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बाज्यिक रूप से किथन नहीं किया गया है

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित के कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बर्गर/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्क अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः—— (1) गेसर्म विरगो कन्स्ट्रक्शनस को० बाई० श्री बि० एन० रेड्डो बंजारा हिल्स, हैदराबाद ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रोमती स्रो० परवतम्मा पति श्रो० सुरो रेड्डा, फ्लैंट नं० 72, विरगोद्यापार्टमेंट्स पंजागुट्टा हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ए---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्सि व्यक्तियों में में किमी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पार लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अम्सूषी

पलैट नं० 72, विरुगो ख्रवार्टमेंटम, पंजागुट्टा, हैदराबाद, विस्तीण 520 बौ० फुट, रजिस्ट्रीक्टम विलेख नं० 5739/83, रजिस्ट्रीकर्ता ख्रधिकारो हैदराबाद ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 4-7-1984

प्ररूप जाई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 30 जून 1984

निदेश सं० श्रार० ये० सी० नं० 288/84-85—यतः मृत्तै, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/-रु. से अधिक है

ष्ट्रीर जिसकी सं० घर है, जो सइदाबाद, हैदराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16)के श्रिधीन, दिनांक नवस्बर, 1983.

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया या प्रतिफल, न्मिनिलिखत उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखिल में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा-के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

(1) श्रो सोहम्मद जंग 3-5-121, यहन गार्डन हैदराबाद।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री श्रासफ श्रहमद खान22-5-582/5,चौक हैदराबाद ।

(भ्रन्तरिती

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीच से 45 विन की अविभ या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पूर सूचता की तामीस से 30 विन की अविभ, यो भी व्यक्ति याद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति क्यांत्र
- (स) इस सूचना के राजपश में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो जो उस अध्याय में दिया गया है।

## नन्स्ची

घर न० 16-1-23/3, सहदाबाद, हैदराबाद, विंस्तीर्ण 430 ची० फुट, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 5807/83, रिजस्ट्री- कर्ता ग्रिधिकारी हैदराबाद ।

एम० जेगन मोहन हिंसक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुमरण ा, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) अ अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों वर्षात् ः—

विनांक : 30-6-1984

मोहर 🛭

प्ररूप आई. टी. एन.: एस.-----

नायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च् (1) के नभीन सूचना

### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 जुलाई 1984

निदेश सं० श्रार० ये० सी० नं० 289/84-85---यतः मझे, एम० जेगन मोहन,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269 च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्नीर जिसकी सं० पलैट है, जो पंजागुंट्टा हैवराबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्णरूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, हैवराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक नवम्बर, 1983,

को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिवात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्ष्म निम्निसित उद्देषय से उक्त अन्तरण विश्वित में बास्त-विक कप से क्षित् नहीं किया गया है हि—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस उन्तर अधि-प्रियक के अधीक कड़ दोने के बन्तरक के दावित्व में कभी कड़ने वा बढ़के बुज़ने में बुड़िया के किए; आड़/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उन्तु विधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

बतः सन्, उकत् अधिनियम की धारा 269-ग के सन्सरण को, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1) के सधीन निम्नितिविक व्यक्तियों, अर्थात् ६——
32—176 G1/84

(1) मेसर्स विरगो कन्स्ट्रकशनस् को० बाई० श्री बि० एन० रेड्डी, बंजारा हिल्स, हैदराबाद ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती ग्यामला सागर, पति डी० व्ही० व्ही० विद्यासागर, फ्लैट नं० 65, विरगो श्रापार्टमेंटस्, पंजागुंट्टा हैदराबाद ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कर्यवाहियां शुक्र करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीकः से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पात निवित् में किए जा सकोंगे।

स्पाब्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# मन्सूची

फ्लैट नं० 65, विरगो म्नापार्टमेंटस, पंजागुंट्टा, हैवराबाब, विस्तीर्ण 520 चौ० फुट रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 5744/83, रजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी हैवरावाद ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सह्ययक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराश्राद

दिमांक : 4-7-1984

मोहर 🕄

प्ररूप , बाई , टी , एन , एस ,--------

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्थना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयुक्त आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाध, दिनांक 4 जुलाई 1984

निदेश सं० आर० ये० सी० नं० 290/84-85--यतः मुझें, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण, हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट है, जो पंजागुट्टा हैदराबाद में स्थित है (भ्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मवस्बर, 1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिखत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बंतरिती (अंतरितियों) के बीख एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निनिवत उव्वेश्य से उपत अंतरण निम्निन्तु में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है द—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी अरने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना साहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के जनूसरण को, भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अधीत् :—

(1) मेसर्स विरगो कन्स्ट्रक्शन्स को० बाई० श्री बी० यन० रेड्डी, बंजारा हिस्स, हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती यस० सूमती पति राजगोपाल रेड्डी, फ्लैट नं० 62, विरगो आपार्टमेंटस, पंजागृष्टा, हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थान के लिए कार्यवाहियां भुरु करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्य व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हिस-बब्ध किसी बन्य व्यक्ति ब्वास अधोहस्ताक्षरी के पास निधित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं क्षी होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# समय ची

प्लैट नं० 62, विरगो आपार्टमेंटस, पंजागुट्टा हैदराबाद, विस्तीर्ण 520 चौ० फुट, रजिस्ट्रीइत विलेख नं० 5742/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, हैदराबाद ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 4-7-1984

# क्ष बाहु हो हुन एक -----

बायक दु बर्धिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-व (1) के सभीन स्वना

## भारत तरकार

कावसिय, तहायक वायकर आग्रुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैवराबाद

हैवराबाद, दिनांक 4 जुलाई 1984

निवेश सं० आर० यें० सी० नं० 291/84-85--यत: 'मुझें, एम० जेंगन मोहन,

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त निधिनियम' कहा गया है"), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उजित बाजार मृस्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० पलैट है, जो पंजागुट्टा, हैदराबाद में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्णरूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवस्वर, 1983,

को पूर्वोक्त संपर्तित के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गृह है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तर्भ से हुई किसी बाय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक वैं दायित्व में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के सिए; जोट/वा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी भन या जन्य जास्तियों की विक्रू भारतीय जायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः अम, उन्त विधिनियम की भारा 269-म की, मनुसरक में, में, उन्त विधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के वधीन, निम्नसिंचित व्यक्तियों, अर्थात् :--  मेसर्स विरगो कन्स्ट्रक्शम्स को० बाई श्री बि० एन० रेड्डी, बंजारा हिस्स, हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री एन० एस० आर० आंजनेयुल, पिता लेट एन० राममूर्ति, फ्लैट नं० 63, विरगा आपार्टमेंटस, पंजागृट्टा, हैवराबाद ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता है।

## उन्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी माक्षेप :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ परु सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्व क्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों 45 दिन के भीतर उक्स स्थावर संपत्सि में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पच्यक्तिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उसक अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>क</sup>, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### बार संबंधि

फ्लैट नं० 63, विरगो आपार्टमेंटस, पंजागृहा, हैदराबाद, विस्तीर्ण 520 चौ० फुट, रिजस्ट्रीकृत, विलेख नं० 5738/8.3, रिजस्ट्रीकृती अधिकारी हैदराबाद।

एम० जेंगत मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज, हैदराबाद

दिनांक : 4-7-1984

मोहरः

प्रस्तु . मार्च , टी ु पुनु ु एस ., ----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) के अधीन सूचना

## भा<u>रत</u> सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, विनांक 4 जुलाई 1984

निदेश सं० आर० ये० सी० नं० 292/84-85—सतः मझे, एम० जेगन मोहन,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्चित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृष्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों), और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किया नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तर्रण से हुई किसी आय की बाबत्, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण भें, सैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-अ की उपभारा (1) औं अधीग, निम्निश्वित व्यक्तियों, अर्थात् ∷— (1) मेसर्स विरगो कन्स्ट्रक्शन्स को० बाई श्री बी० एन० रेड्डी, बंजारा हिल्स, हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती जाजीमा हुम्न पत्ति गूलाम हुम्न, फ्लैट नं० 51, विरगो जापार्टमेंट्स, पंजागृहा, हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह स्वना आरी करके पूर्वोक्स संपरित के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

## उक्त संपत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख), इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सक<sup>3</sup>गे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>5</sup>, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दियन गया ह<sup>8</sup>।

## अनुसूची

पर्लंट नं० 51, दूसरा मंजिला, विश्गो आपार्टमेंटस, पंजागुट्टा, हैवराबाद, विस्तीर्ण 520 चौ॰ फुट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 5740/ 83, रजिस्ट्रीकृती अधिकारी हैदराबाद ।

> एम० जेंगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 4-7-1984

मोहरः

प्ररूप बार्षः, टी. एन. एस.-----

नायकर निध्नियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के नुधीन सुचना

#### भारत सडकाड

कार्यात्तव, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

कर्जन रेंज, हैवराबाद

हैदराबाद, दिनांक 30 जून 1984

निदेश सं० आर० ये० सी० नं० 293/84-85--- यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

मायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उम्स मिनियम' कहा गया है), की भारा 269- के अभीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- एउ. सं अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं प्लैट है, जो हिमायतनगर, हैदराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर, 1983,

को पूर्वा वित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्व वित सम्मृति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निष्कृत में बास्तिवृक रूप से कर्मित नहीं किया गया है है—

- (क) ज्ञारण से हुई किसी जाव की बाबत, उचक अभिनियम के अभीन कर योगे के जीतरक के सायित्य में कमी करने या उससे बुकने में सृष्धिया के किए; और/पा
- (क) एसी किसी आय या किसी थन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयक ए अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

अतः शव, उक्त अधिनियमः की धारा 269-ग के अनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन किन्नि नियमितिक स्पितियों हैं। अधीन किन्नि

- (1) मेसर्स सरादाध कत्स्ट्रक्शन्स् प्र० लि०, 3-6-200, हिमायतनगर, हैदराबाद। (अन्तरक)
- (2) कुमारी सुधानज पिता और माप्ता डाक्टरस्, श्री व श्रीमती अञ्चल सत्तार, 10-3-279, हैवराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करुके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्मित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राज्यन में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविध या तत्संबंधीं व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्स स्विक्तयों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब्ब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकर्ण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, श्रो उक्त विधिनियम के वश्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होगा को उस वश्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

फ्लैट विस्सीर्ण 1427 चौ० फुंट, आरुणोदया आपार्टमेंटस, हिमायतनगर, हैदराबाद, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 5946/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद।

एम० जेंगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबा

दिनोक : 30~6~1984

मोइर

प्ररूप बार्इ. टी. एन. एस.-----

शायकार अभितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुभना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रार्जेन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 30 जून 1984

निदेश सं० ग्रार० ये० सी० नं० 294/84~85—यत: मुझे, एम० जेगन मोहन,

बायकर बाधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परेवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उणित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से क्षिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट है, जो हिमायतनगर, हैदराबाद स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूरूणेंप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक 11/83,

को पूर्वीवत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उर्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गर्ह हैं और मुफे यह विश्वास फरने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे उर्यमान प्रतिफल का पढ़ प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से अक्त अन्तरण लिखित में अस्तिक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण ये हुई किसी नाय की वानता, उसत विश्वित्व के मधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व वें कमी करने वा खतसे वचने में सुविधा चे लिए; गीर∕वा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिको स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृतिधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की, अनुसरण में में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थान कि

- (1) सारदाय कन्स्ट्रमशनस प्रा० लि०, 3-6-200,, हिमायतनगर, हैदराबाद । (ग्रन्तरक)
- (2) कुमारी बाई० सादना रेड्डी पिता बाई० यस० ग्रानन्द रेड्डी , घर नं० 5-9-1047, हैदराबाद । (ग्रन्तरिती)

को यह स्वना वारी करके पृथ्येंक्स सम्बद्धि के वर्षन के सिए कार्यवाहिया करता हो।

# उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में खोड़ों भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की अविभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविभ , जो भी जबिंध के संकारत होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (त) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबङ्ग किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के पास सिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण---इसमें प्रयुक्त घट्यों और धवाँ का, को उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में यथा परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# वनुसूची

फ्लैट, हिमायतमगर, हैदराबाद, विस्तीर्ण 773 चौ० फुट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 5949/83, रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, हैदराबाद ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 30-6-1984

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की थारा 269-च (1) के अभीन सचना

#### भारत सरकार

कार्याल्य, स्हायक आयकर आयुक्त (निद्धीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 30 जुन 1984

निदेश सं० धार० ये० सी० नं० 295/84-85---यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्धात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट है, जो हिमायतनगर हैदराबाद स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता भिधकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक 11/83,

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के उपयमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गईं है और मूझे यह विक्यास करने का कारण है कि यभापुर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूख, उसके उदयमान प्रतिफल से, एसे उदयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक ही और अंसरक (अंतरकों) और अंतरिती (बन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गया नया प्रति-फल निम्नलिखित उद्विषय से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से अधित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के ब्रायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या जन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिसी व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खियाने में सुविधा के लिए:

जतः सम, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के मधीन, निम्नलिखित विकासीं क्यीत करन (1) मेसर्म सरावाध अन्स्ट्रवशन्स, प्रा० लि०, 3-6-200, हिमायतनगर, हैदराबाद ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री प्रित्तम हीरानन्द दादलानी श्रीर श्रन्य , वी-3/एफ०-6, पूनम श्रापार्टमेंटम, चिराग श्राली लेन, हैदराबाद ।

(भ्रन्तरिती)

को मह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति सुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम के बध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

# अनुसूची

फ्लैट नं विस्तीर्ण 1632 ची ० फुट, हिमायतनगर, हैदराबाद रिजस्ट्रीकृत विलेख नं 5821/83, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

विनांक : 30-6-84

बोहर:

प्ररूप गाइ . टी. एन. एस. -----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 30 जून 1984

निदेश सं० आर० ये० सी० नं० 296/84-85--बतः मुझे, एम० जेगनमोहन

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' अहा गया है, की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मूस्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० घर है, जो सइदाबाद, हैवराबाद स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर, 1983,

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतर्कों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेषय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त निभिनियम को अधीन कर दोने को जुन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा अं लिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिक्त व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्रीं मोहोंमद जंग, 3-5-121, यक्ष्म गार्डन, हैक्साबाद।

(श्रन्तरक)

(2) श्री मुस्ताक ग्रहमद खान, 22-5-582/5, चोक, हैयराबाद ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना <mark>भारी करके पृवेक्ति संपर्ति के वर्षन के लिए</mark> कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिचित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### नग्त्रणी

भर नं०  $16\sim1-23/35$ , फराह इस्टेट, साइवाबाद, हैवराबाद, विस्तीर्ण 430 ची० फुट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 5810/83, रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी हैदराबाद ।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, हैदराबाद

विनांक : 30-6-1984

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. ------

बायकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 30 जून 1984

नियेण सं० ग्रार० ये० सी० नं० 297/84-85--यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित् बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० घर है, जो सहदाबाद हैदराबाद स्थित है (स्रोर इससे उपाबद्ध स्रनुसूची में स्रोर पूर्णरूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रिज-स्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक नवस्वर 1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उजित बाजार मृत्य सं काम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रों यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से मिथक है और जंतरक (जंतरकों) और बंतरितीं (जंतरितियों) के वीच एसे जंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-क्त निम्निवित्त उद्देश्य से उक्त जंतरण निम्तित में नास्तिक क्य से किथत नहीं किया गया है है—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दामित्व में कभी कारने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ण) एसी किसी आव या किसी भून या अन्य आस्तियीं की, जिन्हें भारतीय बायकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर जिथिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अस: अब, उस्त अधिनियम की धारा 269-ण के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :——
33—17601/84

(1) श्री मौहम्मद जंग, 3~5~121, याडन श्रार्डन, हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री ग्रहमद सावित खान, 22~5~582/5, चौक, हैदराबाद ।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संस्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप ध---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख हैं
  45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथीकत् व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (७) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मिस में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकेंगे।

स्युष्टिकरण: ---इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, को उनत् अधिनियम, के अभ्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं नर्भ होगा जो उस अभ्याय में दिया गया हाँ।

# नन्त्री

घर नं 16:1-23/4, सदयाबाद, हैदराबाद, विस्तीर्ण 430 चौ पुट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं 5808/83, रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी हैदराबाद ।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 30-6-1984

मोहर 🖁

प्ररूप आहर्. टी. एन. एस. -----

कोयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक् आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ध्रजेंन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 30 जन 1984

निदेश सं० श्रार० ये० सी० नं० 298/84-85--यत मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह जिल्लाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

स्रोर जिसकी सं० पलैट है, जो हिमायतनगर, हैदराबाद में स्थित है (स्रोर इससे उपाबद अनुसूची में द्रौर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण स्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, दिनांक नवस्वर, 1983,

को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उत्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे ब्चने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सित्राय के लिए;

मत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपयाना (1) के अधीन. निम्निलिया व्यक्तियों, अर्थात :--

- (1) मेसर्भ सरादाव कन्स्ट्रक्शन्स्, प्रा० लि०, 3-6-200, हिमायतनगर, हैदराबाद । (श्रन्तारक)
- (2) श्रीमित एस० ए० हारवालकर,
   6-3-609/13/1, श्रानन्दनगर,
   हैदराबाद ।

(भ्रन्तरिती)

का ग्रह स्वता जारी करके पृशांक्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हुं।

सकत सम्पत्ति को अर्ज र को सम्बन्ध में कोई और कार याः

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा:
- (ख) इस स्चमा के राजपत्र में प्रकाशन की नारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकैंगे।

स्पष्टिकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

# गनुस्ची

• फ्लैट विस्तीर्णे 1018 चौ० पुट, हिमायतनगर, हैदराबाद, रजिस्ट्रीकृत विलेख ने० 5945/83, रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी, हैदराबाद ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 30-6-1984

मोहर

प्ररूप बार्धः टीः एनः एस्.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 30 जून 1984

निदेश सं० श्रार० ये० सी० नं० 299/84-85---यत मुझे, एम० जेगन मोहन,

लायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपये से अधिक है

ग्रीर जिसकी मं प्लैट है, जो हिमायतनगर, हैदराबाद में स्थित है (ग्रीर इनसे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण एप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, दिनंक नवम्बर, 1983,

कां प्थें जिल सम्पर्शित के उचित बाजार मृत्य से काम के रहनमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्परित का उचित बाजार मृत्य, असके रहम्यान प्रतिफाल सं एसे रूपमान प्रतिफाल का पन्द्रह प्रतिहात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तर्शितयों) के बीच एमे अन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिफाल, निम्नलिखित उद्वंदम से उक्त अन्तरण लिखित हैं बालाविक रूप से कथिस नहीं किया गया हैं:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत अक्त अधिक नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिका से कभी करने या अससे अचने में स्विधा के लिए बरि/या
- (क) एसी किसी आम या किसी धन या अन्य अस्तियों करी, जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के सिए;

- (1) सारदाव कन्स्ट्रवशन्स, प्रा० लि०, 3-6-200, हिमायतनगर, हैदराबाव । (भ्रन्तरक)
- (2) श्री सैयद सादिक द्यालीयास फातीमा बेगम, 3-6-207/2, हिमायतनगर, हैदराबाद-29 ।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रांक्स सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं सं 45 विन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सुधना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के गष्ट निस्तास में किए जा सकेंगे।

स्यष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त इपिनियस, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# मनुसूची

फ्लैट विस्तीर्ण 1403, चौ० फुट, हिमायतनगर, हैदराबाद, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 5950/83, रिजस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी, हैदराबाद ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर द्यायुक्त (निरीक्षण) स्रजैन रेंज, हैदराबाष

असः कथा. उका अभिनियम को भाग 269-म की जनस्त्रण मी, मी. पदत अभिनियम की भाग 269-म की जनभाग् (1) के अभीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः—

दिनांक : 30-6-1984

मोहर

प्ररूप बाहै, टी, एन, एस,------

आयकर अधिनियम, 1961 ((1961 का 43) की धारा 269-व (1) के धन्नीम सूचना

भारत सहकार

# कार्यास्य, सहायक नायकार नायुक्त (निरोक्ष)

श्चर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 30 जून 1984

निवेण सं० आर० ये० सी० नं० 300/84-85---यतः मुक्ते, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० फ्लैट है, जो सइदाबाद, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में श्रौर पूर्णस्प से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक नवस्वर 1983.

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास काइने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एमे दश्यमान प्रतिफल का पुल्कह प्रतिकात से अधिक है बाँग अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उच्ह अन्तरण लिखित को हास्तियक रूप से कथित स्था किया गया है ----

- (क) वन्तरण से हुए किसी बाव की वावत उक्त वीच-रिव्यस के ब्यीन कर बोने के बन्दरक के दायित्व में क्रमी कारने या उत्तसे बजने में सुविधा के लिए; क्रोड्रिया
- (ण) एसी किसी नाय या किसी भन या जन्य जारैस्तयों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन कर अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, कियाने में सुनिधा के जिए;

श्रतः अस उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की अनुसम्भ मी, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभादा (1) के अभीन, निम्निसिस व्यक्तियों, अर्थान, क्रिक्तिस्त

- (1) श्री मसूद ग्राली खान, 1-8-322, बेगमघेट, हैदराबाद । (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती हाफीज सुल्ताना, 16-4-236, चेंचलगृहा, हैदराबाद ।

(धन्तरिती)

को यह सूचना पारी क़रके पूर्वोक्स सम्परिस के वर्णन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त संपरित के वर्जन के संबंध में कोई भी काक्षेप !!--

- (क) इस सूचना के उजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इ.स. स्थाना को प्राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन को भीतर उक्त स्थायर संपरित में हित-बव्ध किसी जन्य व्यक्ति व्यारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पब्दोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधि-नियम के सध्याय 20-क में परिभाषित है, यही कर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

### सरस्यों

फ्लैट नं०  $16-1-24/\xi/15$ , फराह इस्टेट, सइदाबाद, हैदराबाद, विस्तीर्ण 360 चौ० फुट, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 5800/83, रिजस्ट्रीकर्ता मधिकारी हैदराबाद !

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाय

विनांक : 30-6-1984

# प्रकप् आर्षे टी. एन् एस : ----

काय्कर विभिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-मृ (1) के वृभीन सुमना

#### भारत सहकार

कार्यालय, सहायक भायकर मायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 30 जून 1984

निदंण सं० श्रारि० ये० सी० नं० 301/84-85--यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रुपये से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं जप्ति है, जो सहवाबाद, हैदराबाद स्थित है (श्रीर हससे उापबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक नवम्बर, 1983.

को पृथोंक्स संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृथोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तर्ण लिखित में बास्तिकृत, स्पू में कृषित नहीं किया गया है दिन्स

- (७) बन्तरुण् से हुई किसी बाग की बादत, उक्त अभिनियम के ब्योग कर दोने के बन्तरुक के दासित्व में कमी करने या उद्दे ब्यने में सूब्धि। के लिए; बॉर्-बा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय सायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ग्या भा या किया जाना चाहिए भा, छिपाने में सुविधा के सिए।

कतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित स्थितियों, अर्थात् :--- (1) श्री मोहम्मदर्जंग 3-5-121, यक्षन गार्डन, हैवराबाद।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री सैयद खाजा मोहीदीन,
 3-5-784/1/ए, किंग कोठी,
 हैदराबाद ।

(ग्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन् को सम्बन्ध में कोई भी आक्ष्प :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पृदों का, जो उक्त मिनियम के अध्याय 20-क में परिभाजित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया प्या है।

# वर्षकी

फ्लैट नं ० 16-1-23/2, सहवाबाद, हैदराबाद, विस्तीणं 360 चौ ० फुट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं ० 5804/83, रजिस्ट्रीकृत श्रिधकारी हैदराबाद ।

एम० जेगस भोहत सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर द्यायुक्त (निरीक्षण) द्यर्जम रेंज, हैदराबाद

दिमांक : 30-6-1984

मोहर 🥫

# प्रकार मार्च. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हेदराबाद, दिनांग 30 जुन 1984

निर्देशसं० आर०ए० मी० नं० 302/84—85——यतः मुझं एम० जेगनमोहन

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट है, जो सहदाबाद हेदराबाद में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूर्वी में और पूर्णारप में विधित है) रिजस्ट्रीएती अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारत य रिजस्ट्रअरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पिति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुफे यह विश्वास करने का आरण हैं कि यथापूर्वोचित संपित्त का उचित बाजार मुल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का मंद्राह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसिश्वत उद्देश्य से अन्तरण किश्वत में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अंतरण से हुड़े किसी अाय की बाबन, उजल अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- गर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा वै निए;

अतः अअ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिंकत व्यक्तियों, अर्थात् ः— (1) श्रो मोहम्मद जंग,
 3-5-121, कीम कोठं,
 हैदराबाद

(अन्तरक)

(2) श्रीमती मूमताज नईम,23-2-292/2,मोगलपूरा, हैदराबाद

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना कारी करके पूर्वोकत सम्परित के वर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तागील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण : ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

# नमृत्या

फ्लैंट नं ० 16-1-23/6, सङ्दाबाद हैदराबाद, विस्ते णं 430 चौ० फुट रजिस्ट्री त बिलेख नं ० 5803/83, रजिस्ट्री- कर्ता अधिकारी हैदराबाद।

एम० जेगन मोहन सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

सारीख: 30-6-1984

# बायकर अधिनियम, 1961 (1961 की 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरोक्षण)

अर्जनरेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांच 30जून, 1984

निदेश सं० आर०ए०सो०नं० 303/84-85---यतः मुझे, एम०जेगन मोहन

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें, इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुठ. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैंट है, जो सइदाबाद हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप ने विणित है), रिजस्ट्रीनर्ता अधिनारों के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रजरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नवम्बर 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का जीवत बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्र ह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पात्रा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य ने उसत अन्तरण लिखित में बास्तिक हैं। से क्षित तथीं किया गार्व है:—

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी मां की बाबत, उका मिन्न-निषय के प्रजीत कर देने से प्रश्नरक के दायित्व मे कभी करन या उत्पत्त बचने में सुख्यक्षा के लिए; और/या
  - (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, १९७७ (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, क्रियाने के सिष्ध के लिए:

अतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:——

(1) श्री मोहम्मद जंग 3-5-121, योडन मार्डन हेंदराबाद

(अन्तरक)

(2) श्रो णेक तूर महम्मद.16-8-584. मलक्षेट,हैवशाबाद

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अनिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर क्षूचना की तामील से 30 दिन की अनिध, जो भी अनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास निमित्त में किए जा सकरें।

स्पद्धीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>5</sup>, वही अर्थे होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसुची

पर्लैंट नं० 16-1-23/9, फराह एस्टेट महदाबाद, हैदराबाद, विस्तीर्ण 430 सौं० फुट, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 5806/83, रिजस्ट्रोकृती अधिकारी हैदराबाद।

एम० जेगन मोहन सक्षम अधिकारी सहायक आयक्रर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

नारीख: 30-6-1984

अरूप **माइ**ं, टी., एन., एस.,------

भायका हु निश्वित्यम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मुचना

भारत मर्कार

भागलिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्ण)
 अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदरामाद, दिनांच 30 जून 1984

निदेश सं० आर०ए० सी० नं० अअ 304/84—85---यतः मुझो एम० जोगनमोहन

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें क्लके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/- रु. से अधिक है

मौर जिसकी सं० फ्लैट है, जो सइदाबाद हैदराबाद स्थित है (मौर इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है); रिजस्ट्रीशर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रकरण अधिनियम, 1908 (1908 16) के अधीन नवम्बर 83

को पूर्वीक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विद्वास करने का कारण है कि सथापूर्वीक्स सम्पत्ति का उचित बाजार म्ल्य असके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रशिक्षत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्स अन्तरण लिखित में आस्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भग या जन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को अयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा किया गया था या किया जाना चाहिए ता छिपाने में सुविधा के लिए।

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के बधीन, निम्निलिसित स्थिक्यणें. अधीत् ः---

(1) श्री मोहम्मद जंग, 3-5-121 युक्त गार्डन, हैदराबाद

(अन्तरक)

(2) श्रोमती एस० या० नाजीब, 23-2-337, मोगलपूरी, हैंदराबाद

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्परिस के वर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप 🖫 🗕

- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वता की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध िकसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्यीकरणः — इसमें प्रयुक्त अब्बॉ और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में किया गया है।

# अगुलु 📆

फ्लैंट नं 16-23-7, सद्दाबाद, हैवराबाद, विस्तीणें 260 चौ० पुट रजिस्ट्रीकृत विलेख नं 5805/83 रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारो हैवराबाद

एस० जेगन मोहन सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 30-6-1984

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक णायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I. हैदराबाद

हैदराब(द, दिनांक 13 जून 1984

निदेश नं०पो० आंग्०नं० 3028~-अनः मुझ, आर० आर०णाह

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के कधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने की कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रहे. से अधिक है

और जित्तकी सं ० ज्योन सर्वे नं ० 443 डी० प्लाट नं ० 40 है। नया जी णांनी निकेतन सीप्तायटी, राजकीट में स्थित हैं (और इससे उपायद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है); रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय राजकीट में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम; 1908 (1908 का 16) के अधीन, 14-11-83

को पूर्विकत सम्पत्ति को उधित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि प्रथापूर्विक्त सम्पत्ति का उधित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत्त से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे भून्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ।——

- (क) बंतरण सं हुई किसी आय की बायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए: और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी थन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सुविधा के लिए;

शतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण के, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--34-176G!/84

(1) श्रोगती बीनाबेन कारतीलाल णाह मेहता स्ट्रीट, स्टेशन रोड, अमरेकी (सौराष्ट्र)

(अस्तरक)

(2) श्री बीचीन चन्द्र अनूपचन्द्र शेट्ड ।/9 मीलवरा राजकोट

(अन्तरिती)

को यह सूचना जार् करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यकरिक्षां करता हुं।

उक्त सम्पहित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
  45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
  अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए जा सकेंगे।

स्पव्योकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# **जन्**स्ची

जमीन जो सर्वे नं० 443 डी० णानीनिकेतम सोसायटी प्राटनं० 40 पर स्थित है तथा जिनका रिजस्ट्रीकर्ता रिजस्ट्रेणन नं० 6647/24-11-83 है।

> आर० आर० जाह सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, हैदराबाद

नारीख: 13-6-1984.

मोहर ३

प्ररूप आई. टी, एन. एस.-----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन स्भाना

#### भारत सरकार

कार्यात्रय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, हैदराखाद

हैदराबाद दिनांक 13 जून 1984

िनदेशनं ० पो० आर०नं ० ३७२१ — अतः मुझे, आर० आर० ---

भास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है),, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उधित बाजार मृल्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं जिमीन जो पृथ्वीराज प्लाट पर है। तथा जो प्लाटनं 279, 280 7245 वर्ग यार्ड भेड के साथ में स्थित है (और इसने उपाबक्ष अनुसूची में गौर पूर्ण रूप में विणित है); रिजस्ट्रीयती अधियारी ने सार्यालय मोराठी में रिजस्ट्रियण अधिनियम, 1908 (1908 हा 16) के अधीन, 3-11-83 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गीई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विष्य से उक्त अन्तरण लिखित निहित में वास्तविका एप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी शय की बाबत, उचत अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के द्रियाय में कमी करने या उससे बचने में मृतिधा के लिए; शर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या जन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अधित्:--- (1) श्री रिविशिक्ति गोरेन इन्डस्ट्रीज यादिडी प्रशट, मोरुबी, जिला राजकोट

(अन्तरक)

(2) मैसर्म णानदार मोजफ राहम पृथ्वीराज प्लाटनं 279, 280, मोरावी, जिला राजकीट

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथीयत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की बनिभ या तत्सम्बन्धी स्पन्तियों पर स्वना की तामील से 30 विन की बनिध, जो भी जनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से
  45 जिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वाप अधोहस्ताक्षरी के
  पास लिचित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत अधिनियम के सध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अगुसुची

जमीन णेड के साथ जो पृथ्वीराज प्लाट सं० 279, 280′ पर स्थित हैं तथा रजिस्ट्रोयनी रजिस्ट्रेशन नं० 2909/3—11—83 है ।

> आर०आर० णाह् सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, हैदराबाद

तारीख: 13-6-1984.

प्ररूप वार्च . दी . एन . एस . -----

आयकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ए (1) के अधीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्यातयः, सहायक्तः आयक्तर आयुक्तः (निरीक्षण) स्रजेन रेज-1; हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 जुन 1984

तिरेश तं० पा० आर० तं० 3030 - - अतः मुझे, आर० आर० माह

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,900/-रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं विविद्या सर्वे न ० 477 हैं। तथा जो श्रेयस फी ० गो ० मो पायटी, प्लाट नं ० 24 वो, र्राजकोट में स्थित है (और इसमें उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है); रिजस्ट्रीकित अधिकारी के कार्यालय राजकोट में रिजस्ट्रीकिरण अधिनियम; 1908 (1908 का 16) के अधीन [9-11-83 का पूर्वोक्त संपर्तित के उतिचा बाबार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास कारने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से एसे दृष्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिकों (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वदेय से उच्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त विध-नियम के अधीन कर दोनेके अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; वर्गर/या
- (ब) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य जास्तियों को जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण भें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों. अधित :— (1) श्री रंज्युवजेन गोवर्धनदास मानेफ 'मास् आणिप' स्वस्तीक सोमावटी, राजकोट

(अन्तर्क)

(2) श्री किशोर दारभाई नागमाई श्रेयसको० गो० श्रोमायटी प्लाटनं० 28-श्री० फलायड रोड, राजकोट

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारा काक पूर्वोक्त संपरित के कर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील सं 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थातर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकरो।

स्वच्छीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उन्स्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विगा गया है।

#### नन्स्ची

बिल्डिंग जो सर्वे नं० 177, श्रेयम की-गो० सोसायटी प्लाटनं० 28 बीपरस्थित है तथा रिजस्ट्रीयर्ता रिजस्ट्रेशन नं० 9-11-83 है।

> आर०आर०णाह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज, हैदराबाद

मारीख: 13-6-1984

प्ररूप आइं.टी.एन एस . ------

नायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) को नभीन सुभना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 2 जून 1984

िनिदेश नं० पो० आर० नं० 3031—-अज्ञः मुझे, आर० आर० --

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्जात 'उक्ट अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं बिल्डिंग जो दारो रोड पर है तथा जो कृष्त नगर प्याटनं 655 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अतुसूचों में और पूर्ण रूप संविधित है), रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारों के ार्यालय भाषत्गर में रिजस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अयोग 11-11-83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गईं और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्तर प्रतिकात से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण कि बिहा में बास्तिविक कप से किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जान की बानत, उपत जिथिनियम के अधीन कर को के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अजने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ कर्त, जिल्हों भारतीय अध-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्हिंदी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की अनुसरण में, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री शामभाई हरीभाई भीमजीभाई हरीभाई शांतीभाई हरीभाई दोनुभाई हरीभाई 655, दारीरोड, कृष्नानगर, भावनगर

(अन्तरक)

(2) अलक्षनन्दा को०श्रो० सोसायटी
सयंक नरोत्तमवास पटेल
मनसुखलाल जेठालाल शास्त्री
महेशभाई बेचरदास दथे
महेन्द्रकुमार शीचलाल व्यास
नथुभाई रयानन्द गहवी
1309, वृद्धा आश्रम के सामने
घोषा सर्कल भावनगर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथीकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति 🎕 अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास सिसित में किए जा सकोंगे।

स्थळीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिमिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनस्यी

बिल्डिंग जो ऋष्नानगरदारी शेष्ठ, प्लाटनं० 655 परस्थित है तथा रजिस्ट्रीकर्ता रजिस्ट्रेशन नं० 3538/11--11--83 है

> आर० आर० गाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

सारी**ख:** 2-6-1984.

मोहरु ह

प्ररूप आर्ड्. टी. एन. एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्स (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, अहमदाबाद अहमदाबाद दिनांक 2 जुन, 1984

निदेण नं० पी० आर० नं० 3032/23—1/84--85---

अतः मुझे आर० आर० माह

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परनात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000∕-रा. से अभिक ह<sup>2</sup>

और जिसकी सं० जमीन हुडना नगर में है। तथा जो रील इाप प्लाटनं ० 2238बी० भावनगर, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है); रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कायलिय भावनगर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908) का 16) के अधीन 8-11-83

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नसिचित उद्देश्य से उनत बन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अभीन कर दीने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; बौर/मा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या मन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय अायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया थायाकिया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविभा बे तिए;

क्रतः कथ, अक्रत लीधीनयम, की धारा 269-न के बनुसरण में, में., उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) को अधीन,, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्रो सीमनाभाई ग्नयत्राय कामदार कुल मुख्तमार सन्तोषभाई गुनवंतराय कामडार 'कुंदनकुंज' घोषा सकल' भावनगर

(अन्तरक)

(2) प्रमुखाधी राघवजी जीवाभाई मरालीय श्री नांध कॉ--ओ--ह० सोसायटी, प्लाटनं० 2238,ए० डील डाखरोड

(अन्तरिर्ता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त संपह्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप '---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोख से 45 विन की अविधि या तरसंबंधी व्यक्तियाँ सुचना की तामील से 30 दिन की अवधि. जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति खुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पब्टोकरणाःच-इसमें प्रयुक्त शक्दों भीर पदों का, जो **सक**प्त अधिनियम के अध्यात 20-क में परिचाचित है, बही भने होगा, को उस अध्याय में विमा गया है।

जमीन जो हील ड्राख रोड, एष्म नगर प्लाटनं० 2238-वी अभावनगर में स्थित है तथा रिजस्दीकर्ता रिजस्ट्रेशन नंअ 3504/8-11-83है।

> (आर० आर० शाह) सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 1, अहमदाबाद

तारीख: 2-6-84

प्ररूप आहूरे. टी. एन. एस<u>. २</u> -------

जायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार ु

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्ट (निरीक्षण) अर्जनरेज-1,अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 2 जुलाई 1984

निदेश नं० प}० आर० नं० 3033/23—1/84—85~— अतः मुझे, आर०आर०शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं० एफ० पो० नं० 89 टी० पो० एस० 22, सानिक को०--अं०-- हैं। तथा जो डाँ० हु० सोपायटी निमिटेड पालड़ो अहमदाबाद में स्थित हैं (और इस्पे उपावड़ अनुभूकों में और पूर्ण कप से विणित हैं) में एजिस्ट्रोकित अधिकार। के जायालय अहमदाबाद में रिजस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908) हा 16) के अबीन नवस्बर 1983

की पूर्वीकत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास कारने का कारण है कि यथापूर्वीकत संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरफ (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उज्वहिय से उच्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, अकत अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व मों कमी कारने या उससे बचने मां स्विधा के निए; और/मा
- (ण) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जपना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अव, उक्तं का भानयस की भारा 269-ग की, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपभारा (1) की अधीन, निम्नलिखित अधीनतों. अधीत् :---

(1) श्री नामुदेव एम० पटेल४, जय सोडीयार सोसायटीनय व हन अहमदाबाद

(अन्तरक)

(2) श्रो नवं नचन्द एम० शाह 11, डर्पन सोमायटी मेंट जेबीयर्स स्फुल रोड, अहमटाबाद

(अन्तरितीः)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वीक्स संपत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हा।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे क्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावार संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में लिया गया है।

### जन्स्ची

फ्लैट जिसमा क्षेत्रफल 81 वर्ग यार्ड है जो पाबली अह-मदाबाद में स्थित है तथा सब रिस्ट्रिंग अहमदाबाद रिजस्ट्रीकर्ता बिकोखन नं ॰ 10506/नवम्बर 1983 है।

> आर० आर० **गाह** मक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, अ**हमदाया**य

्यारीखाः 3~7—84 मो**हर**ः प्ररूप बाहा. टी. एन. एस.-----

जायकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

# कार्यास्य, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जनरेज-1.जहमदादाद

अहमदाबाद, दिनांक 2 जुलाई 1984

निदेश नं० पी० भार० नं० 3034/23--1/84--85----अतः मुझे, आर० आर० गाह

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं एफ पिंठ नं 602 एस पिंठ नं 159 टी पिंठ एस 21 है तथा जो मानेकवाग को अंगे - हा व सोमायटी ओवायाडी अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) में रिजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908) दा 16) के अधिन नवस्वर, 1983 को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित याजार मृत्य से कम के दूर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे दह विद्वास करने के कारण है कि यथाप्टीकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्वयमान प्रतिफल का पह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एस अन्तरण के लिए तय पाया गया शतिफल, निम्निविद्य उद्योग से उक्त अंतरण निविद्य में भारतिक, निम्निविद्य उद्योग से उक्त अंतरण निविद्य में भारतिक रूप से किथा नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबल, उत्ता अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (च) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्मियों द्यारा प्रकट नहीं किया गया धा सा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त कधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, भैं. उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती स्विताबीत अनंतराय गांधी केल्झोल जनंतराय एमल गांबी स्वताम जुडु स्कीम, देना वनफ नभवीत. विने पारने (वेस्ट) साम्बीच 56।

(अन्तर्दा)

(2) श्रीमती लीकापत्नी रमेणचन्द्र भट्ट श्री मतीय रमेणचन्द्र भट्ट बी--6 जानगंगा फलेटरा श्रूभकेतु मार्ग, पालडो, अहमदाबाद

(अन्तरिती)

को यह सृचना जारी करके पूर्वोक्त मम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि याव में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति व्यक्ति ।
- (स) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहरनाक्षरी के पास जिला में किए जा सकीरों।

स्वष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनस्ची

जमीन जिसका क्षेत्रफल 334.5 वर्ग मीटर है जो मानेक-वाग को० ओ०हा० मोतायटी, ओवापाई। अहमदाबाद स्थित है तथा सब रिक्किट्टार अहमदाबाद रिजस्ट्रीकर्ता विकी खन नं० 16219/नवम्बर 1983है।

> आर०आर० गाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरोज 1. अहमदाबाद

न(र्)खः 2**—7—8**4

# प्रकृष काइ . टी . एन . एस . ------

# आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 2 जुलाई 1984

निदेशनं० पी० आए०नं० 3035/23-1/84-85--अतः मुझे, आर० आए० णाह

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भाउ 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित आचार मृस्य 25,000/- रा. से अधिक हैं:

और जिसकी मं० एम० पी० नं० 734 टी० पी० एस० ग्राउन्ड फलोर पर्लैट है। तथा जो मादलपुर उर्फ छडापड़ अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित है); रिजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम; 1908 (1908 का 16) के अबीन 25~11-83

को प्वेक्ति संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में शास्त्रिक रूप से अधित नहीं किया गया है।

- (क) जन्तरण से हुइ किसी जाय की बावत, उक्त जभिनियम के जभीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा फं, लगा: और/ण
- (क) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर मधिनियम, या धन-कर मधिनियम, या धन-कर मधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गण था या किया चाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा है सिए;

(1) श्री एमनेप विनोदचन्द्र मेहना,219, श्रीभाली मोसायदी,नथरंगपुरा, अहमदायाद

(अन्तरक)

(2) श्री वल्लभवास नरभेराम सोनी श्रीमती जथाबेन वल्लभदाम मोनी धोबी की पोत, बाला अनुमान, गांधी रोड, अहमदाबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

# जनत संपत्ति के बर्चन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सी 45 दिन की मविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की मविध, जो भी मविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरों के नात तिकित में किए का सकेंगे।

स्वव्यक्तिरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### **जन्स्**चो

पनौट जिसका क्षेत्रफल 91 वर्ग यार्ड है जो टी०पी० एस 3 छड़ागड़, माहलपुर अहमशबाद स्थित हैनया सब रजिस्ट्रार अहमशबाद रजिस्ट्रीकर्ता बिकी खननं० 16314/25—11—83 है।

> आए० आए० **शाह** सक्षम प्राधिकारी महायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अ**र्ज**न रेंज-1, अहमदाबाद

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अधीतः

तारीख: 2-7-84

प्रक्य भार्षः औ. एन : एषः ------

नायकरु अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 2 जुलाई 1984

निदेश नं० पी० **आ**र० नं० 3036/23~1/84~85—— अत: मझे आर० आर० शाह

कायकर किंपिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- एत. से अधिक है

और जिसकी सं० बिल्डिंग ई-29, फर्स्ट और सेकन्ड फ्लोर एफ ० पी० 343 है। तथा जो वास्की को ० ओ ० हा ० सोसायटी वासना, अहमदाबाद में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है); रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कायलिय अहमदाबाद में रजिदीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 21-11-83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार भूल्य से कम के रूश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विख्यास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके द्रायमान प्रतिफल से, ऐसे द्रायमान प्रतिफल का पन्ध्रह प्रतिचात अधिक है और अन्तरक (अंसरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नसिसित उत्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (का) अन्तरण से हुई। किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की वायित्य में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के सिए: और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधाके लिए:

में, में उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अभीन, निम्निलिश्वत व्यक्तियों, अर्थात् ध---

बतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण 35-176GI/84

- (1) श्री (1) जी० के० चोकसी 16, गवर्न मेन्ट सर्वेन्ट सोसायटी, नवरंगपुरा, अहमदाबाद (2) श्रीवी०सी० गाह,
  - वासुकी सोसायटी वासना. अहमदाबाद
  - (3) मेसर्म सविताबेन एसोसियेटस 'हरीसदन' परीमल रेलवे क्रोसिंग, पालड़ी, अहमदाबाद

(अन्तरक्)

(2) श्री प्रानलाल जंबकलाल शाह इ-29, वासुकी को-ओ-हा० मोगायटी वासना, अहमदाबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्छ व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखिल में किए जा सकेंगे।

स्पटिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है., वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दियागमा है।

#### जनस्पन

बिल्डिंग जिसका कुल बनाहुआ एरिया 131.70 वर्ग यार्ड है जो बासना अहमदाबाद स्थित है तथा सब रजिस्ट्रार अहमदाबाद बिकीखत नं० 16083/21-11-83 है।

> आर० आर० शाह सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

नारीख: 2-7-84

मोहर 🛚

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 2 जुलाई, 1984

निदेश नं० पी० आर० नं० 3037/23-1/84-85---अतः मुझे, आर० आर० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्कात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000/-रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० एफ० पी० नं० 44, एसं० पी० नं० 2 टी० पी० एस० 4 है। तथा जो राजपुर ही रपुर 'स्वामी नारायन को लोनी, मनोनगर अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद अनुमून में और प्ण रूप ये विणित है); रजिस्ट्रोकति अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1-11-83

को प्वाँक्त सम्पत्ति के जिसत बाबार मृस्य से कम के क्यमान प्रित्मल के लिए अंतरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके क्रियमान प्रतिफल से, एसे रूक्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रसिद्यान में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण सिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी अध्य की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में श्रीवधा के लिए; और/था
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कर, जिल्हा भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर आधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इंबारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) कै सधीन, निस्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री वाडीलाल अंबालाल पटेल
 १, स्वामीनारायन कोलोनी,
 रामबाग रोड, अहमदाबाद

(अन्तरम)

(2) श्री सुभाषचन्द्र छगनाला श्रीमती उषायेन प्रदीपकुमार नं 2, स्वामीनायन कोलोनी, शमधागरोड, अक्षमदायाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ब) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिलबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास लिसित को किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और गर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में प्रिशाणित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया नया है।

# नगस्यो

बिल्डिंग जिसका जमीन का क्षेत्रफल 400 वर्ग यार्ड है मनोनगर अहमवाबाद में स्थित है तथा सब रजिस्ट्रार अहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ता बिकी खत नं० 15240/1-11-83 है।

> आर० आर० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीखा: 2-7-84

मोहर 🤋

# प्रकृत वार्ड , टो., एवं , एवं , स्थान

# भागकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मुनीन सुचना

#### बारक बहुकार

कार्यालय, सहायक कायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज-1, अहमसाबाद

अहमवाबाद, विनांक 2 जुलाई 1984

निदेशनं० पी० आर०नं० 3038/23—1/84—85——अतः मुझे, आर० आर० शाह

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पद्मात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- से के अधीन संक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संस्पत्ति, जिसका उचित्र बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एफ० पी० नं० 19 पैकी एस० पी० नं० 56 पैकी है। तथा जो जमीन साइड, बंगला नं० 142, शेखपुर खानपुर, अहमदाबाद में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्व रूप से बणित है); रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रजिस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का - 16) के अधीन, नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त संपर्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थमाब प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मृत्य उसके स्थमान प्रतिफल से, एस स्थमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिशत से बिधक है और मन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नीसिकत उद्वेष्य से उक्त ब्लारण सिचित में बास्तविक स्प से कथित वहीं किया गया है देन

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबता, उक्त अधिपियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बावित्व में कभी कर्ष वा उससे वचने में सुविधा के बिदा; कोंट्र/वा
- (क) एसी किसी बाब या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया भया था या किया जाना चाहिए या कियाने में सुनिधा के किए;

ब्दः बंब, खनत बीधनियम की बारा 269-म के कन्तरच में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) में अधीन, मिम्नजिकित व्यक्तियों, अधीत् ह—

- (1) श्रीमती (1) सुमित्राब न वासुदेव शुवल
  - (2) श्रामती केशव वासुदेव
  - (3) श्री महर्पी वासुदेव
  - (4) श्रीमती अभिवत्ता वासुवेव
  - (5) श्री मुकेण वासुदेव सरदार पटेल कोलोनी स्टेडियम नजदीक नवरंगपुर अहमदाबाद-380014।

(अन्तरक)

(2) श्री विरेत छोटालाल ठक्कर बंगला नं० 142, सरदार पटेल कोलोनी, स्टेडियम नजदोक, नवरंगपुरा, अहमदाबाद-3800014

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथाँकत संपृत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाष्ट्रियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना की राजपत्र में प्रकाशन की शारीख से 4.5 दिन की अविधिया सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में स्माप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इतारा;
- (अ) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी वा बें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य स्थावत द्वारा मुश्राहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित इ, बहु कुर्व होगा, जो उस् सुध्याय में विया गया

### अनुसूची

बिल्डिंग जो टी॰ पी॰ एस॰ 19 एस॰ पी॰ 156 पैकी एफ॰ पी॰ 19, सरदार पटेल कोलोनी, स्टेडियम नजदीक नव-रंगपुरा अहमदाबाद स्थित में है तथा सब रजिस्ट्रार अहमदाबाद रजिस्ट्रा कर्ती बिक्रो खत नं॰ 12492/नवम्बर 1983 है।

आर० आर० **गाह** सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, **सह**मदाबाद

तारीख: 2~7~84

मोहर 🗈

# प्रकल बाहु हिं दुन् पुन् पुन् क्षा क्षा कार्य

मायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के मधीन सुचना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निर्देशिक)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद अहमदाबाद,दिनांक 2 जुलाई 1984

निदेग नं ० पो० आर० नं ० 3039/23-1/84-85--अतः मुझे, आर० आर० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० शेंड एस०पी० नं० 214 आर० एस० नं० 67-70-75 है तथा जो और 123, ओटप जिला, अह-मदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है); रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहम-दाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 26-11-83

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया निया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है हिन्स

- (क) जंतप्रण के हुए किसी बाय की वाबत, उक्त जिभीनयम को अभीन कर दोने के अंतरक के वायित्व में कभी कदने वा उससे वचने में सुविधा के लिए; जरि/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य ब्रास्तियों को जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्यारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया बाना चाहिए भा, कियाने में सुनिधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) हुँ अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ६—— (1) मेसर्स एशियन इन्जीनियरिंग वर्कस 211/22, गुजरात वेचारी महामंडले औद्योगिक सरकारी पसाहन, ओख, अहमदाबाद

(अन्तरक)

(2) मेसर्स रोल्स्ट्रीयस (इन्डिया)
214, गुजरात वेचारी महामंडल औद्योगिक सहकारी वसाहत,
ओहप, अहमदाबाद

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप ७--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिमों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीकर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ हांगा को उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसुची

गोड जिसका जमीन का क्षेत्रफल 1100 वर्ग गार्ड है जो ओढप अहमदाबाद में स्थित है तथा सब रजिस्ट्रार अहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ता विकीखत नं० 16326/26-11-83 है।

> आर० आर० गाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारी**ख**: 2-7-84

मोहर 🕄

प्रस्त मार्च और एन्ट पुरान धन्य

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के नुधीन सूचना

भारत चरुकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्दाक्षण)

अर्जन रंज-1 अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 2 जुलाई 1984

सं० पी० आर० नं० 304--अतः मुझे, आर० आर० णाह्

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वाद करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका अधित बाबार मृक्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

और जिसकी संव सर्वेव नंव 110, टी पी एस 12 खुला ज़मीन, है। तथा जो गांव रखीयाल अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपावड अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), 37 ईई से के कार्यालय, अहमदाबाद के अधीन, 2-11-83 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के खरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विषवास करने का कारण है कि यभाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके खरमान प्रतिफल से, एसे खरमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिचत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (कन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरक के सिए तम पामा गमा प्रतिफल का निम्निकत उद्वोदय से उक्त अन्तरक सिषद में बास्तरिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) नन्तरुन् सं हुद रिक्ती लाज की नान्त्र किता करते निर्मित्य की न्यीन कर बोने के बन्दरक की वासित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी भन या जन्य आस्तिकों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गृहा था वा किया जाना जाहिए वा, किया के निए;

बतः जब उनतं विधिनियमं की भाग 269-न की बनुतरण में, में, उनते अधिनियम की भाग 269-म की उपभाग (1) के बधीन, निम्नितिखत व्यक्तियों, बधीत् हि—  श्री अतील स्टार्च प्रोप्तक्टस लिमिटेंड अतील रोड, अहमदाबाद।

(अस्तरकः)

2. श्री रमन भाई मोहन भाई पटेल 21, प्रभुकीट सोसायटी, बापुनगर, अहमदाबाय।

(अम्तरिती)

को यह बुचना बारी करले पून्तिक सम्मृतिक के मूर्चन के निष् कार्यवाहियां करता हूं ते

उक्त बन्दित के बर्बन के बन्दुन्य में कोई भी बाक्येपु;---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिय की नवीं या बस्तम्बन्धी व्यक्तियों पूड कृषना की तानीब से 30 दिन की जुवीं , जो भी बवीं वाद में तमान्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर स्वीक्तयों में से किसी स्वृत्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उपल स्थावर सम्पत्ति में हितवबूध किसी कन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पाड सिसित में किए जा सकेंगे।

स्यक्षीकरणः - इसमें प्रयुक्त सब्दों नीड वर्षे का, वो वक्तु निधिनियम, के अभ्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अभ्याय में विया मुसा है।

खुला जमीन का प्लाट को गांव रखीगाल अहमदाबाद में स्थित है 37 हिई कोम पर से निम्न दस्तखत किया हुआ ओसिर्स दिनांक 2-11-83 को प्राप्त हुआ है।

> आर० आर० गाह, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयंकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जुन रेंज-1, अहमदाबाव

तारीच: 2~7~84

मोहरूः

# प्रस्प नाइं हो . एष . एस . -----

# बायकह नीधनियम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के स्थीन स्वना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक आयकर जायुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज 1/23/84-85

अहमदाबाद, दिनांक 2 जुलाई, 1984

सं० पी० आर० नं० 3041:---अतः मुझे आर० आर० शाह,

शायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० एफ० पी० नं० 130 एस० पी० नं. 130/1, टी० पी० एस० 26, है। तथा जो सर्वे नं० 88 और 115 वासना मफतामथुरा, अहमवाबाद में स्थित है अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 25-11-83।

को पूर्वेक्ति संपर्तित के उण्णित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सांपरित का उण्णित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया यया प्रतिफल, निम्नलिचित उद्वोध्य से उक्त अन्तरण सिचित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है अन्तरण

- (क) जन्तद्रण ते हुइ किन्ती जाग की बाबत उजन अधिनियम के जभीन कुदु दोने के अस्तरक के दायित्व में कमी कारने या उससे बखने में सुविधा के जिए; जीर/या
- (क) एसी किसी भाग या किसी भग या अन्य आस्तियाँ को जिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुनारा प्रकट नहीं किया गया भा या भिन्ना आना भाहिए भा, स्थिपन में सुविधा के लिए।

कतः अभ, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ए के अनुसरण् में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधास (1) के ज्योन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः—-  श्रोमती नोरू4मा प्रफुलचन्द मोदी सुतरिया बिल्जिंग, ओलोसवीज, अहमवाबाद।

(अन्तरक

2. श्री नीलय अस शाह, चेयरमैन, प्रेमवर्धक अपादैमेंड ओनसें एसोसियेशन, 11, धरनीक्षर सोसायटी, विशास गृह के नजवीक, पालड़ी अहमदाबाद-380007।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

# उक्त संपत्ति के अर्धन के संबंध में कोई भी आक्षेप ह-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख सै 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को हारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पळ्तिकरण: --- इसमें प्रयुक्त सन्धों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

जमीन प्लीन्य के साथ जो वासना, जिला अहमादाबाद में स्थित है तथय सब रजिस्ट्रार अहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्त्ता विको खत नं० 7607/25-11-83 है।

> आर० जार० घाष्ट्र, सम्म प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (मिरीकाण) अर्जन रॅज 1, अष्टमवामाद

तारीख: 3-7-84

मोहर

प्रकल काइ. टी. एन. एस. -5--धनन्त

नायकर निधीनयम, 1961 (1961 का 43) की भार 269-घ (1) के नधीन सुवस

#### भारत ब्रकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्दाक्षण) अर्जन रेंज अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनाक 3 जुलाई, 1984 सं० पी० आर० नं० 3042:——अतः मृक्षे आर० आर० ह,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उचत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाधार मृख्य 25.000/-रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० एफ० पी० 325, ए०-2, पैकी टी० पी० एस-19, है। तथा जो अच्छा अपार्टमेंट, जी० एफ० मेखर खानपुर उर्फ नवरंगपुर में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूवों में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रो प्रिधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रिजस्ट्रो करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 9-11-83

को प्रॉक्त संपत्ति के उचित वाकार मृस्य से काम के कामाम प्रतिकत के लिए मन्तरित की गई है और मुक्ते यह विकास करने का कारण है कि मचाप्जोंकत सम्पत्ति का उचित वाचार मृत्य उसके द्वयमान प्रतिकल से, ऐसे द्वयमान प्रतिकल का पंन्द्रह प्रतिकत में अधिक है और मंतरक (मंतरकों) और मन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
- (व) एसी किसी बाव वा किसी वन वा बन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्य अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया वा था किया धना वाहिए वा किया के सुविका के सिक;

जतः जब उक्त जिभिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखिल व्यक्तियों, वर्षात् ः—— 1. श्री महेश भाई कान्तीलाल सोनी, 1223 रूपा सुरचन्द की पोल, मदन गोपालकी हथेली, मानकचोक, अहमदाबाद।

(अन्तरक)

2. फीलो कुमार बाबूलाल चौकसी बीपुल कुमार बाबूलाल घोकसी 3/6 हिमालय पार्क, आश्रम रोड, इन्कम टैक्स आफिस के नजदीक, अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यशाहियां करता हुं।

सकत सम्मति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप अ---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय वे 45 दिन की अविधिया तस्सवंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, को औा अविधि वाद में समाप्त होती हो, के शीत्र पृत्रित् व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींस से 45 दिन के भीतर उचत स्थावर सम्मत्ति में हित- वस्थ किसी बन्य स्थावत द्वारा, वधोहस्ताक्षरी के पास किसित में किए का सकेंगे।

स्थलीक दुन्: --- इसमें प्रयुक्त कव्यों बरि पूरों का, को उपस् वर्षिनियम्, के ब्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा को उस ब्याय में विका भूता हैं।

#### गनुसूची

फ्लैट जिसका श्रेतिफल 111 वर्ग गज है जो शेखर खानपुर उर्फ नवरंगपुरा श्रहमवाबाद में स्थित है तथा सब रिजस्ट्रार शहमदाबाद रिजस्ट्रोकर्ता विक्रीखत नं० 15549/ 9-11-83 है।

> आर० आर० **गाह**, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजन रेंज 1 अहमदाबाद

तारीख: 3-7-84

मोहर

प्रारेष बाह् . टी. एन. एसं. =----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुधना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-1 अहमदाबाद

अहमवाबाद, दिनांक 2 जुलाई 1984

र्सं० पी० आर० नं० 3043:-- 23-1/84-85 अतः मुझे आर० आर० शाह,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसको स० एफ० पी० न० 52 बी-4, 8 ओलीफन्टा सीयायटी, है। तथा जो नारंनपुरा चोर रास्ता अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीम, 18 नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुके यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिचित उद्वोदय से उक्त अन्तरण कि बित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/शा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में जिक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— श्री धन लक्ष्मी रामाकिशन पटेल
फे/ओ० मापना बेन अध्विन भाई पारीख
7, ओलीफन्टा सीसायटी,
नारनपुरा, चार रस्ता,
अहमवाबाद-13।

(अन्सरक)

2. श्रीमती माथनावेन अश्विन भाई पारीख श्री अश्विन भाई रमनलाल पारीख 7, ओलीफण्टा सोसायटी, नारनपुरा चार रस्ता, अहमसाबाद-3800013।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पर्टित के अर्जन के लिए' कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप 🖫

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से
  45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
  अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त करूरों और पदों का को उक्क जीधनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया स्या है।

#### ननसूत्री

टेनामेंट न० 7 जो ओलीफन्टा सोसावटी में स्थित है नारनपुरा चार रास्ता अहमदाबाद तथा सब रिजस्ट्रार अहमदाबाद रिजस्ट्रीकरण बिकीखत नं० 15787/18-11-83 है।

> आर् आर शाह सक्षम प्राधिकारी, महायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीच: 2-7-84

मोहरः

प्ररूप बार्ष, टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, अहमदाबाद

अहमदाबाद, विनांक 2 जुलाई 1984 निदेश संवर्गावजारवनंव 3044—-अर्जन रेंज- 1/23-1/84-85 अतः मुझे आरव्यारव माह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसेकी संव मर्वे नंव 76-92 पैकी (फ्लेट) हैं। तथा जो वासना अहमदावाद में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूचि में और पूर्ण रूप से वर्णित है): रिजस्ट्रीकरण अधिनयम; कारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम; 1908 (1908) का 16) के अधीन 16 दिसम्बर 1983 को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्यं, उसके ख्रयमान प्रतिफल से, ऐसे ख्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ)। के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निचिखत उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखत में अम्तिफल, निम्निचिखत उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखत में अम्तिफल स्थ से किथत नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी नाम की बाबत उक्त अभि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृषिधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अत्व, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, अक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) हे अधीत, निम्तिसित व्यक्तियों, अर्थात् ह

36-176GI/84

(1) श्री जगदीण जयंतीलाल शाह 1238, रूचा सुरचंदकी पोल, मदन गोपालकी हवेली के नजदीक, अहमदाबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री मथुर बाबू लाल आह, श्री नेखा मयुर गाह 35, बंसीधर सोसे।यटी, सरखेंद्र रोड, भट्ठा नजवीक, थालडी, अहमदाबाद।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोर्ड भी अक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि हो तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य अयक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पर्ध्वीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

#### नगुसूची

पलैट जिसका क्षेत्रफल 89 वर्ग यार्ड है जो वासना अहम-वाबाद में स्थित हैं तथा सब रिजस्ट्रार अहमदाबाद रिजस्ट्री-कर्त्ता बिक्रीखत नं० 15890/16-11-83 है।

> आर०आर० णाह् सक्षम प्राधिकारी महासक आयक्त आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 1, अहमदाबाद

तारीख: 2-7-1984 मोहर: अहमधानाद प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन मृचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्ज रेंज---1 23-1/84-85
 अतमदाबाद, दिनांक 8 जुलाई 1984

निदेश पीं०आर० नं०-3045- निदेश नं० पी०आर०नं०3045 आर०आर० शाह,

क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० एफ॰पी॰नं० 320,टी॰पी॰एस०-3 नंगीसपुर है। तथा जो मीड।सखानी अलीसेकीज अहमदाबाद में स्थित है और इसमें उपाबड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से बणित हैं); रजीस्ट्रीकर्मा अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजीस्ट्रीकरण अधिनियम; 1908(1908) का 16) के अधीन 18 नथम्बर 1983

को पूर्णेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह अश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार) और अन्तरिती (अन्तरितियार) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखत में बास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कसी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रशंकनार्थ अंतरिती इसारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, स्थिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अक्ष, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीर, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थास् :-- (1) श्रीमती रेखाबेन सुरेन्द्रभाई गोधी परूलपी पार्क अपार्टमेन्ट, बी- 5 नवरंगपुरा, म्यूनिसिपल मारफट के सामने, अहमदाबाद-380009।

(अन्तरक)

(१८) सी अंश गली । प्रोटवाला एन्ड कंपनी 120, 125 नं गीनदास मास्टर रोड़, फोर्ट की ओर से रेजीनल डायरेक्टर्स, श्री पंकजभाई बाबूभाई खांडवाला, केंग्निश श्री जी अंश जी अए गार्लीमा कोटवाला एन्ड कंपनी प्राइवेट लिमिटेड, फोल्ड्रीस बजार, किशोर फोल्ड्रीस कालूपुर, अहमदाबाद।

(अन्त रितीः)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूबंना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकरें।

स्पव्योक रण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

पलेट जिसका क्षेत्रफल 136.5 वर्ग यार्ड है जो मीठाखली अहमदाबाद में स्थित है तथा सब रिजस्ट्रार अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकर्त्ता बिक्रीखत नं० 15991/ ता० 18-11-83 है।

> आर०आर० शाह यक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1/ अहमदाबाद

तारीख: 3-7-1984

प्ररूप आहं. टी. एनं. एस. -----

भायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज--- 6, अहमधाबाध

अहमवाबाद, दिनांक 2 जुलाई 1984

निदेश सं निदेश नं० पी॰ आर०नं० 3046/23-1/84-85---अतः मुझे, आर०आर० शाह्र,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी की, वह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उपित बाकार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 350, 351, 353, 354/1, 354/2 357, 355, 360/3, जे० बी० है। तथा जी एस० पी० नं० 18, लाड को० ओ० हा० सीसायटी, बोडफडेप अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में, और पुर्ण रूप से विणित है); रजीस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजीस्ट्रीकरण अधिनियम; 1908 (1908 का 16) के अधीन 1 नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्परित के उणित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त-विक स्प से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी अाय या किसी अन् या अन्य आस्तियों को किसी आय या किसी अन् या अन्य आस्तियों को किसी भन्दा अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत अभिनियम, या अनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गुसा था या किया जाना चाहिए था, कियाने जें स्विधा के लिए;

भतः जय, उक्त विधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण को, मी, उक्त मधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन, निम्मलिखित स्थितियों, जभति ६—

(1) श्रीमती कुसुमबेन धरमदास दलाल नवजीवन पलेटस् (आदर्श नवजीवन को०ओ० हा० सोसायटी लिमीटेड) छठी मन्जिल, 20, नेपचन्सी रोड़, बाम्बे-400006।

(अन्तरक्/)

(2) श्री भुषेन्द्र शान्तीलाल शाह, महाराष्ट्र सोसायटी के नजदीक, लो कोलेज रोष्ठ, अलीसक्रीज, अहमदाबाद।

(अन्तरितीः)

को यह सूचना जारी कारके पृथाँक्त सम्मत्ति को अर्थन को लिए कार्यनाहियां कारता हुं।

उक्त सम्मत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप्:-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के मीतर पूर्वोक्त ध्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा:
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबष्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरीं के पास निधित में किए जा सकेंगे।

स्पटकीकरण: --इसमें प्रयम्त शन्दों और पदों का, जो उनत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका गया है।

#### मन्सूची

जमीन (पलीन्थ के साथ) जिसका क्षेत्रफल 400 वर्ग यार्ड है जो बोडफडेप जिला अहमदाबाद में स्थित है तथा सब-रजिस्ट्रा,र अहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्त्ता, रजिस्ट्रेशन नं० 15980/18-11-83 है।

> आर०आर० गाह सक्षम प्राधिकारी महायंक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज/अहमदाबाद

तारीख : 2-7-84

> भारत सरुकार कार्यालय सहायभायकर आयुक्त (निरिक्षण)

अर्ज रेंज---1, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 2 जुलाई 1984

निदेश नं० पी०आर०नं० 3047/23-1/84-85→-अत: मुझे, आर०आर० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उंक्स अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु, से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 63-4 चैकी एस०पी०नं०-17 टी०पी०एस०-19 है, तथा जो (मेमनगर) एफ०पी०-234 ए० घोखपुर—खानपुर अहमदाबाद में स्थित है (और रजीस्ट्री-कर्ती अनुसूची में और पूर्ण स्प से बिणित है); रजीस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजीस्ट्री-करण अधिनियम; 1908(1908 का 16) के अधीन नवस्वर 1983

को पूर्वोक्त सम्परित के उषित बाजार मूल्य से कम के दूरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास कारने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उषित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है :——

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाग की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर वोने के अन्तरक के दायित में कमी कारने या नससे अचने में सूविधा के लिए; बॉड/बा
- (भा) एंसी किसी बाय या किसी भन या जन्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या भनेकर अधिनियम, या भनेकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विभा के सिष्;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जन्सरण भे, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) अ अधीन, निम्निलिक्ट व्यक्तियाँ, अर्थात् ह्न- (1) भारत ज्योति वासुदेव ज्योति,
श्री बीचीन मनोहर प्रमाद देसाई की पत्नी,
ज्योतिबाला वासुदेव जोषी,
के०/ओ० श्री ज्योतिबाला वासुदेव जोषी की ओर से कुल मूखत्यार 2, संजयपार्क,
रेलवे कोसींग वे नजदीक,
आंषापाडी,
अहमदाबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री रमेशचन्द्र लाभशंकर जीवी,
श्री धरमेन्द्र लाभशंकर जीवी
चूनीत आश्रम के नजदीक,
स्टेट बैंक आफ इन्डीया की बाजू में बाल
वाटीका के पीछे,
मनीनगर,
अहमदाबाद।

अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के जिस् कार्यवाहियां करतों हुं।

# उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, ओ भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पव्यक्तिकरणः — इसमें प्रयुक्त कथ्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह्री, वहीं वर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

जमीन जिसका क्षेत्रफल 442 वर्ग यार्ड है जो गेखपुर खानपुर उर्फे नवरंगपुरा अहमदाबाद में स्थित है तथा सब-रिजस्ट्रार अहमदाबाद रिजस्ट्रीकर्त्ता बिकीखत नं० 14659/ नवम्बर 1983 है।

> आर०आर० गाह सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 1/अहमदाबाद

तारीख: 2 जुलाई 1984

प्रकृष बाहुँ, टी. एव. एवं .----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 2 जुलाई 1984

निदेश नं० पी०आर०नं० 3048/23-1/84-85--अत: मुझे, श्रार०आर० साह,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा ग्या हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपृत्ति, जिसका उचित बाबार मृष्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० एफं॰पी॰ 17~ए० सी-10-1, लोटस सोसायटी है। तथा जो आमरोड, गुजरात विद्यापीठ के सामने, अहमदाबाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध - अनुसूची में ग्रौर पुर्ण रूप से विणत हैं); रजीस्ट्रीकर्त्ता अधिरकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजीस्ट्रीकरण अधिनियम; 1908 (1908 का 16) के अधीन नवम्बर 1983

का पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रणिक्त से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्निलिशित उद्बोध्य से उक्त अन्तरण जिलित में वास्तिक रूप से कार्यक है है।—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बानुकी वावष्ठ, उच्छ विधिनवस् के वधीन कर दोने के बन्तरक के दानित्व से कसी करने सा उच्चे व्यने में सुनिधा के बिए; ब्रीट/वा
- (क) ऐसी किसी अप या किसी भन या बन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया थाना जाहिए था, जिपाने में स्विधा के सिए;

क्तः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अधिनत्यों, अर्थात् :-- (1) श्रीमती कशनीबार असानंद,
असानंद सुंदरदास,
के०/श्रो० श्री मनहरलाल भोजराजमल नाथानी,
सी-10-1 लोटस सोसायटी,
गुजरात विद्यापीठ के सामने,
आश्रमरोड,
अहमदाबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री मनोहरलाल भोजराजमल नाथानी, सी-10-1, लोटस सोसायटी, गुजरात विद्यापीठ के सामने, आश्रमरोड, अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को <mark>यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए</mark> कार्य**वाहियां कुरू करता ह**ू।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आर्थप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिलबव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्वक्यीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जीधनियम, के अध्याद 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### नम्स्यी

फ्लेट जिसका क्षेत्रफल 111 वर्ग यार्ड है जो आश्रम-रोड़ अहमदाबाद में स्थित है तथा सब-रजिस्टार अहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्त्ता विकीखत नं० 9470/नवम्बर 1983 हैं।

> आर०आर० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख: 2 जुलाई 1984

प्ररूप आहें. टी. एन. एस. ----

मायकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के मुभीन सूचना

#### भारत संस्कार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निर्दाक्षण) अर्जन रेंज-!, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 3 जुलाई 1984

निदेश नं० पी०आर०नं० 3049/23-I/84-85—आतः मुझे, आर०आर० पाह,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसमें इसमें परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विषयास करने का कारण हैं कि स्थावर स्म्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० वील्डींग, फोटेंचा नगर सर्वे सं० 443 है। तथा जो फ्लोट नं० 85, फलापड़ राजकोट में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है); रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजकोट में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम; 1908 (1908 का 16) के अधीन 3 नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुए किसी जाय की बाबत, उक्त अभिनियत के अभीन कर देने के अंतरक के वायित्य में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सृविधा के लिए;

जतः अन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अमृस्र्रण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीम, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात के (1) श्रीमती पुष्पाबेन प्रकाशभाई पुजारी 11, कृष्णकुंज, योगीदर्शन सोसायटी, फलावड़ रोड़, राजकोट।

(अन्तरक)

(2) जेंराजभाई जादवभाई पटेल, श्रीमती हेमफूंबरवा जेराजभाई पटेल, "मातृष्ठामा" 85, फोटेचा नगर, ग्रेरी नं० 8,

(अन्सरिती)

को मह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

ंउन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सै 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिव के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में अन्य किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### जन्सची

बिल्डींग जो फोटेंचा नगर शेंरी नंo 8 फ्लोट नंo 85 पर स्थित है तथा रिजस्ट्रीकर्ता रिजस्ट्रेंशन नंo 654.1/3-11-1983 है।

आर०आर० णाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, अक्रम्यासद

तारीख: 3-7-1984

प्ररूप आई. टी. एन्. एस.----

भायकर व्यभिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के अभीन सुचना

#### सारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्स (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 3 जुलाई 1984

निवेश नं० पी०आर०नं० 3050/23-I/84-85--अतः मुभी, आर०आर० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० बिल्डींग जो रया सर्वे नं० 466 है तथा जो फ्लेट नं० 68 पर स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से विणित है); रजीस्ट्रीकर्ता अधि-कारी के कार्यालय, राजकोट में रजीस्ट्रीकरण अधिनियम; 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 10 नवम्बर 1983

1908 (1908 का 16) के अधान दिनाक 10 नवम्बर 1983 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने को कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्या, उसके दूरयमान प्रतिफल से, ऐसे दूरयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितीं (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कल, निम्निलिखित उद्विष्य से उसत अन्तरण लिखित में बास्तिक क्य से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण सं हुई किसी जाय की बाबत उनेस अधिनियम के जभीन कर देने के जन्तरक के बायित्व में कभी करने या उसने बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (च) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आसित्यों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, "या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में त्रीकथा के बिक्ट;

बतः जब, उक्त वाधिनियम की बाख 269-र के बनुस्थ में , में , उक्त अधिनियम की धारा 269-र की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——

(1) श्री सुरेशभाई नरोत्तमदास शाह, मानायदार, जीला--जृनागढ़, सौराष्ट्र

(अन्तरक)

(2) श्री कीमतलाल जगजीयन घोरडा गांधीग्राम, ''वल्लमालय'', राजकोट

(अन्तरिती)

को यह सूचना **पारी करके पूर्वोक्त** सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

ंडक्त सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब ते 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सुकान के राजपण में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

#### अनुसूची

बील्डींग जो राजकोट में स्थित है जिसका सर्वे नं० 466 प्लोट नं० 68 है तथा राजिस्ट्रीकर्ता राजिस्ट्रेशन नं० 4987/10-11-83 है।

आर०आर० णाह तक्षम प्राधिकारी महायक आपक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख: 3-7-1984

प्ररूप् आर्थे. टी. एन. एस्.-----

शायकर लिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्वना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक बायकर बायकत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 3 जुलाई 1984 निदेश सं०पी०आर०नं० 3051/23-1/84-85---अनः

मझे, आर०आर० शाह

बायकार मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त मिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-थ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० बिल्डिंग जामनगर में है तथा जो दिग्वी-जय पलोट ग्रेरी नं० 61 मुख्य पार्ट 'एच' में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है); रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, जामनगर में रजीस्ट्रीकरण अधिनियम; 1908(1908 का 16) के अधीन 2 नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्मिति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रितिफल के लिए बन्तरित की गई हैं और मुक्के यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके उश्यमान प्रतिफल से एसे अवस्थान प्रतिफल का पंत्रह प्रिश्वात से अधिक हैं और एसे अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिशत उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कृप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जुल्तरण से हुई किसी बाब की बाबस, उनसे अभिनियम के जुभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; औट/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन गा अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना चाहिये था, छिपाने में सिवधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, नर्थात् :---

(1) श्री सोनी मंगललाल प्रागजीभाई मोटी मालती, तालुका कलापड़, जिला—जामनगर।

(अन्तरक)

(2) श्री म्रोडवजी रतीलाल, हंसा म्रोडवजी 61, विग्वीजय प्लोट, जामनगर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संस्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविकराों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी भून्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकर्ष।

स्पद्धीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# **अनुस्**ची

बिरिष्ठग जो जामनगर में स्थित है, दिग्वीजय प्लोट शेरी नं० 6 तथा रिजस्ट्रीकर्ता रिजस्ट्रेशन नं० 3290/ 2-11-83 है।

> आर०आर० णाह मक्षम प्राधिकारी, सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख: 3-7-1984

प्ररूप बाई .टी .एन .एस . -----

असकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 260 थ (1) के अधीन मन्द्रा

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निनीक्षण).

ग्रर्जन रेज-1, ग्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 4 जुलाई 1984

निदेण नं० पी०म्रार०नं० 3052/23-1/84-85— स्रतः मुझे, भार०म्रार० शाह

आयकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), को धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका अचित बाजार मूल्य 25,000/- क. में अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० सर्वे नं० 314 प्रैफी, हाबीजन है तथा जो जिला—अहमदावाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपावड़ मृत्सूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है); रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, ग्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम; 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 10 नवस्वर 1983 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्व के गर्वे मफो यह विकास

निष्य प्रतिकाल संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह जिएशास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकाल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकाल का पन्द्रह प्रतिशास अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरफ के लिए तय पाया गया प्रतिकाल, निम्निलिखित उँदृश्य से उक्त अन्तरण लिखित में नास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय को अवत, उक्त जीपनियम के अधीन कर दीते के अन्तरक के दायित्व में कमी करने था उससे बचने में सुविधा के लिए; और/शा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अर्तारती क्वा प्रका नहीं किया गया था या किया जाना चाहित्या (छपाने मा स्विधा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनूसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसिट व्यक्तियों, अर्थात् :--- 37---176 (स)84

(1) श्री गफुरभाई ग्राघोभाई खारी, गांव—हाथीजन, नालुका—दसकोर, ग्रहमदाबाद।

(यन्तरक)

(2) श्री सुखलालनगर को०ग्रो० हा० सोसायटः चेयरमेन-श्री-जगदीशभाई मुखलाल चंडया, वाधेश्वरी मोसायटी, घोड़ासर मनीनगर, ग्रहमदाबाद।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उनत सम्पत्ति कं अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि , जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वींकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- ्(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मा परिभाषित हों, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याक मो दिया गया हों।

## **म**न्स्ची

जमीन जिसका क्षेत्रफल 13997.98 वर्ण यार्ड है पैकी 314 सर्वे नं० जो गांव हाथीजन अहमदाबाद में स्थित है तथा संव रिजस्टर अहमदाबाद रिजस्ट्री विकीखत नं० 15236/1-11-83 है

आर० आर० शाह सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, ग्रहमदाबाद

तारीख: 4-7-1984

मोहर:

प्ररूप मार्च. टी. एन. एस. -----

आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

## भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ग्रर्भन रेंज-I,ग्रह्मदाबाद ग्रह्मदाबाद, दिनांभ 5 जुलाई 1984 निदेश नं० पी०ग्रार०नं० 3053/23-ए/84-85--ग्रत: मुझे,ग्रार०ग्रार० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थात्र सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० एफ०पी०नं० 398 टी०पी० एस० 3 है। तथा जो एलीसबीज, श्रहमदाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है); रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय श्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधी न नवस्वर 1983

को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है कि मुक्ते यह विश्वास करने वा कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितिएं) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल, निम्निलियित उद्देश्य से उचित अन्तरण निस्ति में आस्तिकक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जनतरण से हुई किसी आय की वाबस, उचत अधिनियम के जधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में मृविभा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब. उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण कें. में उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) कें जधीत, निम्निलिखित व्यक्तियमें, अर्थात :---  (1) मोनालीथ बंस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमीटेड 11-12, ज्युपीटर ग्रपार्टमेन्ट सरदार पटेल नगर, एमीसब्रीज, गीगरवली साईड, ग्रहमदायाव।

(ग्रन्तरक)

(2) केमीकत्स और अतिमीलरीम.
सर्विभेज प्राइवेट लिमीटेड 15-18,
नेशनल चेम्बर्म,
मेकन्ड फ्लोर,
अध्यम रोड,
अहमदाबाद।

(भ्रन्तरिती)

का यह सुचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पक्ति के कर्जन के लिए कार्यवाही क्षेक्र कारता हुं।

जकत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपट में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्ययितयों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यवितयों में से किरारी व्यवित हुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीक्षं सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति मो हित-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मों किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ शोगा को उस अध्याय में दिया गया हैं।

## अन्स्ची

श्रोकीस प्रोमीसीस--एफ०पी०नं० 398, टी०पी०एस० 3, जो एलीसब्रीज श्रह्मदावाद में स्थित है तथा निम्न दस्तखत किया हुआ श्रोकिसमे इन्टीमेशन मीलनेयर 37-इइ फोर्म दिनांक नवम्बर 1983 को प्राप्त हुआ है।

श्राम्ब्याम्बर्गाम् आहारः आहारः सहायः आश्रकारं श्राम्बर्गः (निनीक्षण) श्राम्बर्गः सहायाः श्राम्बर्गाम्

तारोख: 5-7-1984

मोहर:

प्रारूप नाई.टी.एन.एस.------

भारकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यासय, सङ्कायको कायकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज--1, श्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, विनांक 5 जुलाई 1984

निदेश नं० पी०ग्रार०नं० 3054/23-ग्राई०/84-85---श्रतः मुझे, श्रार०ग्रार० शाह

भागकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें परपात् 'उक्त बिधिनियम' कहा गया है, की भारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रूठ. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं०एफ०पी० नं० 398 टी०पी०एस०-3, है। तथा जो एलीसबीज, श्रहमदाबाद में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं); रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख नवम्बर 1983

पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिष्मल के लिए अन्तरित की गर्थ है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उचक राज्यमान पीचान में, एसे एक्यमान प्रतिष्मल के पन्त्रह प्रतिष्मल से जिथक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिष्मल, निम्नलिखित उद्योच्य से उक्त अन्तरण निचित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :----

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबत, उक्त विधिनियम के जभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृथिधा के बिए; कार/दा
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय शायकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के सिए।

अतः अज, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिस्यों, अर्थातः—

(1) मोलोलोथ कंस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमोटेड 11-12, ज्युपोटर एपार्टमेन्ट सरदार पटेल नगर, एलोसक्रोज, मोठाखली सारा, ग्रहमदाबाद

(अन्तरक)

(2) गुजफोम डिस्टील्रोज इन्डीया लिमीटेड. 6-7-8, सेकन्ड फ्लोर, नेशनल चेम्बर्स, ग्राक्षम रोड, ग्रहमवाबाद।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके एवंदित संपन्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सूक करता हूं।

जकत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोर्ड़ भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वीकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (च) इस सूचना के राजपत्र में जक्षणान की तारीस स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ष किसी अन्य ब्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिकित में किए जा संकर्ग।

स्वास्तिकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, श्री उक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिक हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## वन्स्भी

मोफिस प्रीमीसीस—एफ श्री श्री १००५ विश्वा १००५ विश्व १०० विश्व १० विश्व १०० विश्व १० विश्व १० विश्व १० विश्व १० विश्व १० वि

ग्रार०ग्रार० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर **ग्रा**युक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रेंज<sup>ा</sup>ल, ग्रहमदाबाद

तारीख 5-7-1984 मोहर प्ररूप साह .टी एन .एस . -----

सायकार स्रीभिनियभ, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-६ (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रंज-।, ग्रहमदाबाद

भ्रह्मदाबाद, 6 जुलाई 1984

निदेश नं० पी०श्रार्शनं० 3055/23-1/84-85--ग्रतः

मुझे, भ्रार०श्रार० णाह

नायकर विधिनयम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन मधान प्राधिकारी को यह निहनास करने का कारण है कि स्थान सम्पितः, जिसका उचित नामार मृत्य 25,000/- रु. सं अधिक है

ग्रौर जिसकी सं आफिस बिल्डिंग केनाता रोड है तथा जो परम प्रकाश एपटिमेन्ट राजकोट में स्थित है (ग्रीर इससे उपावड अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रोकत्ती अधिकारी के कार्यालय, राजकोट में रजीस्ट्रो-करण ग्रिधिनियम; 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 9 नवस्थर 1983

को प्वांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने की कारण है कि यथाप्वंचित संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एक दश्यमान प्रतिफल का पंक्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियां) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण निवित्त में बालाबिक एस से किया गया हो —

- (क) अलायण संहुद्ध किसी बाब की बाबता, बच्च गरिमान्यत के अधीन कार दोने के बन्दरक के दाधितल में कामी कारने वा उससे मचने में सूबिया तिस्तु और/बा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय वाय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट मही किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा अं लिए.

जत: अब. जबत अधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्मीनिकः व्यक्तियों, अधीत्:— (1) प्रेसर्स कृष्णा बीत्न्डसं--राजकोट, के०/प्रो० श्री सायदाम हरोभाई पटेल, भागीदार एम-162, गुजरात हाऊसिंग बोर्ड कालावद रोड, राजकोट।

(श्रन्तरक)

(2) डां० सिद्धार्थ सं ० पटेल, परम प्रकाण एपार्टमेन्ट. केनाल रोड, राजकोट।

(अन्तरिती)

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :— को यह सूचना जारी करके पृत्रोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतदब्धारा कार्यवाहियां शुरू करता हुं

- (क) इस सूचना के राजपत्र माँ प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अवधि या तत्सेवंधी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी सनीष भाव माँ समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों मों से किसी स्थित द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उचत स्वाप्त सर्पत्त में हितबब्द किसी जन्म व्यक्ति वृक्षारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगै।

स्थळीकरणः -- इसमें प्रयूक्त कार्जी और पर्वाका, जो उनत किप्नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया स्याही

## मन्स्थी

अबिल्डिंग स्रोफिस जो परम प्रकाश अपार्टमेन्ट केनाल∭ रोड, राजकोट में स्थित है तथा जिसका रजिस्ट्रोकर्ना रजिस्ट्रेणन नं० 6588/9--11-83 हैं।

> श्चार० माह सक्षम प्राधिकारी, गहायक ग्रायक्तर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, ग्रहमदाबाद

नार्राख : 11-7-1984 मोहर :

## प्रकृप काह्र . टी. एस. एस. -----

## काथकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के मभीन सुभना

### भारत सुरकार

## कार्यास्य, सहायक भागकर माण्वस (निर्विक्क) अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 7 जुलाई 1984

निदेण नं० पी०म्रार०नं० 3056/23-माई०/84-85---म्रत: मुझे, म्रार०मार० गाह,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें प्राप्त परनात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर स्म्मत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रहा. से अधिक हैं

र्यार जिसकी मं० किशोरिमहर्जी रोड है। तथा जो सेन्टर पोरन्ट ग्रोफिम बिल्डीगृ, राजकोट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण एव से विणित हैं); रर्जास्ट्रोकर्ण प्रधितियम: 1908(1908 का 16) के प्रधीत 2 नवस्बर 1983

को पूर्वीक्त सम्प्रीति के उचित बाजार मृत्य से कम के उत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रव्यमान प्रतिफल सं. एतं रव्यमान प्रतिफल का पंदृह प्रतिकात से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितिका) के बांच एतं जन्तरण के लिए तय प्रया गया प्रतिफल, विभनोलिखन उद्देव एयं से उक्त अन्तरण लिखित मों वास्परिक रूप से किया गया है:

- (क) अन्तरण से हुई किसी जान की बानत उन्हर विभिन्नियम के वजीन कर दोने की अन्तरक के दायिश्व में किसी करने या उससे नचने में सुनिभा के लिए; बार/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिया का, जिन्हीं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, दा दन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्यिती क्लास पहण न्यों किए या भा या किया जाना चाहिए था फियाने में भृतिधा के लिए;

असः सब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त आंधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्निनिधिस अपिन्तयों, अर्थात् :--- (1) श्री दोषककुमार हंमराज मोरजाराङोया
 4. जागनाथ फ्लोर,
 राजकोट।

(अन्तरक)

- (2) (1) भारतीबेन दीलीप कुमार
  - (2) रीतेषकुमार दीलीप कुमार
  - (3) मीशीर दीलीपकुभार
  - (4) जयेन्द्र हंसराज
  - (5) रेखाबेन जयेन्द्रकुमार

गौरांग जयेन्द्रभाई--मुखत्यार--जयेन्द्रभाई हंस राज ।

- (7) नील जयेन्द
- (8) हर्षद हंसराज
- (9) नीरन हर्पदभाई
- (10) नीलेथ हर्षदभाई
- (11) मुरेण हंसराज
- (12) उषाबेन बसन्तलाल
- .4. जागनाथ प्लोर.

राजकोट ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारो करकं पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां झुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जव्धि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी त्यक्ति हवारा;
- (या) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीता उसत स्थातर राज्यस्ति में हितबहुध किही सन्तर अपिक्त करात स्थातकाकाने के पास निकास में दिए का मन्त्रमें।

स्पद्धीकरणः — इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदी का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## **श्रम्**ची

बील्डीग जो किमोर्सिह जी रोड, सेन्टर चोरन्ट राजकोट में स्थित है तथा रजिस्ट्रीकर्ता र्जिस्ट्रेशन नं० 6530/ 2 नम्बर 1983 है।

> आर०आर० गाह् सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, अहमदायाद

तारीख: 7-7-1984

मोहर:

प्रकप: बाह्री: टी. एन: एस 🖓 🗝 🗝 🗝

सामकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) को भाग 269-म (1) के अभीन सुमना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज~II, अहमदाबाद अहमवाबाद, दिनांक 31 मई 1984

निदेश नं० पी०आर०नं० 2839/<sup>11</sup>/84—85—अत: मुझे, आर०आर० शाह

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्भावर सम्पत्ति, जिसका उच्चित वाजार मुख्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

स्रीर जिसकी सं० 113-1-2 है तथा जो जेतलपुर, बड़ीदा में स्थित है (ग्रांर इससे उपावड अनुसूची में ग्रांर पूर्ण रूप से विणक्ष है); रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय वड़ीदा में रजीस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 28 नवम्बर 1983

को पूर्वोवत सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से काम के इस्यमान प्रतिफल के लिए जन्तिरित की गई है और मूक्ते यह विस्वास करने का कारण है कि ध्यापूर्वोवत सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्र प्रतिकात से लिएक है और अन्तरक (अन्तरकार) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नितिश्वित उद्देश्य से उक्त बंतरण लिचित में शास्तियक रूप से किया गया है दिन्त

- (क) जतरण संहृष्टं किसी आय की बादत, उक्ष्य अधिनियम के अधीन कार दोने को अन्यास्क की वायित्व मों कामी कारने या उससे अचने मों मृतिका के सिए; और/मा
- (स) एसी किसी नाम या किसी धन या जन्म जास्तियाँ नं को, जिन्हाँ भारतीय नाम-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, विश्व अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ नन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सविभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग क अनुसरण मे, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (१) को अधीत, निम्नितिश्वतं स्पिक्तयों, नर्भात् :---

- (1) श्री इन्दिराधहन सूर्यकान्त पटेल, 6 दाजी कोलोनी. संगम हाईस्कूल के पास, अहमदाबाद
- (2) मनीबेन अंबालाक पटेल, टंडाल फार्म, बडौदा ।

अन्सरक)

(2) श्री निमंलाबहन सवारंगानी, 'श्रीकरुपा'' अलकापुरी, बडौदा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां घुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में काई भी वाक्षेप :---

- (क) एस सूचना के राजपत्र में श्रेकाशन की तारोख से 45 दिन की अनिध या तत्संबंधी त्यिक्टमों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट ब्यक्तिमा में स किसी ब्यक्टि धुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वव्यक्षिकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यह अर्थ होता को उप अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

जमीन जो जेतलपुर में सर्वे नं० 113-1-2 पर स्थित है जिसका कुल क्षेत्रफल 468 चौ० मी० है सब रिजस्ट्रार, कड़ीवा में 8280 नंबर पर ता० 28-11-83 के रिजस्टर्ड किया गया है।

> आर०आर० णाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज्डाा, अहमदाबाद

तारीख: 31-5-1984

मोहर :

प्ररूप आंइ'.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 369-च (1) के अधीन सचना

## भारत सरकार

कार्यानय, महासक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदावाद, दिनांक 31-5-1984

निदेश नं० आर०नं० 2840/11/84-85—अतः मुझे, आर०आर० शाह

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उन्ति हाएर मूल्य 25,000/- रहा से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० आर०एस०नं० 241/2 है। तथा जो पाटण में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से बणित है); रजीस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पाटण में रजीस्ट्रीकरण अधिनियम: 1908(1908) का 16) के अधीन 24 नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित् की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने करने का वारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रतृदृ प्रतिशत से अधिय है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उकत अन्तरण लिखिन में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बंतरण से हुई । किसी जाय की वा≈त, उक्त अधिनियम को अधीन कर दोने के अनुश्क के दाखिल्य में कमी करने या उनसे रचन में सृष्टिश के सिए, अरि. थ।
- (क) एसी किसी जाय था किसी धन मा जन्य वारित्य। की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या पित्रा प्रका नाहिए था, दिलाने में स्विधा के लिए

कतः कवः, उवह अधिनियमं की धारा 269-गं के अन्सरण हो, में उक्त लिशिनियमं की धारा 269-थं की उपधास (1) के क्यीन. निम्मीनिक्त व्यक्तिरमों, अथीत् .--- (1) श्री केशवलाल नाथालाल, जामचीक, पाटण।

(अन्तरकः)

(3) भवरी कोपंशिंगन.
के०/ग्रो० मोनी णांतिलाल परगोतमदास,
कम्बोई।
ताम—घस्मा,
जिला—भटेसाणा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा.
- (श) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निस्तित में किये का मकोंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया भया है।

## ₹'-,'₹**,**₹₹Ì

जमीन जो पाटण में सर्वे नं० 241/2 पर स्थित है। 4518 चौ०मी० का कुल क्षेत्रफल है। सर्वे रिजस्ट्रार पाटण में 2237 नंबर पर तारीख 24-11-83 को रिजस्टर्ड की गई है।

आर० आर० णाह समज प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज/II/अहमदाबाद

तारीख: 31-5-1984

माहर :

## प्ररूप आइं.टी.एन.एस. -----

वायकर मधिनियभ, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) में अधीन सुभना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज-/अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 2 ज्लाई 1984

निदेश नं० पी०आ(र०नं० 2841/---प्राः मुझे, आ(र० आर० शाह

नायकर निधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसको पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्भावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मत्य 25,000/- रु. से **अधिक हैं** 

ग्रीर जिसकी संब्आरव्यम्बनंव 1999, 2000, 2012. 2013 है नया जो आणद में स्थित है फ्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रोर पूर्ण रूप सेवर्णित है); रजिस्ट्रीकर्ता अधि-कारी के कार्यालय, आणंद में रजीस्ट्रीकरण अधिनियम 1908(1908 का 16) के अधीन 18 नवस्वर 1983 को पूर्वोक्त संपत्ति के उफित काजार मृत्य से कम के अध्यक्षान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विस्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित **बाजार** मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का भन्द्रह प्रतिकृत स अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तर-रिती (अन्तरितियों) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देष्य से उक्त अस्तरण रिटिक्कि में बास्टियिक रूप संकिथित नहीं किया गया है:---

- (क) मन्तरण से हुई किसी आय की बाबत जनत अधिनियम के भधीन कर दोते के अन्तरक की वामित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए, और/बा
- (स्त) एैसी किसी आयया धनया अन्य आस्तियों को, जिन्हां भारतीय आय-कर अधिविधम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, मा बर-कर बधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया भाषा किया जाना चाहिए था. छिपाने मं सविभा के सिए;

अन्त: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनिषम की भारा 269-च की उपधारा (1). के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(।) (1) भाषण वासभाई गथरभाई मनच्छाबह्न वाब्भाई, चैलाण फार्क, आभिया ।

(अस्तरक)

(2) कीरीटभाई ग्रवालाल पटेल. जिलेन्द्र जगमाई पटेल. अमुलडेरी रोड. आणंद ।

(জালকিলী)

को यह सुचना चारी करके पुत्रांकित सम्पत्ति के अर्थन के किए कार्यवादियां करता हां ।

उक्त सम्मत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में अर्रेड् भी काक्षेप: --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन की अविधि या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी बबाब बाद में समाप्त होती हों, के और र प्यांक्त न्या पत्रयों में से किसी न्यांकत कवारत.
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मस्ति में डिलबवन किसी अन्य ब्योक्त द्वारा अभाहस्ताक्षरी के पास निसित् में किए जा सकती ।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्रल अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाधित हीं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया

जमीन जो आणंद में सर्वे नं० 1999, 2000 पर स्थित है जिसका कुल क्षेत्रफल 1653 पची०मी० है। सब रजिस्ट्रार आणंद में 4658 नंबर पर 18-11-83 को रिजस्टिई की गई है।

> आर०आर० लाह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-11 अहमदाबाद

नारीख 2-7-1984 मोहर:

५रूप **आर्ध**. टी. एन्. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) ऋर्जन रेंज-1ा/ग्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 4 जुलाई 1984

निदेश नं० पी०ग्रार०नं० 2842/11—स्रतः मुझे, ग्रार० ग्रार० शाह्

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें धूसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हूं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह किंदीस करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25.000/- ए. मं अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 532—फ्लोर नं० 72 है। तथा जो बड़ौदा में स्थित है (ग्रौर इससे उपावक ग्रनुसूची में ग्रौर पुर्ण रूप से वर्णित है); रजीस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, बडौदा में रजीस्ट्रीकरण श्रिधनियम; 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन 30 नवम्बर 1983

को प्वांक्त सम्पत्ति के उचित् वाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल कर पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में गुविधा के निष्, और निष्
- (ख) ऐसी किसी जाय या किसी घन या अन्य आस्तियाँ की, जिन्ही भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या अनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरियी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना नाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए:

अतः अव, उकत अधिनियम की धारा 269-ग की अनुसर्ण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निकिस व्यक्तियों, अर्थात् :--- 38--176GI|84

- (1) स्थास्तोक लेण्ड ग्रोन कोपरिशन, के०/ग्रो० किश्नाकान्त, जधन्तीलाल पटेल। ज्योतिस । मनहरलाल पटेल, हरीण ग्रांतिलाल पटेल थीडी, रंगमहल, वडौदा।
- (2) (1) प्रमथेसभाई नानाभाई पटेल विश्वास कालोनी, अलकापुरी बडौदा।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में अकाशन की तारीखं से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी ध्यवि तयों पर सूचना की तामील से 30 दिए की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मति में हित- बस्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरों के शास निचित्र में अन्य किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

फ्लेट जो स्वास्तिक अपोर्टमेन्ट में 532 नंवर पर स्थित है जिसका कुल क्षेत्रफल 960 चौ । फुट है । सब±रजिस्ट्रार, बदौदा में 8322 नंवर पर ता० 30-11-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ग्रार०श्रार० शा**ह** समक्ष प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज- /ग्रहमदाबाद

तारीख: 4-7-1984

मोहरः

ग्रमाय आ**र्थ. थी. एम. एम**्नम्बलनम्बल

कायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269- व (1) के बभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकार बायक्त (निरीक्षण)

भर्जन रेंज-I<sub>I</sub>/भ्रहमदाबाद

श्रहमदाबाव, दिनांक 4 जुलाई 1984

निदेश नं०पी०ग्रार०नं० 2843/II—मतः मुझे, ग्रार० ग्रार० शाह,

क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० 532, फ्लेट नं० 72 है तथा जो बड़ोदा में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजीस्ट्रीकर्ता ध्रधिकारी के कार्याजय, बड़ोदा में रजीस्ट्रीकरण ध्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ध्रधीन नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गृह है और मुन्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित् बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे पश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के निए तय पाया गया प्रति-फल, निम्मृतिशित उद्योग्य से उक्त अन्तरण लिजिल में शास्ति क रूप से कथित महीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अस्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचले में सुविधा के लिए; औड/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, किया में सुविधा के लिए;

सतः सब, उक्त अधिनियम कौ भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के बभीन, निम्नलिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1)
स्वास्तिक लेख भेन्ड कार्पोरेशन,
किशनकांना जयन्ती लाल पटेल
ज्योतिसरण मनवरलाल पटेल,
वाडी,
छल्ली पील,
बड़ीदा।

(भ्रन्तरक)

(2)
रसीकलाल नंदलाल बनमानी,
प्रसाषरन रसकलाल बनमाजी
स्वस्तिक श्रपार्टमेन्ट,
श्रल्कापुरी,
बहुमेद्दा ।

(भन्तरिती)

को यह मूचना भारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

बन्त सम्पत्ति के अर्थन के गुन्तम्य में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 बिन की अपिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों कर सूचना की तामील से 30 बिन की सविध, जो भी अविध बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर आवस्त्यों में से किसी अपिक्त द्वारा;
- (श्व) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए शा सकेगी।

स्पव्यक्तिकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, बही अर्थ होगा को उस् अध्याय में दिवा गया है।

## मन्स्ची

पलेट जो स्वास्तिक भ्रपोर्टमेन्ट में स्थित है जिसका कुल क्षेत्रफल 960 चौ०फुट० है। सब-रजिस्ट्रार, बज़ौदा में 8139 नंबर पर सा० 21-11-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> श्रार०श्रार० शाह समक्ष प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेज-II श्रष्टमदाबाद

तारीख 4-7-1984 मोहर: ्रप्ररूप बार्<sup>क</sup>. टी. एन. एस्.-----

नायकर भृषिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

## भाइत सरकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-ध/ग्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 4 जुलाई 1984

निदेश नं० पी॰श्रार०नं० 2844/11—श्रतः मुझे; श्रार० श्रार० शाह,

शायकर अिंधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उच्चित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं टी॰पी॰एस॰-2 एफ॰पीं॰-168 है। तथा जो श्रार्णद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है); रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्राणंद में रजीस्ट्रीकरण श्रधिनियम; 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 24 नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूक्ते यह विक्रांश करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दर्यमान प्रतिफल से, एसे दर्यमान प्रतिफल के पन्तह प्रतिकात से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितयों) को बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उव्वरिय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किया गया हैं :—

- (क) बन्तरण घेहुव किसी बाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उत्तसे बचने में सुविधा के लिए, बौदः/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन वा जन्य जास्तियाँ कां, जिन्हीं भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा की सिक्ट;

जतः ज्व, उत्तत विधितियम की भारा 269-ग की जमुसरण में, में, उत्तत विधितियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के विधीत, निम्निचित व्यक्तियों, वर्धात् к(1) नर्रासह भाई लाखाभाई पटेल, कासुजाकी खडकी, नाना श्रजट, भाणंद।

(भन्तरक)

(2) सहयोग को०भ्रो०हा० सोसायटी, के०/भ्रो० जोसेफ,श्रमेरिका कोन्ट्राक्टर, श्रमुल डेरी रोड, अगुल अग्रीका

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रोंक्त सम्परित के अर्जन की किए कार्यसिष्ठ्रमां करता हूं।

## उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सुष्का के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब के 45 दिन की अवधि या तत्समान्ती व्यक्तियों पर सृचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीत्र पूर्वोक्द व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना को राजपण में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- वस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवाँ का जो उनके अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

### बन सची

जमीन जो माणंव में टी॰पी॰एस॰ नं॰-2 भीर में फे॰ पी॰पं॰ 168 पर स्थित है जिसका कुल क्षेत्रफल 387 चौ॰ मीटर है। सब-रजिस्ट्रार माणंव में 4718 नंबर पर ता॰ 24-11-83 को रजिस्टर्स की गई है।

> श्चार० म्रार० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज- , महमदाबाद

तारीख: 4-7-1984

मोहर:

## प्रकृत आह<sup>र</sup>ः टीः एवः एवः ननस्तरणस्तर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्चना

### शारत सरकात

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) प्रजेन रेंज $-1^{1}/$ प्रहमदाबाद

्रग्रहमदाबाद, दिनांक 3 जुलाई 1984

निवेश नं०पी०धार०नं० 2845 II---ध्रतः मुझे, स्नार० भार० शाह,

नायकर निधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसने प्रकार प्रकार किया मार्च (उनत निधिनयम कहा गया हैं), की भारा 269- ध के मधीन सक्षय प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित नाजार मुल्य 25,000/- कि. से किथक हैं

ग्रीर जिसकी सं० 1652, है। तथा जो दर्गाम में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित) है); रजीस्ट्रीकर्ना श्रधिरकारी के कार्यालय, दर्गाम में रजीस्ट्री-करण श्रधिरनियम; 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 1 नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से काम के दश्यमानू प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मृझे यह विद्वास करने का कारण है कि बथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार ब्रूब, उसके दश्यमान प्रतिफल का प्रवास करने का कि ब्रांचिक हो बीर बंतरिक (बंतरिकों) बीर बंतरिती (बंतरितों) के बीच होते बन्तरण के लिए तय पावा प्रवा प्रतिक का निक्मितीकत उद्देश्य के तकत बंतरण कि विद्या के वास्तीक का निक्मितीकत उद्देश्य के तकत बंतरण कि विद्या के वास्तीक का ने किया नहीं किया व्या है :----

- (का) कन्तरण में कुड़ी किली थान भी बानत उन्न लिया नियम के संधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए धौद्ध/मा
- (क) इसी किसी बाद वा किसी धन वा कर्य जास्तिकों की, विक्र प्रास्तीय नावकर अधिनियन, 1922 (1922 को 11) या उनता नावित्यन, वा धन-कर नावित्यन, 1957 (1957 का 27) ने अधोवनार्थ कुसरिती इवारा प्रकट नहीं किया गृया वा या किया जाना चाहिए वा, कियाने में स्वित्य में स्वत्य में

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखत व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) 1. रमणभाई गोविंदभाई श्रमीन (2) कान्तीभाई गोविंदभाई श्रमीन श्रमीनपास, दर्गाम, जि० ब्रहमदाबाद।

(ग्रन्सरक)

- (2) कल्पनानगर को०ग्रो०हा० सोसायटी,
  - (1) कल्पित शान्तीलाल
  - (2) परशेकुमार रावीन्त्रभाई ग्रमीन
  - (3) कुसुमसटन भनुभाई माह, दर्रगाम,

जिला भ्रहमदाबाद ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना आरो करके पूर्वोक्त संपरित के वर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

उक्त संपरित के वर्णन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपण में प्रकाशन की तारी ह से 45 दिन की अविध या तत्से बंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्तं स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण:—हसमें प्रयुक्त बन्दों और पूर्वे का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं कर्ष होगा को उस अध्याय में विका नया है।

## अनुसूची

जमीन जो दरगाम में स्थित है जिसका सर्वे नं० 1652 है और कुल क्षेत्रफल 3 ग्रेकर 9 गंज है। सबक्रिक्ट्रार, दर्रगाम में 951 नंबर पर ता० 1-11-83 को रिजस्टर्ड की गई है।

> श्रार०ग्रार० साह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

तारीख: 3-7-1984

मोहर 🖫

प्रकम नाही, दी. एतः एसः हारास्टरन

ं आयंकर अप्रिशिनयम्, 1961 (1961 का 43) की 269-ण (1) के स्थीय सूचना

भारत बृद्धाः। कार्याक्षयः, सहायक बायक ह भायुक्त (निह्यीक्षण) श्रर्जन रेंज-[1,

भ्रहमदाबाद, दिनांक 2 जुलाई, 1984

निदेश स० पी० ग्रार० न०  $2846/\Gamma/$ —ग्रतः मुझे, ग्रार० ग्रार शाह,

जायकर मृथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारों 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

मौर जिसकी सं० वार्ड नं० 1, नानपुरा, तथा जो 570, चौ० वर्ग फीट, सूरत में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय सूरत में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिनांक नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफक्ष के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके उश्यमान प्रतिफल से, एसे उश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से अभिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबङ इप से कथित कहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुइ किसो आय की बाबत उक्त अधि-निवस के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे यजने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी जाय या किसी भन या बन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उचल अधिनियम, या भन-कार आधिनियम, या भन-कार आधिनियम, 1957 (1957 का 127) के प्रवासिया अन्तिरती दुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, दिश्याने में स्विधा के लिए;

 ईन्स्र वदन, कान्सी साल, राजेश्वर भ्रपार्टमेंट, नानपुरा, सूरत ।

'(ग्रन्तरक)

 श्री सुमन षटन, ईश्ररबर लाल मोदी, दिश्यामंडल सोसायटी, सुरत ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी कारके पूर्वीक्त संपर्तित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं है:

उक्त सम्मत्सि के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के दे 45 विन की अवधि या तत्सम्मन्धी व्यक्तियों पर सूचना की ताजीन से 30 दिन की व्यक्ति मां भी व्यक्ति वाद में सनाप्त होती हो, के भीतर पूर्णक्त ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्ति में किए का सकतें ।

रपक्टोकरण अ---इसमें प्रयुक्त चर्कों और पर्यो का, जो उन्त अधिनियम् के नभ्याय 20-क में परिभाषित हाँ, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका नवा हाँ को

## वन्सूची

क्लैट जो तिवेणी भ्रपार्टमेंट में, नामपुरा, सूरत में स्थित है जिसका कुल क्षेत्र फल, 570 चौ० फु० है। सब-रजिस्ट्रार सूरत में 7114 नम्बर, पर नवम्बर, 1983 को रजिस्डटडं किया गया है।

> भ्रार० भार० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज-II, भ्रष्टमदाबाद

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में,, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन निम्निसिस्त व्यक्तियों, अधीत अ---

षिनांक 2-7-1984 मोहर:

## प्रका बार्च : टी. एन : एक : -----

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

भारत सहकार

कार्यालय, सहायक शायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II,

ग्रहमदाबाद, दिनांक 2 जुलाई 1984

निदेश सं० पी० भार० नं० 2847/II/84-85--भतः मुझे, ग्रार० ग्रार० शाह,

नायकर निभिन्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- व के नधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से निधक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 30, जी० श्राई० डी० सी० वाश्री है तथा जो सं० नं० 812, 791, 792 793 भें स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय पारडी में रजिस्ट्रीकरण श्रधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक नयम्बर,

की पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिकल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिश्वास से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकार्ग) और अंतरिती (अन्तरितिशीं) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम् पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरक से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त बिधीनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्व में कभी करने या उससे अधने में सुविधा के सिए; बौद्र/वा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना जाहिए था खिपाने में सुनिया के सिंग्द;

नतः सन, उन्त निधिनियम की धारा 269-म की नमूसरण में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के सधीन, निम्ननिविद व्यक्तियों, अधीद ह—- श्री विनायक कैंमिकल्स,
 30, जी० आई० डी० सी० इस्टेट,
 वादी, तह० पारडी।

(मन्तरक)

 कास्ट्रा, एक्स्ट्रेशक्त, टैक्नीक प्रा० लि० वेसाई रोड, ग्रंबेरी।

(भन्तरिती)

को यह स्वना पारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

## उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रोंकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस सृष्यना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी वे पास लिकित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण:----इसमें प्रमुक्त शब्दों और पर्दों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विमा गया है।

## मन्त्रची

मलकियतं जो बाद्री में, जी० घाई० डी० सी० में स्थित है जिसका सर्वे नं० 812, 791, 792 घीर 793 है। सब-रजिस्ट्रार पारडी में 1644 तम्बर, पर नवम्बर, 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> स्रार० ग्रार० शाह सक्षम प्राघिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

विनांक 2-7-1984 मोहर ३ प्रक्य बाह्र , टी. युन्, एस् ,- - - - -

भागकर मिर्गिनसम,, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्राजैन रेंज-II.

भ्रह्मदाबाद, दिनांक 3 जुलाई, 1984

नायकर मिधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त मिधिनयम' कहा गया हैं), की भारा 269-के के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का आरण हैं कि स्थानर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूक्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० 411, देसरा जिलीमोरा, है, तथा जो जीलीमोरा में स्थित है (श्रौर इससे उपायद्ध श्रनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से बणित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रध कारी के कार्यालय गणदेवी में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 28-11-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के स्वित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुर्फे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित् बाजार मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पंज्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरोकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिफल, निम्निसिख इष्टेश्य से स्वतं बन्तरण किश्वत में वास्तियक रूप से किशत नहीं किया गया है है—

- (क) अंतरण वं हुए फिसी काव की वायुक्त, अवल अधितियम के अधीन कर वेने के जन्तरक के वाधित्व में कमी करने या उससे व्यन में सुनिया के सिंहर; बहि/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या बन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा शकट नहीं किया गया था या किया बाना वाहिए था, किया में सुविधा से सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ण के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की भारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, जिम्मिजिकित व्यक्तियों, वर्षात् :---

- 1. (1) श्री सुभाषभन्त हरिशंकर दवे,
  - (2) श्री रमेश चन्द्र हरिशंकर दवे, पोस्ट ग्राफिस के ऊपर, देसरा रोड, जीलीमोरा, तह० गणदेशी ।

(भन्तरक)

(2) श्राधि शक्ति की-श्रापरेटिव हा० सोसायटी, मोहनलाल भैसामायी, पटेल, देवसर, श्रंसाया, मोंटो मोहल्ला, तह० गणदेवी ।

(अम्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जनभि या तत्संबंधी व्यक्तियों प्रर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी जनभि याद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुदारा;
- (च) इस स्वान के राजपूत्र में प्रकाशन, की तारींच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में हितबब्ध किसी बच्च व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास सिवित में किए वा सकांगे।

स्पव्यक्तिरणः - इसमें प्रमुक्त सब्दों और पृथां का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित इं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिवा गया है।

## अनुस्वी

जमीन जो देसरामें सं० नं० 411 पर स्थित है जिसका कुल क्षेत्रफल 2732 भी मी० है। सब रजिस्ट्रार गणदेश में 1250 नम्बर पर दिनांक 28-11-83 को रजिस्टर्ड की गई है।

> म्रार० श्रार० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-II, भ्रहमदाबाद

दिनांक 3-7-1984 **भेहर** 

## अक्ष गार्व की युन् , पुरु , स्ट्रान्ट्य प्रतान

नायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के नधीन सुचना

## भारत सरकार

कार्यालय,, सहायक जायकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज- .

प्रहमदावाद, दिनांक 2 जुलाई 1984

निदेश स० पी०श्रार० न० 2849/∏/84-85—श्रत: मझे, श्रार० शार० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचाए 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 25,000/- रु. से अधिक है

सौर जिसकी संव वार्ड नंव 12, नोझ नंव 6/6 और जिसकी संव वार्ड कैशव चैम्बसँ, राजी तालाब, मेईन रोड, सूरत में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सूरत में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक नवस्थर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दरयमान प्रतिफल से, एसे दरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक अप से अधिक नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबता, उसत विभिन्नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक छे वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों करे, जिन्हें भारतीय बाय-कर बधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अभिनियम की भारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्निसिसिस व्यक्तियों, अर्थात् :—

- 1. (1) नोशर फिरोज शाह चीनावाला,
  - (2) दिनाझ नागीर, चीनावाला, 12/623-ए, केलंकी बखार, राजी तालाब, सुरत ।

(भ्रन्तरक)

 श्री सत्यावती देवी, गुरुप्रसाद श्रग्रवाल, 12/616, केलेकी बखार, राजी तालाब, मुरत ।

(ग्रम्तरिती)

का वह सूचना जारी कारके पूर्वीकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहित्यों कारता हो।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप:---

- (क) इस सूचना भन्ने राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की, अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवानित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं
   45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
   िकसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
   िकस्ति में किए जा सकींसे।

स्थाउदीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया

## जग्**स्**ची

मिलिकियत जो वार्ड नं० 12, नौय नं० 616, पर सूरत में स्थित है जिसका क्षेत्र फल 61 चौ० वार है। सब-रिजस्ट्रार सूरत में 8389 नम्बर पर सर्वे 83 में को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ग्रार० ग्रार० गाह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-II; श्रहमदाबाद

दिनांक 2-7-1984 मोहर:

## प्रक्रम बाइं. टी. एन. एस.

अ।यक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन स्थाना

## भारत सरकार

कार्यासय, सहायक भागकर भागकत (निरीक्षण)

म्रार्जन रेंज-11, ग्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद दिनांक 3 जुलाई 1984

निदेश सं० पी० ग्रार० नं० 2850/11/ग्रत: मुझे, ग्रार० म्रार० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परिता, जिसका उचित बाजार मृस्य 25 000 / रहे . से **वधिक ह**ै

श्रीर जिसकी सं० नोंधनं० 1056 है तथा जो स्राठवा लाईन्स मुरत में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद ग्रनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय यूरत में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफास निम्नतिश्वित उद्योश्य से उक्त अन्तरण शिवित में नास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ननारण ते हुई किसी नाथ की बाबत, उक्त मीमीपनम् में समीप कर दोने से सम्बद्ध से वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा चै विद्युः स्ट्रि/या
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य अगस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) वा उक्त विधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गका भाषा किया चाना चाहिए था, छिपाने में स्थिभाके लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-न के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा [1] के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ अर्थात् -:

1. मै० स्वीटहोम धार्गेनाइजर्स भागीदार : श्री मगनभाई नरोत्तमदास पटेल 63 नर्मदनगर सोभायटी आठवा भाईन्स सुरत ।

(अन्तरक)

 श्री प्रीतम सिंह, महा सिंह प्रारोरा, जगदीश कुमारी पी० अरोरा, लक्ष्मीभूषण, पहला माला, ग्राठवा लाइन्स, सूरत ।

(ग्रन्सरिती)

को यह स्थाना जारों करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्णन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

## जनत सम्मत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बातोप्:--

- (क) इस स्थना के राजपण में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन की अवधिया तत्संबंधी ध्यक्तियों पर सूचनाकी दामीन से 30 दिन की बनिध जो भी बर्वाध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रांक्य व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (थ) इस स्वना के राजवत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित्तवद्वभ किसी जन्य व्यक्ति वृवारा, वभोहस्ताक्ष्री के पास् निवित में किए वा सर्कोंगे।

स्पच्टीकरण:--इसर्मे प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जा उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही वर्थ होगा जो उस अध्याय में विया नया हुवै।

## नम्सूची

मिलकियत जो म्राठवा लाईन्स, मूरत में नोंध मं० 10 56 पर स्थित है जिसका कुल क्षेत्रफल, 1280 चौ० फुट है। हव सब रजिस्ट्रार सूरत में 7116 नम्बर, पर नवम्बर, 1983 में रजिस्टर्ड किया गया है।

> श्रार० श्रार० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक छायकर धायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज II, ध्रष्टमदाबाद

दिनांक 3-7-1984

मोहर:

39-176GT/84

प्ररूप भाइ. टी. एन. एस. ----

नाय्कार निर्मितयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के भधीन सुचना

### मारत तरकार

कार्यालय, सहायक भायकार आयुक्त (निरीक्षण) ग्राजीन रेंज-11,

ग्रहमवाबाद, दिनांक 3 जुलाई 1984

निदेश मं० पी० श्रार० नं० 2851भी,—श्रत: मुझे, श्रार० श्रार० शाह

नायकर निर्धानयम्, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त निर्धानयम्' कहा गया हैं), की भारा 269-क के निर्धान सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित जिसका उच्चित बाजार मूल्य 25,000/-रह. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० वार्ड नं० 8, नीर्थ नं० 2186-की, 2187-बी, है, तथा जो गोपीपुरा, सूरत में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय सूरत में रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन दिनांक 24-11-83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, एमे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिकत्त से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नितियों के बीच ऐसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नितियों से उस्त अन्तरण सिनित के बास्तिकल कप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जनसरण से हुन् किसी जाग की बाब्स, उक्स अधिनियम के अधीन कर योगे में मन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अचने में सविधा के लिए; बहु-/बा
- (क) एसी किसी जाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के निए;

अतः। अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त विधिनियम की भारा 269-भ की उपभारा (1) के अभीतः ---

- (1) उपाबहृत प्रवीण चन्द्र स्थामी, सूरत ।
  - (2) गीता बहन, जगदीश चन्द्र स्वामी, संग्रामपुरा, सूरत ।
  - (3) हंसाबहुन चन्द्रकान्त स्वामी, सूरत ।
  - (4) गिरीणचन्द्र हरिलाल, स्वामी, सूरत ।

(ग्रन्तरक)

 शकुन्तला बहन, शर्मा, रामलाल मलहोत्रा, गोपीपुरा, सूरत ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त रूम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थाना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थानितयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में हितजब्ध किसी अन्य स्थित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाछ लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरण: ---इसमें प्रयुक्त कन्यों और पदों का, जो उक्त निधानियम के नध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं नर्थ होगा जो उस नध्याय में दिया गया है।

## वनुस्पी

मिलिकियत जो डीम्पल ग्रपार्टमेन्ट में, सूरत में स्थित है, जिसका वार्ड तं 8, नोर्थ तं 2186-बी, 2187-बी है। ग्रीर क्षेत्रफल 832 चौरसफुट है। सब रिजस्ट्रार सूरत में 10701 नम्बर पर दिनांक 24-11-83 को रिजस्टर्ड किया गया है।

श्रार० ग्रार० णाह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रुजीन रेंज-ग्री, श्रहमदाबाद

तारीख: 3-7-1984

मोहर 🕫

## प्ररूप बार्ड , टी . एन . एस . -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) भी धारा 269-म (1) के अधीन सुमा

### भारत बरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक अजुलाई 1984

निदेश यं० गो० घार० नं० 2852//---ग्रतः मुझे, ग्रार० ग्रार० शाह

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके मध्यात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० पलैट नं० बी-16, रीमानी श्रपार्टमेन्ट है, तथा जो मजूरागेट के पास, सूरत में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबड़ ग्रनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय सूरत में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 18-11-1983

को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य सं कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से एसे दृश्यमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई फिसी आय की बाबत, उक्त बाध-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: बार/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य जास्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ष्टिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधादा (1) ■ अधीन, निम्नसिष्कित व्यक्तियों. अर्थात ६श्री के० बासुदेय राष्ठ,
 506, 'गोले', सदैन बंगला,
 जे० पी० रोड,
 बम्बई ।

(ग्रन्तरक)

मै० श्रनन्त इन्डस्ट्रीज,
 42-43, जेल के नजदीक,
 खाटोडरा,
 सरत ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाष्ट्रियां शुरू करता हूं।

उक्त संपरित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की कारी से 45 दिन की अविध या करसंबंधी अयिक्तयों पर स्चना की तामील से 30 दिन की जविध, जो भी अविध बाद में समास्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसब इध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्साक्षरी के पास लिखित में किए जा सकती।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ हारेगा जो उक्त अध्याय में विया गया ही।

## जमस्ची

फ्लैंट जो रीमानी श्रपार्टमेंट मज्रागेट, सूरत में स्थित है जिसका कुल क्षेत्र फल, 675 चौ० फीट है। सब रिजस्ट्रार सूरत में 9853 नम्बर पर ता० 18-11-1983 को रिजस्टिई किया गया है।

भार० श्रार० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जने रेंफ-11,श्रहिमेदाबोद

दिनांक : 3-7-1984

मोहर 🖫

प्रकल काइ. टी. एन. एस. -----

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269'-ज (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक भायकर भायुक्त (विरक्षिण)

ग्रर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 5 जुलाई 1984

निदेश सं० पी० प्रार० नं० 2853 $^{II}$ —-प्रतः मुझे, प्रार० प्रार० शाह

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क् के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 905, श्रीराम अपार्टमेंट है, तथा जो नानपुरा, सूरत में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय सूरत में रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन दिनांक 15-11-1983

को पूर्वोक्स संपत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य ससके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय् पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कश्यत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त बिधिनयम के सभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिवित व्यक्तियों, अधिति अस्त  मै० श्रीराम श्रपार्टमेन्ट,
 1/864, श्राङ्गर स्ट्रीट, नानपुरा, सुरत ।

(अन्तरक)

श्री सवाजी रामजी,
 905, राजेक्वर, अपार्टमेन्ट,
 नानपुरा,
 सुरत ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की बत्रीथ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर मुखना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सर्कोंगे।

स्पच्छीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उचल अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ध होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## धनुसूची

फ्लैट जो राजेण्वर अपार्टमेंट सूरत में स्थित है। 37ईई का फार्म दिनांक 15-11-1983 को यह इस श्राफिस में पेश किया गया है।

ग्रार० ग्रार० गाह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

दिनांक: 5-7-1984

मोहर:

प्ररूप भार्दः, दी, एन, एस,,------

## नावकर नीधितयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-न (1) के संधीत स्वता

### भारत सरकार

## कार्यालय, सहायक शायकर शायकत (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-11, अहमदाबाद

म्रहमदाबाद, दिनांक 5 जुलाई 1984

निदेश मं० पी० श्रार० नं०  $2854/\Pi$ —श्रतः मुझे, श्रार० श्रार० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाब सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक ही

श्रीर जिसकी सं० पलैट नं० 14, सबें नं० 1933, नोध नं० 2 है तथा जो मजूरागेट, सूरत में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय सूरत में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक नवम्बर, 1983

को प्वेंक्सि सम्पिति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रितिफल के लिए रिजस्ट्रीकार्ता के कार्यालय बेंगलूर में धारा 269-ए बी. के अन्तर्गत सक्षम अधिकारी के सम्मृख/के पास रिजस्ट्रीकृत किया गया है मुक्ते यह विश्वास प्योंक्स सम्पित का जिया गया है मुक्ते यह विश्वास प्योंक्स सम्पित का जिया बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतिरितियों) के भीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया चया प्रतिफल निम्नलिकित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निकित को बास्तिविक रूप से किया गया है :--

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बायत उक्त जिल-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृष्टिभा के लिये; बीर/बा
- (थ) एसी किसी आय या किसी धन बन्ध आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया जया भा सा किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् :--- मै० जे० जे० एन्टरप्राइजेज,
 2/3728, नवसारी बाजार,
 मुख्य मार्ग,
 मुरत ।

(ग्रन्तरक)

विनोद सेड बसा,
 292, कारनेक रीड,
 धोबी तालाब,
 बम्बई-2

(भ्रन्तरिती)

को यह युवना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हुं।

उक्त सम्परित के गर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भींतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अवत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

## मन्स्ची

प्लैट जो मजूरागेट, सूरत में स्थित है जिसका नं 14 है। फार्म नं 37ईई दिनांक 24-11-1983 की यह कार्यालय में पेश किया गया है।

मार० म्रार० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक मायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-प्र<sup>I</sup>, म्रहमदाबाद

विनांक : 5-7-1984

मोहर :

## प्रकृष वार्षे . दी . एन् . एस् . नगन-प्रनग्ननम्

**बायकर विभिनियम,** 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बचीन सुचना

## भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज-II, अहमदाबाद ग्रहमदाबाद, दिनांक 5 जुलाई 1984

मिदेश सं० पी० ग्रार० नं० 2855/II—श्रत: मुझे, ग्रार० ग्रार० शाह,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अभिक है

मौर जिसकी सं टी॰ पी॰ एस॰ नं 3, एफ॰ पी॰ नं 193 है तथा जो आणंद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आणंद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंदह प्रतिकात से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-क्स निम्नलिबित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निक्ति से वास्तिवक रूप में कथित नहीं किया गया है:--

- (क) बन्तरण वे हुई किसी बाय की बाबस, उक्त विभिनियम के बधीन कर बोने के बन्तरक क वायित्य में कभी करणेया उत्तरों बचने में सुविधा के निए; बॉर/बा
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया भवा था या किया थाना चाहिए था, स्थिमने में स्विभा के लिए?

कतः वयः, उक्तः अधिनियमं की धारा 269-गं के अनुसरण में, मैं:, उक्तं अधिनियमं की धारा 269-घं की उपधारा (1) के अभीन निम्नतिस्थितं व्यक्तियों अर्थातः :---  मै॰ स्रहमदभाई हसनभाई, ज्ना दादर, भाणद।

(ग्रन्तरक)

2 कृष्णकान्त गोकलदास पटेल, श्रार० के० ब्लाक, टैगोर रोड, श्राणंव ।

(भ्रन्तरिती)

का बहु सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्द सम्पृत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाबोध:--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की हारी वे 45 बिन की अविध या तत्सम्बन्धी स्वक्तियों पर स्थाना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रांक्त स्पक्तियों में से किसी अधिकत द्वारा;
- (क) इस सूचना कं राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सं 45 दिन के भात र उक्त स्थावर सम्पन्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोगं।

स्वृक्षीकरणः -- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, शो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में प्रिकादित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

## नग्स्की

जमीन जो श्राणंद में स्थित है जिसका टी० पी० एस० नं० 3, श्रीर एफ०पी० नं० 193है, । सब रजिस्ट्रार श्राणंद में 4519 नम्बर, पर दिनांक 24-10-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> श्रार० श्रार० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

विनांक 5-7-1984 मोहर :

## प्रकृष् कार्षे. टो. एन. एस.------

कासकर कींधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

## भारत सुरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रजन रेज-II, अहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 5 जुलाई 1984

निदेश मं० पी० ग्रार० नं० 2856/11/--ग्रतः मुझे, ग्रार० ग्रार० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- एउ. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० ब्लाक नं० 5, प्लाट नं० 15 तथा 16 है तथा जो उद्योगनगर, सूरत में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ना श्रीधकारी के कार्यालय सूरत में रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीन दिनांक 17-11-1984

को पूर्वों कत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मृझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिद्वत से अधिक हैं और अन्तरिक (अंतरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण 'से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के शायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के सिए; बार्ट/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आययर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, दा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में निवधा के लिए;

अतः तब, उक्त अधिनियम की धारा 269-न के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :---

- मै० बंदना गिल्क मिल्स, भागीदार:
  - (1) बल्लभभाई मोरारजी पटेल,
  - (2) राम भाई रणछोड़ जी
  - (3) नंदुभाई एन० भक्ता,
  - (4) नाराबहन पी० पटेल, 1/2/4, सप्तर्षि, घोडदोष्ट, सूरत ।

(ग्रन्तरक)

 श्राणकान्त प्राणलाल सिमापोरी, केयर श्राफ : ए० सी० सवेरी, एप्रूवड बेल्युधर, सिगापुर की वाडी, सुरत ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना भारी करके पृथाँकत् संपरित के वर्जन के निष्
कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्र किस व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धक्तिरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पूर्वों का, को अक्छ अधिनियस, को अध्याय 20-क में परिभार्षित ही, बहुत क्षे होगा, को उस अध्याय में दिया गया

## नगराची

मिलिकियत जो उधना उद्योगनगर में स्थित है। जिसका प्लाटनं० 15 श्रीर 16 है। सब रजिस्ट्रार, सूरत में 10513 नम्बर, पर नारीख 17-11-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> स्रार० ग्रार० गाह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर **ग्रायु**क्त (नि**रीक्षण)** श्रर्जन रेंज,II, श्रहमदाबाव्

दिनांक 5-7-1984 मोहर प्ररूप बाइ. टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्वता

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर मायुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 7 जुलाई 1984

निदेश सं० पी० ग्रार० नं० 2857/II/--ग्रत: मुझे, ग्रार० ग्रार० णाह

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. सं अधिक हैं

ष्मौर जिसकी सं० वार्ड नं० 1. नोंध नं० 1056 है तथा जो नानपुरा, राधिका ग्रपार्टमेंट सूरत में स्थित है (ग्रौर ६समें उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय सूरत म रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक 21-11-1983

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रों यह विद्यास करने का कारण है कि यथाप्येक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार भृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिचात से अधिक है और अंतरक (अंतरक ) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेद्यों से उक्त अन्तरण लिखित में शास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बायत उक्त अधि-नियम औं अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उलसे सचने में स्विधा के लिए; और/सा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।;

श्रतः जब, उक्त वाभिनियम का भारा 269-ए के बनुस्रक् बी, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की उपधारा (1) को अधीन, पिम्मिलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ह—

- 1. (1) श्री पंकज कुमार, पटेल,
  - (2) रेखाबहन, सुनील कुमार, स्रलधाम, तह० चौर्यासी, सूरत ।

(ग्रन्तरक)

 श्री हीरालाल खुणालवास मिस्वी लीलामसी बहन, खुणाल दास मिस्वी, राधिका श्रपार्टमेंट, नानपुरा, सुरत ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कायवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिल में किए जा सकरी।

स्पद्धीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## मन्सूची

पर्नैट जो बार्ड नं 1 1, नानपुरा, सूरत में स्थित है जिसका नीव नं 1096 श्रीर फ्लैट नं 101 है, श्रीर कुल क्षेत्रफल 588 चौ फुट है। सब-रजिस्ट्रार सूरत में 10637 नम्बर पर दिनांक 21-11-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> श्रार० श्राह्य नक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्राप्<sup>3</sup>त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, ग्रहमदा**बाद**

दिनांक : 7-7-1984

मोहर:

## प्ररूप नाई.टी.एम्.एस.,------

बाशकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन मृचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेज, नागपुर

नागपूर, दिनांक 18 जून 1984

निर्वेश सं० आई०० ए सी० एक्वी० 8/12/84-85-अतः मुझे, एम० सी० जोशी,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवात 'उक्त अधिनियम' कहा मया है), को धारा 269-8 के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्य 25,000/-7ः. से अधिक हैं

और जिसकी सं ० पोर्णन स्यू० हाऊस नं० 514-70 हैं तथा जिसका सी ० सर्वे० मं० 20112 रिज नं० 1.25 है और जो जयसिंह पुरा औरंगाबाद में स्थित हैं (और उसके उपावद्ध अनूसूर्चा में अौर पूर्ण रूप से विणतहैं) रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय औरंगाबाद (डाक्सेंट सं० 5405/83) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 21 नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की रहा है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निखत में वास्तियक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुईं किसी आय की बाबत, उक्त बिधिनयम के बधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; बौर/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, डिकुमने में सुविधा के लिए,

जतः जन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मों, मों, उनत अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के जधीन- निम्नलिखिख व्यक्तियों, अर्थात् :---- 40—176GI|84

(1) श्रीमती रियाज सुलताना पत्नी मो० हुसैन खान रा० जयसीपुरा औरंगावाद।

(अन्तरकः)

- (2) 1. श्री हाजी अरीफ
  - 2. श्री मो० हर्नाफ वल्द इक्राहीम रा० चौका बाजार औरंगाबाद !

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उन्त संपत्ति के नर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की टारींच से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त स्वित्तयों में से किसी स्वित्त बुवारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मंपरित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरें।

स्यख्यीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं. बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## **न**न्मुची

पोर्शन स्यू० हाऊस मं० 5-1 ≒-70 सी० फर्व० नं० 20112 रिज नं० 125 जयसिहपुरा अधालत रोड़ औरंगाबःद (75'×72)'फीट।

> एम० मी० जोगी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, नागपुर

दिनांक 18-6-1984 मोहर:

## UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110 011, the 4th July 1984

No. A.38012[1]84-Admn.II.—In pursuance of Principal Accounts Office, Department of Personnel & Administrative Reforms, Ministry of Home Affairs Memorandum No. 24] Pr.AC|DPAR|84-85|VDK|378 dated 19th April, 1984, Miss V. D. Kumar, Pay & Accounts Officer, Union Public Service Commission, is allowed to retire from Government Service w.e.f. 4th July, 1984 (AN) at her own request under F.R. 56(K).

M. P. JAIN
Under Secretary (Admn.)
Union Public Service Commission

# MINISTRY OF HOME AFFAIRS DEPARTMENT OF PERSONNEL & A.R. CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 1st July 1984

No. A-12025 181-AD.V.—Shri Vijay Kumar Sharma, Public Prosecutor at his own request has been relieved of his duties with effect from 30-6-1984 afternoon.

### The 2nd July 1983

No. V|5|73|AD.V.—Director, Central Bureau of Investigation, and Inspector General of police, Special Police Establishment, hereby uppoints Shri V. Kamaraju, a retired Deputy Superintendent of Police of Andhra Pradesh, on reemployment as Deputy Superintendent of Police in the Central Bureau of Investigation, Hyderabad Branch in a temporary capacity with effect from the forenoon of 1st July, 1983 for two years.

No. V|5|73|AD.V.—On attaining the age of superannuation, the services of Shri V. Kamaraju, Dy. Superintendent of Police on deputation to Central Burean of Investigation from Andhra Pradesh Police, were placed at the disposal of Government of Andhra Pradesh with effect from 30th June, 1983 afternoon.

No. A-19027|3|81-AD.V.—In continuation of this office Notification of even Number dated 21-3-84, the President is pleased to appoint S|Shri J. L. Sarin and K. Shouriah, Sr. Officer (Photo) to officiate as Senior Scientific Officer (Photo) on ad-hoc basis in C.F.S.L.|CBI for a further period of upto 31-8-1984.

No. A-22015/2/82-AD.V.—In continuation of Notification of even number dated 23rd May, 1984, the President is pleased to appoint S|Shri I. L. Sarin and K. Shourinh, Sr. PPs as Dy. Legal Advisers in Central Bureau of Investigation with effect from 30-6-1984 on regular basis.

R. S. NAGPAL Administrative Officer (F) Central Bureau of Investigation

## OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT CENTRAL REVENUES

New Delhi, the 16th July 1984

No. Admi.I.O.O.No.-140.—Consequent upon his attaining the age of superannuation, Shri R. P. Ghosh, a permanent Audit Officer of this office, presently on deputation to the Kudal Commission of Finquiry, will be retiring from the service of the Government of India with effect from the afternoon of 31-7-1984. His date of birth is 25-7-1926.

VIJAYA MOORTHY Deputy Director of Audit (Admn.)

### MINISTRY OF DEFENCE

## INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE ORDNANCE FACTORY BOARD

Calcutta-16, the 5th July 1984

No. 32/G/84—The President is pleased to appoint the undermentioned officer as Offg. Addl. DGOF/Member with effect from the dates shown against him :-Shri N.K. Padmanabhan, Offg. 1st June, 1984
DDGOF (Level-I)

No. 33/G/84—The President is pleased to appoint the undermentioned officer as Offg. W. M. with effect from the date shown against him:

Shri R. K Sharma, (Prob.) 30th April, 1984

No. 34/G/84—The President is pleased to appoint the undermentioned officers as offig. AWM with effect from the date shown against them :-

### S/Shri

1. Bimalendu Guha, F/M			31st March, 1984
2. S. N. Sircar, F/M .			31st March, 1984
<ol><li>Krishna Jha, F/M</li></ol>			31st Mar?h, 1984
4. S. K. Balasubramaniam, 1	F/M		31st March 1984
5. S. Sridharan,			31st March, 1984
6. V. Venkatesan, F/M			31st March, 1984
7. T.K.V. Shastry, F/M			31st March, 1984
8, D.D. Bhattacharjee, F/M			23rd April, 1984
9. R.N. Sinha, F/M .			31st March, 1984
10. K. L. Dhar, F/M			31st March, 1984
11. A. Unnikrishnan, F/M			31st March, 1984
12. C. Sukumaran Unni, F/M	1		31st March, 1984
13. R.B. Joshim F/M .			31st March, 1984
14. N. Srinivasan, F/M .			31st March, 1984
15. S.K. Dasgupta, F/M			31st March, 1984
te. Abdul Majid, F/M			31st March, 1984
17. M.R. Annají, F/M			31st March, 1984
18. Abdul Aziz F/M .			31st March, 1984
19. D.S. Talegaonkar, S.H.			31st March, 1984
20. S.P. Sharma, F/M			31st March, 1984
		 -	<del></del>

### The 6th July 1984

No. 35|G|84.—On attaining the age of superannuation (58 years), Shri D. Sen, Offg. S.O. (Subst. & Permt. Assistant) retired from service w.e.f. 30th June, 1984 (AN).

No. 36|G|84.—On attaining the age of superannuation (58 years), Shri A. B. Lal, Jt. Director, Ordnance Factory Board, retired from service with effect from 30th June, 1984|AN.

V. K. MEHTA Director|Estt. & CVO

### DEPARTMENT OF LABOUR

## DIRECTORATE GENERAL FACTORY ADVICE SERVICE & LABOUR INSTITUTE

Rombay, the 12th July 1984

No. 15[12]79 Estt.—Dr. K. Suryanarayanan, Assistant Director (Industrial Psychology) of DGFASLI Organisation Rombay has been permitted to resign from the Post of Assistant Director (Industrial Psychology) with effect from 2-7-84 (A,N.).

P. R. SURENDRANATHAN
Director General

## MINISTRY OF COMMERCE

### OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS AND EXPORTS

New Delhi, the th July 1984

### IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL

### (ESTABLISHMENT)

No. 1/16/83-ADMN(G)/5669—The President is pleased to appoint Shri L. Prasad, (CSS SG SL 1983) to officiate in the Selection Grade of CSS and as Joint Chief Controller of Imports and Exports in the Office of the Chief Controller of Imports and Exports, New Delhi on ad-hoc basis for a period of 3 months with effect from 30-6-1984 (AN).

> P. C. JAIN Chief Controller of Imports and Exports

### (DEPARTMENT OF TEXTILES)

### OFFICE OF THE TEXTILES COMMISSIONER

Bombay-20, the 10th July 1984

2(97) EST.I[84]3897.—Smt. M. V. Pednekar, Assistant Director, Grade II in this office retired from service from the afternoon of the 30th June 1984, on attaining the age of Superannuation.

No. 2(96) EST.I[84]3901.—Shri V. L. Gajakos, Assistant Director, Grade 11 in this office, retired from service from the afternoon of the 30th June 1984, on attaining the age of Superannuation.

> V. K. SRIVASTAVA Dy. Director (Admn.)

## ISPAT AUR KHAN MANTRALAYA (KHAN VIGHAG)

### GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-16, the 6th July 1984

No. 4832B/A-31013/Librarian/77-19C-The following officers are confirmed by the Director General, Geological Survey of India, in the grade of Librarian (Group 'B' Gazetted in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in the Geological Survey of India, with effect from the dates shown against each.

SI. No.	Name of officer	 		Date of nfirmation
1	2	 	 	3
<b>S</b> /3	Shri			
1. A	jay Ranjan Chakraborty			14-2-79
2. N	. L. Mukherjee .			1-12-79
3. T.	Kameswar Rao .			-1-2-82

No. 4846B|A-19012(1-CVS)|76|19A.-Shri C. V. Seshadri, Asstt. Geologist, Geological Survey of India relinquished charge of the post of Assistant Geologist in the Geological Survey of India on resignation with effect from the forenoon of 18-4-1984 (AN).

> A. KUSHARI Director (Personnel) for Director General

### INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 11th July 1984

No. A.19011(333) 83-Estt.A. P.P.—On his retirement after attaining the age of superannuation Shri C. S. Rao, Deputy Mineral Economist (Stat.) is relieved of his duties in the Indian Bureau of Mines with effect from the afternoon of 30-6-1984 and accordingly his name has been struck off the strength of establishment of this Department.

> P. P. WADHI Administrative Officer for Controller General.

### DIRECTORATE GENERAL: ALL INDIA RADIO

New Delhi-1, the 11th July 1984

No. 4(44) 84-St.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Smt. A. V. Tulapurkar as Programme Executive, C.B.S., A.I.R., Bonioay in a temporary capacity with effect from 1st May, 1984 and until further orders, in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-880-40-1000-EB-40-1200.

> H. C. JAYAL Dy. Director of Administration for Director General.

### DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 6th July 1984

No. A.22013/1/83-CGHS.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Hakim Ghulam Mehdi, Research Officer (Unani) in the Central Council of Research in Unani Medicine as Unani Physician in Central Govt. Health Scheme, Delhi, in addition to this own duties as Research Officer (Unani), for the period from 10-10-80 to 1-1-1981

> T. S. RAO Deputy Director Admn. (CGHS.I)

### (M. H. SECTION)

New Delhi, the 11th July 1984

No. A.19019|5|84-MH .-- The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri T. R. Kapoor to the post of Stores Officen in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-FB-40-960 at Dr. Ram Manohor Lobia Hospital, New Delhi with effect from the foremoon of 28-5-1984.

> P. K. GHAI Dy. Director Admn. (CGHS-II)

## BHBHA ATOMIC RESEARCH CENTRE PERSONNEL DIVISION

Bombay-400085, the 10th July 1984

No. 5(5A)|81-Confirmation|SR&W|993. -The Controller, Bhabha Atomic Research Centre, hereby appoints Shri S. D. Pharambe, a temporary Scientific Officer Engineer SC, Biology & Agriculture Division in a substantive capacity as Scientific Officer Engineer Grade SB in Bhabha Atomic Research Centre with effect from February 1, 1983.

No:5(SA)/81-Confirmation/SR&W/994—The Controller, Bhabha Atomic Research Centre, hereby appoints the undermentione officers in a substantive capacity as Scientific Officer/ Engineer Grade SB in Bhabha Atomic Research Centre with effect from February 1, 1983.

Sl. No.	. Name			Pre	sent Grade	Division	Permanent post held in BARC	
1	2				3	4	5	
1.	Shri M.V. Kulkarni . (G/402/103)				SC	Central Workshops	SA(C)	
2.	Shri C.G. Jadhav .	٠.			SB	Reactor Operations	D'man C	
3.	(G/509/162) Shri R. Venkatasubramania	n			SC	Spectroscopy	SA(C)	
4.	(G/503/58) Shri S.T. Bhavsar				SC	V.E.C.	SA(C)	
5.	(G/801/43) Shri R.N. Sengupta				SD	V.E.C.	SA(C)	
6.	(G/801/40) Shri T.J. Sen				SC	V.E.C.	SA(B)	
7.	(G/801/41) Shri D.L. Fonseca				SC	Reactor Operations	Foreman	
8.	(G/509/186) Shri H.C. Dabral				SB	Technical Physics & Prototype Engg. Divn.	D'man C	
9.	(G/602/118) Shri Raman Sadagopan				sc	Division of Radiological Protection	SA(C)	
	(G/701/141) Shri R.N. Kerkar				SB	Uranium Metal Plant	Foreman	
11.	(G/404/239) Shri S. Parameswarayya				SC	Reactor Engineering	Foreman	
12.	(G/508/228) Shri P.V. Nikam				SC	Technical Services	Foreman	
13.	(G/403/82) Shri T.K. Sengupta				SC	Fuel Reprocessing	SA(C)	
14.	(G/406/109) Shr N.S. Sathaye				SC	Chemistry	Foreman	
	(G/502/133) Shri M.J. Palkar				SC	Fuel Reprocessing	SA(C)	
	(G/406/111) Shri B.S. Chauhan				SC	Technical Services	Foreman	
	(G/403/83) Shri T.K. Khare				SC	Analytical Chemistry	T'man 'G'	
	(G/501/95) Shri M.K. Mitra				SC	Fuel Reprocessing	SA(C)	
	(G/406/110) Shri T.V. Aprane				SC	Waste Management	SA(C)	
	(G/405/149) Shri P.B. Rawlani	•	•		SC SC	Health Physics	SA(C)	
_	(G/305/220) Shri D.H. Saitawdekar	•	•	•	\$C	Health Physics	SA(C)	
	(G/305/219) . Shri R.P. Jain	•	•	•	SC	T.R.P.S.	SA(C)	
	(G/508/229) . Shri K.A. Sharma	•	•			Radio-Chemistry	SA(C)	
	(G/505/154) Shri Salil Das Gupta	•	•	•		Central Workshops	SA(C)	
_	(G/402/106)	•	•		SC	Reactor Engineering		
	G. Shri A.M. Karnad . (G/508/230)	•	•			2	SA(C)	
	5. Shri R.D.S. Walia (G/301/230)	•	٠		SC	Laser Division	SA(C)	
	7. Shri H.S. Dua	•	•		SC\	Spectroscopy	SA(C)	
_	3. Shri M.G. Bhandari (G/508/231)	•	•	•		Reactor Engineering	SA(C)	
-	). Shri Nirmalendu Bhaumik (G/402/105)		•		SC	Central Workshops	D'man 'C'	
	). Shri Mehraj Beg Mirza (G/403/81)	•	•		SC	Technical Services	SA(B)	
3	I. Shri Mohinder Singh (G/506/124)	•	•		\$C	R.T.D.	Foreman	
3	2. Shri B.S. Manekar (G/501/96)		•		SC	Analytical Chemistry	SA(C)	

SI. No.	Name			Presei	nt Grade		Division	Permanent post held in BARC
l	2				3		4	5
33.	Shri M.C. Sharma (G/506/126)			•	SC		R.P.S.	SA(C)
34.	E. Gopinathan (G/305/224)				SC		Health Physics	SA(C)
35.	Shri E.K. Viswanathan (G/305/225)	•		•	SC		Health Physics	SA(C)
36.	Shri N.R. Wadhwa (G/402/109)				SC	ŧ	Central Workshops	SA(C)
37.	Shri N.K. Naik (G/301/234)				SC		Electronics	SA(C)
88.	Shri S.B. Nadgir . (G/702/34)	-	•	. \$	SC		Division of Radiological Protection	SA(C)
	Shri M.D. Vora (G/504/179)	•	•	. :	SC		Metallurgy	SA(C)
	Shri A. Suryaprakashrao (G/503/60)				SC		Spectroscopy	SA(C)
41.	Shri D.D. Panse .(G/303/89)			. :	SC		Reactor Control	SA(C)
	Shri D.K. Hardasani (G/702/35)	•	-	. \$	SC ,		Division of Radiological Protection	Foreman
13.	Shri S. V. Shetty (G/403/84)	•		•	SC		Technical Services	Foreman

J. RAMAMURTHY Deputy Establishment Officer

## DIRECTORATE OF PURCHASE & STORES

Bombay-400 001, the 6th July 1984

No. DPS|41|2|84-Adm.|15802.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri Anant Krishnaji Nakashe a permanent Storekeeper to officiate as an Assistant Stores Officer on an adhoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200|- from 14-5-84 (FN) to 21-6-84 (AN) in the same Directorate Vice Shri R. N. Guha, Assistant Stores Officer proceeded on tour to Talcher.

No. DPS|41|2|83-Adm.|15807.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri G. Kuppuswamy a permanent Storekeeper to officiate as an Assistant Stores Officer on an ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-880-40-1000-EB-40-1200|- from 14-5-84 (FN) to 15-6-1984 (AN) in the same Directorate Vice Shri L. H. Bagwe, Assistant Stores Officer granted leave.

P. GOPALAN Administrative Officer

## CONSTRUCTION & SERVICES GROUP

Bombay-400 094, the 10th July 1984

No. C&SG|A|2|16|4856.—The Director, Construction & Services Group, Department of Atomic Energy, is pleased to appoint Shri A. V. Paulose, a temporary Assistant Accountant in Construction & Services Group, as Assistant Accounts Officer in a temporary capacity on ad hoc basis with effect from the forenoon of 7-5-84 to 8-6-84, vice V. G. D. Pillai, Assistant Accounts Officer granted leave.

T . P. RAJASTH Administrative Officer

## REACTOR RESEARCH CENTRE

Kalpakkam, the 4th June 1984

No. RRC|A.32023|1|83-R|7978.—Director, Reactor Research Centre hereby appoints Shri K. Javantheeswaram, a permanent Senior Stenographer and officiating Stenographer

Grade III of this Research Centre as Assistant Administrative Officer in the same Centre in an officiating capacity on an ad-hoc basis with effect from 28-5-84 to 27-6-84 vice Shri R. Narayanan, Assistant Administrative Officer, proceeded on leave.

### The 4th June 1984

No. A.32023[1]84-R|8036.—Director, Reactor Research Centre hereby appoints Shri Vadivel Vembian, a permanent Upper Division Clerk of Madras Atomic Power Project and officiating Selection Grade Clerk of this Centre as Assistant Administrative Officer in the same Centre for the period from 28-5-84 to 15-6-84 in an officiating capacity on an adhoc basis vice Shri A. Subramanian, Assistant Admn. Officer proceeded on leave.

S. PADMANABHAN Administrative Officer

## MINISTRY OF TOURISM & CIVIL AVIATION INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

New Delhi the 10th July 1984

No. A38019/II/13-E.I.—The undermentioned Assistant Meteorologists of India Meteorological Department have retired from the Government service on the dates mentioned against their names, on attaining the age of superannuation:

S. No.	Name				Date of tirement
1	2	 			3
S/S					
J. Á.]	D. Banerjee .			,	3-12-83
J. Á.]				,	3-12-83 31-1-84
I. Á.] 2. S.F	D. Banerjee .				

1 2	 			3
5. H.R. Malhotra				29-2-84
6. S.R. Sawhney				29-2-84
7. K. Kanniappan				29-2-84
8. N. Ansari				31-3-84
9. R.N. Mukherjee				31-3-84
10, J.C. Sharma				31-3-84
11. J. Vaidyanathan				31-3-84

### The 13th July 1984

No. E(I)05864.—Shri N. P. Jauhari, Officiating Meteorologist Grade I, India Meteorological Department, has voluntarily retired from the Government service with effect from the afternoon of 9-11-1983.

K. MUKHERJEE
Metcorologist (Establishment)
for Director General of Meteorology.

## OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 21st June 1984

No, A.32013[1]84-EW.—The President is pleased to appoint Shri S. Kalra, Assistant Project Officer (Equipment) to the grade of Electrical and Mechanical Officer on promotion on ad hoc basis for a period of six months with effect from 31st May, 1984 or till the post is filled on regular basis whichever is earlier.

2. Shri Kalra is posted in the office of Deputy Director (Euipment), E&M Workshop, Safdarjung Airport, New Delhi.

B. BHAUMIK Assistant Director of Administration

### New Delhi, the 4th July 1984

No. A.32013 5 80-EC.—The President is pleased to appoint the following officers to the grade of Deputy Director, Controller of Communication in the Civil Aviation Department on ad-hoc basis for a period of six months with effect from 1-1-1984 or till the posts are filled on a regular basis whichever is earlier.

### S|Shri

- 1. N. K. Puri,
- 2. P. K. Singhal.
- 3. R. S. Gahlot.
- 2. The Ad-hoc appointment of the aforesaid officers in the grade of Dy. Director|Controller of Communication will not bestow on them a claim for regular appointment and the services so rendered on ad-hoc basis would neither count for the purpose of seniority in the grade nor for eligibility for promotion to the next higher grade.

No. A.35018[16]83-EI.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shri Ajit Singh Bajwa, Accountant to the post of Accounts Officer on an ad hoc basis for a period of six months from 2-7-1984 (FN) or till the date post is filled on a regular basis, whichever, is earlier.

## The 5th July 1984

No. A. 32013|3|83-EC(.).—In continuation of this Department's Notification No. A. 32013|3|82-EC dated the 30 May 1984 the President is pleased to appoint the following six Technical Officers to the grade of Senior Technical Officer on a regular basis w.e.f. the dates indicated against each and until further orders:—

S. Name No.			Station of posting	Date	
1 2			3	4	
S/Shri					
1, S.D. Awasthi			ACS, Jaipur	11-1-84	
2. S.A. Shetty		٠.	ACS, Madras	30-3-84	
3, A.V. Krishna			RCDU, New Delhi	11-1-84	
4. K.R. Ramanu	jam		ACS, Bombay	11-1-84	
5. R. Maheswari			ACS, Delhi	29-2-84	
6. V.S. Mitra			RCDU, New Dolhi	11-1-84	

### The 7th July 1984

No. A.32013|2|84-EC(.).—The President is pleased to appoint Shri R. K. Sood, Sr. Technical Officer, Aero Comm. Stn., Delhi to the grade of Assistant Director of Communication on ad-hoc basis for a period of six months w.e.f. 1-6-1984 (FN) or till the post is filled up on a regular basis whichever is earlier and to post him in the Directorate General of Civil Aviation (HQr.).

### The 10th July 1984

No. A.19011 19 80-E1.—On attaining the age of superannuation Shri R. V. Ranadive, Deputy Director General of Civil Aviation in this Office retired from Government service on the afternoon of 30-6-84.

O. P. AGGARWAL Assistant Director of Administration.

## INCOME-TAX APPELLATE TRIBUNAL

Bombay-400 020, the 9th July 1984

No. F.48-Ad(AT)|1984.—Shri S. K. Biswas, Superintendent, Income-tax Appellate Tribunal, Bombay Benches, Bombay is appointed to officiate as Assistant Registrar, Incometax Appellate Tribunal, Amritsar Bench, Amritsar on ad-hoc basis in a temporary capacity for a period of 3 months with effect from the afternoon of 28th June, 1984 or till the post is filled up on regular basis, whichever, is earlier.

The above appointment is an ad-hoc and will not bestow upon Shri S. K. Biswas, a claim for regular appointment in the grade and the service rendered by him on ad-hoc basis would not count for the purpose of seniority in that grade or for eligibility for promotion to next higher grade.

T. D. SUGLA President

### FORM I.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, NAGPUR

Nagpur, the 18th June 1984

No. IAC.|ACQ|8|12|8485.-Whereas, I, M. C. JOSHI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

portion of the House bearing No. M. P. No. 5-14-70 City S. No. 20112 Shed No. 125 at Jaisnghpurn Ada-lat Road, Aurangabad to the extent of (75'X72') feet (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the

Office of the Registering

Officer at Aurangabad on 21st November, 1983, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

(1) Smt, Riyaz Sultana Wlo Mohd. Hussain Khan Rlo Jaisinghpura, Aurangabad.

(Transféror)

(2) 1. Shri Haji Arif 2. Shri Mohd. Haneef Sslo Ibrahim R o Chowk Bazar Aurangabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the mid immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein an are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Portion of the House bearing M.P. No. 5-14-70 City S.No. 20112. Shed No. 125 at Jaisinghpura Adalat Road, Auranga-bad to the extent (75'X72') feet.

> M. C. JOSHI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of the Income-tax Acquisition Range, Nagpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the saio Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 18-6-1984,

Scal:

### FORM ITNS ...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, NAGPUR

Nagpur, the 18th June 1984

No. IAC|ACQ|7|12|84-85.—Whereas, I, M. C. JOSHI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing field No. 11 A-31 G2 of Maura Benoda Pro. Nandgaon

Peth Tal. Dist. Amaraoti (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the

Office of the Registering Officer at Amravati on 11th November, 1983

Officer at American of Tital November, 1963 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Jagdishwar Sanstha Trust Chief Trustee Sh. Goverdhan Visheshwar Acharya, Kabutarkhana Morshi Road, Amravati

(Transferor)

(2) The Greater Kailash through Partner Sh. Jagdishsingh Harisingh Jaggi, Ram Bhawan Chowk Amaraoti.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Field No. 11 A-31 G2 Maura Benoda Pro. Nandgaon Peth Tl. Dist. Amaraoti.

> M. C. JOSHI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of the Income-tax Acquisition Range, Nagnur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 18-6-1984.

Scol:

### FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

(1) Mrs. Smita S. Awasthee 308 Shukrawar peth, Pune-2.

(Transferor)

(2) Mr. Ramesh P. Mehboobani Amarvilla, 15 Gurunanknagar, Pune-2.

(Transferce)

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PLINE

Poona-4, the 22nd February 1984

Ref. No. IAC|ACQ|CA-5|37EF|474|83-84.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Flat No. 309, 3rd floor, 'Gulmohor' 2420 General Thimayya

Road, Cantonment situated at Pune-1

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of

the Registering Officer at IAC. ACQN. Pune on Jan. 84.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen pur cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsction (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons, namely :-

41-176GI|84

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pub-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that

### THE SCHEDULE

Flat No. 309, 3rd floor, 'Gulmohor' 2424 General Thim-

ayya Road. Pune Cantoment. Pune-1.
(Property as decribed in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acqn. Range Pune under Doc. No. 3393 83-84 in the month of Jan. 1984).

SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range. Poons

Date: 22-2-1984.

Scal:

### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Poons, the 29th September 1983

Ref. No. 1AC | ACQ|CA-5|37FF | 83-84|293.—Whereas, I. SHASHIKANT KULKARNI. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 - and bearing No. situated at Pune-411 001 (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering
Officer at IAC, ACQN. Pune on Jan. 84 for an apparent consideration which is less fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-trix Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri P. V. Mahadkar, 1982, Convent Street, Punc-411 001.

(Transferor)

(2) Shri Tehmptan B. Irani, 2070, Jan Moh. Street, Punc-411 001.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FAPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 14, Plot No. 126, Sinegog Street, Pune-411 001. (As described in the sale deel, registered in the office of the 1.A.C., ACQN, RANGE, Pune, under Doc. No. 2767|37-EE|83-84, dated 12-1-1983.

SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority Inspecting Assit, Commissioner of Income-tax Acquisition Range,

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 29-9-1983

Seal:

FORM I.T.N.S.---

(1) 1. Shri Bisheshwar Prasad Shri Bishambhar Prasad

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Shii Pujan Mal

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 17th January 1984

Ref No. G.I.P.R. No. P-112 ACQ .-- Whereas, I, A, PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. Shop and residential accommodation situated at Majidganj, Najibabad, Distt. Bijnore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the

Office of the Registering

Officer at Najibabad on 10th November, 1983

for an apparent consideration which is less the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 50 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said improvable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning ra given in that Chapter.

## THE SCHEDULB

Property consisting of Shop and residential building on the land measuring 270.75 sq. intro, situated at Majidganj, Najibabad, Distt. Bijnore, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 2654, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Najibabad, on 10-11-1983.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of the Income-tax Acquisition Range, Lucknow.

Date: 17 1-1984. Seal:

FORM ITNS-

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

## UFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 6th July 1984

A.P. No. 5458.—Whereas, I, Ref. No. J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000|- and bearing
No. as per schedule situated at Goniana Mandi, Bhatinda,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Bhatinda on Nov., 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the subject of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) Shrì Shamsher Singh So Shrì Bhag Singh, Goniana Mandi, Bhatinda,
- (Transferor) (2) Shri Fateh Singh Sjo Shri Mahan Singh, Mehma Bhagwan Distt. Bhatindæ.
  - (Transferce)
- (3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property).
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 3613 of Nov., 1983 of the Registering Authority, Bhatinda.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Jalandhar

Date: 6-7-1984

Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACOUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 6th July 1984

Ref. No. A.P. No. 5459—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing

No. as per schedule situated at Goniana Mandi, Bhatinda, (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bhatinda on Nov., 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which each to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Pritpal Singh So Shri Shamsher Singh, Goniana Mandi, Bhatinda,

(Transferoi)

- (2) Smt. Balwant Kaur Wd|o Shri Chand Singh, Village Mehma Bhagwan Distt. Bhatinda.

  (Transferce)
- (3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property).
- (4) Any other person interested in the property.
  (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 3614 of Nov., 1983 of the Registering Authority,

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Jalandhar

Date : 6-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 6th July 1984

Ref. No. A.P. No. 5460.-Whereas, I,

J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000-and bearing No.

as per schedule situated at Goniana Mandi, Bhatinda, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office at the Registering Officer at Bhatinda on Nov., 1983

for an apparent consideration and

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which cught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Kuldip Singh So Shri Shamsher Singh, Goniana Mandi, Bhatinda. (Transferor)

(2) Shei Harkewal Singh Sjo Jagdev Singh, Vill, Khudian Mahan Singh Teh, Muktsar and Shri lqbal Singh Sjo Chand Singh, Mehma Bhagwan Distt, Bhatinda.

(Transferce)

(3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property).

(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 3615 of Nov., 1983 of the Registering Authority, Bhatinda.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Jalandhar

Date: 6-7-1984

S≎al :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 6th July 1984

Ref. No. A.P. No 5461.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. as per schedule situated at Goniana Mandi, Bhatinda, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bhatinda on Nov., 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (at facilitating the reduction or evasion of the (iability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tar, Act, 1957 (27 of 1957):

- Shri Hardeep Sineh Slo Shri Shamsher Singh, Goniana Mandi, Bhatinda,
  - (Transferor)
- (2) Shri Rajveer Singh Slo Shri Fateh Singh, Mehma Bhagwan Distt. Bhatinda.

(Transferce)

- (3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property).
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 3616 of Nov., 1983 of the Registering Authority,

J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 6-7-1984

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 6th July 1984

Ref. No. A.P. No. 5462,—Whereas, J. J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. as per schedule situated at Goniana Mandi, Bhatinda, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office at the Registering Officer at

Bhatinda in Dec. 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitten per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or ame moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Shamsher Singh Slo Shri Bhag Singh, Goniana Mandi, Bhatinda.

(Transferor)

(2) Shri Fateh Singh So Shri Mahan Singh, Mehma Bhagwan Distt, Bhatinda

(Transferes)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property).

(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 3791 of Dec., 1983 of the Registering Authority, Bhatinda.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Jalandbar

Date: 6-7-1984

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 6th July 1984

Ref. No. A.P. No. 5463.-Whereas, f,

L. GIRDHAR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at

Goinana Mandi, Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering

Officer at Bhatinda on Dec. 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to , believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arbiting from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hrneby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-42--176GI184

.(1) Shamsher Singh So Bhog Singh Goniana Mandi Distt. Bhatinda.

(Transferor)

- (2) Balwant Kaur Wo Chand Singh and Harpreet Kaur Wo Harkewal Singh Vill. Khudian Mahan Singh. (Transferce)
- (3) As per Sr. No. 2 above.
  (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

  (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned ;---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Paperanation:—The terms and expressons used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHIDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 3792 of Dec. 1983 of the Registering Authority **Hhatinda** 

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Date: 6-7-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Julandhar, the 6th July 1984

Ref. No. A.P. No. 5464.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the theometrax Act, 1951 (43 of 1961) (hereinafter referred to be the Said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/-

and be alog No. as per schedule situated at Goniana Mandi, Bhatinda cond more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the

Registering
Officer at Bhatinda on Dec. 83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration hterefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; ef 1./0:
- b) facilitating the concealment of any income or any more or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incomedian, Act. 1922 (11 of 1922) or the soil Act or the Wealth-tay Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the same of this notice under subsection (1) of Section 2592 of the said Act to the following persons, namely :--

(1) Hardip Singh So Shamsher Singh Goniana Mandi Distt. Bhatinda.

(Transferor)

(2) Rajveer Singh Sio Fatch Singh Mehno Bhagwana Bhatinda.

(Transferee)

(?) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that

#### THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 3793 of Dec. 1963 of the Registering Authority, Bhatinda,

> ) ! GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ialandhar

Date: 6-7-1984

Seal .

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 6th July 1984

Ref. No. A.P. No.,5465.-Whereas, I, J. L. GIRDHAR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. as per schedule situated at Goniana Mandi, Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the onice of the Registering Officer at Bhatinda in Dec. 83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the atoresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truely stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Kuldir Singh Slo Shamsher Singh Goniana Mandi, Bhatinda,

(Transferor)

(2) Iqbal Singh So Chand Singh Mehma Bhagwana, Bhatinda,

(Transferec)

- (3) As per · Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

  (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used better and defined in Chapter XNA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 3794 of Dec. 1983 of the Registering Authority, Bhatinda.

> I. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by vthe issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 6-7 1984

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 6th July 1984

Ref., No. A.P. No.|5466,—Whereas, 1, J. L. GIRDHAR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at Goniana Mandi, Bhatinda (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Bhatinda in Feb. 84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferec for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shamsher Singh So Bhag Singh Goniana Mandi, Bhatinda,

(Transferor)

(2) Iqbal Singh So Chand Singh and Balwant Kaur Wdlo Chand Singh Mehma Bhagwana, Bhatinda.

(Transferce)

- (3) As per Sr. No. 2 above.

  (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

  (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires lister;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULL

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 4454 of Feb. 1984 of the Registering Authority, Bhatinda.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range. Jalandhar

Date: 6-7-1984

# FORM NO. 1.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 6th July 1984

Ref. No. A.P. No. 5467.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing

No. as per schedule situated at Goniana Mandi, Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Officer at Bhatinda on March 1984

for an apparent consideration which is less than

the fair market value of the aforesaid

property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of may income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eight to be disclosed by the transferee (or the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax. Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:——

- (1) Hardin Singh Kuldin Singh Singh Bhag Singh, Goniana Mandi, Bhatinda. (Transferor)
- (2) Fatch Singh So Mahan Singh, Rajveer Singh So Fatch Singh, Mehma Bhagwana, Bhatinda.

(Transferce)

- (3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

  (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 4997 of March, 1984 of the Registering Authority. Bhatinda.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tal
Acquisition Range, Jalandhar

Oute: 6-7-1984

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAI ANDHAR

Jalandhar, the 6th July 1984

Ret. No. A.P. No. 5468 .-- Whereas, I, I. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Incometex Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000!- and bearing No.

No. as per schedule situated at Vill. Sivian, Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1901) in the Office of the Registering Officer at Bhatinda, in Nov. 84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of -

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under that said Act in respect of any income arising from the transfer: and /or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:-

(1) Mangal Singh Sio Gurcharan Singh Vill. Sivian, Bhatinda.

(Transferor)

(2) Lakha Singh & Piera Singh Ssio Jailour Singb, Opp. N.F.L. Kothi Kamake, Bhatinda.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.
Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 3467 of Nov. 1983 of the Registering Authority, Bhatinda.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tal Acquisition Range, Jalandhar

Date: 6-7-1984

Scal:

#### 17849

#### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269 D(4) OF THE INCOME. TAX ACT 1961 (4) OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 6th July 1984

Ref. No. A.P. No. 5469.--Whereas, I. J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 209B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 - and

bearing No. as per schedule situated at

Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1901) in the Offlice of the Registering Offlicer at Bhatinda on Nov. 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid except the apparent consideration therefore her apparent consideration therefore her apparent and the property as aforesaid except that the fair market value of the property as aforesaid except the apparent consideration therefore her apparent consideration therefore her apparent consideration therefore her apparent consideration therefore here. said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ; --

- (a) facilitating the reduction or emerion of the liability of the transferor to pay use under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act; or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the 101 mg in persons, namely :---

(1) Reshma Devi Wo Ramji Dass, Middoomal Street, Bhatinda.

(Transferor)

(2) Krishna Alinja W.o Dr. Surinder Pal Ahuja, Hanumangarh (Rujasthan).

(3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 43 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration safe deed No. 3350  $\alpha^c$  Nov. 1983 of the Registering Authocity. Bhatinda

> J. I. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Date: 6-7-1984

# FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAN ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 6th July 1984

Ref. No. A.P. No. 5470.—Whereas, I, I. J. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000-and bearing

No. as per schedule situated at Bhatinda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Officer at Bhatinda in Nov. 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid nexceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrumen of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferand/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eaght to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property, by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

 Santosh Kumarl Wlo Keshav Lal Gupta Clo H. No. 2085—A, Birla Mill Colony, Bhatinda.

(Transferor)

(2) Ginn Chand & Prem Chand Salo Sh. Tilak Ram, New Cloth Market, The Midl, Bhatinda.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given at that Chapter

#### THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 3607 of Nov. 1983 of the Registering Authority, Bhatinda,

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspection Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 6-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 6th July 1984

Ref. No. A.P. No. 5471.—Whereas, I. J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No. as per schedule situated at Inlandbar.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar in Nov. 1983

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferos for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—
43—176G184

 Capt. R. S. Sandhu sie Late Maj. Joginder Singh rjo 226-L, Model Town. Jolandhar Mukhtiar-Khas of Capt. G. S. Sandhu and I. S. Sandhu, 371-15A Sector, Chandigath.

(Transferor)

(2) Shri Tilak Ruj Batra sjo Late Dr. Chaman Lal Batra rjo Model Town, Jalandhar.

(Transferce)

(3) As sl. No. 2 above. (Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the soid immovable property, within 45 days from the cate of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property 1/2-Kothi No. 226 i Model Town, Jalandhar and persons as mentioned in the registered sale deed No. 4928 of Nov. 1983 of the Registering Authority, Jalandhar,

J. L. GIRDHAR.
Competent Authorny
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tak.
Acquisition Range, Intandhar

Date: 6-7-84

FORM I.T.N.S .--

NOTHICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 6th July 1984

Ref. No. A.P. No. 5472.—Whereas, I, J. I. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing

No. as per schedule situated at Jalandhar

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred

under registration Act, 1908 (16 of 1901) in the Office of the Registering Officer at Jalandhar in Nov. 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Capt. R. S. Sandhu s|o Late Maj. Joginder Singh r|o 226, Model Town, Jalandhar and Mukhtiaram of Smt. Piltam Kaur wd|o Joginder Singh.

  (Transferor)
  - (2) Shri Tilak Raj Batra s|o Late Sh. Chaman Lal Batra r|o 550, Model Town, Jalandhar. (Transferee)
  - (3) A<sub>3</sub> sl. no. 2 above, (Person in occupation of the property)
  - (4) Any other person interested in the property.

    (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Obections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aferesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property 1.2 Kothi No. 226L, Model Town, Jalandhar and persons as mentioned in the registered sale deed No. 4969 of Nov. '83 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 6-7-84.

NOTICE UNDER SECTION 269D(I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 6th July 1984

Ref. No. A.P. No. 5473.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. as per schedule situated at Islandhar

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred

under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jalandhar in Nov. 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shrimati Parminder Kaur Nalwa wo Sh. Paramjit Singh Nalwa ro 697, Model Town, Jalandhar. and Kanwal Jit Kaur wife of Shri Kuldip Singh Nalwa. (Transferor)
- (2) M|s N. M. Proprietor, Narindra Palace, Jalandhar through Sh. Kuldip Singh s|o Bachan Singh r|o 675R Model Town, Jalandhar Partner Firm.
  (Transferee)
- (3) As sl. No. 2 above.

  (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

  (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property plot No. 913 and 914 situated on G.T. Road, Jalandhar and persons as mentioned in the registered sale deed No. 5071 of Nov. 83 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Date: 6-7-84.

NOTICE UNDER SECTION 269D1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, IALANDHAR

Jalandhar, the 6th July 1984

Ref. No. A.P. No. 5474:—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000|- and bearing No.

Rs. 25,000|- and bearing No. as per schedule situated at Faridkot

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Faridkot in Nov. 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Ram Nath Patwari sio Lachhman Dass tio Narain Nagar, Faridkot.

(Transferor)

- (2) Shii Ravinder Singh so Karam Singh ro Narain Nagar, Faridkot Care of Shehnashah Printing Press, Faridkot,
  - (Transferee)
- (3) As sl. no. 2 above.

  (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

  (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
  45 days from the date of publication of this notice
  in the Official Gazette or a period of 30 days from
  the service of notice on the respective persons,
  whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLINATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property 18 Mls. situated at Ferozepur Faridkot road, Faridkot and persons as mentioned in the registered sale deed No. 3451 of Nov. 1983 of the Registering Authority, Faridkot.

J. L. GIRDHAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 6-7-84.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 6th July 1984

Ref. No. A.P. No. 5475.—Whereas, I. J. L.GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 or 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing

No. as per schedule situated at Jalandhar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jalandhar in Nov. 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or others assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shri Saudagar Singh so Amrik Singh ro V. Prag Pur Tehsil Jalandhar Mukhtiar-ai-am of Sh. Tarlok Singh so Gian Singh.

(Transferor)

(2) Shrimati Jagdev Kaur w|o Mihan Singh r|o Central Town, Jalandhar.

(Transferec)

- (3) As sl. No. 2 above.
  (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

  (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said Immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property 20 Mls. 16 Sq. ft. situated in Green Model Town, Jalandhar and persons as mentioned in the registered sale deed No. 4911 of Nov. 1983 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-vection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 6-7-84,

(1) Smt. Parsini Devi, Wo Dhanpat Rai, XEN, PWD, Abohar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 6th July 1984

Ref. No. A.P. No. 5476.—Whereas, I. J. L. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. as per schedule situated at Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bhatinda in November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (2) Shri Satish Jindal, Wo Parshotam Kumar, Co F.C.I., Bhatinda.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 3376 of November, 1983 of the Registering Authority, Bhatinda.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhur

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 6-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 6th July 1984

Ref. No. A.P. No. 5477.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, Ref. No. A.P. No. 5477.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000|- and bearing No. as per Schedule situated at Bhatinda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Bhatinda in November, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more

said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly etated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Smt. Parsini Dvi, Wo Dhanpat Rai, XFN, PWD, Abohar.

(Transferor)

(2) Smt. Pushpa Rani, Wo Padam Chand, Cio Vijay Motor Coy, Old Bus Stand, Bhatinda.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

be interested in the property)

(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 3377 of Nevember, 1983 of the Registering Authority, Bhatinda.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, falandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 6-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 9th July 1984

Ref. No. A.P. No. 5478.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to beloive that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000|- and bearing No. as per schedule situated at Bhatinda (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of

the Registering Officer at Bhatinda in November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Guimail Singh, Sjo Janzir Singh, Multania Road, Bhatinda.

(Transferor)

(2) Shri Chaman Lal Jain, So Banarasi Dass, Bhatinda, Ramesh Kumar, So Som Nath, Rampura Phool, Raghubir Singh, So Sukhdev Singh, V. Dhade Teh. Rampura Phul.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 3587 of November, 1983 of the Registering Authority. Bhatinda.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 9-7-1984

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BIHAR

Patna, the 11th May 1984

Ref. No. III-937 Acq 84-85.—Whereas, 1, P. K. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000]- and bearing
No. Tauzi No. 519, Plot No. 1381, Holding No. 501, 502, 619 (Old) 2278 (New) situated at Kankarbagh Road, Patna (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Patna on 9-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, of the following persons. namely:—44—176GI84

(1) Shri Gopal Prasad, Slo Late Sita Ram Saw, At Chhoti Khagaul, P.O., and P.S. Khagaul, Dist. Patna.

(Transferor)

(2) Shri Madan Lal Ghorawat, So Shri Sohan Lal Ghorawat, Prop. National Chemical and Pharmaceutical Works, Kankarbagh Road, P.O. and P. S. Kankarbagh, Patna.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Land measuring 13365 Sq. ft. with house situated at Mohalla Kankarbagh Road, P. S. and P.O. Kankarbagh, Town and Dist. Patna and more fully described in Deed No. 8951 dated 9-11-1983 registered with D.S.R. Patna.

P. K. DUBFY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Renge, Bihar, Patna.

Date: 11-5-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BIHAR

Patna, the 9th July 1984

Rei. No. 111-947|Acq|84-85.— Whereas, I, P. K. DUBEY, bring the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing Part of Holding No. 22 (Old) & 25 (New), Ward No. 5 situated at Swaraipuri Road, P.O. Dist. Gaya (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of 'he Registering Officer at Calcutta on 23-11-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in

the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act. in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (II of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Ratan Lal Agrawalla, So Sri Udmi Ram Agrawalla, At P.O. Tehta, Dist. Gaya. At present— 36, Erra Street, Calcutta.

(Transferoi)

(2) Jitendra Prasad, Slo Shri Dwarika Prosad Burnwal, RlO Mohalla-Ramna, P.O./Dist. Gaya.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land measuring 468 Sq. Ft. approx. with pucca building which is known as "Zawtika Hall", situated at Swarajpuri Road, P.O. Dist. Gaya and more fully described in deed No. 1-11845 dated 23-11-1983 registered with Sub-Registrar of Assurances at Calcutta.

P. K. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bihar, Patna,

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 9-7-1984

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BIHAR

Patna, the 9th July 1984

Ref. No. III-942|Acq|84-85.—Whereas, J. P. K. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Part of H. No. 22 (Old) & 25 (New), Ward No. 5 situated at Swarajpuri Road, P.O./Dist-Gaya

(and more fully described in the Schedule nunexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Calcutta on 22-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Kanta Devi Agrawal, Wo Sri Ratan Lal Agrawal, At P.O. Tehta, Dist. Gaya, At present 36, Ezia Street, Calcutta.

(Transferor)

(2) Smt. Saraswati Devi, Wo Sri Mahinder Prasad, Rio Mohalla—Ramna, P.O. Dist. Gaya. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the nublication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the tand.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land measuring 468 Sq. Ft. approx. with pucca building which is known as "Zawtika Hall", situated at Swarajpuri Road, P.O. Dist. Gaya and more fully described in deed No. 14801 dated 22-11-1983 registered with Sub-Registrar of Assurances at Calcutta.

P. K. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bihar, Patna.

Date: 9-7-1984

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BIHAR

Patna, the 9th July 1984

Ref. No. 111-950|Acq|84-85.-Whereas, 1, P. K. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. Part of Holding No. 22(Old) & 25 (New), Ward No. 5 situated at Swarajpuri Road, P.O. Dist. Gaya (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Calcutta on 21-11-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings or the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Shri Ratan Lal Agrawalla, So Sri Udmi Ram Agrawalla, At P.O. Tehta, Dist. Gaya, At present 36, Ezra Street, Calcutta.

(2) Shri Mahendra Prasad, Slo Sri Dwarika Prasad Burnwal, Ro, Mohalla-Ramna, P.O. Dist. Gaya.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid person within a period on 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- said (b) by any other person interested in the immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

1.and measuring 468 sq. ft. approx with pucca building which is known as "Zawtika Hall", situated at Swarajpuri Road, P.O. Dist. Gaya and more fully described in deed No. I-11731 dated 21-11-1983 Registered with Sub-Registrar of Assurances at Calcutta.

> P. K. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bihar, Patna.

Date: 9-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BIHAR

Patna, the 9th July 1984

Ref. No. 1II-940 Acq 84-85.—Whereas, I, P. K. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to at the 'said Act'), have reason to believe that

the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

Holding No. 22 (Old) & 25 (New), Ward No. 5 situated at Swaratpuri Road, P.O. Dist. Gaya

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

nt Calcutta on 21-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property at aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or available of the ifability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

(1) Smt. Kanta Devi Agrawalla, Wio Sri Ratan Lal Agrawalla, At P.O. Tehta, Dist. Gaya, Now 36, Ezra Street, Calcutta.

('Fransferor'

(2) Smt. Girija Devi, Wio Sri Dwarika Prasad Burnwal, Rlo Mohalla—Ramana, P.O. Dist. Gaya.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 468 Sq. ft. approx with pucca building which is known as "Zawtika Hall" situated at Swarajpurl Road, P.O. Dist. Gaya and more fully described in deed No. 1-11706 dated 21-11-1983 registered with Sub-Registrar of Assurances at Calcutta.

P. K. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bihar, Patna.

Date : 9-7-1984

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR, BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800001, the 9th July 1984

Ref. No. III-948|Acq|84-85.—Whereas, I, P. K. DUBEY, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar, Patna, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-

movable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- nad bearing No. Part of Holding No. 22 (Old) and 25 (New), Ward No. 5 stuated at Swarajpuri Road, P.O. Dist. Gaya

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at Calcutta on 22-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument to transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subtection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Ratan Lal Agrawalla Slo Shri Udmi Ram Agrawalla, AtlP.O. Tehta, Dist. Gaya, At present- 36, Ezra Street, Calcutta.

(Transferor)

(2) Shri Inder Kumar s o Shri Dwarika Prasad Burnwal R o Mohalla Ramna, P.O. Dist. Gaya.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land measuring 468 Sq. Ft. approx. with pucca building which is known as "Zawtika Hall", situated at Swarajpuri Road, P.O. Distt Gaya and morefully described in Deed No. 1-11772 dated 22-11-83 registered with Sub-Registrar of Assurances at Calcutta.

P. K. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Bihar, Patna

Date: 9-7-1984

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, BIHAR, BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800001, the 9th July 1984

Ref. No. 1II-946|Acq|84-85.—Whereas, 1, P. K. DUBEY, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar, Patna,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Part of Holding No. 22 Old) and 25 (New), Ward No. 5 situated at Swaraipuri Road, P.O. Dist. Gaya (and more ully described in the Schedule annexed hereto)

has been transfered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Calcutta on 22-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the cansideration euch transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Ratan Lal Agrawalla Slo Shri Udmi Ram Agrawalla, At |P.O. Tehta, Dist. Gaya, At present- 36, Ezra Street, Calcutta.

(Transferor)

(2) Shri Jitendra Prasad s|o Shri Dwarika Prasad Burnwal, R|o Mohalla Ramna, P.O.|Dist. Gaya.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this motion in the Official Gazette or a period of 36 days from the service of notice on the respective persons, whichever period empires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gasette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

J and measuring 468 Sq. Ft. approx. with pucca building which is known as "Zawtika Hall", situated at Swarajpuri Road, P.O. Distt Gaya and morefully described in Deed No. I-11836 dated 23-11-83 registered with Sub-Registrar of Assurances at Calcutta.

P. K. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tar
Acquisition Range,
Bihar, Patna

Date : 9-7-1984

Scal:

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (1) Smt. Kanta Devi Agrawala Wo Shii Ratan Lul Agrawala, At P.O. Tchta, Dist. Gaya, At present- 36, Ezra Street, Calcutta.

(Transferor)

(2) Smt. Anita Devi woo Shri Inder Kumar, Ro Mohalla Ramna, P.O. Dist. Gaya.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR, BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800001, the 9th July 1984

Ref. No. III-944|Acq.|Acq.84-85.—Whereas, I, P. K. DUBEY, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar, Patna, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing Part of Holding No. 22 (Old) and 25 (New), Ward No 5 situated at Swarajpuri Road, P.O.|Dist. Gaya (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Calcutta on 23-11-1983

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the sforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gezette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land measuring 468 Sq. Ft. approx, with pucca building which is known as "Zawtika Hall", situated at Swarajpuri Road, P.O. Distt Gaya and morefully described in Deed No. I-11846 dated 23-11-83 registered with Sub-Registrar of Assurances at Calcutta.

P. K. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Bihar, Patna

Date: 9-7-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Ratan Lal Agrawalla Slo Shri Udmi Ram Agrawalla. At P.O. Tehta, Dist. Gaya, At present- 36, Ezra Street,

(Transferor)

(2) Shri Inder Kumar soo Shri Dwarika Prasad Burawal, Rlo Mohalla Ramna, P.O. Dist. Gaya.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR, BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800001, the 9th July 1984

Ref. No. 111-951|Acq|84-85.—Whereas, I, P. K. DUBEY, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar, Patna, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-Rs. 25,000|- and bearing
Part of Holding No. 22 (Old) and 25 (New), Ward No. 5 situated at Swarajpuri Road, P.O. Dist. Gaya

(and more fully described in the Schedule annexed fereto).

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Calcutta on 22-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- the facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

# THE SCHEDULE

Land measuring 468 Sq. Ft. approx. with pucca building which is known as "Zawtika Hall", situated at Swarajpuri Road, P.O. Distt Gaya and morefully described in Deed No. I-11705 dated 21-11-83 registered with Sub-Registrar Assurances at Calcutta.

> P. K. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bihar, Patna

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---45-176GY|84

Date: 9-7-1984

Sen1:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Smt. Kanta Devi Agrawala Wo Shri Ratan Lal Agrawala, At P.O. Tehta, Dist. Gaya, At present- 36, Ezra Street, Calcutta.

(Transferor)

ĸ

(2) Smt. Anita Devi
 W|o Shri Inder Kumar
 R|o Mohalla Ramna, P.O.|Dist. Gaya.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR, BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800001, the 9th July 1984

Ref. No. III-943|Acq|84-85.—Whereas I, P. K. DUBEY, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar, Patna, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing Part of Holding No. 22 (Old) and 25 (New), Ward No. 5 situated at Swarejpuri Road, P.O.|Dist. Gaya (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Calcutta on 22-11-1983

for an apparent consideration which it less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land measuring 468 Sq. Ft. approx. with pucca building which is known as "Zawtika Hall", situated at Swarajpuri Road, P.O. Distt Gaya and morefully described in Deed No. I-11835 dated 23-11-83 registered with Sub-Registrar of Assurances at Calcutta.

P. K. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Bihar, Patns

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afor said property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 9-7-1984

#### FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BIHAR, BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800001, the 9th July 1984

Ref. No. III-949 Acq 84-85.—Whereas, I, K. DUBEY, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar, Patna,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,00|- and bearing No.
Part of Holding No. 22 (Old) and 25 (New), Ward No. 5 situated at Swarajpuri Road, P.O. Dist. Gaya

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 16 of 1908) in the office of the Registering officer

Calcutta on 22-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Shri Ratan Lal Agrawalla Slo Shri Udmi Ram Agrawalla, At P.O. Tehta, Dist. Gaya, At present- 36, Ezra Street, Calcutta.

ġ

(Transferor)

(2) Shri Inder Kumar Slo Shri Dwarika Prasad Burnwal. Ro Mohalla Ramna, P.O. Dist. Gaya,

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 468 Sq. Ft. approx. with pucca building which is known as "Zawtika Hall", situated at Swaraipuri Road, P.O., Distt. Gaya and morefully described in Deed No. I-11800 dated 22-11-83 registered with Sub-Registrar of Assurances at Calcutta.

P. K. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bihar, Patna

Date: 9-7-1984

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BIHAR, BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800001, the 9th July 1984

Rc. No. III-941 Acq 84-85.—Whereas, I, P. K. DUBEY, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar, Patna, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing
Part of Holding No. 22 (Old) and 25 (New). Ward No. 5 situated at Swarajpuri Road, P.O. Dist. Gaya (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 22-11-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid

exceeds the apparent consideration therefor by more than

fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and just
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Smt. Kanta Devi Agrawala Wo Shri Ratan Lal Agrawala, At P.O. Tehta, Distt. Gaya At present- 36, Ezra Street, Calcutta

(Transferce)

Ŷ

((2) Smt. Saraswati Devi
 W|o Shri Mahinder Prasad,
 R|o Mohalla Ramna, P.O.|Dist. Gaya.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land measuring 468 Sq. Ft. approx. with pucca building which is known as "Zawtika Hall", situated at Swarajpurl Road, P.O. Distt Gaya and morefully described in Deed No. I-11771 dated 22-11-83 registered with Sub-Registrar of Assurances at Calcutta.

P. K. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Bihar, Patna

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, of the following persons, namely:—

Date: 9-7-1984

#### FORM I.T.N.S.---

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, BIHAR, BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800001, the 9th July 1984

III-945 Acq 84-85 -- Whereas, I, P. K. DUBEY, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar, Patna,

Income-tax, Acquisition Range, Bihar, Patna, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No. Part of Holding No. 22 (Old) and 25 (New), Ward No. 5 situated at Swarajpuri Road, P.O. Dist. Gaya (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 22-11-1983 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apperent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Smt. Kanta Devi Agrawala At P.O. Tehta, Dist. Guya, At present- 36, Ezra Street, Calcutta.

(Transferor)

(2) Smt. Girja Devi Wo Sri Dwarika Prasad Burnwal, Ro Mohalla Ramna P.O. Dist. Gaya.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land measuring 468 Sq. Ft. approx. with pucca building which is known as "Zawtika Hall", situated at Swarajpuri Road, P.O. Distt Gaya and morefully described in Deed No. I-11732 dated 23-11-83 registered with Sub-Registrar of Assurances at Calcutta.

P. K. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bihar, Patna

Date: 9-7-1984

(1) Shri Pritam Singh Syal, D-117, Anand Lok, New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Surinder Kaur Chopra, 52|49, Ramjas Road, Karol Bagh, New Delhi.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

AGGARWAL BHAWAN, NEAR BROADWAY HOTEL 4|14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 26th April 1984

Ref. No. IAC|Acq.III|SR-III|1183|381.—Whereas, I, B. K. GUPTA,

B. K. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000] and bearing No. 52|49, Ramjas Road, Karol Bagh situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 15-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property No. 52|49 mg. 253 sq. yds. Ramjas Road, Karol Bagh, New Delhi.

> B. K. GUPTA Competent\_Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III.
> Delhi New Delhi T. T. Nagar, BHOPAL

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 26-4-1984

#### FORM ITNS----

(1) Shii N. R. Mohindra of Mis. Mohindra Builders, A-1198 Saldarjang Enclave, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Meera Sharma, R|o 39|9 Shakti eggar, Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER

ACQUISITION RANGE, AGGARWAL BHAWAN NEAR BROADWAY HOTEL 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 26th April 1984

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Ref. No. IAC Acq. III SR-III 11-83 390.—Whereas, I, B. K. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

able property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000|- and bearing Flat No 4. Masjid Moth situated at New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto). has been transferred under the Registeration Act, 1908 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi on 15-11-1983

for an apparent consideration which is less than fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

(b) by any other person interested in the said immovble property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or

THE SCHEDULE

Flat No. 4 on Rear portion on 2nd floor built area 1311 sq. ft. and 19 sq. ft. Proportionate share in the property No. 9, Siri Fort Road, Masjid Moth, New Delhi.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

B. K. GUPTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Delhi|New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Date: 26-4-1984

Scal :

#### \_\_\_\_

#### FORM TINS-

(1) Smt. Premwati, R|o Village Mehrauli, New Delhi.

(Transferce)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AGGARWAL BHAWAN, NEAR BROADWAY HOTEL 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 26th April 1984

Ref. No. IAC|Acq.III|SR-III|11-83|395.—Whereas, T, B. K. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Agricultural land No. 31 Killa No. 25 and 24 situated at Village Mehrauli, New Delhi.

has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi on 15-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Rio 31, Chickpost Road, Bangalore,

(2) Smt. Raksha Kumari.

(Transferce)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agricultural land at Village Mehrauli Tehsil Mehrauli, New Delhi.

B. K. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Delhi|New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 26-4-1984

#### 17875

#### FORM ITNS-

NOTHER UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (1) Smt. Prem Wati, Mehrauli, New Delhi.

(Transferee)

(2) Smt. Raksha Kumari, R<sup>1</sup>o Chickpost Road, Bangalore.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

\_\_\_\_\_\_

OFFICE OF THE INSPECTING
ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
AGGARWAL BHAWAN,
NEAR BROADWAY HOTEL
4'14A. ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 26th April 1984

Ref. No. 1AC|Acq.III|SR-III|11-83|396.—Whereas, I, B. K. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25(000)- and bearing Agricultural land No. 31 Killa No. 31 situated at Village Mehrauli, Tehsil Mehrauli, New Delhi

tand more fully described in the Schedule annexed heroto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at New Delhi on 15-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section(1) of Section 269D of the said Act, to the following person: ununely:--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULF

Agricultural land N 0.31, Killa No. 16 and 17 Village Mehrauli Tehsil Mehrauli New Dolhi.

B. K. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III.
DolhilNew Delhi

Date: 26-4-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### Smt. Satya Wati. Dio Hari Singh Rio Mehrauli New Delhi.

(Transferce)

(2) Smt. 1. Jeet, R o 31 Chickpost Road, Bangalore,

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE, AGGARWAL BHAWAN, NEAR BROADWAY HOTEL 4|14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 26th April 1984

Ref. No. 1AC|Acq.II|SR-III|11-83|397.—Whereas, I, B. K. GUPTA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1951 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing Agricultural land No. 31 Kh. No. 23 situated at Village Mehrauli, Tehsil Mehrauli, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 15-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair for an apparent consideration which is less than the fair market value of the nforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by trasferee for the rurposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned: -

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agricultural land No. 31, Killa No. 23/2, M. No. 44 Killa No. 3/2 Village Mehrauli Tehsil Mehrauli New Delhi.

B. K. GUPTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-lax Acquisition Range Delhi New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby 'rithete proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

Date: 26-4-1984

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III 4/14A, ASAFALI ROAD. NEW DELHI

New Delhi, the 26th April 1984

No. LACIAcq. III[SR-III]11-83]398.--Whereas B. K. GUPTA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No. agr. land M. No. 31, Killa No. 17, situated at Vill. Mehrauli. Tehsil Mehrauli, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto, has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 17-11-1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be discosed by the transferee for the puutposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons, namely :---

(I) Satya Wati, do Hari Singh. Village Mehrauli, Delhi.

(Tran feror)

(2) l. Jcet, rlo BI, Chick Post Road, Bangalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of pulication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: - The items and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULF

Agr. land M. No. 31, Killa No. 17 Vill Mehrauli, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

> B. K. GUPTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-Ill, Delhi New Delhi

Date: 26-4-1984

#### FORM I.T.N.S.-

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III 4/14/1, ASAFALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 26th April 1984

Ref. No. IAC Acq. III SR-III 11-83 402.—Whereas, I. B. K. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value

immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,0001- and bearing No. F-243. New Rajinder Nagar, situated at New Dethi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 25-11-1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid ecceds the apparent consideration therefor by more than lifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /a-

(b) tacilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wenlth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) K. L. Issar, F-243, New Rajinder Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Chandra Brahm 4, Mangoe Lane. Calcutta-700001.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 43 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

# THE SCHEDULE

First Floor & Barsati floor of Prop. No. F-1243, New Rajinder Nagar, New Delhi.

> B. K. GUPTA Competent Authority Inspecting Assit, Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-III.
> Delhi|New Delhi

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namey :--

Date: 26-4-1984

Sent :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(1) Lakhn Dass, Vill. Saidpur, Tehsil & Distt. Sonepat.

(Transferor)

(2) 1. Shii Krishan Chand Gupta, Mohan Lal & Rajiv Gupta,
 Ravi Bhushan, Naresh Kumar,
 A-49, New Multan Nagar,
 New Delhi,

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME.

ACQUISITION RANGE-III 4/14A, ASAFALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 30th May 1984

No. IAC, Acq. III|S.R. II|11-83|1099,—Whereas I, B. K. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereInafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No. Agri. land, Vill. Nangal Thakran, situated at New Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi on November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;

(b) tacilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, it any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land mg. bighas 14.19 bs. Kh. No. 74,3, 4(1, 4)2, 5. 1(1, 2) of Vill. Nongal Thakran, Delhi.

B. K. GUPTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-D Delhi|New Delhi

Date: 30-5-1984

Seul :

# FORM ITNS-

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III 4114A.. ASAFALI ROAD, NEW DELHI

New Deihi, the 29th May 1984

Ref. No. SR II/IAC/Acq. III/II-83/1116.—Wheras, I. B. K. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No.
1.2 Share 18 Bigha 8 Biswa with Tube Well, situated at Vill. Paprawat, Teh. Mchrauli, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961, in the office of the Competent Authority

New Delhi, on November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen parcent of such apparent consideration and that the consideration in such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (I) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :--

(1) Shri Fairlad, Nathu, Vill, Paprawat, Teh. Mehrauli, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Santokh Singh, 9|38, Ramesh Nagar, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

1,2 share of land 18 Bigha 8 Bis. with tubewell of vill. Paprawat, Teh. Meherauli, Delhi.

> B. K. GUPIA Competent Authority Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III. Delhi New Delhi.

Date :29-5-1984 Seal :

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III 4/14A, ASAFALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 29th May 1984

Ref. No. SR II/IAC/Aca. III/II-83/1117.—Whereas I, B. K. GUPTA,

B. K. GUPIA, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No. 1/2 Share in land 18 Bigha 8 Bis. situated at Vill. Paprawat. Teb. Meherauli, Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been trunsferred and the agreement in registered and the schedule.

situated at Vill. Paprawat. Teh. Mcherauli. Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered und section 269AB of the Income-tax Act 1961, in the office of the Competent Authority Delhi on November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Iudian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Pahlad, Nathu, Vill. Paprawat. Teh. Meherauli, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Suntokh Singh, 9,38, Ramesh Nagar, New Delhi,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULF

1/2 share in land 18 Bigha 8 Bis, with Tubewell at Vill Paprawat, Tch. Meherauli, Delhi,

B. K. GUCTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III.
Delhi|New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 29-5-1984

# FORM ITNS----

(1) Smt. Baljit Kaur rjo D-2. Fast Nizamudin, New Delhi,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. Sa ya Natsin, rjo A-2]50 Krishan Nagat, Delhi-51,

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, 4/14/1, ASAFALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 28th May 1984

Rel. No. IAC<sup>1</sup>Aca. III<sup>1</sup>SR. IV<sup>1</sup>11.83<sup>1</sup>920.—Whereas I. B. K. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No.

A-2[50 Krishan Nagar,

situated at Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at

Delhi on November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair narket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of trans

may be made in writing to the undersigned :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction of evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the and Aut, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following porsons, namely:—

THE SCHEDULE

Property No. A-2[50 Krishan Nagar, Delhi-51, Area : 873 sq. yards.

B. K. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-III.
Delhi[New Delhi

Date: 28-5-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 28th June 1984

Ref. No. C.K. No. 62|Notice No. 782|83-84|ACQ|B.—Whereas I, MANJU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

CS No. 3766[1310 the area measuring 809 sq. yds. situated at Gndag (near to Nam joshi Road)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Office at Gadag under Document No. 1417/83-84 Dated 26-11-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than tifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Inconcetax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

47-176GI|84

- (1) 1. Mrs. Hansadevi wo Chandulal Mehata, alias Palanpur.
  - 2. Mr. Trlok.
  - 3. Mr. Chaitanya
  - Narina clo father Chandulal Mehata alias
     Naina clo father Chandulal Mehata alias Mrs. Hansadevi.
     Mr. Bhagawandas slo Nani Lal Mehta
  - Mr. Bhagawandas s\o Nani Lal Mehti alias Palanpur, r\o Bombay Kandenal, Bombay-67.

(Transferor)

(2) J. Khusaldas and Co., Gadag through its Partner and Manager Mr. Sangappa, so Maritimmappa Nilugal, ro Hattikalkut, Post Gadag, Gadag.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1417[83-84] Dated 26-11-83]

Land and Zinc Sheet 3 Sheds, situated in Gadag near to Namjoshi Road bearing CS. No. 3766 1310 the area measuring 809 sq. yds.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 28-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 20th June 1984

Ref. No. R. No. 62|780|8-8|ACQ|B.--Whereas I, MANJU MADHAVAN, Inspecting Assistant being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing P.T.S. No. 189, Chatta Nos. 118 to 122.

situated at in the City of Margaon (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Salcete (Margao) on 1-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfered for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Dr. (Shri) Babu Anandrau Redkar and Smt. Suvina Babu Redkar, both rio Margao, Goa.

(Transferor)

(2) Shri Rajashekhar and Smt. Peniel Premala Rajashekhar, both ro at E-18 Govt. Quarters, Altanio, Panjina, Goa.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Dated 1-11-19831 [Registered Document No. 1811 Property, situated in the City of Margao under P.T.S. No. 189 Chatta No. 118 to 122.

> MANJU MADHAVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 20-6-1984

#### FORM I.T.N.S.-

# NOTICE UNDER SECTION 269D (I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 20th June 1984

Ref. No. C. R. No. 62/781/8-8/ACQ/B.—Whereas I, MANJU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing stuated at Pendar Galli, W. No. III, Hubli C.T.S. No. 1377 Pendar Galli, Hubli,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering officer at Hubli on 6-1-1984

for an apparent consideration and which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Shri Shenkasa Devansa Mcharwade.
  - Shri Motilal S. Melarwade,
     Shri Dattu, S. Meharwade,
     rio Divate on, Hubli.

(Transferor)

 Master Mukesh Dattatraya Bankapur
 Master Dinesh Dattatraya Bankapur
 Bankapur Cloth & Ready made Centre, Tulajabhawani Temple Road, Hubli-28.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

[Registered Document No. 2538 Dated 6-1-1984]
Property at C.T.S. No. 1377 ward No. III Pendar Galli,
Hubli.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Kange, Bangalore

Date: 20-6-1984

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 4th July 1984

Ref. No. C. R. No. 62|782A|84-85|Acq|B.—Whereas, INDIRA BHARGAVA, Inspecting Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore commissioner of income-tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. C.T.S. No. 1585 situated at I share in the property-land & Building, Maruti Galli Belgaum

Galli, Belgaum

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Belgaum

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1967);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the escasaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

- (1) Shri Pandurang Venkatrao Huilgol, r|o Kalasapur Tq. Gadag, Dist. Dharwar. (Transferor)
- (2) The Sangli Bank Ltd., Sangli, G.P.A. Holder and Manager, Belgaum Branch Shri Shridhar Shambhurao Amashi, rlo 1585 Maruti Galli, Belgaum.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

[Registered Document No. 8087 Dated 12-12-83] Property & share in the property-land and Building at C.T.S. 1585, Maruti Galli, Belgaum.

> INDIRA BHARGAVA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date · 4-7-1984

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 4th July 1984

Ref. No. C. R. No. 62/783/8-8/ACQ/B.—Whereas I, INDIRA BHARGAWA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property house of fair property trains a vectorial Page 25 000 property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]-and bearing No.
Chalta No. 9, 10 & 11 of P.T. Sheet No. 79
situated at Agale, Margao within the Municipal area of

Margao City

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Salete. Goa on 15-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) 1. Gustavo Henrique Carlos Francisco de Jesus Piedade Costa, alias Gustavo da Costa, soo Late Mr. Arsenio da Picdade da Costa

2. Kum. Lidia Clive Elaine Da Costa alias Lidia Da Costa,

 Marcus Henrique Carlos Oscar Da Costa, alias Mark Da Costa, ilo Margao, Goa.

(Transferor)

(2) Shri Narendra Bhicu Kerkar, rlo Borda Margao, Goa.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Dated 15-11-1983] [Registered Document No. 1932] Property is a open plane land purchased for making plots at Gogola in Margao City.

> INDÍRA BHARGAVA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 4-7-1984

#### FORM I.T.N.S.-

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,

#### ACQUISITION RANGE

BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 4th July 1984

Ref. No. C. R. No. 62/784/8-8-ACQ/B.—Whereas, I, INDIKA BHARGAVA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the tencome Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

Survey Nos. 247, 248/3 and 246/3, situated at Cacoda Village (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ouepean, Goa on 11-5-1983, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate Proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

1. Shri Pedro Alcantara Menuel Castanha
 2. Sow. Grasmilla Sansia Carlota
 D'inello, residing at H. No. 86,
 Tilamola Tq. Quepem, Dist. Goa.

(Transferor)

(2) 1. Melvino Coutinho
2. Shii Henry Coutinho
3. Shri Wilfred Coutinho, residing at H. No. 73, Milleam Vado Cuncolim, Salete, Dst. Goa.

(Transferce)

Obections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Registered Document No. 219 Dated 10-11-1983[
It is a open plane land, situated at Cacoda village.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 4-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

#### COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 4th July 1984

Ref. No. C. R. No. 62|783|84-85|ACQ|B.—Whereas, I, INDIRA BHARGAVA, being the Competent Authority under Section 269E of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. Nos. 411|7, 482|9, 528|6, situated at Curtormi Village (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Curtorim-Goa on 7-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

1) 1. Maximiano Filomeno Joaquim Paes.

2. Sow. Maria Ivone Immaevelada Conceicao Silva Paes.

Both Residing at Vasco-di-Gam. District Goa, (Transferor)

(2) Shri Protasio Gervasio Barreto, Curtoxim Salcete-Goa.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the unidersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1806. Dated 7-11-1983). The property consists of an agricultural land mostly paddy fields.

INDIRA BHARGAVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 4-7-1984.

#### FORM I.T.N.S. ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 4th July 1984

Ref. No. C.R. No. 62|786|84-85|ACQ|8.-Whereas, I, INDIRA BHARGAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value ex-

ceeding Rs. 25.000]- and bearing No. Survey No. 63[0 situated at Collem Village, Sanguem Tq. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Sanguem on 26-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:-

- (1) 1. Shri Ganapathrao Keshav Gujar, 2. Sow. Vaijayanti Ganapatrao Gujar 3. Shri Rajaram Sakaram Gujar
  - 4. Sow. Shantabai Rajaram Gujar
  - 5. Shri Laxman Narayan Kulkarni 6. Sow. Nirmala Laxman Kulkarni
  - 7. Shri Akaram Shankarao Mohite
  - Sow Alka Akaram Mohite Rlo Karad District Satara.

(Transferor)

- (2) 1. Shri Rohinton Jamshedji Mehta 2. Smt. Rashida Rohinton Mehta
  - 3. Shri Tejamal Hemaraj Ahuja
  - 4. Sow. Chandra Tejmal Ahuja,
  - 5. Shri Shyam Tejmal Ahuja 6. Nita Manohar Ahuja

  - 7. Shri Shyam Sundardas Talreja 8. Miss Maya Parasaram Kinger

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

(Registered Document No. 293. Dated 26-12-1983). !rrigated Agricultural land situated at Collem Village in Taluka Sanguem, District Goa.

> INDIRA BHARGAVA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 4-7-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 4th July 1984

Ref. No. C.R. No. 62|787|84-85|ACQ|8,---Whereas, I, INDIRA BHARGAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing Nos. 1119, 1120 and 1121 situated at Cudnem Villago

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Bicholim-Goa on December 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely :-48—176GI 84

(1) 1. Shri Rauji Vishnu Sinai Borkar. Sow Premabai Rauji Borkar, Residing at Sanguelim Village. Ta. Bicholim District Goa.

(Transferor)

(2) Salagaocar Mining Industries Private Ltd, at Salgaocar House, Vasco-da-Gama, Goa.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the dute of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the same Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 117. Dated December, 1983). It is larger immovable property and barren rocky land situated at Cudnem Village in Bicholim Taluka.

> INDIRA BHARGAVA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 4-7-1984.

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 4th July 1984

Ref. No. C.R. No. 62|788|84-85.—ACQ|B.—Whereas, I, INDIRA BHARGAVA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 870 situated at Talcai Catem within the limits of Margao Municipal Commercial Area

Municipal Commercial Area (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at (16 of 1908) in the Office at Saleceta-Goa on 14-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth ax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) 1. Smt. Mandaqvini Raçoicar alias Manisha Purushottam Guray.

2. Shri Purushottam Satchidanand Gurav. Residing at Margao, Goa.

(Transferor)

(2) Shri Sandeep Shivaji Sinai Nadakarni resident of Aquem, Margao. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1998. Dated 14-12-1983).

Plot 'B' admeasuring 380 sq. mts. wherein these a dwelling

INDIRA BHARGAVA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore

Date: 4-7-1984.

- (1) Aelite Co-operative Housing Society Ltd. of 3, Bidhan Sishu Sarani, Calcutta-54. (Transferor)
- (2) Narayan Das Sarkar of Flat No. 331, Block No.-III, 3, Bidhan Sishu Sarani, Calcutta-54, (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the res-pective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 9th July 1984

Ref. No. AC-54 Acq.R-II Cal 84-85,--Whereas, I, S. K. BANERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing

No. 3 situated at Bidhan Sishu Sarani, Calcutta-54 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at S.R.A. Calcutta on 11-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to receive that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than officen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957): THE SCHEDULE

One flat No. 331 measuring area 860 Sft. situated at Block No. III, at 3 Bidhan Sishu Sarani, Calcutta-54. More particularly described in Deed No. I 11338 of S.R.A. Calcutta of 1983.

> S. K. BANERJEE Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, 54, Rafi Ahmed Kidwai Pourt Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :--

Date: 9-7-1984.

(1) Aelite Co-operative Housing Society Ltd. of 3, Bidhan Sishu Sarani, Calcutta-54.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Swupan Kumar Majumdar of Flat No. 731, Block No. VII, 3, Bidhan Sishu Sarani, Calcutta-54. (Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 9th July 1984

Ref. No. AC-55|Acq.R-II|Cal|84-85.—Whereas, I. S. K. BANERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing

No. 3 situated at Bidhau Sishu Sarani, Calcutta-54 (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (45 of 1961) in the office of the Competent Authority at S.R.A. Calcutta on 11-11-1983

for apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than

fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration (or such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay sax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act. 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in the Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

One Flat No. 731 measuring area 860 Sft. situated at Block-VII, 3, Bidhan Sishu Sarani, Calcutta-54. More particularly described in Deed No. 1 11339 of S.R.A. Calcutta of 1983.

S. K. BANERJEF.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-II, 54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta

Date: 9-7-1984,

(Transferee)

#### FORM ITNS---

- Ltd. of 3. (1) Aelite Co-operative Housing Society Bidhan Sishu Sarani, Calcutta-54. (Transferor)
- (2) Tapati Mukherjee of Flat No. 603, Block No. VI, 3, Bidhan Sishu Sarani, Calcutta-54.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, CALCUITA

Calcutta, the 9th July 1984

Ref. No. AC-56|Acq.R-II|Cal|84-85.--Whereas, 1, S. K. BANERJEE, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding P.S. 25,000; and bearing

No. 3 situated at Bidhan Sishu Sarani, Calcutta-54 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at S.R.A. Calcutta on 11-11-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than officers are consideration therefor by more than officers are considerated. than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as giver in that Chapter.

### THE SCHEDULE

One Flat No. 603 measuring area 1130 Sft. situated at Block-VI of 3 Bidhan Sishu Sarani, Calcutta-54. More particularly described in Deed No. I 11304 of S.R.A. Calcutta of 1983,

> S. K. BANERJEE Competent Authority Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, 54, Rafi Ahmed Kidwai Road. Calcutta

Date: 9-7-1984.

 Aelite Co-operative Housing Society Ltd. of 3, Bidhan Sishu Sarani, Calcutta-54.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Swarnendu Kumar of Flat No. 533, Block No.-V,
 Bidhan Sishu Sarani, Calcutta-54.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 9th July 1984

Ref. No. AC-57|Acq.R-Lt|Cal|84-85.—Whereas, 1, S. K. BANERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing

No. 3 situated at Bidhan Sishu Sarani, Calcutta-54 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R.A. Calcutta on 11-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

One Flat No. 533 measuring area 860 Sft. situated at <sup>4</sup> Block-V, of 3 Bidhan Sishu Sarani, Calcutta-54. More particularly described in Deed No. F 11341 of S.R.A. Calcutta of 1983.

S. K. BANERJEE
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, 54, Rafl Ahmed Kidwai Road,
Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this netice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following section namely:—

Date: 9-7-1984.

(1) Alite Co-operative Housing Society Ltd. of 3, Bidhan Sishu Sarani, Calcutta-54.

(Transferor)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

 Braj Mohan Prasad, of Flat No. 531, Block No. V, 3, Bidhan Sishu Sarani, Calcutta-54.

(Transferee)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-JI, CALCUTTA

Calcutta, the 9th July 1984

Ref. No. AC-58|Acq.R-II|Cal|84-85,--Whereas, I, S. K. BANERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 3 situated at Bidhan Sishu Sarani, Calcutta-54.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office

of the Registering Officer at S.R.A. Cal. on 11-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as green in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

# THE SCHEDULE

One Flat No. 531 measuring area 1130 Sft. situated at Block No. V. of 3. Bidhan Sishu Sarani, Calcutta-54. More particularly described in Deed No. I 11324 of S.R.A. Cal. of 1983.

S. K. BANERJEE Competent Authority Inspecting Asstt, Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 9-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMP-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Aelite Co-operative Housing Society Ltd. of 3, Bidhan Sishu Sarani, Calcutta-54.

(2) Phani Bhusan Majumdar of Flat No. 511, Block No. V, 3, Bidhan Sishu Satani, Calcurta-54.

(Transferce)

(Transferor)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 9th July 1984

... Ref. No. AC-50[Acq.R-H]Cal[84-85,--Whereas, I, S. K. BANERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000|- and bearing No. 3 situated at Bidhan Sishu Sarani, Calcutta-54.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

at S.R.A. Cal. on 11-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apaprent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesail property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of "45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

One Flat No. 511 measuring 1130 Sft. situated at Block No. V. of 3 Bidhan Sishu Sarani, Calcutta-54. More particularly in Deed No. I 11343 of S.R.A. Cal of 1983.

S. K. BANERIEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax
Acquisition Range-II, Calcutta

Date : 9-7-1984

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ΛCQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 9th July 1984

Ref. No. AC-60|Acq.R-II|Cal|84-85.—Whereas, 1, S. K. BANERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 3 situated at Bidhan Sishu Sarani, Calcutta-54. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

at S.R.A. Cal. on 11-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
49—176GI84

 Aelite Co-operative Housing Society Ltd. of 3, Bidhan Sishu Sarani, Calcutta-54,

(Transferor)

 Bijoy Shankar Ghosh of Flat No. 401, Block No. 1V, 3, Bidhan Sishu Sarani, Calcutta-54.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

# THE SCHEDULE

One Flat No. 401 measuring area 1130 Sft. situated at Block No. IV, 3, Bidhan Sishu Sarani, Calcutta-54. More particularly described in Deed No. I 11344 of S.R.A. Cal. of 1983.

S. K. BANERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Calcutta

Date: 9-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

Shubhendu Kumar of Flat No. 332, Block No. III, 3, Bidhan Sishu Sarani,

of 3, Bidhan Sishu Sarani,

Calcutta-54.

(Transferor)

Calcutta-54.

(1) Aelite Co-operative Housing Society Ltd.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 9th July 1984

Ref. No. AC-61[Acq.R-II[Cal]84-85.--Whereas, I, S. K. BANERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/and bearing

No. 3 situated at Bidhan Sishu Sarani, Calcutta-54.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Regfilstering Officer at at S.R.A. Cal. on 11-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period surires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in chapter XXA of the said Act, shall have the came meaning as eiven that Chapter.

# THE SCHEDULE

One Flat No. 332 measuring area 860 Sft. situated at Block No. IH, of 3, Bidhan Sishu Sarani, Calcutta-54. More particularly described in Deed No. I 11345 of S.R.A. Cal of 1983.

S. K. BANERJEE Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Calcutta

Date: 9-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 9th July 1984

Ref. No. AC-62|Acq.R-II|Cal|84-85,--Whereas, I, S. K. BANERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 3 situated at Bidhan Sishu Sarani, Calcutta-54. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961, in the office of the Competent Authority

at S.R.A. Cal. on 11-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922, (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Aelite Co-Operative Housing Society Ltd. of 3, Bidhan Sahu Sarani, Calcutta-54.

(Transferor)

(2) Tapan Kumar Chakraborty of Flat No. 312, Block No. III at 3, Bidhan Sishu Sarani, Calcutta-54.

(Transfree)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writting to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

One Flat No. 312 measuring area 860 Sft. situated at Block No. III, 3, Bidhan Sishu Sarani, Calcutta-54. More Particularly described in Deed No. 1 11346 of S.R.A. Cal. of 1983.

S. K. BANERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-J1, Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 9-7-1984

#### FORM TINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(1) Aelite Co-Operative Housing Society Ltd. of 3, Bidhan Sishu Sarani, Calcutta-54.

(Transferor)

(2) Somendra Narayan Mukherjee of Flat No. 232, Block No. 111, 3 Bidhan Sishu Sarani,, Calcutta-54.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 9th July 1984

Ref. No. AC-63 Acq.R-II Cal 84-85.--Whereas, I, S. K. BANERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs, 25,000|- and bearing
No. 3 situated at Bidham Sishu Sarani, Calcutta-54.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at at S.R.A. Cal. on 11-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afor said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a pernod of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice of the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

One Flat No. 232 measuring area 1130 Sft. situated at Block No. II, 3, Bidhan Sishu Sarani, Calcutta-54. More Particularly described in Deed No. I 11347 of S.R.A. Cal. of 1983.

> S. K. BANERJEE Competent Authority Inspecting Asstt: Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IJ, Calcutta

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 9-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-U, CALCUTTA

Calcutta, the 9th July 1984

Ref. No. AC-64|Acq.R-II|Cal|84-85.--Whereas, I, S. K. BANERJEE.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 3 situated at Bidhan Sishu Sarani, Calcutta-54. (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registring Officer at S.R.A. Cal. on 11-11-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Aelite Co-Operative Housing Society Ltd. of 3, Bidhan Sishu Sarani, Calcutta-54.

(Transferor)

(2) Amarendra Nath Bhattacharya of Flat No. 213, Block No. II, 3, Bidhan Sishu Sarani, Calcutta-54.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

One Flat No. 213 measuring area 1130 Sft. situated at Block No. II, 3 Badhan Sishu Sarani, Calcutta-54. More Particularly described in Deed No. I 11348 of S.R.A, Cal. of

> S. K. BANERJEE Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Calcuta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date : 9-7-1984

### FORM LT.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### Aelite Co-Operative Housing Society Ltd. of 3, Bidhan Sishu Sarani, Calcutta-54.

(Transferor)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-IV, ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 9th July 1984

Ref. No. AC-05|Acq.R-II|Cal|84-85.—Whereas, I, S. K. BANERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing
No. 3 situated at Bidhan Sishu Sarani, Calcutta-54,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
section 269AB of the Income-tax Act 1961, in the office of
the Competent Authority at
at S.R.A. Cal. on 11-11-1983
for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Ajit Kumar Saha of Flat No. 211, Block No. II, 3, Bidhan Sishu Sarani, Calcutta-54;

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

One Flat No. 211 measuring area 1130 Sft. situated at Block No. II, 3. Bidhan Sishu Sarani, Calcutta-54. More Particularly described in Deed No. I 11349 of S.R.A. Cal. of

S. K. BANERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date : 9-7-1984

 Aelite Co-Operative Housing Society Ltd. of 3, Bidhan Sishu Sarani, Calcutta-54.

(Transferor)

(2) Nitya Gopal Roy of Flat No. 201, Block No. II, 3, Bidhan Sishu Sarani. Calcutta-54.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 9th July 1984

Ref. No. AC-66|Acq.R-II|Cal|84-85.-Whereas, I, S. K. BANERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000and bearing

No. 3 situated at Bidhan Sishu Sarani, Calcutta-54. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered section 269AB of the Income-tax Act 1961, in the office of at S.R.A. Cal. on 11-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-sald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

One Flat No. 201 measuring area 1130 Sft. situated at Block No. II of 3, Bidhan Sishu Sarani, Calcutta-54. More particularly described in Deed No. I 11350 of S.R.A. Cal.

S. K. BANERJEE Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income tax Acquisition Range-II, Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 9-7-1984

(1) Aelite Co-Operative Housing Society Ltd. of 3, Bidhan Sishu Sarani, Calcutta-54.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Mira Roy of 13, Nanda Kumar Chowdhury Lane, Calcuttu-6.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICH OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ΛCQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 9th July 1984

Ref. No. AC-67|Acq.R-II|Cal|84-85.-Whereas, I,

S. K. BANERJEE, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-No. 3 situated at Bidhan Sishu Sarani, Calcutta-54. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under

has been transferred and the agreement is registered under has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at at S.R.A. Cal. on 11-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

One Flat No. 103 measuring area 1130 Sft. situated at Block No. I, 3 Bidhan Sishu Sarani, Calcutta-54. More particularly described in Deed No. I 11351 of S.R.A. Cal. of 1983.

S. K. BANERJEE Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 9-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 9th July 1984

Ref. No. AC-68|R-II|Cal|84-85.--Whereas, I, S. K. BANERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000and bearing

No. 66 A situated at Jugipara Road. Calcutta-28

No. to A situated at Jugipara Road. Calcutta-28 has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of (and more fully described in the Schedule annexed hereto) at R.A. Cal. on 25-11-1983
1908) in the office of Registering Officer for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforestid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforestid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :---50-176GI184

(1) Smt. Manika Sen, of 66 A. Jugipara Road, Calcutta-28. P. S. Dum Dum.

(Transferor)

(2) Sri Pran Gopal Poddar of 66 A, Jugipara Road, Calcutta-28. P. S. Dum Dum.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of public cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

"2 Cottains 8 Chittaks land with Building situated at 66A, Jugipara Road, Calcutta-28, P. S. Dum Dum". More particularly described in Deed No. I 11918 of R. A. Cal. of 1983.

> S. K. BANERJEE Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Calcutta

Date: 9-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

 Sri Sunil Chandra Sarkar of 34|3A, Mahesh Dutta Lane, Calcutta-27, New Alipore.

(Transferor)

(2) Sri Sujit Mukherjee of 9A, Roy Bahadur Road, P. S. Behala.

(Transferee)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 9th July 1984

Ref. No. AC-69|R-II|Cal|84-85.—Whereas, I, S. K. BANERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000-and bearing

and bearing
No. 26 situated at Chanditala Main Road, Calcutta-53,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of Registering Officer
at S.R.A. Alipore on 21-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

10 Cottabs 13 Chittaks land with structures situated at 26, Chanditala Main Road, Calcutta-53, P. S. Behala. More particularly described in Deed No. 5348 of S. R. Alipore of 1983.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said section (1) of Section 269D of the said Act, to the following aforesaid property by the issue of this notice under sub-Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the persons, namely:—

S. K. BANERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Calcutta

Date: 9-7-1984

(1) Mrs. Radhika Singh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Satishchandra C Shah (HUF)

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 9th July 1984

Ref. No. AR.-I|37EE|1286|83-84.-Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing Unit No. 115 on 1st floor in Kewal Industrial Estate 'A' Building, Senapati Bapat Marg, Bombay-400 013.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 8-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922. (11 of 1922) or the faid Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Unit No. 115 on 1st floor Kewal Industrial Estate, 'A' Building, Senapati Bapat Marg, Bombay-400 013. The Agreement has been registered by the Authority, Bombay under Serial No. AR.I[1183[83-84 dated 8-11-1983.

> A. LAHIRI Competent Author y Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 9-7-1984

(1) M s Vardhan Builders

(Transferor)

(2) Shri Ramanlal Kacherabhai Prajapati

(Transferce)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I, **BOMBAY** 

Bombay, the 10th July 1984

Ref. No. AR.1|37EE|1474|83-84.--Whereas, I,

A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable act to the said Act'), have reason to believe that the immovable act to the said Act'), have reason to believe that the immovable act to the said Act'), have reason to believe that the immovable act to the said Act'). property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing No.
Shop No. 11, Ground floor in 'Mahavir Apartments' Tardeo Road, Bombay-7.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority

at Bombay on 3-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforestid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

# THE SCHEDULE

Shop No. 11, Ground floor in 'Mahavir Apartments' Tardeo Road, Bombay-7,

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sorial No. AR-I/903/83-84, dated 3-11-1983.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 10-7-1981

### FORM ATNS---

(1) Shri Dinshaw Framroz Kotwal Shri Manmohan Trilokinath Bhargava

(Transferors)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (4) OF 1961) (2) M/s. Hilton Rubbers Limited.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 10th July 1984

Ref. No. AR-I|37EE|1290|83-84.—Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

Office No. 4 on 14th floor of Dalamal Tower, 211 211 Nari-

man Point, Bombay-21.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 5-11-83 for an apparent consideration which is less than the

fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent

consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Office No. 4 on 14th floor of Dalamal Tower, 211, Nariman Point, Bombay-21.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.-1|1185|83-84 dated

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

New, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the fellowing persons, massely:—

Date: 10-7-1984

Seal:

5-11-1983.

#### FORM TINE

(1) M/s Pragati Investments

(Transferor)

(2) Mrs. Pushpa Kishorkumar Zavéri

(Transferce)

(3) M/s Pragati Investments (Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 10th July 1984

Ref. No. AR.-I|37EE|1262|83-84.-Whereas, I

A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Ra 25,000 and bearing Unit No. 2 & 2A, West View Building, Veer Saverker Marg, Prabhadevi, Bombay-400 025 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered in Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cont of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion fo the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -The terms and expressions used here's as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Unit No. 2 & 2A, West View Building, Veer Saverker Marg, Prabhadevi, Bombay-25. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Srial No. AR.-I|1176|83-84 dated 1-11-1983.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid preparty by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely:-

Date: 10-7-1984

(1) M/s. Yasmin Corporation.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 16th June 1984

Ref. No. AR.II|37EE|4237|83-84.-Whereas, I, S. H. ABBAS ABIDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing

Flat No. G-1, Ground floor, EXOTIQUE Building, Plot No. 515, 516, 17th Road, Khar, Bombay-52

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 4-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(2) 1. Mrs. Mary Pangajam, 2. Mr. P. Henry Fernandes.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid porsons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. G-1, Ground floor, EXOTIQUE Building, Plot No. 515, 516, 17th Road, Khar, Bombay-52.

The agreement has been registered by the Competent

Authority, Bombay under Serial No. AR-II|37EE|4237|83-84 dated 4-2-1984.

> S. H. ABBAS ABIDI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 16-6-1984

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

# ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 23rd June 1984

Ref. No. AR.II|37EE|3621|83-84.—Whereas, I. S. H. ABBAS ABIDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Plot No. 21, Final Plot No. 140 TPS No. IV of Santacruz, C.S. No. G.546, Building known as 'Macedonia & Garages Municipal Ward No. 'H' 3113 (1) St. No. 21 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 25-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, mamely:—

- (1) 1. Dr. Thomas Francis Macedo
  2. Miss. Louisa
  Dio Dr. Ceaser Hiseog C. Macedo.
- (2) 1. Jyotin Chimanial Sheth, 2. Mrs. Panna Jyotin Sheth
  - 3. Dhimant Chimanlal Sheth
    4. Mrs. Varsha Dhimant Sheth

5. Mrs. Madhuriben Chimanlal Sheth.

(Transferees)

(Transferors

(3) Tenants.

(Person in occupation of the property)

(4) Transferor.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed S-3690|82 and Registered with the Sub-Registrar Bombay on 25-5-84.

S. H. ABBAS ABIDI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 23-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 9th July 1984

Ref. No. AR-I|37EE|1321|83-84,—Whereas, I. A. LAHIRI,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter refurred to as the 'said Act'), have reason to believe that the irimovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000i- and bearing No

Rs. 25,000]- and bearing No. Flat No. 9 on 3rd floor of Akash Deep of Akash Mahal Co-op. Housing Society Ltd., Dongersi Road, Malabar Hill.

Bombay-6

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 8-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such aparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Subhadra Kumarpal Shah

(Transferor)

(2) 1. Shri Prakash Dalpatlal Mehta 2, Smt, Zuia Prakash Mehta.

(Tiunsferces)

(3) Mrs. Subhadra Kumarpal Shuh.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 9 on 3rd floor of Akash Deep of Akash Mahal Co-op. Housing Society Ltd., Dongersi Road, Malabar Hill, Bombay-6.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-I[1190]83-84 dated 8-11-1983

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of income-tax
Acquisition Range-II. Bombay

Date: 9-7-1984

Scal:

51--176GI|84

#### FORM ITNS----

(1) Shri Rameshkumar Dhanji.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Kum. Afsari A Hamid Kazi

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 9th July 1984

Ref. No. AR-1|37EE|1382|83-84.—Whereas. I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000; and bearing No.

Flat No. 702 on 7th floor of "Sunder Tower" Tokershi Jivraj Road, Sewri, Bombay-15,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 23-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this motice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 702 on 7th floor of 'Sunder Tower' Tokershi Jivraj Road, Sewri, Bombay-15.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-1|37EE|1288|83-84 dated 23-11-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay,

Date: 9-7-1984

(1) Shri Omkumar Aggarwal.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mls. Kanpur Agra Transport Corpu.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.
ACOUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 9th July 1984

Ref. No. AR-I/37FE/1368/83-84.—Whereas, 1, A. LAIURI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the

immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000[- and bearing

Godown at Ground floor, 'Broach Sadan' Bldg., Broach Street, Bombay-400 009

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 18-11-1983

for an apparent consideration which is less than

the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aloresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,

Objections, if any, to the acquisition of the said property

whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Godown at Ground floor, 'Broach Sadan' Building, Broach Street, Bombay-400 009.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-I]1343|83-84 dated 18-11-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay.

Date: 9-7-1984

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 10th July 1984

Ref. No. AR-I|37EE|1256|83-84.—Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Flat No. 502, Simla House, 5th floor, D Block, 51 B Laxmi-

bai Jagmohandas Marg, Bombay-400 036

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority Bombay on 2-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely

(1) Smt. Manjula Champaklal Mehta, Shri Champaklal Trambaklal Mehta.

(Transferor)

(2) Shri Hashmukhlal Nemchand Shah Smt. Niranjana Hashmukhlal Shah.

(Transferee)

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 502 in SIMLA HOUSE, 5th floor, D Block, 51|B, Laxmibai Jagmohandas Marg, Bombay-400 036,

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-1/1272/83-84 dated 2-11-1983.

A. I.AHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date: 10-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

(1) M/s. Vardhan Builders.

('fransferor)

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Sanjay Kumar Ramanlal Prajapati. (Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 10th July 1984

Ref. No. AR-J|37EE|J473[83-84,-Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Basement No. 6, Basement floor in 'Mahavir Aparlments' Tardeo Road, Bombay-7,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority Bombay at Bombay on 3-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the

property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Basement No. 6 Basement floor in 'Mahavir Apartments' Tardeo Road, Bombay-7,

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-I 902 83-84 dated 3-11-1983.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 10-7-1984

Scal :

#### FORM I.T.N.S.-

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# ()FFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 10th July 1984

Ref. No. AR-I]37EE]1362]83-84.—Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25 000k and hearing

Rs. 25,000; and bearing Flat No. 38, 1st floor, Bharat Mahal, 86 Netaji Subhash Road, Bombay-2,

tand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 18-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Lila Sali Shamdasani
  Fadma Salu Shamdasani now known as
  Mrs. Padma Harkrishan Mirchandani.
  (Transferor)
- (2) Shri Hemant Kumar Natvarlal Raichura
   Smt. Nayana Hemant Kumar Raichura,
   formerly known as Nayana Mansukhlal Shah.
   (Transferee)
- (3) Transferors, (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned;—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 38, 1sh floor, Bharat Mahal, 86, Netaji Subhash Road, Bombay-400 002.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-I|1332|83-84 dated 18-11-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date: 10-7-1984

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

### ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 10th July 1984

Ref. No. AR-1/37FF 1371/83-84.—Whereas, I, Λ. I AHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 43 on the 4th floor of 'B' Block of the building known as 'Mehersin' situated at 107/9, Wodehouse Road, Colaba, Bombay-400 005

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 24-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tan under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the storesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mrs. Ruby Sarosh Patel Mr. Sarosh Bomansha Patel.

(Transferors)

(\*) Mis. Piloo Jehangir Khodaji Mrs. Daulat Darius Damania Mr. Darius Bahadur Damania.

(Transferces)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 43 on the 4th floor of 'B' Block of the Building known as 'Mehersin' situated at 107/9, Wodehouse Road, Colaba, Bombay-400 005.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-I/Decmed 19/83-84 dated 24-11-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date: 10-7-1984

Scal ;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 10th July 1984

Ref. No. AR-1|37EE|1342|83-84.—Whereas, I, A. LAHIRI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Incomee-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinalter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000-

ond bearing No.

Office Premises Nos. 1, 2, 5 & 6 on 10th floor, 'Dalamal House', Four Parking places bearing Nos. 13 & 14 in the basement and Nos. 6 & 7 in the compound, Plot No. 206 of Block III of Backbay Reclamation Scheme, Nariman Point, Bombay-21,

(and more fully descirbed in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at

Bombay on 10-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

(1) Dalamal & Sons Investment Co.

(Transferor)

(2) Centercorp. Maneklal Scientific Research Foundation,

(Transferee) (3) Dalamal & Sons Investment Co. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the arcresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -- The terms and expressions used herein 23 are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same menning as given in that Chapter

# THE SCHEDULE

Office premises Nos. 1, 2, 5 & 6 on the 10th floor, |Dalamal House' Four Parking places bearing Nos. 13 & 14 in the basement and Nos. 6, 7 in the compound, plot No. 206 in Block III of Backbay Reclamation Scheme, Nariman Point, Bombay-21.

The Agreement has been registered by the Authority. Bombay under Serial No. AR-I 1334 83-84 dated 10-11-1983,

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 10-7-1984

(1) Mrs. Chhaya Deenanath Waghdhare.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Surendra Deepchand Kale Mrs. Kumkum Deepchand Kale.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Pragati Investments. (Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 10th July 1984

Ref. No. AR-IJ37EF(1270)83-84.--Whereas, I.

A. LAHIRI, . being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-

and bearing No.
Flat No. 202, West View Bldg.,
Veer Saverkar Marg. Prabhadevi, Bombay-25 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 202, West View Bldg., Veer Saverkar Marg, Prabhadevi, Bombay-400 025.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-I|1170|83-84 dated 1-11-1983.

> a lafiri Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the mid Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the followpersons, namely (see 52---176GT 84

Date: 10-7-1984

Scal :

(1) Amzel Private Limited.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 UF 1961)

(2) Mrs. Mrinalini Hegde.

(Transferce)

(3) Mrs.Mrinalini Hedge. (Person whom the undersigned knows to be interestal in the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE-I **BOMBAY**

Bombay, the 10th July 1984

Ref. No. AR-I 37EE 1237 83-84.—Whereas, I,

being the Competent Authority under Section 269B of the theome-tail Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-

acte property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No. Flat No. 283, 28th floor and a covered car parking space on the ground floor 'D' in the complex known as 'PETIF HALL', situated at Napean Sea Road, Bombay-400 006, and the state of the complex forms of the complex forms. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 21-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aloresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

(a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to put tax indicates and Act in respect of any income arising from the transfer: and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other aseets which have not been or which eught to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (17 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 283, 28th floor and a covered Car Parking Space on the ground floor building 'D' in the comptex known as 'PETTI HALL' situated A Piencia Sea Road Bombay-400 006.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Scrip! No. AR-I 1271 83-84 dated 21-11-1983.

> A LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the laid Act, I herefore, in pursuance of Section 2000 of the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following proons. namely:--

Date: 10-7-1984

PART III—SEC. 1 1

FORM ITNS---

(1) Smt. Rambhaben Girdharlal Vithalani,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ΛCQUISITION RANGE-I BOMBΛΥ

Bombay, the 10th July 1984

Ref. No. AR-I|37EE|1363|83-84.—Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000-land bearing No.

Office No. 309, 3rd floor, Bharat Chambers, Baroda Street, Bombay-400 009

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 18-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) 1. Brijlal Ishwardas Tandan2. Kanaiyalal Ishverdas Tandan,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the and property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Office No. 309, 3rd floor, Bharat Chambers, Baroda Street, Bomgay-400 009.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Scrial No. AR-I[1338]83-84 dated 18-11-1983.

A LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Bombay

Lane: 10.7-1984

غديد :

A. LAHIRI,

Bombay on 1-11-1983

#### FORM ITNS-

M|s. Pragati Investments.

(Transferor)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Kishorkumar Bhimji Zaveri Family Trust. (Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(3) Pragati Investments. (Person in occupation of the property)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :--

#### ACQUISITION RANGE-I **BOMBAY**

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Bombay, the 10th July 1984

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. AR-1/37EE/1267/83-84.—Whereas, 1.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. Unit No. 8 & 8A, West View Bldg., Veer Saverker Marg,

shall have the same meaning as given in

that Chapter.

Prabhadevi, Bombay-400 025, (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

Unit No. 8 & 8A, 'West View' Bldg., Veer Saverker Marg, Prabhadevi, Bombay-400 025.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Scrial No. AR-I 1172 83-84 dated 1-11-1983.

> A LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :---

Date: 10-7-1984

Scal:

#### 17927

# FORM ITNS-

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER, OF INCOME-TAX,

# ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 10th July 1984

-Ref., No. AR-I]37EE|1261[83-84,---Whereas, I, A, LIHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Unit No. 7 and 7A. 'West View' Building, Veer Saverkar Marg, Prabhadevi. Bombay-40025

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 1-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment or any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Pragati Investments.

(Transferor)

(2) M|s. Kishorkumar Bhimji Zaveri Pvt. Ltd. (Transferee)

(3) Mis. Pragati Investments.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Unit No. 7 and 7A, 'West View' Building, Veer Saverkar Marg, Prabhadevi, Bombay-400025.

The Agreement has been registered by the Competent

Authority, Bombay under Serial No. AR-I/1177/83-84 dated 1-11-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commisoner of Income-tax
Acquisition Range-I
Bombay

Date: 10-7-1984

Scal:

FORM I.T.N.S.-

(1) M[s. Atlantic Apparels.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Nirvair Engineers Pvt. Ltd.

(Transferce)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE-I ВОМВАУ

Bombay, the 10th July 1984

Ref. No. AR-1:371.F[1415[83-34, -Whereas, 1, A. LIHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No.

Unit No. 110 on 1st floor in Kewal Industrial Estate 'A' Building, Senapati Bapat Marg, Bombay-400013, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 26-11-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facultating the reduction of weation of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, m respect of one income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Unit No. 110 on 1st floor in Kewal Industrial Estate 'A'

Building, Senapati Bapat Marg, Bombay-400013,
The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-I/1355/83-84 dated 26-11-1983.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the followthe rersons namely :---

Date: 10-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 10th July 1984

Ref. No. AR-I|37EE|1317|83-84.—Whereas, I, A. LIHIRI.

being the 'Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Flat No. 3 on the ground floor in the building known as BLUE HAVEN at Mount Pleasant Road, Malabar Hill.

Bombay-6.

(and morefully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 8-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Smt. Susheeladevi Balkrishna Bhandari.

(Transferor)

(2) Dr. Kersi Dhanjisha Desai.

(Transferce)

(3) Travancore Electro Chemical Industries Ltd. (Person in occupation of the property)

(4) Transfetor & the Licensee.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 3 on the ground floor in the building known as BLUE HAVEN at Mount Pleasant Road, Malabar Hill, Bombay-6.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-I|1218|83-84 dated 8|11|1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assit, Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Bombay

Date: 10-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 26th June 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4812.-Whereas, J. V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 - and bearing No. Flat No. 3 in Building at Plot No. 181 situated at Khatiwala Tank, Scheme No. 44, Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

the office of the Registering Officer at

Indore on November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of: -

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, thereore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ;---

(1) M/s. Gureja Builders, Partner: Shri Girdharilal Gweja Slo Shri Ramdasji Gureja, Rio 211, Palsikar Colony, Indore

(Transferor)

(2) 1. Smt. Pautkunchi Rajeshwari Wo Dr. P. S. Awadhani. 2. Shri Pautikunchi Sri Ram Awadhani, Rlo 277, Vishnupuri Annex Colony, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, so the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 3 in Bullding at Plot No. 181 situated at Khatiwala Tank, Scheme No. 44, Indore.

> V. K. BARANWAI Competent Authority Inspecting assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal

Date: 26-6-1984

#### FORM ITNS .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

### ACQUISITION RANGE-BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 26th June 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4813.--Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No. Part of a House (Kachchi Kholiyan) Municipal No. 91.1 situated at Raj Mohulla (Old),), Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

53—176GI[84]

Mohammad Hanif slo Sheikh Jamil and
 Smt. Banobi, Wlo Mohd, Ismail,
 Rlo 25, Gafoorkhan Ki Bajariya,
 Indore.

(Transferor)

(2) Shri Abdul Kadir s|o Haji Mohd. Yusuf, R|o 19, Lohar Patti, Indore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

A part of house (Kachchi Kholiyan) bearing Municipal No. 91/1 situated at Raj Mohalla (Old), Indore.

V. K. BARANWAI.
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of the Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 26-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-

BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 26th June 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4814,—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000l- and bearing No.

Rs. 25,000|- and bearing No. A part of House (Kachchi Kholiyan)
Mounicipal No. 91|1 situated at Old Raj Mohalla, Indore
(and more fully described in the Schedule annexed hereto).
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at
Indore on November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mohd. Hanif soo Sheikh Mohammad Jamil, Roo 25 Gafeorkhan Ki Bajariya, Indore.

(Transferor)

(2) Mohd. Ramzan
 2. Abdul Aziz,
 Both sons of Haji Mehamood,
 R|o 19, Lohar Patti,
 Indore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

A part of house (Kachchi Kholiya) bearing No. 91|1 situated at Old Raj Mohalla, Indore,

V. K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 26-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 26th June 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4815.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing No.

A part of House Municipal No. 91|1 situated at Old Raj-Mohalla, Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registring Officer at Indore on November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act in respect of any income arising from the transfe and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate profeedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Banobi woo Mohammed Ismail (Do Sheikh Jamil),
  2. Mohammad Haroon soo Mohd. Anwar,
  Ro 25 Gafoorkhan Ki Bajariya,
  Indore.
- (2) Smt. Jannathi woo Mohammad Yusuf, Ro 4, Lohar Patti, Indore.

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gaeztte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

A part of house (Kachchi Kholayan) bearing Muncl. No. 91|1 situated at Old Raj Mohalla, Indore.

V. K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 26-6-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Abdul Rahim, s|o Haji Mohammad Ibrahim, R|o 5|1, Lohar Patti,

(1) Shri Mohammad Yunus

Indore.

(Transferor)

Indore.

So Sheikh Mohammad Jamil, R o 25 Gafoorkhan Ki Bajariya,

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 26th June 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4816.—Whereas, I, V. K. BARANWAL. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000; and bearing

A part of House Mounicipal No. 91 1 situated at Old Raj Mohalla, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Indore on November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A part of house bearing No. 9111 situated at Old Raj Mohaila, Indore.

THE SCHEDULE

V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons, namely :-

Date: 26-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

# ACQUISITION RANGE-BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 26th June 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4817.--Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000 and bearing No.

A part of House Mounicipal No. 91|1 situated at Old Raj Mohalla, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Mohammad Haroon
 Mohammad Anwar,
 Mohammad Yunus
 Slo Sheikh Mohammad Jamil,
 Rlo 25 Gafoorkhan Ki Bajariya,
 Indore.

(Transferor)

 Shri Mohammad Salim Slo Mohammad Hasham
 Mohd. Salam, Slo Mohad. Hasham,
 Rlo Maulana Azad Marg,
 House No. 32,
 Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

A part of house bearing No. 91]1 situated at Old Raj Mohalla, Indore.

V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal

Date: 26-6-1984

Scal:

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 26th June 1984

Rcf. No. 1AC|Acqn|Bpl|4818.—Whereas, 1, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000 and bearing No.

Plot No. 17 situated at Khajrana 'Bima Nagar', Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been ransferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Indore on November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to bet-ween the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:— (1) Shri Badriprased, So Shri Nandkishoreji Vashistha, Ro 30, M.I.G. Colony, Indore.

(Transferor)

(2) 1. Shri Sachchanand soo Kishanchand

Shri Megaraj,
 Shri Ratanlal
 Shri Maheshkumar and

5. Shri Mukeshkumar s|o Sachchanandji

Ro 60, Radha Nagar,

Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Plot No. 17 situated at Khajrana (Bima Nagar), Indore.

V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal

Date: 26-6-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGF-BHOPAL, M.P.

Bhonal, the 26th June 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4819.--Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing

Land: Survey No. 47 situated at Gram Lasudia, Mori Teh. Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore in November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fait market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Malla Gopal, R|o Lasudia Mori Teh. Indore.

(Transferor)

Shri Amratsagar
 Shri Shaktisagar,
 Sons of Vidyaratan Sood,
 R o 4, R. K. Puram Colony,
 Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land bearing Survey No. 47 situated at Gram Lasudia More, Teh. Indore. This is the immovable property described in Form No. 37-G verified by the transferee.

V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal

Date: 26-6-1984

(1) Shri Malla slo Gopal, Caste Rajpoot, Ro Gram Lasudia Mori Teh. Indore.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) 1. Shri Pawankumar slo Gyansagar 2. Deepakkumar so Amritsagarji Rlo 4, R. K. Puram Colony,

(Transferer)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 26th June 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4820.—Whereas, I, V. K. BARANWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the imposed to property having a fair reason to believe that the imposed to property having a fair reason to believe that the imposed to property having a fair reason to believe that the imposed to property having a fair reason to believe that the imposed to be in the content of th property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Land: Survey No. 47 situated at Gram Lasudia, Mori Teh. Indore

(and more fully described in the Schedule annexed heerto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registring Officer at Indore on November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the conceaiment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land bearing No. 47 situated at Gram Lasudia More, Teh. Indore. This is the immovable property described in Form No. 37-G verified by the transferee.

V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date ; 26-6-1984

Seal ;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 26th June 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4821.—Whereas, I, V. K. BARANWAL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Land: Survey No. 47 situated at Gram Lasudia Morl Teh. Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Indore on November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the India: Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
45—176G184

Shri Malla
 Gopalji,
 R o Gram Lasudia Mori,
 Teh. Indore.

(Transferor)

(2) (1) Shri Surjeetsingh s|o Keharsingh
(2) Modansingh s|o Lehanasingh, R|o 137, Anoop Nagar, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the amse meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land bearing Survey No. 47 situated at Gram Lasudia Mori Teh. Indote. This is the immovable property described in Form No. 37-G verified by the transferee.

V. K. BARANWAL
Competent Authority
Despecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
4th Floor, Gongotri Building,
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 26-6-1984

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, MP.

Bhopal, the 26th June 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4822.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Land: Survey No. 47 situated at Gram Lasudia, Teh. Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1938 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at Indore on November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair morket value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which eight to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, i hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Shri Malla
 Gopalji,
 Ro Gram Lasudia Mori,
 Teh. Indore.

(Transferor)

- (2) (1) Tilakraj
  - So Vishambhardas,
  - (2) Punitkumar
     s|o Tilakraj Gupta,
     R|o 20, R, K, Puram,
     Indore.

(Transferee)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land bearing Survey No. 47 situated a. Gram Lasudia Teh. Indore. This is the immovable property described in 1-orm No. 37-G verified by the transferee,

V. K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
4th Floor, Gongotri Building,
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 26-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 26th June 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4823,-Whereas, V. K. BARANWAL,

v. K. BAKANWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. Land: Survey No. 47 situated at Gram Lasudia Morl, Tab Indoore

Teh. Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at

Indore on November, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Malla Slo Gopalji, Rajpoot Caste, Ro Gram Lasudia Mori, Teh. Indore.

(Transferor)

(2) (1) Manjectsingh (2) Paramjitsingh sons of Shri Babusinghji, R|o 137, Anoop Nagar, Indore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  $\omega_{AY}$  be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPIANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land bearing Survey No. 47 situated at Gram Lasudia Mori Teh, Indore. This is the immovable property described in Form No. 37-G verified by the transferee.

V. K. BARANWAL Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, 4th Floor, Gongotri Building, T. T. Nagar, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :--

Date: 26-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 26th June 1984

Ref. No. 1AC|Acqn|Bpl|4824.—Whereas, I, V. K. BARANWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing No. Plot No. 16-17 situated at Harsh Nagar, Khajrana (and morefully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Indore on November, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) (1) Shri Vidhyadhar Balange

(2) Sharad Balange

(3) Gangadhar Balange sons of Marotirao (4) Vishnu Gadwe

slo Shrikrishan Gadwe,

(5) Sou. Suman wo Murlidhar through Mu. Aum S. No. 1 to 5 Murlidhar, s|o Shri Pandurang Mahase, R|o 127, Tilakpath, Indore.

(Transferor)

(2) Shri Deokumar slo Shri Shaligram Kohli, Rlo 5, Kailash Park Colony, Geeta Bhawan, Manoramaganj, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the atoresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as giver in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Plot bearing No. 16 and 17 situated at Harsh Nagar, Khajrana, Teh. Indore.

> V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, 4th Floor, Gongotri Building, T. T. Nagar, Bhopal

Date: 26-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 26th June 1984

Rcf. No. IAC|Acqn|Bpl|4825.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

bieng the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

No. Plot No. 3 situated at Harsh Nagar, Indore (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Indore on November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid erceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the eblect of :—

- (a) Yacilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) (1) Shri Vidhyadhar Balange

(2) Gangadhar Balange

(3) Sharad Balange sons of Marotirao Balange,

(4) Vishnu Gadwe

s|o Shrikrishan Gadwe,
(5) Sou. Suman Mahase
w|o Murlidhar Mahase,
hrough Mu. Aum
from S. No. 1 to 5
Shri Murlidhar Mahase
s|o Shri Pandurang Mahase,
R|o 27, Tilakpath, Indore.

(Transferor)

(2) Shri Kirtilal
 s|o Shri Vijendralal,
 R|o Saket Nagar, H. No. 85,
 Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a person set 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning us given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot bearing No. 3 situated at Harsh Nagar, Indorc.

V. K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
4th Floor, Gongotri Building,
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 26-6-1984

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 26th June 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4826.--Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Plot No. 8-9 situated at Harsh Nagar, Khajrana Teh. Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Indore on November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— (1) (1) Shri Vidhyadhar Balange

Gangadhar Balange

(3) Sharad Balange, sons of Marotirao Balange,

(4) Vishnu Gadwe, so Shrikrishan Gadwe,

(5) Sou. Suman Mahasewo Murlidhar Mahase,Ro 127 Tilok Path, Indore through Mu. Aum from S. No. 1 to 5 Shri Murlidhar Mahase so Shri Pandurang Mahase, Ro 427, Tilakapth, Indore.

(Transferor)

(2) Smt. Dharmishtadevi wo Shri Rajendra Dalal, Rlo H-78, M.I.G. Colony, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 43 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957); THE SCHEDULE

Plot bearing No. 8-9 situated at Harsh Nagar, Khajrana. Teh. Indore.

> V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range,
> 4th Floor, Gongotri Building,
> T. T. Nagar, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate profeedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 26-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 26th June 1984

Rcf. No. IAC|Acqn|Bpl|4827.--Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and hearing

and bearing
Plot No. 11 & 12 situated at Harsh Nagar, Khajrana, Indore
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the Office of the Registering Officer at

of 1908) in the Office of the Registering Officer at Indore on November, 1983 tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) (1) Shri Vidhyadhar Balange

(2) Sharad Balange,

 (3) Gangadhar Balange sons of Marotirao Balange,
 (4) Vishnu Gadwe

s|o Shrikrishan Gadwe,

(5) Sou Suman wlo Murlidhar Mahase, through Mu. Aum from S. No. 1 to 5. Shri Murlidhar Mahase slo Shri Pandurang Mahase, Rlo 127, Tilakpath, Indore.

(Transferor)

 Shri Rumeshkumar s|o Shri Baldevprasadji Potdar, R|o Siyaganj, H. No. 39, Indore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot bearing No. 11 and 12 situated a Harsh Nagar (Khajrana), Indore.

V. K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
4th Floor, Gongotri Building,
T. T. Nagar, Bopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 26-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 26th June 1984

Ref. No. AC|Acq|Bpl|4828.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. Plot No. 41-13 situated at Harsh Nagar, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on November, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the proprty as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) (1) Shri Vidhyadhar, S|o Maroutirao Balange,

(2) Sharad son of Marotirao Balange,

(3) Gangadhar, so Maroutirao, (4) Vishnu

sjo Shrikrishan Gadwe, (5) Sou. Suman wo Murlidhar Mahase, through Mu. Aum Murlidhar Mahase so Shri Pandurang Mahase, Rlo 94, Tilakpath, Indore.

(Transferor)

(2) Smt. Chandraprabha Sureka, wo Dineshchandra Sureka, Ro 18, Vallbh Nagar, Indore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 41-13 situated at Harsh Nagar, Indore.

V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, 4th Floor, Gongotri Building, T.il T. Nagar, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 76-6-1984

#### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1951 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 26th June 1984

Ref. No. IAC|Acqn|BpI|4829.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No.

No. Plot No. 5-6 situated at Harsh Nagar, Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Indore on November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following per one, namely: -

55—176GI[84

- (1) (1) Shri Vidhyadhar Balange
  - (2) Sharad Balange,
  - (3) Gangadhar Balange sons of Marotirao Balange,
  - (4) Vishnu Gadwe slo Shrikrishan Gadwe,
  - (5) Smt. Sou Suman Mahase wo Murlidhar Mahase, through Mu. Aum from S. No. 1 to 5

Shri Murlidhar s|o Shri Pandurang Mahase, R|o 27, Tilukpath, Indore.

(Transferor)

(2) Smt. Shakuntala Sureka wlo Raghunandan Sureka, Ro I, Lad Colony, Indore.

(Trunsferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid person; within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chanter.

#### THE SCHEDULE

Plot bearing No. 5-6 situated at Harsh Nagar, Indore.

V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range.
4th Floor, Gongotri Building,
T. T. Nagar, Bopal.

Date: 26-6-1984

Seai :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P. Bhopal, the 26th June 1984

Ref. No. IAC | Acqn|Bpl|4830.—Whereas, J, V. K. BARANWAL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and

bearing No.

No. Plot No. 7 situated at Harsh Nagar, Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Indore in November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforceald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the tonsideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection ()1 of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) (1) Shri Vidhyadhar Balange

(2) Sharad Balange,(3) Gangadhar Balange

sons of Maiotirao Balange,

(4) Vishnu Gadwe

sjo Shrikrishan Gadwe,
(5) Sou. Suman Mahase
Wjo Shri Murlidhar Mahase,
through Mu. Aum
from S. No. 1 to 5.
Shri Murlidhar
Pandurang
Rjo 127, Tilakpath, Indore.

(Transferor)

(2) Smt. Sou. Sheeladevi wo Shri Pankaj Kothari, Ro 12/2, Snenlataganj, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period or 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot bearing No. 7 situated at Harsh Nagar, Indore.

V. K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
4th Floor, Gongotri Building,
T. T. Nagar, Bopal.

Date: 26-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P. Bhopal, the 26th June 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4831.—₩hereas, I. V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25 000/-and bearing No.

Land Kh. No. 8|5 and 9|2 situated at Gram Tejpur Gadbadi Teh. & Distt. Indore.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Indore on November 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fixed per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been exwhich ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Shri Pannalal s|o Ramratan Khati, R|o Bijalpur, Indore.

(Transferor)

(2) Ahilyamata Sewak Sangh Grih Nirman Sahkari Sanstha Maryadit, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land bearing Kh. No. 8/5, 92 situated at Gram Tejpur Gadbadi Teh. & Distt. Indore.

V. K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor Gongotri Building
T. T. Nagar BHOPAL

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:---

Date: 26-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OPFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 26th June 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4832.--Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing

Plot No. 18 situated at Junki Nagar Colony, Indote (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indose on November 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, the following persons, namely:—

Laxmimal Surana soo Shri Chhotumalji Surana through Mu. Khas Nemichand soo Laxmimalji;
 Karodimal soo Shri Chhotumalji Surana through Khas Mu. Premchand soo Karodimalji Roo 23/2, Sajannagar, Indore (M.P.).

(Transferor)

 (2) Shri Goutamchand s|o Manoharlalji Betala
 (2) Smt. Vijaydevi w|o Shri Goutamchandji Betala R|o 10, Janki Nagar. Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gezette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the and immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EAPLANATION: — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot bearing No. 18 situated at Janki Nagar, Indore.

V. K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor Gongotri Building
T. T. Nagar BHOPAL

Date: 26-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE BHOPAL M.P.

Bhopal, the 26th June 1984

Ref. No. IAC|Acqu|Bpl|4833.—Whereas, I,

V. K. BARANWAL. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable as the said Act ), have leasen to believe that the miniovator property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. Land S. No. 31 [1, 32] 1 situated at Gram Mangalia, Teh. Sanwer Distt. Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registering Officer Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the at Indore on November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

 facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) M|s. Central Abra Stones, Pvt. Ltd., M. B. Shri Damodarial Slo Shri Mangilal Khandelwal, R o 3 1, Manoramaganj, Indo.e.

(Transferor)

(2) M<sub>1</sub>s. Kaohinoor Electronics Private Ltd., through Managing Director Shri Hukumchand Slo Jodhrajji Jain, Sita Building, Indore.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land bearing S. No. 31|1 and 32|2 situated at Gram Mangalia Teh. Sanwer Dist. Indore. This is the immovable property described in the Form No. 37-G verified by the transfer**e**e.

> V. K. BARANWAL Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-us. Acquisition Range 4th Floor, Gongotri Buliding T. T. Nagar, Bhopal.

Date: 26-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Smt. Sarjubai alias Sarjudevi Wdo Nuthulalji Dube, Rio House No. 13, Gota Mandi, Ujjain. (Transferor)

(2) Shi Asgaralibhai So Mulla Ibrahimbhal Korasawala, Ro Dadabhar Norouji Marg, Gali No. 2, H. No. 36, Bakhal Kharakunwa, Ujjain.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE BHOPAL M.P.

Bhopal, the 26th June 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4834.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

House No. Muncl. No. 156 situated at Chandrashekhat Azad Marg, Pinjarwadi, Ujjain

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has has been transferred as under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ujjain in November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to oclieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- .b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House bearing Muncl. No. 156 situated Chandrashekhar Azad Marg, Pinjarwadi, Ujjain.

V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 4th Floor, Gongotri Buliding T. T. Nagar, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforetaid property by the assec of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 26-6-1984

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE BHOPAL M.P.

Bhopal, the 26th June 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4835.--Whereas, I, V. K. BARANWAL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and heaving No.

and bearing No. House No. 22, situated at Ravindra Nagar, Dashehara Maidan, Ujjain.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transformed under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ujjain on November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-fax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Sestion 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Mohanlal Slo Shivnacayanji
 Rlo Doulatganj, Ujjain,
 Hall Mukam 30, Maharana Pratap Nagar,
 Zone-1, Bhopal.

(Transferor)

(2) Shri Jankilal S|o Shri Chhaganlalji Trivedi R|o Birlagram Nagda, Pargana Khachraud Distt. Ujjain.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the repective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in the Chapter.

#### THE SCHEDULE

House Beating No. 22 situated at Ravindra Nagar Dashehara Maidan, Ujjain,

V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 4th Floor, Gongotri Buliding T. T. Nagar, Bhopai.

Date: 26-6-1984

#### FORM ITNS----

(1) Shri Harprakash S|o Dhannamalji Sood R|o D-78, East of Kailash, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Krishnakant S]o Madanlahi Rlo 59, Arya Samaj Marg, Ujjain.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 26th June 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4836.—Whereas, I, V. K. BARANWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'anid Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000and bearing

House No. 148 (Part of house) situated at Tilak Marg

Ujjain

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Ujjain on November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

#### THE SCHEDULE

Part of house bearing No 148 situated at Tilak Marg, Uijain.

> V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range 4th Fasor, Gongotri Building T. T. Nagar, Bhopal.

Date: 26-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 26th June 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4837.--Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing

House No. 148 situated at Tilak Marg,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Ujjain on November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:-56—176GI 84

(1) Shri Harprakash S|o Dhannamalji Sood R|o D.78, East of Kailash, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Shantibar do Girdharnalii Rlo 59, Brahmingali, Ujjain.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (n) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House bearing No. 148 situated at Tilak Marg, Uljain. Uiiain.

> V. K. PARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal.

Date: 26-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE
BHOPAL, M.P.
Bhopal, the 26th June 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4838.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax 'Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House No. 148 (Part of house) situated at Tilak Marg, Ujjain

(and more fully described in the Schedule annexed herete), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ujjain on November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Shri Harprakash S|o Dhannamalji Sood R|o D-78, East of Kailash, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Jamunabai Wo Babulaiji alias Champalalji Ro Tilak Marg, Ujiain.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquilition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this actice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Part of house bearing No. 148 situated at Tilak Marg, Uijain.

V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range 4th Floor, Congotri Building T. T. Nagar, Bhopal.

Date: 26-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 26th June 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4839.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

House No. 148 (Part of house) situated at Tilak Marg, Favvara Chowk, Ujjain (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ujjain on November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Shri Harprakash Slo Dhannamalji Sood Rlo 78, East of Kailash, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Omprakash Slo Shri Babulalji alias Shri Champalalji R o Tılak Marg, Ujjain

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Part of house bearing No. 148 situated at Mohalla Tilak Marg, Favvara Chowk, Ujjain.

V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range
4th Floor, Gongotri Building
T. T. Nagar, Bhopal.

Date: 26-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE

BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 26th June 1984

Ref. No. IAC|Acqn.|Bpl|4840.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000l- and bearing

House No. 148 (Part of house) situated at Tilak Marg. Favvara Chowk, Ujjain

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ujjain on November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Shti Harptakash So Dhannamalji Sood R o 78, East of Kailash, New Delhi,

(Transferor)

(2) Shri Radheshyam So Shri Babulalji alias Shri Champalatji Ro Tilak Marg, Ujjain. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of house bearing No. 148 situated at Mohalla Tilak Marg, Favvara Chowk, Ujlain.

> V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range
> 4th Floor, Gongotri Building
> T. T. Nagar, Bhopal.

Date: 26-6-1984

#### 17959

#### FORM ITNS

Shri Harprakash So Dhannamalji Sood Ro D-78, East of Kailash, New Delhi.

(2) Shri Sanjaykumar So Shri Babulalji alias

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Champalalji (Minor) Guardian mother Smt. Jamunaosi Wo Babulalji alias Champalalji, Tilak Marg, Ujjain. GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 26th June 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4841.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value

exceeding Rs. 25,000]- and bearing No. House No. 148 (Part of house) situated at Mohalla Tilak Marg, Favvara Chowk, Ujjain

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer

at Ujjain on November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE ]

Part of house bearing No. 148 situated at Tilak Marg. Ujjain.

> V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 4th Floor, Gongotri Building T. Jr. Nagar, Bhopal.

Date: 26-6-1984

 Shri Jankilal S|o Shri Chhagaulalji Trivedi. R|o Birlagram, Nagda.

(2) 1. Shri Hemand Kumar

Pramod Kumar, Audit,
 Manoj Kumar

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 26th June 1984

Ref. No. IAC[Acqn]Bpl]4842.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

Part of house No. 6|15 and New No. 15|1 situated at Kalidas Marg, Maksi Road, Ujjain.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Ujjain on November, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under said act in respect of any income arising from the transferor; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :--

Prasadji, Guardian mother Yoshodavi 5. Smt, Yashodadevi Wlo Rajendraprasadji Rlo Village Chhayan, Pargana & Ujjain.

4. Yatindra Kumar (Minor) sons of Shri Rajendra

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Part of house No. 6|15, New No. 15|1 situated at Kalidas Marg, Maksi Road, Ujjain.

V. K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, 4th Floor, Gongotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 26-6-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 26th June 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4843,--Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority Under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

Ground floor house on plot No. 104 situated at Transport Nagar, Indore.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ujjain on November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said institument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

M|s. Bhullar Roadlines,
 1-A, Indrapuri Colony, Indore
 Partner: Shri Harljinder Singh
 S|o Shri Kundansingh Bnullar.
 R|o 19, Indrapuri Colony, Indore.

(Transferor)

(2) M/s. Chopra Travels, 1/2, south Tukoganj, Indore. through partner: Shri Lajpatrai S/o Shri Kishandasji Chopra R/o 26/2, Manoramaganj, Indorec.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Ground floor house construction on plot No. 104 situated at Transport Nagar, Indore.

V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal

Date: 26-6-1984.

(1) Shri Babaji, So Bohran Ahir, Ro Sarekha, Distt, Balaghat.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Vivek Sahkari Grih Nirman Samiti Maryadit, Balaghat Distt. Balaghat through Presidetnt Shri Pooran kumar So Jethanand Adwani, Ward No. 14, Balaghat. (Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE BHOPAL, MP.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned: -

Bhopal, the 26th June 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4844.--Whereas, I,

V. K. BARANWAL.
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

Land Khacra No. 276 situatesd Sarekha, Balaghat. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 to 1908) in the office of the Registering Officer at Ujjain on November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetto.

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

#### THE SCHEDULE

Land bearing Kh. No. 276 situated at Sarekha Distt. Balathat. This is the immovable property described in the Form No. 37-G, verified by the transferee.

(b) facilitating the concealment or any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
4th Floor, Gongotri Building
T. T. Nagar, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 296C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-secpersons, namely :-

Date: 26-6-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX AC1, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 26th June 1984

Ref. No. IAC|Acqn(Bpl|4845.-Whereas, I. V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-

movable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000-1 and bearing No. Land Khasra No. 276 situated at Sarekha, Balaghat, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Pagistering officer.

the Registering officer at Ujjain on November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

57-176GT 84

- (1) Shri Babaji S|o Boharan Ahir through Mu. Aum Shri Ganeshlal S|o Babaji Ahir R|o Sarekh Teh. & Distt. Balaghat. (Transferor)
- (2) Vivek Sahkari Grih Nirman Samiti Marvadit. Balaghat through President Pooran Kumar So Jethanand Adwani, Balaghat,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chanter.

#### THE SCHEDULE

Land bearing Khasra No. 276 situated at Sarekha Teh. & Distt. Balaghat. This is the immovable property described in the Form No. 37-G verified by the transferee.

> V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax 4th Floor, Gongotri Building T. T. Nagar, Bhopal

Date: 26-6-1984.

#### 17964

#### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 26th June 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4846.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

and bearing

No. Land: Khasra No. 329|2, 336|1
situated at Gram Bavadiya Kala Teh. Huzur Distt. Bhopal
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Bhopal on November, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shri Gangaprasad so Shri Hariprasad Rlo Bavadiya Kala Teh. Huzur., Dist. Bhopal. (Transferor)

[PART III-SEC. 1

(2) Shri Ganesh Grih Nirman Sahkari Sanstha Maryadit Bhopal through President Shri Ram Khare 2. Shri Subhash Vyas, Vice President, Rlo 2-3|3, Arera Colony, Bhopal. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land bearing Khasra No. 329|2, 336|1 situated at Gram Bavadiya Kala Teh, Huzur Distt. Bhopal. This is the immovable property described in Form No. 37-G verified by the transferce.

V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, 4th floor, T.T. Nagar, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely:—

Date: 26-6-1984

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 26th June 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4847.—Whereas I. V. K.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Plot No. 80 and a house constructed thereon situated at Pvt. Sector E-5, Habibganj, Rajdhani Pariyojna,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred under the registration Act 1908 (16 of 1908)

in the office of the Registering Officer

at Bhopal on November, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evaulon of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Shambhusharan Shukla s|o Shri Remdutt Shukla, R|o 1-A, Sarak 3, Sector 9, Bhilai Nagar, Madhya Pradesh.

(Transferor)

(2) Shri Ardamanpalsingh slo S. Sundersingh through Diesel Automobiles, Hamidia Road, Bhonsi.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION;—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot bearing No. 80 and a house constructed thereon situated at Pvt. Sector E-5, Habibganj, Rajdhani Parivojna, Bhopal.

V. K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, 4th floor,
T.T. Nagar, Bhopal

Date: 26-6-1984

(1) Shri Gangaprasad s|o Hariprasad R|o Bavadia Kala Teh. Huzur Distt. Bhopal. (Transferor)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shangrila Co.op. Housing Society Ltd., E-6|122 Arera Colony, Bhopal.

### (Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 26th June 1984

Ref. No. [AC]Acqn|Bpl|4848.—Whereas I. V. K. BARANWAL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. Land: Kh. No. 442, 443|5|2

situated at Gram Bavadia Kala Teh, Huzur Distt. Bhopal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Bhopal on November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immoable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land bearing Kh. No. 442, 443|5|2 situated at Gram Bavadia Kala Tch. Huzur Distt. Bhopal. This is the inmovable property described in the Form No. 37-G verified by the transferee.

V. K. BARANWAI.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, 4th floor.
T.T. Nagar, Bhound

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 26-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE. BHOPAL M.P.

Bhopal, the 26th June 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4849.—Whereas I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

and bearing
No. Land: Kh. No. 442, 443|5|1
situated at Gram Bavadiya Kala Teh. Hubur Distt. Biopal
(and more fully described in the Schedule annexed hereto).
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer
at Bhopal on November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair Market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not occur truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Gangaprasad s|o Shri Hariprasad R|o Bavadiya Kala Teh. Huzur Distt. Bhopal. (Transferor)

(2) Sangrila Co.op. Housing Society Ltd., Bhopal through President Shri P. D. Choudhary alo Shri J. D. Choudhary Rlo Arera Colony, Bhopal. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land bearing Khasra No. 442, 443|5|1 situated at Gram Bavadiya Kala Teh. Huzur Distt. Bhopal. This is the immovable property described in the Form No. 37-G verified by the transferee.

V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, 4th floor, T.T. Nagar, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue o fthis notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 26-6-1984

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 26th June 1984

Ref. No. 1AC|Acqn|Bpl|4850.—Whereas I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing

No. Land: Kh. No. 66

situated at Bavadiya Kala Teh. Huzur Distt. Bhooal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Bhopal on November, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Hariprasad s|o Shri Hiralal R|o Bavadiya Kala Teh, Huzur Distt. Bhopal.

(Transferor)

(2) Rohit Housing Co.op. Society Ltd., Regn. No. DRB|329, Bhopal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land bearing Kh. No. 66 situated at Bavadiya Kala Teh. Huzur Distt. Bhopal,

V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, 4th floor, T.T. Nagar. Bhopal

Date: 26-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Balaprasad s<sub>i</sub>o Shri Hariprasad Rlo Bavadiya Kala Teh. Huzur Distt. Bhopal.

(Transferor)

(2) Rohit Sahkari Grih Nirman Sanstha Maryadit Ltd., Bhopal through President Shri M. L. Rohitdas so Shri Sriram Singh Rio Govindpura, Bhopal.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 26th June 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl4851.-Whereas, I, V. K. BARANWAL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. No. Land Kh. No. 65 situated at Gram Bavadiya Kala Teh.

Huzur Distr Bhopal (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bhopal on November, 1983 for an apparent consideration which is less than fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing Kh. No. 65 situated at Gram Bavandiya Kala

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Teh. Huzur Distt. Bhopal.

V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor Gongotri Building
T. T. Nagar SHOPAL

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, numely :-

Date: 26-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-IAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopai, the 26th June 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4852.—Whereas, I, V. K. BARANWAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Land Kh. No. 66, 67, 68 situated at Gram Bavadiya Kala, Teh. Huzur, Distt. Bhopal

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Bhopal on November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri Hariprasad Sjo Shri Hiralal Rjo Bavadiya Kala Teh, Huzur, Distt. Bhopal.
- (Transferor)
  (2) Robit Sahkari Grih Nirman Sanstha Maryadit, Ltd.,
  Bhopal through President Shri M. L. Robitadas slo.
  Shri Sriram Singh Rlo Govindpura,
  Bhopal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gasette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land bearing Kh. No. 66, 67, 68 situated at Gram Bavadiya Kala, Teh. Huzur, Distt. Bhopal.

V. K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
4th Floor. Gangotri Building
T.T. Nagar, Bhopal
Bhopal

Date: 26-6-1984

(1) Shri Balaprasad Slo. Shri Hariprasad Rlo Bavadiya Kala, Teh. Huzur, Distt. Bhopal.

(Transferor)

(2) Rohit Housing Co. Society Ltd. through President Shri N. L. Rohitdas R o Subhash Nagar, Bhonal.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 26th June 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4853.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No. Land Kh. No. 65, situated at Gram Bavadiya Kala, Teh

No. Land Kh. No. 65, situated at Gram Bavadiya Kala, Tch Huzur, Distt. Bhopal

Yand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bhopal on November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other 446-is which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (37 of 1957);

Now, therefor, in pursuance of Section 269C of the said ct. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the resaid property by the issue of this notice under subtion (1) of Section 269D of the said Act, to the following princips, namely:—

---176GJ!84

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land bearing Kh. No. 65 measuring one Acre cituated at Gram Bavadiya Kala, Teh. Huzur, Distt. Bhopal. This is the immovable property described in Form No. 37-G verified by the transferee.

V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building T.T. Nager. Bhopal Bhopal

Date: 26-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 26th June 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4854.—Whereas, I, V. K. BARANWAL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a feir market value exceeding Rs. 25,00]—and bearing

No. Land, Kh. No. 67, 68, situated at Gram Bavadiya Kala, Teh. Huzur, Distt. Bhopal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred unde the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bhopal on November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely:

 Shri Hariprasad Slo. Shri Hiralal Rlo Gram Bavadiya Kala, Teh. Huzur, Distt. Bhopal.

(Transferor)

(2) Rohit Housing Co-op. Society Ltd., through President Shri N. L. Rohitdas, Rio Subhashnagar, Bhopal,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The torms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land bearing Kh. No. 67, 68 (measuring equivalent to one Acre) situated at Gram Bavadiya Kala, Teh. Huzur, Distt. Bhopal. This is the immovable property described in the Form No. 37-G verified by the transferee.

V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, 4th Floor. Gangotri Building, T. T. Nagar. Bhor Bhopal

Date: 26-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

 Shri Balaprasad Slo. Hariprasad Rlo Bavadiya Kala, Teh. Huzur, Distt. Bhopal.

(Transferce)

(2) Rohit Housing Co-op. Society Ltd., Regd. No. DRB|329, Bhopsl.

(Transferor)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P

Bhopal, the 26th June 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4855.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,009/-and bearing No.

Land Kh. No. 65 situated at Gram Vavadiya Kala, Teh. Huzur, Distt. Bhopal

(and more fully described in the Schedule annexted hereto). has been transferred unde the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in theoffice of the Registering Officer at

Bhopal on November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act in respect of any income arising from the transfer; andler
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforeasid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gaeztte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land bearing Kh. No. 65 (equivalent to one Acre) situated at Gram Bavadiya Kala, Teh. Huzur, Distt. Bhopal. This is the immovable property described in the Form No. 37-G verified by the transferee.

V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building. T. T. Nagar, Bhopal Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the doresaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 26-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1, OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOMETAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 26th June 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4856.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000 - and

bearing No. Plot No. 19 situated at

Nadir Colony, Bhopal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bhopal in Nov., 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Mirza Firdos Hussain So Sh. Mirza Jamshedhussain Khan Ro H. No. 10, near Masjid Jamanwali, Fatehgarh, Bhopal.

(Transferor)

 Sardar Tejkulpalsingh S|o late Shri Sardar Gurubukshsingh R|o Aminganj, Shahjanabad, Bhopal.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot bearing No. 19 situated at Nadir Colony, Bhopal. This is the immovable property described in the Form No. 37-G verified by the transferee.

V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bhopal.

Date: 26-6-84

Soal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 26th June 1984

Ref. No. IAC|Acqn.|Bpl|4857.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

bearing No. Land Kh. No. 13[2]2, 58[2]2 situated at Gram Bavadiya Kala Teh. Huzur Distt. Bhopal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bhopal in Nov. 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Govindsingh So Ramcharan Ro Bavadiya Kala Teh, Huzur Distt, Bhopal
2. Hiralai So Harlai through Mu. Aum Doulatram So Shrikishan
3. Bansilai So Bhujasingh through Mu. Aum Babulai So Bansilai Ro Gram Bavadiya Kala Teh. Huzur Distt. Bhopal,

(Transferor)

(2) Jai Bhawani Grih Nirman Sahkari Sanstha Maryadit, Bhopal through President.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pubifeation of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defiend in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land bearing Kh. No. 13|2|2 situated at Gram Bavadıya Kala Teh. Huzur Distt. Bhopal. This is the immovable property described in Form No. 37-G verified by the transferee.

V. K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal.

Date: 26-6-84

(1) Laxmanrao Sio Balwantrao Ro Timarni Teh. Timarni.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Agarwal Family Trust, Timarni Distt. Hoshangabad.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OPFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 26th June 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4858.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000|- and bearing No. Land Kh. No. 140|1 & diverted land

Kh. No. 140|2 situated at Gram Timarni Distt, Hoshangabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Harda in Nov. 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transfered for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this netice in the Official Gazette er a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land bearing Kh. No. 140 1 and diverted land bearing Kh. No. 140 2 situated at Gram Timarni Distt. Hoshangabad, This is the immovable property described in Form No. 37-G verified by the transferee.

> V, K. BARANWAL Competent Authority Inspectig Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bhopat.

Date: 26-6-84

#### FORM IINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 26th June 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4859.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000, and

bearing No. House constructed on diverted land Kh. No. 14014 (14014) situated at

140|4 (140|4) situated at Gram Timarni Distt. Hoshangabad

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 to 1908) in the office of the Registering

Officer at Harda in Nov. 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Laxmanrao Soo Balwantrao Roo Timarni Teh, Timarni.

(Transferor)

 Agarwal Family Trust, Timarni Distt. Hoshangabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House constructed on part of diverted land bearing Kh. No. 140!4 (140|4) situated at Gram Timarni Distt. Hoshangabad. This is the immovable property described in Form No. 37-G verified by the transferce.

V. K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal,

Date: 26-6-84

#### FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### (1) Vijay Prakash Bhartiya So Laxmanrao Ro Timarni Teh, Timarni,

(Transferor) (2) Agarwal Family Trust Timarni Teh. Timarni Distt. Hoshangabad.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 26th June 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4860,---Whereas, I,

V. K. BARANWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.
Kh. No. 140|6 situated at
Gram Timarni Distt. Hoshangabad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering

Officer at Harda in Nov. 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of: -

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazeffe.

EXPINATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Land bearing Kh. No. 140|6 situated at Gram Timarni Distt. Hoshangabad. This is the immovable property described in the Form No. 37-G verified by the transferce.

V. K. BARANWAL Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bhopai.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 26-6-84

Soal:

#### FORM I.T.N.S.-

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 26th June 1984

Ref. No. IAC|Acqu|Bpl|4861.—Whereas, 1, V. K. BARANWAL,

v, K. BAKANWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000|- and bearing No. Land Kh. No. 140|5

situated at Gram Timarni Distt. Hoshangabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

1908) in the office of the Registering Officer at Harda in Nov. 83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income on any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

59-176GI|84

(1) Sou. Manoramabai Wo Laxmanrao Ro Timarni Teh, Timarni through Mu, Aum Shri Vijayprakash Bhartiya S. Laxmanrao Ro Timerni.

(Transferor)

17979

(2) Agarwal Family Trust, Timarni Distt. Hoshangabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE -

Land bearing Kh. No. 140 5 situated at Gram Timarm Distr. Hoshangabad. This is the immovable property described in the Form No. 37-G verified by the transferee,

V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bhopal.

Date: 26-6-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) Shafikhan Slo Dulekhan
 Rlo 28, Mahakal Marg, Ujjain.

(Transferor)

(2) Ramdeo S|o Phoolchandji Agarwal, R|o 3, Dadabhai Naoroji Marg, Ujjain.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACOUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 26th June 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bp1]4862.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000]- and bearing No.

Part of house No. 28

situated at Mahakal Marg, Gali No. 12, Ujjain

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Ujjain in Nov., 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

 (a) facilitating the reduction or avasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax (Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Part of house No. 28 situated at Mahakal Marg, Gali No. 12, Ujjain.

V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bhopal.

Date: 26-6-84

- (1) John Kenith Wilson Slo Smt. Umedi Wilson, Rlo Barkhedi, Bhopal.
  - (Transferor)
- (2) Darshankaui Wo Harnamsingh Rlo Bardi, 68, Barkhedi, Bhopal.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 3rd July 1984

Ref. No. IAC Acqn. Bpl 4863.—Whereas, 1. V. K. BARANWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Half portion of a house No. 68

situated at Barkhedi, Bhopal tand more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering

Officer at Bhonal in Nov. 1983

for an apparent consideration which is less than the foir market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income prising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Part of house No. 68 situated at Barkhedi, Bhopal.

V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section: (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Date: 3-7-1984

FORM No. I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### M|s Sainath Apartment through Mu. Aum Premchand Mannalal Jain R|o M.G. Road, Indore.

(Transferor)

(2) Abdul Hanifkhan So Sh. A. M. Khan, Ro Old Palasia, Indore.

(Transferec)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 4th July 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4864.—Whereas, I. V. K. BARANWAL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

Flat No. 5 situated at

Sainath Apartment No. 4, Kailash Park Colony, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Indore in Nov., 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth ax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 15 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 5 situated at Sainath Apartment No. 4, Kailash Park Colony, Indore.

V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bhopal.

Date: 4-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### (1) M s Sainath Apartment through Mu, Aum Premchand Mannalal Rlo 46, M.G. Road, Indore.

(Transferor)

(2) Ranjana Devendra Fatgtepurkar, Rlo 4, Kailash Park Colony, Indoic.

(Transferce)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 4th July 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4865.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

No. Flat No. 6 (4th floor) situated at 4, Kailash Park Colony, Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Indore in Nov., 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely '-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein at are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 6 (4th Storey) situated at 4 Kailash Park Colony, Indore.

> V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tail Acquisition Runge, Bhopal.

Date: 4-7-1984

Seal ;

### FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 4th July 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4866.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Flat No. 6 (3rd storey)

situated at Sainath Apartment, 4, Kailash Park Colony,

Indore

(and more fully described in schedule annexed hereto), has been transferred under registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Indore in Nov. 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M|s Sainath Apartment through Mu. Aum Premchand S|o Mannalal R|o 4|6, M.G. Rd., Indore

(Transferor)

(2) Smt. Shan.aben Wio Kantilal Inin, Rlo 4, Kailash Park Colony, Indore,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 6 (3rd storey) situated at Sainath Apartment, 4, Kailash Park Colony, Indore.

V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building. T. T. Nagar, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 4-7-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Mis Sainath Apartment, 4, Kailash Park Colony, Indore through Aum Mu. Premchand Mannalal. (Transferor)

(2) Shri Chhabildas Bhogilal Shah, Rio 4, Kailash Park Colony, Indore.

(Transferce)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 4th July 1984

Ref. No. IAC Acgn. Bpl 4867.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Flat No. 6 (3rd storey) situated at Sajaath Apartment, 4, Kailash Park Colony,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering officer at Indore in Nov. 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) focilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons which a period 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA or the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 6 (3rd storey) situated at Sainath Apartment, 4, Kailash Park Colony, Indore.

> V. K. BARANWAL Competent Authority Inspectig Assistant Commissioner of Income-tax Competent Authority Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building. T. T. Nagar, Bhopal

Date: 4-7-84

(1) M's Sainath Apartment through Mu. Aum Premchand so Mannalalji, R|o 4|6, M. G. Road, Indore.

slo Krishanrao Joshi,

R|o Siyaganj, Indore.

Union Bank of India,

(2) Shri Anil

(Transferor)

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, MP.

Bhopal, the 4th July 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4868,-Whereas, I, V. K. BARANWAL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs.

25,000/- and bearing
No. Flat No. 2 (3rd storey) situated at Sainath Apartment,
4, Kallash Park Colony, Indore.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on November, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 2691) of the said Act is the following persons, namely :-

THE SCHEDULE

Flat No. 2 (3rd storey) situted at Sainath Apartment, 4, Kailash Park Colony, Indore.

> V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, 4th Floor, Gongotri Building, T. T. Nagar, Bhopal

Date: 4-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 4th July 1984

Ref. No. IAC Acqu Bpl 4869.—Whereas, I,

V. K. BARANWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing No. Flat No. 2 (2nd storey) situated at Sainath Apartment, Kailash Park Colony, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Indore on November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and 1 have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

60-176GI 84

(1) Shri Sainath Apartment through Mu. Aum Premchand slo Mannalalji, R|o 4|6, M. G. Road, Indore.

(Transferor)

(2) Shri K. Srinivasan slo Krishnamurthy, Union Bank of India, at 4, Kailash Park Colony, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

### THE SCHEDULE

Fiat No. 2 (2nd storey) situated at Sainath Apartment, 4, Kailash Park Colony, Indore.

> V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, 4th Floor, Gongotri Building, T. T. Nagar, Bhopal

Date: 4-7-1984

### NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P. Bhopal, the 4th July 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4870.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000-and bearing No.

Flat No. 1 (3rd storey) situated at Salnath Apartment 4. Kailash Park Colony, Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Indore on November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other neets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the nurposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely [18]

 Mis Sainath Apartment through Mu. Aum Premchand Mannalal, Rio 4/6, M. G. Road, Indore.

(Transferor)

 Shri Sudarshankumar Shiromani Jain, Rlo 4, Kailash Park Colony, Indore

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 1 (3rd storey) situated at Sainath Apartment, 4, Kailash Park Colony, Indore.

V. K. BARANWAL.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range.
4th Floor, Gongotri Building,
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 4-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 26th June 1984

Ref. No. IAC Acqn Bpl 4738.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No. House in 75 Ward No. 18, situated at Subhashganj, Ashok Nagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ashok Nagar on November, 1983

Ashok Nagar on November, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

S\_\_\_\_\_ (1) Shri Narayandas s|o Daryalal Kalra, INCOME- R|o Subhashganj, Kasba Ashoknagar now at Indore.

(Transferor)

(2) (1) Shri Jagannath
s|o Mangaljeet,
(2) Shri Shivdayal
s|o Jagannath Soni,
R|o Old Bazar, Ashok Nagar,
Distt. Guna.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires, later;
- (b) by any other person interested in the said immova ble property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

### THE SCHEDULE

One house No. 75, Old Ward No. 3 New No. 18 situated at Subhashganj, Ashok Nagar.

V. K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
4th Floor, Gongotri Building,
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 26-6-1984

### FORM TINS

(1) Shri Darvalal Kalra so Shri Ramchandra, Rio Subhashgani, Kasba Ashoknagar, Distt. Guna.

(Transferor)

(2) Shri Shivdayal slo Shri Jagannath, Ro Purana Bazar, Teh. Ashok Nagar,

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 26th June 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4739.—Whereas, I, V. K. BARANWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing

No. Double storeyed house: Ward No. 3, New Ward No. 18, House No. 75 situated at Kasba Ashok Nagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer at Ashok Nagar on November, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this motion in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

(b) by any other person interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used hereir as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evesion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andjor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

### THE SCHEDULE

Double storeyed house bearing Old Ward No. 3, New Ward No. 18, House No. 73 situated at Kasba Ashok Nagar.

> V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-iax Acquisition Range, 4th Floor, Gongotri Building, T. T. Nagar, Bhopel

Date: 26-6-1984

### FORM ITNS----

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 26th June 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4740.—Whereas, I, V. K. BARANWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

No. Two storeyed house No. 75, Ward No. 18 (old) and No. 3 (New) situated at Near Bus Stand, Ashok Nagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Ashok Nagar in November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Pritandas slo Shri Daryalal Kalra, R o Subhashganj, Kasba Ashok Nagar.

(Transferor)

(2) Shri Jagannath slo Shri Mangaljeet Soni, Ro Purana Bazar, Ashok Nagar, Distt. Guna.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Two storeyed house No. 75, Ward No. 18 (Old), Ward No. 3 (New) situated at Ashok Nagar, near Bus Stand.

> V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, 4th Floor, Gongotri Building, T. T. Nagar, Bhopal

Date: 26-6-1984

Seal -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 26th June 1984

Ref. No. IAC Acqn Bpl 4765.—Whereas, I, V. K. BARANWAL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

House No. 929|930-A situated at Kamla Nehru Nagar, Jabalour

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jabalpur in November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) (1) Smt. Prema Verma
   Wd|o Shri Gyanchandra Verma,
   (2) Smt. Indu Verma
   D|o Gyanchandra Verma
   (3) Smt. Dr. Neera Gupta
   w|o Shri R. C. Gupta,
   All R|o 930, Kamla Nehru Nagar, Jabalpur.
   (Transferor)
- (2) Shri Madankumar Soni solo late Shri Hardayalprasad Soni, Ro 931/2, Kamla Nehru Nagar, Jabalpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given is that Chapter.

### THE SCHEDULE

House bearing No. 929 930-A situated at Kamla Nehru Nagar, Jabelpur.

> V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range,
> 4th Floor, Gongotri Building,
> T. T. Nagar, Bhopal

Date: 26-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 26th June 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4768.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. Shop No. 7, 8, 9, Kh. No. 19|1|2|2 situated at Baira-

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Delhi in November, 1983

garh, Bhopal

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Amteshwar Anand Wd|o late Shri Col. T. S. Anand, R|o 154, Jor Bagh, New Delhi

(Transferor)

(2) Smt. Kamla Goel wo Shri S. N. Goel, Ro Bhopal.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Shop No. 7, 8, 9, Kh. No. 19|1|2|2 situated at Bairagarh, Bhopal.

V. K. BARANWAL.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
4th Floor, Gongotri Building,
T. T. Nagar, Bhopal

Date : 26-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 26th June 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4776.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Open plot situated at Kothi Bazar, Nigam Colony, Ward No. 13, Hoshangabad

(and more fully described in the Schedule annexed horeto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Hoshangabad in November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) (1) Shri Coln. Jagdishprasad Nigam 8 o Shri Harprasad Nigam,

(2) Mu. Nankidevi wo Shri Harprasad Nigam, Self and Mu. Aum

Self and Mu. Aum

(1) 1. Sharadkumar Nigam
2. Prakashkumar Nigam
soo Harprasad Nigam,
both Ro Kothi Bazar,
Hoshangabad.

(Transferee)

(2) Shri Tapan (Minor) slo Shri Sureshchand Bali Dada Hiralal slo Harsukh Mehra, Rlo Bramhangaon Kala, Distt. Hoshangabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot bearing Sheet No. 54 situated at Kothi Bazar, Nigam Colony Ward No. 13, Hoshangabad. This is the immovable property described in the Form No. 37-G verified by the transferee.

V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, 4th Floor, Gongotri Building, T. T. Nagar, Bhopal

Date: 26-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Gayaprasad so Moolchand Bra. Self and Mu. Khas Bhai Ganpatlal s o Moolchand, Rlo Godiya Distt, Bhandara.

(Transferor)

(2) Shri Maheshchand s o Jamunaprasad Gupta, Ro Purani Itarsi, Distt. Hoshangabad.

(Transferec)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 26th June 1984

Ref. No. IAC Acqn [Bpl 4777.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having Rs. 25,000]- and bearing having a fair market value exceeding

No. Land: Kh. No. 94/2, diverted line No. 4 Plot No. 4, 5, 6, 7 situated at Mouja Maharagaon Distt. Hoshangabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Hoshangabad in November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 if 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing Kh. No. 94/2, diverted line No. 4, Plot No. 4, 5, 6, 7 situated at Mouja Mahanragaon, Distt. Hoshangabad. This is the immovable property described in the Form No. 374-G verified by the transferee,

> V. K BARANWAL Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, 4th Floor. Gongotri Building, T. T. Nagar, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following nersons, namely :-

61---176 GI 84

Date: 26-6-1984

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF NCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 26th June 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4778.—Whereas, I,

V. K. BARANWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 250001- and bearing

to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No. Plot No. 65 situated at 'D' Sector, Kohefiza, Bhopal (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal in November, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-

Bhopal in November, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act,
  in respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Manohar Aathi s|o Shri Bakhatram, R|o Kotwali Road, Bhopal.

(Transferor)

(2) Shri Jamalluddin s|o Nasiruddin, R|o Majid Yelwali Gali No. 6, Bhopal.
2. Smt. Noorjahan, w|o H. A. Khan, R|o Budhwara, Bhopal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Plot bearing No. 75 'D' Sector, Kohefiza, Bhopal.

V. K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
4th Floor, Gongotri Building,
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 26-6-1984

### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF NCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 26th June 1984

Rcf. No. IAC|Acqn|Bpl|4779.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

v. K. BAKANWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. Plot No. 53 situated at 'D' Sector, Kohefiza, Bhopal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the office of the registering officer at Bhopal in November. 1983

at Bhopal in November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

(1) Shri Deepak Sood s|o Shri R. D. Sood, Ro Noormahal, Bhopal.

(Transferor)

(2) Shri Ravidutt Sood s o Shri Ramnath Sood, C.S.P., Ujjain.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Plot baring No. 53 'D' Sector situated at Kohefiza, Bhopal.

V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incometax
Acquisition Range, 4th Floor, Gongotri Building, T. T. Nagar, Bhopal

Date: 26-6-1984

### NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME.

### TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACOUISITION RANGE-II BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 26th June 1974

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4691.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Part of old house No. 652, situated at Napier Town,

Japalour.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bhopal in November, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Smt, G. D. Bhaskar, Rlo Ishwar Nagar, New Delhi.

(2) Shri Ramesh Manocha, Rio 798, Marhatal, Jabalpur. (Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to be the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Part of old house No. 652 situated at Napier Town, Jabalpur.

> V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax 4th Floor, Goongotri Bullding T. T. Nagar, Bhopal.

Date: 26-6-84

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-11 BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 26th June 1974

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4793.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

House No. 222-95 on Plot No. 146 situated at Indore Vikas Pradhikaran Scheme No. 31, Indore.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at Indore on December, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or others assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Kamla Dube Wo Shri P. S. Dube. Roo 23, Palshikar Colony, Indore.
- (2) Smt. Jayantidevi Wo Radheshyam Gupta, Ro 123, Snehnagar, Indore.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of Thirty days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Expranation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

House No. 222-95 on Plot No. 146 situated at Indore Vikas Pradhikaran Scheme No. 31, Indore.

V. K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
4th Floor, Geongotri Building
T. T. Nagar, Bhopal.

Date: 26-6-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### (1) P. C. Martin wo P. C. Martin V-80, Anna Nagar, Madras-40.

(Transferor)

(2) M. Santhanam and others, 148, Pattamangalam St., Mayuram, Tanjore Dt.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-11 MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 29th June 1984

Ref. No. 190|Nov.83|R.II.—Whereas, I, MRS. PREMA MALIN1 VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable

and bearing No.
14, CIT Nagar, T. S. No. 12, Block No. 13, Doc. No.
3263 83 situated at Madras-35.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Saidapet on November 1983

property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land and building: Plot No. 14, C.I.T. Nagar, T. S. No. 12, Block No. 13.

MRS. PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acuisition Range-II (I|c)
Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 29-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 29th June 1984

Ref. No. 162|Nov.83|R.II.—Whereas, I, MRS. PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/and bearing

and bearing
Flat No. 68, Block No. 6, MIG Flat Indra Nagar
Adyar, Madras-20 situated at Adyar Doc. No. 3614|83.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Madras North I.S.R. II on November, 1983
for an apparent consideration which is less than the fair

Madras North I.S.R. II on November, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 S. Rajalakshmi, Flat No. 68 Block No. 6, 2nd Avenue, Indra Nagar, Adyar. Madras-20.

(Transferor)

(2) Mrs. Jagada Balakrishnan, 114, Canal Bank Road, Kasthuribai Nagar, Adyar, Madras-20.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Building:—Flat Bearing No. 68. Block No. 6, Middle Income group Flats, Indira Nagar, Adayar, Madras-20. (Doc. No. 3614|83).

MRS. PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acuisition Range-II (i|c)
Madras-600 006.

Date: 29-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Bhopal, the 26th June 1974

Ref. No. 156|Nov.83|R.II.—Whereas, J, MRS. PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing
Doc. No. 3279|83—Door No. 28, situated at

Kasturbanagar, Adayar. (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Adayar on November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and|or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely -

(1) Mrs. R. Vedavalli, No. 40, IV Main Road, Gandhinagar, Madras-20.

(Transferor)

(2) Mr. C. D. Gopalaratnam, No. 1, Sadasiva Iyer St., Gopalapuram, Madras-600 086.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette on a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land and building:—Door No. 28 (Old No. 27) II Main Road, Kusturahannagar, Adayar. (Doc. No. 3279|83).

> MRS. PREMA MALINI VASAN Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acuisition Range-II (i|c) Madras-600 006.

Date: 26-6-84 Seal:

### FORM ITNS

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-11 MADRAS-600 006

Bhopal, the 26th June 1974

Ref. No. 153 Nov.83 R.II.—Whereas, I, MRS. PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing No.

Doc. No. 3257/83-No. 8, First Canal Cross Road. Gandhinagar, Adyar, Madras-20 situated at Adyar. (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred

under te Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Adyar on Nocember, 1983

for an apparent consideration which is less than the fall market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to any tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: , and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following

recom namely .--

(1) R. Jagannathan, 8, First Canal Cross Road, Gandhi Nagar, Adyar, Madras-20.

(Transferor)

(2) M<sub>|s.</sub> Devi Designers & Decorators, 9, First Canal Cross Road, Gandhinagar. Madras-20.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov, while property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land and building: -- No. 8, First Canal Cross Road, Gandhinagar, Adyar. (Doc. No. 3257[83]).

> MRS. PREMA MALINI VASAN Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acuisition Range-II (i|c) Madras-600 006

Date: 26-6-84

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# Alagappa Thevar, Mandavali Lane, Mandavalli, Madras-4.

(Transferor)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II
MADRAS-600 006

Madras, the 26th June 1984

Ref. No. 154|Nov.83|R.II.—Whereas, I,
MRS. PREMA MALINI VASAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961(43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), hav; reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000[. and bearing
Doc. No. 3258|83|Saidapet Taluk, Chingleput Dist.,
Adyar Sub. Dt. Advar Village S. No. 711 situated at
Adyar Village,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred
under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office
of the Registering Officer at
at Adyar, on November, 1983
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the
property us aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer
as agreed to between the parties has not been truly stated in
the said instrument of transfer with the object of '.—

(2) Smt. Alice Jacob, 10, 4th Cross St., Vadapalani, Madras-26. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same maening as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land: Saidapet Taluk, Chingleput Dist., Adyar Sub Dist. Adyar Village, S. No. 711.

(Doc. No. 3258|83).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II (I|c)
Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-rection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 26-6-84

### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.) MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 29th June 1984

Ref. No. 161 Nov.83 RII.—Whereas, I. MRS. PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/-and bearing No.

No. 5, Walace Garden, 1st Street Nungambakkam, Madras 34 (Doc. No. 3697|83) situated at Madras North J.S.R.II (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Madras North J. S. R.II on November 1983

for an apparent consideration which is less than the fall market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Pothuraju Padmavathi, Koduru, Guddapah District, Andhra Pradesh.

(Transferor)

(2) Mrs. K. V. A. M. Sithy Sayeetha, 12, Shaffi Mohamed Road, Rutland Gate, Madraa

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

### THE SCHEDULE

Land and building: No. 5, Wallace Garden, 1st St., Nungambakkam, Madras-34. (Doc. No. 3697|83).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tux
Acquisition Range-II (i|c)
Madras-600 006.

Date: 29-6-84.

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-600 006

Madras, the 26th June 1984

Ref. No. 1430|83|Nov.83|R.II.—Whereas, I, MRS. PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No. No. 3 Lambeth Avenue. Plot No. 3, R. S. No. 3647|16 of Mylapore, Madras-19 situated at Mylapore (Doc. No. 1430|83). (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mylapore on November 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

 Mrs. N. Mahalakshmi, No. 3, Lambeth Avenue, Madras-18.
 Sri N. Devraj, No. 3, Lambeth Avenue, Madras-18.
 Sri N. Gangaram, No. 2, Kasim Ali St., Madras-5.
 Mrs. R. Rajalakshmi No. 8, Jambulinga Mudali St., Mds-34.
 G. Shankar (Minor) as mentioned under (3) Ms.

(Transferor)

(2) Mrs. Meera Devi Chakravatthy, No. 23, III Main Road, Madras-600 028. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land and building: No. 3, Lambeth Avenue, Plot No. 3, R. S. No. 3647|16 of Mylapore, Madras-19. (Doc. No. 1430|83).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority,
Inspecting Assist Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II (i|c)
Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 26-6-84.

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RAINGE, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 28th June 1984

Ref. No. 84[Nov.83]R.II.—Whereas, I, MRS. PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-lax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/bearing No. 15, situated at Gangadhar Babu Lane, Greenways Road (Doc. No. 1436[83]) situated at Greenways Road (undivided share of land) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Mylapore on Nov. 1983. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid acceds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act; or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Priya Enterprises—represented by Mrs. Prasanna Madhavan, Mr. Gopal Madhavan, Mr. Prakash Madhavan, Mr. Sanjay Madhavan, Mrs. Ramani Madhavan.

(Transferor)

 Rohan Verma, Rohit Verma,
 D. 7, Jeevan Jyoti: Sefalward, Bombay-36.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land in Greenways Road, 995 sq. ft. (Doc. No. 1436|83).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acuisition Range-II (i|c)
Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 28-6-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 28th June 1984

Ref. No. 158|Nov.83|R.II.—Whereas, I, MRS. PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 11, Krishna Iyer St., Nungambakkam, Madras-34. situated at Madras-34 (Doc. No. 3806|83). (and more fully described in the Schedule annexed nereto, has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras J.S.R.II on Novemoer 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tag Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (I) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Mr. R. P. Jamal Australia, Rep. by Agent, Mr. E. R. Narasimhan, 18, Second Cross Road, Raja Annamalaipuram,

(Transferor)

() Smt. Saroja, 18, Second Cross Road, Raja Annamalaipuram, Madras-28.

(Transferee)

(2) Bikrama Singh

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given is that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land and building .- No. 11, Krishna Iyer St., Nungambakkam, Madras-600 34.

> MRS. PREMA MALINI VASAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Madras-600 006.

Date: 28-6-84

Soal:

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 28th June 1984

Ref. No. 157|Nov.83|R.II.—Whereas, I, MRS. PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Actfi 1961 (3 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing

and bearing
T. S. No. 3|1, 83|2, South Madras R.O., Kodambakkam—
Saidapet Taluk, (Doc. No. 4134|43) situated at South

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Madras North J.S.R.I on Nov., 1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apprent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been duly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assess which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act, to the following aforesaid property by the issue of this notice under subpersons, namely:—

 B. Madavraj Meetha, J. S. Ugaraj Mootha, B. Mahaveerchand Mootha, 555, Bengal Bazar Road, Madras-16.

(Transferor)

(2) P. Asamatha Bafna 19, Veekatarajan St., Madras-2. Prakashmul Bafna, Madhu Bafna, Mahaveerchand Bafna, 19, Venkatarajan St., Madras-3. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land South Madras R. O. Kodambakkam, Salem Dist, Saidapet Tk., Agricultural land —T.S. No. 3|1, 83|2, (Doc. No. 3131, 4132, 4133, & 4134|83).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Madras-600 006.

Dato: 28-6-84

(1) Suit. Necla Sectraman, 11 Nathamuni Reddy St., Naduvakarai, Madras-40.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri S. S. Jacob, 36, Palfour Road, Kellys, Madras-10.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-J, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 25th June 1984

Ref. No. 17|Nov.|83.—Whereas I, PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.
3247 Anna Nagar, Madras situated at Naduvakkarai Village.
Anna Nagar, Madras

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Anna Nagar, Madras (Doc. No. 3882|83) on November,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) h. any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land & building at plot No 3247, Naduvakkarai Village. Anna Nagar, Madras-40. (Doc. No. 3882/83).

> PREMA MALINI VASAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 25-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 23rd June 1984

Ref. No. 30, Nov [83.--Whereas ], PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-ard bearing No.

2 Adi Naidu Street situated at Villizakkam, Madras-49 tand more fully described in the Schedule annexed herotol, has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Anna Nagar (Doc. No. 3680|83) on November, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than these per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the certies has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any lacome arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 26°D of the said Act, to the following persons, namely:—63—176 GI[84]

(1) M.S. C. V. & Company (P) Ltd., No. 9, Adi Naidu St., Villivakkam, Madras-49.

(Transferor)

(2) Shri V. Neelakanda & others, 180, 2 Gnanambal Garden St., Ayanayaram, Madras-23.

(Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be under in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this note: in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovolde property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land & Building at 9 Adi Naidu St., Villivakkam, Madras-49, (Doc. No. 3680|83).

PREMA MALINI VASAN Competent Authority Inspecting Asst. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date: 23-6-1984

#### FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### Smt. B. Sanjeevamma, No. 23, Nadamuni Street, Shenoy Nagar, Madras-30.

(Transferor)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-L MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 231d June 1984

Ref. No. 21|Nev |83.—Whereas I, PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing

Plot No. 3467 situated at Mullam Village, Anna Nagar, Madras

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Anna Nagar (Doc, No. 3706|83, 3707|23) in November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforsaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not ben truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afcresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) Shri P. Narayana Menon, Slo Shri Padmanubha Menon, AC[148, (Block No. 44), Shanti Colony, Anna Nagar, Madras-40.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice is the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Vacant Land at Plot No. 3467, Anna Nagar, Madras-40. (Doc. No. 3706|83, & 3707|83).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date: 23-6-1984

1983

### FORM ITNS

 Shri R. Kosalrampandian, 39 III street, Abiramapurum, Madras-28.

(Transferor)

(2) Shri N. Halasubramanian, 214, B Pillayar Koil Street, Mannur, Madras-50.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 28th June 1984

Ref. No. 25 Nov. 83.—Whereas 1, PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing land in Padi Village situated at Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Anna Nagar, Madras (Doc. No. 3773 83) in November,

for an apparent consideration and which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the sphilication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same racaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Vacant Land at Padi Village, Madras. (Doc No. 3773[83).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date: 28-6-1984

and a second sec

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri S. Jaffer, 11|6 Hayes Road, Richman Town, Bangalore-5.

(Fransletor)

(2) Shei B. Melandas, 176 N. S. C. Bose Read, Madras-1.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS 690 006

Madras-600 006, the 30th June 1984

Re', No. 15 Nov. 83.—Whereas 1, DPT MA MALINE VASAN,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to 8 the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

778, Peonomalee High Road situated at Madras

and more fully described in the schedule annexted-hereto). Lus been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office

of the Registering Officer at Periamet, Madias (Doc. No. 1253|83) in November, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than bifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax. Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax. Act. 1957 (27 of 1957);

Objection if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
  - (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EAPLANATION::-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

A Flat at 778 Poonsmalee High Read, Mudras-1. (Doc. No. 1253|83).

PRIMA MALINI VASAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-fra Acquisition Range-I, Madras-609 006

Now, therefore is pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the storesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date : 30 6-1984

### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE I, MADKAS 600 036

Madras-600 006, the 30th June 1934

Rel. No. 31;Nov. 83.—Whereas 1, PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000|- and bearing No.

18, Vaikunta Vathiyar Street situated at Sowcarper, Madzas 70

(and morefully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registring Officer

at J.S.R.I. Madras North (Sowcarpet) (Doc. No. 3593,83) in November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the onsideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferand/or
- (b) facilitating me concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shii S. Jayakumar & another, 18, Vaikunta Vathiyar Street, Sowearpet, Madras-79.

(Transferor)

(2) Soit, S. Susheela Devi, 22 I sulappan Street, Sowcarpet, Madras-79.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FAPLANATION :--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Street house at No. 18, Vaikunta Vathiyar Street, Sowcarpct. Madias 79. (Doc. No. 3593/83).

> PREMA MALINI VASAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Runge-I, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 50-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(I) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### Shri C, V. Mallikeswaran & 3 others, 71 Ramasamy Street, Mannady, Madras-1.

(Transferor)

(2) Shri A. M. V. Adaikalam & 2 others, No. 9, Amman Koil Street, Madras-1.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-L MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 30th June 1984

Ref. No. 33<sub>1</sub>Nov.,83.—Whereas I, PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000; and bearing No.

54 Broad way Madras-1 situated at Madras-1

tand more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at

Madras North (Doc. No. 3682/83) in November, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are doned in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

### THE SCHEDULE

Land Building at No. 54, Broadway, Madros-1. (Doc. No. 3682[83].

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madias 600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of his notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 30-6-1984

FORM !TNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGUAL, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 30th June 1984

Ref. No. 34]Nov.[83.—Whereas I. PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing No. 64, Ramasamy Street situated at George Town, Madras-1 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras North (One. No. 320183) in November 1983.

Madras North (Doc. No. 3820[83) in November, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than uffeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Snit, J. Mecra Bai, No. 97 Kalava Chetty Street, Madras.

Smt. Suseella Palani.
 No. 42. Adivavaran Street,
 Thirukazhukundram.
 Chingleput Distt.
 Smt. Lakshmi Loganathan & others,
 No. 100 Linghi Chetty Street,
 Madras-1.

(Transferor)

(2) Shri M. Akbar Ali & Others, No. 42, Anderson Street, Madras 1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Street how, at No. 64, Ramasaniy Street Madius-1, (Doc. No. 3820]83).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
List iting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1, Madras-600 006

Date: 30-6-1984

### FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGES, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 30th June 1984

Ref. No. 35 Nov. 83. - Whereas I, PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000; and bearing Ne.

16, Srinivasa Iyer Street situated at Madras-I

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Madras North J.S.R I. (Doc. No. 3823/83) in November 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of : --

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- th) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the garposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) on the said Act, or the Wealth-tax Act, 1927 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the requisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shir L. Hemraj, Sjo Shir C. Fakshmichand, 220, Animan Koil Street, Ocorge Town, Madras,

(Teensferor)

(2) Shri Kamaraj Social Weltare Trust, 198 Govindappan Naieken Street, Madras-1.

(Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 40 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Otheis) Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XNA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

### THE SCHEDULE

Street house at No. 16, Srinivasa Iyer Screet, Madras-1, (Due, No. 3825;83).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date: 30-6-1984

(1) Smt. Mythili, 9, Pallappan Street, Madras-5.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. M. Sulochana, Wlo Shri W. Mohanraj, 12 Coats Road, T. Nagar, Madras-17

(Transferor)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I. MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 30th June 1984

Ref. No. 38 Nov. 83 .-- Whereas 1, PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs .25,000|- and bearing No. 106 Koyambedu Village situated at Madras

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Madras North J.S.R.I. (Doc. No. 3880[83] on November.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :-

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

Agricultural Land at No. 106 Koyambedn Village, Madras. (Doc. No. 3880 83.)

> PREMA MALINI VASAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date : 30-6-1984

Seal:

64---176GT/84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(1) Smt. T. M., Jagathambal, 32 Malayappan Street, Madras-1.

(Transferor)

(2) M|s. L. M. A. Mohideen & Shri S. H. Syed, 8, Armenian Street, Madras-1.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONLY OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 30th June 1984

Ref. No. 39[Nov.[83.—Whereas I, PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000[- and bearing 32, Malayappan Street situated at Madras-1 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at J.S.R. II Madras (North) (Doc. No. 3605[83) on November

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

tacilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

Street House at No. 32 Malappan Street, Madras-1 (Doc. No. 3605|83).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Asset. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (I) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely the said Act, to the following persons, namely the said Act, to the said Act, to the following persons, namely the said Act, to the said Act, to the following persons, namely the said Act, to the following persons, namely the said Act, to the following persons, namely the said Act, to the said A

Date: 30-6-1984

Scal

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### Smt. Gnanambal & another, 227 Linghi Chetty Street, Madras-1.

(2) Shri K. P. Rajamanickam, 87, Linghi Chetty Street, Madras-1. (Transferor)

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 30th June 1984

Ref. No. 42|Nov.|83.--Whereas I, PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No.

87, Linghi Chetty Street situated at Madras-1 JSR K Madras North (Sowcarpet) (Doc. No. 3687 83) on (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR I Madras North. (Sowcarpet Doc. No. 3687 83) on November 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immer able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House Street at No. 87, Linghi Chetty Street, Madras-1. (Doc. No. 3687|83).

PREMA MALINI VASAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date: 30-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600006,

Madras 600006, the 26th June 1984

Ref. No. 47|Nov|83.—Whereas, 1, PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000; and bearing No.

No. — situated at Alagapuram village (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Salem I (Doc. No. 2458 83) on November 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Dr. G. Sudamani, 40 Kabilar Theru , Shevapet, Salem.

(Transferor)

(2) Shri K. Venkatesan So Sri Krishnaswamy Gounder, 234, 3rd Cross St., Fairlands Brindavan Road, Alagapuram, Salem.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land building at Alagapuram village, Salem—(Doc. No. 2458|83).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Madras-600006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 26-6-1984

Post;

(1) Shri M. Padmaraja Sio Sri Muthu Reddiar, Mohanur Road, Namakkal,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### (2) Smt. V. Sasirega Wo Sri S. Venkatraman, 58 Sengazhancer Pillaiyar Koil Theru, Namakkal. Smt. B. Jayanthi Wo Sri S. Balasubramaniam, 47 Kanthu Muthuswamy Chetti Street, Namakkal, Salem.

(Transferce)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600006

Madras, the 26th June 1984

Ref. No. 69|Nov|83.—Whereas, I,
PREMA MALINI VASAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. situated at Mohapur Road, Gandhi Nagar, Namakkal (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Namakkal (Doc. No. 909|83) on November 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--
  - (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
  - (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FAPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ar
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

Land and building 34 E. Mohanur Road, Gandhinagar Namakkal—(Doc. No. 909]83).

> PREMA MALINI VASAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I. Madras-600006

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 26-6-1984

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600006,

Madras-600006, the 26th June 1984

Ref. No. 88 Nov 83.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000 and bearing No.—situated at Idankanasalai (Punja land) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Magudunchavadi (Doc. Nos. 1436, 1437 and 1438 83) can November 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than after a per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Ekambara Mudaliar Shri E. Mani, Kadaiyampettaf, Idankanasalai, Magudanchavadi, Salem Dt.

(Transferor)

(2) Shri Muthuswamy Chettiar, Shri M. Mundararajan, Smt. M. Anmani Ammal, Kadayampatti, Edaganasalai Post, Salem Dt.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein a are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Punja land at Idankanasalai (Doc. Nos. 1436, 1437 and 1438[83)).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Mdras-600006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 26-6-1984

### FORM ITNS (

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I,

MADRAS-600006.

Madras-600006, the 26th June 1984

Ref. No. 90|Nov|83.-Whereas, I, PREMA MALÍNI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.0001- and bearing No. - situated at Periamanil Village, Trichengode Tk. Salem (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Velagoundanpatti (Doc. No. 869|83) on November, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Rasayammal and others W|o Sri Sellappa Gounder, Palakadu, Kunjampalayam, Periyamanli Village, Trichengode, Salem.

(Transferor)

(2) Shri P. Kolandaivelu, Slo Sri Palanippa Gounder, Periyamanli Village. Kunjampalayam, Trichengode, Salem.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Punja land at Periyamanali Village, Trichengoda Tk-(Doc. No. 869|83).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Mdras-600006

Date: 26-6-1984

Seal ;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-1, MADRAS

Madras, the 27th June 1984

Ref. No. 133|Nov|83.—Whereas. I, PREMA MALINI VASAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000 - and bearing No.

Punajai land and buildings situated at Solur Village, Ambur, Vellore, N. A. Dist.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registration (Office of the Registration (Offic

of the Registering Officer at Madras North J.S.R.I. (Doc. No. 3608|83) on Nov. 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the porties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 M|s. Asia Finished Leather (Garment and Shoe) Pvt. Ltd., 12 Rama Street, Periamet, Madras-3.

(Transferor)

(2) Mis. Florind Shoes Limited, 26 Vepery High Road, Madras-3.

(Transferer)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Punjai Lands at Solur Village, Ambur N.A. Dt.—(Doc. No. 3608[83).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Mdras-600006

Date: 27-6-1984

Sent :

CONTRACTOR LA CALLEGA UNA LA CARRONNA A

#### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMP. TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri K. P. K. Bheer Mohammed So Shri Khadar Pitchai Rowther, 7 56 Mudaliar Puram, Kodaikanal Town, Kodaikanal.

(Transferor)

 Bright Azariah Fducational Trust, Kothagiri, Neelagiri Dt.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-1, MADRAS-600006,

Madras-600006, the 26th June 1984

Ref. No. 138|Nov|83.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Vill Patti Village, situated at Kodaikanal T.K.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Ast, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Koduikanal (Doc. No. 541 & 542|83) on November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the ebject of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1924 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—65—176GI|84

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the serice of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Punjal Land at Villpatti Village, Kodaikanal T.K.—(Doc. No. 541 and 542|83).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1,
Mdras-600006

Date: 27-6-1984

#### MOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1, MADRAS-600006,

Madras-600006, the 26th June 1984

Ref. No. 142[Nov]83.—Whereas, 1, PREMA MALINI VASAN. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-able property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. 6th Ward, Agasthiar Kheezh Theru situated at Ambasamudrum (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfer.ed under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ambasamudram (Doc. No. 1657|83) on November, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby inlitate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

(1) Shri A. Sankaranarayanan, Sjo Shri Arunachala Mudaliar, Agasthiar Street, Ambasamudram,

(Transferor)

(2) Shri S. Sedhu Ramalingam Pillai, Sjo Shri Sankarapandiya Pillai, Melapalayam South Car Street, Ambasamudram.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aferesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said imderable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chanter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land at building at 6th Vard Agasthiar Keez Theru, Ambasamudam—(Doc. No. 1657/83).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I.
Mdras-600006

Date: 26-6-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-L MADRAS-600006,

Madras-600006, the 27th June 1984

Ref. No. 145|Nov|83.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing Meelavittan Village situated at Tuticorin (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is rgistered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Registering Officer at Tuticorin Malur (Doc. No. 737|83) on November 1983 Tuticorin Malur (Doc. No. 737|83) on November 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-lection (1) of Section 269D of the said Act, to the following  Shri S. P. M. Piramanayagam Pillai, So Shri S. P. Muthusamy Pillai, 213—West G. C. Road, Tuticorin.

(Transferor)

(2) Tuticorin SPIC Industries, Corporation Employees Co-operative House Society Ltd., TNVHSG-6 By its Secretary, Shri P. Ponraj Samuel, So Shri Periya Nayagam Nadar, C 137 SPIC, Tutlcorin.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the Publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Vacant Site at Meelavittan Village, Tuticorin—(Doc. No.

PREMA MALINI VASAN Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I. Mdras-600006

Date: 26-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

### ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600006,

Madras-600006, the 5th July 1984

Ref. No. 147|Nov|83.—Whereas, I, PRFMA MALINI VASAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

Melarajakularaman village, situated at Rajapalayam (and more fully described in the Schedule annexted hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Keelarajakularaman (Doc. No. 973|83) in November, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Periya Krishansami Naicker & others, S|o Shri B. Murthi Ellappa Naicker, Kalangaperi Pudur, Arisiarpatti Village, Rajapalayam.

(Transferor)

(2) Shti R. Beemaraja,
Managing Partner,
JJayalakshmi Cotton Mills Ltd.
Rajapalayam, (via)
R. Reddlapatty—626136.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land, and building at Melarajakularaman Village, Raja-palayam—(Doc. No. 973|83).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Mdras-60006

Date: 5-7-1984

Scal:

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600006,

Madras-600006, the 26th June 1984

Ref No. 156|Nov|83.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. — situated at Thiyagi Subramanian Sastri Theru, Arni, N.A. Dist.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Arni (Doc. No. 3340|83) on November, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the propetry as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has been truly stated in the said infrument of transfer with the object of :—

 (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of thi snotice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri A. Loganatha Udayar Slo Sri Ayya Udayar,
 Sundaramudali Theru, Arni,

(Transferor)

(2) Snat. Muniyammal Wlo Sri A. Subramanian, 15 Thenna Maratheru, Arni. Smt. M. Vitta Bai Wlo Sri A. Mannu Udayar, 21 Chinna Sayakara Theru, Arni.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and building at Thiagi Subramania Sastri Theru, Arni—(Doc. 3340|83).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-7,
Mdras-600006

Date: 26-6-1984

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600006,

Madras-600006, the 23rd June 1984

Ref. No. 163|Nov|83.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAIN,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. — situated at 336 Annanagar, Sathamangalam, Madurai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registrering Officer at

Tallakulam (Doc. No. 5028|83) on November, 1983 for an apparent consideration which is less than the fulr

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth fax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in purmance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act to the following persons, namely:—

 Mr, G. P. Christian
 Mr. R. T. Christian,
 A Right Flank Line, Poona, Bombay.

(Transferor)

(2) Mrs. Josephine Febr Wlo Sri Xavier Balasundaran, 185 Al7 Pitchai Pillai Colony, Theni Road, Madural.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) hy any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Vacant Land at 336 Annanagur, Sathamangalam, Madurai (Doc. No. 5028 83).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Mdras-600006

Date: 23-6-1984

#### FORM ITNS ----

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600006,

Madras-600006, the 23rd June 1984

Ref. No. 170|Nov|83.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tex Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable and the immovable of the immova property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]and bearing No. 23Temple Street, Madras-10 situated at Alagappa Nagar, Madras-10 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 order the Registation Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Permet (Doc. No. 1206/83) in November, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such treatment as agreed to between the the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Sri P. Krishnasamy, 23 Temple Street, Alagappa Nagar, Madras-10.

(Transferee

(2) Smt. Neela Narasimhan, B-25 Anna Nagar, Madras-40.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned -

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pub-lication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and Building at 23, Temple Street, Madras-10-(Doc. No. 1206|83).

> PREMA MALINI VASAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Mdras-600006

Date: 23-6-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(2) Sri S. A. Rahman Magsood, 16-3-234, Chenchalguda, Hyderahad.

1-8-322, Gegumpet Secundrabad.

(1) Sri Masood Ali Khan,

(Transferce)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

> (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

> (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used hereif. are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### OFFICE OF THE INSPFCTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (Ap.)

Hyderabad (A.P.), the 30th June 1984

RAC. No. 305|84-85.—Whereas, I. M. JEGAN MOHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- bearing No. Flat situated at Saidabad Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on November, 1983, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than tifteen per cent of such apparent considerations and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instru-ment of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); THE SCHEDULE

Flat bearing No. 16-1-24|E|16, in Farah Estate, Saldabad, Hyderabad admeasuring 430 aft., registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 6065 83.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C of the said Act, 1 hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 30-6-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 4961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HLDERABAD (AP.)

Hyderabad (A.P.), the 30th June 1984

RAC. No. 306|84-85,--Whereas, I, M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Flat situated at Saidabad Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hercto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at Hyderabad on November, 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concesiment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

66—176G|84

(1) Sri Masood Ali Khan, 1-8-322, Gegumpet Secundrabad.

(Transferor)

(2) Smt. Ismatunnisa Begum, 16-4-236, Chenchalguda, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any to the acquistion of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 16-1-24|E|21, Saidabad, Hyderabad admeasuring 360 sft., registered by the S.R.O. Hyderabad vide document No. 5798[83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Date: 30-6-1984.

Scal;

(1) Sri Masood Ali Khan, 1-8-322, Gegumpet, Secundrabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Smt. Shaikh Abdul Hadi., Rlo Ml 27, Osmania University, Hyderabad.

(Transferec)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HLDERABAD (AP.)

Hyderabad (A.P.), the 30th June 1984

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

RAC. No. 307|84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Re. 25,000/and bearing

No. Flat situated at Saidabad Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Hyderabad on November, 1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Expressions:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

#### THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

H. No. 16.7-24|E|20, Saidabad, Hyderabad admeasuring 430 sft., registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 5644|83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Asst. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by he issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, mannely:—

Date: 30-6-1984

 Saradaw constructions Pvt., Ltd., H. No. 3-6-200, Himayathnagar, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

 Sri Kou Chien Liu, 3-6-276|277. University Road, Himayathnagar, Hyderabad-500 029.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (AP.)

Hyderabad (A.P.), the 30th June 1984

RAC. No. 308|84-85,—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. Flat situated at Saidabad Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexted hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on November, 1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the granefer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the name of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this actice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE .

Flats admeasuring 1290 sft., registered by the S.R.O., Hyderabad vide document Nos. 5947/83 and 5948/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Date: 30-6-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 30th June 1984

RAC. No. 309[84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

No. Flat situated at Hyderabad

transfer with the object of :-

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)

hus been transferred

as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Hyderabad on November, 1983, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the appaired consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

(1) Sri M. S. Chandraiah, 1-1-593, Gandhinagar Hyderabad.

(Transferor)

(2) Mrs. K. Indira, Wlo. K. Rammohan Rao, 1-4-1011, Bakaram, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 8 in 1st floor of Tirumala Towers, Golconda X Roads, Hyderabad admeasuring 1160 sft., registered by the S.R.O., Chikkadpally vide document No. 785 83.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority
> Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 30-6-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE HYDERABAD A.P.)

Hyderabad, the 4th July 1984

Ref. No. RAC No. 310|84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Garrage situated at Domalguda, Hyderabad,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Hyderabad on Nov., 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

- (1) Svi J. Prabbakar Rao and Others, Hyderabad.
  (Transferor)
- (2) Smt. D. Lakshmamma, 1-2-282 and 282 A, Domalguda, Hyderabad.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the understgated:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the sate of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Garrage in J. B. Cooled Apartments, Domaiguda, Hyd., registered by the S.R.O. Hyderabad vide document No. 5926 83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Aculsition Range
Hyderabad (A.P.)

Date: 4-7-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

# ACQUISITION RANGE HYDERABAD A.P.)

Hyderabad, the 4th July 1984

RAC No. 311|84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

long the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Flat situated at Domalguda,

at Hyderabad in Nov., 1983 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

of 1908) in the office of the Registering officer at Hyderabad in Nov., 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than inficen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Sri J. Prabhakar Rao and Others, Hyderabad.
(Transferor)

(2) Smt. Sakuntala Gupta, Wo Raj Bhihari Gupta, D. No. 1-2-282 and 282A, Domalguda, Hyderabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this nouce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or

Flat No. 202, in J. B. Air Cooled Apartments, situated at Domalguda, Hyderabad admeasuring 900 sft., registered by S.R.O., Hyderabad vide document No. 5932|83.

(b) faciliating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Aculation Range
Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 4-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD A.P.)

Hyderabad, the 4th July 1984

RAC. No. 312|84-85.-Whereas, I, M. JEGAN MOĤAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing
No. Flat situated at Domalguda Hyd.,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registeration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Hyderabad in Nov., 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) Sri J. Prabhakar Rao and Others, Hyderabad.
- (Transferor) (2) Mrs. Padma Bai. Flat No. 403 in J.B. Air Cooled Apartments, 1-2-282 and 282A, Domalguda, Hyd. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 403 in J.B. Air Cooled Apartments, Domalguda, Hyderabad admeasuring 900 sft., registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 5982|83.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of the Income-tax Acquisition Range Hyderabad (A.P.)

Date: 4-7-1984

#### FORM ITNS-----

(1) Sri J. Prabhakar Rao and Others, Hyderabad.
(Transferor

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Deenanath Moshi, 1-2-282 and 282-A, Flat No. 404, Domalguda, Hyderabad.

#### (Transferee)

#### \* GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

### ACQUISITION RANGE HYDERABAD A.P.)

Hyderabad, the 4th July 1984

RAC. No. 313|84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. Flat situated at Domalguda Hyd., (and morefully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on Nov., 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 404 in J.B. Air Cooled Apartments, Domalguda, Hyderabad admeasuring 900 sft., registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 5929 83

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acuisition Range
Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 4-7-1984

(1) Sri J. Prabhakar Rao and Others, Hyderabad.

(Transferor)

1-2-282 and 282-A (2) Smt. Hasmatunnisa Shameem, Flat No. 401-A. Domalguda, Hyderabad.

(Transferee)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE HYDERABAD A.P.)

Hyderabad, the 4th July 1984

RAC. No. 314 84-85.—Whereas, I,
M. JEGAN MOHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No.

Flat situated at Domalguda Hyd.,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in Nov., 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 cays from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

PEXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat. No. 401-A in J. B. Air Cooled Apartments, Domalguda, Hyderabad admeasuring 900 sft., registered by the S.R.O. Hyderabad vide document No. 5930|83.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Kange Hyderabad (A.P)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons, namely :---

67-176 GI|84

Date: 4-7-1984

- (1) Sri J. Prabhakar Rao and Others, Hyderabad. (Transferor)
- (2) Sri Jamthe U. Pai and M. U. Pai. 6-3-354|7, Punjagutta, Hyderabad.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE JNCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE HYDERABAD A.P.)

Hyderabad, the 4th July 1984

RAC. No. 315|84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. Flat situated at Domalguda Hyd., (and more fully described in the Schedule annexed hereto), have been transferred under the Registration Act. 1908. (16

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chikkad Pally in November, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferous pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 4019 in 3rd floor of Tirumala Apartments, Hyderabad admeasuring 1500 sft., registered by the S.R.O., Chakkadpally vide document No. 84 83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acuisition Range
Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 4-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 4th July 1984

RAC. No. 316 84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

able property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

No. Flat situated at Bashirbagh Hyderabad,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Chikkadpally in November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M|s. Progressive Builders, 3-6-309, Basheerabagh, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Dr. K. Abrabam and others, 6|13 Brodipet,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 24 in 3-6-309, Basheerbagh, Hyderabad admeasuring 1384 s.ft. registered by the S.R.O., Chikkadpally vide document No. 766|83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acuisition Range
Hyderabad (A.P.)

Date: 4-7-1984

(1) Sri P. S. Reddy, 5-8-42, Nampally, Hyderabad.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri N. Satyasubramanyam, 1-5-6|1, Ramkota, Hyderabad. (Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE

HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 4th July 1984

RAC No. 317/84-85.—Whereas, I,

M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

No. Flat situated at Nampally, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on November 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in-writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. C-303|45 in Fathesultan Lane, Nampally, Hyderabad admeasuring 1020 sft. registered by the S.R.O. Hyderabad vide document No. 5837 83.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of the Income-'ax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 4-7-1984

#### FORM LT.N.S .-

# NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

### (1) Smt: S. W. Sultanmunoorunnisa Begum, 4-1-938|22|13, Tilak Road, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Syed Shabir Ali, 5-5-709, Goshamabal, Hyderabad, A.P.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE

HYDERABAD (A.P.) Hyderabad, the 4th July 1984

RAC. No. 318/84-85.—Whereas, I M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000; and bearing No. Flat situated at Tilak Road, Hyderabad,

Flat situated at Tilak Road, Hyderabad, (and more fully described in the scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on November 1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the propert yas aforesaid exceeds the apparent consideration thereof by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sadi Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating: the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee fet the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

Flat No. 4-1-938|22|13 at Tilak Road, Hyderabad admeasuring 780 sft. registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 5722|83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 4-7-1984

#### NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

#### ACQUISITION RANGE

#### HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 4th July 1984

RAC. No. 319[84-85.—Whereas, I M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Setion 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-No. Flat situated at Hyderabad.

No. Flat situated at Hyderabad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Chikkadpally in November 1983, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Zamal Khatoon, GPA M/s B.C.C.P.L. Banjara Hills, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri A. C. Nageswar Rao, Flat No. 405 in IVth floor of 3-6-782, Himayathnagar, Hyderabad (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 405 in M. No. 3-6-782, admeasuring 760 sft., registered by the S.R.O., Chikkadpally, vide document No. 762

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 4-7-1984

(1) Sri A. Shashikanth & Others, 5-5-914, Kutbiguda, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M|s Jayanthi Paper Products, 4-4-8842, Prembagh, Hyderabad.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE

HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 4th July 1984

RAC. No. 320|84-85.—Whereas I,

M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

House situated at Kutbiguda, Hyderabad,

(and more fully described in the Schedule agnexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Hyderabad on November 1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any inocme arising from the transfer and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which it. not been or which ought to be disclosed by it transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House situated at Kutbiguda, Hyderabad registered by the SRO, Hyderabad vide document No. 5768 83.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:

Date: 4-7-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

(1) St. Joseph Education Society.

guda, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri G. Veera Malla Reddy 16-10-174 1, Old Malakpet, Hyderabad.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE

HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 4th July 1984

RAC. No. 321/84-85.--Whereas, I M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heroinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, baving a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. Land & Building situated at Himayathnagar, Hyderabad (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad in November 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in swriting to the undersigned :-

Rep. by Sri V. Gregary Reddy, Secretary, Domal-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and Building situated at 3-5-906 1. Himayathnagar, Hyderabad registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 5572 83.

> M. JAGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hydernbad (A.F.)

Date: 4-7-1984

(1) Sri V. Srlrama Subbaiah Guntakal.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sii K. Naravanappa and Others. II. No. 18/137-55, Guntakal.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 4th July 1984

RAC. No. 322|84-85.—Whereas 1,
M. JEGAN MOHAN
being the Competent Authority under Section 269B of the
fncome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing

No. House situated at Guntakal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Guntakal in November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or:

(b) facilitating the concealment of any income or any meneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

68-176 GI\84

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

#### THE SCHEDULE

House property bearing No. 18/137-55 at Guntakal Municipal Area registered by the S.R.O., Guntakal vide document No. 1821 83.

> M. JAGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 4-7-1984

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE

#### HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 4th July 1984

RAC. No. 323|84-85.—Whereas I, M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Flat situated at Bashcerbagh, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chikl adapatly in November 1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1972) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

- (1) Progressive Builders, 3-6-309, Bashcorbagh, Hyderabad.
- (Transferor) (2) Kum. M. Radha d'o M. N. Rao, Kapugalli, Kodad Tq.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 14 in 1st floor of 3-6-309, Basheerbagh, Hyderabad admeasuring 1384 sft., registered by the S.R.O., Chikkad-pally vide document No. 776|83.

> M. JAGAN MOHAN Competent Authority
> Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 4-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

### (1) Smt. J. Geeta, 10-3-63, East Marredpally, Secunderabad.

(Transferor)

(2) Smt. N. Seethamahalaxmi, 10-1-492, East Marredpally, Secunderabad.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

# ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 4th July 1984

RAC. No. 324 84-85.--Whereas, I

M. JEGAN MOHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000, and bearing

No. Flat situated at West Marredpally, Secunderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Marredpally in November 1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe, that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 10-1-488 in West Marredpally, Secunderabad admeasuring 650 sft., registered by the S.R.O., Marredpally vide document No. 2018/83.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.F.)

Date: 4-7-1984

Scal:

#### FORM No. I.T.N.S.---

# NOTICE UNDER SECTION 269D(I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

# ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 4th July 1984

RAC. No. 325|84-85.—Whereas, I M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961 (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing No.

Flat situated at Himayathnagar, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1903 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chikkadpally in November 1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of marsfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor, and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Zainab Khatoon, wo Mr. Ifthekar Mohdi Khan. GPA TO Sti Ali Khwaja, M.D., of Banjara Construction Co., (P) Ltd., Banjara Hills, Road No. 12, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Mr. Prithviraj Bedi, Vijaya Bank, 1-2-412|4, Gaganmahal Road, Hyderabad. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 305 in 3-6-782, Himayathnagar, Hyderabad admeasuring 670 sft. registered by the SRO., Chikkadpally vide document No. 761|83.

M. JAGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 4-7-1984

Senl:

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# 1E 1AX AC1, 1961 (45 OF 1961)

# Smt. N. Madhulika, Wo Sri N. Y. Anand Reddy H. No. 10, Montieth Road, Egmore, Madras.

(Transferor)

 Sri D. M. Harinath, H. No. 1-1-192|A|1, Chikkadpally, Hyderabad.

(Transferee)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

GOVERNMENT OF INDIA

# ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 6th July 1984

RAC .No. 326|84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 2500|- and bearing

No. House situated at Ashoknagar, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Hyderabad in Nov. 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

House No. 1-1380/30/2. Gaganmahal, Hyderabad registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 5585/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, threfore, is pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 6-7-1984

#### HORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 6th July 1984

RAC No. 327/84-85.—Whereas, I. M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 25,000|- and bearing
No. House situated at Bagh Amberpet, Hyderabad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering officer at
at Chikkadpally in Nov. 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Sri Ch. Scahagiri,
 So Veerabhadrayya
 2-2-647/98, Bagh Amberpet,
 Hyderabad.

(2) Kum. V. Pavani, D|o V. Manmohan Reddy, 3-4-140, Hyderabad. (Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

House No. 2-2-647 98, Bagh Amberpet, Hyderabad registered by the S.R.O., Chikkadpally vide document No. 783 83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 6-7-1984

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

 Dr. Prasanna Chandra Shrimal, through his GPA
 Sri Sitab Chand Srimal
 3-1-336, Isamia Bazar
 Hyderabad

(Transferor)

(2) Shri Shyam lumani, R|o 5-9-30|1|17, Basheerbagh, Hyderabad.

(Transferee)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 6th July 1984

RAC No. 328|84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000—and bearing

No. House situated at Bagh Amberpet, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer

at Hyderabad in Nov. 83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the oncealment of any income or any moneys or othe assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

House No. 2-2-3|B|3 at Bagh Amberpet, Hyderabad registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 5775|83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afortsaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date : 6-7-1984

NOTICE UNDER SECTIOIN 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad .the 30th June 1984

RAC No. 279|84-85.-Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000, and bearing

No. Shop situated at Putlibowli, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

of Registering Officer at Hyderabad in Nov. 83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely(1) M|s .Bhagyanagar Construction (P) Ltd., Tobacco Bazar, Hyderabad.

(2) Sri B. Chandra Sckhai and Other, H. No. 89, Road No. 3, West Marredpally, Secunderabad.

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Shop. No. 102 in 1st floor of Pushpanjali Commercial Complex Putlibowli, Hyderabad admeasuring 114 Sft., registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 5576[83.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 30-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad the 30th June 1984

RAC No. 278|84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing

Shop situated at Putlibowli, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Hyderabad in Nov. 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the ebject of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moment or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the large of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Mls. Bhagyanagar Constructions, (P) Ltd., Tobacco Bazar, Uyderabad.

(Transferor)

(2) Sri G. Prabhakar Rao and Other, 1-10-130, Ashoknagar, \* Hyderabad.

(Transferee

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoves able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Shop No. 39 in Pushpanjali Commercial Complex, Putlibowli, Hyd'bad admeasuring 133 S.ft., registered by the S.R.O. Hyderabad vide document No. 6061|83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 30-6-1984

Seal:

69-176 GI|84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad ,the 30th June 1984

RAC. No. 277|84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing

No. Flat situated at Nampally, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Hyderabad in Nov. 83

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-acction (1) of Section 269D of the said Act, to the following persona, namely:

 Mis. Nandanam Construction Co., 5-8-42, Fathesultan Lane, Nampally, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. M. S. G. Bhavani, Wo M. Shivaji, 5-8-42, Fathesultan Lane, Hyderabad.

(Transferce

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetts.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein at are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. G-5 in 5-8-42, Nandanam Apartment, Fathesultan Lane, Nampally, Hyderabad admeasuring 200 sft., registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 5839|83.

M. IEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 30-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad ,the 30th June 1984

RAC. No. 275|84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000-land bearing No.

Flat situated at Nampally, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

of Registering Officer at Hyderabad in Nov. 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- M|s Nandanam Construction Co., 5-8-42, Fathesultan Lane, Nampally, Hyderabad.
- (2) Smt. M. S. G. Bhavani, Wo M. Shivaji, B-103, . Fathesultan Lane, Nampally, Hyderabad.

(Transferce)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. C-401|49 in 5-8-42, Fathesultan Lane, Nampally, Hyderabad admeasuring 1200 sft., registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 5836|83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 30-6-1984

# FORM TINS -

NGTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

# (1) M/s. Nandanam Construction Co., Fathesultan Lane, Nampally, Hyderabad.

(2) Smt. Gul Shakar, Wjo !;Mr. Anwar Ali, 5-4-682, Kattalmandi, Hyderabad. (Transferor)

(Transferce)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad ,the 30th June 1984

RAC No. 276|84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the unmovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. Flat situated at Nampally, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on Nov. 83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

# THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. C-705|A|71 in 7th floor of 5-8-42, Nandanam Apartment, Fathesultan Lane, Hyderabad admeasuring 650 sft., registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 5835|83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 30-6-1

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (1) M s. Nandanam Construction Co. 5-8-42, Fathesultan Lane, Nampally, Hyderabad.

(Transferor)

 Smt. R. C. Leelavathi Wo R. C. Vijayakumar, 5-8-42, Nampaily, Hyderabad.

(Transferce)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE, HŶDERABAD (A. P.)

Hyderabad ,the 30th June 1984

RAC. No. 274]84-85.—Whereas. I. M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act' have reason to believe that the immovas the said Act have reason to believe that the miniovable property having a fai rmarket value exceeding Rs. 25,000|- and bearing
No. Flat situated at Nampally, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in Nov. 83

than the fair for an apparent consideration which is less market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. G-19, in 5-8-42, Fathesultan Lane, Nampally, Hyderabad admeasuring 300 sft., registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 5841 83.

M. JEGAN MOHAN . Competent Authority Inspecting Asst. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 30-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

# ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad ,the 30th June 1984

RAC. No. 273|84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

as the sain Act, have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Flat situated at Nampally, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on Nov. 83

for an apparent consideration which is less than the fair marker value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affect that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration and that the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment or any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M|s. Nandanam Construction Co., 5-8-42, Fathesultan Lane, Nampally, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri M. Sivaji, 5-8-42, Nampelly Station Rd., Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat Garrage No. 16 in 5-8-42, Fathesultan Lane, Hyderabad admeasuring 200 aft., registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 5840 83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 30-6-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad the 30th June 1984

RAC No. 272|84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

Flat situated at Nampally, Hyderabad (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Hyderabad in Nov. 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eaght to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely:—

 M|s. Nandanam Construction Co., 5-8-42, Fathesultan Lane. Nampally, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri G. Malla Reddy, 3-6-538, Himayathnagar Hyderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned;—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immlevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as

Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter,

#### THE SCHEDULE

Flat No. B-5 in 5-8-42, Pathesultan Lane, Nampally, Hyderabad admeasuring 250 sft., registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 5838|83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 30-6-1984

(1) Umakaran Tejkaran, 1-10-196/208, Begumpet, Hyderabad.

(Transferor)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

(2) Smt. Sareen Fatima, behind Lady Hydericlub, Hyderabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

may be made in writing to the undersigned :-

Hyderabad the 30th June 1984

RAC. No. 280|84-85.-Whereas, I,

M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Flat situated at Begumpet, Hyderabad

(and more fully described in the scheduled annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1980 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vallabhnagar in Nov, 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer: and /or

(b) faciliating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

Flat No. 14-B in 1-10-196|208, Begumpet, Hyderabad admeasuring 540 sft., registered by the S. R.O., Vallabhnagar vide document No. 3549 83.

THE SCHEDULE

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 30-6-1984

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-tection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (1) Jabbar Real Estates, 54, Netaji Street Secunderabad.

(Transferor)

(2) Smt. N. Radhakrishna Veni, Flat No. 4 in 1-11-252 1, Begumpet, Hyderabad.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad the 30th June 1984

RAC. No. 281 84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000|- and bearing

No. Flat situated at Begumpet, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annxed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Vallabhnagar on 11/83

for an apparent consideration which is less than the fair market vaule of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such appearent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any meome arising from the transfer: andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the usue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely: ---

70-176 GT|84

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHFDULE

Flat No. 4 in 1-11-252 1, Begumpet, Hyderabad admeasuring 350 sft. registered by the S.R.O., Vallabhnagar vide document No. 3470 83.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Date: 30-68984

 Mis. Babu Khan Builders, 5-4-86 to 92, M. G. Road, Secunderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt P. Usha Rani, Plot No. 5, Mehdipatnam, Hyderabad. (Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad the 30th June 1984

RAC. No. 282]84-85.-- Whereas, J. M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and hearing No.

and bearing No.
office situated at Secunderabad
yand more fully described in the Schedule a

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 11|83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given not that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

# THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Office Room No. 346 in 5-4-86 to 92 Secunderabad admeasuring 266 sft., registered by the S. R. O., Hyderabad vide document No. 5789|83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range. Hyderabad (A. P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 30-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad the 30th June 1984

RAC. No. 283/84-85.—Whereas, I. M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Flat situated at Begumpet Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Vallbhnagar in 11]83.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Kum. Shyamala Adolph, 8-2-400[2, Banjara Hills, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri P. F. Fernandoz, Flat No. 2 Sharon Apartments, Umanagar, Begumpet, Hyderabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned...

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said unmovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 2 in 6-3-1216. Begunnet, Hyderabad admeasuring 710 sft., registered by the S. R. O., Vallabhnagar vide document No. 3374/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Date: 30 6 1984

Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad the 30th June 1984

RAC. No. 284|84-85.--Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 - and bearing No. Flat situated at Agapura Hyderabad (and more failly described in the Schodule arrowed bearts)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Doodhowli in 11/83

for an apparent consideration which is less than

the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby intiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

(1) M|s- Bhawani Constructions, Rep. by Mrs. Umadevi Sethi, H. No. 14-1-376, Agapura, Hydernbad.

(Transferor)

(2) Sri Mirza Sadiq Hussain Khan and other, H. No. 10-5-26 A, Masab Tank, Hyderabad. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

#### THE SCHEDULE

Flat No. 7 in Agapura, Hyderabad admeasuring 500 sft., registered by the S.R.O., Doodhbowli vide document No. 1170 83

> M. JEGAN MQHAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Date: 30-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 30th June 1984

RAC. No. 285<sub>1</sub>84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Flat situated at Aghapura Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Doodhbowli in 11/83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-rection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Mls. Bhawani Constructions, Rep. by Smt. Uma Dovi Sethi, H. No. 14-1-376, Agapura, Hyderabad A.P.

(Transferor)

(2) Sri Mirza Sadiq Hussain Khan and Other H. No. 10-5-167/A, Masab Tank, Hyderabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

### THE SCHEDULE

Flat No. 6 in 14-1-376[6, Agapura, Hyderabad admeasuring 650 sft., registered by the S. R. O. ,Doodhbowli vide document No. 1169[83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Date: 30-6-1984

# FORM ITNS-

- (1) M/s. Virgo Construction Co., Rep. by Sri B. N. Reddym R/o. Banjara Hills, Hyderabad. (Transferor)
- (2) Smt Azima Hussain wo Gnulam Hussain, Ro. 5-9-326, Guntoundry, Hyderabad.

(Transferee)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad the 30th June 1984

RAC. No. 286 84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing

No. FLAT situated at Punjagutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

of Registering Officer at Hyderabad in 11/83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesuid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesuid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent

consideration for such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ac, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 33 Virgo Apartments, Punjagutta, Hyderabad admeasuring 520 sft., registered by the S. R. O., Hyderabad vide document No. 5743 83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—

Date: 30-6-1984

(1) Mls. Virgo Constructions Co. Rep. by Sri B. N Reddym Rlo. Banjara Hills, Hyderabad. (Transferor)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt O. Parvathamma wo O. Suri Reddy Flat No. 72, Virgoapartments, Punjagutta, Hyderabad.

### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

may be made in writing to the undersigned-

ACOUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Hyderabad, the 4th July 1984

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

No. 287 84-85.—Whereas, J. M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. Flat situated at Punjagutta Hyderabad

> EXPLANATION: -The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as perdeed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 11/83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor

# THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment or any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (22 of 1957);

Flat No. 72 in Virgo Constructions, Punjagutta, Hyderabad admeasuring 520 sft., registered by the S. R. O. Hyderahad vide document No. 5739 83.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 30-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# (1) Sri Mohd. Jung, 3-5-121 Eden Garden, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Ashfaq Ahmed Khan 22-5-582|5

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 30th June 1984

RAC. No. 288|84-85.—Whereas, 1, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing

No. 16-1-23/3 situated at Saidabad Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Hyderabad on 11/83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 ef 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

House No. 16-1-23|3 Saidabad, Hyderabad admeasuring 430 sft., registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 5807|83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range. Hyderabad (A. P.)

Date: 30-6-1984

Boot :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269C of the said Act, to the following persons, namely:—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX.ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 4th July 1984

RAC No. 289|84-85,—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heremafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Flat situated at Punjagutta. Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Hyderabad in Nov. 83

for an apparent consideration which is less than

the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
71—176GI[84]

(1) M.s. Virgo Constructions, Rep. by Sri B. N. Reddy, Banjara Hills, Hyderabad.

(Fransferor)

(2) Smt. Shyamala Sagar, Wo.D.V.V. Vidyasagar, Flat No. 65, Virgo Apartments, Punjagutta, Hyderabad,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aferesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this netice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FYFIANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 65 in Virgo Apartments, Punjagutta, Hyderabad admeasuring 520 sft., registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 5744[83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 4-7-1984

Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 4th July 1984

RAC. No. 290|84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000 and bearing
No. Flat situated at Punjagutta, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering officer at Hyderabad in Nov. 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :--

(1) M/s. Virgo Constructions, Rep. by Sri B. N. Reddy, Banjara Hills, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. S. Sumati, Wo S. Rajagopal Reddy, Flat No. 62, Virgo Apartments, Punjagutia, Hyderabad.

(Transferer)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used bersin as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 62 in Virgo Apartments, Punjagutta, Hyderabad admeasuring 520 sft., registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 5742 83.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date 4-7-1984

Scal :

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

COMMIS-OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 4th July 1984

RAC. No. 291|84-85.—Whereas, 1, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 |- and

No. Flat situated at Punjagutta, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in Nov. 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said, Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other essets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) M|s. Virgo Constructions, Rep. by Sri B. N. Reddy, Banjara Hills, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri N. S. R. Anjaneyulu, Slo late N. Ramamurthy, Flat No. 63, Virgo Apartments, Punjagutta, Hyderabad

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 63 in Virgo Apartments, Punjagutta, Hyderabad admeasuring 520 sft., registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 5738 83.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-ta-c Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date , 4-7-1984 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 4th July 1984

RAC. No. 292/84-85.--Whereas, I. M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 - and bearing

No. Flat situated at Punjagutta, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Hyderabad in Nov. 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid property as aforesaid exceeds the apparent consideration

therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely; --

(1) M/s. Virgo Constructions, Rep. by Sri B. N. Reddy, Banjara Hills, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Azeema Hussain. Wo Gulam Hussaiu, Flat No. 51 in Virgo Apartments, Punjagutta, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in hie said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EMPLANATION:--The terms and expressions used herein us are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning us given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 51 in Hnd floor of Virgo Apartments, Punjagutta Hyderabad admeasuring 520 sft.; registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 5740-83.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date . 4-7-1984 Seal :

# FORM ITNS...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT ,1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(1) M/s. Saradaw Constructions Pvt. Ltd., 3-6-200, Himayathnagar, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Miss Huda Naaz, Dlo Drs. Mr. & Mrs. Abdul Sattar, 10-3-279, Humayunnagar, Hyderabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 30th June 1984

RAC. No. 293|84-85.....Whereas, I,
M. GEGAN MOHAN,
being the Competent Authority under Section
2691s of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter
referred to as the 'said Act') have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000|- and

bearing No. Flat situated at Himayath Nagar, Hyderabad. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Hyderabad on 11 | 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the ebject of:—

(a) facilitating the reduction or evenion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which sught to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPIANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. edmeasuring 1427 sft. in Arunodaya Apartments, Himayath Nagar, Hyderabad registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 5946]83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Date: 30-6-1984.

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF UNDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 30th June 1984

RAC. No. 294|84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and

bearing Flat situated at Himayath Nagar, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908) (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 11 83

fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the lightlity of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);  Mis. Saradaw Constructions Pvt. Ltd., 3-6-200, Himayath Nagar, Hydarabad.

(Transferor.)

(2) Kum. Y. Sadana Reddy, Dlo Y. S. Anand Reddy, H. No. 5-9-1047, Hyderabad-500 001.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat situated at Himayath Nagar, Hyderabad admeasuring 773 att. registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 5949[83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 30-6-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE, HŸDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 30th June 1984

RAC. No. 295|84-85.--Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 - and

bearing Flat situated at Himayath Nagar, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in 11|83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of ought to be disclosed by the transferee for the 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:— (1) M|s. Saradaw Constructions Pvt. Ltd., 3-6-200, Himayath Nagar, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Pritam Hiranand Dadlani and Other. B-3|F-6, Poonam Apartments, Chiragali Lane, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforetaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat admeasuring 1632 sft., situated at Himayath Nagar, Hyderabad, registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 582183.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Date: 30-6-1984. Scal:

#### FORM I.T.N.S.

(1) Sri Mohd. Jung, 3-5-121, Edon Garden, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Sri Mustaq Ahmed Khan, 22-5-582|3, Chowk, Hyderabad.

(Transferce)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 30th June 1984

RAC. No. 296 84-85,-Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000; and bearing

House situated at Saidabad Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in 11 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of gauster with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, kereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within n period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable preperty, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

House No. 16-1-23|5, Farah Estate, Saidabad, Hyderabad admeasuring 430 sft., registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 5810|83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Date: 30-6-1984.

Scal:

(1) Sri Mohd. Jung, Edon Garden, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961) (2) Sti Ahmed Sayeed Khan, 22-5582|5, Chowk, Hyderabad.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 30th June 1984

RAC. No. 297|84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House situated at Saidabad Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hydenabad in 11|83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—
72—176GI[84]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aferesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

House No. 16-1-23|4, Saidabad, Hyderabad admeasuring 430 sft., registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 5808|83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 30-6-1984.

Scal:

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 30th June 1984

RAC. No. 298|84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter reterred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing bearing Flat situated at Himayath Nagar, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad in 11|83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/er

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 M|s. Sarada Constructions Pvt. Ltd., 3-6-200, Himayathnagar, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. S. A. Harwalkar, 6-3-609|13|1, Anandnagar, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat admeasuring 1018 sft., situated at Himayath Nagar, Hyderabad registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 5945 83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Date: 30-6-1984.

 Saradaw Constructions Pvt., Ltd., 3-6-200 Himayath Nagar, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

 Sri Syed Sadiq alias Fatima Begum, 3-6-207/2, Himayathnagar, Hyderabad-29.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 30th June 1984

RAC. No. 299 84-85.—Whereas, I,
M. JEGAN MOHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the imn-vable property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000; and
bearing Flat situated at Historical National Actions Flat situated at Historical Actions In the Internal Ac

bearing Flat situated at Himayath Nagar, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of, 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in 11 | 83

for an apparent consideration which is less than the fatt market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atcressid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat admeasuring 1403 sft.. situated at Himayathnagar, Hyderabad registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 5950|83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Date: 30-6-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

GOVERNMENT OF INDIA

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 30th June 1984

RAC. No. 300|84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the meome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and

bearing Plat situated at Saidabad, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in 11|83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to occueve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Sri Masood Ali Khan, 1-8-322, Begumpet, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Hafees Sultana, 16-4-236, Chenchalguda, Hyderabad. Hyderabad. Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 16-1-24|E|15, Farah Estate, Saidabad, Hyderabad admeasuring 360 sft., registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 5800|83.

M, JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 30-6-1984:

# FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (1) Sri Mohd. Jung 3-5-121, Eden Garden, Hyderabad,

 (2) Sri Syed Khaja Mohiuddin 3-5-784|1|A, King Kothi, Hyderabad. (Transferor)

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hydegabad, the 30th June 1984

RAC No. 301|84-85.—Whereas, I,
M. JEGAN MOHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000|- and bearing No.
Flat situated at Saidabad, Hyderabad
(and more fully described in the schedule
annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act. 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Hyderabad on November, 1983
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursunace of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforestid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: ...-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat bearing No. 16-1-23|2, Saidabad, Hyderabad admeasuring 360 cft., registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 5804|83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 30-6-1984

Scal:

#### NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

# ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 30th June 1984

RAC. No. 302|84-85.--Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

Flat situated at Saidabad, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Hyderabad on November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the trusfer; and/or ·
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to be the following person namely:-

(1) Sri Mohd. Jung 3-5-121, King Kothi, Hyderabad.

(2) Smt. Mumtaz Nayeem, 23-2-292|2, Mogulpura, Hyderabad.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat bearing No. 16-1-23/6, Saidabad, Hyderabad admeasuring 430 sft., registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 5803|83.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 30-6-1984 Seal :

#### FORM ITNS ....

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 30th June 1984

RAC, No. 303[84-85.--Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

Flat situated at Saidabad, Hyderabad (und more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Hyderabad on November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sri Mohd. Jung 3-5-121, Eden Garden, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Shaikh Noor Mohd. 16-8-584, Malakpet, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

# THE SCHEDULE

Flat bearing No. 16-1-23 9 at Farah Estate, Saidabad, Hyderabad admeasuring 430 sft., registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 5806 83.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, of the following persons, namely :-

Date: 30-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (1) Sri Mohd. Jung 3-5-121, Eden Garden, Hýderabad.

(Transferor)

(2) Smt. S. S. Najeeb 23-2-337, Mogulpura, Hyderabad.

(Transferes)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 30th June 1984

RAC. 304|84-85.—Whereas, J. M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000|- and bearing No.
Flat situated at Salabad, Hyderabad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Hyderabad on Novem'oer, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat bearing No. 16-1-23|7, Saidabad, Hyderabad admeasuring 260 sft., registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 5805|83,

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

New, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 30-6-1984

## FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380-009

Ahmedabad-380 009, the 13th June 1984

Ref No. P.R. No. 3028 Acq.23 1 84-85.—Whereas, I. R. R. SHAH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing Land at S. No. 443. D Plot No. 40, Shanti Niketan Socy.

Plot No. 40, Rajkot

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at Rajkot on 14-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--73---176GI|84

(1) Smt. Binaben Kantilal Shah, 'Mehta Estate, Station Road, Amreli, (Saurashtra).

(2) Bipmchandra Anupchand Sheth, 1|9, Milpara. Rajkot.

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land at S. No. 443. D at Shantiniketan Socy. Plot No. 40 Read, vide R. No. 6647 dated 24-11-1983,

> R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Alimedabad

Date: 13-6-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 13th June 1984

Ref. No. P.R No. 3029 Acq. 23|I|84-85.—Whereas, I, R. R. SHAH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Land at Pruthviraj Plot, Plot No. 279, 280 7245 sq. fr. Land with Shed

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Morvi on 3-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- ta) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (1) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said fact, I hereby initiate proceedings for the accquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Shiv Shakti Oil Industries, Daudi Plot, Morvi, District Rajkot.

(Transferor)

(2) M|s Shandar Mozak Tiles, Pruthiviraj Plot No. 279, 280, -Morvi, District Rajkot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land with Shed at Pruthviraj Plot No. 279, 280 regd. vide R. No. 2909 dated 3-11-1983.

R. R. SHAH

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 13-6-1984.

#### FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)  Ranjanben Gordhadas Manek, 'Matru Ashish', Swastik Socy, Rajkot.

(Transferor)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 2nd June 1984

Ref. No. P.R. No. 3030 Acq. 23|I|84-85.—Whereas, I, R. R. SHAH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000 and bearing

Bldg. at S. No. 477 Shreyas Co.op. Socy. Plot No. 28-B Rajkot

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Raikot on 9-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evanion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) Kahor Darbhai Nagbhai Shreyas Co.op. Socy. Plot No. 28-B Kalvard Road, Rajkot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires late;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used become as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULL

Bidg. at S. No. 477 at Shreyas Co.op Socy. Plot No. 28-B Regd. vide R. No. 6577 dated 9-11-1983.

R. R. SHATI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ah neclabad

Date: 13-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Abmedabad-380 009, the 2nd June 1984

Ref. No. P.R. No. 3031 Acq.23 [1] 84-85,—Whereas, 1, R. R. SHAH. being the Competent Authority under Section 269B of the

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred te as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bear No.

Bldg, at Dari Road, Krishnanagar Plot No. 655 (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of

at Bhavnagar on 11-11-1983

1908) in the office of the Registering Officer

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the sald Act to the following persons, namely :---

- 1. Shambhai Haribhai,
  - Bhimjibhai Haribhai,
  - Shantibhai Haribhai,
    - Dinubhai Haribhai, 655 Dari Road, Krishnanagar, Bhavnagar. (Transferor)
- (2) Alaknanda Co.op, Hsg. Socy. (Proposed).
   I. Mayank Narottamdas Patel
   2. Mansukhlal Jethalal Shastri

  - Bhadreshbhai Bechardas Dave Mahendrakumar Shivlal Vyas
  - Natubhai Iyadan Ghadavi 1309-B-1, Opp. Vradha Ashram, Gnogha Circle. Bhavnagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Bldg. at Krishnanagar Dari Road, Plot No. 655, Regd. vide R. No. 3538 dated 11-11-1983.

> R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Runge-I, Ahmedabad

Date: 2-6-1984 -

Scal

### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Abmedabad-380 009, the 2nd June 1984

Ref. No. P.R. No. 3032 Acq. 23|I|84-85.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and

bearing No.

Land at Krishnanagar Hill Drive Plot No. 2238-B Bhaynagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhaynagar on 8-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fait market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Khimjibhai Gunvantray Kamdar, Power of Attorney— Santoshbhai Gunvantray Kamdar, 'Kundan Kunj', Ghogha Circle, Bhavnagar.

(Transferor)

(2) President:— Shri Radhavji Jivabhai Saraiya, Shree Nath Co.op. Hsg. Socy. Plot No. 2238 A, Hill Drive Road, Bhavnagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FARLANATION: -- The terms and expressions and herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land at Hill Drive Road, Krishnanagar Plot No. 2238-B Bhavnagar, Regd. vide R. No. 3504 dated 8-11-1983.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Anmedabad

Date: 2-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) Shri Vasudev M. Patel,
 Jai Khodiar Society,
 Nava-Vadaj,
 Ahmedabad.

(Transferor)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX. ACQUISITION RANGE,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 2nd July 1984

Ref. No. P.R. 3303 Acq. 23|1|84-85.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No.

F.P. No. 89, T.P.S. 22, situated at Kartik Co.op. Hsg. Socy. Ltd. Paldi, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Ahmedabad on November 1983 which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the

said instrument of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and|or

(b) facilitating the conceelment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);  Shri Navinchandra M. Shah, 11, Darpan Society, St. Zavier's School Road, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said isamovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat adm. 84 sq. yd.—situated at Paldi, Ahmedabad dulv repd. by S.R. Ahmedabad vide sale deed R. No. 10506|Nov. 1983.

R. K. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 2-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-J. 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 2nd July 1984

Ref. No. P.R. No. 3034 Acq. 23/1/84-85.—Whereas, I. R. R. SHAH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

FP No. 602 SP No. 159, TPS. 21 situated at Manek Baug Co.op. H. Socy. Ambawadi (Vasna Sim)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at Ahmedabad in November 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore said exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Savitaben, Anatrai Gandhi, Clo Anatrai, S. Gandhi Ratnam Juhu Scheme, Near Dena Bank, Vileparle (West), Bombay-56.

(Transferor)

1. Smt. Lilavati Rameshchandra Bhatt
 2. Shri Manish Rameshchandra Bhatt
 B-6, Ghan Ganga Flats,
 Dhumketu Marg,
 Paldi,
 Ahmedabad,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective personswhichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land adm. 334.5 sq. mtr. situated at Manck Baug Co.op. Hsg. Socy. Ambawadi, Ahmedabad, duly regd. by S.R. Ahmedabad—sale deed R. No. 16219|Nov. 1983.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-1, Ahmedabad

Date: 13-6-1984,

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONFR OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-580 009

Ahmedabad-380 009, the 2nd July 1984

Ref. No. P.R. No. 3035 Acq.23 [1]84-85.—Whereus, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. No. 25,000 and bearing
FP No. 734—TPS.3—Ground floor flat, situated at Madalpur—
alias—Chbadawad, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Abmedabad on 25-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Waelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Kamlesh Vinodchandra Mehta, 49, Shrimali Socv. Navrangpura, Ahmedabad.

(Transferor)

Shri Vallabhdas Narbheram Soni,
 Smt. Jayaben Vallabhdas Soni
 Dhobi's Pole, Bala Hanuman,
 Gandhi Roud, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat—adm. 91 sq. yd.—situated at T.P.S. 3 Chhadavad—Madalpur—Ahmedabad duly regd. by S.R. Ahmedabad vide sale deed R. No. 16314|25-11-1983.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 2-7-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 2nd July 1984

Ref. No. P.R. No. 3036 Acq. 23|1|84-85.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Bldg. E-29 1st and 2nd floor, F.P. 343, situated at Vasuki Co.op. H. Socy, Vasna, District Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ahmedabad on 21-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
74—176GI[84]

Shri G. K. Chokshi
 Govt. Servant Society. Navrangpura, A'bad.
 Shri V. C. Shan,

Vasuki Socy. Vasna, Ahmedabad.

 M|s Savitaben Associates, 'Haridarshan' Parimal Rly, Crossing, Paldi, A'bad,

(Transferor)

(2) Shri Pranlal Trambaklal Shah, E-29, Vasuki Co.op. H. Socv. Vasana—A'bad,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Bldg. having total built up area 131.90 sq yd. situated at Vasana, Ahmedabad, duly regd, by S.R. Ahmedabad vide sale-deed R. No. 16083|21-11-1983.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 2-7-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 2nd July 1984

Ref. No. P.R. No. 3037 Acq.23|I|84-85.—Whereas, I, R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

F.P. No. 44—S.P. No. 2—T.P.S. 4—Rajpur-Hirpur, situated at Swaminarayan Colony, Maninagar, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Ahmedabad on 1-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Vadilal Ambalal Patel,
 Swaminarayan Colony,
 Rambaug Road,
 Ahmedabad.

(Transferor)

(2) 1. Shri Subhashchandra Chhaganlal

 Smt. Ushaben Pradipkumar No. 2, Swaminarayan Colony, Rambaug Road, Ahmedabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Bldg. standing on land 400 sq. yd. situated at Maninagar, Ahmedabad duly regd. by S.R. Ahmedabad, vide sale deed R. No. 15240]1-11-1983.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 2-7-1984,

#### FORM LT.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 2nd July 1984

Ref. No. P.R. No. 3038 Acq.23[I]84-65.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, -r.961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

FP No. 19 paiki S.P. No. 56 paiki Southern side Bunglow No. 142, situated at Shaikhpur Khahpur—Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

at Ahmedabad on November 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or avasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Smt. Sumitraben Vasudev Shukla
  - 2. Shri Rushi Keshav Vasudev
  - 3. Shri Maharshi Vasudev
  - 4. Smt. Ambica Vasudev
  - Shri Mukesh Vasudev All @ Sardar Patel Colony, Near Stadium, Navrangpura, Ahmedabad-380 014.

(Transferor)

(2) Shri Viren Chhotalal Thakkar, Bunglow No. 142, Sardar Patel Colony, Near Stadium, Navrangpura, Ahmedabad-380 014.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Building situated at T.P.S. 19 S.P. 156 paiki FP 19 situated at Sardar Patel Colony, near Stadium Navrangpura, Ahmedabad duly regd. by S.R., Ahmedabad vide sale deed R. No. 12492 November 1983.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I. Ahmedabad

Date: 2-7-1984.

M|s Asian Engineering Works, 211|22—Gujarat Vepari Mahamandal Audhyogic Sahakari Vasahat, Odhav, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) M|s Rolstrips (India), 214. Gujarat Vepari Mahamandal Audhyogic Sahakari Vasahat, Odhav, Ahmedabad.

(Transferee)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 2nd July 1984

Ref. No. P.R. No. 3039 Acq.23|1|84-85.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Shed S.P. No. 214 R.S. Nos. 67-70, 75 & 123 situated at

Odhay, District Ahmedabad.
(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred in the Office of the registering Officer at

Ahmedabad on 26-11-1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

HIPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Shed standing on land adm. 1100 eq. yd.—situated at Odhav, Ahmedabad, duly regd. by S.R. Ahmedabad, vide sale deed R. No. 16326|26-11-1983.

R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1. Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 2-7-1984.

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, 1:ANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 2nd July 1984

Ref. No. P.R. No. 3040 Acq. 23|I|84-85.—Whereas, I, R. R. SHAH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing

S. No. 110—TPS. 12 Open land situated at village Rakhial, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under as per the intimation vide 37EE form in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 2-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

(1) Shri Anil Starch Products Ltd. Anil Road, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Shri Ramunbhai Mohanbhai Patel. 27, Prabhuvir Socy. Bapunagar, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Open plot of land situated at village Rakhial Ahmedabad, intimution received as per 37EE form received in the office of the undersigned on 2-11-1983.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I. Ahmedabad

Date: 2-7-1984.

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

SIONER OF INCOME-TAX.

Ahmedabad-380 009, the 2nd July 1984

Ref. No. P.R. No. 3041 Acq. 23/I/84-85.—Whereas, I. R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing FP No. 130 S.P. No. 130 1, TPS. 26 S. No. 88 & 115 situated

FP No. 130 S.P. No. 130 1, TPS, 26 S. No. 88 & 115 situated at Vasna, Maktampara, District Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred registered under the Registration Act

has been transferred registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 25-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt Nirupama Prafulchandra Mody, Sutaria Bldg. Ellisbridge, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Shri Nilay S. Shah, Chairman of Prem Vardhak Aptt. Owners Asson. 11, Dharnidhar Socy. Near Vikas Grah, Paldi, Ahmedabad-380 007.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of, 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land with plinth situated at Vasana District Ahmedabad duly regd. by S.R. Ahmedabad vide sale-deed R. No. 7606] 25-11-1983.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range I, Ahmedabad

Date: 2-7-1984.

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1, 2ND FLOOK, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 3rd July 1984

Ref. No. P.R. No. 3042 Acq. 23 [1]84-85.—Whereas, I, R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

FP No. 325-A-2 paiki TPS, 19 situated at Kalpama Apartment @ G.F. Shaikhpur Khanpur alias Navrangpura. Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the office of the registering Officer at Ahmedabad on 9-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability ef the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);  Shri Maheshbhai Kantll@al Sonl. 1223, Rupa Surchandni Pole. Madan Gopal's Haveli, Manek Chawk, Ahmedabad.

(Transferor)

- (2) 1. Kaushikkumar Babulal Chokshi,
  - Vipulkumar Babulal Chokshi both @ 3/6, Himalaya Park, Ashram Road, Near Income-tax Office, Ahmedabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Jazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

#### THE SCHEDULE

Flat—adm. 118 sq. yd.—situated at Shikhpur Khanpur—alias—Navrangpura, Ahmedabad—duly registered by S.R. Ahmedabad vide sale-deed R. No. 15594|9-11-1983.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 3-7-1984.

#### FORM I.T.N.S .-

## NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 2nd July 1984

Ref. No. P.R. No. 3043 Acq. 23|I|84-85.—Whereas, I. R. R. SHAH, under Section 269B of the Income-tax Act, '1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing F.P. No. 52-B-4, situated at 7, Elephanta Socy. Naranpura

Char Rasta, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

at Ahmedabad on 18-11-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eaght to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dhanlaxmi Ramkrishna Patel,
 Clo Bhavnaben Ashwinbhai Parikh
 Elephanta Socy, Naranpura Char Rasta,
 Ahmedabad-13.

(Transferor)

 Smt. Bhavnaben Ashwinbhai Parikh,
 Shri Ashwinbhai Ramanlal Parikh
 Elephanta Soc. Naranpura Char Rasta, Ahmedabad-380 013.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Tenament No. 7 situated at Elephanta Socy. Naranpura Char Rasta, Ahmedabad duly regd. by S.R. Ahmedabad vide sale deed R. No. 15987 18-11-1983.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Abmedabad

Date: 2-7-1984.

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 2nd July 1984

Ref. No. P.R. No. 3044 Acq. 23[1]84-85.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the improvable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 76—92 paiki (Flat) situated at Vasana, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Ahmedabad on 16-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) fucilitating the concealment of any income or any monays or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, ramely:—

75--176GI[84

 Shri Jagdishbhai Jayantilal Shah, 1238, Rupa Surchand's Pole, Near Madan Gopal's Haveli, Ahmedabad.

(Transferor)

- (2) 1. Mayur Babulai Shah
  - Shri Rekha Mayur Shah Both @ 35, Bansidhar Society, Sarkhej Road, Near Bhattha, Paldi, Ahmedabad,

(Transferee

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given at that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat adm. 89 sq. yds. situated at Vasana, Ahmedabad duly regd. by S.R. Ahmedabad vide sale deed R. No. 15890| 16-11-983.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 2-7-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM . HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 3nd July 1984

Ref. No. P.R. No. 3045 Acq. 23|I|84-85.--Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing F.P. No. 320, T.P.S. 3 Changispur situated at Mithakhali,

Ellisbridge, Ahmedabad,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 18-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, end/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1927);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Smt. Kekhaben Harendrabhai Gandhi Pallavi Park Apartment, B-5, Navrangpura, Opp. Municipal Market. Ahmedabad-380 009,

(Transferor)

(2) C.A. Galia Kotwala & Co. 125, Nagindas Master Road, Fort, through Regional Directors. Shri Pankajbhai Babubhai Khandwala Co G. A. Galiakotwala & Co. Pvt. I.td. Kapasia Bazar, Near Kishore Cold Drink, Kalupur, Ahmedabad.

(Transferee

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said unmovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION .- The terms and expressions used hereir as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat adm, 136.57 sq. yd. situated at Mishakhall Ahmedabad, duly regd. by S.R. Ahmedabad vide sale deed R. No. 15991 18-11-1983.

R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range I, Ahmedabad

Date: 3-7-1984

#### FORM LT.N.S.-

 Smt. Kusumben Dharmadas Dalal
 Navjivan Flats Navjivan Co-op.
 H. Socy. Ltd.) 6th Floor. 20. Napeansce Road, Bombay-400 006.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 2nd July 1984

Ref. No. P.R. No. 3046 Acq. 23/J/84-85.--Whereas. I. R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-movable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000]- and bearing
S. No. 350, 351, 353, 354|1, 354|2, 357, 355, 360|3|A, 360|3|B, 360 & 360-B, SP No. 18, situated at Lad Co.op. H. Socy. Bodakdev, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer at Ahmedabad on 18-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transf as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (2) Shri Bhupendra Shantilal Shah. Near Maharashtra Socy. Law College Road. Ellisbridge, Ahmedabad-380 006.

(Transferee

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land (with Plinth) adm. 400 sq. yd.—@ Bodakder District—Ahmedabad duly 1egd by S.R. Ahmedabad, vide sale deed R. No. 15980 18-11-1983.

> R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I. Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely: ---

Date: 2-7-1984.

#### FORM ITNS----

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 2nd July 1984

Ref. No. P.R. No. 3047 Acq.  $23|\mathbf{i}|84-85$ .—Whereas, I. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000|- and bearing

RS. No. 63-4 paiki S.P. No. 17, T.P.S. 19 (Memnagar) F.P. 234A proposed situated at Shaikhpur-Khanpur, Ahmedabad (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad in November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) 1. Bharat yoti Vasudev Joshi---wife of Shri Bipin Mohanprasad Desai.

 Jyotibala Vasudev Joshi both Clo Shri Jyotibala Vasudev Joshi being power of Attorney Holder
 Sanjay Park, Near Rly. Crossing, Ambawadi, Ahmedabad.

(Transferor)

 Shri Dharmendra Labhshankar !oshi both near Punit Ashram,
 Besides State Bank of India,
 Behind Balwatika, Maninagar, Ahmedabad.
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land adm. 442 sq. vd.—situated at Shalkhpur-Khanpur alias Navrangpura Ahmedabad, duly regd. by S.R. Ahmedabad vide sale deed R. No. 14659 November 1983.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 2-7-1984,

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 2nd July 1984

Ref. No. P.R. No. 3048 Acq. 32[1]84-85.--Whereas, J, R. R. SHAH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

FP No. 17-A, situated at C-10-1 Lotus Socy. Ashram Road, Opp. Gujarat Vidyapith, Ashram Road, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Ahmedabad in November 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the sequisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following person, namely:—

Smt. Kishanibai Hasanand
 Shri Hasanand Sunderdas,
 Clo Shri Manoharlai Bhairajmal Nathani,
 C-10-1, Lotus Socy. Opp. Gujarat Vidyapith.
 Ashram Road, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Shri Manoharlal Bhojrajmal Nathani, C-10-1, Lotus Socy. Ashram Road, Opp. Gujarat Vidyapith, Ashram Road, Ahmedabad.

(Transferee

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat adm. 111 sq. yd.—situated at Ashram Road, Ahmedabad, duly regd. by S.R. Ahmedabad vide sale deed R. No. 9470 November 1983.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 2-7-1984.

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 3rd July 1984

Ref. No. P.R. No. 3049 Acq.23 [I]84-85.—Whereas, I, R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Bldg. at Kotecha Nagar, S. No. 443 Plot No. 85, Kelavad, Raikot

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at Rajkot on 3-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sand Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

Smt. Pushpaben Prakashbhai Punjani,
 Krishna Kunj, Yogi Darshan Socy.
 Kalavad Road, Rajkot.

(Transferor)

(2) Sh. Jerajbhai Jadavbhai Patel, Smt. Hemkunvarba Jerajbhai Patel 'Matru Chhaya', 85, Kotecha Nagar, Sheri No. 8, Rajkot.

(Transferee)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Bldg. at Kotecha Nagar Sheri No. 8, Plot No. 85, regd. vide R. No. 6541 Dt. 3-11-1983.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Ahmedabad

Date: 3-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 3rd July 1984

Ref. No. P.R. No. 3050 Acq.23 [I]84-85.—Whereus, 1, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. Bldg. at Raiyya S. No. 466 Plot No. 68 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of in the office of the registering Officer.

in the office of the registering Officer
1908) in the office of the registering Officer
at Rajkot on 10-11-1983
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

(1) Sh. Sureshbhai Narottamdas Shah, Manavadar, Dlst. Junagadh (Saurashtra).

(Transferor)

(2) Sh. Himatlal Jagjivan Dhorda, Gandhigram 'Vallabhalaya' Raikot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Bldg. at Rajkot S. No. 466 Plot No. 68 Regd. vide R. No. 4987 Dt. 10-11-1983.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

Date: 3-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 3rd July 1984

Ref. No. P.R. No. 3051 Acq.23[I]84-85.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing Bldg. at Jamnagar Digvijay Plot Sheri No. 61, Main part 'H' Jamnagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at 1908) in the office Jamnagar on 2-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:— Sh. Soni Maganlal Pragjibhai Moti Matli, Tal: Kalavad, Dist. Jamnagar.

(Transferor)

(2) 1. Shri Odhavji Ratilal 2. Sh. Hansha Odhavji 61, Digvijay Plot, Jamnagar.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in the

#### THE SCHEDULE

Bldg, at Jamnagar Digvijya Plot Sheri No. 61 Regd, vide R. No. 3290 Dt 2-11-1983.

> R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Ahmedahad

Date: 3-7-1984

### FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(I) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMF-TAX ACQUISITION RANGE-I

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD. AHMFDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 4th July 1984

Ref. No. P.R. No. 3052  $\Lambda$ cq.23|I|84-85.—Whereas, I, R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

S. No. 314 paiki situated at Hathijan Dist. Ahmedabad (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred

under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ahmedabad on 10-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more that fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other saver which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons namely:—
76—176G184

 Shri Gefurbhai Odhabhai Rabari, Village: Hathijan Tal: Dascroi, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Sukhlal Nagar Co-op H. Socy. Chairman: Shri Jagdishbhai Sukhlal Pandya, Vagheshwari Socy. Ghodasar, Maninagar, Ahmedabad.

( Fransferee )

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land adm. 13997.98 sq. yd. paiki 314 S. No. situated at Village—Hathijan, Ahmedabad, duly regd. at S.R. Ahmedabad vide R. No. 14236|1-11-83.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Ahmedabad.

Date: 4-7-1984

Scal -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 5th July 1984

Ref. No. P.R. No. 3053 Acq.23/I/84-85.--Whereas, I, R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

FP No. 398 T.P.S 3 Ellisbridge. Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been reed, as per intimation in form No. 37EE in the office of the undersigned at Ahmedabad & regd in Nov. 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Monolith Construction Pvt. Ltd. 11-12, Jupiter Apartment, Sardar Patel Nagar, Ellisbridge, Mithakhali side, Ahmedabad.

(Transferor)

 Chemicals & Auxiliaries Services P. Ltd. 15-18, National Chambers, 2nd Floor, Ashram Road, Ahmedabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gezette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Office premises—F.P. No. 398 TPS. 3 situated at Ellisbridge, Ahmedabad intimation recd. as per 37-EE form filed on 27-9-1983 which is regd. in the office of the undersigned in the month of November, 1983.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Ahmedabad

Date: 5-7-1984

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(1) Monolith Construction Pvt. Ltd. 11-12, Jupiter Apartment, Sardar Patel Nagar, Ellisbridge, Mithakhali side, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Gujchem Distiliers India Ltd, 6-7-8, 2nd Floor, National Chambers, Ashram Road, Ahmedabad.

(Transferee)

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 5th July 1984

Ref. No. 3054 Acq.23|I|84-85.—Whereas, I, R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

FP No. 398, T.P.S. 3 Ellisbridge, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been reed, as per intimation in form No. 37EE in the office of the undersigned at Ahmedabad & regd in Nov. 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Office premises—F.N. No. 398, TPS. 3 situated at Ellisbridge, Ahmedabad, intimation recd. as per 37EE form filed on 27-9-1983 which is regd. in the office of the undersigned in the month of November, 1983.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Ahmedabad

Date: 5-7-1984

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 6th July 1984

Ref. No. P.R. No. 3055 Acq.23|I|84-85.—Whereas, I R. R. SHAH.

being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No. Office Bidg. at Canal Road, Param Prakash Aptt. Rajkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Rajkot on 9-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the serties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other essets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings or the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-vection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M|s. Krishna Builders, Rajkot C|o Shri Savdas Haribhai Patel,—Partner M-162, Gujarat Housing Board, Kalavad Road, Rajkot.

(Transferor)

(2) Dr. Siddarth, C. Patel, Param Prakash Apartment, Kenal Road, Rajkot,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid person within a period on 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Bldg, Office at Param Prakash Apartment Kenal Road, Rajkot regd. vide R. No. 6588 Dt. 9-11-83,

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Ahmedabad

Date: 6-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 7th July 1984

Ref. No. P.R. No. 3056 Acq.23[I]84-85.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No. Kishorsinhii Road. Center Point Office Bldg. Rajkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Raikot on 2-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforeand exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the cansideration euch transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Dilipkumar Hanshraj Morzaradia, 4. Jagnath Plot, Raikot.

(Transferor)

- (2) 1. Bhartiben Dilipkumar
  - 2. Riteshkumar Dilipkumar
  - 3. Shishir Dilipkumar
  - 4. Jayendra Hansraj

  - 5. Bekhaben Jayendrabhai6. Gaurang Jayendrabhai Guardian Jayendrabhai Hansraj
  - 7. Nil Javendra
  - Harshad Hansraj
     Niraj Harshadbhai

  - Nimesh Harshadbhai
     Suresh Hansraj

  - 12. Ushaben Vasantlal 4, Jugnath Plot, Rajkot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period empires later:
- (b) by any other person interested in the anid immovable preperty, within 45 days from date of the publication of this notice in the the Official Ganette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Bldg. at Kishorsinhji Rd. Centre Point, Rajkot regd. vide R. No. 6530 2-11-1983.

> R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Ahmedabad

Date 7-7-1984 Seal:

#### FORM ITNS ...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 31st May 1984

Ref. No. P.R. No. 2839 Acq.23|II|84-85.—Whereas, I. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

and bearing
S. No. 113-1-2 situated at Jetalpur, Baroda
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transforred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Baroda on 28-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and just
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the and Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Indiraben Suryakant Patel
 Daji Colony, Sangam High School, Ahmedabad.

2. Maniben Ambalal Patel Tandalja Farm, Baroda.

(Transferee)

(2) Smt. Nirmalaben Sadarangani, 'Shree Krupa' Alkapuri, Baroda.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the eard property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land at Jetalpur S. No. 113-1-2 adm. 468 sq. mtr. Document for transfer of property regd. with S.R. Baroda under No. 8280 Dt. 28-11-1983.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, of the following persons, namely:—

Date: 31-5-1984

Sear :

FORM I.T.N.S.——

(1) Patel Keshavlal Nathalal Jal Chok, Patan.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II,

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 31st May 1984

Ref. No. P.R. No. 2840 Acq.23|II|84-85.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. R.S. No. 241|2 situated at Patan (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Patan on 24-11-1983 Registering Officer

for an apparent consideration which is less market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apperent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(2) Zaveri Corporation,
 Clo Soni Shantilal Parshottamdas Kumboli,
 Tal: Chanasma, Dst. Mehsana.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires late;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land at Patan R.S. No. 241|2 adm. 4518 sq. mtr. Document for transfer of property regd. with S.R. Patan under No. 2237. Dt. 24-11-83.

> R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad

Date: 31-5-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD. AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 2nd July 1984

Ref. No. P.R. No. 2841 Acq.23|II|84-85.—Whereas, I, R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000|- and bearing No. R.S. No. 1999, 2000, 2012, 2013 situated at Anand. (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 16 of 1908) in the Office of the registering Officer at Anand on 18-11-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay an under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

(1) 1. S[Shri Chavda Babubhai Mathurbhai

2. Manchaben Babubhai Kailas Farm, Anand,

(Transferors)

(2) 1. S|Shri Kiritbhai Ambalal Patel 2. Jitendra Jasbhai Patel, Amul Dairy Road, Arya Nagar, Anand.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovble property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EVPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land at Anand R.S. No. 1999, 2000, etc. adm. 4653 sq. mtr. Document for transfer of property regd. with S.R. Anand under No. 4658 Dt. 18-11-1983,

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Incometax
Acquisition Range-II.
Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 2-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedahad-380 009, the 4th July 1984

Ref. No. P.R. No. 2842 Acq.23 [11] 84-85.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a faiir market value exceeding Rs. 25,000 and bearing Rs. No. 532 Plot No. 72 situated at Baroda

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registrering Officer at Baroda on 30-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, theretore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :— 77—176GI[84

(1) Swastik Land & Corporation
Clo 1. Krishnakant Jayantilal Patel
2. Jyotiben Manharlal Patel
3. Harish Shantilal Patel Vadi, Rangmahal, Baroda.

(Transferors)

(2) 1. Shri Pramthes Nanakhhai Patel 2. Shri Anirudh Nanakbhai Patel Swastik Apartment, Vishwas Colony, Alkapuri, Baroda.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used charcein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter,

## THE SCHEDULE

Flat at Swastik Apartment R.S. No. 532 of Baroda adm. 960 sq. ft. Document for transfer of property regd. with S.R. Baroda under No. 8322 Dt. 30-11-1983.

R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-11,

Date & 4-7-1984. Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 4th July 1984

Ref. No. P.R. 2843 Acq.23 [11] 84-85.—Whereas, I, R. R. SHAH,

teing the Competent Authority under Section 269B of the lucome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the

inmovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000; and bearing No. R.S. No. 532 Plot No. 72 situated at Baroda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Baroda on November 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between

the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Swastik Land & Corporation
Clo 1. Krishnakant Jayantilal Patel, 2. Jyotiben Manharlal Patel, Vadi, Chheli Pole, Baroda.

(Transferor)

(2) 1. Shri Rasiklal Nandlal Kamani, 2. Smt. Pragnaben Rasiklal Kamani, Swastik Apartments, Vishwas Colony, Alkapuri, Raroda

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat at Swastik Apartment Baroda admeasuring 960 sq. ft. Document for transfer of property registered with S.R. Baroda under No. 8139 dated 21-11-1983.

> R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 4-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 4th July 1984

Ref. No. P.R. No. 2814 Acq.23|II|84-85.--Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that

the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

T.P.S. 2 F.P. 18, Anand

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Anand on 24-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evaluate of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Narsinbhai Lakhabhai Patel. Kasujuni Khadki, Nana Adadh. Anand.

(Transferor)

(2) Sahyog Co-operative Society (Proposed), Clo Shri Joseph M. Contractor, Arnul Dairy Road, Anand.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land at Anand T.P.S. 2 F.P. 168 adm 387 sq. mtr. Document for transfer of property registered with S.R. Anand under No. 4718 dated 24-11-1983.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 4-7-1984

## FORM TINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OPPINE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER ...: OPPINCOME-TAX

ACQUIȘITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

to poiss Antibuta ad \$8000, the 4th July 1984 Ref No. 1844 Acq.23 I 84-85.—Whereas, I,

R. R. HAH viscoper on being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 28 (100) and bearing

R.S. to 1653, similarly at Dengam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Degham on 1-11-1983

for any apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- indicating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afor said property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, mannely:—

Shri Ramanbhai Govindbhai Amin,
 Shri Kantibhai Govindbhai Amin,
 Amin Vas, Dehgam,
 Distt. Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Kalpnanagar Co-operative Society (Proposed),
C|o. I. Kalpit Kantilal Bhatt
2. Amin Pareshkumar Ravjibhai,
3. Kusumben Chimubhai Shah,
Dehgam,
Distt. Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property be may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land at Dehgam S. No. 1652 admeasuring A. 3 G. 9 Document for transfer of property registered with S.R. Dehgam under No. 951 dated 1-11-1983.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 4-7-1984

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 4th July 1984

Ref. No. P.R. No. 2846 Acq.23|II|84-85.—Whereas, I, R. R. SHAH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Ward No. 1 Flat Adm. 750 sq. ft. situated at Nanpura situated at Swarajpuri Road, P.O. Dist. Gaya (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Surat in November 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforestid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Surat on November, 1984

(1) Indravadan Kantilal Rajeshwar Apartment, Nampura, Surat.

(Transferor)

(2) Smt. Sumanben Ishwarlal Modi, Divya Manual Society, Surat, Nanoura,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette-

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

The Flat at Triveni Apartment—Nanpura Suret adm. 570 sq. ft. The document is registered at S.R. Surat vide No. 7114 November, 1983.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II. Ahmedabad

Date: 4-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 4th July 1984

Ref. No. P.R. No. 2847 Acq.23 [II 84-85.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000and bearing No.

Plot No. 30 G.I.D.C. Vani, S. No. 812, 791, 792, 793

situated at Vapi

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pardi on Nov 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); M|s. Vinayak Chemicals, Plot No. 30, G.I.D.C. Estate, Vapi, Tal. Pardi.

(Transferor)

(2) Kabra Extrusion Technik P. Ltd., 31, Shah Industrial Estate Off Veera Desai Road, Andheri West, Bombay-400058.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pub-lication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

The Property situated at Vapi G.I.D.C. S. No. 812, 791, 792, 793. The Document is registered at S.R. Pardi vide No. 1644 Nov. 1983.

> R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Mow, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the affectacid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 3-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961).

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACOUISITION RANGE-II. 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE. ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 3rd July 1984

Ref. No. P.R. No. 2848 Acq.23[11]84-85,---Whereas, 1, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing R.S. No. 41 1 situated at Desara Billimora

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Regsitration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Gandevi on 28-11-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Apt, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

(1) 1. Shri Subhashchandra Harishankar Dave. 2. Shri Rameshchandra Harishankar Dave, Beside Post Office, Desara Road, Billimora, Tal. Gandevi.

(Transferor)

(2) Shivshakti Co-operative Housing Society, Organisor-1. Shri Mohanbhai Bhaisabhai Patel At Davsar-Ambaji Mata Mohalo, Tal Gandevi. 2. Shri Ishwerbhai Raviibhai Patel. At Billimora Gaher Baug, Mahadev Nagar, Tall Gandevi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

The land is situated at Desara R.S. No. 411, admeasuring 32. The Document is registered at S.R. Gandevi vide No. 1250 dated 28-11-1983.

> R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 3-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 2nd July 1984

Ref. No. P.R. No. 2849 Acq.23 [11] 84-85.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No. Ward No. 12 Nondh No. 616 near Keshav Chamber, Rani Talay Main Road

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Surat on November 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforcasid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

 Mr. Noshir Phiroz Shaw Chinawala,
 Mrs. Dinar Noshir Chinawala,
 12 623 A Kala-ni-Vakhar Rani Talav, Main Road, Surat,

(Transferor)

(2) Mrs. Satyavati Devi Guruprasad Agarwal, 12|616, Kala-ni-Vakhar, Near Keshav Chamber, Rani Talav, Main Road, Surat.

(Transferec)

Objections, if any, to the aquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

The property is at Ward No. 12 Nondh No. 616 adm. 61 sq. yards for each floor. The Document is registered at S.R. Surat vide No. 8339[November 1983.

R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range II Ahmedabad

Date : 2-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIGNER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 3rd July 1984

Ref. No. P.R. No. 2850 Acq.23[II]84-85.—Whereas, I, R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 296B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sakl Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000-and hearing

Nondh No. 1056 situated at Laxmi Bhavan First floor near Adarsh Society Athwa Lines—Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Surat on November 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than diffeon per consideration and that the consideration for such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act,
  in respect of any income arising from the transfer;
   and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—78—176GI 84

 M|s. Sweet Home Orga nlsors, Partner Maganbhai Narotambhai Patel, 63, Narmad Nagar Society, Athwa I ines, Surat.

(Transferor)

(2) Shri Pritamsingh Mahasingh Arora, Smt. Jagdishkumari Pritamsing Arora, Laxmi Bhavan, First Floor, Athwa Lines, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
  45 days from the date of publication of this notice
  in the Official Gazette or a period of 30 days from
  the service of notice on the respective persons,
  whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

The property is at Athwa Lines Nondh No. 1056 adm, 1280 sq. ft. The Document is registered at S. R. Surat vide No. 7116 November, 1983.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Competent Authority
Acquisition Range-II, Ahmedbad

Date: 3-7-1984

Scal:

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380 009, the 3rd July 1984

Ref. No. P.R. No. 2851 Acq.23 [II] 84-85.--Whereas, I, R. R. SHAH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding s. 25,000|- and

bearing No. Ward No. 8 Nondh No. 2186-B, 2187-B situated at Dimpal Apartment Gopipura

Jaguvallabh Ni Pole-Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Surat on 24-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under aubsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

1. Ushaben Pravinchandra Swami Near Bhatar Jakat Naka Bhatar oad, Surat.

Gitaben Jagdishchandra Swami Sagrampura-Surat,

3. Hansaben Chandrakant Swami Dayaram Muvalani Sheri-Sagrampura-Surat.

4. Girishchandra Harilal Swami— 2|4045—Sagrampura—Opp. Sachin House— Surat.

(Transferors)

(2) Shakuntala Rani Ramanlal Malhotra Gopipura-Sangadiawad-Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetto.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

The property is situated at Dimple Aptt. Ward No. 8 Nondh No. 2186-B, 2187-B adm. 832 sq. ft. The document is regd. at S.R. Surat vide No. 10701 Dt. 24-11-83.

R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date: 3-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

K. Vasudev Rao
 Flat No. 506 'Shole'
 5th Floor, Seven Bunglow,
 J. P. oad, Anderi West—hBombay.

(Transferor)

(2) M/s Anant Industries 42, 43 Near Jail Khatodara—Surat.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmcdabad-380 009, the 3rd July 1984

Ref. No. P.R. No. 2852 Acq.23 | 11 | 84-85.—Whereas, I, R. SHAH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing

No. Flat No. B-16 Himani Aptt. Near Majura Gate—Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Surat on 18-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said Immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or others assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

The flat is at Himani Aptt. Near Majura Gate adm. 675 sq. ft. The document is regd. at S.R. Surat vide No. 9853 dt. 18-11-1983.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 3-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 5th July 1984

Ref. No. P.R. No. 2853 Acq. 23|11|84-85,--Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000|- and bearing No.

905 Shree am Apit. Nanpura

Athugar Street-Surat.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). Form No. 37EE is filed

has been transferred'

under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the undersigned in Nov. 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) M/s Shree Ram Aptt. Co.op. Hsg. Socy. Ltd. 1/864, Athugar Street Timalia Wad Nanpura—Surat.

(Transferor)

(2) Savaji Ramji Ahas Babu Ramji Tank 905 Rajeshwar Aptt, Nanpura—Athugar Street. Surat.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLIBITION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

The Flat is situated at Rajeshwar Aptt. Nanpura Surat. Form No. 37EE is filed in the office of undersigned in Nov.

> R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Ahmedabad.

Dated: 5-7-84

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II. AHMEDABAD

Abmedabad-380 009, the 5th July 1984

Ret. No. P.R. No. 2854 Acq. 23/II/84-85.--Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing Flat No. 14 S. No. 1933 Nondh No. 2 situated at Majurn Gate—Surat

fand more fully described in the Schedule annexed hereto), has Form No. 37EE is filed in the office of the undersigned on Nov. 83

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer, andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M<sub>|8</sub> J. J. Enterprises 2|3728 Navsari Bazar, Main Rd. Surat.

(Transferor)

(2) Shri Vinod Z. Vasa 292, Carnac Road Dhobi Talav Bombay-400 002.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the soid immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

The flat is situated at Majura Gate Flat No. 14 3rd floor. Form No. 37EE is filed in the office of the undersigned in Nov. 1983.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabád.

Dated: 5-7-84

## FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

 M[s Ahmedbhai Hasanbhai Juna Dadar Anand,

(Transferor)

(2) Sh. Krishnakant Gokaldas Patel R.K. Block, Tagore Road, Anand.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 5th July 1984

Ref. No. P.R. No. 2855 Acq.23 | II | 84-85.—Whereas, I, R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to beleive that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.0001- and bearing No.

Rs. 25,000 and bearing No. No. T.P.S. 3 F. P. No. 193 situated at

Anand

Anand on Nov. 83

and/or

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

respect of any income arising from the transfer;

Objections if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDELE

Land at Anand T.P.S. 3 F.P. 193 adm. 1960 sq. mtr. Document for transfer of property regd. with S.R. Anand under No. 4519|28-10-83 37G reed. in Nov. 83 batch.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-

ing persons, namely :--

Dated: 5-7-84

Scal:

# (1) M/s Ajanta Shopping And Textile Arcade Ring Road, Surat.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Ramnivas Ramjivan Kasad At P.O. Parda Dist, Ahmed Nagar, Maharastra State.

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 5th July 1984

Ref. No. P.R. No. 2856 Acq.23 | 11 | 84-85.—Whereas, 1, R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

able property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000|- and bearing Ward No. 3 Nondh No. 2885-D

Office No. 618 Ajanta Shopping and Textile Anked Surat Ring Road, Surat

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has Form No. 37EE submitted in the Office of the undersigned in Nov. 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovble property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property is situated at Ajanta Shopping and Textile Arcade 37EE is filed in Nov. 83 in the office of the undersigned.

R, R, SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 5-7-1984

Seal.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# 1. Pankajkumar Natwarlal Patel 2. Rekhaben Sunilkumar At Althan Tal, Choryashi Surat,

(Transferor)

(2) 1. Hiralal Khushaldas Mistry2. Lilavatiben Hiralal Mistry

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

# ACQUISITION RANGE-11, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 7th July 1984

Ref. No. P.R. No. 2857 Acq. 23 II 84-85.—Whereas, I, R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000, and bearing Ward No. 1 Nondh No. 1056
Nanpura Radhika Aptt. Flat No. 101 Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 21-11-83 for an apparent consideration which is less than the fait market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than ficteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) cacilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act.

whall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

The flat is situated at Ward No. 1 Nanpura Nondh No. 1096 Radhika Apir. Flat No. 101 Adm. 588 sq. ft. The document is regd. at S.R. Surat vide No. 10637 dated; 21-11-1983

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II. Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Ast, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Thite: 7-7-1984